भारतीय प्रौद्योगिकी
संस्थान गांधीनगर

IITGN

वार्षिक प्रतिवेदन

2022-2023

वार्षिक प्रतिवेदन | www.iitgn.ac.in

विषय
तालिका

दृष्टि, ध्येय एवं मूल्य	03
निदेशक की कलम से	04
संगठन	06
शैक्षणिक	12
छात्र मामले	24
अनुसंधान और विकास	44
बाह्य मामले	92
पुरस्कार और मान्यताएँ	100
आउटरीच गतिविधियां	105
आयोजन एवं गतिविधियां	111
परिसर	122
संस्थान को सहयोग	126
लोग	144
पूर्व छात्र संबंध	156

दृष्टि, ध्येय एवं मूल्य

मूल विशेषताएं

- एक सुरक्षित व शांत वातावरण
- समाज एवं छात्रों की बदलती जरुरतों के अनुरुप क्रियाएं
- शैक्षणिक स्वायत्तता व लचीलापन
- अनुसंधान परिवेश
- संकाय सदस्यों एवं छात्रों की प्रकृति:
  - संकाय नियुक्ति मापदंड भारत के ज्यादातर शैक्षणिक संस्थानों से कहीं ऊँचा है।
  - छात्रों का चयन पूर्णत: योग्यता के आधार पर होता है।
- समुदाय हितकारी नीतियों के साथ सर्वांगीण विकास
- आधारभूत सुविधाएं- प्रयोगशाला सुविधा को विश्वस्तरीय बनाने के लिए उदार निधिकरण।
- प्रशासन- भा०प्रौ०सं० गांधीनगर का विशिष्ट सरोकार व आंतरिक प्रबंधन
  - निदेशक को शैक्षणिक, प्रशासनिक व वित्तीय मामलों के प्रबंधन के लिए पर्याप्त विशेषाधिकार (ढांचागत) प्राप्त हैं।
- आवासीय परिसर:
  - छात्रों और संकाय सदस्यों के बीच करीबी शैक्षणिक व सामाजिक मेल-मिलाप की ओर प्रेरित करता है।
  - ज्यादा घनिष्ठ सामुदायिक भावना का विकास करता है तथा एक दूसरे से सीखने का अवसर देता है।
  - सतत शैक्षणिक का माहौल बनाए रखता है जिससे सभी की ओर से सृजनात्मकता आती है।

सिद्धान्त

- आजीवन सीखते रहने की प्रतिबद्धता
- योग्यता को बढ़ावा
- कार्य के प्रति उत्साह एवं अभिप्रेरणा
- व्यवसायिकता
- कानून का सम्मान
- सामाजिक सुधार से सरोकार
- संस्थान के कामकाज में पारदर्शिता
- संस्थान के प्रति समर्पण

मूल्य

- प्रतिभातंत्र
- अतुलनीय गुणवत्ता और उत्कृष्टता
- ईमानदारी, अखंडता, लगन और अनुशासन
- विश्वास व जवाबदेही युक्त आजादी
- सृजनात्मकता की प्रोत्साहन एवं सम्मान
- नए विचारों का स्वागत एवं गलती करने की अनुमति
- सामाजिक और नैतिक जिम्मेदारी
- प्रत्येक व्यक्ति व विविधता का सम्मान
- सहयोग, सहयोजन व मिलकर कार्य करना

ध्येय

भा०प्रौ०सं० गांधीनगर प्रौद्योगिकी व संबंधित क्षेत्रों में एक उच्चतर शिक्षण संस्थान के रुप में वर्तमान व भविष्य की जरुरतों को पूरा करने के लिए उच्च कोटि के वैज्ञानिकों, अभियंताओं व उद्यमिओं के विकास की आकांक्षा रखता है। इससे बढ़कर महात्मा गांधी की इस भूमि पर उनके उच्च नैतिक मूल्यों व समाज सेवा के भाव को ध्यान में रखते हुए भा०प्रौ०सं० गांधीनगर शोध के लिए प्रथम कदम बढ़ाने और कठिनाइयों से उभारने वाले ऐसे उत्पाद विकसित करने की जिम्मेदारी लेता है जो हमारे समुदायों की जंदिगी को बेहतर बनाएगी।

लक्ष्य

- एक विश्वस्तरीय संस्था का निर्माण व विकास करना जहाँ स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरल स्तर पर ऐसा ज्ञान प्रदान किया जाए जो सम्पूर्ण मानवता के विकास के लिए योगदान दे।
- ऐसे दूरदर्शी नेतृत्व का विकास करना जिसमें सृजनात्मक सोच व सामाजिक जागरुकता हो और जो हमारे मूल्यों का आदर करे।
- सार्वभौमिक प्रभाव के लिए शिक्षण व अनुसंधान में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना।
- राष्ट्रीय नीतियों को प्रभावित करने वाले पथ-निर्धारक अनुसंधान के लिए संलग्नित रहना।
- सामाजिक समस्याओं के लिए चिर स्थायी रहने वाले प्रौद्योगिकी समाधान का लक्ष्य प्राप्त करना।
- सदा बने रहने वाले विकास के लिए प्रौद्योगिकी पर ध्यान बनाए रखना।
- राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न विषयों में शैक्षणिक व औद्योगिकी सहयोग के क्षेत्र में अग्रणी बनना।
- ज्ञान अर्जित करने व शिक्षा देने के वास्तविक महत्व के प्रति जागरुकता पैदा करना।
- मूल्यों पर आधारित पारस्परिक आदान-प्रदान के माध्यम से स्थानीय विद्यालयों व समुदायों को समृद्ध करना।
- संस्थागत संस्कृति के एक हिस्से की तरह उत्तम भाषा-कौशल को प्रोत्साहन देना।
- छात्रों को न केवल उनकी पहली नियुक्ति के लिए अपितु उनकी अन्तिम नौकरी के लिए तैयार करना।

दृष्टि

- भा०प्रौ०सं० गांधीनगर को ज्ञान अर्जित करने, शिक्षा व शोध के लिए एक दिलचस्प स्थान के रुप में ढालना।
- ज्ञान अर्जन करने वाली ऐसी व्यवस्था को स्थापित करना जो आजादी के साथ पूर्णता व आनन्द का अनुभव कराने वाली हो।
- एक ऐसा सुगम वातावरण तैयार करना जो समालोचनात्मक व सृजनात्मक मस्तिष्क का परिपोषण करे और उत्कृष्टता तक ले जाने के लिए प्रेरित करे।
- एक ऐसा वातावरण तैयार करना जो आने वाले कल के लिए अग्रणी अन्वेषक, वैज्ञानिक, अभियंता, उद्यमी, शिक्षक तथा विचारक पैदा करे।
- छात्रों के लिए ऐसे अवसर प्रदान करना ताकि वे जहां से, जैसे भी और जो भी चाहें पढ़ सकें।
- भा०प्रौ०सं० गांधीनगरको भावी पीढ़ी के छात्रों, कर्मचारियों व संकायों के लिए वरीयता प्राप्त स्थान बनाना।

निदेशक की कलम से

रजत मूना
निदेशक, भा.प्रौ.सं गांधीनगर

संस्थान द्वारा अपने संस्थापक निदेशक प्राध्यापक सुधीर के जैन, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में पदभार ग्रहण किया, को विदाई देने के उपरांत, प्राध्यापक अमित प्रशांत ने 3 अक्टूबर, 2022 को मेरे पदभार ग्रहण करने तक कार्यवाहक निदेशक के रूप में भा.प्रौ.सं गांधीनगर का नेतृत्व किया।

कोविड-जनित व्यवधानों के कुछ वर्षों बाद, भा.प्रौ.सं गांधीनगर परिसर अपनी पूरी छात्र संख्या के साथ फिर से जीवंत हो गया है तथा व्यक्तिगत शैक्षणिक, सामाजिक व सामुदायिक जीवन के साथ एक बार फिर स्पंदित हो रहा है। इस वर्ष कोविड के बढ़ने से आई चुनौतियों में अलगाव व पुनर्वापसी के लिए, गेस्ट हाउस और हॉस्टल ब्लॉक जैसी संस्थागत सुविधाओं का उपयोग करके कुशलतापूर्वक प्रबंधन किया गया। निःसंदेह, हम सतर्क हैं और किसी भी नई चुनौती का सामना करने के लिए आवश्यक संसाधनों एवं रणनीतियों के साथ तैयार हैं।

भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने इस शैक्षणिक वर्ष के दौरान कई उपलब्धियां हासिल की हैं। वाशिंगटन डीसी स्थित शैक्षिक रैंकिंग संगठन यूएस न्यूज एंड वर्ल्ड रिपोर्ट द्वारा प्रकाशित ग्लोबल यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2022-23 में संस्थान को भारत के शीर्ष 10 संस्थानों में स्थान दिया गया है। विशेष रूप से, संस्थान को भारत में 7वां और विश्व स्तर पर 725वां स्थान दिया गया है। हमने लगातार तीसरे वर्ष एफएसएसएआई से फाइव-स्टार रेटिंग के साथ ईट राइट परिसर पुरस्कार, जल संसाधनों की योजना और प्रबंधन के लिए जल शक्ति मंत्रालय द्वारा तीसरे राष्ट्रीय जल पुरस्कारों में दूसरा पुरस्कार एवं हमारे बिल्कुल नए खेल परिसर के लिए गैर-आवासीय संस्थागत श्रेणी में 'एईएसए पुरस्कार 2023'।

2022 का बीटेक बैच, जो उम्मीद है ऐसा आखिरी बैच होगा जिसका नियमित कार्यक्रम महामारी के कारण विलंबित हुआ था, जिसमें सर्व प्रथम गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान और सूचना विज्ञान में चार सबसे पुराने अंतरराष्ट्रीय ओलंपियाड के लिए प्रशिक्षण शिविरों में चुने गए छात्रों के लिए अधिसंख्य सीटें भी थीं। हमने संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी और विद्युत अभियांत्रिकी में अपने नए बीटेक-एम.टेक दोहरी डिग्री कार्यक्रमों में पहली बार छात्रों को सीधे प्रवेश दिया।

हमारे सोलह पीएचडी विद्वानों को मई 2022 चक्र तथा पांच को दिसंबर 2022 चक्र में प्रतिष्ठित प्रधान मंत्री अनुसंधान अध्येतावृत्ति(पीएमआरएफ) के लिए चुना गया। संस्थान में वर्तमान में 52 पीएमआरएफ अध्येता हैं, जो हमारे लिए एक उल्लेखनीय संख्या है।

हमने सात सप्ताह की अवधि में इन्वेंशन फैक्ट्री इंडिया का तीसरा संस्करण आयोजित किया, जो एक अनूठा ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम है जिसमें छात्र कल्पना करते हैं, प्रोटोटाइप बनाते हैं, विभिन्न सामाजिक व उपभोक्ता जरूरतों को पूरा करने वाले आविष्कारों को पेश करते हैं तथा अपने आविष्कारों के लिए अमेरिका के साथ-साथ भारतीय अनंतिम पेटेंट आवेदन दायर किए।

संस्थान ने राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन के तहत एक सुपरकंप्यूटिंग सुविधा 'परम अनंत' की शुरुआत की और रैपिड प्रोटोटाइपिंग व नवाचार के लिए एक केंद्रीकृत भाग के रूप में कार्य करने के लिए एक बहुआयामी शैक्षणिक निर्माता स्थान का भी उद्घाटन किया।

हमारे अनुसंधान पदचिह्न का विस्तार जारी है। हमारे कई संकाय सदस्य प्रमुख खोजों में संलग्न हैं तथा यह देखकर प्रसन्नता हो रही है कि वे अपनी खोजों को अपने स्वयं के स्टार्ट-अप के माध्यम से प्रयोगशाला से बाजार तक ले जा रहे हैं। अनुसंधान पार्क और नवाचार एवं उद्यमशीलता केंद्र (आईआईईसी) भा.प्रौ.सं गांधीनगर को अंतःविषय अनुसंधान और औद्योगिक सहयोग के एक प्रमुख केंद्र के रूप में अपनी जगह बनाने में मदद कर रहे हैं।

मुख्यतः, व्यापक दर्शकों हेतु हमारी शोध प्रगति को संप्रेषित करने के लिए, हमने वार्षिक "रिसर्च स्पेक्ट्रा" पत्रिका, आवधिक समाचार पत्र तथा विभिन्न प्रकार की सोशल मीडिया श्रृंखलाएं शुरू की हैं, जो हमारे संकाय, छात्रों और पोस्टडॉक्टरल शोधकर्ताओं के शोध पर केंद्रित हैं।

संस्थान भारत और विदेश दोनों में शैक्षणिक व उद्यम साझेदारी का निर्माण करने के लिए संघर्षरत है। पिछले वर्ष के दौरान हमने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के साथ विभिन्न समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए अथवा उनका नवीनीकरण किया जैसे की; जापान उन्नत विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान; आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया लिमिटेड; हिल्टी; वाशिंगटन विश्वविद्यालय, सिएटल; मियामी विश्वविद्यालय; भा. प्रौ. सं. मद्रास; एमपी काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी; इत्यादि।

हमारे शुभचिंतकों एवं मित्रों के परोपकारी समर्थन ने हमारे कई अनूठे कार्यक्रमों और पहलों में गति बढ़ा दी है। भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने अपनी स्थापना के बाद से अब तक परोपकारी प्राप्तियों में 100 करोड़ रुपये को पार कर लिया है, जो इस 14 साल पुराने संस्थान के लिए एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। इस वर्ष, दान दाताओं ने कई छात्रवृत्तियों के साथ-साथ “सुधीर के जैन चेयर”, “बी वी जगदीश चेयर”, “जनसंख्या गतिशीलता पर पांड्या-शिवपुरी चेयर”, “एएसआई पुरातत्व चेयर”, “एराच व मेहरू मेहता दक्षिणा स्मृति छात्रवृत्ति”, “भलोडिया-खेतान ग्रीष्मकालीन अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार”, और “निष्क्रिय अग्नि प्रणाली परीक्षण पर शाह भोगीलाल जेठालाल प्रयोगशाला” की स्थापना की। जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय, यूएसए के प्राध्यापक नितीश ठाकोर ने भा.प्रौ.सं गांधीनगर और अन्य संस्थानों में संकाय सदस्यों के बीच विषयाधारित अनुसंधान कार्यशालाओं व नेटवर्किंग कार्यक्रमों का समर्थन करने के लिए एक महत्वपूर्ण दान दिया।

हमारे परिसर का निर्माण बहुत अच्छी तरह से प्रगतिशील है। अतिथि गृह और अनुसंधान पार्क ने भी इस साल से परिचालन शुरू कर दिया है। नए कमीशन किए गए खेल परिसर ने राष्ट्रीय स्तर के स्क्वैश ओपन की मेजबानी की तथा एथलेटिक्स, स्क्वैश, सॉफ्टबॉल और ट्रायथलॉन आयोजन के लिए 36वें राष्ट्रीय खेलों की सह-मेजबानी भी की। आर्ट ऑन कैंपस की मुख्य योजना पूरी हो चुकी है तथा इसका अधिष्ठापन शुरू होने वाला है। परिसर निर्माण के चरण 1 के अंतर्गत शैक्षणिक परिसर का अंतिम भाग मार्च 2023 तक पूरा होने की उम्मीद है।

भा.प्रौ.सं गांधीनगर अपने "छात्र प्रथम" आदर्श वाक्य पर दृढ़ संकल्पित है। हमारे छात्रों के समग्र कल्याण पर ध्यान देने के साथ साथ, हमने उन्हें अपनी शैक्षणिक या गैर-शैक्षणिक समस्याओं को साझा करने और प्रतिबद्ध संकाय सदस्यों की एक टीम से समर्थन व पोषण पर्यावरण प्राप्त करने के लिए "छात्र भलाई" पहल की शुरुआत की है। हमने अंतर भा.प्रौ.सं खेल, एक्वेटिक्स मीट, टेक मीट में कई पुरस्कार जीते हैं।

संस्थान ने 15 नए संकाय सदस्य का स्वागत किया और नियमित संकाय सदस्यों की संख्या बढ़कर 128 हो गई है। आरक्षित श्रेणियों के लिए एक विशेष संकाय भर्ती अभियान वर्तमान में प्रक्रिया में है, जो संकाय विविधता को बढ़ा रहा है। हमारे संकायों को आईएनएई युवा अभियंता पुरस्कार, आईएनवाईएएस सदस्यता, आईएनएसए शिक्षक पुरस्कार, नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, भारत (प्लैटिनम जुबली यंग साइंटिस्ट पुरस्कार, फेलो) जैसे विभिन्न पुरस्कार प्राप्त हुए हैं और होते रहेंगे। समावेशिता और सामुदायिक बाह्य संपर्क में गहरी आस्था के साथ, रचनात्मक शिक्षा केंद्र (सीसीएल), नीव और न्यासा हमारे पड़ोसियों व व्यापक समुदाय के साथ हमारे ज्ञान को साझा करने और सुविधाओं को विस्तृत करना जारी रखते हैं।

2022 का समापन हमारे पूर्व छात्रों की वार्षिक बैठक 'होमकमिंग' के साथ हुआ, जिसमें विश्व भर से 300 से अधिक भा.प्रौ.सं गांधीनगर के पूर्व छात्रों ने भाग लिया। इस वर्ष के 'होमकमिंग' के मुख्य आकर्षण में पहले "भा.प्रौ.सं गांधीनगर यंग एलुमनी एक्सीलेंस अवार्ड्स" के अंतर्गत चार सफल पूर्व छात्रों का अभिनंदन, 2012 के भा.प्रौ.सं गांधीनगर स्नातकों के पहले बैच का दसवार्षिक पुनर्मिलन, साथ ही 2020 और 2021 की कक्षा के लिए "ग्रैड वॉक" शामिल था, जो महामारी के कारण दीक्षांत समारोह के अनुभव से चूक गए थे।

14 साल पहले रोपित व पोषित किया गया एक पौधा अब लचीले पेड़ के रूप में विकसित हो गया है, जो सभी दिशाओं में अपनी शाखाओं का विस्तार कर रहा है तथा शैक्षणिक व अनुसंधान का फल देने लगा है। हमारे संकायों ने अपने शोध व छात्रवृत्ति के साथ-साथ नवीन शिक्षण व अधिगम पहलों से महत्वपूर्ण योगदान दिया है, साथ ही हमारे छात्रों ने कक्षा परिक्षेत्र से आगे बढ़कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किए हैं। हमारे कर्मचारियों ने संस्थान के लक्ष्य प्राप्ति के लिए अथक परिश्रम किया है, व हमारे युवा पूर्व छात्रों ने अपने-अपने क्षेत्रों और समुदायों में अपनी छाप छोड़ी है।

मैं आने वाले साल के प्रति आशावादी हूं। मुझे विश्वास है कि हम साथ मिलकर विश्व के लिए कुछ विशिष्ट करते रहेंगे। उच्च शिक्षा और नवाचार के लिए वैश्विक गंतव्य के रूप में स्वयं को स्थापित करने के हमारे प्रयास में सम्मिलित होने के लिए मैं आप सभी का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं।

संगठन

संचालक मण्डल

(31 मार्च, 2023 तक)

अध्यक्ष

डॉ राजीव आई मोदी
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
कैडिला फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड

सदस्य

डॉ बी एन गंगाधर
पूर्व निदेशक
राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान
बेंगलुरु

श्री बी सी त्रिपाठी
पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
गेल (इंडिया) लिमिटेड
नई दिल्ली

श्री कमल बाली
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
वोल्वो ग्रुप इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
बेंगलुरु

श्री राकेश रंजन, भाप्रसे
अतिरिक्त सचिव (तकनीकी शिक्षा)
उच्च शिक्षा विभाग
शिक्षा मंत्रालय
भारत सरकार, नई दिल्ली

श्री राज कुमार, भाप्रसे
मुख्य सचिव
गुजरात सरकार
गांधीनगर

श्री प्रफुलभाई के पटेल
प्रशासक
दमन और दीव प्रशासन
दमन (केंद्र शासित प्रदेश) प्रशासन

प्रो रजत मूना
निदेशक (3 अक्टूबर, 2022 से)
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

प्रो अमित प्रशांत
कार्यवाहक निदेशक (4 जनवरी, 2022 - 2 अक्टूबर, 2022)
प्राध्यापक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

प्रो प्रणब महापात्रा
प्राध्यापक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

सचिव

श्री प्रेम कुमार चोपड़ा
कुलसचिव
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

वित्त समिति

(31 मार्च, 2023 तक)

अध्यक्ष

डॉ राजीव आई मोदी
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
कैडिला फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड

सदस्य

प्रो रजत मूना
निदेशक (अक्टूबर 3, 2022 के बाद)
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

प्रो अमित प्रशांत
कार्यवाहक निदेशक (4 जनवरी, 2022 - 2 अक्टूबर, 2022)
प्राध्यापक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

श्री राकेश रंजन, भाप्रसे
अतिरिक्त सचिव (तकनीकी शिक्षा)
उच्च शिक्षा विभाग
शिक्षा मंत्रालय
भारत सरकार, नई दिल्ली

श्री संजोग कपूर
संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार
शिक्षा मंत्रालय
भारत सरकार, नई दिल्ली

श्री भद्रेश मेहता
चार्टर्ड एकाउंटेंट
अहमदाबाद

प्रो प्रतीक मुथा
सह - प्राध्यापक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

सचिव

श्री प्रेम कुमार चोपड़ा
कुलसचिव
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

भवन एवं निर्माण समिति

(31 मार्च, 2023 तक)

अध्यक्ष

प्रो रजत मूना
निदेशक (अक्टूबर 3, 2022 के बाद)
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

प्रो अमित प्रशांत
कार्यवाहक निदेशक (4 जनवरी, 2022 - 2 अक्टूबर, 2022)
प्राध्यापक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

सदस्य

प्रो नीलकंठ छाया
पूर्व संकायाध्यक्ष
वास्तुकला संकाय
सीईपीटी विश्वविद्यालय अहमदाबाद

श्री एम बी भलाला
पूर्व मुख्य अभियंता
सड़क एवं भवन विभाग
गुजरात सरकार
गांधीनगर

श्री के एस वाघ
मुख्य सलाहकार (सिविल संरचना)
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे
पवई, मुंबई

श्री ए के जैन
पूर्व विशेष महानिदेशक
केंद्रीय लोक निर्माण विभाग भारत सरकार
नई दिल्ली

श्री एल पी श्रीवास्तव
सलाहकार (वर्क्स)
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

प्रो गौरव श्रीवास्तव
संकायाध्यक्ष (परिसर विकास)
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

सचिव

श्री प्रेम कुमार चोपड़ा
कुलसचिव
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

अभिषद् सभा
(31 मार्च, 2023 तक)

अध्यक्ष

प्रो रजत मूना
निदेशक (अक्टूबर 3, 2022 के बाद)
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

प्रो अमित प्रशांत
कार्यवाहक निदेशक (4 जनवरी, 2022 - 2 अक्टूबर, 2022)
प्राध्यापक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

सदस्य

प्रो आशीष खाखा
प्रो अभिजीत मिश्रा
प्रो अक्षा वटवानी
प्रो अमित अरोड़ा
प्रो अमित प्रशांत
श्री आनंद पारेख
प्रो अनिर्बन दासगुप्ता
प्रो अरूप लाल चक्रवर्ती
प्रो अतुल भार्गव
प्रो चिन्मय घोरोई
प्रो दीपक कुंजरू
प्रो धीरज भाटिया
प्रो दिलीप श्रीनिवास सुंदरम
प्रो जी के शर्मा
प्रो गौरव एस
प्रो गायत्री मेनन
प्रो हरीश पी एम
प्रो हिमांशु शेखर
प्रो इंद्रनाथ सेनगुप्ता
प्रो जगमोहन त्यागी
प्रो जैसन मांजली
प्रो झूमा साहा
प्रो कबीर जसूजा
प्रो कृष्णा मियापुरम
प्रो मीरा मैरी सनी
प्रो नमित महाजन
प्रो नीलधारा मिश्रा
प्रो निहार रंजन मोहपात्रा
प्रो निशांत चोकसी
प्रो नितिन वी जॉर्ज
प्रो पंकज खन्ना
प्रो प्रणब कुमार मोहपात्रा
प्रो प्रसन्ना वेंकटेश
प्रो प्रतीक मुथा
प्रो प्रत्यूष दयाल
प्रो एसपी मेहरोत्रा
प्रो समीर दलवी
प्रो समीर कुलकर्णी
प्रो समीर पटेल
प्रो सौम्यकांति खटुआ
प्रो शर्मिष्ठा मजूमदार
प्रो शिवप्रिया किरुबाकरण
प्रो सुदीप्त बसु
श्री सुनील पारेख
प्रो उदित भाटिया
प्रो उत्सव मन्नू
प्रो उत्तमा लाहिड़ी
प्रो विक्रांत जैन
प्रो विमल मिश्रा
प्रो विनोद चंद्रा
प्रो विनोद नारायणन

सचिव

श्री प्रेम कुमार चोपड़ा
कुलसचिव

स्थायी आमंत्रित सदस्य

डॉ टी एस कुंबर
पुस्तकालय अध्यक्ष

प्रो भास्कर दत्ता
प्रमुख, परामर्श सेवा

छात्र आमंत्री

निखर्व विपुल शाह, (महासचिव, विद्यार्थी परिषद)
अभिराम गेड्डम, (संयोजक, छात्र अभिषद् सभा)
राशि कुमार (एमएससी 2021)
सिद्धि प्रवीण सुरवार (बीटेक 2019)
सिमरनजीत सिंह (पीएचडी 2018)

अभिषद् सभा की स्थायी समितियाँ

अभिषद् सभा अकादमिक प्रदर्शन मूल्यांकन समिति (एसएपीईसी)
प्रो समीर दलवी, प्रमुख, अभियांत्रिकी अनुशासन, संयोजक
प्रो नितिन जॉर्ज, सदस्य [पदेन]
प्रो सौम्यकांति खटुआ, सदस्य [पदेन]
प्रो हिमांशु शेखर, सदस्य [पदेन]
प्रो भास्कर दत्ता
प्रो अंबिका अयादुरई
प्रो राघवन के
प्रो शर्मिता लाहिड़ी
प्रो एस राजेंद्रन
प्रो जॉयसी मेकी

अभिषद् सभा शैक्षणिक कार्यक्रम समिति (एसएपीसी)
प्रो नितिन जॉर्ज, संकायाध्यक्ष, शैक्षणिक मामले, अध्यक्ष [पदेन]
प्रो हिमांशु शेखर, सदस्य
प्रो सौम्यकांति खटुआ
प्रो समीर दलवी
प्रो विक्रांत जैन
प्रो जैसन मांजली
प्रो धीरज भाटिया
प्रो चिन्मय घोरोई
प्रो सुदीप्त बसु
प्रो विमल मिश्रा
प्रो मीरा एम सनी
प्रो अनिर्बन दासगुप्ता
प्रो अरूप लाल चक्रवर्ती
प्रो निशांत चोकसी
प्रो अमित अरोड़ा
प्रो जगमोहन त्यागी
प्रो विनोद नारायणन
प्रो विनोद चंद्रा
प्रो पंकज खन्ना
कलश कांकरिया
रेवंत शाह

अभिषद् सभा छात्रवृत्ति और पुरस्कार समिति (एसएसपीसी)
प्रो शिवप्रिया किरुबाकरण, अध्यक्ष [पदेन]
प्रो जयचंदर स्वामीनाथन, सदस्य [पदेन]
प्रो श्रीराम कण्व
प्रो मनीष कुमार
प्रो चेतन पहलजानी

अभिषद् सभा छात्र मामलों की समिति (एसएसएसी)
प्रो शिवप्रिया किरुबाकरण, अध्यक्ष [पदेन]
प्रो एंगस मैकब्लेन, संयोजक
प्रो राघवन रंगनाथन, सदस्य [पदेन]
प्रो मीरा एम सनी
प्रो साईराम स्वरूप एम
प्रो बिस्वजीत मंडल
प्रो चेतन पहलजानी
निखर्व विपुल शाह, महासचिव, विद्यार्थी परिषद
अभिराम गेड्डम, संयोजक, छात्र अभिषद् सभा
रेणुका एल (एमएससी 2021)
इशा बयाद (बीटेक 2019)

अभिषद् सभा पुस्तकालय समिति
प्रो अनिर्बन दासगुप्ता, अध्यक्ष
डॉ टी एस कुंबर
श्री निर्मल झा
श्री एल पी श्रीवास्तव
प्रो मधुमिता सेनगुप्ता
सुश्री सास्वती राय
रुशिक देसाई (बीटेक 2019)
आयुष यादव (बीटेक 2020)

शैक्षणिक अधिकारी

(31 मार्च, 2023 तक)

निदेशक

प्रो रजत मूना
निदेशक (3 अक्टूबर, 2022 - आज तक)

प्रो अमित प्रशांत
कार्यवाहक निदेशक (4 जनवरी, 2022 - 2 अक्टूबर, 2022)

शैक्षणिक मामले

प्रो नितिन जॉर्ज
संकायाध्यक्ष, शैक्षणिक मामले

- प्रो हिमांशु शेखर
  सह संकायाध्यक्ष, स्नातक अध्ययन
- प्रो सौम्यकांति खटुआ
  सह संकायाध्यक्ष, स्नातकोत्तर अध्ययन
- प्रो शनमुगनाथन रमन
  समन्वयक, अंतर्राष्ट्रीय छात्र
- प्रो बरध्वज कोलेप्पा
  अध्यक्ष, जेईई
- प्रो श्रीराम गुंडीमेडा
  अध्यक्ष, जेएएम

छात्र मामले

प्रो शिवप्रिया किरुबाकरण
संकायाध्यक्ष, छात्र मामले

- प्रो राघवन रंगनाथन
  सह संकायाध्यक्ष, छात्र कल्याण
- प्रो जयचंदर स्वामीनाथन
  सह संकायाध्यक्ष, छात्र विकास
- प्रो मिथुन राधाकृष्णन
  प्रमुख, करियर विकास सेवाएं और समन्वयक, प्लेसमेंट
- प्रो इति गुप्ता
  प्रो बिस्वजीत मंडल
  वार्डन, छात्र कल्याण
- प्रो तरुण अग्रवाल
  प्रमुख, परामर्श सेवा
- प्रो भास्कर दत्ता
  प्रमुख, परामर्श सेवा
- प्रो इंद्रनाथ सेनगुप्ता
  समन्वयक, छात्र सहायता सेवा
- प्रो सुब्रमण्यन शंकरनारायणन
  समन्वयक, छात्र कल्याण पहल
- प्रो नारन पिंडोरिया
  संयोजक, वित्तीय अनुदान एवं ऋण समिति
- प्रो जैसन मंजली
  प्रमुख, खेल

संकाय मामले

प्रो जी के शर्मा
प्रभारी प्रो, संकाय मामले

- प्रो अभिजीत मिश्रा
  सह संकायाध्यक्ष, संकाय संबंध
- प्रो उदित भाटिया
  सह संकायाध्यक्ष, संकाय भर्ती

बाहरी संबंध

प्रो एसपी मेहरोत्रा
प्रभारी प्रो, बाहरी संपर्क

प्रो शर्मिष्ठा मजूमदार
सह संकायाध्यक्ष, बाहरी संचार

श्री निर्मल झा
टीम लीडर, बाहरी संपर्क

प्रो अचल मेहरा
टीम लीडर, विदेशी भागीदारी

प्रो विक्रांत जैन
टीम लीडर, रैंकिंग के लिए संस्थागत डेटा, पुरस्कार, सहकर्मी समीक्षा

सामान्य प्रशासन

प्रो हरीश पी एम (30 जनवरी, 2023 - आज तक)
संकायाध्यक्ष, सामान्य प्रशासन

- प्रो दिलीप श्रीनिवास सुंदरम (19 सितंबर, 2022 - आज तक)
  सह संकायाध्यक्ष, सामान्य प्रशासन

अनुसंधान और विकास

प्रो अमित प्रशांत
संकायाध्यक्ष, अनुसंधान एवं विकास

- प्रो शरद गुप्ता
  सह संकायाध्यक्ष, बाहरी परियोजनाएं

पूर्व छात्रों के मामले

प्रो जैसन मंजली
प्रभारी प्रो, पूर्व छात्र संबंध

परिसर विकास और प्रबंधन

प्रो गौरव श्रीवास्तव
संकायाध्यक्ष, परिसर विकास

- प्रो अभय राज गौतम
  सह संकायाध्यक्ष, कैंपस मैनेजमेंट

सूचना प्रणाली और तकनीकी सुविधा

प्रो मयंक सिंह
समन्वयक, आईएसटीएफ

- प्रो दिलीप श्रीनिवास सुंदरम
  सह समन्वयक, आईएसटीएफ

संस्थागत उन्नति

प्रो प्रतीक मुथा
संकायाध्यक्ष, इंस्टीट्यूशनल एडवांसमेंट

संस्थान प्रबंधन प्रणाली (आईएमएस)

प्रो अमित प्रशांत
अध्यक्ष, आईएमएस

प्रो समीर जी कुलकर्णी
समन्वयक, आई.एम.एस

प्रो जयचंदर स्वामीनाथन
आईएमएस संपर्क

प्रमुख

प्रो समीर दलवी
प्रमुख, अभियांत्रिकी अनुशासन

प्रो विक्रांत जैन
प्रमुख, प्राकृतिक विज्ञान

प्रो जैसन ए मांजली
प्रमुख, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान

मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी

प्रो मयंक सिंह

विषय समन्वयक

(31 मार्च, 2023 तक)

प्रो धीरज भाटिया
जैविक अभियांत्रिकी

प्रो चिन्मय घोरोई
रासायनिक अभियांत्रिकी

प्रो सुदीप्त बसु
रसायन विज्ञान

प्रो विमल मिश्रा
सिविल अभियांत्रिकी

प्रो मीरा एम सनी
जैविक अभियांत्रिकी

प्रो अनिर्बन दासगुप्ता
संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी

प्रो अरूप लाल चक्रवर्ती
विद्युत अभियांत्रिकी

प्रो निशांत चोकसी
मानविकी और सामाजिक विज्ञान

प्रो अमित अरोड़ा
पदार्थ अभियांत्रिकी

प्रो जगमोहन त्यागी
गणित

प्रो विनोद नारायणन
यांत्रिक अभियांत्रिकी

प्रो विनोद चंद्रा
भौतिक विज्ञान

प्रो पंकज खन्ना
भू विज्ञान

केंद्र समन्वयक

(31 मार्च, 2023 तक)

पुरातत्व विज्ञान केंद्र
समन्वयक: प्रो वी एन प्रभाकर
सह-समन्वयक: प्रो शारदा सी वी

जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी के लिए केंद्र
समन्वयक: प्रो उत्तम लाहिड़ी
सह-समन्वयक: प्रो कार्ला पी मर्काडो-शेखर

रचनात्मक शिक्षा केंद्र
समन्वयक: प्रो मनीष जैन
सह-समन्वयक: प्रो बीरेश्वर दास

संज्ञानात्मक और मस्तिष्क विज्ञान केंद्र
समन्वयक: प्रो प्रतीक मुथा
सह-समन्वयक: प्रो विनीत वशिष्ठ

डिजाइन एवं नवाचार केंद्र
समन्वयक: प्रो मधु वडाली
सह-समन्वयक: प्रो मानसी कानेतकर

डॉ किरण सी पटेल सतत विकास केंद्र
समन्वयक: प्रो अचल मेहरा
सह-समन्वयक: प्रो विमल मिश्रा

सुरक्षा अभियांत्रिकी केंद्र
समन्वयक: प्रो चिन्मय घोरोई
सह-समन्वयक: प्रो गौरव श्रीवास्तव

छात्र नेतृत्व
निम्नलिखित छात्रों को शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए पदाधिकारी के रूप में निर्वाचित किया गया:

संयोजक, छात्र अभिषद् सभा	: अभिराम गेद्दाम
महासचिव	: निखर्व विपुल शाह
कल्याण और सांस्कृतिक सचिव	: आदर्श गोलायत
अकादमिक और उद्योग संबंध और परियोजना (आईआर एंड पी) सचिव	: रेवंत शाह
तकनीकी सचिव	: अनिकेत रजनीश
खेल सचिव	: अखिलेश सिंह चौहान
व्यावसायिक विकास परिषद (पीडीसी) सचिव	: ध्वनी मनीष शाह
मेस सचिव	: ईशान सुनील प्रयागी

शैक्षणिक

उपलब्ध
कार्यक्रम

पीएचडी
जैविक अभियांत्रिकी | रासायनिक अभियांत्रिकी | रसायन विज्ञान | सिविल अभियांत्रिकी | संज्ञानात्मक विज्ञान | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी | भू विज्ञान | विद्युत अभियांत्रिकी | मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान | पदार्थ अभियांत्रिकी | गणित | यांत्रिक अभियांत्रिकी | भौतिक विज्ञान

बीएससी (अभियांत्रिकी)
- तीन वर्षीय बीएससी उपाधि एक "निर्गम" उपाधि है और इस कार्यक्रम में अलग से प्रवेश नहीं दिया जाता है। अभियांत्रिकी में बीएससी की कोई उप-विशेषज्ञता नहीं है।

अभ्यागत छात्र कार्यक्रम
-एक छात्र जो भारत या विदेश में किसी मान्यता प्राप्त संस्थान या विश्वविद्यालय में उपाधि के लिए पंजीकृत है तथा जो आधिकारिक तौर पर उस संस्थान या विश्वविद्यालय द्वारा भा.प्रौ.सं गांधीनगर में अपनी शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रायोजित है, वह अभ्यागत छात्र भा.प्रौ.सं गांधीनगर में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकता है।

बीटेक
रासायनिक अभियांत्रिकी | सिविल अभियांत्रिकी | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी | विद्युत अभियांत्रिकी | पदार्थ अभियांत्रिकी | यांत्रिक अभियांत्रिकी

एमएससी
रसायन विज्ञान | संज्ञानात्मक विज्ञान | गणित | भौतिक विज्ञान

एमए
मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान

एमटेक/पीजीडी भा.प्रौ.सं गांधीनगर
जैविक अभियांत्रिकी | रासायनिक अभियांत्रिकी | सिविल अभियांत्रिकी | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी | भू प्रणाली विज्ञान | विद्युत अभियांत्रिकी | पदार्थ अभियांत्रिकी | यांत्रिक अभियांत्रिकी

उपर्युक्त कार्यक्रमों के अतिरिक्त, डूअल मेजर बीटेक कार्यक्रम, बीटेक-एमटेक दोहरी उपाधि और बीटेक-एमएससी दोहरी उपाधि भी प्रदान की जाती हैं।

दोहरी मेजर बीटेक प्रोग्राम
- जिसके जरिए एक छात्र दो विषयों में उपाधि ग्रहण कर सकते है।

बीटेक-एमटेक दोहरी उपाधि
- जिससे एक छात्र पांच साल में बीटेक और एमटेक दोनों उपाधियां ग्रहण कर सकता है । शैक्षणिक वर्ष 2022-23 से, छात्रों को संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी और विद्युत अभियांत्रिकी के विषयों में सीधे जेईई (एडवांस्ड) के माध्यम से बीटेक-एमटेक दोहरी उपाधि कार्यक्रम में भी प्रवेश दिया गया है।

बीटेक-एमएससी दोहरी उपाधि
- जिसके जरिए कोई विद्यार्थी पांच साल में बीटेक और एमएससी दोनों उपाधियां ग्रहण कर सकता है।

11वां दीक्षांत समारोह

भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने 30 जुलाई, 2022 को एक ऑफ़लाइन समारोह में कुल 397 छात्रों को उपाधि प्रदान करके अपने 11वें दीक्षांत समारोह का समापन किया। संस्थान ने 179 बीटेक, 4 दोहरी मेजर बीटेक, 1 बीटेक-एमटेक दोहरी उपाधि, 3 बीएससी अभियांत्रिकी, 43 एमटेक, 105 एमएससी, 20 एमए, 39 पीएचडी और 3 पीजीडीआईआईटी छात्रों को उपाधियां प्रदान की। इस वर्ष, 35 छात्रों ने विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्टता के लिए 33 स्वर्ण पदक और 17 रजत पदक सहित 50 पदक प्राप्त किए। भारत सरकार के पूर्व प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार **डॉ कृष्णास्वामी विजयराघवन** ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और छात्रों को इस युग की वैश्विक चुनौतियों को हल करने के लिए प्रेरित किया। **प्राध्यापक अमित प्रशांत**, कार्यवाहक निदेशक ने स्नातक छात्रों और पदक विजेताओं को बधाई दी और वर्ष के दौरान संस्थान की गतिविधियों और उपलब्धियों का संक्षिप्त विवरण दिया। **कुशाग्र शर्मा** को बीटेक के लिए प्रेसीडेंट स्वर्ण पदक, एमटेक के लिए **हीरेन सोलंकी** को प्रेसीडेंट स्वर्ण पदक व एमएससी और एमए के लिए **अपूर्वा शर्मा** को प्रेसीडेंट स्वर्ण पदक मिला। **प्रवीण वेंकटेश** ने बीटेक के लिए निदेशक स्वर्ण पदक, **अथुलकुमार आर** ने एमटेक के लिए निदेशक स्वर्ण पदक, **अभिनंद दाश** ने एमएससी और एमए के लिए निदेशक स्वर्ण पदक प्राप्त किया। पूरे कार्यक्रम को भा.प्रौ.सं गांधीनगर के यूट्यूब चैनल पर भी ऑनलाइन प्रसारित किया गया था।

2013-2018 में स्नातक होने वाले बैच के बीटेक उपाधियों का वितरण

वर्ष	बीटेक	बीटेक ऑनर्स	एक माइनर के साथ बीटेक	दो माइनर के साथ बीटेक	ऑनर्स और एक माइनर के साथ बीटेक	कुल क्षमता
2012 बैच	75	6	31	0	2	114
2013 बैच	64	15	44	0	1	124
2014 बैच	42	28	37	2	3	112
2015 बैच	93	21	26	0	4	144
2016 बैच	116	24	32	1	0	173
2017 बैच	100	21	52	1	1	175
2018 बैच	117	14	45	2	1	179

प्रौद्योगिकी स्नातक उपाधि के प्राप्तकर्ता

अनुक्रमांक संख्या	नाम	उपाधि
17110081	मनराज मीणा	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110001	एके गोकुल रमन	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110008	अदिति गेरा	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110015	अमन शर्मा	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110027	चव्हाण आशीष किशोर	मानविकी और सामाजिक विज्ञान में माइनर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110029	अतुल पाटीदार	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110032	बहेती साक्षी प्रभुलाल	प्रबंधन में माइनर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110035	भट्ट प्रत्यूष हेमंत	प्रबंधन में माइनर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110037	भव्य गुप्ता	प्रबंधन में माइनर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110042	दागा पार्थ प्रकाश	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110048	भुतदा धनेश जगदीश	प्रबंधन में माइनर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110070	शाह जय आशीष	रासायनिक अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी में स्नातक
18110082	कार्तिक हिलाल	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110092	लावण्या नाइक	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110096	मणिधर एम	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110098	मैत्रेय ठाकुर	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110103	मृत्युंजय सराफ	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक

18110105	एन टी रामकृष्णन	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110109	नितिन कुमार गुप्ता	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110126	प्रसन्ना डी	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110151	साक्षी योगेश काबरा	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110167	सुमित कुमार	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110172	तन्मय शर्मा	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110173	टेला सेल्वा सौम्या रानी	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110174	ठाकर देवांशु नीलेश	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110189	विशाल बामनिया	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110012	मालवे ऐश्वर्या अजय	सिविल अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
18110014	अमन	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110020	अमलिन जोस	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110021	अनस अली	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110028	आशीष कुमार मीणा	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110030	अविनाश	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110031	लोढ़ा आयुष मनोज कुमार	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110033	भानु जारवाल	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110034	भानु प्रताप सिंह	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110038	बोड्डू साईं गौरी झांसी	सिविल अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
18110044	दवे हरि मनीष	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110046	देवेंद्र सिंह	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110056	गोंदलिया ध्रुवी रमणिकलाल	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110059	हार्दिक खीची	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110066	हितेश जोया	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110081	कमलेश अरुण सावड़ेकर	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110085	किशन सिंह	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110128	प्रीति	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110137	राहुल पटेल	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110141	रोबिन कुमार	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110143	रोहित वर्मा	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110175	त्रिवेदी शुभंग कृष्णकांत	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110178	उत्कर्ष नंदा	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110182	वैभव शर्मा	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110193	यशी गौर	प्रबंधन में माइनर के साथ सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110194	योगेश कुमार धवन	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110009	आदित्य दिलीप पुसालकर	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
18110010	आदित्य त्रिपाठी	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110011	ऐशना अग्रवाल	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110013	पवार अजिंक्य शिरीष	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110016	अमय अमोल कुलकर्णी	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
18110017	अर्मीरेड्डी मनीषा	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110022	अनुपम कुमार	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110025	अर्पित वेनीलाल पटेल	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110040	प्रीति चिलुवेरु	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110041	क्रिस फ्रांसिस	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110052	दिशांक गोयल	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक

18110053	गन्नवरापु धन्या श्री	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110058	गुंट्रेडी हर्षवर्धन	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110062	हर्ष महेंद्र भाई पटेल	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
18110063	हर्षित कुमार	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110069	जाह्नवी विनोद कुमार ठक्कर	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
18110076	जोशी देवव्रत शैलेश	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110079	कल्याण रेड्डी एस	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110084	कटपारा श्रुति अशोककुमार	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110091	कुशाग्र शर्मा	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110100	मिहिर विक्रम जैन	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110102	मोहम्मद शाहिद शरीफ	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110108	निशिकांत परमार	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110124	प्रांशु कुमार गोंड	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110125	प्रसाद देवीदास अठावे	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110129	प्रियम तोंगिया	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110132	पुष्कर मजुमदार	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110135	राघव गोयल	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110148	सचिन यादव	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110149	सागर बिसेन	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110159	शिवम साहनी	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
18110165	सिद्धार्थ सोनी	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110190	विवेक उपेंद्र कुमार मोदी	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110127	कुमथेकर ऋषिकेश विजय	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110005	अभिनव मीना	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110024	अर्पित कौशल	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110026	काबरा अर्पिता संजय	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110036	भावेश कुमार सोलंकी	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110050	लोधविया ध्रुवी प्रकाश	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110051	पटेल ध्रुविन पंकजकुमार	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110057	गुडिवाडा वेंकट प्रुद्वी तेज	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110061	हरीश मेघवाल	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110064	शास्त्री हेतवी हिरेन	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110068	जानी ध्येय हरेशभाई	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110074	जेसिका सत्यार्थी	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110075	जितेन्द्र कुमार	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110080	कांबले यश गौतम	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110089	कुमार आयुष परमहंस	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110090	कुंतल सुनील कुमार पटेल	प्रबंधन में माइनर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110093	लक्ष्मण	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110110	पलक पुरोहित	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110117	परमेंदर कुमार	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110121	प्रजापति प्रदीपभाई दह्याभाई	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110123	प्रणकुश अग्रवाल	विद्युत अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
18110127	प्रवीण वेंकटेश	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110138	रेड्डी वेंकट नीरज कुमार	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110139	ऋषि पाटीदार	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक

18110144	रूपक शर्मा	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110152	वधवाना संकेत जगदीश कुमार	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110153	सत्यम कुमार	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110154	जय राहुलभाई शाह	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110160	शिवांशु शर्मा	प्रबंधन में माइनर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110162	श्रील परेश मोदी	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110163	श्रुति प्रकाश गुप्ता	विद्युत अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
18110176	उदित व्यास	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110177	उन्नत निखिल दवे	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110179	वागीशा	विद्युत अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
18110185	वरुण जैन	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110188	विराज कल्पेश शाह	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110191	वृत्तिक चंद्रेश शाह	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110058	गोदिना गंगा ऋषिकेश	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110129	सागर सिंह मीणा	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110003	आस्था जीवराजनी	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110018	अमीश राज	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110047	धनंजय सिंह	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110049	ध्रुव महेश बुकिनकेरे	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110065	हिमांशु	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110067	जान्हवी प्रेमी	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110083	कटिके प्रणय दीप रेड्डी	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110086	कृष गुप्ता	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110099	ध्रुव मेनन	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
18110101	आर मिथुन	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110115	पटेल स्मित भूपेशभाई	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110119	पोरेड्डी वेंकट कार्तिक	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110158	शशि सर्राफ	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110161	श्लोक प्रशांत रामटेके	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110168	सूर्यांश कुमार	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110170	तनिष्क जावरे	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
14110083	निनामा ऋषिलकुमार रामजीभाई	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110156	सौरभ खटीक	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110002	आरिश पराग शाह	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110007	अभिराज भसीन	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110023	अनुशील कौला	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110045	दीपेश पंकज	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110054	डालमिया गौरव रवि	प्रबंधन में माइनर के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110071	जयदीप गुलाब रामनानी	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110073	जयेश खन्ना	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110077	कैलाश कुमार	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110078	काकड़िया जयदीप सुरेशभाई	रोबोटिक्स में माइनर के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110087	अनम क्षितिजा दिनेश	यांत्रिक अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी में स्नातक
18110088	कुलकर्णी शार्दुल सुनील	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110097	मदेला सिद्धार्थ	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110104	मुरकुटे निखिल रामराव	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक

18110106	नवनीत कौर	रोबोटिक्स में माइनर के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110107	निखिल यादव	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110111	सृजन पंड्या	यांत्रिक अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी में स्नातक और फिजिक्स में माइनर
18110113	देव पटेल	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110114	पटेल नील किरणकुमार	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110116	पदमज्जी राकेशनायडू	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110118	पूजन मोदी	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110120	प्रदीप सैनी	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110131	पूषन प्रवीण पटेल	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110134	रचित श्रीमल	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110136	राहुल गुप्ता	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110140	रितु वर्मा	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110142	शिरोडकर रोहन निनाद	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110146	र्विक राणा	रोबोटिक्स और संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर्स के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110147	एस गणेश	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110155	विराज मितुल शाह	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110157	शशि	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110171	तन्मय जैन	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110181	वैभव सैनी	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110183	वैष्णवी अरुण कोकड़वार	यांत्रिक अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी में स्नातक
18110184	वकील यथार्थ नीलेश	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110186	विभूते प्रथमेश संजीवकुमार	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110187	विजेंद्र मीणा	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
18110192	मेश्राम यश अरुण	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक

बी टेक डूअल मेजर के प्राप्तकर्ता

अनुक्रमांक संख्या	नाम	उपाधि
17110010	अक्षत मंगल	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक तथा संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110055	गौरव सोनकुसले	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक तथा संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110084	मोहम्मद शमीर टी एम	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक और संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110086	मोहम्मद असलम	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक तथा संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक

अभियांत्रिकी में विज्ञान स्नातक की डिग्री के प्राप्तकर्ता

अनुक्रमांक संख्या	नाम	उपाधि
16110153	शुभम सांखला	अभियांत्रिकी में विज्ञान स्नातक
17110106	पवन कुमार मीणा	अभियांत्रिकी में विज्ञान स्नातक
17110141	शाह उज्ज्वल सतीशकुमार	अभियांत्रिकी में विज्ञान स्नातक

कला में स्नातकोत्तर उपाधि के प्राप्तकर्ता

समाज और संस्कृति

अनुक्रमांक संख्या	नाम
18520004	औसुला प्रशांत
19520001	आर्द्रा श्रीकुमार
20520001	अखिला के
20520002	एंजेल मारिया वर्गीस
20520006	दर्शना कुमार
20520007	देवांशी सक्सेना
20520009	हाइमा बालकृष्णन
20520010	खुशबू कुमारी
20520011	ममता हिन्द मरकाम
20520012	निधि एम शास्त्री
20520013	प्रिया जैन
20520015	राहुल कुमार
20520016	रेम्या पी के
20520018	सत्य राजन
20520020	अम्मे शिरीशा
20520021	पल्ले श्रीकांत
20520022	तनूरिमा शॉ
20520025	अभिजीत सिंह
20520027	आत्मदीप सेनगुप्ता
20520031	नसीफ मो. पी

विज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि के प्राप्तकर्ता

रसायन विज्ञान

अनुक्रमांक संख्या	नाम
20510022	अभिषेक गुप्ता
20510023	अमन कुमार
20510024	अमित ठाकरान
20510025	अंजना तिर्की
20510026	अंतरा गोस्वामी
20510027	अनु कुमारी
20510028	दीपिका
20510029	दिव्यांश चतुर्वेदी
20510030	गौतम पात्रा
20510032	केशव चौधरी
20510034	किमी आरती विश्वकर्मा
20510035	मंशा सोनी
20510036	निक्की मित्तल
20510037	राजप्रीत कौर
20510038	रितु वृजेंद्र माथुरी
20510040	संदीप शर्मा
20510042	श्वेता चितकारा
20510043	श्वेता सिंह
20510044	सुदामा कुमार महतो
20510045	तारिशा गुप्ता
20510046	तरुण बंसल
20510047	विकाश कुमार

संज्ञात्मक विज्ञान

अनुक्रमांक संख्या	नाम
19510030	ऋत्विक नारायणन
20510002	आरती एम
20510003	अभिनंद दास
20510004	अल्फा जेनिथ टोपनो
20510006	अपूर्वा शर्मा
20510007	अथिरा के
20510009	दिव्या कुण्डानी
20510010	एस एम जीवा
20510011	खुशी जैन
20510012	मधुमिता महली
20510014	प्रणीता तारणेकर
20510016	श्रद्धा गोकुल मटकर
20510017	तपस्वी सिमरन संदीप
20510018	तनीषा
20510019	उजमा सरवत
20510020	वरदा

गणित

अनुक्रमांक संख्या	नाम
20570001	पवार हृषिकेश विनोद
20570002	पटेल खुशबू सुरेशभाई
20570003	श्री विष्णु प्रिया बी
20510048	अभिषेक ठाकुर
20510050	अनीता
20510051	अस्मिता कुशवाहा
20510052	आयुषी मित्तल
20510053	भानुप्रताप सिंह राजावत
20510054	भारती मंगल
20510055	चारू गर्ग
20510056	दसारी संजुक्ता
20510057	दीपेंद्र द्विवेदी
20510058	दिनेश कुमार शर्मा
20510059	गौरव भारद्वाज
20510060	गौरव पाल
20510061	जितेंद्र कुमार
20510062	कशिश तनेजा
20510063	वर्तिका माथुर
20510064	लोकेश शर्मा
20510065	माहेश्वरी धीरेन रामजी
20510066	मुकेश गुप्ता
20510067	नीलम पेनुली
20510068	पबित्रा मंडल
20510070	प्रियंका
20510071	पुजारी तेजस बालासाहेब कविता
20510073	ऋतिका गोयल
20510075	सिद्धार्थ प्रकाश
20510076	सीताराम
20510077	सुमन कुमार
20510078	सूरज कुमार रविदास
20510079	विजय कुमार रेगर
20510080	विजय साहनी
20510081	विकास कुमार पाण्डेय
20510082	यश राठौर

भौतिक विज्ञान

अनुक्रमांक संख्या	नाम
20570005	ध्रुवी किरीटकुमार पटेल
20570006	शाह नियति भूपेंद्र
20570007	शुक्ला सचिन रामसनेही
20510083	आकाश
20510084	आकांक्षा वर्मा
20510086	अमित कुमार
20510088	देवांशी
20510089	हर्षवर्धन वी
20510090	कंसारा जय अशोक
20510091	जूही सिंह
20510092	खुशवंत सिंह
20510093	लक्ष्मी मीना

20510094	लोकेश सिंह तंवर
20510097	माणिक
20510098	मीनू एस.ए.
20510099	मोहित कुमार
20510100	निखिल फौजदार
20510101	पंकज
20510102	पंकज कुमार कुमावत
20510103	पिंटू प्रजापत
20510104	प्रभात कुमार
20510105	प्रिया द्रासनी
20510106	राज कुमार गढ़वाल
20510107	रितिका पाहवा
20510108	रूपुल चंदना
20510110	संगीता
20510111	सलीम एस.के
20510113	श्रीनिधि शरद पवार
20510116	उर्मिला रेगर
20510117	उत्कर्ष सिंह
20510118	विनय कुमार राणा
20510119	विनोद कुमार
20510120	युक्ति गोयल

संस्थान के स्नातकोत्तर डिप्लोमा के प्राप्तकर्ता

अनुक्रमांक संख्या	नाम	उपाधि
19210037	वी शिव कुमार	सिविल अभियांत्रिकी में संस्थान का स्नातकोत्तर डिप्लोमा
19310057	ठक्कर कृष्ण किशोर गीता	जैविक अभियांत्रिकी में संस्थान का स्नातकोत्तर डिप्लोमा
21250025	शुभम सिंह	यांत्रिक अभियांत्रिकी में संस्थान का स्नातकोत्तर डिप्लोमा

प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर उपाधि के प्राप्तकर्ता

जैविक अभियांत्रिकी

अनुक्रमांक संख्या	नाम
20250001	आकांक्षा मुद्गल
20250002	हरि एस नायर
20250003	हेमा नवीना ए
20250005	पटेल विश्व नीलेशभाई

रासायनिक अभियांत्रिकी

अनुक्रमांक संख्या	नाम
20210002	प्रत्यय भारद्वाज
20250007	रत्निका गुप्ता

सिविल अभियांत्रिकी

अनुक्रमांक संख्या	नाम
19210031	अभिषेक पंडोले
20210003	बज़ेला मंजूर
20250008	अदिति अग्रवाल
20250009	दीपेश सिंह चुफल
20250011	लुहार हिरल राजेंद्रभाई
20250012	मो नईम सिद्दीकी
20250013	प्रशांत कुमार सिंह
20250015	उषा गर्ग
20250016	विमल पानारा
20250040	अमय गुप्ता
20250025	अनिमेष शर्मा
20250026	जावेद अहमद रेशी
20250027	कौस्तुव सिंह
20250041	संजीत दत्ता

संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी

अनुक्रमांक संख्या	नाम
20210005	सुदीप दास
20250017	अर्ची अग्रवाल
20250018	अथुलकुमार आर
20250019	के एस अशीन शानली

भू प्रणाली विज्ञान

अनुक्रमांक संख्या	नाम
20210006	मकवाना गुंजनकुमार कलाभाई
20250022	सोलंकी हिरेन राजेशभाई

इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी

अनुक्रमांक संख्या	नाम
19210082	मल्लिकार्जुन य पीदगन्नवर
19210090	के. प्रतीक
20250023	आदित्य बिस्वास
20250024	अमृता सिंह

पदार्थ अभियांत्रिकी

अनुक्रमांक संख्या	नाम
16110183	शुभम गोंड
18210022	करिश्मा गौरीपट्टापु*
20250029	अभिजीत छोत्रेय
20250030	जेंटे अंजनी
20250031	अंकिता मोहंती
20250032	कीर्ति वी
20250033	रेमिया राय

यांत्रिक अभियांत्रिकी

अनुक्रमांक संख्या	नाम
19210132	अंशुल गौर
19210149	उत्कर्ष श्रीवास्तव
19250023	शिवम साहू
20210008	राजनंदन बोरठाकुर
20250034	अभिषेक सरकार
20250035	आकांक्षा डेका

बीटेक-एमटेक दोहरी डिग्री के प्राप्तकर्ता

अनुक्रमांक संख्या	नाम	उपाधि
17110158	सुमित कुमार	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक और सिविल अभियांत्रिकी में मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी

डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी उपाधि के प्राप्तकर्ता

अनुक्रमांक संख्या	नाम	विषय
15310048	गढ़वी जोशना धर्मेंद्रभाई	जैविक अभियांत्रिकी
16310024	हिवारे प्रवीन तात्याराव	जैविक अभियांत्रिकी
16310034	तरुश्याम मुखर्जी	जैविक अभियांत्रिकी
16310044	देसाई नक्षी नयन	जैविक अभियांत्रिकी
13210003	गुंडा हरिणी	रासायनिक अभियांत्रिकी
13210044	विघ्नेश प्रसाद	रासायनिक अभियांत्रिकी
14210008	मांकड़ जैविक कार्तिक	रासायनिक अभियांत्रिकी
16310022	साईं गीता मारापुरेड्डी	रासायनिक अभियांत्रिकी
14310034	अंजू त्यागी	रसायन विज्ञान
14310052	दिव्या व्यास	रसायन विज्ञान
15310036	श्रीमाधवी आर	रसायन विज्ञान
15310053	वेंकट मणि पद्मजा दुप्पलापुडी	रसायन विज्ञान
16310015	आशीष कर	रसायन विज्ञान
13350003	नसर अहमद खान	सिविल अभियांत्रिकी
15310006	अमरदीप तिवारी	सिविल अभियांत्रिकी
15310055	राहुल कुमार	सिविल अभियांत्रिकी
16350001	अभिषेक कुमार पाण्डेय	सिविल अभियांत्रिकी
18310007	अश्विन सिंह	सिविल अभियांत्रिकी
15310009	अन्विता गोपाल	संज्ञात्मक विज्ञान
15310058	छाया रचित चंद्रवदन	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
16310047	अनुकेश कृष्णन कुट्टी अंबिका	भू विज्ञान
16330004	दीपिका साहू	भू विज्ञान
16330005	निशा भारती	भू विज्ञान
16330006	हरीश	भू विज्ञान
14310063	बालगणेश बी	विद्युत अभियांत्रिकी
13310056	अंकिता आर शाह	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान
13320001	शीतल रमेशचंद्र पंड्या	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
14210066	अमित कुमार सिंह	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
15310042	नीलाभ डिश	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
16310045	रजत गुप्ता	गणित
15310024	रंजीता दास	यांत्रिक अभियांत्रिकी
14510035	आकाश कुमार मिश्रा	भौतिक विज्ञान
15330017	अरविंद कुमार मिश्रा	भौतिक विज्ञान
16310005	उत्सव	भौतिक विज्ञान
16310009	अग्निवो सरकार	भौतिक विज्ञान
16330002	संदीप कुमार राउत	भौतिक विज्ञान
16330003	सुरेंद्र विक्रम सिंह	भौतिक विज्ञान
16330007	सुश्री संगीता नायक	भौतिक विज्ञान
16330011	प्रियांक पाराशरी	भौतिक विज्ञान

छात्र

भा.प्रौ.सं गांधीनगर में छात्रों का कार्यक्रम-वार सारांश

कार्यक्रम	31 मार्च, 2023 तक छात्रों की संख्या
अभियांत्रिकी में बीएससी	1
बीटेक	931
बीटेक - एमटेक दोहरी उपाधि	41
एमए	52
एमएससी	233
एमटेक + पीजीडीआईआईटी	151
पीएचडी	603
कुल	**2012**

लघु पाठ्यक्रम

भा.प्रौ.सं गांधीनगर गांधीनगर ने 2010 से लघु पाठ्यक्रमों की शुरुआत की है। यह 1 क्रेडिट के 10 से 12 घंटे की व्यस्तता के पाठ्यक्रम होते हैं। संस्थान प्रति सत्रार्ध औसतन कुल 8-9 पाठ्यक्रम प्रदान करता है जो अब तक कुल 218 हो चुके हैं। विशेष रूप से, संस्थान ने शैक्षणिक वर्ष अप्रैल 2022 - मार्च 2023 में 26 लघु पाठ्यक्रमों की पेशकश की है। इनमें विविध पाठ्यक्रम शामिल हैं जैसे प्राध्यापक अरुण पदकांडला, सहायक प्राध्यापक, विद्युत अभियांत्रिकी और संगणक साइंस विभाग, टेनेसी विश्वविद्यालय, नॉक्सविले द्वारा क्वांटम कंप्यूटिंग और क्वांटम सूचना विज्ञान; से लेकर डॉ एडगार्ड ग्नसौनोउ, ऊर्जा नियोजन में मानद प्राध्यापक, फेडरल पॉलिटेक्निक स्कूल ऑफलुसाने द्वारा ऊर्जा आपूर्ति की सुरक्षा की मॉडलिंग करने के लिए: एक संभावित दृष्टिकोण । इन पाठ्यक्रमों से सभी विषयों और स्तरों के 300 से अधिक छात्र लाभान्वित हुए हैं। लघु पाठ्यक्रम संस्थान के सर्व-समावेशी दर्शन के लिए एक प्रमाण है।

इस प्रारूप में पाठ्यक्रम की पेशकश क्यों महत्वपूर्ण हैं, इसके कई कारण हैं। लघु पाठ्यक्रम निम्नलिखित की अनुमति देते हैं:

क. विश्व स्तर पर पेशेवरों और शोधकर्ताओं के साथ सक्रिय जुड़ाव को बढ़ावा देने और पाठ्यक्रमों के इन-हाउस पोर्टफोलियो में विविधता लाने के लिए
ख. विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला को शामिल करने के लिए जिन्हें पाठ्यक्रम में शामिल नहीं किया जा सकता हो
ग. सभी के लिए खुले प्रस्तावों के माध्यम से छात्रों के बीच अंतःविषयक सोच को बढ़ावा देना

अप्रैल 2022 - मार्च 2023 के दौरान संचालित लघु पाठ्यक्रमों की सूची इस प्रकार है:

- अगली पीढ़ी के डेटा केंद्रों में एक अंतर्दृष्टि, **श्री हर्ष मेहता**, निदेशक प्रौद्योगिकी और समाधान, भारत और सार्क अरिस्टा नेटवर्क, 16 अप्रैल - 15 मई, 2022
- ब्रश अप योर ग्रामर: ए कोर्स फॉर बिगिनर्स, **डॉ मोनल के देसाई**, शिक्षण सहयोगी, लेखन स्टूडियो, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, 20, 22, 24, 27 और 29 जून 2022
- ओपन-सोर्स सॉफ्टवेयर क्यूजीआईएस द्वारा भू-स्थानिक डेटा विश्लेषण, **डॉ सोनम**, सीएसआईआर अनुसंधान एसोसिएट, भू विज्ञान, भा.प्रौ.सं गांधीनगर और **डॉ एकता गुप्ता**, अर्ली करियर फेलो, पुरातत्व विज्ञान केंद्र, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, 27 जून - 01 जुलाई, 2022
- सटीक ट्रैकिंग और एकजुट विकेंद्रीकृत नेटवर्क के लिए फीडफॉर्वर्ड नियंत्रण, **अनुज तिवारी**, पीएचडी स्कॉलर, और प्राध्यापक संतोष देवासिया, प्राध्यापक, यांत्रिक अभियांत्रिकी, वाशिंगटन विश्वविद्यालय, सिएटल, 14-15 जुलाई, 2022
- वैज्ञानिक लेखन **डॉ मोनल के देसाई**, शिक्षण सहयोगी, लेखन स्टूडियो, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, प्रत्येक मंगलवार और बुधवार, 26 जुलाई - 24 अगस्त, 2022
- कलाकार और शरीर: थिएटर अभ्यास के मूल सिद्धांत **डॉ. अपर्णा महियारिया**, रंगमंच विद्वान और व्यवसायी, 6-7 अगस्त, 2022
- अपाचे हडूप और स्पार्क बाय का उपयोग करके बिग डेटा एनालिटिक्स, **श्री तुषार काकैया**, सीनियर बिग डेटा इंजीनियर, एपम सिस्टम्स, 28 अगस्त और 04 सितंबर, 2022
- सेंस एंड कॉमन सेंस, प्राध्यापक संजय जैन, प्राध्यापक एमेरिटस और बाह्य संपर्क निदेशक, अवंतिका विश्वविद्यालय, उज्जैन, 10-11 सितंबर, 2022
- आनुवंशिक एल्गोरिथम, **प्राध्यापक सेलसो कैमिलो**, सह प्राध्यापक, सूचना विज्ञान विभाग, संघीय विश्वविद्यालय गोइआस, ब्राजील, 14-23 सितंबर, 2022
- अभियंताओं के लिए अनुसंधान के तरीके और कौशल **डॉ. राज छाबड़ा,** प्रतिष्ठित प्राध्यापक, शिव नादर यूनिवर्सिटी-इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस, 13, 15, 18, 20, 25 और 27 अक्टूबर, 2022
- क्वांटम कंप्यूटिंग और क्वांटम सूचना विज्ञान, **प्राध्यापक अरुण पदकांडला**, सहायक प्राध्यापक, विद्युत अभियांत्रिकी और संगणक विज्ञान विभाग, टेनेसी विश्वविद्यालय, नॉक्सविले, 26, 28 और 31 अक्टूबर व 2 और 4 नवंबर, 2022
- मानव हरकतों का मापन और विश्लेषण, **प्राध्यापक**

कमीर अमीनियन, प्राध्यापक, जैव अभियांत्रिकी संस्थान और निदेशक, आंदोलन विश्लेषण व मापन प्रयोगशाला, ईपीएफएल, 31 अक्टूबर व 1, 2, 7 और 8 नवंबर, 2022

- सीएस अनुसंधान 101, **शशांक श्रीकांत** संगणक विज्ञान में पीएचडी उम्मीदवार, सीएस और एआई लैब (सीएसईएल), विद्युत अभियांत्रिकी और संगणक विज्ञान विभाग (ईईसीएस), एमआईटी, 31 अक्टूबर - 5 नवंबर, 2022
- एक्स-रे विवर्तन द्वारा पतली फिल्मों की विशेषता, **प्रो क्रिस्टा आर खियांगटे मुफ्त एम पी 3 डाउनलोड**, सहायक प्राध्यापक, भौतिक विज्ञान, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, 31 अक्टूबर और 1, 2, 3, 4, 7, 9, 10, 11 और 14 नवंबर, 2022
- दृश्य विज्ञान संचार, **डॉ इप्सा जैन**, विजुअल कम्युनिकेशन संकाय, सृष्टि मणिपाल इंस्टीट्यूट, बैंगलोर, 5-6 नवंबर, 2022
- सामग्री का पाउडर प्रसंस्करण, **प्रो. राज बोर्डिया**, जॉर्ज जे बिशप, पदार्थ विज्ञान और अभियांत्रिकी के तृतीय संपन्न चेयर प्राध्यापक, क्लेम्सन विश्वविद्यालय और अतिथि प्राध्यापक, सामग्री अभियांत्रिकी और केपीसीएसडी, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, 16, 17, 19, 21, और 23 जनवरी, 2023
- संघर्ष समाधान और मध्यस्थता, **सिंथिया कैंपॉय ब्रोफी**, कलाकार-इन-रेजिडेंस, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, 31 जनवरी व 2, 7 और 9 फरवरी, 2023
- झूठ समूहों के अनुप्रयोग - नियंत्रण, सहमति और तुल्यकालन, **प्रो रवि एन बानावर**, इंस्टीट्यूट चेयर प्राध्यापक, सिस्टम्स एंव कंट्रोल अभियांत्रिकी, भा.प्रौ.सं बॉम्बे, 9-12 फरवरी, 2023
- चुंबकत्व और स्पिंट्रोनिक्स का परिचय, **प्राध्यापक जीन-फिलिप अंसर्मेट**, प्रयोगात्मक भौतिकी के प्राध्यापक, इकोले पॉलिटेक्निक फेडेरेल डी लॉज़ेन, और स्कॉलर-इन-रेसिडेंस, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, 13-17 और 20-24 फरवरी, 2023
- 'अपना जल' - द्वारा उपचारित अपशिष्ट जल का पुन: उपयोग, **प्राध्यापक सुधीर के अरोड़ा**, प्रैक्टिस प्राध्यापक, सिविल अभियांत्रिकी, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, 13-17 और 20-24 फरवरी, 2023
- भूकंपीय जोखिम निर्धारण और इमारतों के जोखिम आधारित मूल्यांकन, **डॉ पियरिनो लेस्टुज़ी**, स्कॉलर-इन-रेसिडेंस, सिविल अभियांत्रिकी, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, 16-17 और 20-22 फरवरी, 2023
- वैज्ञानिक लेखन **डॉ मोनल के देसाई** और **देवप्रीता जेना**, शिक्षण सहायक, लेखन स्टूडियो, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, 16, 17, 23, 24 फरवरी और 02, 03, 09, 10, 16 और 17 मार्च, 2023
- समानांतर कंप्यूटिंग और समानांतर प्रोग्रामिंग में विषय और दृष्टिकोण, प्राध्यापक लक्ष्मीकांत काले, अतिथि प्राध्यापक, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, 20-24 फरवरी, 2023
- औद्योगिक और मोटर वाहन अनुप्रयोगों के लिए आधुनिक डिजिटल प्रोसेसर **प्रो. मुकुल चांदोरकर**, प्राध्यापक, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग, भा.प्रौ. सं बॉम्बे, 6-27 मार्च, 2023
- ऊर्जा आपूर्ति की सुरक्षा मॉडलिंग: एक संभावित दृष्टिकोण **डॉ एडगार्ड ग्रनसौनोउ**, ऊर्जा नियोजन में मानद प्राध्यापक, फेडरल पॉलिटेक्निक स्कूल ऑफलुसाने, 20-24 और 27-31 मार्च, 2023
- तकनीकी प्रगति और हमारे शैक्षिक अंधे धब्बे प्रो रघुबीर शरण, स्कॉलर-इन-रेसिडेंस, मानविकी व सामाजिक विज्ञान, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, 27 और 29 मार्च व 3, 5, 10, 12 और 17 अप्रैल, 2023
- अभियांत्रिकी के लिए लेखन, **प्राध्यापक जोयुंग किम**, सहायक शिक्षण प्राध्यापक, मानविकी व सामाजिक विज्ञान, और सह-समन्वयक, लेखन स्टूडियो, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, 28, 30 मार्च व 2, 4, और 6 अप्रैल, 2023

संरचना अभियांत्रिकी के लिए भू-तकनीकी जांच पर लघु पाठ्यक्रम

भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने 18-21 जनवरी, 2023 के दौरान 'संरचना अभियांत्रिकी के लिए भू-तकनीकी जांच' नामक एक लघु पाठ्यक्रम का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य प्रतिभागियों को संरचनाओं के डिजाइन के लिए भू-तकनीकी जांच की अपेक्षाओं पर बुनियादी बातों व समकालीन विषयों से परिचित कराना था। पाठ्यक्रम ने परिवहन, बिजली, पेट्रोकेमिकल, बंदरगाह और हवाई अड्डों सहित सभी प्रकार की संरचनाओं, जैसे भवनों, पुलों और बुनियादी सुविधाओं को डिजाइन करने के लिए दिशानिर्देशों व आवश्यकताओं की समग्र समझ प्रदान की।

छात्र के मामले

नियुक्ति, अंतःशिक्षुता और उच्च अध्ययन 2022

परिसर नियुक्ति 2022

2022 की कक्षा के लिए नियुक्ति दौर भा.प्रौ.सं गांधीनगर के इतिहास में सबसे सफल रहा, हमारे पंजीकृत स्नातक छात्रों में से 90% से अधिक ने सॉफ्टवेयर, वित्तीय सेवाओं व परामर्श, निर्माण, अनुसंधान एवं विकास और सामग्री डिजाइन व प्रक्रिया विकास उद्योगों की एक विविध श्रेणी से नियुक्ति की पेशकश प्राप्त की। । हमने प्राप्त प्रस्तावों की संख्या में 30% की वृद्धि और नियोजित छात्रों की संख्या में 13% की वृद्धि को प्राप्त किया, और दूसरी तरफ हमारे छात्रों की भर्ती करने वाली कंपनियों की संख्या में 27% की वृद्धि हुई। उच्चतम पैकेज की पेशकश में पिछले वर्ष की तुलना में 32% की वृद्धि हुई, और औसत पैकेज में भी 27% की वृद्धि देखी गई। हमें निम्नलिखित संगठनों को अभिस्वीकृत करते हुए गर्व हो रहा है जिन्होंने 2022 में निवर्तमान बैच को

परिसर नियुक्ति की पेशकश की:

संगठनों का नाम
आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड
आरती इंडस्ट्रीज लिमिटेड
एक्सेंचर
एडवर्ब टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड
वीरांगना
अमूल
एप्लाइड डेटा वित्त
आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया लिमिटेड
आस्पेक्ट अनुपात
एटलस कोप्को इंडिया लिमिटेड
एटोटेक
एक्सेला सलाहकार सेवाएं
बार्कलेज
भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल)
बिज़ेंस टेक्नोलॉजीज
बायजु
कैक्टस संचार
कैपजेमिनी
वाहक निगम
सेरेमॉर्फिक टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड
कोगोपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड
डी ई शॉ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
डेसीमल प्वाइंट एनालिटिक्स प्राइवेट लिमिटेड
डेलॉयट
देवधर क्लासेस
शैक्षिक पहल
भ्रम
फिटजी लिमिटेड
फाइनेंसपीयर
फ़्लिपस्पेस डिज़ाइन लैब्स
गेल
सामान्य विद्युतीय
जेनस्टु कंसल्टेंट्स
गूगल
ग्रेविटॉन रिसर्च कैपिटल एलएलपी
ग्रेऑरेंज प्राइवेट लिमिटेड
एचसीएल टेक्नोलॉजीज
एचडीएफसी
हाइवमाइंड्स इनोवेटिव मार्केट सॉल्यूशंस
एचएलई ग्लासकोट लिमिटेड
आईसीआईसीआई बैंक
आईआईएफएल फाइनेंस
इम्पैक्ट गुरु टेक्नोलॉजी वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड
इन्फर्निया टेक्नोलॉजीज
जियो प्लेटफॉर्म लिमिटेड
जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड
जुबिलेंट इंग्रेविया
केएमके कंसल्टिंग इंक।
एल एंड टी इन्फोटेक
लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड
मेरिलीटिक्स
एमफैसिस
नमो के साथ देश
न्यूज़ेरा टेक लैब्स प्राइवेट लिमिटेड
एनवीआईडीआईए
ओम बीपीएम एलएलपी
वन 97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड (पेटीएम)
ऑप्टम, युनाइटेडहेल्थ ग्रुप
ओरेकल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
ऑर्किड
ऑयो
पंडित दीनदयाल ऊर्जा विश्वविद्यालय
पब्लिसिस सैपिएंट
पिरामिड कंसल्टिंग इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड
राम समूह
रिन्यू पावर
रेरा
रिस्ककॉवरी (उमबोइडटेक)
आरकेसी इंफ्राबिल्ट प्राइवेट लिमिटेड
सैमसंग रिसर्च इंस्टीट्यूट, बैंगलोर
सेडेमैक मेक्ट्रोनिक्स प्राइवेट लिमिटेड
श्रीराम जनरल इंश्योरेंस
सिम सलाह
सिंगुलैरिटी डायनामिक्स प्राइवेट लिमिटेड
स्कैन.ई
स्मार्टसेंस कंसल्टिंग सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
श्री चैतन्य शैक्षिक संस्थान - भारत
स्ट्रैंड लाइफ साइंसेज
स्विगी (बंडल टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड)
थर्मेक्स लिमिटेड
टाइगर एनालिटिक्स
अव्वल
ट्रुमइंड्स सॉफ्टवेयर सिस्टम्स
अनडोस्ट्रेस
सदाचार
विप्रो
जेडएस एसोसिएट्स प्राइवेट लिमिटेड

ग्रीष्मकालीन अंतःशिक्षुता 2022

हमारे छात्रों को इस वर्ष व्यक्तिगत रूप से अंतर्राष्ट्रीय अंतःशिक्षुता कार्यक्रम को आगे बढ़ाने का अवसर मिला, पिछले वर्ष के विपरीत जब कोविड-19 महामारी ने अप्रत्याशित व्यवधान पैदा किया था। तीस छात्रों ने सत्रह अंतरराष्ट्रीय संगठनों में व्यक्तिगत और ऑनलाइन दोनों तरह से अंतःशिक्षुता की। निम्नलिखित विवरण उनके अनुभव का अवलोकन प्रदान करते हैं।

हमें यह साझा करते हुए गर्व हो रहा है कि हमारे छात्रों को उनके अंतःशिक्षुता पर्यवेक्षकों से अत्यधिक सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली, जिन्होंने उनकी व्यावसायिकता, गहन उत्साह और अनुकूलन क्षमता की सराहना की। हमारा मानना है कि ये अनुभव न केवल हमारे छात्रों को उनके भविष्य के करियर में मदद करेंगे बल्कि उनके व्यक्तिगत विकास और वैश्विक अनुसंधान जागरूकता में भी योगदान देंगे।

विदेशी संस्थान/संगठन

छात्र का नाम	अनुशासन	मेजबान संस्था / संगठन
ईशान रणधीर गुजराती	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, यूएसए
संजय वेंकटेश	विद्युत अभियांत्रिकी	कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, यूएसए
सागर पारिख	विद्युत अभियांत्रिकी	कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, यूएसए
जूही अल्पेश कुमार पारिख	पदार्थ अभियांत्रिकी	कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, यूएसए
युवराज गुप्ता	सिविल अभियांत्रिकी	ईपीएफएल, स्विट्जरलैंड
अखिलेश चौहान	रासायनिक अभियांत्रिकी	आईएमबीसाइडयू.इंक
ध्रुव दर्डा	यांत्रिक अभियांत्रिकी	आईएमबीसाइडयू.इंक
पंडित शुभम भगवानदास	विद्युत अभियांत्रिकी	जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय, यूएसए
प्रीत शाह	यांत्रिक अभियांत्रिकी	जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय, यूएसए
तेजेंद्र पटेल	यांत्रिक अभियांत्रिकी	जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय, यूएसए
ऋषभ रोहिल	यांत्रिक अभियांत्रिकी	कुकेन कोग्यो, जापान
इंशा मंसूरी	यांत्रिक अभियांत्रिकी	कुकेन कोग्यो, जापान
श्रीधर सोमनाथ पवार	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	लिन.ई
धैर्य शाह	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	लिन.ई
सिद्धि प्रवीन सुरवार	पदार्थ अभियांत्रिकी	मोनाश विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया
मंडालिया हर्ष देवेंद्रभाई	यांत्रिक अभियांत्रिकी	नानयांग टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी (एनटीयू) सिंगापुर
तरुण शर्मा	विद्युत अभियांत्रिकी	साइमन फ्रेजर यूनिवर्सिटी, बर्नाबी
विंधानी आसमा आसिफ	विद्युत अभियांत्रिकी	स्टॉक्सडॉक
देसाई आदेश केतन	विद्युत अभियांत्रिकी	टेक्सास ए एंड एम यूनिवर्सिटी, यूएसए
पाहुनी जैन	रासायनिक अभियांत्रिकी	कैलगरी विश्वविद्यालय, अल्बर्टा
मुहम्मद यूसुफ हसन	विद्युत अभियांत्रिकी	कैलगरी विश्वविद्यालय, अल्बर्टा
अनिकेत रजनीश	यांत्रिक अभियांत्रिकी	यूनिवर्सिटी ऑफ सेंट्रल फ्लोरिडा, यूएसए
देसाई ऋषिक जतिन	पदार्थ अभियांत्रिकी	मैनिटोबा विश्वविद्यालय (मिटाक्स), कनाडा
दुधात्रा हर्ष प्रवीणकुमार	सिविल अभियांत्रिकी	मियामी विश्वविद्यालय, यूएसए
हिरल शर्मा	रासायनिक अभियांत्रिकी	मियामी विश्वविद्यालय, यूएसए
अभिज्ञान मार्टिन निनामा	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	मियामी विश्वविद्यालय, यूएसए
गुंटूरकर चैतन्य शशिकांत	पदार्थ अभियांत्रिकी	मियामी विश्वविद्यालय, यूएसए
शिरोडकर सोहम राजेश	पदार्थ अभियांत्रिकी	मियामी विश्वविद्यालय, यूएसए
बायद ईशा जयराज	रासायनिक अभियांत्रिकी	साउथेम्प्टन विश्वविद्यालय, यूके
प्रोज्ञान दास	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	जूलिप

भारतीय संगठन

छात्रों के एक अन्य समूह (गर्मियों में 192 और सर्दियों में 16) ने भारत के विभिन्न प्रमुख उद्योगों और संस्थानों में अंतःशिक्षुता की:

घरेलू अंतःशिक्षुता (ग्रीष्मकालीन)

छात्र का नाम	विषय	मेजबान संस्था / संगठन
आनंद कुमार यादव	यांत्रिक अभियांत्रिकी	10 सीजीपीए कोचिंग संस्थान
भुजबल आदित्य रामदास	रासायनिक अभियांत्रिकी	अदानी एंटरप्राइज लिमिटेड
अभिषेक विक्रांत मुंगेकर	यांत्रिक अभियांत्रिकी	अदानी एंटरप्राइज लिमिटेड

छात्र का नाम	विषय	मेजबान संस्था / संगठन
पीयूष धीरवानी	रासायनिक अभियांत्रिकी	अदानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड
स्नेहल ज्ञानेश्वर गोहद	सिविल अभियांत्रिकी	अदानी समूह
सारांश राकेश चौधरी	रासायनिक अभियांत्रिकी	अदानी समूह
श्रेयश अग्रवाल	रासायनिक अभियांत्रिकी	अदानी समूह
निखार्व विपुल शाह	विद्युत अभियांत्रिकी	अदानी समूह
गौरव शर्मा	यांत्रिक अभियांत्रिकी	अदानी समूह
शेलके स्नेहल राजकुमार	पदार्थ अभियांत्रिकी	अदानी समूह
अनुज त्रिपाठी	सिविल अभियांत्रिकी	अदानी रियल्टी
श्रेयसी सिंह	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	एडोब
पिंडी कृष्ण मोहन	विद्युत अभियांत्रिकी	एडोब
श्रेयांश चौरसिया	रासायनिक अभियांत्रिकी	एग्रोकास्ट एनालिटिक्स प्राइवेट लिमिटेड
पुष्पेंद्र प्रताप सिंह	विद्युत अभियांत्रिकी	एआरसी लाइफस्किल
साईं यशवर्धन	रासायनिक अभियांत्रिकी	एटीएससी-भा.प्रौ.सं बॉम्बे
मोनिका सैनी	रासायनिक अभियांत्रिकी	एटीएससी-भा.प्रौ.सं बॉम्बे
पार्थ मदान	रासायनिक अभियांत्रिकी	अटेन्टिव एआई
चौधरी क्षितिज मनीष	रासायनिक अभियांत्रिकी	बार्कलेज़्
ईशिका पाठक	विद्युत अभियांत्रिकी	बॉस्च
माधव विश्नम	रासायनिक अभियांत्रिकी	बीपीसीएल और तथ्य
मेधांश सिंह	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	व्यापार वेब समाधान
मुला साई रुथविक रेड्डी	विद्युत अभियांत्रिकी	सेरेमॉर्फिक इंक
मानस मूलपुरी	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	डीई शॉ
हृष्टि नाइक	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	डीई शॉ
पार्थ सचान	सिविल अभियांत्रिकी	दशमलव बिंदु विश्लेषिकी
श्रुहृद बांठिया	विद्युत अभियांत्रिकी	डेलॉइट यूएसआई
विशाल कुमार	रासायनिक अभियांत्रिकी	डीपी पुल्वराइज़र इंडस्ट्रीज
राहुल मीना	यांत्रिक अभियांत्रिकी	डीपी पुल्वराइज़र इंडस्ट्रीज
ऋषभ गुप्ता	विद्युत अभियांत्रिकी	डीआरडीओ
लिपिका राजपाल	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	ईसीओएम एक्सप्रेस लि
हिमांशु सिंघल	सिविल अभियांत्रिकी	एडविज़ो
द्विप दिव्येश दलाल	यांत्रिक अभियांत्रिकी	एफिसेंस
कांक्षी कोमरे	विद्युत अभियांत्रिकी	एमेरसे
विश्वास जोशी	यांत्रिक अभियांत्रिकी	फोकस तेल और ऊर्जा
सायन बिस्वास	यांत्रिक अभियांत्रिकी	फोर्ड मोटर प्राइवेट लिमिटेड
दीप कांत दवे	यांत्रिक अभियांत्रिकी	फोर्ड मोटर प्राइवेट लिमिटेड
अक्षता नायकू कोकने	यांत्रिक अभियांत्रिकी	फोर्ड मोटर प्राइवेट लिमिटेड
सुकृता प्रकाश मिदिगेशी	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	गोग्लोकल
गुनुरु मनोज तारक रामाराव	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	गूगल
रोहित शशिकांत सेवलकर	रासायनिक अभियांत्रिकी	गुजरात अल्कलीज एंड केमिकल्स लिमिटेड
श्रीजा राजेश कुमार अग्रवाल	यांत्रिक अभियांत्रिकी	ज्ञानप्रो एडू
सौरव यादव	यांत्रिक अभियांत्रिकी	आईबीहब्स
जायसवाल भुवेश ओमप्रकाश	सिविल अभियांत्रिकी	आईआईएससी बैंगलोर
माधव विक्रम कांडा	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	आईआईएससी बैंगलोर
वरद वी सरदेशपांडे	रासायनिक अभियांत्रिकी	भा.प्रौ.सं बॉम्बे
ध्रुव भावेश पारेख	विद्युत अभियांत्रिकी	भा.प्रौ.सं बॉम्बे
निमित अग्रवाल	विद्युत अभियांत्रिकी	भा.प्रौ.सं बॉम्बे
अनवर्त राहुलभाई पंड्या	यांत्रिक अभियांत्रिकी	भा.प्रौ.सं बॉम्बे

छात्र का नाम	विषय	मेजबान संस्था / संगठन
पटवर्धन सानिया अभय	यांत्रिक अभियांत्रिकी	भा.प्रौ.सं दिल्ली
पटेल कुश किरणकुमार	यांत्रिक अभियांत्रिकी	भा.प्रौ.सं दिल्ली
पटड़िया केवल संतोषकुमार	पदार्थ अभियांत्रिकी	भा.प्रौ.सं दिल्ली
वीना के	सिविल अभियांत्रिकी	भा.प्रौ.सं गांधीनगर
निधि भूषण उपासनी	सिविल अभियांत्रिकी	भा.प्रौ.सं गांधीनगर
लिम्बोरे प्रमोद सूर्यकांत	सिविल अभियांत्रिकी	भा.प्रौ.सं गांधीनगर
अमन चौधरी	सिविल अभियांत्रिकी	भा.प्रौ.सं गांधीनगर
कुसुम	सिविल अभियांत्रिकी	भा.प्रौ.सं गांधीनगर
स्वाति रावत	सिविल अभियांत्रिकी	भा.प्रौ.सं गांधीनगर
मोहित सिंह राजपूत	सिविल अभियांत्रिकी	भा.प्रौ.सं गांधीनगर
सक्षम	सिविल अभियांत्रिकी	भा.प्रौ.सं गांधीनगर
आरुषि अर्नव	सिविल अभियांत्रिकी	भा.प्रौ.सं गांधीनगर
हेमंत पूनिया	सिविल अभियांत्रिकी	भा.प्रौ.सं गांधीनगर
अश्विनी सुनील राय	सिविल अभियांत्रिकी	भा.प्रौ.सं गांधीनगर
बिककुमल्ला ऋषिता	सिविल अभियांत्रिकी	भा.प्रौ.सं गांधीनगर
मांडवेकर श्रीयश सुधाकर	रासायनिक अभियांत्रिकी	मेजबान संस्था / संगठन
अनुज उज्ज्वल बुच	रासायनिक अभियांत्रिकी	10 सीजीपीए कोचिंग संस्थान
नायक साहिल प्रकाशकुमार	रासायनिक अभियांत्रिकी	अदानी एंटरप्राइज लिमिटेड
भलाला आयुष जगदीशभाई	रासायनिक अभियांत्रिकी	अदानी एंटरप्राइज लिमिटेड
हर्षवर्धन वाला	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	अदानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड
पटेल ध्रुव किरीटभाई	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	अदानी समूह
विशाल घोनिया	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	अदानी समूह
उत्कर्ष मित्तल	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	अदानी समूह
तलारी वेंकट सनी	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	अदानी समूह
बसावाला प्रशांत कुमार	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	अदानी समूह
पटेल व्रजेश	विद्युत अभियांत्रिकी	अदानी समूह
जिनाय ए दगली	विद्युत अभियांत्रिकी	अदानी रियल्टी
डेनियल गिफ्टसन ई	विद्युत अभियांत्रिकी	एडोब
आर्यन गुप्ता	विद्युत अभियांत्रिकी	एडोब
सोनू मीना	विद्युत अभियांत्रिकी	एग्रोकास्ट एनालिटिक्स प्राइवेट लिमिटेड
पटेल राजन गिरीशभाई	विद्युत अभियांत्रिकी	एआरसी लाइफस्किल
साईं शुभम	विद्युत अभियांत्रिकी	एटीएससी-भा.प्रौ.सं बॉम्बे
शुभम कुमार	विद्युत अभियांत्रिकी	एटीएससी-भा.प्रौ.सं बॉम्बे
अजितेश जोशी	विद्युत अभियांत्रिकी	चौकस एआई
धीरज कुमार	विद्युत अभियांत्रिकी	बार्कलेज़
एरांडी सैनीथ	विद्युत अभियांत्रिकी	बॉस्च
वेदांग जोतीराम चव्हाण	यांत्रिक अभियांत्रिकी	बीपीसीएल और तथ्य
शांडिली वाजपेयी	यांत्रिक अभियांत्रिकी	व्यापार वेब समाधान
चव्हाण सागर भीकन	यांत्रिक अभियांत्रिकी	सेरेमॉर्फिक इंक
पिंटू कुमार मीणा	यांत्रिक अभियांत्रिकी	डीई शॉ
आर्यन जितेश शाह	यांत्रिक अभियांत्रिकी	डीई शॉ
कृतिका कुमावत	यांत्रिक अभियांत्रिकी	दशमलव बिंदु विश्लेषिकी
संस्कार अनिल नालकंडे	यांत्रिक अभियांत्रिकी	डेलॉइट यूएसआई
व्यवहारे सौरभ नीलेश	पदार्थ अभियांत्रिकी	डीपी पुल्वराइज़र इंडस्ट्रीज
आनंदु मुरलीधरन	पदार्थ अभियांत्रिकी	डीपी पुल्वराइज़र इंडस्ट्रीज
बहिरत अर्चित प्रशांत	पदार्थ अभियांत्रिकी	डीआरडीओ

छात्र का नाम	विषय	मेजबान संस्था / संगठन
शेजिना एम	पदार्थ अभियांत्रिकी	ईसीओएम एक्सप्रेस लि
जितेन्द्र कुमार	पदार्थ अभियांत्रिकी	एडविज़ो
सिद्धार्थ जोशी	पदार्थ अभियांत्रिकी	एफिसेंस
कदली हंसिनी	सिविल अभियांत्रिकी	एमेरज़े
श्रेया शुक्ला	पदार्थ अभियांत्रिकी	फोकस तेल और ऊर्जा
रुचित चुडासमा	विद्युत अभियांत्रिकी	फोर्ड मोटर प्राइवेट लिमिटेड
केविन	रासायनिक अभियांत्रिकी	फोर्ड मोटर प्राइवेट लिमिटेड
हेतवी पटेल	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	फोर्ड मोटर प्राइवेट लिमिटेड
वीरगामी गौरव	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	गोग्लोकल
आर्य	रासायनिक अभियांत्रिकी	गूगल
ऐश्वर्या उमर	यांत्रिक अभियांत्रिकी	गुजरात अल्कलीज एंड केमिकल्स लिमिटेड
ठुमर मीट	यांत्रिक अभियांत्रिकी	ज्ञानप्रो एडू
समीर खान मेहर	पदार्थ अभियांत्रिकी	आईबीहब्स
ध्वनि मनीष शाह	यांत्रिक अभियांत्रिकी	आईआईएससी बैंगलोर
प्रयागी ईशान सुनील	यांत्रिक अभियांत्रिकी	आईआईएससी बैंगलोर
उपासना पंकज	सिविल अभियांत्रिकी	भा.प्रौ.सं बॉम्बे
पारस जैन	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	भा.प्रौ.सं बॉम्बे
अक्षय चौरसिया	रासायनिक अभियांत्रिकी	भा.प्रौ.सं बॉम्बे
साक्षी जगताप	विद्युत अभियांत्रिकी	भा.प्रौ.सं बॉम्बे
श्रेष्ठ तोसनीवाल	यांत्रिक अभियांत्रिकी	भा.प्रौ.सं दिल्ली
धनश्री संजय इंगले	रासायनिक अभियांत्रिकी	भा.प्रौ.सं दिल्ली
शांतनु साहू	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	भा.प्रौ.सं दिल्ली
अंजलि मिलिंद गवई	विद्युत अभियांत्रिकी	भा.प्रौ.सं गांधीनगर
प्रतीक कुमार झा	यांत्रिक अभियांत्रिकी	भा.प्रौ.सं गांधीनगर
अदिति अग्रवाल	रासायनिक अभियांत्रिकी	भा.प्रौ.सं गांधीनगर
नलामोलु जया सूर्य वामसी	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	भा.प्रौ.सं गांधीनगर
चौहान मिहिर हर्षदकुमार	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	भा.प्रौ.सं गांधीनगर
प्रथम कनैयालाल पांचाल	यांत्रिक अभियांत्रिकी	भा.प्रौ.सं गांधीनगर
अमन अंसारी	यांत्रिक अभियांत्रिकी	भा.प्रौ.सं गांधीनगर
हाइकू अशोक खंडोर	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	भा.प्रौ.सं गांधीनगर
आयुष आनंद	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	भा.प्रौ.सं गांधीनगर
लवती शुभ सुनील	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	भा.प्रौ.सं गांधीनगर
निपुण महाजन	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	भा.प्रौ.सं गांधीनगर
पारस गुप्ता	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	भा.प्रौ.सं गांधीनगर
अनुराग कुर्ले	विद्युत अभियांत्रिकी	मेजबान संस्था / संगठन
उमंग अग्रवाल	पदार्थ अभियांत्रिकी	10 सीजीपीए कोचिंग संस्थान
शांतनु	रासायनिक अभियांत्रिकी	अदानी एंटरप्राइज लिमिटेड
चोगले ईशानी आशीष	पदार्थ अभियांत्रिकी	अदानी एंटरप्राइज लिमिटेड
अमन सामरिया	सिविल अभियांत्रिकी	अदानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड
स्नेहा शामराव सावले	यांत्रिक अभियांत्रिकी	अदानी समूह
हितार्थ गांधी	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	अदानी समूह
जॉय राजेशकुमार मकवाना	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	अदानी समूह
सिद्धेश कनवाडे	विद्युत अभियांत्रिकी	अदानी समूह
दुर्गेश पाटिल	पदार्थ अभियांत्रिकी	अदानी समूह
शाश्वत राजेश जैन	सिविल अभियांत्रिकी	अदानी समूह
पुरोहित हर्षिल प्रवाल	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	अदानी रियल्टी

छात्र का नाम	विषय	मेजबान संस्था / संगठन
कौशिक चंद्र चेन्ना	विद्युत अभियांत्रिकी	एडोब
पटेल विदेह प्रेरकभाई	यांत्रिक अभियांत्रिकी	एडोब
दीपक सिंह	विद्युत अभियांत्रिकी	एग्रोकास्ट एनालिटिक्स प्राइवेट लिमिटेड
माहिका ओम जगस्ते	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	एआरसी लाइफस्किल
पल्लव जैन	यांत्रिक अभियांत्रिकी	एटीएससी-भा.प्रौ.सं बॉम्बे
भूमिका मंडलोई	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	एटीएससी-भा.प्रौ.सं बॉम्बे
चेतन किशोर	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	चौकस एआई
दिव्यांशु मीना	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	बार्कलेज़
तुमति रोहित कुमार रेड्डी	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	बॉस्च
मुडे हर्षवर्धन नाइक	रासायनिक अभियांत्रिकी	बीपीसीएल और तथ्य
समा साईं श्रेया मुदिराज	विद्युत अभियांत्रिकी	व्यापार वेब समाधान
सी फहीम शनवास	रासायनिक अभियांत्रिकी	सेरेमॉर्फिक इंक
निकिता	यांत्रिक अभियांत्रिकी	डीई शॉ
बावरिया मीतकुमार	रासायनिक अभियांत्रिकी	डीई शॉ
वीरेंद्र सिंह	सिविल अभियांत्रिकी	रूपेज़ फिनटेक प्राइवेट लिमिटेड
रामिरेड्डी लक्ष्मी नागेश्वरी	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	बिक्री बल
श्रेया सिंह	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	बिक्री बल
ऋषभ पाटीदार	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	सेन्स वेब सोल्युशंस
यश खंडेलवाल	रासायनिक अभियांत्रिकी	सियर्स होल्डिंग्स इंडिया
आर्यमन तोमर	विद्युत अभियांत्रिकी	सेमुसी टेक्नोलॉजीज़
वशिष्ठ गौतम प्रशांत	विद्युत अभियांत्रिकी	स्कैन एआई
आदर्श गोलायत	यांत्रिक अभियांत्रिकी	स्मार्टोकिड्स
भावेश जैन	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	स्मार्टसेंस
यावलकर अभिषेक गणपति	सिविल अभियांत्रिकी	स्मार्टसेंस कंसल्टिंग सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
प्रकृति	विद्युत अभियांत्रिकी	स्पीडएडलैब्स
कमल किशोर वैष्णव	यांत्रिक अभियांत्रिकी	स्पीड एडलैब्स
रवि विनोद कुमार पटेल	सिविल अभियांत्रिकी	स्प्रीह
वरुण चंदवानी	रासायनिक अभियांत्रिकी	स्प्रीह
दीपक पटेल	रासायनिक अभियांत्रिकी	स्प्रीह
निनाद पार्थिव शाह	विद्युत अभियांत्रिकी	स्पाइन.एआई
तन्वी सनंदिया	विद्युत अभियांत्रिकी	स्टेमपीडिया
वरुण बराला	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	स्ट्रैंड लाइफ साइंस
सोनी विशाल जयेश	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	स्ट्रैंड लाइफ साइंसेज
मेकला ऋषिता रवि	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	स्ट्रैंड लाइफ साइंसेज
वी पी शिवशंकरन	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	स्ट्रैंड लाइफ साइंसेज
शाह रेवंत	रासायनिक अभियांत्रिकी	स्तर संपत्ति प्रबंधन
मानवेंद्र सिंह सोंगारा	यांत्रिक अभियांत्रिकी	सुविधा फाउंडेशन
पय्यवुला जगदीश	रासायनिक अभियांत्रिकी	प्रतिभा सेवा
अभिषेक जनागल	पदार्थ अभियांत्रिकी	प्रतिभा सेवा
पलकुर्ती चेतन कुमार	पदार्थ अभियांत्रिकी	प्रतिभा सेवा
कृष्णम हसीजा	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज रिसर्च एंड इनोवेशन
रिया बंसल	यांत्रिक अभियांत्रिकी	टाटा मोटर्स
चिंतलपति श्रीविद्या	विद्युत अभियांत्रिकी	टेक्सस उपकरण
संचित मित्तल	विद्युत अभियांत्रिकी	टेक्सस उपकरण

छात्र का नाम	विषय	मेजबान संस्था / संगठन
अजय करवासरा	पदार्थ अभियांत्रिकी	टेक डेस्टिनी
पुलकित जैन	विद्युत अभियांत्रिकी	ट्रेडिंग टेक्नोलॉजीज
जी बी हर्षवर्धन	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	टुमइंड्स सॉफ्टवेयर सॉल्यूशंस
लिखिता बासवानी	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	टुमइंड्स सॉफ्टवेयर सॉल्यूशंस
अचल कनौजिया	विद्युत अभियांत्रिकी	अनबॉक्स रोबोटिक्स
सवुडम साईं सात्विक	यांत्रिक अभियांत्रिकी	अनबॉक्स रोबोटिक्स
शुभम वर्मा	यांत्रिक अभियांत्रिकी	विटारा एंटरप्राइजेज

स्थानीय अंतःशिक्षुता (शीतकाल)

छात्र का नाम	अनुशासन	मेजबान संस्थान/संगठन
मेकला ऋषिता रवि	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	ट्रेडिया
रोहित कुमार रेड्डी	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	पब्लिसिस सैपिएंट
अजितेश जोशी	विद्युत अभियांत्रिकी	नेससरिओ इनोवेशन
अनिकेत रजनीश	यांत्रिक अभियांत्रिकी	क्रेज़ीलैब्स
ऋषभ रोहिल	यांत्रिक अभियांत्रिकी	मिस्टर ग्रोसर
विदेह पटेल	यांत्रिक अभियांत्रिकी	ऑरेंजवुड लैब्स
आनंद कुमार यादव	यांत्रिक अभियांत्रिकी	10 सीजीपीए कोचिंग संस्थान
श्रेष्ठ तोसनीवाल	यांत्रिक अभियांत्रिकी	गुजरात फ्लोटेक्स प्राइवेट लिमिटेड
संकर्षण कुलकर्णी	रासायनिक अभियांत्रिकी	फर पालतू देखभाल सेवा के लिए
युवराज गुप्ता	सिविल अभियांत्रिकी	सीक्यूआरए
प्रोज्ञान दास	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	नेससरिओ इनोवेशन
सुकृता प्रकाश मिदिगेशी	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	इलिटमस
अदिति डे	विद्युत अभियांत्रिकी	इंटरसेक्ट आईक्यू
रुचित चुडासमा	विद्युत अभियांत्रिकी	नेससरिओ इनोवेशन
डेनियल गिफ्टसन ई	विद्युत अभियांत्रिकी	इनमोविडु टेक्नोलॉजीज
द्विप दलाल	यांत्रिक अभियांत्रिकी	नेससरिओ इनोवेशन

विदेश में उच्च अध्ययन करने वाले 2022 स्नातकों की कक्षा

जुलाई 2022 में स्नातक होने वाले छात्रों में से कुल 61 छात्रों के आगे की पढ़ाई के लिए जाने की उम्मीद है, जिनमें से 40 के विदेश जाने की उम्मीद है जबकि 21 के घरेलू संस्थानों में शामिल होने की उम्मीद है। पिछले वर्ष की तुलना में, हमने 3% की कुल वृद्धि देखी है; जबकि यूजी छात्रों में 5% की वृद्धि देखी गई है। छात्रों के बारे में अधिक जानकारी इस प्रकार है:

नाम	भा.प्रौ.सं गांधीनगर में विषय	कार्यक्रम	संस्थान	राष्ट्र
बीटेक				
पटेल स्मित भूपेशभाई	पदार्थ अभियांत्रिकी	एप्लाइड साइंस के मास्टर	ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय	कनाडा
अमय अमोल कुलकर्णी	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	एमएस	ईपीएफएल	स्विट्ज़रलैंड
ध्रुव मेनन	पदार्थ अभियांत्रिकी	एमआरएस + पीएचडी	कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय	यूनाइटेड किंगडम
जाह्नवी विनोद कुमार ठक्कर	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	एमएससी	इंपीरियल कॉलेज लंदन	यूनाइटेड किंगडम
आयुष मनोज कुमार लोढ़ा	सिविल अभियांत्रिकी	एमएस	इंडियाना विश्वविद्यालय पर्ड्यू विश्वविद्यालय इंडियानापोलिस	अमेरीका
कमलेश अरुण सावड़ेकर	सिविल अभियांत्रिकी	एमएस	पेंसिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी	अमेरीका
ध्रुवी रमणिकलाल गोंदालिया	सिविल अभियांत्रिकी	एमएस	इलिनोइस अर्बाना-शैंपेन विश्वविद्यालय	अमेरीका
त्रिवेदी शुभंग कृष्णकांत	सिविल अभियांत्रिकी	एमएस	जॉर्जियाटेक	अमेरीका
शिवम साहनी	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	एमएस	कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सैन डिएगो	अमेरीका
हर्ष महेंद्र भाई पटेल	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	एमएस	कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सैन डिएगो	अमेरीका
विवेक मोदी	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	एमएस	रटगर्स यूनिवर्सिटी	अमेरीका
क्रिस फ्रांसिस	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	एमएस	कैलिफोर्निया सैन डिएगो विश्वविद्यालय	अमेरीका
पलक पुरोहित	विद्युत अभियांत्रिकी	एमएस	कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (कैलटेक)	अमेरीका
श्रील परेश मोदी	विद्युत अभियांत्रिकी	एमएस	कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सैन डिएगो	अमेरीका
वरुण जैन	विद्युत अभियांत्रिकी	एमएस	करनेगी मेलों विश्वविद्याल	अमेरीका
विराज कल्पेश शाह	विद्युत अभियांत्रिकी	एमएस	कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सैन डिएगो	अमेरीका
ध्रुवी प्रकाश लोधविया	विद्युत अभियांत्रिकी	एमएस	कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सैन डिएगो	अमेरीका
प्रवीण वेंकटेश	विद्युत अभियांत्रिकी	एमएस	करनेगी मेलों विश्वविद्याल	अमेरीका
वृतिक शाह	विद्युत अभियांत्रिकी	एमएस	कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सैन डिएगो	अमेरीका
संकेत वाधवाना	विद्युत अभियांत्रिकी	एमएस	पर्ड्यू विश्वविद्यालय	अमेरीका
वागीशा	विद्युत अभियांत्रिकी	एमएस	पर्ड्यू विश्वविद्यालय	अमेरीका
ध्रुव महेश बुकिनकेरे	पदार्थ अभियांत्रिकी	एमएस	पेनसिल्वेनिया यूनिवर्सिटी	अमेरीका
आर मिथुन	पदार्थ अभियांत्रिकी	एमएस	वाशिंगटन विश्वविद्यालय	अमेरीका
नवनीत कौर	यांत्रिक अभियांत्रिकी	एमएस	वाशिंगटन विश्वविद्यालय	अमेरीका
जयदीप गुलाब रामनानी	यांत्रिक अभियांत्रिकी	एमएस	करनेगी मेलों विश्वविद्याल	अमेरीका
आरिश पराग शाह	यांत्रिक अभियांत्रिकी	एमएस	मिशिगन यूनिवर्सिटी	अमेरीका
एस गणेश	यांत्रिक अभियांत्रिकी	एमएस	कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सैन डिएगो	अमेरीका
र्विक राणा	यांत्रिक अभियांत्रिकी	एमएस	वाशिंगटन विश्वविद्यालय	अमेरीका
जय शाह	रासायनिक अभियांत्रिकी	पीएचडी	डेलावेयर विश्वविद्यालय	अमेरीका
हरि मनीष दवे	सिविल अभियांत्रिकी	पीएचडी	इलिनोइस अर्बाना-शैंपेन विश्वविद्यालय	अमेरीका
शास्त्री हेतवी हिरेन	विद्युत अभियांत्रिकी	पीएचडी	मैसाचुसेट्स एमहर्स्ट विश्वविद्यालय	अमेरीका
प्रणकुश अग्रवाल	विद्युत अभियांत्रिकी	पीएचडी	जॉर्जिया तकनीकी संस्थान	अमेरीका
एमएससी				
हर्षवर्धन वी	भौतिक विज्ञान	एमएससी इंटीग्रेटेड	हैम्बर्ग विश्वविद्यालय	जर्मनी
अभिनंद दास	संज्ञानात्मक विज्ञान	पीएचडी	कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, लॉस एंजिल्स (यूसीएलए)	अमेरीका
ऋतिका गोयल	गणित	पीएचडी	टेनेसी नॉक्सविले विश्वविद्यालय	अमेरीका
एमटेक				
हरि एस नायर	जैविक अभियांत्रिकी	पीएचडी	मॉन्ट्रियल विश्वविद्यालय	कनाडा
जयिष्णु राय	जैविक अभियांत्रिकी	पीएचडी	भैंस में विश्वविद्यालय	अमेरीका
रत्निका गुप्ता	रासायनिक अभियांत्रिकी	पीएचडी	चावल विश्वविद्यालय	अमेरीका
अंकिता मोहंती	पदार्थ अभियांत्रिकी	पीएचडी	स्टोनी ब्रुक विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क	अमेरीका
उत्कर्ष श्रीवास्तव	यांत्रिक अभियांत्रिकी	पीएचडी	कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, मर्सिडी	अमेरीका

भारत में उच्च अध्ययन करने वाले कक्षा 2022 के स्नातक

नाम	भा.प्रौ.सं गांधीनगर में विषय	कार्यक्रम	संस्थान	राष्ट्र
बीटेक				
भूतड़ा धनेश जगदीश	रासायनिक अभियांत्रिकी	एमबीए	भारतीय प्रबंधन संस्थान कलकत्ता	भारत
हर्षित कुमार	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	एमबीए	भारतीय प्रबंधन संस्थान कलकत्ता	भारत
विराज म शाह	यांत्रिक अभियांत्रिकी	एमबीए	भारतीय प्रबंधन संस्थान कलकत्ता	भारत
मालवे ऐश्वर्य अजय	सिविल अभियांत्रिकी	एमटेक	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास	भारत
अमन	सिविल अभियांत्रिकी	पीजीपी	भारतीय प्रबंधन संस्थान लखनऊ	भारत
उदित व्यास	विद्युत अभियांत्रिकी	पीजीपी	भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद	भारत
एमएससी				
शाह नियति भूपेंद्र	भौतिक विज्ञान	निदेशक पीएच.डी. अध्येता	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर	भारत
श्वेता सिंह	रसायन विज्ञान	पीएचडी	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की	भारत
तरुण बंसल	रसायन विज्ञान	पीएचडी	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर	भारत
पंकज	भौतिक विज्ञान	पीएचडी	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की	भारत
जूही सिंह	भौतिक विज्ञान	पीएचडी	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की	भारत
एमटेक				
हेमा नवीन ए	जैविक अभियांत्रिकी	पीएचडी	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर	भारत
आशा भारद्वाज	रासायनिक अभियांत्रिकी	पीएचडी	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली	भारत
सोलंकी हिरेन राजेशभाई	भू प्रणाली विज्ञान	पीएचडी	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर	भारत
अनिमेष शर्मा	विद्युत अभियांत्रिकी	पीएचडी	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर	भारत
अभिजीत छत्र	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	पीएचडी	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर	भारत
रघनदान बारठाकुरे	यांत्रिक अभियांत्रिकी	पीएचडी	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर	भारत
अभिषेक सरकार	यांत्रिक अभियांत्रिकी	पीएचडी	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर	भारत
एमएएससी				
रेम्या पी के	मानविकी और सामाजिक विज्ञान	जीएलए-पोस्टग्रेजुएट डिप्लोमा	एलायंस विश्वविद्यालय	भारत
दर्शना कुमार	मानविकी और सामाजिक विज्ञान	पीएचडी	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर	भारत
तनूरिमा शॉ	मानविकी और सामाजिक विज्ञान	पीएचडी	टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान	भारत

छात्रवृत्तियां

छात्रों को प्राप्त छात्रवृत्तियां एवं वित्तीय सहायता

भा.प्रौ.सं गांधीनगर का मानना है कि आर्थिक तंगी किसी भी छात्र की शैक्षणिक उपलब्धि में बाधा नहीं बननी चाहिए। संस्थान की अत्यधिक उदार वित्तीय सहायता और छात्रवृत्ति कार्यक्रम यह सुनिश्चित करते हैं कि कोई भी छात्र अपनी वित्तीय स्थिति के कारण वंचित महसूस न करे। संस्थान ने इस प्रकार कई छात्रवृत्ति और वित्तीय सहायता तंत्र जैसे दाता छात्रवृत्ति, उत्कृष्टता छात्रवृत्ति, टीएमएल-एफएपी (टाटा मोटर्स लिमिटेड वित्तीय सहायता कार्यक्रम), शिक्षण शुल्क छूट आदि का गठन किया है। उपरोक्त के अलावा, वित्तीय अनुदान के रूप में आर्थिक सहायता भी प्रदान करता है जैसे की, योग्य छात्रों को ट्यूशन शुल्क, छात्रावास और मेस शुल्क, किताबें, कंप्यूटर, जेब खर्च, चिकित्सा आपात स्थिति (बीमा द्वारा कवर किए जाने से परे) जैसे खर्चों के लिए ब्याज मुक्त लघु / दीर्घकालिक ऋण, सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों, अन्तःशिक्षुता और शैक्षिक पर्यटन आदि।

ब्याज मुक्त ऋण व अनुदान छात्र हितैषी कोष से प्रदान किए जाते हैं। लंबी अवधि के ऋणों के लिए पुनर्भुगतान की तारीखें प्राप्तकर्ता छात्र के स्नातक होने की तारीख से अधिकतम 36 महीने तक बढ़ सकती हैं। अल्पकालिक और दीर्घकालिक ऋणों के विपरीत, वित्तीय अनुदान के रूप में प्राप्त सहायता को लाभार्थी छात्रों द्वारा पुनर्भुगतान नहीं किया जाता है।

छात्रों को प्राप्त कुल छात्रवृत्ति और वित्तीय सहायता

छात्रवृत्ति और वित्तीय सहायता का प्रकार	2022-23	
	लाभार्थियों की संख्या	छात्रवृत्ति की राशि (रुपये में)
दस महीने के लिए मुफ्त बुनियादी भोजन और 250/- रुपये प्रति माह जेब खर्च	102	41,48,363
दाता छात्रवृत्ति	81	83,55,000
उत्कृष्टता छात्रवृत्ति	27	4,40,000
टीएमएल-एफएपी सहायता	34	21,15,982
ट्यूशन फीस छूट (यूजी) शीतकालीन अवधि सहित	220	3,94,90,046
ट्यूशन फीस छूट (पीजी)	85	13,55,000
ब्याज मुक्त ऋण और अनुदान (भा.प्रौ.सं गांधीनगर के लिए छात्र हितैषी निधि से प्रदान की गई वित्तीय सहायता)	242	1,76,68,902
वित्तीय अनुदान	5	1,98,700
जीएसईसीएल सीएसआर फंड से भा.प्रौ.सं गांधीनगर के छात्रों को वित्तीय सहायता	57	25,00,000
कुल (रुपये में)	**853**	**7,62,71,993**

छात्रों को प्राप्त वित्तीय सहायता

स्नातक छात्रों के लिए वित्तीय सहायता

मंत्रालय के मानदंडों के अनुसार, माता-पिता की आय 1 लाख रुपये से कम वाले छात्रों को पूर्ण शिक्षण शुल्क छूट मिलती है, जबकि माता-पिता की आय 1 लाख रुपये से 5 लाख रुपये के बीच है, उन्हें शुल्क में दो तिहाई की छूट मिलती है। 1 लाख रुपये से 2.5 लाख रुपये के बीच माता-पिता की आय, वाले छात्रों को भा.प्रौ.सं गांधीनगर अतिरिक्त एक तिहाई शिक्षण शुल्क प्रतिपूर्ति प्रदान करता है। इसलिए, वे भा.प्रौ.सं गांधीनगर में अपनी शिक्षा के लिए प्रभावी रूप से पूर्ण शिक्षण शुल्क छूट प्राप्त करते हैं। यह सहायता छात्र हितैषी और कल्याण कोष या उत्कृष्टता निधि से प्रदान की जाती है।

शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के दौरान कुल 59 बीटेक छात्रों को यह अतिरिक्त एक तिहाई छूट ट्यूशन शुल्क में प्राप्त हुई ।

स्नातकोत्तर छात्रों के लिए वित्तीय सहायता

2.5 लाख रुपये तक की माता-पिता की आय वाले छात्रों को भा.प्रौ.सं गांधीनगर में उनकी शिक्षा के लिए पूर्ण शिक्षण शुल्क प्रतिपूर्ति प्रदान की जाती है। यह सहायता छात्र हितैषी और कल्याण कोष या उत्कृष्टता निधि से प्रदान की जाती है।

शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के दौरान कुल 85 परास्नातक (एमटेक, एमएससी और एमए) छात्रों को पूर्ण शिक्षण शुल्क छूट प्राप्त हुई।

मुफ़्त बुनियादी भोजन और जेब खर्च सहायता

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग के सभी छात्र पूर्ण शिक्षण शुल्क छूट का लाभ उठाते हैं। इसके अलावा, संस्थान

एससी/एसटी छात्रों को 10 महीने के लिए 250 रुपये प्रति माह की मुफ्त बुनियादी भोजन और नाममात्र जेब भत्ता प्रदान करता है, जिनकी माता-पिता की वार्षिक आय 4.5 लाख रुपये तक है। यह सहायता बीटेक और एमएससी (भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित) अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के छात्रों को प्रदान की जाती है।

कुल 72 स्नातक और 30 स्नातकोत्तर अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के छात्र जिनकी वार्षिक पैतृक आय इस सहायता के लिए निर्धारित सीमा के भीतर थी, उन्हें शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के दौरान दस महीने के लिए मुफ्त बुनियादी भोजन और 250 रुपये प्रति माह जेब खर्च की सुविधा दी गई थी।

उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति

भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने अकादमिक, खेल और खेल, कला और संस्कृति, और सामाजिक कार्य और नेतृत्व में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए कई उत्कृष्ट छात्रवृत्तियां शुरू की हैं। ये छात्रवृत्ति संबंधित क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियों के आधार पर प्रदान की जाती हैं। छात्रवृत्ति में 10 महीने के लिए प्रति माह 2000 रुपये का मौद्रिक लाभ होता है। हालांकि, यदि पुरस्कार विजेता भी समान या उच्च मूल्य की किसी अन्य छात्रवृत्ति का प्राप्तकर्ता है, तो वह केवल 5000 रुपये की एक बार की प्राप्ति के लिए पात्र है। शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए उत्कृष्टता छात्रवृत्ति निम्नानुसार प्रदान की गई है :

शिक्षा में उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति

- आरुषि अर्नव, पाहुनी जैन, श्रेया सिंह, इशिका पाठक, ध्वनि मनीष शाह और जूही अल्पेशकुमार पारिख, 2019 बीटेक बैच से अकादमिक में उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।
- युवराज गुप्ता, अनुज उज्जवल बुच, प्रज्ञान दास, पटेल व्रजेश, वेदांग जोतिराम चव्हाण और श्रेया शुक्ला, 2020 बीटेक बैच से शिक्षा में उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।
- पराग दुलानी, रुद्र रवींद्र वेंगुरलेकर, मिथिल पेचीमुथु, काटा लोकेश पवन, धवल नितिन काबरा और इंदिरा गढ़वी, 2021 बीटेक बैच से शिक्षा में उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

खेलकूद में उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति

स्नेहल ज्ञानेश्वर गोहद, अजय करवासरा, प्रीत एस शाह, कलश कांकरिया, पटवर्धन सानिया अभय और अदित अतुल रामभिया को शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए खेलकूद में उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया।

कला और संस्कृति में उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति

सचिन यादव और जूही अल्पेशकुमार पारिख को शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए कला और संस्कृति में उत्कृष्टता के लिए इस छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया।

सामाजिक कार्य और नेतृत्व में उत्कृष्टता

दीप समीर ठक्कर और निखार्व विपुल शाह को शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए सामाजिक कार्य और नेतृत्व में उत्कृष्टता के लिए इस छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया।

छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ताओं

उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति

छात्रवृत्ति	प्राप्तकर्ता का नाम
बीटेक 2019 बैच से शिक्षा में उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति	आरुषि अर्नव, पाहुनी जैन, श्रेया सिंह, इशिका पाठक, ध्वनि मनीष शाह और जूही अल्पेशकुमार पारिख
बीटेक 2020 बैच से शिक्षाविदों में उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति	युवराज गुप्ता, अनुज उज्जवल बुच, प्रज्ञान दास, पटेल व्रजेश, वेदांग जोतिराम चव्हाण और श्रेया शुक्ला
बीटेक 2021 बैच से शिक्षा में उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति	पराग दुलानी, रुद्र रवींद्र वेंगुरलेकर, मिथिल पेचीमुथु, काटा लोकेश पवन, धवल नितिन काबरा और इंदिरा गढ़वी
खेल-कूद में उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति	स्नेहल ज्ञानेश्वर गोहद, अजय करवासरा, प्रीत एस शाह, कलश कांकरिया, पटवर्धन सानिया अभय और आदित अतुल रामभिया
कला और संस्कृति में उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति	सचिन यादव और जूही अल्पेश कुमार पारिख
सामाजिक कार्य और नेतृत्व में उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति	दीप समीर ठक्कर और निखार्व विपुल शाह

छात्रों के लिए छात्रवृत्ति

छात्रवृत्ति	प्राप्तकर्ता का नाम
अमलथिया छात्रवृत्ति	तल्ला ज्ञान साई, वूरोगोंडा राजेश और बालू कार्तिक राम
श्री शांति सरूप अग्रवाल छात्रवृत्ति	दिव्या चिंचोले
गौरी सुगन अग्रवाल छात्रवृत्ति	यश अधिया
आचार्य एककिराला भारद्वाज छात्रवृत्ति	अभले महेश एकनाथ
एराच और मेहरू मेहता मेमोरियल दक्षिणा छात्रवृत्ति	पन्नाला नागा शेशु रेड्डी और नंदकिशोर कुमार पंडित
चंद्रकांत और पेट्रीसिया देसाई छात्रवृत्ति	पविधर जैन
चेतन धांडे छात्रवृत्ति	प्रोज्ञान दास
प्रो एम एच दिवेकर छात्रवृत्ति	पाहुनी जैन
नीलोम फाउंडेशन छात्रवृत्ति	युवराज गुप्ता
श्री टेमासेक@भा.प्रौ.सं गांधीनगर छात्रवृत्ति	नवल जग्गी
कंदोई-डैरकी-गौरव छात्रवृत्ति	अमन राज
कंकुबेन बरूशीरामभाई गेलोट छात्रवृत्ति	अदिति अग्रवाल
नेहा और विनय गुप्ता छात्रवृत्ति	जायसवाल भुवेश ओमप्रकाश
अशोक जैन छात्रवृत्ति	पटवर्धन सानिया अभय
एन के जैन छात्रवृत्ति	रौनक कालरा
सीमा जैन छात्रवृत्ति	उपासना पंकज
श्रीमती मगन जैन छात्रवृत्ति	पटड़िया केवल संतोषकुमार
निशा और विपिन जैन छात्रवृत्ति	धाकड़ भगत सिंह
प्रो बी एल झा मेमोरियल छात्रवृत्ति	आयुष गुप्ता
श्रीमती सीता झा स्मृति छात्रवृत्ति	साक्षी जैन
श्रीमती सुमित्राबाई मनोहर कनाडे छात्रवृत्ति	शांतनु
श्री सत्यनारायण काकरानिया छात्रवृत्ति	शाह नील
पी के केलकर छात्रवृत्ति	ऐश्वर्या उमर
कच्छ छात्रवृत्ति	अमन चौधरी
श्रीमती सीता और श्री कामेश्वर राव कोनतेती उत्कृष्टता छात्रवृत्ति	लावण्या
एससी मेहरोत्रा छात्रवृत्ति	Lipika Rajpal
लिपिका राजपाल	Vyawahare Saurabh Nilesh
श्री अर्जुन राज मेहता छात्रवृत्ति	व्यवहारे सौरभ नीलेश
एराच और मेहरू मेहता उत्कृष्टता छात्रवृत्ति	हितार्थ गांधी, वीरगामी गौरव, लवती शुभ सुनील, धैर्य शाह, सात्विक राव, भावेश जैन, वेंकट श्रीमन नारायण मल्ली, कनिष्क सिंघल, गौरव जोशी, नमन धर्माणी, आर्यन दराद, अदित कौशिक और सचिन जालान
भाई सुरेश मोहन मित्तल छात्रवृत्ति और भाई कृष्ण चंद्र मित्तल छात्रवृत्ति	देसाई संदीप तेजा और प्रीतम छिंपा
प्रो के वी वेंकटेश मूर्ति छात्रवृत्ति	भुजबल आदित्य रामदास
डॉ जे एल नैय्यर छात्रवृत्ति	पंडित शुभम भगवानदास
आशा और चंद्रकांत नवरकर छात्रवृत्ति	पटेल कुश किरणकुमार
देविका और प्रशांत नाडकर्णी छात्रवृत्ति	आशुतोष गोयल
प्रोफेसर डी वी पई छात्रवृत्ति	आशु वर्मा
रामानुजन छात्रवृत्ति	ध्येयकुमार थुम्मर
अजोद्यबाई गुलाबचंदजी रंदाड छात्रवृत्ति	सोमेश प्रताप सिंह
सत्यराम छात्रवृत्ति	आकाश कुशवाह और बोथकुरवार साई कृष्णा
सेवा छात्रवृत्ति	श्रेया शुक्ला
ललिता जे शाह और जयंतीलाल बी शाह छात्रवृत्ति	करीना बेनीवाल

बिपिन और रेखा शाह छात्रवृत्ति	जिनाय ए दगली और मान कुमार जैन
दया शंकर और शकुंतला छात्रवृत्ति	अनुज उज्ज्वल बुच
विमला श्रीनिवास छात्रवृत्ति	शांडिली वाजपेयी
प्रो एसपी सुखात्मे छात्रवृत्ति	धीरज यादव
नितिन पी संत छात्रवृत्ति	हेमंत पूनिया
महाबीर प्रसाद सुल्तानिया छात्रवृत्ति और दुर्गा देवी सुल्तानिया छात्रवृत्ति	ध्रुव दर्दा और शेजिना एम
संतोष रानी टंडन छात्रवृत्ति	स्नेहल ज्ञानेश्वर गोहद
प्रोफेसर नीतीश ठाकोर छात्रवृत्ति	सोनी विशाल जयेश
वेगशक्ति महिला कल्याण संगठन (वीएमकेएस) छात्रवृत्ति	प्रिया गुप्ता और वीना के
लक्ष्मी वडाली उत्कृष्टता छात्रवृत्ति	रैयानी वेदांशी संजय
डॉ टी जी विश्वेश्वरैया छात्रवृत्ति	मुहम्मद यूसुफ हसन
2013 कक्षा की छात्रवृत्ति	अक्षय चौरसिया
2014 कक्षा की छात्रवृत्ति	देसाई ऋषिक जतिन
2015 कक्षा की छात्रवृत्ति	कमल किशोर वैष्णव और पीयूष धीरवानी
2016 कक्षा की छात्रवृत्ति	आर येशु धुरंधर
2017 कक्षा की छात्रवृत्ति	यश खंडेलवाल
भा.प्रौ.सं गांधीनगर के विकलांग छात्रों को वित्तीय सहायता	जीवनज्योति दास और सुरभि जगदीश मेनन
ललिता और श्याम बिहारी छात्रवृत्ति	ईश्वर सुनील माने
अंजना और अनिल तारा चंद्र छात्रवृत्ति	ईपी सरफ्रास
राज किशोर छात्रवृत्ति	रोहित धारिया

छात्रों के लिए छात्रवृत्ति

अमलथिया छात्रवृत्ति

अमलथिया छात्रवृत्ति वर्ष 2016 में स्थापित की गई थी और सभी बी.टेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। अन्तःशिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं व अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रति वर्ष प्रति छात्र 1 लाख रुपये तक की राशि इस छात्रवृत्ति द्वारा प्राप्त कर सकते हैं। तल्ला ज्ञान साईं, वूरोगोंडा राजेश और बालू कार्तिक राम शैक्षणिक वर्ष 2022-23 में इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

श्री शांति सरूप अग्रवाल छात्रवृत्ति

श्री शांति सरूप अग्रवाल छात्रवृत्ति की स्थापना वर्ष 2020 में की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अन्तःशिक्षुता (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं व अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए हर साल प्रदान की जाती है। दिव्या चिंचोले शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए इस छात्रवृत्ति की प्राप्तकर्ता हैं।

गौरी सुगन अग्रवाल छात्रवृत्ति

गौरी सुगन अग्रवाल छात्रवृत्ति की स्थापना वर्ष 2021 में की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अन्तःशिक्षुता (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए हर साल प्रदान की जाती है। यश अधिया शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

आचार्य एककिराला भारद्वाज छात्रवृत्ति

आचार्य एककिराला भारद्वाज छात्रवृत्ति वर्ष 2021 में स्थापित की गई है और सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अन्तःशिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं व अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए हर साल एक बीटेक छात्र को सम्मानित किया जाता है। अभले महेश एकनाथ शैक्षणिक वर्ष 2022-23 में इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

एराच और मेहरू मेहता मेमोरियल दक्षणा छात्रवृत्ति

एराच और मेहरू मेहता मेमोरियल दक्षिणा छात्रवृत्ति की स्थापना वर्ष 2022 में की गई थी और इसका उद्देश्य सितंबर 2022 के दौरान भा.प्रौ.सं गांधीनगर में आयोजित दक्षिण स्कॉलर्स कार्यक्रम में भाग लेने वाले समूह के 5 छात्रों का समर्थन करना था। छात्रवृत्ति का पुरस्कार जेईई एडवांस प्रवेश में छात्र की अपनी श्रेणी (ओपन, सामान्य-ईडब्ल्यूएस, ओबीसी-एनसीएल, एससी, एसटी) के भीतर की रैंक पर आधारित होता है और भा.प्रौ.सं गांधीनगर में विभिन्न प्रवेश श्रेणियों में पुरस्कार विजेताओं का वितरण एक समान करने का प्रयास करेगा। यदि दक्षणा स्कॉलर्स के समूह के भीतर से पर्याप्त उम्मीदवार उपलब्ध नहीं हैं, तो अप्रयुक्त धन का उपयोग किसी प्रथम वर्ष के स्नातक छात्रों को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित वित्तीय आवश्यकता के समर्थन के लिए किया जाएगा। पन्नाला नागा शेशु रेड्डी और नंदकिशोर कुमार पंडित शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

चंद्रकांत और पेट्रीसिया देसाई छात्रवृत्ति
चंद्रकांत और पेट्रीसिया देसाई छात्रवृत्ति की स्थापना वर्ष 2017 में की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अन्तःशिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं व अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए हर साल प्रदान की जाती है। पविधर जैन शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

चेतन धांडे छात्रवृत्ति
चेतन धांडे छात्रवृत्ति की स्थापना वर्ष 2020 में की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अन्तःशिक्षुता (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं व अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए हर साल प्रदान की जाती है। प्रोज्ञान दास शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

प्रो एम एच दिवेकर छात्रवृत्ति
प्रो एम एच दिवेकर छात्रवृत्ति की स्थापना वर्ष 2014 में की गई थी और यह रासायनिक अभियांत्रिकी के बीटेक के तीसरे वर्ष के छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि 40,000/- रुपये है और तीसरे वर्ष के अंत में रासायनिक अभियांत्रिकी पाठ्यक्रम में उच्चतम ग्रेड हासिल करने वाले छात्र को हर साल दिया जाता है। पाहुनी जैन शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए इस छात्रवृत्ति की प्राप्तकर्ता हैं।

नीलम फाउंडेशन छात्रवृत्ति
नीलम फाउंडेशन छात्रवृत्ति वर्ष 2022 में स्थापित की गई है और सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष प्रति छात्र 1 लाख रुपये है और अन्तःशिक्षुता (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए हर साल एक बीटेक छात्र को दिया जाता है। युवराज गुप्ता शैक्षणिक वर्ष 2022-23 में इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

श्री टेमासेक@भा.प्रौ.सं गांधीनगर छात्रवृत्ति
श्री टेमासेक@भा.प्रौ.सं गांधीनगर छात्रवृत्ति की स्थापना 2016 में सिंगापुर के एक शुभचिंतक द्वारा की गई थी, जो भा.प्रौ.सं कानपुर में अपने पसंदीदा क्षेत्र में बीटेक कार्यक्रम के लिए और भा.प्रौ.सं गांधीनगर में प्रोफेसर के रूप में सेवा करने के अवसर की सराहना करता है। यह योग्यता-सह-साधन छात्रवृत्ति प्रत्येक वर्ष एक स्नातक छात्र को प्रदान की जाती है (दूसरे, तीसरे और चौथे वर्ष के छात्रों के लिए)। 6.5 की न्यूनतम सीपीआई वाले छात्र और जिनकी पारिवारिक वार्षिक आय 8 लाख रुपये से अधिक नहीं है, वे इस छात्रवृत्ति का लाभ उठाने के पात्र हैं। छात्रवृत्ति राशि 20,000 रुपये प्रति शैक्षणिक वर्ष है। नवल जग्गी शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

कंदोई-डायरकी-गौरव छात्रवृत्ति
कंदोई-डायरकी-गौरव छात्रवृत्ति की स्थापना भा.प्रौ.सं गांधीनगर में अग्रणी बैच (2012 के बीटेक स्नातक) के तीन पूर्व छात्रों द्वारा की गई थी: श्री अभिषेक कंदोई, श्री मैसुम अली डेरकी और श्री अंचित गौरव। यह योग्यता-सह-साधन छात्रवृत्ति दूसरे या तीसरे वर्ष के बीटेक छात्र को प्रदान की जाती है जो संस्थान की गैर-शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल है और चहुंमुखी विकास की दिशा में कार्यरत रहा है। सभी स्रोतों से छात्र के माता-पिता की सकल वार्षिक आय 8 लाख रुपये प्रति वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। छात्रों को 6.0 का न्यूनतम सीपीआई सुरक्षित करना होता है। छात्रवृत्ति राशि 50,000 रुपये प्रति शैक्षणिक वर्ष है। अमन राज शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

कंकुबेन बक्षीरभाई गेलोत छात्रवृत्ति
कंकुबेन बख्शीरामभाई गेलोत छात्रवृत्ति की स्थापना वर्ष 2020 में की गई थी और यह सभी महिला बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और वित्तीय जरूरतों, अन्तःशिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं व अवसरों आदि के वित्तपोषण के लिए हर साल प्रदान की जाती है। अदिति अग्रवाल शैक्षणिक वर्ष 2022- 23 के लिए इस छात्रवृत्ति की प्राप्तकर्ता हैं।

नेहा और विनय गुप्ता छात्रवृत्ति
नेहा और विनय गुप्ता छात्रवृत्ति की स्थापना वर्ष 2019 में की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अन्तःशिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं व अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए हर साल प्रदान की जाती है। जायसवाल भुवेश ओमप्रकाश शैक्षणिक वर्ष 2022- 23 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

अशोक जैन छात्रवृत्ति
अशोक जैन छात्रवृत्ति की स्थापना वर्ष 2019 में की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अन्तःशिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं व अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए हर साल प्रदान की जाती है। 6.5 की न्यूनतम सीपीआई वाले बीटेक छात्र इसके लिए पात्र हैं। पटवर्धन सानिया अभय शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

एन के जैन छात्रवृत्ति
एन के जैन छात्रवृत्ति की स्थापना वर्ष 2019 में की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और हर साल अन्तःशिक्षुता (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं व अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रदान की जाती है। रौनक कालरा शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

सीमा जैन छात्रवृत्ति
सीमा जैन छात्रवृत्ति की स्थापना वर्ष 2019 में की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अन्तःशिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं व अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए हर साल प्रदान की जाती है। उपासना पंकज शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए इस छात्रवृत्ति की प्राप्तकर्ता हैं।

श्रीमती मगन जैन छात्रवृत्ति
श्रीमती मगन जैन छात्रवृत्ति वर्ष 2022 में स्थापित की गई

है और सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि प्रति वर्ष प्रति छात्र 1 लाख रुपये है और अन्तःशिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं व अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए हर साल एक बी.टेक छात्र को दिया जाता है। पटादिया केवल संतोषकुमार शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं। ।

निशा और विपिन जैन छात्रवृत्ति

निशा और विपिन जैन छात्रवृत्ति वर्ष 2021 में स्थापित की गई है और सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अन्तःशिक्षुता (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं व अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए हर साल एक बीटेक छात्र को दिया जाता है। धाकड़ भगत सिंह शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

प्रो बी एल झा मेमोरियल छात्रवृत्ति

प्रोफेसर बी एल झा मेमोरियल छात्रवृत्ति की स्थापना वर्ष 2022 में की गई है और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अन्तःशिक्षुता (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं व अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए हर साल एक बीटेक छात्र को दिया जाता है। आयुष गुप्ता शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

श्रीमती सीता झा मेमोरियल छात्रवृत्ति

श्रीमती सीता झा मेमोरियल छात्रवृत्ति की स्थापना वर्ष 2018 में की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अन्तःशिक्षुता (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए हर साल प्रदान की जाती है। आमतौर पर महिला छात्रों को प्राथमिकता दी जाती है। साक्षी जैन शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए इस छात्रवृत्ति की प्राप्तकर्ता हैं।

श्रीमती सुमित्राबाई मनोहर कनाडे छात्रवृत्ति

श्रीमती सुमित्राबाई मनोहर कनाडे छात्रवृत्ति की स्थापना वर्ष 2021 में की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अन्तःशिक्षुता (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं व अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए हर साल प्रदान की जाती है। शांतनु शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

श्री सत्यनारायण काकरानिया छात्रवृत्ति

श्री सत्यनारायण काकरानिया छात्रवृत्ति वर्ष 2021 में स्थापित की गई है और सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष प्रति छात्र 1 लाख रुपये है और अन्तःशिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं व अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए हर साल दिया जाता है। शाह नील शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

पी के केलकर छात्रवृत्ति

पी के केलकर छात्रवृत्ति वर्ष 2016 में स्थापित की गई थी और सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अन्तःशिक्षुता (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं व अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए हर साल प्रदान की जाती है। ऐश्वर्या उमर शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए इस छात्रवृत्ति की प्राप्तकर्ता हैं।

कच्छ छात्रवृत्ति

कच्छ छात्रवृत्ति की स्थापना वर्ष 2021 में की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अन्तःशिक्षुता (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं व अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए हर साल प्रदान की जाती है। अमन चौधरी शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

श्रीमती सीता और श्री कामेश्वर राव कोंटेती उत्कृष्टता छात्रवृत्ति

श्रीमती सीता और श्री कामेश्वर राव कोंटेती उत्कृष्टता छात्रवृत्ति की स्थापना वर्ष 2022 में श्री किशोर कोंटेती और श्री रविकांत कोंटेती द्वारा की गई है। छात्रवृत्ति राशि 1 लाख रुपये प्रति वर्ष है और प्राप्तकर्ता महिला छात्र को भा.प्रौ.सं गांधीनगर में बीटेक कार्यक्रम पूरा होने तक छात्रवृत्ति सहायता मिलती रहती है। लावण्या शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए इस छात्रवृत्ति की प्राप्तकर्ता हैं।

एस सी मेहरोत्रा छात्रवृत्ति

एस सी मेहरोत्रा छात्रवृत्ति की स्थापना वर्ष 2010 में की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अन्तःशिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं व अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए हर साल प्रदान की जाती है। लिपिका राजपाल शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए इस छात्रवृत्ति की प्राप्तकर्ता हैं।

श्री अर्जुन राज मेहता छात्रवृत्ति

श्री अर्जुन राज मेहता छात्रवृत्ति की स्थापना वर्ष 2019 में की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अन्तःशिक्षुता (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं व अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए हर साल प्रदान की जाती है। व्यवहारे सौरभ नीलेश शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

एराच और मेहरू मेहता उत्कृष्टता छात्रवृत्ति

एराच और मेहरू मेहता उत्कृष्टता छात्रवृत्ति की स्थापना वर्ष 2019 में की गई थी और यह भा.प्रौ.सं गांधीनगर में शैक्षणिक वर्ष 2019-20, 2020-21 और 2021-22 में आए बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि 2 लाख रुपये प्रति छात्र सालाना चार साल की अवधि के लिए है, जिसमें कुल छात्रवृत्ति राशि 8 लाख रुपये प्रति छात्र है। छात्रवृत्ति भा.प्रौ.सं गांधीनगर में बीटेक कार्यक्रम में प्रवेश पाने वाले शीर्ष पांच छात्रों को प्रदान की जाती है जो जेईई एडवांस में 1000 या उससे बेहतर रैंक रखते हैं या किसी भी मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय ओलंपियाड में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। हितार्थ गांधी, वीरगामी गौरव, लवती शुभ सुनील, धैर्य शाह, सात्विक राव, भावेश जैन, वेंकट श्रीमान नारायण मल्ली, कनिष्क सिंघल, गौरव जोशी, नमन धर्माणी, आर्यन दराद,

अदित कौशिक और सचिन जालान शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

भाई सुरेश मोहन मित्तल छात्रवृत्ति और भाई कृष्ण चंद्र मित्तल छात्रवृत्ति

ये छात्रवृत्ति वर्ष 2018 और 2019 में स्थापित की गई हैं और भा.प्रौ.सं गांधीनगर में सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध हैं। छात्रवृत्ति राशि 1 लाख रुपये है और हर साल अन्तःशिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं व अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रदान की जाती है। देसाई संदीप तेजा शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए भाई सुरेश मोहन मित्तल छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं तथा प्रीतम छिंपा शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए भाई कृष्ण चंद्र मित्तल छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

प्रो के वी वेंकटेश मूर्ति छात्रवृत्ति

प्रो के वी वेंकटेश मूर्ति छात्रवृत्ति वर्ष 2017 में स्थापित की गई थी और इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी के सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अन्तःशिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं व अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए हर साल प्रदान की जाती है। भुजबल आदित्य रामदास शैक्षणिक वर्ष 2022- 23 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

डॉ जे एल नैय्यर छात्रवृत्ति

डॉ जेएल नैय्यर छात्रवृत्ति की स्थापना वर्ष 2017 में की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अन्तःशिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं व अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए हर साल प्रदान की जाती है। पंडित शुभम भगवानदास शैक्षणिक वर्ष 2022- 23 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

आशा और चंद्रकांत नावरकर छात्रवृत्ति

आशा और चंद्रकांत नवरकर छात्रवृत्ति वर्ष 2022 में स्थापित की गई है और सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष प्रति छात्र 1 लाख रुपये है और अन्तःशिक्षुता (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं व अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए हर साल एक बीटेक छात्र को सम्मानित किया जाता है। पटेल कुश किरणकुमार शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

देविका और प्रशांत नाडकर्णी छात्रवृत्ति

देविका और प्रशांत नादकर्णी छात्रवृत्ति वर्ष 2022 में स्थापित की गई है और सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अन्तःशिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं व अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए हर साल एक बीटेक छात्र को सम्मानित किया जाता है। आशुतोष गोयल शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

प्रोफेसर डी वी पाई छात्रवृत्ति

प्रोफेसर डी वी पाई छात्रवृत्ति की स्थापना वर्ष 2018 में की गई थी और यह भा.प्रौ.सं गांधीनगर में गणित में एमएससी कार्यक्रम के द्वितीय वर्ष के सभी छात्रों के लिए उपलब्ध है, जिनकी सकल वार्षिक पैतृक आय 8 लाख रुपये प्रति वर्ष से अधिक नहीं है और न्यूनतम CPI 7.0 है। छात्रवृत्ति राशि 25,000 रुपये प्रति शैक्षणिक वर्ष है। इसके अलावा, प्राप्तकर्ता छात्र द्वारा किए गए वास्तविक व्यय के विरुद्ध कुल 5000 रुपये तक के पुस्तक अनुदान का दावा किया जा सकता है। आशु वर्मा शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

रामानुजन छात्रवृत्ति

रामानुजन छात्रवृत्ति की स्थापना वर्ष 2021 में की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अन्तःशिक्षुता (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए हर साल प्रदान की जाती है। ध्येयकुमार थुम्मर शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

अजोद्यबाई गुलाबचंदजी रंदाड छात्रवृत्ति

अजोद्यबाई गुलाबचंदजी रंदाड छात्रवृत्ति की स्थापना वर्ष 2019 में की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अन्तःशिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं व अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए हर साल प्रदान की जाती है। सोमेश प्रताप सिंह शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

सत्यराम छात्रवृत्ति

सत्यराम छात्रवृत्ति वर्ष 2016 में स्थापित की गई थी। छात्रवृत्ति राशि 1 लाख रुपये प्रति वर्ष प्रति छात्र है और वर्ष 2022-23 में कुल 2 छात्रों को इसके प्राप्तकर्ता हैं। प्राप्तकर्ता छात्र, भा.प्रौ.सं गांधीनगर में अपने बीटेक कार्यक्रम के पूरा होने तक यह छात्रवृत्ति प्राप्त कर सकता है। आकाश कुशवाह और बोथकुरवार साई कृष्णा शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

सेवा छात्रवृत्ति

सेवा छात्रवृत्ति वर्ष 2022 में स्थापित की गई है और सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अन्तःशिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं व अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए हर साल एक बीटेक छात्र को दिया जाता है। श्रेया शुक्ला शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए इस छात्रवृत्ति की प्राप्तकर्ता हैं।

ललिता जे शाह और जयंतीलाल बी शाह छात्रवृत्ति

ललिता जे शाह और जयंतीलाल बी शाह छात्रवृत्ति की स्थापना वर्ष 2016 में की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अन्तःशिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं व अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए हर साल प्रदान की जाती है। करीना बेनीवाल शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए इस छात्रवृत्ति की प्राप्तकर्ता हैं।

बिपिन और रेखा शाह छात्रवृत्ति

बिपिन और रेखा शाह छात्रवृत्ति वर्ष 2018 में स्थापित की गई थी और इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी के सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि 1 लाख रुपये है और अन्तःशिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं व

अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए हर साल प्रदान की जाती है। जिने ए दगली और मान कुमार जैन शैक्षणिक वर्ष 2022- 23 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

दया शंकर और शकुंतला छात्रवृत्ति

दया शंकर और शकुंतला छात्रवृत्ति की स्थापना वर्ष 2020 में की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अन्तःशिक्षुता (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं व अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए हर साल प्रदान की जाती है। अनुज उज्ज्वल बुच शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

विमला श्रीनिवास छात्रवृत्ति

विमला श्रीनिवास छात्रवृत्ति की स्थापना वर्ष 2019 में की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अन्तःशिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं व अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए हर साल प्रदान की जाती है। 6.5 की न्यूनतम सीपीआई वाले बीटेक छात्र इसके लिए पात्र हैं। शांडिली वाजपेयी शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

प्रोफेसर एस पी सुखात्मे छात्रवृत्ति

प्रोफेसर एस पी सुखात्मे छात्रवृत्ति की स्थापना वर्ष 2019 में की गई है और यह भा.प्रौ.सं गांधीनगर में सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अन्तःशिक्षुता (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं व अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए हर साल प्रदान की जाती है। धीरज यादव शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

नितिन पी संत छात्रवृत्ति

वर्ष 2014 में श्री गौरव एन संत द्वारा नितिन पी संत छात्रवृत्ति की स्थापना की गई थी। सिविल अभियांत्रिकी या पदार्थ अभियांत्रिकी के बीटेक छात्र जो अपने दूसरे वर्ष में हैं, न्यूनतम सीपीआई 6.5 और अधिकतम पैतृक आय 4.5 लाख रुपये है, इस उत्कृष्टता-कम-मीन्स छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करने के लिए पात्र हैं। । छात्रवृत्ति राशि 20,000 रुपये प्रति शैक्षणिक वर्ष है। हेमंत पूनिया शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

महाबीर प्रसाद सुल्तानिया छात्रवृत्ति और दुर्गा देवी सुल्तानिया छात्रवृत्ति

ये छात्रवृत्तियां वर्ष 2016 में शुरू की गई थीं और सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध हैं। छात्रवृत्ति राशि 1 लाख रुपये है और हर साल अन्तःशिक्षुता (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं व अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रदान की जाती है। ध्रुव दर्डा शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए महाबीर प्रसाद सुल्तानिया छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं और शेजिना एम शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए दुर्गा देवी सुल्तानिया छात्रवृत्ति की प्राप्तकर्ता हैं।

संतोष रानी टंडन छात्रवृत्ति

संतोष रानी टंडन छात्रवृत्ति की स्थापना वर्ष 2018 में की गई थी और यह सिविल अभियांत्रिकी के सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अन्तःशिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं व अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए हर साल दिया जाता है। संरचना अभियांत्रिकी में रुचि रखने वाली महिला छात्रों को इसमे वरीयता दी जाती है। स्नेहल ज्ञानेश्वर गोहद शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

प्रोफेसर नीतीश ठाकोर छात्रवृत्ति

प्रोफेसर नीतीश ठाकोर छात्रवृत्ति की स्थापना वर्ष 2019 में की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अन्तःशिक्षुता (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं व अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए हर साल प्रदान की जाती है। सोनी विशाल जयेश शैक्षणिक वर्ष 2022- 23 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

वेगशक्ति महिला कल्याण संगठन छात्रवृत्ति

वेगशक्ति महिला कल्याण संगठन छात्रवृत्ति वर्ष 2020 में स्थापित की गई है और प्रथम वर्ष की महिला छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष प्रति छात्र 1 लाख रुपये (वीएमकेएस द्वारा समर्थित 75,000/- रुपये और भा.प्रौ.सं गांधीनगर द्वारा 25,000/- रुपये) है और भा.प्रौ.सं गांधीनगर की दो प्रथम वर्ष की बीटेक महिला छात्रों को उनके शैक्षिक खर्चों का समर्थन करने के लिए प्रदान की जाती है। प्रिया गुप्ता और वीना के शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए इस छात्रवृत्ति की प्राप्तकर्ता हैं।

लक्ष्मी वडाली उत्कृष्टता छात्रवृत्ति

लक्ष्मी वडाली उत्कृष्टता छात्रवृत्ति की स्थापना वर्ष 2021 में की गई है। छात्रवृत्ति राशि 1 लाख रुपये प्रति वर्ष है और प्राप्तकर्ता महिला छात्रा को यह छात्रवृत्ति अपने बीटेक कार्यक्रम विषय को न्यूनतम 7.0 की सीपीआई प्राप्त करने तक दिया जाता है। रैयानी वेदांशी संजय शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

डॉ टी जी विश्वेश्वरैया छात्रवृत्ति

डॉ टी जी विश्वेश्वरैया छात्रवृत्ति की स्थापना वर्ष 2021 में की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और हर साल अन्तःशिक्षुता (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं व अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रदान की जाती है। मुहम्मद यूसुफ हसन शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

2013 कक्षा की छात्रवृत्ति

2013 कक्षा की छात्रवृत्ति वर्ष 2019 में स्थापित की गई थी और सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अन्तःशिक्षुता (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं व अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए हर साल प्रदान की जाती है। अक्षय चौरसिया शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

2014 कक्षा की छात्रवृत्ति

2014 कक्षा की छात्रवृत्ति वर्ष 2020 में स्थापित की गई थी और सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि

प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अन्तःशिक्षुता (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं व अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए हर साल प्रदान की जाती है। देसाई ऋषिक जतिन शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

2015 कक्षा की छात्रवृत्ति

2015 कक्षा की छात्रवृत्ति वर्ष 2017 में स्थापित की गई थी और सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अन्तःशिक्षुता (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं व अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए हर साल प्रदान की जाती है। कमल किशोर वैष्णव और पीयूष धीरवानी शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

2016 कक्षा की छात्रवृत्ति

2016 कक्षा की छात्रवृत्ति की स्थापना वर्ष 2016 में की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अन्तःशिक्षुता (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए हर साल प्रदान की जाती है। आर येशु धुरंधर शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

2017 कक्षा की छात्रवृत्ति

2017 कक्षा की छात्रवृत्ति की स्थापना वर्ष 2020 में की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अन्तःशिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए हर साल प्रदान की जाती है। यश खंडेलवाल शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

पीजी छात्रवृत्ति

विकलांग भा.प्रौ.सं गांधीनगर छात्रों के लिए वित्तीय सहायता जीवनज्योति दास और सुरभि जगदीश मेनन शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए प्रत्येक 50,000 रुपये की राशि के लिए मैसर्स माइक्रोसाइन प्रोडक्ट्स, भावनगर द्वारा प्रायोजित वित्तीय सहायता के प्राप्तकर्ता हैं।

ललिता और श्याम बिहारी छात्रवृत्ति

डॉ अंकिता अरोड़ा मैटेरियल्स साइंस एंड अभियांत्रिकी में 2019 क्लास की पीएचडी एलुमना हैं। उन्होंने अपने सास-ससुर श्री श्याम बिहारी और स्वर्गीय श्रीमती ललिता शर्मा के सम्मान में इस छात्रवृत्ति की स्थापना की। प्रति वर्ष 1 लाख रुपये की यह छात्रवृत्ति भा.प्रौ.सं गांधीनगर में छात्रों की सहायता करेगी। ईश्वर सुनील माने शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

अंजना और अनिल तारा चंद्र छात्रवृत्ति

अंजना और अनिल तारा चंद्र छात्रवृत्ति वर्ष 2020 में स्थापित की गई है और सभी स्नातकोत्तर छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष प्रति छात्र 1 लाख रुपये है और अन्तःशिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं व अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए हर साल एक पीजी छात्र को दिया किया जाता है। ईपी सरफ़ास शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं। ।

राज किशोर छात्रवृत्ति

राज किशोर छात्रवृत्ति वर्ष 2022 में स्थापित की गई है और सभी यूजी (बी.टेक) और मास्टर छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अन्तःशिक्षुता (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए हर साल एक यूजी (बीटेक) या स्नातकोत्तर छात्र को दिया किया जाता है। रोहित धारिया शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं ।

भा.प्रौ.सं गांधीनगर छात्रों को गुजरात राज्य विद्युत निगम लिमिटेड (सी एस आर) से प्राप्त वित्तीय सहायता

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत गुजरात राज्य विद्युत निगम लिमिटेड से प्राप्त धन के माध्यम से 57 छात्रों को कुल 25 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्राप्त हुई है।

अनुसंधान और विकास

प्रकाशन

अप्रैल 2022 से मार्च 2023 तक शोध प्रकाशनों की संख्या

दस्तावेजों के प्रकार	शोध प्रकाशनों की संख्या
पुस्तकों के अध्याय	37
पुस्तकें	4
संपादित पुस्तकें	3
ई-प्रिंट अभिलेखागार	116
पत्रिका लेख	574
पत्रिका/समाचार पत्र लेख/लघु कहानी	9
सम्मेलनों में प्रस्तुत पत्र	209
प्रस्तुत पोस्टर	27
समीक्षाएँ	8
अन्य	13
कुल	1000

प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएं

2022-23 के दौरान स्वीकृत परियोजनाएं

- वडनगर, गुजरात, (एएसआई) का बहु-सेंसर ड्रोन सर्वेक्षण। प्रधान अन्वेषक: प्रो. मिशेल डैनिनो, मानविकी और सामाजिक विज्ञान
- उच्च अंत रणनीतिक अनुप्रयोगों (एक्सट्रूडेड/ड्रॉ ट्यूब्स), (एमओएम) के लिए मध्यम शक्ति वाले अल-एमजी-सी (एए6082 आधारित) मिश्रधातु का विकास। प्रधान अन्वेषक: प्रो. अमित अरोड़ा, पदार्थ अभियांत्रिकी
- डिम्बग्रंथि के कैंसर, (जीएसबीटीएम) में लंबे गैर-कोडिंग आरएनए (आईएनसी आरएनए) में आरएनए जी क्वाडरूपलेक्स संरचना की पहचान। प्रधान अन्वेषक: प्रो. भास्कर दत्ता, रसायन विज्ञान
- वन्यजीव अनुसंधान और संरक्षण में क्षेत्र सहायक: अरुणाचल प्रदेश से मामले का अध्ययन, (एनटीसीए)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. अंबिका अय्यदुरई, मानविकी और सामाजिक विज्ञान
- फोटो-क्लीवेज आधारित आत्मीयता शुद्धि प्रो. टीन-आधारित चिकित्सीय, (जीएसबीटीएम) विकास की दिशा में। प्रधान अन्वेषक: प्रो. कार्तिक पुष्पवनम सुब्रमण्यम, रासायनिक अभियांत्रिकी
- एस्ट्रोजेन रिसेप्टर लक्षित मेटालोकोरोल-ड्रग कॉन्जुगेट्स: स्तन कैंसर में संश्लेषण, ऑप्टिकल अध्ययन और जैविक अनुप्रयोग, (एसईआरबी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. इति गुप्ता, रसायन विज्ञान
- केबल चालित रोबोट, (डी एस टी) का उपयोग करके स्ट्रोक के रोगियों की स्विंग फेज चाल प्रशिक्षण और सहायता। प्रधान अन्वेषक: प्रो. विनीत वशिष्ठ, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- इर्रिड्यूसिबल सिम्पलेक्टिक किस्में और सकारात्मक विशेषताओं में हाइपरकाहलर एनालॉग व्युत्पन्न श्रेणियों (एसईआरबी) के माध्यम से। प्रधान अन्वेषक: प्रो. तान्या कौशल श्रीवास्तव, गणित
- सतह पर स्थलाकृतिक और जलवायु नियंत्रण - भूजल गतिशीलता, खड्ड भूमि विकास और सामाजिक कल्याण और विकास योजना पर इसके प्रभाव, (डब्ल्यूआईएनएफ) प्रधान अन्वेषक: प्रो. विक्रांत जैन, पृथ्वी विज्ञान
- क्रिस्टलीकरण के दौरान सक्रिय फार्मास्युटिकल पदार्थ (एपीआई) के बहुरूपी व्यवहार को स्पष्ट करना: प्रायोगिक और आणविक गतिकी सिमुलेशन अध्ययनों का एक संयुक्त दृष्टिकोण, (सीईएफआईपीआरए)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. समीर वी दलवी, रासायनिक अभियांत्रिकी
- मल्टीस्केल संगणना, (एसईआरबी) का उपयोग करके कार्बनिक अर्धचालकों के रासायनिक स्थान की खोज करना। प्रधान अन्वेषक: प्रो. अनिर्बन मंडल, रसायन विज्ञान
- हाइड्रोजन के सह-उत्पादन (एसईआरबी) के साथ हल्की परिस्थितियों में बायोमास ऑक्सीकरण के लिए एनोडिक कॉपर उत्प्रेरक का विकास। प्रधान अन्वेषक: प्रो. बिस्वजीत मंडल, रसायन विज्ञान
- यूकेरियोटिक मोबाइल जेनेटिक तत्वों का विनियमन, (एसईआरबी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. शर्मिष्ठा मजूमदार, जैविक अभियांत्रिकी
- परिचालन अनिश्चितताओं के तहत एक ऊर्जा प्रणाली के लिए स्पष्ट स्टोकेस्टिक मॉडल भविष्य कहनेवाला नियंत्रण, (एसईआरबी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. हरि साईं गणेश, रासायनिक अभियांत्रिकी
- धोलावीरा, गुजरात, भारत के विश्व विरासत हड़प्पा स्थल पर मानव-पशु संपर्क का पुनर्निर्माण: पुरातात्विक हड्डी और दांतों के अवशेष, (एसईआरबी) की समस्थानिक संरचना से निष्कर्ष। प्रधान अन्वेषक: प्रो. शारदा चन्नारायणपटना, पुरातत्व
- उत्तरी हिंद महासागर होलोसीन यूस्टैटिक समुद्री स्तर का रिकॉर्ड (लक्षद्वीप द्वीपसमूह), (एसईआरबी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. पंकज खन्ना, भू विज्ञान
- स्थानीय नेताओं और अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं के बीच लिंग-साझाकरण: सार्वजनिक सेवाओं के लिए निहितार्थ, (ए पी यू)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. दीपक सिंघानिया, मानविकी और सामाजिक विज्ञान
- कैटेलिटिक असममित β-ट्राइफ़्लूरोमीथाईलेसन और कैस्केड ββ-डिफंक्शनलाइजेशन ऑफ ββ-असंतृप्त एल्डिहाइड, (एसईआरबी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. चंद्रकुमार अप्पायी, रसायन विज्ञान
- पादप प्रजनन के आनुवंशिक और आणविक नियंत्रण को समझना, (डीबीटी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. सुब्रमण्यम शंकरनारायणन, जैविक अभियांत्रिकी
- सीआरआईएसपीआर-सीएएस9 जीन संपादन, (जीएसबीटीएम) का उपयोग करके बहुअसंतृप्त वसा अम्ल समृद्ध मूंगफली की किस्मों का विकास। प्रधान अन्वेषक: प्रो. सुब्रमण्यम शंकरनारायणन, जैविक अभियांत्रिकी
- विशिष्ट अभिन्न रूपांतरणों के लिए स्पष्ट और माइक्रोलोकल उलटा प्रश्न, (एसईआरबी)। प्रधान अन्वेषक : प्रो. रोहित कुमार मिश्रा, गणित
- औद्योगिक प्रासंगिकता, (एसईआरबी) के तरल-ठोस विषम प्रतिक्रियाओं के लिए आयन एक्सचेंज नैनोपोरस जियोपॉलिमर। प्रधान

अन्वेषक: प्रो. सुधांशु शर्मा, रसायन विज्ञान

- कम जटिलता एकल परत तंत्रिका नेटवर्क, (एसईआरबी) का विकास और विश्लेषण। प्रधान अन्वेषक: प्रो. नितिन वी जॉर्ज, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी
- जटिल तरल पदार्थों में गैर-समान रूप से आवेशित कणों का वैद्युतकणसंचलन, (एसईआरबी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. उदिप्त घोष, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- अनुवाद योग्य, स्व-उपचार योग्य, ड्रग क्रिस्टल लंबे समय तक काम करने वाले इंट्रा-आर्टिकुलर थेरेपी फॉर रूमेटाइड आर्थराइटिस, (एसईआरबी) के लिए हाइड्रोजेल प्लेटफॉर्म को एनकैप्सुलेटेड करता है। प्रधान अन्वेषक: प्रो. मुकेश धनका, जैविक अभियांत्रिकी
- माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस, (एसईआरबी) की लेबलिंग और ट्रैकिंग के लिए सॉल्वैटोक्रोमिक जांच का संश्लेषण और मूल्यांकन। प्रधान अन्वेषक: प्रो. श्रीरामकणवाह गुंडीमेडा, रसायन विज्ञान
- प्रो.टीन फोल्डिंग/अनफोल्डिंग (एसईआरबी) का अध्ययन करने के लिए संशोधित नॉन-बोल्ट्ज़मैन मोंटे कार्लो सिमुलेशन। प्रधान अन्वेषक: प्रो. मिथुन राधाकृष्ण, रासायनिक अभियांत्रिकी
- बायोएक्टिव प्राकृतिक उत्पादों, (एसईआरबी) के कुल संश्लेषण के लिए साइक्लोहेक्सेन डेरिवेटिव और उनके अनुप्रयोगों के दोहरे एमिनोकैटलिटिक असममित संश्लेषण। प्रधान अन्वेषक: प्रो. चंद्रकुमार अप्पायी, रसायन विज्ञान
- ऐतिहासिक शहर वडनगर, गुजरात, (जीएसए) से पुरातात्विक चीनी मिट्टी की चीज़ें, मोतियों, खोल वस्तुओं और बाहरी व्यापार संबंधों का बहुआयामी विश्लेषण। प्रधान अन्वेषक: प्रो. वी एन प्रभाकर, मानविकी और सामाजिक विज्ञान
- प्राचीन भारतीय प्रौद्योगिकियों के लिए आईकेएस सेल, (आईकेएससीएआई)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. वी एन प्रभाकर, मानविकी और सामाजिक विज्ञान
- न्यूक्लियर पोर कॉम्प्लेक्स (एनपीसी), (एसईआरबी) की संरचना और कार्य पर ध्रुवीयता और चार्ज पैटर्निंग की भूमिका को समझना। प्रधान अन्वेषक: प्रो. मिथुन राधाकृष्ण, रासायनिक अभियांत्रिकी
- एरियल इमेजरी और संगणक विजन का उपयोग करके कपास की स्मार्ट खेती, (एल एंड टी टेक्नोलॉजी सर्विसेज लिमिटेड)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. शनमुगनाथन रमन, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी
-
- मोटे प्रतिरोधी माइक्रोस्ट्रक्चर (एसईआरबी) के लिए कोर-शेल अवक्षेप के साथ अल-ली मिश्र धातु का विकास। प्रधान अन्वेषक: प्रो. अभयराज सिंह गौतम, पदार्थ अभियांत्रिकी
- स्तन कैंसर, (जीएसबीटीएम) के खिलाफ बेहतर प्रभावकारिता के लिए रसायन-वैक्सीन उम्मीदवार और उपन्यास आयनिक तरल आधारित एडजुवेंसी का मूल्यांकन। प्रधान अन्वेषक: प्रो. शरद गुप्ता, जैविक अभियांत्रिकी
- मशीन लर्निंग, (एमओईएस) का उपयोग करके सूक्ष्म वायु गुणवत्ता जोखिम मॉडलिंग और पूर्वानुमान। प्रधान अन्वेषक: प्रो. निपुन बत्रा, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
-
- सकारात्मकता और संयोजन विज्ञान में प्रस्तावित अनुसंधान कार्य, (डीएसटी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. प्रो.जेश नाथ चौधरी, गणित
- हिंदी-अंग्रेज़ी कोड-मिश्रण, (एसईआरबी) में निम्न-स्तरीय एनएलपी कार्यों के लिए बेंचमार्क बनाना और एमएल मॉडल का विकास करना। प्रधान अन्वेषक: प्रो. मयंक सिंह, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- दूषित पानी, (जीएसबीटीएम) के उपचार के लिए धातु स्क्रैप से एक पुन: प्रयोज्य, अनुकूलन योग्य और बहुक्रियाशील धातु कार्बनिक ढांचे पर आधारित प्रो.टोटाइप विकसित करना। प्रधान अन्वेषक: प्रो. सुपर्ब के मिश्रा, पदार्थ अभियांत्रिकी
- एम बी आर, (जीएसबीटीएम) के प्रदर्शन में सुधार करके कपड़ा अपशिष्ट जल उपचार के लिए लाभकारी माइक्रोब-एम्बेडेड नैनोकणों की खोज करना। प्रधान अन्वेषक: प्रो. सुपर्ब के मिश्रा, पदार्थ अभियांत्रिकी
- पुनर्वास के दौरान तुल्यकालिक चलने में सहायता के लिए एकतरफा निचले-अंग एक्सोस्केलेटन का विकास, (एसईआरबी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. विनीत वशिष्ठ, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- स्पर्शनीय धारणा की भाषा का प्रभाव, (डीएसटी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. लेस्ली लज़ार, मानविकी और सामाजिक विज्ञान
- कच्छ के रण का महान परिदृश्य और विवर्तनिक विकास: अल्पावधि (होलोसीन) और दीर्घकालिक (50-100 Ka) मानव बस्ती और संसाधनों पर प्रभाव, (एमओईएस)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. वी एन प्रभाकर, मानविकी और सामाजिक विज्ञान
- स्पटरिंग एपिटॉक्सी द्वारा Ge1-xSnx आधारित फोटोडिटेक्टरों का निर्माण, (एसईआरबी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. क्रिस्टा आर खियांगटे, भौतिकी
- सेंसरिमोटर लर्निंग, (डीएसटी) में डिसोसिएबल एरर-सेंसिटिव मैकेनिज्म। प्रधान अन्वेषक: प्रो. प्रतीक मुथा, जैविक अभियांत्रिकी
- (पश्चिमी भारतीय मार्जिन के लिए जियोडायनामिक मॉडल), (डीएसटी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. उत्सव मन्नू, पृथ्वी विज्ञान
- मस्तिष्क विद्युत संकेतों, (डीएसटी) के आधार पर ध्यानस्थ अवस्थाओं का वर्गीकरण। प्रधान अन्वेषक: प्रो. कृष्ण प्रसाद मियापुरम, संज्ञानात्मक विज्ञान
- ऑन-बोर्ड लियो उपग्रह, (इसरो) पर विरल व्यूहों का उपयोग करते हुए भू-आधारित स्रोत स्थानीयकरण के लिए तकनीकों का विकास। प्रधान अन्वेषक: प्रो. नितिन वी जॉर्ज, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी
- जलवायु नेटवर्क और हाइब्रिड भौतिकी-एमएल कन्वेक्शन पैरामीटराइजेशन, (एमओईएस) के साथ लघु-से-मध्यम रेंज चरम वर्षा पूर्वानुमान में सुधार। प्रधान अन्वेषक: प्रो. उदित भाटिया, सिविल अभियांत्रिकी
- संवर्धित शैक्षिक पॉडकास्ट, (आईसीएसएसआर) की प्रभावशीलता। प्रधान अन्वेषक: प्रो. समीर सहस्रबुद्धे, डिजाइन
- नवीन अवशोषक का विकास और शक्तिहीन जल फिल्टर का प्रो.टोटाइप (एनएमएचएस)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. बिस्वजीत साहा, रासायनिक अभियांत्रिकी
- हाइड्रोलोजिक-हाइड्रो डायनेमिक और स्टैटिस्टिकल डायनेमिकल एप्रो.च (एमओईएस) का उपयोग करके ब्रह्मपुत्र नदी बेसिन के लिए एक वास्तविक समय 2डी बाढ़ जलप्लावन पूर्वानुमान प्रणाली। प्रधान अन्वेषक: प्रो. विमल मिश्रा, सिविल अभियांत्रिकी
- "आयुर्वेदिक औषधीय सूत्रीकरण" में फाइटोकेमिकल्स की रूपरेखा और उनके एकत्रीकरण व्यवहार को समझना, (सीएआरआई)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. साईराम स्वरूप मल्लाजोस्युला, रसायन विज्ञान

वर्तमान प्रायोजित परियोजनाएं

- इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी के लिए विश्वेश्वरैया पीएचडी योजना, (डीईआईटीवाई)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. उत्तम लाहिड़ी, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी
- डीएसआईआर - सामान्य अनुसंधान और प्रौद्योगिकी विकास केंद्र - रासायनिक प्रक्रियाएं, (डीएसआईआर)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. चिन्मय घोरोई, रासायनिक अभियांत्रिकी
- विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों (एफआईएसटी) कार्यक्रम - 2016, (डीएसटी) में एसएंडटी बुनियादी ढांचे के सुधार के लिए डीएसटी फंड के तहत स्वीकृत सिंगल क्रिस्टल एक्सआरडी साधन। प्रधान अन्वेषक: प्रो. शिवप्रिया किरुबाकरण, रसायन विज्ञान
- पश्च चतुर्धातुक के बाद से एनडब्ल्यू हिमालय में तलछट रूटिंग की परिवर्तनशीलता पर विवर्तनिक और जलवायु नियंत्रण, (डीएसटी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. विक्रांत जैन (सप्तऋषि डे), पृथ्वी विज्ञान
- झरझरा मीडिया में प्रतिक्रियाशील परिवहन (रामानुजन), (एसईआरबी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. उदिप्त घोष, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- सतत नदी प्रबंधन (एमओईएस) के लिए एक उपकरण के रूप में भविष्य कहनेवाला भू-आकृतिक मॉडल का विकास। प्रमुख अन्वेषक: प्रो. विक्रांत जैन, पृथ्वी विज्ञान
- रामानुजन अध्येताशिप - डीएनए नैनोडिवाइस टू प्रो.ग्राम स्टेम सेल, (एसईआरबी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. धीरज भाटिया, जैविक अभियांत्रिकी
- इंस्पायर फैकल्टी अवार्ड, (डीएसटी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. अक्षा वटवानी, गणित
- भारत के लिए नदी बेसिन जल विज्ञान और चरम सीमाओं के लिए एक प्रायोगिक परिचालन हाइड्रोलॉजिक मॉडलिंग और पूर्वानुमान प्रणाली, (भा.प्रौ.संएम)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. विमल मिश्रा, सिविल अभियांत्रिकी
- प्रौद्योगिकी-सहायता प्राप्त श्रोणि गति लक्षण वर्णन और बुजुर्गों के लिए चाल पुनर्वास, (डीएसटी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. उत्तम लाहिड़ी, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी
- यादृच्छिक संख्यात्मक रैखिक बीजगणित, (डीएसटी) का उपयोग करके एक उच्च-थ्रूपुट गुरुत्वाकर्षण-तरंग खोज पाइपलाइन को बढ़ाना। प्रधान अन्वेषक: प्रो. आनंद सेनगुप्ता, भौतिकी
- ब्रेन फंक्शनल कनेक्टिविटी इन हेल्थ एंड डिजीज - इंडिया-ट्रेंटो प्रो.ग्राम फॉर एडवांस्ड रिसर्च (डीएसटी) के तहत। प्रधान अन्वेषक: प्रो. कृष्ण प्रसाद मियापुरम, संज्ञानात्मक विज्ञान
- गुजरात राज्य जलवायु परिवर्तन केंद्र (एसईआरबी) की स्थापना। प्रधान अन्वेषक: प्रो. विक्रांत जैन, पृथ्वी विज्ञान
- ड्रग इंटरमीडिएट्स और उनके अनुप्रयोगों में बहुरूपता का अध्ययन, (डीआरडीओ)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. शिवप्रिया किरुबाकरण, रसायन विज्ञान; Co-PI: प्रो. विजय थिरुवेंकटम, जैविक अभियांत्रिकी
- लीशमैनियासिस के उपन्यास उपचार के लिए रसायन विज्ञान का नेतृत्व करने के लिए हिट, (डीएनडीआई), प्रधान अन्वेषक: प्रो. शिवप्रिया किरुबाकरण, रसायन विज्ञान
- गांधीपीडिया: गांधीवादी साहित्य, जीवन-घटनाओं और उनके सामाजिक नेटवर्क, (एनसीएसएम) को ब्राउज़ करने के लिए एक वन-स्टॉप एआई-सक्षम पोर्टल। प्रधान अन्वेषक: प्रो. मयंक सिंह (सह-पीआई के रूप में), संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी
- शहरी भारत में इनडोर वीओसी और पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) की सांद्रता और स्रोतों का आकलन करना और चीन और अमेरिका (डीयूकेई) के स्तरों की तुलना करना। प्रधान अन्वेषक: प्रो. चिन्मय घोरोई, रासायनिक अभियांत्रिकी
- उपयोग के बिंदु (पीओयू) पानी कीटाणुशोधन, (डब्ल्यूआईएनएफ) के लिए कम लागत और

गैर-बिजली पानी फिल्टर। प्रधान अन्वेषक: प्रो. चिन्मय घोरोई, रासायनिक अभियांत्रिकी

- परिवर्तन के लिए पानी: तेजी से बढ़ते रहने योग्य शहरों के लिए एकीकृत और फिट-फॉर-पर्पज जल संवेदनशील डिजाइन ढांचा, (डीएसटी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. प्रणब महापात्रा, सिविल अभियांत्रिकी
- उच्च ऊर्जा घनत्व अनुप्रयोगों, (डीएसटी) के लिए ग्राफ सिद्धांत और आणविक सिमुलेशन द्वारा निर्देशित उपन्यास झरझरा वास्तुकला के साथ मजबूत और लचीले 3डी मुद्रित इलेक्ट्रोड का डिजाइन और परीक्षण। प्रधान अन्वेषक: प्रो. मिथुन राधाकृष्ण, रासायनिक अभियांत्रिकी
- सीओ2 - विस्तारित समाधान, (डीआरडीओ) के विस्तार द्वारा विस्फोटक का सूक्ष्मकरण और एनकैप्सुलेशन। प्रधान अन्वेषक: प्रो. समीर दलवी, रासायनिक अभियांत्रिकी
- हल्के विस्फोट-प्रतिरोधी कवच, (डीआरडीओ) डिजाइन करने के लिए बोरॉन-आधारित नैनोशीट्स प्रबलित बहुलक मैट्रिक्स का विकास करना। प्रधान अन्वेषक: प्रो. कबीर जसूजा, रासायनिक अभियांत्रिकी
- स्वाभाविक रूप से उपलब्ध गैर-विषाक्त स्थिर पदार्थ और औद्योगिक ठोस अपशिष्ट, (डीएसटी) का उपयोग करके सीओ2 कैप्चर के लिए कम लागत-कुशल और स्केलेबल पदार्थ का विकास। प्रधान अन्वेषक: प्रो. चिन्मय घोरोई, रासायनिक अभियांत्रिकी
- आरएफ अनुप्रयोगों, (डीएसटी) के लिए स्व-संरेखित डबल पॉलीसिलिकॉन एमिटर सिलिकॉन बाइपोलर ट्रांजिस्टर की डिजाइन सक्षमता। प्रधान अन्वेषक: प्रो. निहार आर महापात्रा, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी
- बहुघटक भूकंपीय उत्तेजना: डिजाइन स्पेक्ट्रा का लक्षण वर्णन और संयोजन नियम विकसित करना, (एमओईएस)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. धीमान बसु, सिविल अभियांत्रिकी
- गणितीय मॉडलिंग और धातु-तरल ऑक्सीडाइज़र ऊर्जावान पदार्थ, (एसईआरबी) में ज्वाला प्रसार का अनुकरण। प्रधान अन्वेषक: प्रो. दिलीप श्रीनिवास सुंदरम, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- इलेक्ट्रिक वाहन अनुप्रयोगों के लिए ड्राइव, (एसईआरबी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. राघवन कनगराज और (सह-पीआई) प्रो. नारन पिंडोरिया, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी
- ग्राफ़ तंत्रिका नेटवर्क और उनके अनुप्रयोग, (एसईआरबी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. शनमुगनाथन रमन, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी
- नेटवर्क फॉर साइंटिफिक कोऑपरेशन फॉर फूड सेफ्टी एंड एप्लाइड न्यूट्रिशन, (एफएसएसआई)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. भास्कर दत्ता, जैविक अभियांत्रिकी
- मार्जिन क्लीयरेंस के लिए ओरल कैंसर और स्वस्थ ऊतक का सीमांकन करने के लिए बायोमार्कर की पहचान करने के लिए बहु-ओमिक विश्लेषण, (जीएसबीटीएम)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. अनिर्बान दासगुप्ता, संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी, और (सह-पीआई): प्रो. शर्मिष्ठा मजूमदार, जैविक अभियांत्रिकी
- टिकाऊ और ऊर्जा कुशल भवनों के लिए पदार्थ, इकोले नॉर्मले सुप्रीयर डी काचान, फ्रांस, (एमएचआरडी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. अतुल भार्गव, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- सौर प्रकाशवोल्टीय पर वायु प्रदूषण के प्रभाव को समझना और सौर संयंत्रों के बेहतर प्रदर्शन के लिए सतह इंजीनियर पैनल पदार्थ विकसित करना, ड्यूक यूनिवर्सिटी, यूएसए, (एमएचआरडी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. चिन्मय घोरोई, रासायनिक अभियांत्रिकी
- हिमालयी नदी प्रणाली, भारत, ऑकलैंड विश्वविद्यालय, न्यूजीलैंड, (एमएचआरडी) के सतत प्रबंधन के लिए भू-आकृतिक उपकरण का विकास और अनुप्रयोग। प्रमुख अन्वेषक: प्रो. विक्रांत जैन, पृथ्वी विज्ञान
- अरेखीय ध्वनिक मेटामटेरियल्स का विश्लेषणात्मक और कम्प्यूटेशनल अध्ययन, टेक्निऑन - इज़राइल प्रौद्योगिकी संस्थान, इज़राइल, (एमएचआरडी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. जयप्रकाश के आर, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- प्रॉब्लम्स इन एनालिटिकल एंड कॉम्बिनेटरियल नंबर थ्योरी, क्वीन्स यूनिवर्सिटी एट किंग्स्टन, कनाडा, (एमएचआरडी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. अतुल दीक्षित, गणित
- सतत विकास लक्ष्यों के लिए एक सूत्रधार के रूप में स्वदेशी सांस्कृतिक विरासत, फ्लिंडर्स विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया, (एफयू)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. आलोक कुमार कानूनगो, मानविकी और सामाजिक विज्ञान
- सिंगल डिग्री ऑफ़ फ्रीडम बाइलेटरल गैट ट्रेनर, (एमएचआरडी) का उपयोग करके लोकोमोटर अनुकूलन का अध्ययन। प्रधान अन्वेषक: प्रो. विनीत वशिष्ठ, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- शरीर में पहने जाने वाले सेंसर, (एमएचआरडी) का उपयोग करके चलने के दौरान चाल और संतुलन का आकलन करना। प्रधान अन्वेषक: प्रो. विनीत वशिष्ठ, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- एनआईआर पोर्फिरिन-माइक्रोबबल्स बहु-रंग आणविक इमेजिंग जांच, (एमएचआरडी) के रूप में। प्रधान अन्वेषक: प्रो. समीर दलवी, रासायनिक अभियांत्रिकी
- झरझरा धातु संरचनाओं के उत्पादन के लिए एक नई वैक्यूम आधारित प्रक्रिया का विकास, (एमएचआरडी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. अभय राज सिंह गौतम, पदार्थ अभियांत्रिकी
- न्यूरोइमेजिंग निर्देशित गैर-इनवेसिव विद्युत उत्तेजना, (एमएचआरडी) के संयोजन में वीआर-आधारित एक्सर्जिंग प्लेटफॉर्म। प्रधान अन्वेषक: प्रो. उत्तम लाहिड़ी, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी
- उच्च-प्रदर्शन संख्यात्मक सिमुलेशन और कण परिवहन और घूर्णी प्रवाह में अशांति की प्रायोगिक जांच: सनकी और शंक्वाकार टेलर-कौएट कॉन्फ़िगरेशन, (एमएचआरडी) के लिए अनुप्रयोग। प्रधान अन्वेषक: प्रो. उदिप्त घोष, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- सीओ2, (एसटीएआरएस) के शुष्क सुधार के लिए उच्च एन्ट्रापी मिश्र धातु नैनोकणों सीईओ2 उत्प्रेरक। प्रधान अन्वेषक: प्रो. सुधांशु शर्मा, रसायन विज्ञान
- हाइड्रोलॉजिकल प्रक्रियाओं, (एसटीएआरएस) की भविष्य कहनेवाला समझ के लिए भौतिकी निर्देशित डेटा विज्ञान दृष्टिकोण। प्रधान अन्वेषक: प्रो. उदित भाटिया, सिविल अभियांत्रिकी
- भारतीय उपमहाद्वीप, (एसटीएआरएस) के लिए भूकंपीय उत्तेजना और संबद्ध जीएमपीई के विकास के लिए महत्वपूर्ण अभिविन्यास को समझना। प्रधान अन्वेषक: प्रो. धीमान बसु, सिविल अभियांत्रिकी
- हाइड्रो जियोमॉर्फिक मॉडलिंग, (एसटीएआरएस) का उपयोग करके जलवायु परिवर्तन परिदृश्य के तहत एंथ्रोपोसिन में उष्णकटिबंधीय नदियों में बाढ़ जोखिम मूल्यांकन। प्रधान अन्वेषक: प्रो. विक्रांत जैन, पृथ्वी विज्ञान
- लेयर्ड हाइब्रिड पर्कोव्साइट्स, (स्टार्स) पर आधारित कम लागत, उच्च दक्षता वाले स्थिर फोटोवोल्टिक्स का उपयोग करना। प्रधान अन्वेषक: प्रो. रूपक बनर्जी, भौतिकी
- अलवणीकरण अनुप्रयोगों (स्टार्स) के लिए अभ्रक और सी-नाइट्राइड शीट्स पर उप-एनएम छिद्रों का विद्युत रासायनिक निर्माण। प्रधान अन्वेषक: प्रो. गोपीनाथन कलोन, भौतिकी
- जीवाणुरोधी पॉलिमर दवा प्रतिरोधी बैक्टीरिया, (स्टार) का मुकाबला करने के लिए। प्रधान अन्वेषक: प्रो. अभिजीत मिश्रा, पदार्थ अभियांत्रिकी
- हाइड्रोलॉजिकल प्रक्रियाओं की भविष्य कहनेवाला समझ के लिए भौतिकी निर्देशित डेटा विज्ञान दृष्टिकोण, (एमएचआरडी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. उदित भाटिया, सिविल अभियांत्रिकी
- मार्जिन क्लीयरेंस के लिए ओरल कैंसर और स्वस्थ ऊतक का सीमांकन करने के लिए बायोमार्कर की पहचान करने के लिए बहु-ओमिक विश्लेषण, (जीएसबीटीएम)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. अनिर्बन दासगुप्ता, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- मापनीय संख्यात्मक बहुरेखीय बीजगणित के लिए यादृच्छिक एल्गोरिदम, (गूगल)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. अनिर्बान दासगुप्ता, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- लेयर्ड हाइब्रिड पर्कोव्साइट्स (एमएचआरडी) पर आधारित कम लागत, उच्च दक्षता वाले स्थिर फोटोवोल्टिक्स का उपयोग करना। प्रधान अन्वेषक: प्रो. रूपक बनर्जी, भौतिकी
- भावनात्मक चेहरे की पहचान: आत्मकेंद्रित, (डीएसटी) के साथ उच्च कार्यशील किशोरों में अंतर्निहित तंत्रिका कनेक्टिविटी को समझना। प्रधान अन्वेषक: प्रो. उत्तम लाहिड़ी, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी
- तेज, मजबूत, ऊर्जा-जागरूक इन-मेमोरी कंप्यूटिंग आर्किटेक्चर, (एसआरसी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. जॉयसी मेकी, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी
- स्वच्छ ईंधन के रूप में सौर ऊर्जा के कुशल भंडारण के लिए नए प्लास्मोनिक एंटीना-रिएक्टर प्लेटफॉर्म का विकास (जीयूसीओएसटी)। प्रधान अन्वेषक : प्रो. सौम्यकांति खटुआ, रसायन विज्ञान
- अगली पीढ़ी कीमो फोटो थर्मल थेरेपी के लिए गोल्ड नैनो हीटर मेडिएटेड टार्गेटिंग ऑफ़ पॉवरिंग इन कैंसर, (जीयूसीओएसटी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. सुदीप्त बसु, रसायन विज्ञान
- एक केबल चालित लचीले रोबोटिक जोड़तोड़ का डिजाइन, गतिशील अध्ययन और नियंत्रण, (जीयूसीओएसटी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. मधु वडाली, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- शहरी वायु गुणवत्ता पर औद्योगिक उत्सर्जन के प्रभावों की निगरानी के लिए वायुमंडलीय प्रदूषक गैसों का उच्च संवेदनशील पता लगाना, (जीयूसीओएसटी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. अरूप लाल चक्रवर्ती, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी
- उच्च निष्पादन फाइबर प्रबलित कंक्रीट (एचपीएफआरसी): क्षमता आधारित मिश्रण डिजाइन ढांचे, (जीयूसीओएसटी) का परिचय। प्रधान अन्वेषक: प्रो. धीमान बसु, सिविल अभियांत्रिकी
- वायु प्रदूषण का कोविड-संबंधी द्वितीयक प्रकोपों पर प्रभाव, (गूगल)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. निपुन बत्रा, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- आरएफ अनुप्रयोगों, (डीएसटी) के लिए स्व-संरेखित डबल पॉली सिलिकॉन उत्सर्जक द्विध्रुवी प्रौद्योगिकी। प्रधान अन्वेषक: प्रो. निहार रंजन महापात्र, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी
- भारत के कोविड-19 प्रेरित लॉकडाउन, (एसएसआरसी) के बाद स्वदेशी समुदायों पर रिवर्स माइग्रेशन के प्रभाव। प्रधान अन्वेषक: प्रो. निशांत चोकसी, मानविकी और सामाजिक विज्ञान
- उच्च आवृत्ति इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला, (डीएसटी) का विकास। प्रधान अन्वेषक: प्रो. निहार रंजन महापात्र, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी
- "बायोथेराबबल" थेरानोस्टिक्स के लिए बायोएक्टिव अल्ट्रासाउंड-चालित माइक्रोबबल, (डीएसटी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. कृष्ण कांति डे,

भौतिकी

- "स्मार्ट" अवशोषक" (एसईआरबी) के तर्कसंगत डिजाइन की सहायता के लिए थर्मोडायनामिक मॉडल और मोंटे कार्लो सिमुलेशन का उपयोग करके तरल चरण में सह-विलय सहायक सोखना या विलय के अवशोषण पर सोखने की रासायनिक प्रकृति की भूमिका को समझना। अन्वेषक: प्रो. कौस्तुभ राणे, रासायनिक अभियांत्रिकी
- अगली पीढ़ी के कीमो-फोटो-थेरेपी, (एसईआरबी) के लिए कैंसर में बिजलीघर का छोटा अणु-मध्यस्थ लक्ष्यीकरण। प्रधान अन्वेषक: प्रो. सुदीप्त बसु, रसायन विज्ञान
- उच्च शक्ति हाइड्रोजेल - संश्लेषण, रियोलॉजी और अनुप्रयोग, (एसईआरबी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. प्राची थरेजा, रासायनिक अभियांत्रिकी
- गर्म चुंबकीय और चिपचिपा क्यूसीडी माध्यम, (एसईआरबी) में हेवी-क्वार्क गतिशीलता पर जांच। प्रधान अन्वेषक: प्रो. विनोद चंद्रा, भौतिकी
- एएमआर प्रवाह: रोगाणुरोधी और विनिर्माण प्रवाह से लोगों तक प्रतिरोध - प्रयोगों, गणितीय मॉडलिंग और जोखिम विश्लेषण, (डीबीटी) में शामिल हो गए। प्रधान अन्वेषक: प्रो. प्रणब कुमार महापात्रा, सिविल अभियांत्रिकी
- एज गैर-घुसपैठ लोड मॉनिटरिंग, (सिस्को)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. निपुन बत्रा, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- विशिष्ट फोटोकैटलिटिक रेडॉक्स प्रतिक्रियाओं को चलाने के लिए प्लास्मोनिक उत्प्रेरक डिजाइन का अनुकूलन, (एसईआरबी)। प्रधान अन्वेषक : प्रो. सौम्यकांति खटुआ, रसायन विज्ञान
- एलएचसी, (एसईआरबी) में मानक मॉडल से परे हिग्स भौतिकी। प्रधान अन्वेषक: प्रो. बरध्वज कोलेप्पा, भौतिकी
- आणविक प्रणाली, (एसईआरबी) की गतिशीलता का अनुमान लगाने के लिए टीटीटी पहचान के उल्लंघन की मात्रा निर्धारित करना। प्रधान अन्वेषक: प्रो. कौस्तुभ राणे, रासायनिक अभियांत्रिकी
- गुरुत्वाकर्षण भौतिकी पर सैद्धांतिक और प्रेक्षणात्मक बाधाएँ, (एसईआरबी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. सुदीप्त सरकार, भौतिकी
- कुछ परिवर्तनों का संख्या-सैद्धांतिक विश्लेषण और रामानुजन मास्टर प्रमेय का विस्तार, (एसईआरबी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. अतुल दीक्षित, गणित
- विकास और बीमारी में वायरस, (सिस्को)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. शर्मिष्ठा मजूमदार, जैविक अभियांत्रिकी
- चरम पक्की समीकरणों और संबंधित समरूपता और लिउविल प्रकार के परिणामों के लिए अतिनिर्धारित समस्याएं, (एसईआरबी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. जगमोहन त्यागी, गणित
- 6-घटक भूकंपीय उत्तेजन, (एसईआरबी) के लिए दिशात्मक संयोजन नियम विकसित करना। प्रधान अन्वेषक: प्रो. धीमान बसु, सिविल अभियांत्रिकी
- MoS2, SnS2 और MoS2-SnS2 हाइब्रिड नैनोस्ट्रक्चर्ड थिन फिल्म्स फॉर सोलर सेल एप्लिकेशन (एसईआरबी) के ऑप्टिकल, इलेक्ट्रिकल और माइक्रोसंरचनात्मक गुणों पर अध्ययन। प्रधान अन्वेषक: प्रो. एमिला पंडा, पदार्थ अभियांत्रिकी
- हाई-स्पीड रेलवे सिस्टम, (एचएसआरआईसी) के लिए भू-संश्लेषक प्रबलित मिट्टी की दीवारें और आस-पास। प्रधान अन्वेषक: प्रो. अमित प्रशांत, सिविल अभियांत्रिकी
- नमकीन उपचार, (डीएसटी) के लिए लगभग शून्य कार्बन उत्सर्जन प्राप्त करने के लिए सौर ऊर्जा का उपयोग करना। प्रधान अन्वेषक: प्रो. जयचंदर स्वामीनाथन, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- बाहरी हवाई परिवहन अनुप्रयोगों के लिए एक नया सहयोगी मानव-क्वॉडकॉप्टर इंटरफ़ेस, (एसईआरबी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. विनीत वशिष्ठ, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- सामान्यीकृत पहनावा, (डीएसटी) में आणविक प्रणालियों के संक्रमण मैट्रिक्स मोंटे कार्लो सिमुलेशन के लिए एक कुशल एल्गोरिदम विकसित करना। प्रधान अन्वेषक: प्रो. कौस्तुभ राणे, रासायनिक अभियांत्रिकी
- ट्रेस प्रदूषकों (डीएसटी) को हटाने के लिए चुंबकीय उत्प्रेरक लेपित सूक्ष्म बुलबुले का संश्लेषण। प्रधान अन्वेषक: प्रो. समीर दलवी, रासायनिक अभियांत्रिकी
- डीएनए अनुक्रमण, (डीएसटी) के लिए कार्यात्मक पदार्थ के रूप में ग्राफीन नैनोपोर्स का अध्ययन करने के लिए आणविक गतिशीलता सिमुलेशन का उपयोग करना। प्रधान अन्वेषक: प्रो. साईराम एस मल्लाजोस्युला, रसायन विज्ञान
- लोड कैरेज कंट्रोल के लिए केबल चालित हाइब्रिड एक्चुएशन, (डीआरडीओ)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. विनीत वशिष्ठ, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- एकल अणुओं से जीवित कोशिकाओं तक: डीएनए-नैनो तकनीक के साथ सीटू, मल्टीप्लेक्स, उच्च-थ्रूपुट इमेजिंग (जीयूसीओएसटी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. धीरज भाटिया, जैविक अभियांत्रिकी
- संरचनाओं के भूकंप संरक्षण के लिए एक स्लाइडिंग बेयरिंग का विकास, (डीएसटी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. मनीष कुमार, सिविल अभियांत्रिकी
- नैनो-स्केल लिथोग्राफी सिमुलेशन, (डीएसटी) के लिए बहु-स्तरीय कुशल ओपीसी ढांचे का विकास। प्रधान अन्वेषक: प्रो. निहार रंजन महापात्र, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी
- परभक्षी शिकार अंतःक्रिया: हेमिप्टेरा में रासायनिक रक्षा: पेंटाटोमिडे बग (गोंधी बग) और इसके ग्रंथियों के स्राव, (डीबीटी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. धीरज भाटिया, जैविक अभियांत्रिकी
- पार्किंसनिज़्म में गैट विकारों की निगरानी और उपचार के लिए स्मार्टवियर, (डीएसटी) प्रधान अन्वेषक: प्रो. उत्तम लाहिरी, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी
- लिथियम बैटरी में ठोस-इलेक्ट्रोलाइट इंटरफेज़ के बहु-चरणीय मॉडल: एक्सास्केल सिमुलेशन (डीएसटी) की ओर। प्रधान अन्वेषक: प्रो. राघवन रंगनाथन, पदार्थ अभियांत्रिकी
- स्व-संगठन में सामूहिक संपर्क प्रभाव, (डीएसटी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. प्रसन्ना वी बालासुब्रमण्यन, भौतिकी
- उभरती स्मृति तकनीकों का उपयोग करके अगली पीढ़ी के वर्कलोड के लिए मेमोरी कंप्यूटिंग में, (एसईआरबी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. जॉयसी मेकी, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी
- मात्रात्मक अल्ट्रासाउंड और लोच इमेजिंग, (जीएसबीटीएम) का उपयोग करके मौखिक कैंसर के घावों का मूल्यांकन करना। प्रधान अन्वेषक: प्रो. कार्ला पेट्रीसिया मर्काडो-शेखर, जैविक अभियांत्रिकी
- डीएनए क्रमादेशित, माइक्रोफ्लूडिक उपकरण कोविड-19 का पता लगाने के लिए लागत प्रभावी, उच्च-थ्रूपुट पॉइंट-ऑफ-केयर डायग्नोस्टिक प्लेटफॉर्म के रूप में, (जीएसबीटीएम)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. धीरज भाटिया, जैविक अभियांत्रिकी
- मैपिंग कपडवंज वर्ग: भारत में अंतिम जीवित पारंपरिक टैंक भट्टी, (सीएमओजी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. आलोक कानूनगो, पुरातत्व विज्ञान
- हिंद महासागर में गतिशीलता और बहुभाषावाद: स्थानीय समाज पर वैश्विक पारिस्थितिक परिवर्तन के प्रभाव, (एसएसआरसी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. निशांत चोकसी, मानविकी और सामाजिक विज्ञान
- नदी के लंबे प्रो.फाइल के क्लस्टरिंग के माध्यम से प्रायद्वीपीय नदियों का आनुवंशिक रूपात्मक वर्गीकरण: टिकाऊ नदी प्रबंधन के लिए एक उपकरण, (सीएसआईआर)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. विक्रांत जैन, पृथ्वी विज्ञान
- भारत के विकासशील क्षेत्रों में कल्याण, आजीविका और एक स्वस्थ वातावरण को संबोधित करते हुए - प्रमुख पर्यावरणीय मापदंडों की उपन्यास लेजर-आधारित निगरानी, (आरएई)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. अरूप लाल चक्रवर्ती, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी
- स्तन कैंसर के इलाज के लिए अल्ट्रासाउंड-सक्षम ओंकोट्रिप्सी, (डीबीटी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. हिमांशु शेखर, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी
- मिश्रित चरणों के प्रतिस्थापन रसायन (डीएसटी) का उपयोग करके रासायनिक लूपिंग दहन के लिए उपन्यास ऑक्सीजन वाहक विकसित करना। प्रधान अन्वेषक: प्रो. सुधांशु शर्मा, रसायन विज्ञान
- गुजरात में मैंग्रोव की कहानियां, (एसएसआरसी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. अंबिका अयदुराई, मानविकी और सामाजिक विज्ञान
- गुजरात के लिए एकीकृत रीयल टाइम हाइड्रोक्लाइमैटिक फ्रेमवर्क और पूर्वानुमान प्रणाली, (यूनिसेफ)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. विमल मिश्रा, सिविल अभियांत्रिकी
- कॉम्पैक्ट क्वांटम समूहों और उनके सजातीय रिक्त स्थान, (एनबीएचएम) के सांस्थितिक निश्चरता प्रधान अन्वेषक: प्रो. बिपुल सौरभ, गणित
- स्मार्ट वियर - पार्किंसंस गैट विकारों की निगरानी और पता, (डीबीटी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. उत्तम लाहिड़ी, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी
- सीरीज इलास्टिक एक्चुएटर और कंट्रोल यूनिट, (इसरो) का विकास। प्रधान अन्वेषक: प्रो. हरीश पलानथंडलम मदापुसी, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- स्तनधारी सर्केडियन क्लॉक कॉम्प्लेक्स, (डीबीटी) का एकीकृत और नेटवर्क मॉडलिंग। प्रधान अन्वेषक: प्रो. आशुतोष श्रीवास्तव, जैविक अभियांत्रिकी
- क्वांटम सूचना, (बीआरएनएस) का उपयोग करके क्वांटम गुरुत्व को डिक्रिप्ट करना। प्रधान अन्वेषक: प्रो. अर्पण भट्टाचार्य, भौतिकी
- अरुणाचल प्रदेश में वन्यजीव शिकार और ट्रैपिंग का इतिहास, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, (आईएनएसए)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. अंबिका अयदुराई, मानविकी और सामाजिक विज्ञान
- अल्जाइमर रोग और संबंधित न्यूरोडीजेनेरेटिव डिसऑर्डर, (एचईएफए) में चिकित्सीय हस्तक्षेप के लिए कार्यात्मक पेप्टाइड्स और डीएनए आधारित नैनो-असेंबली। प्रधान अन्वेषक: प्रो. शरद गुप्ता, जैविक अभियांत्रिकी
- वेब सुरक्षा प्रो.टोकॉल, (डीएसटी) के सत्यापित मॉडल और कार्यान्वयन। प्रधान अन्वेषक: प्रो. अभिषेक बिछावत, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- पश्चिमी भारत में विभिन्न जलवायु और भूगर्भीय सेटिंग्स के साथ तीन अलग-अलग महत्वपूर्ण क्षेत्रों में पृथ्वी की सतह की प्रक्रियाओं का अध्ययन, (एमओईएस)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. विक्रांत जैन, पृथ्वी विज्ञान
- होमोथर्मी के विकास का एपिजेनोमिक आधार:सीजीजीबीपी1-सीटीसीएफ एक्सिस इन हीट स्ट्रेस रिस्पांस, (एसईआरबी)। प्रधान अन्वेषक : प्रो.. उमाशंकर सिंह, जैविक अभियांत्रिकी
- सटीक जड़त्वीय संवेदन तत्वों (इसरो) में पतली फिल्म कोटिंग के प्रदर्शन पर प्रक्रिया मापदंडों के प्रभाव का आकलन करने के लिए सॉफ्टवेयर उपकरण विकास। प्रधान अन्वेषक: प्रो. राघवन रंगनाथन, पदार्थ अभियांत्रिकी
- मानव चाल बहाली के लिए पहनने योग्य

रोबोट: एक केबल-चालित पैर एक्सोस्केलेटन, (आईएचएफसी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. विनीत वशिष्ठ, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- पिन किए गए कोलाइडल सुपरकूल्ड तरल पदार्थ और ग्लास, (एसईआरबी) की गतिज स्थिरता की जांच करना। प्रधान अन्वेषक : प्रो. चंदन कुमार मिश्रा, भौतिकी
- आरएफ पावर एलडीएमओएस उपकरणों का प्रौद्योगिकी विकास, (इसरो)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. निहार रंजन महापात्र, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी
- स्मार्टवियर: पार्किंसंस गैट विकारों के लिए एआई-सक्षम समाधान, (एसईआरबी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. उत्तम लाहिड़ी, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी
- गुरुत्वाकर्षण तरंगों में ब्लैक होल के हस्ताक्षर की खोज, (एसईआरबी)। प्रधान अन्वेषक: मुस्तफ़िज़ुर रहमान (संरक्षक: प्रो. अर्पण भट्टाचार्य), भौतिकी
- कम तापमान उच्च चुंबकीय क्षेत्र क्रायोजेनिक सिस्टम, (डीएसटी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. गोपीनाथन कलोन, भौतिकी
- शहरी भारत में निर्मित वातावरण में वायु गुणवत्ता और इसकी गतिशीलता की जांच, (एसईआरबी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. समीर पटेल, रासायनिक अभियांत्रिकी
- किडनी इम्प्लांट मॉनिटरिंग, (एसईआरबी) में संभावित अनुप्रयोग के लिए डुप्लेक्स शीयर वेव इलास्टिसिटी इमेजिंग और अल्ट्राफास्ट डॉपलर अल्ट्रासाउंड का विकास करना। प्रधान अन्वेषक: प्रो. कार्ला पेट्रीसिया मर्कडोशेखर, जैविक अभियांत्रिकी
- एकीकृत मॉडलिंग और स्तनधारी सर्कैडियन घड़ी परिसरों की गतिशीलता, (एसईआरबी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. आशुतोष श्रीवास्तव, जैविक अभियांत्रिकी
- क्वांटम सर्किट जटिलता, (एसईआरबी) का विश्लेषण करके क्यूएफटी की विशेषता। प्रधान अन्वेषक: प्रो. अर्पण भट्टाचार्य, भौतिकी
- जोखिम मुक्त सर्किट: एल्गोरिदम और जटिलता, (एसईआरबी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. बालगोपाल कोमारथ, संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी
- स्केलेबल और कोरसेट के माध्यम से निजी मशीन लर्निंग, (एसईआरबी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. अनिर्बान दासगुप्ता, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- संख्यात्मक बहुरेखीय बीजगणित के लिए व्यावहारिक सन्निकटन एल्गोरिदम, (एसईआरबी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. अनिर्बान दासगुप्ता, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- साइबर-भौतिक वितरण प्रणाली सुरक्षा के लिए साइबर-हमला विश्लेषण टूलकिट [साइबरडीआईएसएस], (सीपीआरआई)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. नारन पिंडोरिया, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी
- उच्च-शक्ति आरएफ एलडीएमओएस ट्रांजिस्टर, (एसईआरबी) के प्रतिलोम डिजाइन के लिए एक डीप न्यूरल नेटवर्क (डीएनएन) आधारित ढांचा। प्रधान अन्वेषक: प्रो. निहार रंजन महापात्र, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी
- सामान्यीकृत हर्लोट्ज़ फ़ंक्शंस, मॉड्यूलर संबंधों से उत्पन्न होने वाले जीटा फ़ंक्शंस, सामान्यीकृत लैम्बर्ट श्रृंखला के एसिम्प्टोटिक्स, और मॉक थीटा फ़ंक्शंस, (एसईआरबी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. अतुल दीक्षित, गणित
- मिमो लीनियर डायनेमिक सिस्टम, (एसईआरबी) के लिए सिस्टम इनवर्टिबिलिटी और रिलेटिव डिग्री। प्रधान अन्वेषक: प्रो. हरीश पलानथंडलम मदापुसी, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- एआई/एमएल अनुसंधान के लिए उच्च स्तरीय कम्प्यूटेशनल सुविधा, (फिस्ट)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. मयंक सिंह, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- जेब्राफिश मॉडल, (एसईआरबी) में कैंसर की शुरुआती जांच के लिए डीएनए कार्यात्मक नैनोकणों का विकास और सत्यापन। प्रधान अन्वेषक: डॉ कृपा कंसारा (संरक्षक: प्रो. धीरज भाटिया), जैविक अभियांत्रिकी
- मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम, (इसरो) के लिए अल्ट्रा-हाई सेंसिटिविटी ट्यूनेबल लेजर-आधारित स्पेक्ट्रोस्कोपिक गैस डिटेक्शन सिस्टम। प्रधान अन्वेषक: प्रो. अरूप लाल चक्रवर्ती, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी
- उन्नत माइक्रोस्कोपी और स्पेक्ट्रोस्कोपी प्रयोगशाला, (डीएसटी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. प्राची थरेजा, रासायनिक अभियांत्रिकी
- पोस्टुरल संतुलन और नियंत्रण में सुधार के लिए मल्टीमॉडल क्यूइंग की भूमिका, (सीएसआरआई)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. विनीत वशिष्ठ, यांत्रिक अभियांत्रिकी

परामर्शी परियोजनाएं

2022-23 के दौरान स्वीकृत परियोजनाएं

- जलवायु परिवर्तन के नजरिए से गुजरात राज्य पर कोविड-19 के प्रभाव, (जीईडीए)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. विमल मिश्रा, सिविल अभियांत्रिकी
- लिफ्ट दरवाजे के लिए रैखिक इलेक्ट्रिक मशीन, (कोन लिफ्ट)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. राघवन के, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी
- घन/सीडी त्रिअक्षीय परीक्षण, (आईजीएस) के लिए अभियंताओं का प्रशिक्षण। प्रधान अन्वेषक: प्रो. अजंता सचान, सिविल अभियांत्रिकी
- कच्छ, गुजरात, (एनटीपीसी) के रण में 5 gw पवन-सौर संकर परियोजना के लिए क्षेत्र जल निकासी अध्ययन, सड़क नेटवर्क डिजाइन और रसद समर्थन। प्रधान अन्वेषक: प्रो. अमित प्रशांत, सिविल अभियांत्रिकी
- प्रो.टीन (एस), (एसएमपीएल) का अनुकूलन और शुद्धिकरण। प्रधान अन्वेषक: प्रो. विजय थिरुवेंकटम, जैविक अभियांत्रिकी
- बायोमास पायरोलिसिस/गैसीकरण मीथेन समृद्ध गैस, (एटीएमओएस) उत्पन्न करने के लिए। प्रधान अन्वेषक: प्रो. सुधांशु शर्मा, रसायन विज्ञान
- जिओ-सेल, (आरवीएनएल) का उपयोग कर पुल दृष्टिकोण को मजबूत करने के लिए पायलट अध्ययन। प्रधान अन्वेषक: प्रो. अमित प्रशांत, सिविल अभियांत्रिकी
- गुजरात पावर रिसर्च एंड डेवलपमेंट (जीपीआरडी) सेल, (जीयूवीएनएल) में अधिकारियों के चयन के लिए प्रश्न पत्र तैयार करने और उसके मूल्यांकन के लिए विशेषज्ञ सेवाएं। प्रधान अन्वेषक: प्रो. नारन पिंडोरिया, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी
- पेप्टाइड्स का संश्लेषण, (केजीपी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. शरद गुप्ता, जैविक अभियांत्रिकी
- अल्ट्रासोनिक और ऑप्टिकल दूध गुणवत्ता विश्लेषक, (ईआईपीएल)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. अरूप लाल चक्रवर्ती, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी
- संयंत्र आधारित मांस, (ब्लास्टो)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. भास्कर दत्ता, रसायन विज्ञान
- इलेक्ट्रिक टू व्हीलर के लिए मोटर की उपयुक्तता का आकलन करना, (आईएमपीएल)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. राघवन के, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी
- भारत में जलविद्युत पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव, (यूएनडीपी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. विमल मिश्रा, सिविल अभियांत्रिकी
- जीआरबीसी पर महत्वपूर्ण पैच पर उपचारात्मक उपाय, (वीआईडीसी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. अमित प्रशांत, सिविल अभियांत्रिकी
- हाई स्पीड रेल, (एल एंड टी) के लिए नींव निष्पादन के दौरान समस्या निवारण की स्थिति के दौरान सलाह दें। प्रधान अन्वेषक: प्रो. शैलेश आर गांधी, सिविल अभियांत्रिकी
- जलवायु परिवर्तन अध्ययन और कार्यों पर क्षमता का संस्थानीकरण, (जीडीसी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. विमल मिश्रा, सिविल अभियांत्रिकी
- प्राथमिक धातुमल (एचआईएल) से बहुमूल्य धातुओं की प्राप्ति। प्रधान अन्वेषक: प्रो. सुपर्ब कुमार मिश्रा, पदार्थ अभियांत्रिकी
- भदभुत बैराज, (केएएलपीएसआर) के विभिन्न समूहों के लिए भू-तकनीकी डिजाइन पद्धति। प्रधान अन्वेषक: प्रो. अमित प्रशांत, सिविल अभियांत्रिकी
- अनुरोध पर परामर्श सलाह, (एल एंड टी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. शैलेश आर गांधी, सिविल अभियांत्रिकी
- न्यूमेरिकल मॉडलिंग ऑफ वेल्डिंग एंड एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग, (टीएसएल) पर एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला। प्रधान अन्वेषक: प्रो. अमित अरोड़ा, पदार्थ अभियांत्रिकी
- कंपनी द्वारा आपूर्ति किए गए ZnSO4 समाधान, (एचजेडएल) की वर्तमान दक्षता (फैराडिक दक्षता) का अनुमान लगाना। प्रधान अन्वेषक: प्रो. सुधांशु शर्मा, रसायन विज्ञान
- मुंद्रा, गुजरात, (आईओसीएल) में जमीन के ऊपर कच्चे तेल के भंडारण टैंकों के लिए नींव प्रणाली का डिजाइन। प्रधान अन्वेषक: प्रो. अमित प्रशांत, सिविल अभियांत्रिकी
- गोसीखुर्द राइट बैंक कैनाल (जीआरबीसी), (वीआईडीसी) पर महत्वपूर्ण पैच पर उपचारात्मक उपाय। प्रधान अन्वेषक: प्रो. अमित प्रशांत, सिविल अभियांत्रिकी
- छोटे बच्चों और जलवायु पर अध्ययन (आईएनए-2021-009), (आईसीएलईआई)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. विमल मिश्रा, सिविल अभियांत्रिकी
- वाहन प्रणाली, (आईएनडीएनएवी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. हरीश पलानथंडलम मदापुसी, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- जीयूवीएनएल, (जीयूवीएनएल) के अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम। प्रधान अन्वेषक: प्रो. नारन पिंडोरिया, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी
- एमसीएफ7, (केबीएस) के साथ सेलुलर जांच। प्रधान अन्वेषक: प्रो. शिवप्रिया किरुबाकरण, जैविक अभियांत्रिकी
- पुरुष और महिला पैटर्न बालों के झड़ने-अवलोकन संबंधी अध्ययन, (मैरिको)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. हिमांशु शेखर, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी
- त्वचा/खोपड़ी में प्रवेश और बाद में परिवर्तन के लिए नारियल तेल की विशिष्टता का मूल्यांकन, (मैरिको)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. हिमांशु शेखर, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी
- काशिव बायोसाइंसेज, (केबीएस) के साथ परामर्श परियोजना। प्रधान अन्वेषक: प्रो. धीरज देवीदास भाटिया, जैविक अभियांत्रिकी
- पदार्थ पहचान अध्ययन, (जीपीसी)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. चंद्रकुमार अप्पायी, रसायन विज्ञान
- मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, (एएमएनएसआईएल) का उपयोग करके निरंतर ढलाई के दौरान अनुप्रस्थ दरार गठन की भविष्यवाणी। प्रधान अन्वेषक: प्रो. हरि साईं गणेश, रासायनिक अभियांत्रिकी
- विधि विवरण और साइट निरीक्षण, (एल एंड टी) की लेखा परीक्षा। प्रधान अन्वेषक: प्रो. शैलेश आर गांधी, सिविल अभियांत्रिकी
- भा.प्रौ.संजीएम-केआईएसईएम उद्योग ऊर्जा मूल्यांकन, (भा.प्रौ.संएम एस)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. नारन पिंडोरिया, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी

- कर्नाटक के लिए उच्च विभेदन फसल मानचित्रण और सिंचाई मानचित्रण, (एसीआईडब्ल्यूआरएम)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. विमल मिश्रा, सिविल अभियांत्रिकी
- अखिल भारतीय स्तर पर जलवायु अनुमानों और परिदृश्य डेटाबेस का विकास, (आईआईएमए)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. विमल मिश्रा, सिविल अभियांत्रिकी
- अहमदाबाद मेट्रो रेल परियोजना, (जीएमआरसी) के ई-डब्ल्यू कॉरिडोर (वास्त्रल गाम से थलतेज गाम) और एन-एस कॉरिडोर (एपीएमसी से मोटेरा स्टेडियम) में चुनिंदा संरचनात्मक सदस्यों की गुणवत्ता लेखापरीक्षा। प्रधान अन्वेषक: प्रो. मनीष कुमार, सिविल अभियांत्रिकी
- अहमदाबाद-धोलेरा एक्सप्रेसवे, (एनएचएआईए) का पर्यवेक्षण, निरीक्षण और लेखा परीक्षा। प्रधान अन्वेषक: प्रो. गौरव श्रीवास्तव, सिविल अभियांत्रिकी
- अहमदाबाद में पुरातत्व स्थल पर भूमिगत मानचित्रण के लिए जीपीआर जांच, (आरएलडीए)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. अमित प्रशांत, सिविल अभियांत्रिकी
- कड़ाना-दाहोद लिंकिंग परियोजना, (केसीपीएल) के लिए वृद्धि विश्लेषण रिपोर्ट की समीक्षा। प्रधान अन्वेषक: प्रो. प्रणब महापात्रा, सिविल अभियांत्रिकी
- मल्टी-फंक्शनल कोर-शेल पार्टिकल्स, (एलसीएल) का विकास। प्रधान अन्वेषक: प्रो. श्रीरामकणवाह गुंडीमेडा, रसायन विज्ञान
- गैर-विनाशकारी परीक्षण अनुप्रयोगों (एमएसएल) के लिए चरणबद्ध सरणी अल्ट्रासाउंड सिस्टम। प्रधान अन्वेषक: प्रो. हिमांशु शेखर, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी
- ली आयन बैटरी, (ओईटी) में विद्युत, यांत्रिक और परिवहन गुणों पर पॉलिमर बाइंडर्स के प्रभाव को समझने के लिए सिलिको अध्ययन में। प्रधान अन्वेषक: प्रो. मिथुन राधाकृष्ण, रासायनिक अभियांत्रिकी
- विद्युत क्षेत्र में नियामक ढांचे पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, (जीईटीआरआई)। प्रधान अन्वेषक: प्रो. नारन पिंडोरिया, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी

बौद्धिक संपदा

वर्ष 2022-23 के दौरान दिए गए पेटेंट इस प्रकार हैं:

- जल शोधन के लिए एक फिल्टर और इसके निर्माण की एक प्रक्रिया: आविष्कारकों में शामिल हैं: प्रो. चिन्मय घोरोई और डॉ दीपा दीक्षित। पेटेंट संख्या 397587 है।
- एन-प्रतिस्थापित फेनोथियाज़िन डेरिवेटिव तैयार करने की प्रक्रिया: अन्वेषकों में प्रो. शिवप्रिया किरुबाकरण, प्रो. विजय थिरुवेंकटम, जवीना हुसैन, अल्ताफ शैक और सिद्धांत भोईर शामिल हैं। पेटेंट संख्या 411214 है।
- बहु-पैरामीटर रोगी निगरानी प्रणाली: अन्वेषकों में शामिल हैं: प्रो. उत्तम लाहिड़ी, धवल सोलंकी, पूजन ओझा। पेटेंट संख्या 427385 है।
- ऑर्गनोफॉस्फोरस शाकनाशियों का पता लगाने के लिए नैनोबिकेटेलिस्ट: आविष्कारकों में शामिल हैं: प्रो. भास्कर दत्ता, संजय कुमार, प्रमिला शर्मा। पेटेंट संख्या 418926 है

वर्ष 2022-23 के दौरान दायर किए गए पेटेंट इस प्रकार हैं:

- एक सार्वभौमिक IoT-आधारित स्मार्ट ऊर्जा प्रबंधन उपकरण: अन्वेषकों में शामिल हैं: प्रो. नारन पिंडोरिया, आनंद सिंह चौहान, रवींद्र कुहाड़ा, और बबलेश कुमार झा।
- अमोनिया गैस का पता लगाने के लिए सेंसर और सेंसर के निर्माण की एक विधि: आविष्कारकों में शामिल हैं: प्रो. रूपक बनर्जी, तूफान पॉल, अविसेक मैती और अदिति साहू।
- पारदर्शी इलेक्ट्रोड और इसे तैयार करने की प्रक्रिया: आविष्कारकों में शामिल हैं: प्रो. एमिला पंडा और शिवम शुक्ला।
- एक पहनने योग्य एकल सेंसर-आधारित चाल व्यवहार लक्षण वर्णन उपकरण: आविष्कारकों में शामिल हैं: प्रो. वशिष्ठ विनीत और सिंह योगेश।
- मानव और रोबोट के बीच सहयोगी इंटरफ़ेस की सुविधा के लिए एक उपकरण: आविष्कारकों में शामिल हैं: प्रो. वशिष्ठ विनीत और प्रजापति प्रतीक।
- एक हाइड्रोजेल संरचना और उसकी तैयारी की प्रक्रिया: अन्वेषकों में शामिल हैं: प्रो. धंका मुकेश, कुद्दुशी मोहम्मद मुज़म्मिल यूसुफभाई और विठलानी हिताशा
- थर्मोक्रोमिक कोटिंग के लिए एक प्रक्रिया: अन्वेषकों में शामिल हैं: प्रो. एमिला पंडा और मयंक डोटियाल

अनुसंधान गतिविधियां: घटनाएं और बाह्य संपर्क

शैक्षिक गतिविधियों के एक महत्वपूर्ण हिस्से से सम्मेलन, कार्यशाला, संगोष्ठी और संगोष्ठी जैसे अनुसंधान और सहयोगी कार्यक्रम जो महत्वपूर्ण विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला पर चर्चा को प्रो.त्साहित करने में मदद करते हैं। इनमें से कई गतिविधियाँ अन्य संगठनों से भागीदारी को आमंत्रित करती हैं और विभिन्न स्तरों पर संस्थान की दृश्यता को बढ़ाती हैं। 2022-23 के दौरान निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन किया गया:

सम्मेलन

वैज्ञानिक लेखन में प्रमाणन

कुल 57 पीएचडी छात्रों और 2 पोस्टडॉक्टोरल अध्येता को हाल के समय में वैज्ञानिक लेखन में प्रमाणन से सम्मानित किया गया, जो 06 मई, 2022 को संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम प्रो. कार्ला मर्काडो-शेखर (समन्वयक) और डॉ मारिया जोआओ अमांटे (सलाहकार) द्वारा हर सत्रार्ध में आयोजित किया जाता है।

केमकैटकॉन 2.0

रसायन विज्ञान के अनुशासन ने 14-15 मई, 2022 के दौरान ऑफलाइन मोड में 'रासायनिक उत्प्रेरक सम्मेलन' (केमकैटकॉन) के दूसरे संस्करण का आयोजन किया। सम्मेलन का विषय 'विषम उत्प्रेरण: सतह पर यांत्रिक जांच' था। दो दिवसीय सम्मेलन के बाद एक दिवसीय अनुभवात्मक कार्यशाला का आयोजन प्रो. सुधांशु शर्मा द्वारा किया गया था।

छात्रों के लिए परिचयात्मक कैंप

मानविकी और सामाजिक विज्ञान विषय ने छोटा उदेपुर स्थित एक स्थानीय शैक्षिक संगठन और अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय के सहयोग से गुजरात के एक ग्रामीण आदिवासी जिले छोटा उदेपुर के लगभग 26 छात्रों के लिए उच्च शिक्षा के अवसरों पर 20 से 22 मई, 2022 तक तीन दिवसीय प्रदर्शन शिविर का आयोजन किया। आवासीय कार्यशाला को उच्च माध्यमिक व स्नातक अध्ययन करने वाले छात्रों को उच्च शिक्षा के विभिन्न अवसरों और विषयों में विभिन्न करियर धाराओं के बारे में सूचित करने के लिए डिज़ाइन किया गया था। कार्यशाला का आयोजन प्रो. निशांत चोकसी ने किया।

कैंप इंस्पायर

क्यूरियोसिटी प्रयोगशाला ने जून 03-05, 2022 तक शिक्षकों, अभिभावकों और शिक्षा के विद्वानों के अलावा कक्षा 8 से 12 के स्कूली छात्रों के लिए कैंप इंस्पायर 2022 की मेजबानी की। यह भा.प्रौ.सं गांधीनगर द्वारा विचारित जिज्ञासा शिविर श्रृंखला का तीसरा शिविर था। कुछ अविश्वसनीय व्यक्तियों की प्रेरणादायक कहानियाँ जिन्होंने अद्वितीय रास्ते अपनाए और बाधाओं के बावजूद अपने जुनून का पालन करना चुना। लगभग 4000 प्रतिभागियों ने इसमे भाग लिया, इस कार्यक्रम का समन्वय प्रो. जैसन मंजली ने किया था।

एलडीआई द्वारा गतिविधियाँ

लीडरशिप डेवलपमेंट इनिशिएटिव (एलडीआई) ने क्रमशः 14-15 अक्टूबर और 3 दिसंबर, 2022 को 'सिंपली स्पीकिंग' और 'डायनामिक डुओ' का आयोजन किया। सिंपली स्पीकिंग ने पीएचडी छात्रों को अपने शोध को आसान प्रारूप में समझाने के लिए प्रोत्साहित किया। डायनामिक डुओ कार्यक्रम ने पीएचडी छात्रों और उनके संकाय सलाहकारों को स्वस्थ पीएचडी सलाहकार-विद्वान संबंध के महत्व को प्रदर्शित करने के लिए एक अनूठा मंच दिया।

मालविका स्मृति व्याख्यान श्रृंखला

प्रो. मालविका सुब्रमण्यम की प्रेमपूर्ण स्मृति में, भा.प्रौ. सं गांधीनगर में मानविकी और सामाजिक विज्ञान के अनुशासन ने 'मालविका मेमोरियल व्याख्यान श्रृंखला', शुरू की है, जिसका उद्घाटन 15 नवंबर, 2022 को उनके माता-पिता, डॉ ए वी सुब्रमण्यम और श्रीमती श्रीलता सुब्रमण्यम ने किया था। डॉ पूर्णिमा मेनन, अंतर्राष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान के एक वरिष्ठ शोध अध्येता, ने उद्घाटन भाषण दिया, और प्रोफेसर सुब्रमण्यम के सहयोगी, डॉ माला रामनाथन, डॉ राजन शंकर और डॉ मुक्ता गुंडी ने उनके साथ काम करने के अपने अनुभवों के बारे में बात की।

संकाय विकास कार्यक्रम

जैविक अभियांत्रिकी अनुशासन, भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने, गुजरात राज्य जैव प्रौद्योगिकी मिशन (जीएसबीटीएम) के समर्थन से, 9 नवंबर, 2022 को प्रोटीन बायोलॉजी और प्रोटिओमिक्स पर एक सप्ताह का 'संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी)' आयोजित किया, जिसका उद्देश्य गुजरात के विशिष्ट कौशल वाले कॉलेज और विश्वविद्यालय संकाय सदस्यों को सक्षम बनाना था। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर शरद गुप्ता ने किया।

भा.प्रौ.सं गांधीनगर में प्री-आईआईजीएफ इवेंट 2022

भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने "बहुभाषी इंटरनेट" के विषय पर 2 दिसंबर, 2022 को इंडिया इंटरनेट गवर्नेंस फोरम (आईआईजीएफ) 2022 के प्री-इवेंट की मेजबानी की। इसमें संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, डेटा साइंस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के उद्योग और शिक्षा जगत के प्रख्यात विषय विशेषज्ञों द्वारा कई विद्वानों की बातचीत के साथ वर्चुअल और ओपन-फॉर-ऑल आयोजन को पंक्तिवार किया गया था। कार्यक्रम का संचालन प्रो. मयंक सिंह ने किया।

आईसीएमई पर शीतकालीन स्कूल

5-10 दिसंबर, 2022 के दौरान भा.प्रौ.सं गांधीनगर में एकीकृत कम्प्यूटेशनल सामग्री अभियांत्रिकी (आईसीएमई) पर एक शीतकालीन स्कूल का आयोजन किया गया था। भा.प्रौ.सं गांधीनगर और भा.प्रौ.सं खड़गपुर के वक्ताओं ने विभिन्न कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग तकनीकों की मूल बातें और वास्तविक जीवन की समस्याओं के लिए उनके अनुप्रयोगों को दर्शाया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. अमित अरोड़ा ने किया।

आईसीवीजीआईपी 2022

आईआईटीजीएन ने 8-10 दिसंबर, 2022 के दौरान कंप्यूटर विजन, ग्राफिक्स और इमेज प्रोसेसिंग (आईसीवीजीआईपी) पर भारतीय सम्मेलन के 13वें संस्करण की मेजबानी की। भारत और विदेश के छात्रों, संकाय सदस्यों और उद्योग विशेषज्ञों सहित 300 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सम्मेलन, इंडियन यूनिट फॉर पैटर्न रिकॉग्निशन एंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (IUPRAI) के सहयोग से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम का संचालन प्रो. शनमुगनाथन रमन ने किया।

यूरोपीय आणविक जीव विज्ञान संगठन (ईएमबीओ) व्याख्यान श्रृंखला

भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने 12-17 दिसंबर, 2022 के दौरान 'नॉनइनवेसिव ब्रेन स्टिमुलेशन (एनआईबीएस): एडवांस इन रिसर्च एंड क्लिनिकल प्रैक्टिस' पर भारत - यूरोपीय आणविक

जीव विज्ञान संगठन (ईएमबीओ) व्याख्यान श्रृंखला की मेजबानी की। बैठक, यूरोपीय आणविक जीवविज्ञान संगठन (ईएमबीओ) और इंफोसिस के सह-संस्थापक श्री क्रिस गोपालकृष्णन द्वारा समर्थित, ने न्यूरोमॉड्यूलेशन के क्षेत्र में काम कर रहे दुनिया भर के कुछ शीर्ष शोधकर्ताओं को एकत्रित किया। बैठक का संचालन प्रो. प्रतीक मुथा ने किया।

आईईईई एएनटीएस 2022

उन्नत नेटवर्क और दूरसंचार प्रणालियों (आईईईई एएनटीएस 2022) पर आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का 16वां संस्करण 18-21 दिसंबर, 2022 के दौरान 'स्केलेबल सिक्योर एंड सस्टेनेबल कनेक्टिविटी' विषय पर आईआईटीजीएन में आयोजित किया गया था। इस विशिष्ट सम्मेलन में उद्योग और शिक्षा जगत के लगभग 150 शोधकर्ताओं ने भाग लिया। सम्मेलन का समन्वय प्रो. समीर कुलकर्णी और सह-समन्वय प्रो. शनमुगनाथन रमन ने किया।

कार्यशालाएँ

- रेंगने वाले जीव, श्री रोहित हरिप, औद्योगिक डिजाइनर, अप्रैल 09, 2022
- थिएटर कार्यशाला, सीए आदित्य त्रिवेदी, एक चार्टर्ड एकाउंटेंट और थिएटर प्रैक्टिशनर, 10 अप्रैल, 2022
- स्केचिंग के माध्यम से विचार और संकल्पना, श्री नीरवकुमार पटेल, इंडस्ट्रियल डिज़ाइनर, डिज़ाइन एंड इनोवेशन सेंटर (डीआईसी), भा.प्रौ.सं गांधीनगर, 17 जून, 2022
- पेंटिंग कार्यशाला की कला, अनीशा मोहंती, एमए छात्र, मानविकी और सामाजिक विज्ञान, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, 17 जून, 2022
- भूकंप घटना और जोखिम की नए पहलू, भा.प्रौ. सं गांधीनगर और एसईआरबी द्वारा, प्रो. उत्सव मन्नू द्वारा समन्वयित, 5-12 जुलाई, 2022।
- डेटा का विज़ुअलाइज़ेशन, प्रो. मानसी कानेतकर, सहायक शिक्षण प्रो., डिजाइन, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, जुलाई 09, 2022
- साइबर अपराध जागरूकता, संस्थान के आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए, श्री मनीष ठाकर, एक प्रसिद्ध साइबर सुरक्षा ट्रेनर, जुलाई 16, 2022 ।
- वैज्ञानिक साहित्य में भ्रामक प्रकाशन, नकली समाचार और पूर्वाग्रह से आगे की जानकारी का मूल्यांकन: सुश्री अदिति गुप्ता, अभियांत्रिकी और साइंस लाइब्रेरियन, यूनिवर्सिटी ऑफ़ विक्टोरिया पुस्तकालयज़, अगस्त 08, 2022
- वेब ऑफ साइंस एंड एंडनोट: टेकिंग योर रिसर्च टू द नेक्स्ट लेवल, डॉ सुभाश्री नाग, सॉल्यूशन कंसल्टेंट, साइंटिफिक रिसर्च डिवीजन, क्लेरिवेट एनालिटिक्स, अगस्त 26, 2022
- सीएसई-भा.प्रौ.संजीएन और भारतीय मानक ब्यूरो, 27 अगस्त, 2022 द्वारा पेरीमीटर और थ्रू पेनेट्रेशन फायरस्टॉप्स का डिजाइन, इंस्टालेशन और निरीक्षण, इसके बाद लाइव फुलस्केल फायर एक्सपेरिमेंट
- अकादमिक शोध के लिए CAS SciFinder-n', श्री संग्राम गोखले, खाता प्रबंधक और एसीएस इंडिया के एक विशेषज्ञ प्रशिक्षक, 29 अगस्त, 2022
- विज़ुअल थिंकिंग कार्यशाला, एंटरप्रेन्योरशिप इनिशिएटिव भा.प्रौ.सं गांधीनगर और लीडरशिप डेवलपमेंट इनिशिएटिव, 10 सितंबर, 2022
- सार्वजनिक भाषण कार्यशालाएं, प्रो. अतुल सिंह, संस्थापक, सीईओ और प्रधान संपादक, फेयर ऑब्जर्वर द्वारा; प्रो. क्रिस्टोफर रोपर शेल, योगदानकर्ता संपादक, फेयर ऑब्जर्वर; श्री पीटर इसाकसन, मुख्य रणनीति अधिकारी, फेयर ऑब्जर्वर; और मिस्टर मार्क मैनर्स, पब्लिक स्पीकिंग एक्सपर्ट, 13-15 और 19-21 सितंबर, 2022
- भा.प्रौ.सं हैदराबाद और हैदराबाद विश्वविद्यालय के सहयोग से भा.प्रौ.सं गांधीनगर द्वारा क्यू एफ टी और AdS/ सी एफ टी-III में क्वांटम जानकारी, 16-18 सितंबर, 2022
- जैविक परमाणु बल माइक्रोस्कोप (एएफएम) में उन्नत प्रशिक्षण पर कार्यशाला कार्यशाला और हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण सत्र, प्रो. धीरज भाटिया द्वारा समन्वित, 22-28 सितंबर, 2022।
- शक्ति और संबद्ध जीवन रेखा अवसंरचना प्रणालियों का लचीलापन, प्रो. मनीष कुमार और प्रो. उदित भाटिया द्वारा समन्वित, 26 सितंबर, 2022
- अस्थिर पुरातत्व पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला, भा.प्रौ.सं गांधीनगर और फ्लिंडर्स विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया द्वारा सह-आयोजित, प्रो. आलोक कुमार कानूनगो द्वारा समन्वित, 26-29 सितंबर, 2022
- उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं में एआई प्रतिबिंब और अनुप्रयोग, संघीय विश्वविद्यालय गोइआस, ब्राजील द्वारा सह-आयोजित; माइक्रोसॉफ्ट; एनवीडिया; भा.प्रौ.सं कानपुर; और भा.प्रौ.सं गांधीनगर, 1-2 अक्टूबर, 2022
- आयुर्वेदिक फाइटोकेमिकल्स: हालिया अनुसंधान और नैदानिक प्रभाव, प्रो. आशुतोष श्रीवास्तव और प्रो. साईराम मल्लाजोस्युला द्वारा समन्वित, 8 अक्टूबर, 2022
- निरर्थक रूप से सक्रिय रोबोट और उनके मानव-केंद्रित अनुप्रयोग, प्रो. विनीत वशिष्ठ द्वारा आयोजित, 8-9 अक्टूबर, 2022
- डॉ धनुकुमार पट्टनशेट्टी, वरिष्ठ आईईईईई क्लाइंट सर्विसेज, आईईईईई भारत, द्वारा एक गुणवत्तापूर्ण शोध/तकनीकी पेपर लिखना और प्रकाशित करना, 4 नवंबर, 2022
- फिल्मफेयर पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता हरि एम मोहनन द्वारा उन्नत फिल्म निर्माण कार्यशाला, 4-6 नवंबर, 2022
- सुश्री पन्ना चौधरी, सहायक लाइब्रेरियन, और डॉ टी एस कुंबार, सलाहकार (पुस्तकालय और संस्थान अभिलेखागार), भा.प्रौ.सं गांधीनगर पुस्तकालय, 9 नवंबर, 2022 द्वारा अपनी विद्वतापूर्ण पहचान बनाना और प्रबंधित करना
- श्री तापस कुमार दास, वरिष्ठ पुस्तकालय सूचना सहायक, और डॉ टी एस कुम्बर, सलाहकार (पुस्तकालय और संस्थान अभिलेखागार), भा.प्रौ.सं गांधीनगर पुस्तकालय, 14 नवंबर, 2022 द्वारा जोतेरो - एक संदर्भ प्रबंधन सॉफ्टवेयर का उपयोग करके अपने संदर्भों का प्रबंधन
- संज्ञानात्मक स्वास्थ्य से संबंधित मुद्दों को संबोधित करने में एआई-आधारित दृष्टिकोण पर कार्यशाला, प्रो. उत्तम लाहिड़ी और प्रो. नितिन जॉर्ज द्वारा सह-आयोजित, 15-21 नवंबर, 2022
- शिकारी प्रकाशन: कैसे पता लगाया जाए और इससे कैसे बचा जाए, डॉ. टी एस कुंबार, सलाहकार (पुस्तकालय और संस्थान अभिलेखागार); सुश्री पन्ना चौधरी, सहायक लाइब्रेरियन; और श्री तापस कुमार दास, सीनियर पुस्तकालय इंफॉर्मेशन असिस्टेंट, भा.प्रौ.सं गांधीनगर पुस्तकालय, 18 नवंबर, 2022
- डॉ. मोनाल देसाई, शिक्षण सहायक, लेखन स्टूडियो, भा.प्रौ.सं गांधीनगर द्वारा व्यावसायिक अंग्रेजी लेखन, 24 नवंबर और 1 दिसंबर, 2022।
- द्वि-आयामी पदार्थ-आधारित उपकरण और उनके अनुप्रयोग, प्रो. तरुण कुमार अग्रवाल, निहार रंजन महापात्र और झूमा साहा द्वारा सह-आयोजित, 3-4 दिसंबर, 2022
- श्री किरण सोनी, संस्थापक, इन्ज़ी द्वारा मुद्रित इलेक्ट्रॉनिक्स, 12 दिसंबर, 2022
- डॉ मोनाल देसाई, शिक्षण सहायक, लेखन स्टूडियो, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, 16 दिसंबर, 2022 द्वारा एक इंटरव्यू की तैयारी और रिज्यूमे बनाना
- टीम सी सी एल, भा.प्रौ.सं गांधीनगर द्वारा मैथ मेड विज़ुअल, 18 दिसंबर, 2022
- एसीएम इंडिया सीएस एजुकेशन, एसीएम इंडिया और एनपीटीईएल के साथ साझेदारी में समन्वयित, प्रो. नीलधारा मिश्रा, 23 दिसंबर, 2022
- महत्वपूर्ण साइबर प्रौद्योगिकियां और नैतिकता: भारत में वित्तीय सेवाओं और विनिर्माण के परिप्रेक्ष्य , भा.प्रौ.सं गांधीनगर; भा.प्रौ.सं कानपुर; ला ट्रोब यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया; भारत सरकार; व विदेश मामले और व्यापार विभाग, ऑस्ट्रेलियाई सरकार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित, 27 दिसंबर, 2022।
- दवा वितरण और अल्ट्रासोनिक इमेजिंग के लिए माइक्रोबबल्स प्रो. समीर वी दलवी, श्रीमती मीरा और प्रो. गिरीश के शर्मा चेयर प्रो. रासायनिक अभियांत्रिकी, हिमांशु शेखर, सहायक प्रो., इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी, कार्ला मरकाडो-शेखर, सहायक प्रो., जैविक अभियांत्रिकी, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, और बोल्डर, यूएसए में कोलोराडो विश्वविद्यालय से प्रो. मार्क बोर्डेन, 12-13 जनवरी, 2023।
- श्री मिलिंद वाघ, प्रधान खाता प्रबंधक- वैज्ञानिक समाधान, एसीएस इंडिया द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए 'सीएएस स्किफाइंडर-एन', 17 फरवरी, 2023।
- अमेज़ोन वेब सेवा के सहयोग से आई एस टी एफ टीम द्वारा एआई/एमएल पर ऑनलाइन कार्यशाला, 18 फरवरी, 2023।
- ज़ोटेरो का उपयोग करके अपने संदर्भों का प्रबंधन: तापस कुमार दास, वरिष्ठ पुस्तकालय और सूचना सहायक, भा.प्रौ.सं गांधीनगर पुस्तकालय द्वारा एक संदर्भ प्रबंधन सॉफ़्टवेयर, 16 मार्च, 2023।
- सुश्री पन्ना चौधरी, सहायक लाइब्रेरियन, भा.प्रौ. सं गांधीनगर पुस्तकालय द्वारा अपनी विद्वतापूर्ण पहचान बनाना और प्रबंधित करना, 28 मार्च, 2023।

डीएसटी-स्तुति कार्यशालाएं

भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने 'स्तुति' योजना के तहत डीएसटी द्वारा वित्तपोषित उपकरणों पर दो सात दिवसीय तकनीकी कार्यशालाओं-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया। प्रो. विजय थिरुवेंकटम, सहायक रिसर्च प्रो., जैविक अभियांत्रिकी; और 'विश्लेषणात्मक एसईएम पर दूसरी कार्यशाला 25 अप्रैल- 01 मई, 2022 के दौरान प्रो. प्रदीप्त घोष, सहायक प्रो., पदार्थ अभियांत्रिकी की देखरेख में आयोजित की गई थी। प्रत्येक कार्यशाला में देश भर के लगभग 15 विभिन्न संस्थानों के 30 से अधिक प्रतिभागी थे। भा.प्रौ.सं गांधीनगर में स्तुति परियोजना का समन्वय प्रो. एमिला पंडा द्वारा किया जा रहा है।

आईआईईसी द्वारा स्टार्टअप मेंटरशिप

03-07 मई, 2022 के दौरान, भा.प्रौ.सं गांधीनगर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप सेंटर ने 'बिल्ड योर स्टार्टअप विद बी वी जगदीश' का आयोजन किया, जो एक उच्च माना जाने वाला सीरियल एंटरप्रेन्योर, मेंटर और एंजेल इन्वेस्टर है, जो प्रतिभागियों को उद्यमिता के मूल सिद्धांतों को समझने में मदद करता है। यात्रा। इसके अलावा, प्रतिभागियों को अन्य सफल उद्यमियों जैसे श्री जिमी पाडिया, संस्थापक और सीईओ, फ्लोटबॉट; श्री शरद सांघी, प्रबंध निदेशक और सीईओ, एनटीटी लिमिटेड, भारत; और श्री नवीन वर्मा अल्लूरी, सह-संस्थापक, माई अलाई।

सामाजिक विज्ञान में जीआईएस अनुप्रयोग

मानविकी और सामाजिक विज्ञान विषय और पुरातत्व विज्ञान केंद्र ने संयुक्त रूप से 13-14 मई, 2022 के दौरान 'सामाजिक विज्ञान में जीआईएस अनुप्रयोग' पर दो दिवसीय आभासी कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला को दुनिया भर से लगभग 90 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 20 आवेदकों को भाग लेने के लिए चुना गया था। व्याख्यान और व्यावहारिक प्रशिक्षण के अलावा, कार्यशाला में प्रतिभागियों द्वारा दो मुख्य सत्र और फ्लैश प्रस्तुतियां शामिल थीं। पीएचडी स्कॉलर्स कैमेलिया बिस्वास और एकता गुप्ता तथा प्रो. शारदा सीवी और वीएन प्रभाकर ने कार्यशाला का आयोजन किया।

कार्यशाला

जैविक अभियांत्रिकी डिसिप्लिन ने एसईआरबी द्वारा प्रायोजित "एक्सीलरेट विगिगन" कार्यक्रम के हिस्से के रूप में 14-21 जून, 2022 के दौरान 'प्रो.टिओमिक्स और मैक्रोमोलेक्युलर एनालिसिस में मालदी-टीओएफ मास स्पेक्ट्रोमेट्री के अनुप्रयोग' पर कार्यशाला और हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण का आयोजन किया।

जीयूवीएनएल के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने गुजरात ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड और गुजरात एनर्जी ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (जीईटीआरआई) के सहयोग से, "सिस्टम ऑपरेशन एंड कमर्शियल एस्पेक्ट्स ऑफ पावर परचेज, ओपन एक्सेस, एंड एनर्जी अकाउंटिंग" पर ' राज्य बिजली कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों/अभियंताओं के लिए 27 जून से 08 जुलाई, 2022 तक दो सप्ताह का उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस आवासीय कार्यशाला का समापन श्री जय प्रकाश शिवहरे (आईएएस), प्रबंध निदेशक, जीयूवीएनएल की उपस्थिति में आयोजित किया गया। कार्यशाला का संचालन प्रो. आनंद कुमार और नारन पिंडोरिया ने किया।

क्षेत्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस

भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने 16 से 20 नवंबर, 2022 तक नवोदय विद्यालय समिति के पुणे क्षेत्रीय कार्यालय के 73 जवाहर नवोदय विद्यालयों की पांच दिवसीय क्षेत्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस की मेजबानी की। इसमें 73 जिलों के कुल 146 उच्च विद्यालय के छात्र, 40 शिक्षक और सहायक कर्मचारी शामिल हुए। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र, गुजरात, गोवा और दीव, दमन और दादरा नगर हवेली के भी प्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यक्रम ने छात्रों को ढेर सारी गतिविधियों से अवगत कराया, और प्रोफेसर श्रीराम कण्वा द्वारा समन्वयित किया गया।

जीआईएएन पाठ्यक्रम

भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने दिसंबर 2022 में दो ग्लोबल इनिशिएटिव ऑफ एकेडमिक नेटवर्क्स (जीआईएएन) पाठ्यक्रमों का आयोजन किया। 'अनुमोदन और पैरामीटरयुक्त एल्गोरिदम के लिए यादृच्छिक तरीके' पर पहला कार्यक्रम कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय सांता बारबरा के कंप्यूटर विज्ञान विभाग के प्रोफेसर प्रोफेसर डैनियल लोकशतानोव द्वारा, 5-9 दिसंबर, 2022 के दौरान हाइब्रिड मोड में आयोजित किया गया था। इसका आयोजन प्रोफेसर नीलधारा मिश्रा द्वारा किया गया था। 'डेरिडा के आधुनिक: आधुनिकतावाद के संदर्भ में डिकंस्ट्रक्शन का उपयोग कैसे करें' पर दूसरा जीआईएएन पाठ्यक्रम 19-23 दिसंबर, 2022 के दौरान ऑनलाइन आयोजित किया गया था। इसका संचालन प्रोफेसर जीन-मिशेल रबाटे, प्रोफेसर, अंग्रेजी और तुलनात्मक साहित्य, पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय द्वारा किया गया था। , और प्रोफेसर अर्का चट्टोपाध्याय द्वारा आयोजित किया गया।

एमएसएमई में ऊर्जा दक्षता और संरक्षण पर कार्यशाला

"एमएसएमई में ऊर्जा दक्षता और संरक्षण" पर उद्योग कार्यशाला-सह-संगोष्ठी 12 जनवरी, 2023 को भा.प्रौ.सं गांधीनगर में आयोजित की गई थी। कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को संवेदनशील बनाना था की कैसे भा.प्रौ.सं गांधीनगर, भा.प्रौ.सं मद्रास में एनर्जी असेसमेंट सेल और कोटक महिंद्रा बैंक मिलकर विस्तृत ऊर्जा आकलन करके ऊर्जा की खपत को कम करने के उनके प्रयासों का समर्थन कर सकते हैं। कार्यशाला का संचालन प्रो. नारन पिंडोरिया ने किया।

जलवायु कार्रवाई अभी (कर सकते हैं) 2022-23

भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने गुजरात इकोलॉजिकल एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन, गांधीनगर के सहयोग से जनवरी 2023 के दौरान जलवायु परिवर्तन पर एक कार्यशाला श्रृंखला के

खंड II और III (पांच दिन प्रत्येक) का आयोजन किया, जिसे क्लाइमेट एक्शन नाउ कहा जाता है। कार्यशाला श्रृंखला 16-20 जनवरी, 2023 को "जलवायु कार्रवाई और उद्योगों की भूमिका" पर ध्यान देने के लिए आयोजित की गई थी। इसके बाद, "जलवायु परिवर्तन-केंद्रित अनुसंधान और विकास" पर तीसरा खंड 27 और 31 जनवरी, 2023 के बीच आयोजित किया गया।

वैज्ञानिक लेखन कार्यक्रम में प्रमाणपत्र वितरण

भा.प्रौ.सं गांधीनगर में वैज्ञानिक लेखन कार्यक्रम में प्रमाणन कौशल विकास को बढ़ावा देने के साथ-साथ प्रतिभागियों की वैज्ञानिक लेखन दक्षताओं को बेंचमार्क करता है। 17 जनवरी, 2023 को भा.प्रौ.सं गांधीनगर के 35 पीएचडी विद्वानों को वैज्ञानिक लेखन में प्रमाणन से सम्मानित किया गया। प्रो. रजत मूना, निदेशक, और प्रो. नितिन जॉर्ज, डीन, अकादमिक मामले, संक्षिप्त समारोह में उपस्थित थे और पाठ्यक्रम के सफल समापन पर पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी। वैज्ञानिक लेखन में प्रमाणन टीम तथा प्रो. कार्ला मर्काडो-शेखर, समन्वयक, डॉ मारिया जोआओ अमांटे, सलाहकार; और प्रो. निहार महापात्रा, समन्वयक द्वारा प्रत्येक सत्रार्ध यह कार्यक्रम आयोजित किया जाता है

संरचनात्मक अभियांत्रिकी के लिए भू-तकनीकी जांच पर लघु पाठ्यक्रम

भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने 18-21 जनवरी, 2023 के दौरान 'संरचनात्मक अभियांत्रिकी के लिए भू-तकनीकी जांच' नामक एक लघु पाठ्यक्रम का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य प्रतिभागियों को संरचनाओं के डिजाइन के लिए भू-तकनीकी जांच से अपेक्षाओं पर बुनियादी बातों और समकालीन विषयों से परिचित कराना था। पाठ्यक्रम ने परिवहन, बिजली, पेट्रोरासायनिक, बंदरगाह और हवाई अड्डों सहित सभी प्रकार की संरचनाओं, जैसे भवनों, पुलों और बुनियादी सुविधाओं को डिजाइन करने के लिए दिशानिर्देशों और आवश्यकताओं की समग्र समझ प्रदान की।

भूकंपीय खतरे व भूकंपीय डिजाइन के लिए भू गति की विशेषता के संबंध को समझने पर कार्यशाला

भा.प्रौ.सं गांधीनगर के संरचनात्मक सेस्मिक अभियांत्रिकी ग्रुप ने 20-21 जनवरी, 2023 के दौरान "अंडरस्टैंडिंग द लिंकेज: फ्रॉम सिस्मिक हैज़र्ड टू ग्राउंड मोशन कैरेक्टराइजेशन फॉर सिस्मिक डिज़ाइन" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला को प्रतिभागियों को पृष्ठभूमि और स्थिति से अवगत रखने के लिए डिज़ाइन किया गया था। संभाव्य भूकंपीय खतरे के आकलन की कला पद्धति और डिजाइन स्पेक्ट्रम पर इसका संभावित प्रभाव। प्रो. धीमान बसु द्वारा संचालित कार्यशाला में कुल 64 संरचनात्मक अभियंताओं, पेशेवरों, संकाय सदस्यों और क्षेत्र में कार्यरत एमटेक और पीएचडी छात्रों ने भाग लिया। कार्यशाला को आंशिक रूप से वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित किया गया था।

24वीं इंडो-यूएस फ्लो साइटोमेट्री कार्यशाला-2023

भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने गुजरात बायोटेक्नोलॉजी रिसर्च सेंटर, एनआईपीईआर अहमदाबाद और कामधेनु यूनिवर्सिटी गांधीनगर के सहयोग से ट्रस्ट फॉर एजुकेशन एंड ट्रेनिंग इन साइटोमेट्री (टीईटीसी) द्वारा आयोजित '24वीं इंडो-यूएस फ्लो साइटोमेट्री कार्यशाला-2023' की मेजबानी की। चार दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन समारोह 1 फरवरी, 2023 को प्रो. चैतन्य जोशी, निदेशक, जीबीआरसी; प्रो. रजत मूना, निदेशक, भा.प्रौ.सं गांधीनगर; प्रो. शैलेंद्र सराफ, निदेशक, एनआईपीईआर अहमदाबाद; प्रो. पॉल वालेस, प्रो. एमेरिटस, रोसवेल पार्क व्यापक कैंसर केंद्र (आरपीसीसीसी), यूएसए; प्रो. विलियम टेलफोर्ड, प्रमुख, ईटीआईबी फ्लो साइटोमेट्री फैसिलिटी, सेंटर फॉर कैंसर रिसर्च, नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट (एनसीआई), नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (एनआईएच), यूएसए; डॉ. ज़ोसिया मैकियोरोव्स्की, इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर एडवांसमेंट ऑफ़ साइटोमेट्री (आईएसएसी) के लाइव एजुकेशन टास्क फ़ोर्स के सह-अध्यक्ष; डॉ. रेखा गौर, सह-संस्थापक ट्रस्टी, टीईटीसी इंडिया; और डॉ. हेमंत अग्रवाल, प्रबंध अधिकारी, टीईटीसी इंडिया। प्रतिभागियों के साथ अपनी विशेषज्ञता साझा करने और फ्लो साइटोमेट्री में बुनियादी और उन्नत अवधारणाओं को समझने में मदद करने के लिए भा.प्रौ.सं गांधीनगर में भारत और विदेशों के कई विद्वान मौजूद थे, जिन्हें वे अपने जैविक और नैदानिक अनुसंधान पर लागू कर सकते हैं। कार्यशाला का आयोजन गुजरात स्टेट बायोटेक्नोलॉजी मिशन (जीएसबीटीएम), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार; विज्ञान व अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी); और इसाक के सहयोग से किया गया।

शिविर कला और अधिगम

भा.प्रौ.सं गांधीनगर की सोशल एक्शन एंड पॉलिसी प्रयोगशाला और यूनिसेफ के सहयोग से भा.प्रौ.सं गांधीनगर की क्यूरियोसिटी प्रयोगशाला ने 3-5, 2023 फरवरी से शिक्षकों, अभिभावकों और शिक्षा के विद्वानों के अलावा कक्षा 6 से 12 तक के स्कूली छात्रों के लिए एक ऑनलाइन शिविर 'कैंप आर्ट एंड लर्निंग' की मेजबानी की। यह कार्यक्रम, जिसे भारत और विदेशों के कुछ उच्च-प्रतिष्ठित पेशेवरों द्वारा संबोधित किया गया था, इसका उद्देश्य छात्रों के समग्र विकास के लिए पाठ्यक्रम के भीतर कला को एकीकृत करने के महत्व पर जोर देना, विज्ञान शिक्षा के साथ कला की खोज को प्रो.त्साहित करना, जिज्ञासा का पोषण करना और चौराहों का निर्माण करना था। इस कार्यक्रम का समन्वयन प्रो. जैसन मंजली ने किया।

भूकंपीय रूप से पृथक संरचनाओं के विश्लेषण और डिजाइन पर कार्यशाला

भूकंपीय अलगाव प्रौद्योगिकी का उपयोग संरचनाओं के लिए भूकंप के जोखिम को कम करने और महत्वपूर्ण और गैर-महत्वपूर्ण सुविधाओं की कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए किया गया है। हर्ष इंजीनियर्स इंटरनेशनल लिमिटेड और संगणक एंड स्ट्रक्चर्स, इंक, ने 27-28 फरवरी, 2023 के दौरान 'भूकंपीय रूप से पृथक संरचनाओं का विश्लेषण और डिजाइन' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला क्षेत्र में विद्वानों, भूकंपीय अलगाव उपकरणों के संभावित निर्माता और प्रौद्योगिकी के संभावित उपयोगकर्ताओं को एकत्रित किया। इस कार्यक्रम में सीएसआई से प्राप्त एसएपी2000 लाइसेंस और तकनीकी सहायता के साथ भूकंपीय रूप से पृथक संरचनाओं के विश्लेषण और डिजाइन पर एक व्यावहारिक सत्र भी शामिल था। एचईआईएल विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार की परियोजना के हिस्से के रूप में

भूकंपीय अलगाव उपकरणों को विकसित करने के लिए भा.प्रौ.सं गांधीनगर के साथ काम कर रहा है। कार्यशाला का संचालन प्रो. मनीष कुमार ने किया।

प्रभावी वैज्ञानिक अनुसंधान संचार पर कार्यशाला

वैज्ञानिक अनुसंधान संचार एक आवश्यक कौशल है जो छात्रों और शुरुआती करियर शोधकर्ताओं को उनके अकादमिक और पेशेवर जीवन में लाभान्वित कर सकता है। शोधकर्ताओं को पांडुलिपियां लिखने, प्रस्तुतियां देने और अनुदान प्रस्ताव लिखने के लिए रणनीतियों और सर्वोत्तम प्रथाओं को समझने में सक्षम बनाने के लिए, भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी) के समर्थन से, 14 मार्च 2023 को 'प्रभावी वैज्ञानिक अनुसंधान संचार' नामक एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में गांधीनगर और अहमदाबाद के संस्थानों से लगभग 100 स्नातकोत्तर और पीएचडी छात्रों, वरिष्ठ शोध कर्मचारियों और अभियांत्रिकी और विज्ञान के प्रारंभिक करियर शोधकर्ताओं ने भाग लिया। कार्यशाला का संचालन प्रो. हिमांशु शेखर, असिस्टेंट प्रो., इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी और प्रो. कार्ला मर्काडो-शेखर, असिस्टेंट प्रो., जैविक अभियांत्रिकी ने किया।

सिंगल क्रिस्टल एक्स-रे क्रिस्टलोग्राफी पर कार्यशाला

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2023 मनाने के लिए, भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने 15-21 फरवरी, 2023 के दौरान डीएसटी-एफआईएसटी-समर्थित "सिंगल क्रिस्टल एक्स-रे क्रिस्टलोग्राफी" पर एक सप्ताह के प्रशिक्षण सत्र की शुरुआत की। लगभग 33 महिला संकाय सदस्य, पोस्टडॉक्टोरल शोधकर्ता और डॉक्टरेट छात्र कार्यशाला में देश भर से शिरकत कर रहे हैं। सैद्धांतिक ज्ञान के अलावा, कार्यशाला का उद्देश्य प्रयोगशाला सत्रों के माध्यम से व्यावहारिक व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है जहां प्रतिभागियों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए नमूनों की विशेषता और उपकरणों के संचालन का प्रदर्शन किया जाएगा। उद्घाटन समारोह के दौरान, प्रो. शिवप्रिया किरुबाकरण, कंकुबेन बरुशीरामभाई गेलोट चेयर सहायक प्रो., रसायन विज्ञान, भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने "ड्रग-लाइक मॉलिक्यूल्स में बहुरूपता का अध्ययन" पर एक व्यावहारिक व्याख्यान दिया। इस आयोजन को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा वैज्ञानिक और तकनीकी अवसंरचना (एसटीयूटीआई) कार्यक्रम का उपयोग करने वाले सिनर्जिस्टिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत वित्त पोषित किया जाता है, जिसमें भा.प्रौ.सं गांधीनगर को एक परियोजना प्रबंधन इकाई (पीएमयू) के रूप में पहचाना जाता है। कार्यशाला का समन्वय प्रो. विजय थिरुवेंकटम द्वारा किया जाता है।

आईजीआरआईपी संगोष्ठी 2023

भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने 3-4 मार्च, 2023 के दौरान जियोसिंथेटिक प्रबलित मृदा संरचना पर भारतीय मानक ब्यूरो अभ्यास संहिता पर ध्यान देने के साथ दो दिवसीय 'इनिशिएटिव फॉर जियोटेक्निकल रिसर्च एंड इनोवेटिव प्रैक्टिस' (आईग्रिप) संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी ने शिक्षाविदों के साथ-साथ उद्योग की जरूरतों को पूरा करने के लिए भू-तकनीकी अभियांत्रिकी में नए विचारों और अनुभवों का आदान-प्रदान करने और भविष्य के विकास पर चर्चा करने के लिए एक मंच प्रदान किया । भू-तकनीकी अभियांत्रिकी और संबंधित क्षेत्रों में शामिल कुल 50 उद्योग पेशेवरों, संकाय सदस्यों और छात्रों ने भाग लिया, इस कार्यक्रम में भू-तकनीकी अभियांत्रिकी में वर्तमान शोध पर ध्यान देने के साथ विषय के चारों ओर विषयों का विस्तृत स्पेक्ट्रम शामिल था। संगोष्ठी का समन्वय प्रो. अजंता सचान ने किया था।

कण टक्करों के लिए भारी-आयन में भारी हैड्रोन

भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने मार्च 24-25, 2023 के दौरान "भारी-आयन से कण टकराव में भारी हैड्रोन" शीर्षक से एक कार्यशाला का आयोजन किया। इस दो दिवसीय कार्यशाला का उद्देश्य स्वाद भौतिकी के क्षेत्र में वर्तमान विकास और संबंधित अंतर्दृष्टि को समझने के लिए चर्चा करना था। उप-परमाणु ऊर्जा/लंबाई के पैमाने में प्रकृति के गहरे रहस्य। इस कार्यक्रम में टीआईएफआर मुंबई, भा.प्रौ.सं गुवाहाटी, आईएमएससी चेन्नई, पीआरएल अहमदाबाद एनआईएसईआर भुवनेश्वर, भा.प्रौ.सं बॉम्बे और भा.प्रौ.सं गांधीनगर सहित भारत के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों के वक्ता शामिल हुए। कार्यक्रम में कुल 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसका समन्वय प्रो. रुसा मंडल और प्रो. विनोद चंद्रा ने किया।

स्वास्थ्य, वातावरण, सुरक्षा और शिक्षा के लिए फोटोनिक्स 2023

भा.प्रौ.सं गांधीनगर में फोटोनिक सेंसर प्रयोगशाला, रॉयल एकेडमी ऑफ अभियांत्रिकी, यूके के विशिष्ट अंतर्राष्ट्रीय एसोसिएट्स प्रो.ग्राम के समर्थन से, 'फोटोनिक्स फॉर हेल्थ, एटमॉस्फियर, सेफ्टी एंड एजुकेशन' 2023 शीर्षक से दो दिवसीय इंडो-यूके कार्यशाला का आयोजन मार्च 30-31, 2023 को किया। अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भारत और यूके के प्रख्यात वक्ताओं की एक पंक्ति थी, जिन्होंने औद्योगिक पैमाने पर संवेदन, बायोफोटोनिक्स, व्यापक रूप से ट्यून करने योग्य लेजर और बायोमेडिकल इमेजिंग और अभियांत्रिकी के लिए फोटोनिक्स के क्षेत्रों में विचार विमर्श किया । भारत और विदेशों से लगभग 75 प्रतिभागियों ने कार्यशाला में भाग लिया और फोटोनिक्स के क्षेत्र में किए जा रहे अत्याधुनिक शोध के बारे में ज्ञान का आदान-प्रदान किया। कार्यशाला का संचालन प्रो. अरूप लाल चक्रवर्ती, हिमांशु शेखर और सौम्यकांति खटुआ ने किया।

संगोष्ठी

भा.प्रौ.सं गांधीनगर - भा.प्रौ.सं खड़गपुर संयुक्त संगोष्ठी

ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में आपसी रूचि के अनुसंधान क्षेत्रों पर चर्चा करने के लिए भा.प्रौ.सं गांधीनगर और भा.प्रौ.सं कानपुर के संकाय सदस्य 15-16 अप्रैल, 2022 को ऊर्जा प्रौद्योगिकियों पर एक संयुक्त संगोष्ठी का आयोजन किया। इस कार्यक्रम ने संभावित संयुक्त अनुसंधान प्रस्तावों और परियोजनाओं की पहचान करने के लिए एक मंच प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. अतुल भार्गव ने किया।

भारत में ई-गतिशीलता पर संगोष्ठी

सीएसई-भा.प्रौ.संजीएन, यूएल रिसर्च इंस्टीट्यूट्स, शिकागो, यूएसए के इलेक्ट्रोरासायनिक सेफ्टी रिसर्च इंस्टीट्यूट (ईएसआरआई) के सहयोग से, 27-28 सितंबर 2022, हाइब्रिड-मोड में को "ई-मोबिलिटी इन इंडिया: सेफ्टी एंड द वे फॉरवर्ड" पर दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया। भारत, अमेरिका और यूरोप के कई उद्योगपतियों और शोधकर्ताओं ने ई-मोबिलिटी मिशन के लिए सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं को साझा किया।

गुरुत्वाकर्षण और ब्लैक होल बैठक

ब्लैक होल के सैद्धांतिक और अवलोकन संबंधी पहलुओं पर जोर देने के साथ, भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने 9-11 नवंबर, 2022 के दौरान एक 'गुरुत्वाकर्षण और ब्लैक होल' बैठक का आयोजन किया। इस कार्यक्रम ने गहन चर्चा और शोध विचारों के आदान-प्रदान के लिए ब्लैक होल भौतिकी के विशेषज्ञों को एक साथ एकत्रित किया। बैठक का संचालन प्रो. सुदीप्त सरकार ने किया।

वैश्विक साहित्यिक आधुनिकता और आधुनिकतावाद पर संगोष्ठी

मानविकी और सामाजिक विज्ञान के अनुशासन ने 11 नवंबर, 2022 को 'वैश्विक साहित्यिक आधुनिकता और आधुनिकतावाद' पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में प्रो. उदय कुमार, प्रो., सेंटर फॉर इंग्लिश स्टडीज, जेएनयू और प्रो. सिमोना साहनी, सहायक प्रो.फेसर (साहित्य), भा.प्रौ.सं दिल्ली, और पांच भा.प्रौ.सं गांधीनगर डॉक्टरेट पेपर से दो मुख्य नोट्स शामिल थे। संगोष्ठी का समन्वयन प्रो. अर्का चट्टोपाध्याय ने किया।

युवा सैद्धांतिक भौतिकविदों की बैठक

भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने 13-15 दिसंबर, 2022 के दौरान दुनिया भर के विभिन्न प्रतिष्ठित संगठनों/विश्वविद्यालयों के वक्ताओं के साथ एक युवा सैद्धांतिक भौतिकविदों की बैठक का आयोजन किया, जिसमें हार्वर्ड विश्वविद्यालय; सेंट्रल यूरोपियन इंस्टीट्यूट फॉर कॉस्मोलॉजी एंड फंडामेंटल फिजिक्स, एफजेडयू प्राग; कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय; इत्यादि ने सैद्धांतिक भौतिकी के विभिन्न क्षेत्रों पर गहन अकादमिक चर्चा की सुविधा प्रदान करना। बैठक का संचालन प्रो. सुदीप्त सरकार ने किया।

इंडोएमएल 2022

भा.प्रौ.सं गांधीनगर, भा.प्रौ.सं खड़गपुर के सहयोग से 15-17 दिसंबर, 2022 के दौरान 'मशीन लर्निंग पर भारतीय संगोष्ठी' (इंडोएमएल) के तीसरे संस्करण का आयोजन किया। इंडोएमएल 2022 में 300 से अधिक प्रतिभागियों, प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय वक्ताओं, शोधकर्ताओं और उद्योग कर्मियों ने भाग लिया जिसमें अनुसंधान के अन्य क्षेत्रों के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के इंटरसेक्शन के महत्व पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. अनिर्बान दासगुप्ता, मयंक सिंह और उदित भाटिया ने किया।

महिला अभियंताओं के लिए लेखन अनुसंधान एवं विकास अनुदान

भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने इंडियन नेशनल एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग और साइंस एंड इंजीनियरिंग रिसर्च बोर्ड (एसईआरबी) के साथ मिलकर 23-24 फरवरी, 2023 के दौरान 'महिला अभियंताओं के लिए लेखन अनुसंधान एवं विकास अनुदान' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। दो दिवसीय कार्यक्रम का उद्देश्य महिला अभियंताओं को अनुसंधान करने व उनके शोध प्रस्तावों के लिए वित्त पोषण करने के लिए प्रोत्साहित करना था तथा भा.प्रौ.सं मद्रास में अनुसंधान एवं विकास सलाहकार/विज़िटिंग प्रो.फेसर डॉ दंडू राधा प्रसाद राजू, भा.प्रौ.सं तिरुपति, भा.प्रौ.सं हैदराबाद, पीएसजी इंस्टीट्यूट ऑफ कोयंबटूर में अनुसंधान, जीएमआर प्रौद्योगिकी संस्थान, आईआईएम विजाग और जेएनटीयू-अनंतपुर; डॉ राजीव के तायल, पूर्व सलाहकार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार और डॉ. शिवाजी चक्रवर्ती, उपाध्यक्ष, आईएनएई द्वारा इसकी सुविधा प्रदान की गई थी। कार्यशाला में गोवा, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान राज्यों की कुल 30 महिला शोधकर्ताओं ने भाग लिया। समापन के दिन, सहभागियों ने सहजानंद लेजर टेक्नोलॉजी लिमिटेड का दौरा किया, जिसमें कंपनी की निर्माण इकाई, अनुसंधान और विकास सुविधा, और गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशालाओं का दौरा शामिल था। कार्यक्रम का संचालन प्रो. अतुल भार्गव ने किया।

बाह्य संपर्क

- 26 अप्रैल, 2022 को प्राबोध (मानव संसाधन के विकास के लिए जैव प्रौद्योगिकी में अनुसंधान जागरूकता को बढ़ावा देना) पहल के हिस्से के रूप में प्रो.. कार्ला मर्काडो-शेखर, सहायक प्रो., जैविक अभियांत्रिकी, को जीबीआरसी द्वारा अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। प्रो. हिमांशु शेखर, सहायक प्रो., इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी के साथ, उन्हें भा.प्रौ.सं दिल्ली में एक सेमिनार देने के लिए भी आमंत्रित किया गया था।
- प्रो. गदाधर मिश्रा, विज़िटिंग प्रो., गणित, को डीएसटी-सीआईएमएस, विज्ञान संस्थान, गणित प्रगति अकादमी के राष्ट्रीय सम्मेलन में "गणितीय विश्लेषण और अनुप्रयोगों में हालिया प्रगति" पर बोलने के लिए वक्ताओं में से एक के रूप में 7-8 मई, 2022 के दौरान आमंत्रित किया गया था।
- प्रो. अमित प्रशांत, कार्यवाहक निदेशक और प्रो. धीरज भाटिया, सहायक प्रो., जैविक अभियांत्रिकी, को पीडीएफ सैटेलाइट मीटिंग 2022 में संस्थागत वार्ता प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया था, जो 11, मई 2022 को इंडिया बायोसाइंस द्वारा आयोजित "14वीं यंग इन्वेस्टिगेटर्स मीटिंग 2022" का दूसरा अध्याय था।
- भा.प्रौ.सं गांधीनगर की एक टीम जिसमें प्रो. विनोद नारायणन, प्रो. पंकज खन्ना, श्री सौमिल शाह और श्री विजय सुत्रेजा शामिल थे, ने 22-23 नवंबर, 2022 को नई दिल्ली में यूनेस्को इंडिया-अफ्रीका हैकथॉन में भाग लिया, जो भारत के शिक्षक, शिक्षक और अनुसंधान समुदाय, 600 से अधिक नवप्रवर्तकों, छात्रों और 20+ देशों के अफ्रीकी सहयोगियों की मेजबानी कर रहा था।
- 23 फरवरी, 2023 को प्रो. शर्मिता लाहिरी, सह प्राध्यापक, मानविकी और सामाजिक विज्ञान, भा.प्रौ.सं गांधीनगर को सम्मेलन 'द ग्लोबल इंडियन डायस्पोरास: लिटरेरी, कल्चरल एंड सोशियो-इकोनॉमिक पर्सपेक्टिव्स' में पूर्ण वक्ताओं में से एक के रूप में आमंत्रित किया गया था। उन्होंने "द डायस्पोरिक एक्सपीरियंस: ए कमिंग ऑफ द ओरिजिनल एंड द एडॉप्टेड: ए स्टडी ऑफ पूर्ब पश्चिम वॉल्यूम 2" शीर्षक से एक पेपर भी प्रस्तुत किया।
- प्रो. शर्मिता लाहिरी ने 22 मार्च, 2023 को आईआईआईटी दिल्ली द्वारा आयोजित व्याख्यान श्रृंखला "अनुसंधान लेखन में तर्क" में एक अतिथि व्याख्यान भी दिया।

संगोष्ठी/सेमिनार/वेबिनार

नैनोचुंबकत्व और स्पिंट्रोनिक्स में सीमांत समस्याओं पर संगोष्ठी

भा.प्रौ.सं गांधीनगर में भौतिकी के विषय ने 9 फरवरी, 2023 को 'फ्रंटियर प्रॉब्लम्स इन नैनोमैग्नेटिज्म एंड स्पिंट्रोनिक्स' पर एक दिवसीय संगोष्ठी की मेजबानी की, जिसका उद्देश्य क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनुसंधान गतिविधियों और सहयोग को बढ़ावा देना है। भारत और विदेश के विशेषज्ञ दिन भर चले सम्मेलन में उपस्थित थे और उन्होंने प्रतिभागियों को नैनोमैग्नेटिज्म और स्पिंट्रोनिक्स के क्षेत्रों में अत्याधुनिक शोध समस्याओं से परिचित कराया। कार्यशाला का संचालन प्रो. रूपक बनर्जी ने किया।

भाषा कार्निवल

भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने 21 फरवरी, 2023 को 'भाषा कार्निवल' के साथ अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया। 12 विभिन्न भाषा पृष्ठभूमि के 250 से अधिक छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के सदस्यों ने रोमांचक कार्यक्रम में भाग लिया और रचनात्मक स्टालों और आकर्षक गतिविधियों के माध्यम से अपनी भाषा और संस्कृति का प्रदर्शन किया। भा.प्रौ.सं गांधीनगर में लीडरशिप डेवलपमेंट इनिशिएटिव द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम ने विभिन्न भाषाओं के महत्व को एक सुखद तरीके से स्थापित किया और कैंपस समुदाय के विविध भाषाई और सांस्कृतिक परिदृश्य पर प्रकाश डाला।

पोर्टल्स टू रिसर्च 2.0

संस्थान के पोस्टडॉक्टोरल अध्येता के बीच वैज्ञानिक चर्चाओं को बढ़ाने और उन्हें एक व्यापक दर्शकों के लिए अपने शोध को संप्रेषित करने के लिए एक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से, भा.प्रौ.सं गांधीनगर के अनुसंधान और विकास विंग ने 'पोर्टल्स टू रिसर्च' के दूसरे संस्करण का आयोजन किया, एक पोस्टडॉक पोस्टर 3 मार्च, 2023 को प्रस्तुति कार्यक्रम। विविध अनुसंधान पृष्ठभूमि से संस्थान के 60 से अधिक पोस्टडॉक्टोरल अध्येताओं ने अपने शोध को भा.प्रौ.सं गांधीनगर संकाय, कर्मचारियों और छात्रों को समझाया।

आमंत्रित व्याख्यान

- प्लाज़्मोनिक मेटामटेरियल्स: बुनियादी बातों से लेकर अनुप्रयोगों तक प्रो. नेहा सरदाना, सहायक प्रो., धातुकर्म और पदार्थ अभियांत्रिकी, भा.प्रौ.सं रोपड़, 01 अप्रैल, 2022
- भारतीय भौतिकी का पालना: भौतिकी विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय (1916-1947) प्रो. अनिर्बान कुंडू, प्रो., भौतिकी, कलकत्ता विश्वविद्यालय, 01 अप्रैल, 2022
- डॉ. एनवीएस प्रणीत, अनुसंधान सहयोगी, रसायन विज्ञान, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, द्वारा अल्ट्रालो सांद्रता पर कोविड-19 आरएनए की विशिष्ट पहचान के लिए पुन: प्रयोज्य प्लास्मोनिक प्लेटफार्मों का विकास: 01 अप्रैल, 2022
- डॉ अहाना चक्रवर्ती, विशिष्ट पोस्टडॉक्टोरल सहायक, भौतिकी और खगोल विज्ञान विभाग, रटगर्स विश्वविद्यालय, 01 अप्रैल, 2022 द्वारा कैविटी-मध्यस्थता सुपरकंडक्टिविटी और क्रिटिकलिटी को अभियांत्रिकी द्वारा प्रकाश की क्वांटम अवस्थाओं को नियंत्रित करना
- प्रो. देवरघा बनर्जी, सहायक प्रो., गणित, आईआईएसईआर पुणे, 04 अप्रैल, 2022 द्वारा स्थानीय गैलोइस प्रतिनिधित्व और कोहोलॉजी
- प्रो. लीलावती नार्लीकर, सहायक प्रो., डेटा साइंस, आईआईएसईआर पुणे, 05 अप्रैल, 2022 द्वारा उच्च-थ्रूपुट प्रयोगों से नियामक कार्यक्रमों को सीखने के लिए संभावित मॉडल
- डॉ. महितोष मंडल, अध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग, प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा दैनिक जातिवाद का मनोविज्ञान, 05 अप्रैल, 2022
- प्रो. राजेश सुंदरेसन, प्रो., इलेक्ट्रिकल कम्युनिकेशन अभियांत्रिकी, आईआईएससी बैंगलोर, 06 अप्रैल , 2022 द्वारा संचार नेटवर्क में माध्य-क्षेत्र सीमा से बड़े विचलन
- वैश्विक सुरक्षा और आर्थिक वास्तुकला के लिए वर्तमान चुनौतियां: भारत के लिए निहितार्थ, राजदूत अरुण कुमार सिंह, संयुक्त राज्य अमेरिका, फ्रांस और इज़राइल के पूर्व भारतीय राजदूत द्वारा, 06 अप्रैल , 2022
- श्री राजू बीरसेंट, जूनियर तकनीकी अधीक्षक, भौतिकी, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, 07 अप्रैल, 2022 : अपने माइक्रोसॉफ्ट वर्ड कौशल में सुधार करें
- अक्षतंतु में अभिनय की कई भूमिकाएँ: ट्रैफ़िक जाम, पुनर्जनन और व्यवहार प्रो. संध्या कौशिका, भारत की पहली एच एच एम आई अध्येता और टी आई एफ आर बॉम्बे में सहायक प्रो., अप्रैल 08, 2022
- प्रो.. अब्राहम जॉय, प्रो.फ़ेसर, पॉलिमर साइंस और पॉलिमर अभियांत्रिकी, यूनिवर्सिटी ऑफ़ एक्रोन, 08 अप्रैल, 2022 द्वारा पेप्टाइड-जैसे पॉलीमर प्लेटफ़ॉर्म के विकास के लिए एक प्रेरणा के रूप में पुरानी घाव भरने की चुनौतियाँ
- श्री सत्यजीत मित्तल, सैनोशन एंड स्क्वाटईज़ के सह-संस्थापक और अरेट्टो के संस्थापक द्वारा जनता के लिए डिज़ाइन, 09 अप्रैल, 2022
- प्रो. निकोलस एडिंगटन, सहायक प्रो., गणित विभाग, ओरेगन विश्वविद्यालय, यूएसए, 11 अप्रैल, 2022 द्वारा हॉज नंबर सकारात्मक विशेषता में व्युत्पन्न नहीं हैं
- डॉ. प्राजक्ता बेडेकर, पोस्टडॉक्टोरल अध्येता द्वारा मानव भ्रूण स्टेम सेल के स्व-संगठित पैटर्निंग के गणितीय मॉडल, जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय मानक और प्रौद्योगिकी संस्थान में एक संयुक्त नियुक्ति के साथ, 12 अप्रैल, 2022
- विज्ञान और अभियांत्रिकी में रचनात्मकता और नवाचार को बढ़ावा देना: डॉ. अदिति कोठियाल, पोस्टडॉक्टोरल शोधकर्ता, संगणक-ह्यूमन इंटरेक्शन इन लर्निंग एंड इंस्ट्रक्शन प्रयोगशाला, स्विस फेडरल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी लॉज़ेन और संयुक्त ई पी एफ एल् के कार्यकारी निदेशक द्वारा एस टी ई एम शिक्षा पर पुनर्विचार और ईटीएच ज्यूरिख डॉक्टरेट प्रो.ग्राम इन द लर्निंग साइंसेज, 13 अप्रैल, 2022
- डीएनए: न केवल जीवन का रहस्य: डॉ. बनानी चक्रवर्ती, रामलिंगस्वामी अध्येता, आईआईएससी बैंगलोर द्वारा प्रो. नेड सी सीमन (1945-2021) की याद में श्रद्धांजलि व्याख्यान, 13 अप्रैल, 2022
- जिंदल स्कूल ऑफ गवर्नमेंट एंड पब्लिक पॉलिसी के सहायक प्रो. प्रो. सुमीत म्हस्कर द्वारा डॉ बी आर अंबेडकर और एक आधुनिक भारतीय नागरिक का निर्माण, 14 अप्रैल, 2022
- प्रो. गुहान वेंकट, सहायक प्रो., गणित विभाग, अशोका विश्वविद्यालय द्वारा स्टार-हीग्नर चक्र और अंकगणित, 18 अप्रैल, 2022
- घटता क्षितिज नियंत्रण: पुराने और नए विचार, डॉ. देबाशीष चटर्जी, प्रो., सिस्टम्स एंड कंट्रोल अभियांत्रिकी, भा.प्रौ.सं बॉम्बे, 18 अप्रैल, 2022
- सर्वव्यापक परिवार: इसके दो दूरस्थ सदस्यों के विकास और वैकल्पिक विभाजन कार्य
- प्रो. श्रवण कुमार मिश्रा, सहायक प्रो. और वेलकम ट्रस्ट/डीबीटी इंडिया एलायंस इंटरमीडिएट अध्येता, जैविक विज्ञान विभाग, आईआईएसईआर मोहाली, 20 अप्रैल, 2022
- प्रो. वेंकी पी कृष्णन, सहायक प्रो. टीआईएफआर, सेंटर फॉर एप्लिकेबल मैथमेटिक्स, बैंगलोर द्वारा मोमेंटम रे ट्रांसफॉर्म और एक कैल्डेरॉन-टाइप इनवर्स प्रॉब्लम, 20 अप्रैल, 2022
- आधुनिक गुजरात में भाषा पर वाद-विवाद: अतीत और वर्तमान के बीच संवाद प्रो. रिहो इसाका, प्रो., क्षेत्रीय अध्ययन विभाग, ग्रेजुएट स्कूल ऑफ आर्ट्स एंड साइंसेज, टोक्यो विश्वविद्यालय, 20 अप्रैल, 2022
- डॉ. अर्पिता बिस्वास, सीआरसीएस पोस्टडॉक्टोरल अध्येता, हार्वर्ड विश्वविद्यालय, द्वारा स्वास्थ्य हस्तक्षेप योजना के लिए निर्णय बुद्धि: 20 अप्रैल, 2022
- प्रथम सिद्धांत घनत्व कार्यात्मक सिद्धांत सिमुलेशन का उपयोग करके बायोरिन्यूएबल्स के उत्पादन के लिए विषम उत्प्रेरकों का तर्कसंगत डिजाइन: प्रो. शेलाका गुप्ता, सहायक प्रो., रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग, भा.प्रौ.सं हैदराबाद, 21 अप्रैल, 2022
- रजनीकांत घाटे, डेटा साइंस एंड एनालिटिक्स लीड, एवेजेन, 23 अप्रैल, 2022 द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल फेनोटाइपिंग फॉर डिप्रेशन डायग्नोसिस
- श्री अनिल स्वरूप, आईएएस और पूर्व सचिव, भारत सरकार द्वारा मेकिंग थिंग्स हैन द गवर्नमेंट, 23 अप्रैल, 2022
- जटिल प्रवाह की हाइड्रोडायनामिक अस्थिरता: डॉ. सुखेंदु घोष, सहायक प्रो., गणित विभाग, भा.प्रौ.सं जोधपुर द्वारा विश्लेषण और संख्यात्मक कंप्यूटिंग, 25 अप्रैल, 2022
- मैला ढोने की तकनीक और प्रौद्योगिकी: भारतीय शहरीकरण पर लेखन कांथी स्वरूप, पीएचडी उम्मीदवार, सेंटर फॉर पॉलिसी स्टडीज, भा.प्रौ.सं बॉम्बे, 25 अप्रैल, 2022
- डॉ. कार्स्टन टिमरमैन, सेंटर फॉर द हिस्ट्री ऑफ़ साइंस, टेक्नोलॉजी, एंड मेडिसिन (चिकित्सा शिक्षा विभाग) के निदेशक, मैनचेस्टर विश्वविद्यालय, यूके द्वारा कैंसर की दवा के इतिहास को लिखना और फिर से लिखना, 26 अप्रैल, 2022
- लाइजन लाइब्रेरियनशिप - खाई को पाटना? सुश्री महा कुमारन, लाइब्रेरियन, सस्केचेवान विश्वविद्यालय, कनाडा, 27 अप्रैल, 2022
- डॉ. निर्भय कुमार, पोस्टडॉक्टोरल अध्येता, यांत्रिक अभियांत्रिकी, भा.प्रौ.सं गांधीनगर: पृथ्वी और अंतरिक्ष अनुप्रयोगों के लिए चरण-परिवर्तन-आधारित निष्क्रिय थर्मल प्रबंधन रणनीतियाँ, 29 अप्रैल, 2022
- प्रो. नवीन रमनकुट्टी, प्रो. और कनाडा रिसर्च चेयर, वैश्विक पर्यावरण परिवर्तन और खाद्य सुरक्षा, ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय, हमारी खाद्य प्रणाली की चुनौतियों के समाधान की खोज, 29 अप्रैल, 2022
- पुरातत्व में रिमोट सेंसिंग: कुछ केस स्टडीज, डॉ एम बी रजनी, सहायक प्रो., नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर एडवांस स्टडीज, बेंगलुरु 30 अप्रैल, 2022
- सुश्री सुनीता मेनन, समन्वय अधिकारी, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, 05 मई, 2022 द्वारा वर्क लाइफ बैलेंस का विकास करना
- मापन द्वारा एकल-मोड थर्मल शोर से कार्य निष्कर्षण: जानकारी कितनी महत्वपूर्ण है? डॉ अविजीत मिश्रा, पोस्टडॉक्टोरल अध्येता, वीज़मैन संस्थान द्वारा, 6 मई, 2022
- फायरसाइड चैट 2.0: टिंकरटेक प्रयोगशाला के निदेशक अजय लवाकरे और स्टैनफोर्ड एंजेल्स एंड एंटरप्रेन्योर्स इंडिया के संस्थापक सदस्य और पूर्व सह-अध्यक्ष रोहिलदेव, संस्थापक और सीईओ-टेक, निमो प्लैनेट इंक के साथ बातचीत में इसे बनाएं, 06 मई, 2022
- डॉ. निशित श्रीवास्तव, एचएफएसपी पोस्टडॉक्टोरल अध्येता, इंस्टीट्यूट क्यूरी, पेरिस द्वारा स्तनधारी कोशिकाओं के प्रसार में घनत्व में उतार-चढ़ाव और होमोस्टैसिस, 09 मई, 2022
- चिकित्सा मानविकी, साहित्य और कार्यप्रणाली: क्लेयर जीन्टिल्स, पीएचडी छात्र, सीएनआरएस - सोरबोन नौवेल्ले द्वारा मिर्गी कथाओं का अध्ययन करने की चुनौतियों पर, 10 मई, 2022
- प्रागैतिहासिक और प्रारंभिक ऐतिहासिक दक्षिण एशिया में आभूषण: प्रो. जे एम केनोयर द्वारा पुरातात्विक और विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण, प्रो., मानव विज्ञान, विस्कॉन्सिन-मैडिसन विश्वविद्यालय, यूएसए, 28 मई, 2022
- प्रभावी व्यावसायिक ईमेल लिखना: सुश्री फाल्गुनी दर्जी, परियोजना प्रबंधक, डॉ किरण सी पटेल सेंटर फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, जून 02, 2022 द्वारा क्या करें और क्या न करें
- मेकिंग जीमेल वर्क फॉर यू - ऑटोमेशन तकनीक सुश्री तिमिर बेरवाला, सुश्री फाल्गुनी टेलर, और श्री सौमिल शाह, भा.प्रौ.सं गांधीनगर स्टाफ सदस्यों द्वारा, 16 जून, 2022
- ब्रिजिंग कल्चर्स: विज़ुअल स्टोरीटेलिंग के माध्यम से सीपी स्नो से परे सोचना, श्री अर्घा मन्ना, विज़ुअल और ग्राफ़िक्स कला सलाहकार, ओस्लो विश्वविद्यालय, नॉर्वे, 23 जून, 2022
- आणविक महामारी विज्ञान से लेकर भारत में कैंसर की रोकथाम तक- लिंच सिंड्रोम से सबक, डॉ. हर्ष शेठ, सहायक प्रो. और उन्नत जीनोमिक प्रौद्योगिकी प्रभाग के प्रमुख, एफआरआईजीई के मानव आनुवंशिकी संस्थान, 25 जून, 2022
- ब्रह्मपुत्र घाटी का ऐतिहासिक पुरातत्व: हाल के दृष्टिकोण, डॉ मंजिल हजारिका, सहायक प्रो. और विभागाध्यक्ष, पुरातत्व, कपास विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, 25 जून, 2022
- रिसर्च इन मोशन: डॉ श्रवण कुमार कल्याणकर, वायरलेस कम्युनिकेशन रिसर्चर, वी2एक्स कम्युनिकेशंस सिस्टम्स कॉन्टिनेंटल ऑटोमोटिव्स, सिंगापुर रिसर्च सोसाइटी द्वारा एक अकादमिक-उद्योग ड्राइव-थ्रू, 02 जुलाई, 2022
- पौधों में विकास नियंत्रण: प्रो. पीटर डोर्नर, एप्लाइड बायोलॉजी के अध्यक्ष, स्कूल ऑफ जैविक साइंसेज, एडिनबर्ग विश्वविद्यालय, एडिनबर्ग विश्वविद्यालय द्वारा स्टेम सेल रखरखाव और संसाधन आवंटन के बीच एक सतत लड़ाई
- आर मोर चॉइस बेटर एंड अदर टेल्स अबाउट इकोनॉमिक्स:डॉ सुदीप्त सारंगी, प्रो. ऑफ

इकोनॉमिक्स, वर्जीनिया टेक, 06 जुलाई, 2022
- मेटल एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग प्रो.सेस की वर्तमान स्थिति और प्रो. रवि के आर, सहायक प्रो., मेटलर्जिकल एंड पदार्थ अभियांत्रिकी विभाग, भा.प्रौ.सं जोधपुर द्वारा भविष्य के शोध के अवसर, 11 जुलाई, 2022
- भारत भर में एक एकल बाइक की सवारी: सुश्री अंबिका कृष्णन, लेखा पेशेवर, आरजे और बाइकिंग उत्साही द्वारा रक्षा विधवाओं को श्रद्धांजलि, 11 जुलाई, 2022
- डॉ. मंथनकुमार पटेल, पोस्ट-डॉक्टोरल शोधकर्ता, लंदन की क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी द्वारा स्तनधारी जीनोम नियमन में एमएसएल-मध्यस्थ एच4के16एएसी की भूमिका, 13 जुलाई, 2022
- डॉ एस के वार्ष्णेय, वैज्ञानिक-जी और वर्तमान में प्रमुख, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्रभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक सहयोग और डीएसटी योजनाओं का अवलोकन, 13 जुलाई, 2022
- अनुज तिवारी, डॉक्टरेट उम्मीदवार, यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग, वाशिंगटन विश्वविद्यालय, सिएटल, 14 जुलाई, 2022 द्वारा देरी के साथ नेटवर्क का सामंजस्यपूर्ण विकेन्द्रीकृत नियंत्रण।
- डॉ. रोशनी मैरी सेबेस्टियन, पोस्टडॉक्टोरल अध्येता, यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग, अल्बर्टा विश्वविद्यालय, कनाडा द्वारा नगरपालिका ठोस कचरे की भस्मता का आकलन करने के लिए एक तकनीक का निर्माण और प्रदर्शन, 18 जुलाई, 2022
- बिल्डिंग ब्लॉक्स फॉर फ़िज़िंग बाय डॉ. राहुल गोपीनाथ, लेक्चरर, यूनिवर्सिटी ऑफ़ सिडनी, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, 19 जुलाई, 2022
- डॉ. पल्लवी पंत, वरिष्ठ वैज्ञानिक, स्वास्थ्य प्रभाव संस्थान द्वारा भारत में स्वच्छ हवा की खोज, 20 जुलाई, 2022
- प्रो रतन साहा, सह –प्रो., एप्लाइड विज्ञान विभाग, आईआईआईटी इलाहाबाद, 21 जुलाई, 2022 को बायोमेडिकल फोटोकैस्टिक रिसर्च @ आईआईआईटीए की मुख्य विशेषताएं
- बियॉन्ड द सेक्रेड सिटी: प्रो. रॉबिन कोनिंघम, पुरातत्व के प्रो. और सांस्कृतिक विरासत में पुरातात्विक नैतिकता और अभ्यास में यूनेस्को के अध्यक्ष, डरहम विश्वविद्यालय, यूके, 23 जुलाई, 2022
- सामाजिक चुनौतियों का समाधान करने के लिए प्रौद्योगिकी संचालित दृष्टिकोण: स्मार्ट शहरों, ऊर्जा, जल प्रबंधन और कृषि में केस स्टडी, प्रो. पराग कुलकर्णी, सहायक प्रो., संगणक और नेटवर्क अभियांत्रिकी विभाग, आईटी कॉलेज, संयुक्त अरब अमीरात विश्वविद्यालय (यूएईयू), 25 जुलाई, 2022
- मनुष्यों और रोबोटों द्वारा संपर्क-समृद्ध हेरफेरड : डॉ. समर्थ ब्रह्मभट्ट, अनुसंधान वैज्ञानिक, इंटेल लैब्स, सांता क्लारा, कैलिफ़ोर्निया, यूएसए, 27 जुलाई, 2022
- डॉ. रजत गुप्ता, पोस्टडॉक्टोरल रिसर्च स्कॉलर, गणित संस्थान, ताइवान, 27 जुलाई, 2022: वास्तविक स्थान-वास्तविक लौकिक निर्देशांक
- प्रो. देबिका बनर्जी, सहायक प्रो., गणित विभाग, इंद्रप्रस्थ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली: विगर्ट-प्रकार विभाजक समस्या, 3 अगस्त, 2022
- रिएक्शन-डिफ्यूजन सिस्टम में पैटर्न फॉर्मेशन: एक सिंहावलोकन, डॉ. नयना मुखर्जी, नेशनल पोस्टडॉक्टोरल अध्येता, द इंस्टीट्यूट ऑफ मैथेमेटिकल साइंसेज, चेन्नई, 05 अगस्त, 2022
- हिस्ट्री ऑफ़ मैथमैटिक्स इन इंडिया प्रो.जेक्ट: भारतीय गणित में दस उदार समस्याएं, डॉ. राघवसिम्हन थिरुनारायणन, स्कॉलर-इन-रेजिडेंस, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, 05 अगस्त, 2022
- प्रो. रेहाना पटेल, अफ्रीकन इंस्टीट्यूट फॉर मैथमेटिकल साइंसेज, सेनेगल, 05 अगस्त, 2022: मॉडल-थ्योरिटिक टैमनेस कंडीशंस के तहत नियमितता लेमेमा
- उपयोगकर्ता अनुभव: डिज़ाइन का विवरण श्री अंकुर सहाय, उपयोगकर्ता अनुभव डिज़ाइनर-II, माइक्रोसॉफ्ट, 06 अगस्त, 2022
- डॉ. सौम्यरूप बनर्जी, पोस्टडॉक्टोरल अध्येता, गणित, भा.प्रौ.सं गांधीनगर : लगभग प्रमुख इनपुट के साथ परिमितता प्रमेय, 08 अगस्त, 2022
- बचाव के लिए डीपीएफ: मल्टीपार्टी संगणनाओं को सुरक्षित करने के लिए वितरित बिंदु कार्यों के अनुप्रयोग, डॉ. आदित्य वडापल्ली, पोस्टडॉक्टोरल अध्येता, वाटरलू विश्वविद्यालय, 10 अगस्त, 2022
- सिक्स मोर इक्लेक्टिक प्रॉब्लम्स इन इंडियन मैथमेटिक्स बाय डॉ. राघवसिम्हन थिरुनारायणन, स्कॉलर-इन-रेजिडेंस, हिस्ट्री ऑफ़ मैथेमैटिक्स इन इंडिया, परियोजना, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, 10 अगस्त, 2022
- जैव सूचना विज्ञान स्क्रीन एक संरक्षित एंटेना-समृद्ध एनोक्टामिन की पहचान करती है जो घ्राण संकेतन को नियंत्रित करती है: डॉ प्रत्यजीत महापात्रा, शरीर विज्ञान और न्यूरोलॉजी विभाग, कनेक्टिकट विश्वविद्यालय, 12 अगस्त, 2022
- प्रो. राहुल कनाडिया, सहायक प्रो., एनाटॉमी और फिजियोलॉजी विभाग, कनेक्टिकट विश्वविद्यालय, बोस्टन, यूएसए, 12 अगस्त, 2022: माइनर इंट्रोन्स का विकास और उपचारात्मक के लिए माइनर इंट्रो युक्त जीन को लक्षित करना
- डॉ विमल किशोर, सहायक प्रो., भौतिकी, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, 17 अगस्त, 2022: एक टॉर्क-चालित सूक्ष्म झुंड में सहभागिता, आदेश और जानकारी
- प्रो. कपिल एच परांजपे, प्रो., गणित, भा.वि.शि एवं अनु .सं मोहाली: बिंदु सेट टोपोलॉजी का बीजगणित, 17 अगस्त, 2022
- गुरुत्वीय तरंग संकेतों के पुनर्निर्माण के लिए नॉनऑर्थोगोनल वेवलेट ट्रांसफ़ॉर्मेशन: डॉ सौमेन रॉय, शोधकर्ता, यूट्रेक्ट विश्वविद्यालय, नीदरलैंड, 19 अगस्त, 2022
- द बायोपॉलिटिकल जॉम्बी: मेडिकलाइज्ड सेल्फहुड इन इक्कीसवीं सेंचुरी पॉलिटिकल फैंटेसी प्रो. एरिक लार्सन, सहायक प्रो., चिकित्सा मानविकी, रोचेस्टर विश्वविद्यालय, यूएसए, 22 अगस्त, 2022
- सुश्री अदिति गुप्ता, अभियांत्रिकी और साइंस लाइब्रेरियन, यूनिवर्सिटी ऑफ़ विक्टोरिया पुस्तकालयज़, 23 अगस्त, 2022 :कनाडा में शैक्षणिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में नया क्या हो रहा है
- 'यूथ कैन लीड :डॉ. मार्शल गोल्डस्मिथ, अमेरिका के #1 कार्यकारी कोच, आईएनसी मैगज़ीन, 26 अगस्त, 2022
- फिशिंग कैट: सामाजिक-पारिस्थितिकीय संरक्षण दृष्टिकोण की आवश्यकता वाली एक आर्द्रभूमि बिल्ली, द फिशिंग कैट प्रो.जेक्ट की सह-संस्थापक, सुश्री तियासा आद्या, 29 अगस्त, 2022
- प्रो. राजीव गोरे, एमेरिटस प्रो., ऑस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी, 31 अगस्त, 2022: प्रो. पोजनल मोडल लॉजिक्स और मॉडल झांकी का परिचय
- डॉ मिथुन थुडियांगल, प्रो., गणित विभाग, मैसाचुसेट्स विश्वविद्यालय, एमहर्स्ट, 31 अगस्त, 2022: क्वांटम तरल पदार्थों में सामयिक दोष
- सीईजीएआर-झांकी: मोडल क्लॉज-लर्निंग और एसएटी के माध्यम से मोडल संतुष्टि में सुधार, प्रो. राजीव गोरे, एमेरिटस प्रो., ऑस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी, सितंबर 01, 2022
- डॉ. प्रशांत कुमार मुदुली, सहायक प्रो., भौतिकी, भा.प्रौ.सं मद्रास :टोपोलॉजिकल क्वांटम मैग्नेट में विशाल अनुप्रस्थ परिवहन प्रभाव, 02 सितंबर, 2022
- बिना स्क्रिप्ट वाले समुदायों में आनंदपूर्ण पढ़ना: श्री सत्यनारायणन मुंडयूर, शिक्षाविद और सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा अरुणाचल प्रदेश की कहानी, 06 सितंबर, 2022
- डॉ स्टेफानो गैलेली, सहायक प्रो., सिंगापुर प्रौद्योगिकी और डिजाइन विश्वविद्यालय:मैक्रो-स्केल हाइड्रोलॉजिकल मॉडल में मानव-जल परस्पर क्रिया के प्रतिनिधित्व को आगे बढ़ाना, 08 सितंबर, 2022
- 'खून की उल्टी': तपेदिक और बंगाली साहित्य, डॉ सुवनकर डे, सहायक प्रो., इतिहास, सिधो कान्हो बिरसा विश्वविद्यालय, 12 सितंबर, 2022
- डॉ. किशन मेंघराजानी, पोस्टडॉक्टोरल अध्येता, एक्सेटर विश्वविद्यालय, 14 सितंबर, 2022: प्रकाश के साथ अणुओं की परस्पर क्रिया
- भारत को आजादी किसने दिलाई? प्रो. पी साईनाथ, पत्रकार, लेखक और संस्थापक संपादक, पारी-पीपल्स आर्काइव ऑफ़ रूरल इंडिया, और स्कॉलर-इन-रेज़िडेंस, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, 14 सितंबर, 2022
- अपशिष्ट से संसाधनों की वसूली - डॉ. ब्रजेश कुमार दुबे, सिविल अभियांत्रिकी विभाग, भा.प्रौ.सं खड़गपुर, 15 सितंबर, 2022: स्थायी शहरीकरण के लिए परिपत्र अर्थव्यवस्था दृष्टिकोण
- कम्प्यूटेशनल रसायन विज्ञान की दुनिया का एक परिचय प्रो. प्रकाश झा, प्रो., स्कूल ऑफ एप्लाइड पदार्थ साइंस, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, 16 सितंबर, 2022 द्वारा
- प्रो. रेनी थॉमस, सहायक प्रो., समाजशास्त्र और सामाजिक नृविज्ञान, भा.वि.शि एवं अनु .सं भोपाल: विज्ञान, धर्म और जाति, 16 सितंबर, 2022
- मानव तस्करी और वेश्यावृत्ति: एक भारतीय परिप्रेक्ष्य, डॉ. रोहिणी साहनी, प्रो. और प्रमुख, अर्थशास्त्र विभाग, पुणे विश्वविद्यालय, 17 सितंबर, 2022
- कार्तिक राम मनोहरन, मैरी स्कोलोडोस्का-क्यूरी रिसर्च अध्येता, वॉल्वरहैम्प्टन विश्वविद्यालय,17 सितंबर, 2022: पेरियार के कट्टरपंथी विचार
- प्रो. चेतन अरोड़ा, सहायक प्रो., संगणक विज्ञान विभाग, भा.प्रौ.सं दिल्ली,19 सितंबर, 2022: संगणक विजन के लिए ट्रांसफॉर्मर आर्किटेक्चर का परिचय
- सहकर्मी समीक्षा: सिद्धांत, एल्गोरिदम और अनुप्रयोग, प्रो. शनमुगनाथन रमन, जिबाबेन पटेल चेयर सहायक प्रो., संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी और इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, 19 सितंबर, 2022
- प्रो. रेडिम फ़िलिप, प्रो., प्रकाशिकी विभाग, विज्ञान संकाय, पलाकी विश्वविद्यालय, ओलोमौक, चेक गणराज्य, 20 सितंबर, 2022: परमाणु ऑसिलेटर्स की तापीय रूप से प्रेरित गैर-शास्त्रीयता
- डॉ. सेल्सो कैमिलो, सहायक प्रो., संघीय विश्वविद्यालय गोइआस, ब्राजील और स्कॉलर-इन-रेसिडेंस, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, 21 सितंबर, 2022: खोज-आधारित सॉफ्टवेयर अभियांत्रिकी अनुसंधान क्षेत्र
- विद्वान संचार पारिस्थितिकी तंत्र: अकादमिक अखंडता, खुलापन और निष्पक्षता सुश्री करी पीटरसन, विभाग प्रमुख, संपर्क और निर्देश सेवाएं, एमआईटी पुस्तकालय, यूएसए, 21 सितंबर, 2022
- उम्मीदवार की भावना, पारंपरिक, स्वामित्व और अर्जित सोशल मीडिया:मतदान के इरादों को प्रभावित करने में प्रशंसकों की भूमिका,

डॉ मार्कोस इनासियो सेवरो डी अल्मेडा, एडजंक्ट (अनुसंधान) प्रो., गोइआस के संघीय विश्वविद्यालय, ब्राजील और संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी में स्कॉलर-इन-रेसिडेंस, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, 22 सितंबर, 2022

- विनोद रामकृष्णन, पीएचडी उम्मीदवार, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सैन डिएगो, 22 सितंबर, 2022: रेखीय और गैर-रेखीय तरंग प्रसार को ट्यून करने के लिए बहुस्थिर मेटामटेरियल
- डॉ निक गुडविन, निदेशक, बिहेवियरल इनसाइट्स टीम के लिए अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम, एशिया प्रशांत, 22 सितंबर, 2022 : सार्वजनिक नीति के लिए व्यावहारिक अंतर्दृष्टि
- कृष्णगिरि महाविहार: प्राध्यापक सूरज पंडित, प्रो., साथाय कॉलेज, मुंबई द्वारा प्रारंभिक ऐतिहासिक काल के दौरान इसके संरक्षण पर अध्ययन, 24 सितंबर, 2022
- अंतरिक्ष में सूक्ष्मजीव: "अंतरिक्ष में ओमिक्स" के बारे में मुद्दे और समाधान, डॉ. कस्तूरी वेंकटेश्वरन, वरिष्ठ अनुसंधान वैज्ञानिक, नासा - जेट प्रो.पल्शन लेबोरेटरी, 27 सितंबर, 2022
- विकृति की वंशावली पर: मनोचिकित्सा से मनोविश्लेषण तक, डॉ. मीरा ली, फैकल्टी, हंटर कॉलेज, सिटी यूनिवर्सिटी ऑफ़ न्यूयॉर्क, यूएस, 27 सितंबर, 2022
- एसबीआई वेल्थ सदस्यों, एसबीआई वेल्थ, 06 अक्टूबर, 2022: हमारा मूल्य प्रस्ताव और निवेश जागरूकता कार्यक्रम
- डॉ. संघमित्रा नियोगी, सहायक प्रो., ऐन और एचजे स्मीड एयरोस्पेस अभियांत्रिकी साइंसेज, यूनिवर्सिटी ऑफ कोलोराडो बोल्डर, यूएसए, 07 अक्टूबर, 2022: नैनोसंरचित सामग्रियों को डिजाइन करने के लिए फॉरवर्ड और इनवर्स मशीन लर्निंग असिस्टेड प्रथम-सिद्धांत मॉडल
- प्रो. अरिजीत सामल, प्रो., कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी, आईएमएससी चेन्नई, 10 अक्टूबर, 2022 : जीवित प्राणी अजीब और सरल नियामक तर्क के पक्ष में प्रतीत होते हैं
- सबमनीफोल्ड्स का कट लोकस: एक ज्यामितीय दृष्टिकोण, सच्चिदानंद प्रसाद, पीएचडी छात्र, गणित और सांख्यिकी विभाग, भा.वि.शि एवं अनु .सं कोलकाता, 10 अक्टूबर, 2022
- जीवाश्म ईंधन संसाधनों के दोहन, जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा सुरक्षा की पहेली - हम क्या कर सकते हैं? प्रो. वोल्कर वेरेनकैंप, भूविज्ञान के प्रो., केएयूएसटी के अली नैमी पेट्रोलियम अभियांत्रिकी रिसर्च सेंटर, 10 अक्टूबर, 2022
- डॉ. सुदेशना मन्ना, पोस्टडॉक्टोरल अध्येता, रसायन विज्ञान विभाग, हेनरी आइरिंग सेंटर फॉर सेल एंड जीनोम साइंस, यूटा विश्वविद्यालय, यूएसए, 12 अक्टूबर, 2022
- डॉ तनय नाग, पोस्टडॉक्टोरल, भौतिकी और खगोल विज्ञान विभाग, पदार्थ सिद्धांत, उप्साला विश्वविद्यालय, 12 अक्टूबर, 2022: चतुष्कोणीय और ऑक्टोपोलर टोपोलॉजिकल सुपरकंडक्टर्स का गतिशील निर्माण
- प्रो. क्रिश्चियन लिडटके, प्रो.फ़ेसर, बीजगणितीय ज्यामिति, टेक्निकल यूनिवर्सिटी म्यूनिख, जर्मनी, 12 अक्टूबर, 2022: परिमित और रैखिक रूप से रिडक्टिव समूह योजनाओं के लिए मैकके पत्राचार
- एंथ्रोपोसिन में Zt.Zzt: पुराने बहाव में आर्थ्रोपोड मांस, सौर-पट्टी त्वचा और एंथ्रोपोसीन समय,
- प्रो. अमित राहुल बैश्य, सहायक प्रो., अंग्रेजी विभाग, ओक्लाहोमा विश्वविद्यालय, 12 अक्टूबर, 2022
- डॉ. सृष्टि तिवारी, पोस्टडॉक्टोरल अध्येता, आईयूसीएए, पुणे, 14 अक्टूबर, 2022: कॉम्पैक्ट बायनेरिज़ इंस्पिरेलिंग विद माइल्डली एक्सेंट्रिक ऑर्बिट्स के लिए रेडी-टू-यूज़ ग्रेविटेशनल-वेव टेम्प्लेट
- प्रो. राज छाबड़ा, भा.प्रौ.सं गांधीनगर में अतिथि प्रो. और प्रो., रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग, स्कूल ऑफ अभियांत्रिकी, शिव नादर विश्वविद्यालय, 14 अक्टूबर, 2022 : विस्को-प्लास्टिक तरल पदार्थ में एक क्षेत्र से संवहन
- भोपाल की याद: उपचारात्मक रेचन या निष्फल समापन? डॉ. शालिनी शर्मा, सहायक प्रो., मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग, भा.वि.शि एवं अनु .सं पुणे, 14 अक्टूबर, 2022
- हाइपर-यथार्थवादी एआई-जनित दृश्य पदार्थ का उदय: एल्गोरिथम माइलस्टोन और सुरक्षा तंत्र, डॉ एकता प्रश्नानी, भा.प्रौ.सं गांधीनगर एलुमना और रिसर्च साइंटिस्ट, एनवीडीआ, यूएसए, 16 अक्टूबर, 2022
- जटिल कार्डियोवैस्कुलर समस्याएं: यूनिवेंट्रिकुलर हृदय (1) रोगग्रस्त वाल्व के साथ बायां हृदय, और (2) प्रो. एस डी शर्मा, प्रो. (आर), एयरोस्पेस अभियांत्रिकी विभाग, भा.प्रौ. सं बॉम्बे, 17 अक्टूबर, 2022.
- कैली टेबल के लिए कम्प्यूटेशनल रूप से इष्टतम विकल्प, प्रो. बीरेश्वर दास, सहायक प्रो., संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, 17 अक्टूबर, 2022
- स्पेस-टाइम और क्वांटम, प्रो. मौलिक पारिख, प्रो., भौतिकी विभाग, एरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी, 18 अक्टूबर, 2022
- हिंडोला और मृत मछली: ग्राफिक संस्मरण में चिकित्सा शब्दावली के साथ और चिकित्सा शब्दावली के खिलाफ आत्म-पहचान डॉ. क्रिस्टा क्यूसेनबेरी, अंग्रेजी के सहायक प्रो., अल्बियन कॉलेज, मिशिगन, यूएसए, 18 अक्टूबर, 2022
- संशोधित पॉलीएरोमैटिक हाइड्रोकार्बन (पीएएच): एम्बेडेड पोर्फिरिनोइड्स, प्रो. एम रविकांत, प्रो. और रसायन विज्ञान विभाग के प्रमुख, भा.प्रौ.सं बॉम्बे, 19 अक्टूबर, 2022
- पियासा सरकार, पीएचडी छात्र, गणित, आईएमएससी, चेन्नई, 19 अक्टूबर, 2022:मल्टीपैरामीटर सीसीआर प्रवाह गैर-तुच्छ सूचकांक के साथ
- द आर्ट ऑफ़ स्टोरीटेलिंग: द पीपल्स आर्काइव ऑफ़ रूरल इंडिया, प्रो.फ़ेसर पी साईनाथ, पत्रकार, लेखक और संस्थापक संपादक, पीपल्स आर्काइव ऑफ़ रूरल इंडिया और फ़िलहाल स्कॉलर-इन-रेज़िडेंस, मानविकी और सामाजिक विज्ञान, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, 19 अक्टूबर, 2022
- आई एस टी एफ टीम, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, 20 अक्टूबर, 2022: साइबर सुरक्षा जागरूकता
- कृषि संकट को समझना: यह दूर क्यों है, प्रो. पी साईनाथ, पत्रकार, लेखक और संस्थापक संपादक, पीपल्स आर्काइव ऑफ़ रूरल इंडिया और वर्तमान में स्कॉलर-इन-रेसिडेंस, मानविकी और सामाजिक विज्ञान, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, 21 अक्टूबर , 2022
- पलनी कुमार, सिनेमैटोग्राफर और पीपुल्स आर्काइव ऑफ़ रूरल इंडिया के अध्येता, 27 अक्टूबर, 2022 : सामाजिक कारण के लिए लेंस
- पलानी कुमार, सिनेमैटोग्राफर और पीपुल्स आर्काइव ऑफ़ रूरल इंडिया के अध्येता, 28 अक्टूबर, 2022: हाथ से मैला ढोना
- समय और स्थान के पार मानव-पशु संबंध: प्रो. शारदा सी वी, सहायक प्रो., मानविकी और सामाजिक विज्ञान, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, 29 अक्टूबर, 2022 :हाल के दृष्टिकोण और उपन्यास दृष्टिकोण के मामले का अध्ययन
- भारत में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार:विजन 2030 और उससे आगे, डॉ. अखिलेश गुप्ता, सचिव, एसईआरबी-डीएसटी, भारत सरकार
- प्रो. दीप्ति गणपति, सेंटर फॉर मैनेजमेंट कम्युनिकेशन एंड फैकल्टी इन कम्युनिकेशन, आईआईएम बैंगलोर, 31 अक्टूबर, 2022 :एक खंडित दर्शकों के लिए जलवायु परिवर्तन का संचार
- डॉक्टर हिडेनरी ताकाहाशी, कार्यकारी निदेशक, मेड केम श्रोडिंगर इंक, यूएसए, 02 नवंबर, 2022: चिकित्सा विज्ञान की परिवर्तनकारी खोज
- डॉ. सुशील सिंगला, रिसर्च सहायक, आईआईएससी बैंगलोर, 02 नवंबर, 2022: प्रक्षेप बहुपद और रेखीय बीजगणित
- एडिटिंग ए कंपेनियन ऑफ़ नॉर्थईस्ट इंडिया: प्रो.फ़ेसर टंका बी सुब्बा, सेवानिवृत्त प्रो., नृविज्ञान विभाग, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी (एनईएचयू), शिलॉन्ग और सिक्किम यूनिवर्सिटी के पूर्व वाइस चांसलर, और प्रो. जेल जे पी वाउटर्स, एंथ्रोपोलॉजी में सहायक प्रो. और रॉयल थिम्पू कॉलेज, भूटान में समाजशास्त्र, और हिमालयन सेंटर फॉर एनवायर्नमेंटल ह्यूमैनिटीज/एचसीईएच के अध्यक्ष, 02 नवंबर, 2022
- जाने-माने वन्यजीव संरक्षणवादी और इतिहासकार डॉ. थियोडोर भास्करन, 04 नवंबर, 2022 :भारत की कैनाइन विरासत
- संपूर्ण आधुनिकतावाद: प्रो. जीन-माइकल रबाटे, अंग्रेज़ी और तुलनात्मक साहित्य के प्रो., पेन्सिलवेनिया विश्वविद्यालय, 04 नवंबर, 2022
- समावेशी डीएनए वाले विशिष्ट मानव: प्रो. उमाशंकर सिंह, सहायक प्रो., जैविक अभियांत्रिकी, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, 05 नवंबर, 2022
- प्रो.जेश नाथ चौधरी, सहायक प्रो., गणित, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, 07 नवंबर, 2022: ग्राफ़ के ब्लोअप-पोलिनोमियल्स
- पहनने योग्य उपकरणों के माध्यम से रोग मूल्यांकन को आगे बढ़ाना: द्वारा उम्र बढ़ने और तंत्रिका संबंधी विकारों में गतिशीलता,प्रो. कमीर अमीनियन, सहायक प्रो., आंदोलन विश्लेषण और मापन ईपीएफएल की प्रयोगशाला, 09 नवंबर, 2022
- ग्रेविटेशनल लेंसिंग ऑफ़ ग्रेविटेशनल वेव्स: ए न्यू फ्रंटियर, प्रो. पी अजित, फैकल्टी मेंबर, ICTS बैंगलोर, 10 नवंबर, 2022
- गोपनीयता-जागरूक मल्टीमीडिया एनालिटिक्स : प्रो. मोहन कंकनहल्ली, प्रो. वोस्ट्स चेयर प्रो. ऑफ़ संगणक साइंस, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ़ सिंगापुर, 11 नवंबर, 2022
- डॉ. देबमाल्या दास, उप्साला विश्वविद्यालय, स्वीडन, 11 नवंबर, 2022 : उच्च-तापमान सुपरकंडक्टर्स में मजबूत सहसंबंध, टोपोलॉजी और विकार की परस्पर क्रिया
- प्रो. शिवप्रिया किरुबाकरण, कंकुबेन बख्शीरामभाई गेलॉट चेयर सहायक प्रो., रसायन विज्ञान, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, 12 नवंबर, 2022: "क्लिक" जिसने जटिल अणुओं के रसायन विज्ञान में क्रांति ला दी
- प्रो. सौम्या भंडारी, भा.प्रौ.सं गांधीनगर एलुमना और सीईपीटी विश्वविद्यालय, अहमदाबाद में विजिटिंग फैकल्टी सदस्य, 12 नवंबर, 2022 : अकादमिक लेखन में रचनात्मक
- तमिलनाडु में हेजहोग संरक्षण: लोगों की भागीदारी के साथ दुर्लभ छोटे स्तनधारियों को बचाना, डॉ. आर ब्रविन कुमार, अर्ली-करियर कंज़र्वेशन बायोलॉजिस्ट, भा.वि.शि एवं अनु .सं तिरुपति, 16 नवंबर, 2022
- पहनने योग्य सेंसर का उपयोग करके स्वास्थ्य और रोग में वास्तविक-विश्व आंदोलन विश्लेषण: स्टेप काउंटिंग से लेकर 3डी मूवमेंट विश्लेषण तक। प्रो. कमीर अमिनियन, स्कॉलर-इन-रेजिडेंस, सेंटर फॉर कॉग्निटिव साइंस, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, 16 नवंबर, 2022
- एनिमेट इंडिया: इतिहास में पर्यावरण, मानव और जानवर, प्रो. महेश रंगराजन, अशोक विश्वविद्यालय में इतिहास और पर्यावरण अध्ययन के प्रो., नेहरू मेमोरियल संग्रहालय और पुस्तकालय के पूर्व निदेशक, किशोर मूर्ति, और

केआरईए विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति, 16 नवंबर, 2022

- श्री राम बाबू भगत, संयुक्त रजिस्ट्रार (ई एंड ए), भा.प्रौ.सं गांधीनगर, 17 नवंबर, 2022: गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए अवकाश प्रावधान और आवेदन मानदंड
- प्रो. बी प्रसन्ना वेंकटेश, सहायक प्रो., भौतिकी, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, 19 नवंबर, 2022: नाज़ुक हालत उन्मुक्त
- नकारात्मक थेराप्यूटिक रिएक्शन: फ्रायड एंड बियॉन्ड, प्रो. संतनु बिस्वास, अंग्रेजी के प्रो., जादवपुर विश्वविद्यालय, 22 नवंबर, 2022
- श्री अभिनंदन कुमार, मॉलिक्यूलर बिजनेस डेवलपमेंट मैनेजर, 20/20 सीड्स लैब इंक., अलबर्टा, कनाडा, 29 नवंबर, 2022: ब्रासिका में व्यभिचार नियंत्रण का नियामक तंत्र
- प्रो. सुदीप्त साकर, सहायक प्रो., भौतिकी, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, 02 दिसंबर, 2022:आइंस्टीन की गलतियाँ
- कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम अधिनियम 2013: एक अनुभवी प्रशिक्षक डॉ पी जे डेराश्री, 02 दिसंबर, 2022
- इन्क्लूडिंग टेम्परेचर इन हैनबरी-ब्राउन एंड ट्विस इंटरफेरोमेट्री एंड कासिमिर नैनोपार्टिकल लेविटेशन इन वैक्यूम: डॉ एड्रियन ई रुबियो लोपेज, पोस्टडॉक्टोरल अध्येता, पर्ड्यू यूनिवर्सिटी, 05 दिसंबर, 2022
- प्रो. प्रतीक शाह, सहायक प्रो., विज्ञान और पर्यावरण विभाग, रोस्किल्डे विश्वविद्यालय, डेनमार्क, 06 दिसंबर, 2022 : जैवचिकित्सा अनुप्रयोगों के लिए फ्लोरोसेंट सिल्वर नैनोक्लस्टर्स द्वारा मध्यस्थता वाली गैर-विहित डीएनए संरचनाएं
- भारत के लिए स्वच्छ शीतलन प्रौद्योगिकियां प्रो. अर्मिन हाफनर, ऊर्जा और प्रक्रिया अभियांत्रिकी विभाग में प्रशीतन प्रौद्योगिकी के प्रो., नॉर्वेजियन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, ट्रॉनहैम, नॉर्वे, 07 दिसंबर, 2022
- डॉ. शांतला हरि दास, निदेशक, इंडिया बायोसाइंसेस, 07 दिसंबर, 2022: अकादमिक और संबद्ध क्षेत्रों में करियर के विकास के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अवसर
- डॉ. अमित कुमार, वरिष्ठ व्याख्याता और सेंटर फॉर क्वांटम पदार्थ टेक्नोलॉजीज, स्कूल ऑफ मैथमेटिक्स एंड फिजिक्स, क्वींस यूनिवर्सिटी बेलफास्ट, 15 दिसंबर, 2022: भौतिकी के प्रति भौतिक वैज्ञानिक की यात्रा
- गुजरात में पूर्व-शहरी हड़प्पा दफन: जूना खटिया से नया साक्ष्य, डॉ. एस वी राजेश, सहायक प्रो., पुरातत्व विभाग, केरल विश्वविद्यालय, 31 दिसंबर, 2022
- प्राध्यापक चंदन सिंह दलावत, प्रो.फ़ेसर एच+, हरीश-चन्द्र अनुसंधान संस्थान, इलाहाबाद, 02 जनवरी, 2023 : पी-फ़ील्ड्स का आदिम पी-विस्तार
- डॉ. खुशी व्यास, ईपीएसआरसी द्वारा वित्तपोषित पोस्टडॉक्टोरल रिसर्च सहायक, रोबोटिक सर्जरी के लिए हैमलिन सेंटर, इंपीरियल कॉलेज लंदन, यूके, 05 जनवरी, 2023 : इंट्रा-ऑपरेटिव सर्जिकल इमेजिंग के लिए लघु प्रतिदीप्ति माइक्रोस्कोपी में नवाचार
- प्रो. केतुल पोपट, प्रो. केतुल पोपट, डिपार्टमेंट ऑफ यांत्रिक अभियांत्रिकी/स्कूल ऑफ बायोमेडिकल अभियांत्रिकी में सहायक प्रो. और अंडरग्रेजुएट प्रो.ग्राम के निदेशक, स्कूल ऑफ बायोमेडिकल अभियांत्रिकी, कोलोराडो स्टेट यूनिवर्सिटी: टाइटेनियम हेमोकम्पैटिबिलिटी में सुधार के लिए भूतल संशोधन रणनीतियाँ, जनवरी 06, 2023
- 'क्लिक केमिस्ट्री'- एक नोबेल पुरस्कार प्रतिक्रिया: प्रो. विनोद तिवारी, प्रो., रसायन विज्ञान विभाग, विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, 06 जनवरी, 2023: ग्लाइकोसाइंस में बढ़ता प्रभाव
- यूनेस्को के विरासत स्थल और संघर्ष के बाद के परिणाम: प्रो. मास्सिमो विडाले, स्कॉलर-इन-रेजिडेंस, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, और पडुआ विश्वविद्यालय, इटली में सहायक प्रो., 09 जनवरी, 2023: इराक में व्यावहारिक कार्रवाई और एक केस स्टडी
- एरर बाउंड्स फॉर द एसिम्प्टोटिक एक्सपेंशन ऑफ़ पार्टीशन फंक्शन एंड इट्स रिजल्ट्स: कौस्तव बनर्जी, पीएचडी छात्र, रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर सिंबॉलिक कंप्यूटेशन, जोहान्स केप्लर यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रिया, 09 जनवरी, 2023
- डॉ. हरिनी सुब्रमण्यम, प्रो.जेक्ट सहायक, एयरोस्पेस अभियांत्रिकी विभाग, भा.प्रौ.सं मद्रास: कॉन्टिनम डैमेज-हीलिंग मैकेनिक्स का उपयोग करते हुए सेल्फ-हीलिंग पदार्थ का कॉन्स्टीट्यूशनल मॉडलिंग, 11 जनवरी, 2023
- प्लास्टिसिटी, चंकिंग, और निहित सामूहिक स्मृति: डॉ अविषेक पारुई, सहायक प्रो., मानविकी और सामाजिक विज्ञान, भा.प्रौ.सं मद्रास: स्मृति अध्ययन और चिकित्सा मानविकी का अभिसरण, 12 जनवरी, 2023
- नेटवर्क, बल और संक्रमण: प्रो. विकास त्रिवेदी, ग्रुप लीडर, बहुकोशिकीय प्रणालियों में स्व-संगठन, पुनर्योजी आनुवंशिकी केंद्र, ईएमबीएल बार्सिलोना, स्पेन, 13 जनवरी, 2023: बहुकोशिकीय प्रणालियों में अक्षीय उद्भव को समझने के लिए एक सिंथेटिक दृष्टिकोण
- इष्टतम असमानताएं और संबंधित समस्याएं : प्रो. के संदीप, प्रो., टीआईएफआर सेंटर फॉर एप्लिकेबल मैथमैटिक्स बैंगलोर, 13 जनवरी, 2023
- डॉ. वैष्णवी सुंदरराजन, पूर्व पोस्टडॉक्टोरल शोधकर्ता, कैलिफ़ोर्निया विश्वविद्यालय, सांता क्रूज़,13 जनवरी, 2023: प्रमाणन के साथ सुरक्षा प्रो.टोकॉल के लिए औपचारिक सत्यापन
- डॉ. राघवसिम्हन थिरुनारायणन, स्कॉलर-इन-रेसिडेंस, गणित, भा.प्रौ.सं गांधीनगर,13 जनवरी, 2023: भारतीय गणित में निरंतर अंश
- डॉ साहिल शाह, इलेक्ट्रिकल और संगणक अभियांत्रिकी विभाग, मैरीलैंड विश्वविद्यालय, कॉलेज पार्क में सहायक प्रो. , 17 जनवरी, 2023: मजबूत मस्तिष्क-मशीन इंटरफेस के लिए एल्गोरिदम और हार्डवेयर सीखना
- सपनों की व्याख्या का विज्ञान: सपनों की व्याख्या कैसे करें, डॉ फ्रेडरिक एल कूलिज, प्रो., मनोविज्ञान, कोलोराडो विश्वविद्यालय, 19 जनवरी, 2023
- ऊर्जा भंडारण और सेंसर अनुप्रयोगों के लिए कार्बन आधारित लचीले माइक्रोडिवाइस: डॉ. स्वाति शर्मा, स्कूल ऑफ यांत्रिक एंड पदार्थ अभियांत्रिकी, भा.प्रौ.सं मंडी में सहायक प्रो., 23 जनवरी, 2023
- प्रो. गोपीनाथन कलोन, सहायक प्रो., भौतिकी, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, 23 जनवरी, 2023: ग्रेफाइट में इंटरलेयर स्पेस के माध्यम से पानी के अणुओं का चयनात्मक परिवहन
- नारीवाद, विज्ञान और पर्यावरण न्याय, डॉ. किरण आशेर, महिला, लिंग और कामुकता अध्ययन विभाग, मैसाचुसेट्स विश्वविद्यालय में प्रो., 23 जनवरी, 2023
- बायोमेडिकल अनुसंधान में चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग की चुनौतियां और अनुप्रयोग, डॉ. इरविन फ्यूहरर, विजिटिंग असिस्टेंट प्रो., भा.प्रौ.सं मंडी, 24 जनवरी, 2023
- सिरेमिक प्रौद्योगिकियों की संज्ञानात्मक पृष्ठभूमि: प्रो. मास्सिमो विडाले, स्कॉलर-इन-रेसिडेंस, मानविकी और सामाजिक विज्ञान, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, 24 जनवरी, 2023:यूरेशिया से केस स्टडीज
- प्रो. राजेंद्र बोर्डिया, जॉर्ज जे. बिशप, क्लेमसन विश्वविद्यालय में पदार्थ विज्ञान और अभियांत्रिकी के III प्रो. और अतिथि प्रो., पदार्थ अभियांत्रिकी और केपीसीएसडी, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, 24 जनवरी, 2023: कार्बन तटस्थ ऊर्जा में पदार्थ की महत्वपूर्ण और सक्षम भूमिका
- भूमि, अंतरिक्ष और स्मृति: प्रो. राशिद खालिदी, आधुनिक अरब अध्ययन के एडवर्ड सैद प्रो., कोलंबिया विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क, 27 जनवरी, 2023:पश्चिम एशिया से स्वदेशी अनुभव
- श्री एन के गुप्ता, पूर्व उप निदेशक और परियोजना निदेशक (क्रायोजेनिक्स) एलपीएससी/इसरो, 28 जनवरी, 2023: इसरो की रॉकेट प्रणोदन यात्रा
- पत्थर और धातु की कलाकृतियों का लक्षण वर्णन और भूगर्भीय सिद्धता अध्ययन: डॉ रान्डेल लॉ द्वारा पूरे दक्षिण एशिया से मामले का अध्ययन, पत्थर और धातु की कलाकृतियों के भूगर्भिक उत्पत्ति विश्लेषण और सिंधु सभ्यता के व्यापार और संचार नेटवर्क के पुनर्निर्माण में विशेषज्ञता रखने वाले पुरातत्वविद्, 28 जनवरी, 2023
- डायनामिक डेटा एसिमिलेशन: डॉ. एस. लक्ष्मीवराहन, जॉर्ज लिन क्रॉस रिसर्च प्रो. फ़ेसर एमेरिटस, स्कूल ऑफ़ संगणक साइंस, यूनिवर्सिटी ऑफ़ ओक्लाहोमा, यूएसए का अवलोकन, 30 जनवरी, 2023
-
- न्यूरोनल राइबोन्यूक्लियोप्रो.टीन ग्रेन्युल डायनेमिक्स को संतुलित करने के लिए स्ट्रक्चर्ड और डिसऑर्डर्ड डोमेन एंटागोनाइज टू बैलेंस: प्रो.. बस्कर बक्थावाचलू, असिस्टेंट प्रो., स्कूल ऑफ बायोसाइंसेज एंड बायोअभियांत्रिकी, भा.प्रौ.सं मंडी, 30 जनवरी, 2023
- सम्मिश्रों का पुल्ट्रूज़न: द्वारा चुनौतियाँ, सीमाएँ और लाभ, डॉ. पियरपोलो कार्लोन, औद्योगिक अभियांत्रिकी विभाग, सालेर्नो विश्वविद्यालय में विनिर्माण प्रौद्योगिकी और प्रणालियों के प्रो., 31 जनवरी, 2023
- सोशल एआई इन द वाइल्ड: थीम, चुनौतियाँ और भविष्य के निर्देश, चिराग रमन, पीएचडी उम्मीदवार (टी-2 महीने), डेल्फ़्ट यूनिवर्सिटी ऑफ़ टेक्नोलॉजी, 01 फरवरी, 2023
- राघवसिम्हन थिरुनारायणन, स्कॉलर-इन-रेजिडेंस, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, 01 फरवरी, 2023: भारतीय गणित में विभाजन, क्रमपरिवर्तन और संयोजन
- आघात, लचीलापन और (पोस्ट) संघर्ष स्थलों में देखभाल के अभ्यास: लेबनान से एक दृश्य, डॉ लामिया मोगनीह, पोस्टडॉक्टरल अध्येता, कोपेनहेगन विश्वविद्यालय, 06 फरवरी, 2023
- डॉ. अरुण शास्त्री, सह-संस्थापक और मुख्य वैज्ञानिक अधिकारी हनुगेन थेरेप्यूटिक्स, आईआईईसी, 09 फरवरी, 2023 द्वारा डॉ. अरुण शास्त्री: दुर्लभ बीमारियों के इलाज के रूप में विज्ञान को वास्तविकता में अनुवाद करने वाली डार्ट हनुगेन की यात्रा
- अजीत बलराम, रीडर, सैद्धांतिक भौतिकी, गणितीय विज्ञान संस्थान, 09 फरवरी, 2023: क्वांटम हॉल प्रभावों के एक एकीकृत विवरण की ओर
- प्रो. दीपेंद्र प्रसाद, प्रो., भा.प्रौ.सं बॉम्बे, फरवरी 13, 2023: टोरी पर डायोफैंटाइन सन्निकटन
- आणविक बीम माइक्रोवेव स्पेक्ट्रोस्कोपी: संरचना, बंधन और गतिशीलता, प्रो. ई अरुणन, प्रो., आईआईएससी बैंगलोर, फरवरी 14, 2023
- प्रो. राव तुम्माला, एमेरिटस प्रो., जॉर्जिया टेक और भारत सरकार के राज्य मंत्री (इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी) के सलाहकार, भारत को वैश्विक नेता बनाने के लिए सेमीकंडक्टर, पैकेजिंग और सिस्टम के उद्भव में भा.प्रौ.सं और आईआईएससी की भूमिका, फरवरी 14, 2023
- प्रो. नीला नटराज, इंस्टीट्यूट चेयर प्रो., गणित विभाग, भा.प्रौ.सं बॉम्बे, 15 फरवरी, 2023

: चौथे क्रम की प्लेटों के लिए निम्नतम-क्रम समकक्ष गैर-मानक परिमित तत्व विधियाँ

- डॉ. रिचर्ड गैलाघेर, अध्यक्ष और प्रधान संपादक, वार्षिक समीक्षा, 15 फरवरी, 2023: वैज्ञानिक समीक्षाओं का मूल्य
- जीवन की नदी: नंदिनी ओझा, मौखिक इतिहासकार और डिजिटल पुरालेखपाल, और ओरल हिस्ट्री एसोसिएशन ऑफ इंडिया के पूर्व अध्यक्ष: लिखित नर्मदा घाटी का मौखिक इतिहास, 15 फरवरी, 2023
- डॉ सुमुखा एस, पोस्ट, डॉक्टोरल रिसर्च अध्येता, गणित, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, 16 फरवरी, 2023 : रैखिक ऑपरेटरों का उपयोग करते हुए हर्मिटियन जैकोबी फॉर्म का निर्माण
- कौन कहता है कि पढ़ना मज़ेदार नहीं हो सकता?: अरुणाचल के अनुभव , प्रो. सत्यनारायणन मुंडयूर, विद्वान-इन-रेजिडेंस, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, 16 फरवरी, 2023
- डॉ. अनिर्बन चंद्रा, कम्प्यूटेशनल वैज्ञानिक, अरगोन्ने राष्ट्रीय प्रयोगशाला, 20 फरवरी, 2023: सामग्रियों में चरण परिवर्तन की खोज के लिए सुदृढीकरण सीखने पर आधारित एल्गोरिदम
- लैटिस बैंड किनारों पर विषम क्वांटम परिवहन - प्रो. बिजय अग्रवाल, सहायक प्रो., आईआईएसईआर पुणे, फरवरी 21, 2023: गैर-हर्मिटियन ट्रांसफर मैट्रिसेस और आचरण के साथ असाधारण बिंदुओं के बीच संबंध
- डॉ हेमंत अगिवाल, अनुसंधान सहायक, विस्कॉन्सिन-मैडिसन विश्वविद्यालय, 22 फरवरी, 2023 : घर्षण सरफेसिंग और घर्षण हलचल वेल्डिंग का उपयोग करके ठोस अवस्था धातु प्रसंस्करण में प्रगति
- प्रो. वी रविशंकर, प्रो., भौतिकी, भा.प्रौ.सं दिल्ली, 23 फरवरी, 2023: क्वांटम सूचना प्रसंस्करण में 'क्वांटम'
- एक्सास्केल और क्लाउड कंप्यूटिंग के युग में रनटाइम अनुकूलता के साथ समानांतर प्रो. ग्रामिंग, प्रो.. लक्ष्मीकांत काले, समानांतर प्रो. ग्रामिंग प्रयोगशाला और अनुसंधान प्रो. के निदेशक, तथा संगणक विज्ञान के पॉल और सिंथिया सायलर प्रो. एमेरिटस, अर्बाना-शैंपेन, इलिनोइस विश्वविद्यालय 23,फरवरी 2023
- दि ब्रेन गेज: प्रो.फ़ेसर मार्क टॉमरडाहल, सहायक प्रो., बायोमेडिकल अभियांत्रिकी विभाग, उत्तरी कैरोलिना विश्वविद्यालय, 23 फरवरी, 2023: मस्तिष्क स्वास्थ्य का आकलन करने के लिए एक गैर-इनवेसिव विधि
- श्री अनिल मेनन, एक प्रसिद्ध लेखक और संपादक, 23 फरवरी, 2023 :सट्टा कथा की दुनिया
- सौंदर्य प्रसाधन पैलेट: उद्योग से भविष्य के रुझान, डॉ जी पद्मराज, सीओओ और वैज्ञानिक सलाहकार, यूनीक मर्केंटाइल इंडिया लिमिटेड, 24, 2023
- डॉ. आयुमु कोनासुकावा, सहायक प्रो., क्योटो विश्वविद्यालय के ग्रेजुएट स्कूल ऑफ एशियन एंड अफ्रीकन एरिया स्टडीज, 25 फरवरी, 2023: दक्षिण एशिया के इतिहास और पुरातत्व में हालिया प्रगति
- श्री के एस पारेख, सेवानिवृत्त सहयोगी निदेशक, अंतरिक्ष उपयोग केंद्र, अंतरिक्ष उपयोग केंद्र, 25 फरवरी, 2023 : इसरो संचार उपग्रह पेलोड और भविष्य की प्रगति की उत्पत्ति
- प्रो. एशिता मजूमदार, सहायक प्रो., अहमदाबाद विश्वविद्यालय, 27 फरवरी, 2023 : फाइनाइट एबेलियन और नॉन-एबेलियन समूहों के लिए डेवनपोर्ट स्थिरांक
- चरण संक्रमण के पास तरल पदार्थ की गैर-संतुलन गतिशीलता: प्रो. सुतापा रॉय, सहायक प्रो., भौतिकी, भा.प्रौ.सं गांधीनगर : एक सांख्यिकीय यांत्रिकी अध्ययन, 27 फरवरी, 2023
- डॉ विजय डिसूज़ा, निदेशक, नॉर्थ ईस्ट इंस्टीट्यूट ऑफ लैंग्वेज एंड कल्चर, गुवाहाटी, 27 फरवरी, 2023: भाषा उत्पीड़न, सामाजिक बहिष्कार और भाषाई न्याय
- डॉ बालाजी वेंकटेश्वर, साइबर डिफेंस रिसर्चर, साइबरविद्यापीठ फाउंडेशन , 28 फरवरी, 2023: भारतीय डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और साइबर डिफेंस अभियांत्रिकी रिसोर्सिंग क्राइसिस पर लगातार साइबर हमला
- मानव, जलवायु, जल, पृथ्वी और बायोटा का सह-विकास: अगला अध्याय? प्रो. उपमनु लाल, कोलंबिया जल केंद्र के संस्थापक निदेशक, अभियांत्रिकी के एलन और कैरल सिल्बरस्टीन प्रो.,इंटरनेशनल रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर क्लाइमेट एंड सोसाइटी, कोलंबिया विश्वविद्यालय में एक वरिष्ठ शोध वैज्ञानिक, 28 फरवरी, 2023
- आधुनिकतावाद की समग्रता: प्रो. जेम्स मार्टेल, सहायक प्रो., ल्योन कॉलेज, यूएसए, 28 फरवरी, 2023: मार्क्विस डे साडे से टाइटस-कारमेल तक
- डॉ. गायत्री सिंघल, भारतीय कार्यक्रम प्रबंधक, यूनाइटेड स्टेट्स-इंडिया एजुकेशनल फाउंडेशन, नई दिल्ली, 01 मार्च, 2023: अमेरिका में अध्ययन, अनुसंधान और शिक्षण के लिए फुलब्राइट अध्येताशिप के अवसर
- शून्य का मार्ग: श्री महेश रामानुजम, सह-संस्थापक, अध्यक्ष और सीईओ, ग्लोबल नेटवर्क फॉर जीरो, 02 मार्च, 2023: निवेश और नवाचार के माध्यम से लोगों और ग्रह की रक्षा करना
- पुनर्वास रोबोटिक्स और रोज़मर्रा के मानव कार्यों में सुधार प्रो. सुनील अग्रवाल, प्रो., यांत्रिक अभियांत्रिकी और प्रो., पुनर्वास और पुनर्योजी चिकित्सा, कोलंबिया विश्वविद्यालय, 06 मार्च, 2023
- कैंसर इम्यूनोथेरेपी: जादू की गोली? डॉ भवानी शंकर, प्रमुख, इम्यूनोलॉजी अनुभाग, विकिरण जीव विज्ञान और स्वास्थ्य विज्ञान प्रभाग, बीएआरसी, मार्च 06, 2023
- बायोटेक-फ़ार्मा - डॉ. साइमन बेस्ट, अध्यक्ष, एडिनबर्ग बायोक्वार्टर द्वारा दवा की खोज और विकास की चुनौतियाँ, 06 मार्च, 2023
- प्रो. ब्रजेश के दुबे, प्रो., सर्कुलर अभियांत्रिकी, सिविल अभियांत्रिकी विभाग, और अध्यक्ष, जल संसाधन स्कूल, भा.प्रौ.सं खड़गपुर द्वारा पर्यावरण प्रबंधन के लिए परिपत्र अभियांत्रिकी दृष्टिकोण, मार्च 09, 2023
- धर्म वीर, गणित, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, 13 मार्च, 2023: आयाम 2 के कोहेन-मैकाले पोसेट और क्रमचय ग्राफ पर
- मानसिक स्वास्थ्य के बारे में बात करने का समय पर्सी कार्डोज़ो, मनोवैज्ञानिक और प्रो.जेक्ट लीड, संगत, एक गैर-लाभकारी मानसिक स्वास्थ्य संगठन, गोवा (मुख्यालय), 14 मार्च, 2023
- तैयारी, राजनीति और श्रम: ओडिशा और सूरत के बीच, संदीपन त्रिपाठी, पीएचडी छात्र, सिंगापुर के राष्ट्रीय विश्वविद्यालय,15 मार्च, 2023
- मॉन्स्टर सूप और फ्लोटिंग बबल्स: अरघा मन्ना, कलाकार-इन-रेसिडेंस, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, मार्च 16, 2023: कार्टूनिस्टों की प्रतिक्रिया स्वास्थ्य संकट के समय से मियास्मा के समय से लेकर कोविड महामारी तक
- नैनोस्केल संरचना और न्यूक्लिक एसिड नैनोस्ट्रक्चर की लोच, प्रो. प्रबल मैती, प्रो., संघनित पदार्थ सिद्धांत केंद्र, भौतिकी विभाग, आईआईएससी बैंगलोर, 17 मार्च, 2023
- इसरो में महिलाएं: मेरी यात्रा और अनुभव, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, 18 मार्च, 2023, डॉ पारुल पटेल, वैज्ञानिक 'जी' और अंतरिक्ष उपयोग केंद्र में अनुसंधान, बाह्य संपर्क और प्रशिक्षण समन्वय समूह के समूह निदेशक
- मानसिक स्वास्थ्य आज की दुनिया में आपकी सबसे बड़ी संपत्ति है डॉ गोल्डी यादव, पोस्टडॉक्टोरल शोधकर्ता, यूसी लौवेन, बेल्जियम, 18 मार्च, 2023
- प्रो. अनुग्रह सिंह, प्रो., रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग, भा.प्रौ.सं गुवाहाटी, 20 मार्च, 2023: शीयर थिकनिंग सस्पेंशन की रियोलॉजी और माइक्रोस्ट्रक्चर
- प्रो. शर्मिला मांडे, अतिथि प्रो., जैविक अभियांत्रिकी, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, 20 मार्च, 2023: माइक्रोबायोम और व्यक्तिगत स्वास्थ्य देखभाल का भविष्य
- सौम्यरूप बनर्जी, पोस्टडॉक्टोरल अध्येता, गणित विभाग, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, 20 मार्च, 2023: रामानुजन की पहचान एक सामान्य संख्या क्षेत्र में विषम जीटा मूल्यों के लिए
- प्रो. पिनाकी तालुकदार, राहुल बजाज चेयर प्रो. और फैकल्टी के डीन, भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, पुणे, 23 मार्च, 2023: कैंसर को लक्षित करने के लिए कृत्रिम आयन चैनलों का विकास
- डॉ. एचडीआर बेरेनिस बेलिना, सह-संपादक-इन-चीफ, एशियन पर्सपेक्टिव्स, 23 मार्च, 2023:दक्षिण एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया के बीच आदान-प्रदान
- न तो बसने वाला और न ही मूल निवासी: प्रो. महमूद ममदानी, हरबर्ट लेहमन सरकार के प्रो. और नृविज्ञान, राजनीति विज्ञान और मध्य पूर्वी, दक्षिण एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन कोलंबिया विश्वविद्यालय के प्रो., 23 मार्च, 2023 :स्थायी अल्पसंख्यकों का निर्माण और अनिर्माण
- मानव-पशु संपर्क का बहु-प्रॉक्सी पुनर्निर्माण: डॉ. कल्याण शेखर चक्रवर्ती, सहायक प्रो., अशोक विश्वविद्यालय, 25 मार्च, 2023: तीसरी सहस्राब्दी ईसा पूर्व के दौरान गुजरात में निर्वाह अर्थव्यवस्था की एक झलक
- डॉ. राज हिरवानी, एमेरिटस प्रो., एसीएसआईआर, सीएसआईआर-यूआरडीआईपी, एडजंक्ट प्रो., डीएस सेंटर फॉर एंटरप्रेन्योरशिप, भा.प्रौ.सं मुंबई और विजिटिंग प्रो. भा.प्रौ.सं, धारवाड़, 17 मार्च, 202: उत्पादों से लाभ के लिए पेटेंट
- डॉ. श्रीराम बालासुब्रमण्यम, स्वतंत्र शोधकर्ता, अर्थशास्त्री, लेखक, स्तंभकार मानविकी और सामाजिक विज्ञान, 22 मार्च, 2023:आधुनिक समय के लिए कौटिल्यानॉमिक्स
- डिजिटल दुनिया को भरोसेमंद बनाना: श्री मुकुल जोशी, कार्यक्रम निदेशक, आईआईटीबी ट्रस्टप्रयोगशाला, भा.प्रौ.सं बॉम्बे ट्रस्ट प्रयोगशाला, 23 मार्च, 2023
- तरल भूमि: जंगल के किनारे कब्जा और संपत्ति, प्रो. माया रत्नम, सहायक प्रो., स्कूल ऑफ आर्ट्स एंड साइंसेज, अहमदाबाद विश्वविद्यालय, 27 मार्च, 2023

प्रयोगशालाएँ और सुविधाएँ

पुरातत्व विज्ञान प्रयोगशाला

पुरातत्व विज्ञान प्रयोगशाला में पुरातात्विक कलाकृतियों की जांच के लिए सुविधाएँ हैं। इसके अतिरिक्त, उपरोक्त सुविधा में एक नमूना तैयार करने की इकाई के साथ एक सिरेमिक पेट्रोलॉजी प्रयोगशाला भी उपलब्ध है। थिन सेक्शन प्रिपरेशन मशीन अर्थात डिस्कोप्लानटीएस (कटर और ग्राइंडर) और लेबोपोल-30 (पॉलिशर) एएससी में पूरी तरह कार्यात्मक हैं। इस केंद्र में पेट्रोग्राफी प्रयोगशाला में पोलराइजिंग माइक्रोस्कोप (लीका डीएम-4) और स्टीरियो-माइक्रोस्कोप का उपयोग करके तैयार पतले वर्गों/सूक्ष्म नमूनों का अध्ययन किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, पुरातात्विक शोध में केन्द्रीय यंत्रीकरण सुविधा (सीआईएफ) में उपलब्ध उपकरणों की व्यापक मदद ली जाती है। उपयोग किए जाने वाले कुछ महत्वपूर्ण उपकरण एक्सआरडी, एक्सआरएफ, एफटीआईआर और एसईएम हैं। केन्द्रीय यंत्रीकरण सुविधा के तहत क्यू-आईसीपीएमएस और आईसीपी-ओईएस का उपयोग करके रासायनिक विश्लेषण भी किया जा सकता है। एएससी अन्य विषयों के संकाय के साथ भी सहयोग करता है, और संबंधित उपकरण जैसे ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार (जीपीआर), लेजर स्कैनर और धातुकर्म सूक्ष्मदर्शी का उपयोग विभिन्न पुरातात्विक शोधों में किया जाता है।

जैविक अभियांत्रिकी

भा.प्रौ.सं गांधीनगर में जैविक अभियांत्रिकी के विषय ने 2012 में 1 संकाय सदस्य और 2 पीएच.डी. छात्र के एक छोटे समूह के साथ अपना केंद्र खोला। वर्तमान में यह 11 कोर संकाय सदस्यों, अन्य विषयों के कई संबद्ध संकाय सदस्यों और एम. टेक के छात्र और कई प्रतिभाशाली पोस्टडॉक्टोरल शोधकर्ता पीएचडी के एक विविध समूह की मेजबानी की है। हमारे विषय के सदस्यों के अनुसंधान रूचियों में कोशिका और आणविक जीव विज्ञान, जैव रसायन, कैंसर जीव विज्ञान, न्यूरोजीव विज्ञान, डीएनए नैनोटेक्नोलॉजी, बायोचिकित्सा इमेजिंग, कम्प्यूटेशनल जीव विज्ञान, प्लांट डेवलपमेंटल जीव विज्ञान, एलोग्राफ़्ट थेरेपी और बायोमैटिरियल्स और संरचनात्मक जीव विज्ञान शामिल हैं। हमारे संकाय सदस्य अंतःविषय केंद्रों से भी जुड़े हुए हैं जैसे - संज्ञानात्मक एवं मस्तिष्क विज्ञान केंद्र और जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी केंद्र।

जैविक अभियांत्रिकी प्रयोगशाला सुविधाओं में आणविक और सेलुलर जीवविज्ञान सुविधा, कोशिका संस्कृति प्रयोगशाला, सी एलिगेंस सुविधा, क्रिस्टलीकरण प्रयोगशाला, सूक्ष्म जीव विज्ञान प्रयोगशाला, प्रोटिओमिक्स और पेप्टाइड संश्लेषण सुविधा, चिकित्सा अल्ट्रासाउंड अभियांत्रिकी प्रयोगशाला, स्टेम कोशिका और टिश्यू अभियांत्रिकी प्रयोगशाला, प्लांट मॉलिक्यूलर एंड डेवलपमेंटल कोशिका जीव विज्ञान प्रयोगशाला (प्रक्रिया में), जैवपदार्थ और ड्रग डिलीवरी अभियांत्रिकी प्रयोगशाला (प्रक्रिया में);तथा डीएनए अनुक्रमण व विश्लेषण सुविधा शामिल हैं।

आणविक और कोशिकीय जीव विज्ञान सुविधा - जैव रसायन, आणविक जीव विज्ञान और कोशिका जीव विज्ञान में विभिन्न अनुसंधान गतिविधियों का केंद्र है। यह प्रयोगशाला शेकर इनक्यूबेटर, लैमिनार फ्लो हुड, सोनिकेटर, रेफ्रिजरेटेड सेंट्रीफ्यूज, अल्ट्रासेंट्रीफ्यूज, ग्रेडिएंट थर्मोसाइकलर, जेल डॉक्यूमेंटेशन व्यवस्था, वॉटर प्यूरीफायर, अल्ट्रा-लो और कम ताप के फ्रीजर, रियल-टाइम थर्मोसाइकलर, नैनो-ड्रॉप यूवी-विज़ स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, विभिन्न स्तंभों के साथ अल्ट्रा

माइक्रोबैलेंस, मल्टीमोड माइक्रोप्लेट रीडर और फास्ट प्रोटीन लिक्विड क्रोमैटोग्राफी व्यवस्था से सुसज्जित है।

कोशिका कल्चर प्रयोगशाला (सीसीएफ) तीन कोशिका कल्चर प्रयोगशाला (एक प्रयोगशाला बीएसएल2+) जैव सुरक्षा कैबिनेट, सीओ2 इन्क्यूबेटर, सेंट्रीफ्यूज, स्वचालित कोशिका काउंटर, यूवी क्रॉसलिंकर, सोनिकेटर, लिक्विड नाइट्रोजन क्रायोप्रेशर, इनवर्टेड एपिफ़्लोरेसेंस माइक्रोस्कोप और उच्च थ्रूपुट परख अनुप्रयोगों के लिए अल्फा-स्क्रीन परख क्षमताओं के साथ एक मल्टीमोड माइक्रोप्लेट रीडर से सुसज्जित है।

सी एलिगेंस सुविधा एक बीएसएल-1 सुविधा है जो बायो-सेफ्टी कैबिनेट, लैमिनार एयरफ्लो, सीओ2 इनक्यूबेटर, फ्रीजर, थर्मो-मिक्सर, ऑटोक्लेव, रेफ्रिजरेटेड शेकर्स और सेंट्रीफ्यूज, लिक्विड नाइट्रोजन टैंक, माइक्रोइंजेक्शन स्कोप, फ्लोरोसेंट स्टीरियो-ज़ूम माइक्रोस्कोप और बेसिक स्टीरियो-सूक्ष्मदर्शी से सुसज्जित है।

प्रोटिओमिक्स और पेप्टाइड संश्लेषण सुविधा एक मास स्पेक्ट्रोमेट्री सुविधा है जो प्रोटीन और पेप्टाइड्स के लक्षण वर्णन के लिए समर्पित है। यह सुविधा पूर्ण द्रव्यमान लक्षण वर्णन, अनुक्रमण, पीटीएम पहचान, तुलनात्मक प्रोटिओमिक्स और बहुलक विश्लेषण के लिए सॉफ्टवेयर से सुसज्जित मैट्रिक्स असिस्टेड लेज़र डिसोर्शन आयनाइजेशन-टाइम ऑफ फ्लाइट मास स्पेक्ट्रोमीटर (मालडी टीओएफ/टीओएफ एमएस) का केंद्र है। पेप्टाइड संश्लेषण से संबंधित उपकरण और अन्य नमूना तैयार करने वाले उपकरण भी उपलब्ध हैं जैसे कि विश्लेषणात्मक-सह-तैयारी एचपीएलसी, फ्यूम हुड, माइक्रोवेव आधारित पेप्टाइड सिंथेसाइज़र, लियोफिलाइज़र, मैनुअल एसपीपीएस सेटअप, सेंट्रीफ्यूज, रेफ्रिजरेटर और फ्रीजर।

क्रिस्टलीकरण प्रयोगशाला एक क्रिस्टलीकरण इनक्यूबेटर और स्टीरियो-माइक्रोस्कोप से सुसज्जित है।

माइक्रोजीव विज्ञान प्रयोगशाला एक बीएसएल-2 सुविधा है जो लैमिनार एयरफ्लो और इन्क्यूबेटरों से सुसज्जित है।

चिकित्सा अल्ट्रासाउंड अभियांत्रिकी (एमयूएसई) प्रयोगशाला ऊतक लक्षण वर्णन और लोच इमेजिंग, आणविक और कंट्रास्ट वर्धित इमेजिंग, अल्ट्रासाउंड-मध्यस्थ चिकित्सा, ध्वनिक मेट्रोलॉजी और सेंसिंग, और इमेजिंग और थेरेपी के लिए ऊतक-नकल फैंटम में नवाचार के लिए समर्पित इंस्ट्रूमेंटेशन से सुसज्जित है। इस सुविधा में 1 से 35 मेगाहर्ट्ज तक के अल्ट्रासाउंड क्षेत्रों को उत्पन्न करने और संवेदन करने के लिए एक प्रोग्रामेबल रिसर्च अल्ट्रासाउंड इमेजिंग व्यवस्था और उपकरण हैं, जिसमें एक अल्ट्रासाउंड बीम मैपिंग और कैलिब्रेशन व्यवस्था, अल्ट्रासाउंड ट्रांसड्यूसर, हाइड्रोफोन, पल्सर-रिसीवर, मनमाने तरंग जनरेटर, डिजिटल और मिश्रित सिग्नल ऑसिलोस्कोप, और पावर एम्पलीफायर शामिल हैं। प्रयोगशाला में जीपीयू के साथ वर्कस्टेशन और मानक गीले प्रयोगशाला उपकरण, एक वैक्यूम ओवन, एक फ्यूम हुड और एक कैलिब्रेटेड टिशू-मिमिकिंग फैंटम के साथ एक टिश्यू-मिमिकिंग जेल फैंटम फैब्रिकेशन एरिया भी शामिल है।
एमयूएसई प्रयोगशाला में एक प्रोग्रामेबल रिसर्च अल्ट्रासाउंड व्यवस्था है जिसमें हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर तकनीकें हैं जो कच्चे अल्ट्रासाउंड आंकड़ों तक सीधी पहुंच प्रदान करती हैं, जबकि कस्टम सॉफ्टवेयर के साथ उच्च गुणवत्ता वाली रीयल-टाइम इमेजिंग करने की क्षमता को चिकित्सकीय रूप से उपयोगी इमेजिंग फ्रेम दर पर संरक्षित करती हैं। इस प्रणाली को सामान्य प्रोग्रामिंग वातावरण, जैसे मैट्लैब® और C++ के आधार पर परिचित और शक्तिशाली सॉफ़्टवेयर इंटरफेस का उपयोग करके, व्यवस्था के कार्यात्मक घटकों में से प्रत्येक को परिभाषित करने में व्यापक लचीलापन के साथ शोधकर्ता/डेवलपर प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। शोधकर्ता ऐसी प्रणाली का उपयोग करके अल्ट्रासाउंड इमेजिंग और अल्ट्रासाउंड थेरेपी मॉनिटरिंग या डिलीवरी के लिए नए दृष्टिकोणों को गर्भ धारण, कार्यान्वित और मूल्यांकन कर सकते हैं।

स्टेम कोशिका और ऊतक अभियांत्रिकी प्रयोगशाला ऊतकों सहित मेसेंकाईमल स्टेम कोशिका और प्राइमरी कोशिका कल्चर को संभालने के लिए बीएसएल1+ सुविधाएँ हैं। प्रयोगशाला में एक कोशिका रूम शामिल है जिसमें दो जैव सुरक्षा कैबिनेट, एक सीओ2 इनक्यूबेटर और वैक्यूम सुविधाएँ हैं। स्टेम कोशिका रूम के भीतर नमूना तैयार करने के कमरे में वजन संतुलन, पीएच मीटर, स्टिरर, पीसीआर मशीन, एक छोटा माइक्रोस्कोप और जेल उपकरण जैसी आणविक जीव विज्ञान सुविधाएँ शामिल हैं।

वनस्पति आण्विक एवं विकासात्मक कोशिका जीव विज्ञान प्रयोगशाला, सफल परागण के लिए आवश्यक कोशिकाई सिग्नलिंग घटनाओं को समझने में रुचि रखता है। हम शुरुआती पराग-स्त्रीकेसर की बातचीत पर ध्यान केंद्रित करते हैं जो संगत और स्व-असंगत परागण के दौरान होती हैं। हमारे काम का मुख्य ध्यान पौधों के प्रजनन में शामिल प्रमुख अणुओं की खोज करके फसल की उपज में सुधार करना है। हम अपनी प्रयोगशाला में ट्रांसलेशनल रिसर्च भी करते हैं जैसे मूँगफली में तेल की गुणवत्ता में सुधार के लिए जीन संपादन तकनीकों का उपयोग करना और जैविक अनुप्रयोगों के लिए पौधों के स्रोतों से नई नैनो सामग्री विकसित करना। सुविधा और उपकरणों में कार्यात्मक आणविक और कोशिका जीव विज्ञान प्रयोगशाला के लिए आवश्यक सभी उपकरण शामिल होंगे। इनमें पीसीआर मशीन, शेकर इनक्यूबेटर, लैमिनार फ्लो हुड, वैद्युतकणसंचलन इकाइयां, यूवी ट्रांसिल्यूमिनेटर, माइक्रो और मिनी सेंट्रीफ्यूज, पीएच मीटर, हीट ब्लॉक, विच्छेदन माइक्रोस्कोप, एपिफ्लोरेसेंट माइक्रोस्कोप, वनस्पति विकास चैंबर आदि शामिल हैं।

जैवपदार्थ और ड्रग डिलीवरी प्रयोगशाला जैविक अभियांत्रिकी विषय, भा.प्रौ.सं गांधीनगर का अभिन्न अंग है। चिकित्सा, जीव विज्ञान, रासायनिक संश्लेषण, और सामग्री विज्ञान के इंटरफेस पर काम करते हुए हमारा अत्यधिक अंतःविषय और सहयोगी अनुसंधान संयुक्त-विकार (सूजन और संयुक्त-अपक्षयी रोग), कैंसर, माइक्रोबियल सहित महत्वपूर्ण चिकित्सा समस्याओं की एक विस्तृत श्रृंखला के समाधान पर केंद्रित है। संक्रमण, क्रोनिक-डायबिटिक घाव, ऑटो-इम्यून विकार और एलोग्राफ़्ट-अस्वीकृति। भा.प्रौ.सं गांधीनगर में हमारा लक्ष्य अगली पीढ़ी के जैवपदार्थ की क्षमता का पता लगाना है ताकि तत्काल अपूरित क्लिनिकल जरूरतों को पूरा करने के लिए ट्रांसलेशनल किफायती हेल्थकेयर तकनीकों को विकसित किया जा सके। सुविधा और उपकरण में सामग्री, लक्षण वर्णन, जीवाणुरोधी, और स्तनधारी कोशिका संस्कृति के संश्लेषण में सहायक सुविधाएँ / उपकरण शामिल होंगे। इनमें डीएलएस/जेटा,

शेकर इन्क्यूबेटर्स, लैमिनार फ्लो हुड्स, एफटी-आईआर, सीओ2 इनक्यूबेटर, रियोमीटर, सेंट्रीफ्यूज, पीएच मीटर, हीट ब्लॉक्स, प्रोब सोनिकेटर, एनआईआर-लेजर, रोटावापर, प्लेट रीडर आदि शामिल हैं।

डीएनए अनुक्रमण और विश्लेषण सुविधा: यह सुविधा ऑक्सफोर्ड नैनोपोर टेक्नोलॉजी के मिनियन डीएनए सीक्वेंसर से सुसज्जित है। यह प्लेटफ़ॉर्म लंबे समय तक पढ़ने में सक्षम है और इसका उपयोग जीनोमिक और एपिजेनोमिक विश्लेषणों के लिए किया जा रहा है जो हमें सीजीजीबीपी1, क्रोमैटिन जीव विज्ञान और ट्यूमरजेनिसिस में प्रासंगिक आनुवंशिक उत्परिवर्तनीय घटनाओं जैसे जीन के कार्यों को समझने में मदद करता है। इस सुविधा ने चिप का उपयोग करके डीएनए-प्रोटीन इंटरैक्शन के निर्धारण, क्रोमैटिन संरचना और कार्य के विनियमन, दैहिक मोज़ेकवाद और एपिजेनेटिक निशान जैसे कि साइटोसिन मिथाइलेशन के लिए एमईडीआईपी का उपयोग करके कई पाइपलाइनें उत्पन्न की हैं।

फ्लो साइटोमीटर हाई-एंड कोशिका सॉर्टर: बीडी एफएसीएसएएरिया फ्यूजन फ्लो साइटोमीटर हाई-एंड कोशिका सॉर्टर अत्यधिक विषम मिश्रणों के भीतर जैव अणुओं और कोशिकाओं की विभिन्न आबादी की निगरानी के लिए एक शक्तिशाली, संवेदनशील और बेजोड़ तकनीक प्रदान करता है। उपकरण 11 मापदंडों (13 आगे और साइड स्कैटर सहित) के एक साथ माप के लिए तीन ठोस-अवस्था वाले लेसरों का उपयोग करता है। उपकरण के दोनों घटक अर्थात् प्रतिदीप्ति/प्रकीर्णन विश्लेषक और कोशिका सॉर्टर एक इकाई के भीतर रखे जाते हैं जिन्हें प्रकाशिकी के किसी भी कस्टम संरेखण की आवश्यकता नहीं होती है। उपकरण कोशिका चक्र विश्लेषण, कोशिका व्यवहार्यता परख और इम्यूनोफेनोटाइपिंग के साथ-साथ कोशिका सॉर्टिंग और झिल्ली संभावित माप जैसे उच्च अंत अनुप्रयोगों सहित नियमित अनुप्रयोगों को करने में सक्षम है। यह उपकरण भा.प्रौ.सं गांधीनगर में औषधीय रसायन विज्ञान, दवा वितरण प्रणाली, न्यूक्लिक एसिड जैव रसायन, झिल्ली जीव विज्ञान, प्रोटीन-न्यूक्लिक एसिड इंटरैक्शन, बायोमैटेरियल्स विकास, नैनोमेडिसिन और विष विज्ञान को कवर करने वाली अनुसंधान परियोजनाओं की एक विशाल श्रृंखला को लाभान्वित करेगा। उपकरण की विशिष्ट क्षमताओं का मिलान किसी अन्य एकल उपकरण या प्रयोगात्मक दृष्टिकोणों के संयोजन से भी नहीं किया जा सकता है।

जैव एएफएम: ब्रूकर नैनोविजार्ड सेंस एएफएम खरीदा गया था और मार्च 2022 से काम कर रहा है। इस एएफएम की प्रमुख विशेषता यह है कि बायो-एएफएम फ्लोरेसेंस माइक्रोस्कोपी से जुड़ा है और इसमें फेज इमेजिंग, कॉन्टैक्ट इमेजिंग, फोर्स मैपिंग और अन्य सभी संबंधित मॉड्यूल हैं। पूर्ण एकल अणु इमेजिंग सेटअप के लिए। बायो-एएफएम सभी चार रंग इमेजिंग के साथ लीका एपिफ़्लोरेसेंस माइक्रोस्कोप से जुड़ा है। यह समाधान-आधारित इमेजिंग के लिए उपयोगी है जहां झिल्ली, कोशिकाओं आदि को फ्लोरेसेंस और एएफएम मोड में एक साथ इमेज किया जा सकता है। प्रोटीन फोल्डिंग, एग्रीगेशन और सेल्फ-असेंबली जैसे लाइव इवेंट देखे जा सकते हैं। कोशिका और ऊतक इमेजिंग भी संभव है। बायोमोलेक्यूल्स जैसे नमूनों के सूखे और तरल दोनों रूपों, शुद्ध और नमक से मुक्त, अच्छे रिज़ॉल्यूशन पर चित्रित किए जा सकते हैं। नमूनों के तनु और सांद्र दोनों रूपों का विश्लेषण किया जा सकता है।

रासायनिक अभियांत्रिकी

भा.प्रौ.सं गांधीनगर में रासायनिक अभियांत्रिकी पारंपरिक रासायनिक अभियांत्रिकी के साथ-साथ पर्यावरण अभियांत्रिकी और स्थिरता सहित नैनो टेक्नोलॉजी, नैनोबायो अभियांत्रिकी, सॉफ्ट मैटर साइंस, एडवांस्ड मैटेरियल्स, कम्प्यूटेशनल रासायनिक अभियांत्रिकी, फार्मास्युटिकल अभियांत्रिकी आदि जैसे रासायनिक अभियांत्रिकी के आगामी क्षेत्रों का मिश्रण है। विषय बीटेक, एमटेक और पीएचडी कार्यक्रम जैसे विभिन्न कार्यक्रम चला रहा है और उद्योगों सहित विभिन्न फंडिंग एजेंसियों से कई शोध परियोजनाएं चला रहा है।

रासायनिक अभियांत्रिकी ने अंडरग्रेजुएट लैब्स को नामित किया है जहां अवरस्नातक लैब्स आयोजित की जाती हैं। इसके अतिरिक्त, अधिकांश अवरस्नातक छात्र विभिन्न अनुसंधान प्रयोगशालाओं तक पहुँचते हैं और अनुसंधान परियोजनाओं पर काम करने का अवसर प्राप्त करते हैं। रासायनिक अभियांत्रिकी के छात्रों की विभिन्न तक पहुंच है अनुकार उपकरण जैसे एएनएसयाईएस, एसटीएआर-सीसीएम, ऐस्पनटेक स्वीट, मैट्लैब आदि। इसके अतिरिक्त, इसके अलावा, इस विषय में निम्नलिखित अनुसंधान प्रयोगशालाओं से सुसज्जित है जो स्नातक और स्नातक कार्यक्रमों में अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय रूप से शामिल हैं।

कोलाइडल अभियांत्रिकी प्रयोगशाला: यह प्रयोगशाला फार्मास्युटिकल और बायोचिकित्सा अनुप्रयोगों के लिए नैनोकणों के संश्लेषण, क्रिस्टलीकरण, दवा बहुरूपता और माइक्रोबबल अभियांत्रिकी में सक्रिय अनुसंधान में शामिल है। प्रयोगशाला में 40 एनएम - 2 माइक्रोन की सीमा में कण आकार के माप के लिए एक जांच सोनिकेटर (सोनिक्स वीसी 505), एक कण आकार विश्लेषक (बेकमैन कल्टर एलएस 13320) और कण आकार देने वाली प्रणाली (पीएसएसएस) जीटा विश्लेषक (एनआईसीओएमपी380 जेडएलएस) नैनोपार्टिकल्स, मार्टिन क्राइस्ट फ्रीज ड्रायर (अल्फा 1-4 एलडी प्लस और अल्फा 2-4 एलएससी, मार्टिन क्राइस्ट, जर्मनी) उच्च दबाव पोत (ऑपरेटिंग स्थितियां: 200 बार, और 100o सी), कण के जलीय निलंबन की जीटा क्षमता का अनुमान आकार विश्लेषक (पीएसएस निकोंप एक्यूसाइज़र 780 एडी), ऑप्टिकल माइक्रोस्कोप (निकॉन टीएस 100एफ), हाई-स्पीड कैमरा (फोट्रॉन यूरोप, मॉडल: फास्टकैम मिनी), इन-सीटू रमन जांच (कैसर यूएसए, मॉडल: आरएक्सएन -1 785), समाधान कैलोरीमीटर (पार यूएसए, मॉडल: 6755ईई), वाटर बाथ, ग्लास जैकेटेड रिएक्टर, क्लीन बेंच कैबिनेट, कंप्यूटर वर्कस्टेशन, आदि मौजूद हैं।

सॉफ्ट पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी प्रयोगशाला: यह प्रयोगशाला सक्रिय रूप से तनाव और तनाव नियंत्रित घूर्णी रियोमीटर, ऑप्टिकल माइक्रोस्कोप, कोलाइडल लक्षण वर्णन के लिए उपकरणों में प्रायोगिक अनुसंधान कर रही है। प्रयोगशाला में निम्न उपकरण हैं; रियोमीटर, ऑप्टिकल माइक्रोस्कोप, टेन्सियोमीटर, रेफ्रिजरेटेड और हीटेड सर्कुलेटरी बाथ (मॉडल: आईसी301-के3), डीएलएस और ज़ेटा पोटेंशियल मेजरमेंट इंस्ट्रूमेंट (ब्रूकहेवें), रेफ्रिजरेटेड टेबलटॉप सेंट्रीफ्यूज, सर्वो स्टेबलाइजर के साथ एक संगणक कार्यस्टेशन।

शुष्क प्रक्रिया प्रौद्योगिकी (ड्राईप्रोटेक) प्रयोगशाला: यह प्रयोगशाला सूक्ष्म कणों और पाउडर सामग्री पर सक्रिय रूप

से काम कर रही है। अत्याधुनिक ड्राईप्रोटेक प्रयोगशाला में कई परिष्कृत उपकरण हैं जैसे सतह ऊर्जा विश्लेषक (इनवर्टेड गैस क्रोमैटोग्राफी), नेटज़्स्च से एक साथ टीजी-डीएससी, एफटी4 पाउडर रियोमीटर (फ्रीमैन टेक्नोलॉजी), लक्षण वर्णन के लिए लेजर विवर्तन कण आकार विश्लेषक (सीआईएलएएस) सूखे और गीले मोड में। इसके अतिरिक्त, प्रयोगशाला प्रदर्शन का अध्ययन करने के लिए वी-ब्लेंडर और कोन-मिल (प्रिज्म फार्मा), आर्द्रता-नियंत्रित दस्ताना बॉक्स और इलेक्ट्रोस्टैटिक चार्ज माप सुविधा के साथ फैराडे कप, प्लैनेटरी बॉल मिल, फर्नेस चैम्बर, ट्यूब भट्टियां, उत्प्रेरक रिएक्टर से सुसज्जित है। उत्प्रेरक पाउडर, आदि। प्रयोगशाला में एक स्किड-माउंटेड फैब्रिकेटेड सीओ भी शामिल है2 कैप्चर सेट अप जो सीओ2 अवशोषण अध्ययन के लिए कुछ ग्राम नमूनों को संभाल सकता है।

अग्नि अनुसंधान प्रयोगशाला: यह प्रयोगशाला विभिन्न नई सामग्रियों का उपयोग करके अग्नि शमन और अग्निरोधी सामग्री के लिए नई तकनीक की खोज कर रही है। प्रयोगशाला में एक कोन कैलोरीमीटर (एफएफटी, यूके; मॉडल: आईकोने मिनी) है, जिसे अग्नि परीक्षण में सबसे महत्वपूर्ण बेंच-स्केल उपकरण माना जाता है। घटना गर्मी प्रवाह के तहत सामग्री की गर्मी निष्पादन दर (एचआरआर) को मापने के लिए मानकीकरण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगठन (आईएसओ 5660-1) द्वारा इस उपकरण को अंगीकृत किया गया है। नमूना अधिकतम 100 kW/m2 ऊष्मा प्रवाह के संपर्क में आ सकता है। यह उपकरण दहन गैसों का विश्लेषण करता है और परीक्षण नमूने से उत्पन्न धुएं के साथ-साथ प्रज्वलन और जन-हानि दर के समय को मापता है। इस बेंच-स्केल टेस्ट से एकत्र किए गए आंकड़ों का उपयोग फायर मॉडलिंग, रियल-स्केल फायर व्यवहार की भविष्यवाणी, उत्तीर्ण/अनुत्तीर्ण परीक्षा आदि के लिए किया जा सकता है।

पॉलिमर अभियांत्रिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (पर्ल): यह प्रयोगशाला स्व-दोलनशील रासायनिक प्रतिक्रियाओं, आकार स्मृति पॉलिमर, स्मार्ट सॉफ्ट सामग्री, बहुलक प्रसंस्करण, बहुलक जैल और कंपोजिट और पैटर्न निर्माण के क्षेत्रों में प्रयोगात्मक और कम्प्यूटेशनल दोनों कार्यों में शामिल है। प्रयोगशाला अत्याधुनिक वर्कस्टेशन और उच्च प्रदर्शन क्लस्टर तक पहुंच सहित कम्प्यूटेशनल सुविधाओं से सुसज्जित है। प्रायोगिक सुविधाओं में फ्रीज-सुखाने, सेंट्रीफ्यूज, रेफ्रिजेरेटेड और हीटेड सर्कुलेटिंग कूलिंग बाथ (आईसी 301- के3), बाथ सोनिकेटर, मैग्नेटिक स्टिरर (तापमान संवेदक के साथ), वैक्यूम पंप, के लिए लियोफिलाइज़र (मार्टिन क्राइस्ट, अल्फा 2-4 एलएससी बेसिक), क्लीन बेंच कैबिनेट आदि शामिल हैं। हम पॉलीमर ब्लेंडिंग पॉलिमर के लिए पैलेट या पाउडर के रूप में, हॉट प्रेस मशीन और जेल पर्मीएशन क्रोमैटोग्राफी इंस्ट्रूमेंट के लिए पॉलीमर एक्सट्रूडर/मिक्सर खरीदने की प्रक्रिया में हैं।

कम्प्यूटेशनल तर्कसंगत डिजाइन प्रयोगशाला: यह प्रयोगशाला तर्कसंगत रूप से ठोस सामग्रियों को डिजाइन करने के लिए कम्प्यूटेशनल तरीकों को विकसित करने में शामिल है जो प्रक्रिया-स्थितियों के लिए वांछित प्रतिक्रिया दिखाती है। प्रयोगशाला चार उच्च प्रदर्शन वाले कंप्यूटर वर्कस्टेशन से सुसज्जित है जिनका उपयोग आणविक और नैनो पैमानों पर सिमुलेशन करने के लिए किया जाता है। कार्यस्टेशन जैविक और कृत्रिम प्रणालियों के आणविक गतिशीलता और मोंटे कार्लो सिमुलेशन करने के लिए सॉफ्टवेयर से सुसज्जित हैं, और सिमुलेशन-परिणामों के दृश्य के लिए ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) से सुसज्जित हैं। उन्नत मोंटे कार्लो सिमुलेशन करने के लिए उपयोग किए जाने वाले कंप्यूटर प्रोग्रामों को विकसित करने और परीक्षण करने के लिए वर्कस्टेशन का भी उपयोग किया जाता है।

सीआरटीडीएच प्रयोगशाला :सीआरटीडीएच: यह प्रयोगशाला रासायनिक प्रक्रिया और अपशिष्ट जल से संबंधित अनुसंधान के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं में से एक है। प्रयोगशाला मौलिक विश्लेषण के लिए इंडक्टिवली कपल्ड प्लाज्मा - मास स्पेक्ट्रोमेट्री (आईसीपी-एमएस)/-ऑप्टिकल एमिशन स्पेक्ट्रोमेट्री (आईसीपी-ओईएस), कार्बन सामग्री के लिए टोटल ऑर्गेनिक कार्बन (टीओसी) एनालाइजर, मल्टी-मोड प्लेट रीडर जैसे परिष्कृत उपकरणों से सुसज्जित है। उत्पादों और कच्चे माल के ऑप्टिकल गुणों का निर्धारण करने के लिए माइक्रोबियल अध्ययन, फ्लोरेसेंस स्पेक्ट्रोमीटर और यूवी-विज़ स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, मिश्रित पहचान के लिए उच्च-प्रदर्शन पतली परत क्रोमैटोग्राफी (एचपीटीएलसी), गैस विश्लेषण के लिए गैस क्रोमैटोग्राफी और पाउडर में तरल से ठोस प्रसंस्करण के लिए स्प्रे ड्रायर फॉर्म, क्विक सीओडी और फर्मेंटर, सेंट्रीफ्यूज मशीन आदि। इस सुविधा में जैविक ऑक्सीजन डिमांड (बीओडी), रासायनिक ऑक्सीजन डिमांड (सीओडी), टोटल बाउंड नाइट्रोजन (टीएनबी) और टोटल डिसॉल्व्ड सॉलिड्स (टीडीएस) जैसी पानी की गुणवत्ता परीक्षण सुविधाएँ भी हैं।

पायलट संयंत्र सुविधाएँ:डिसिप्लिन में प्रोसेस स्केल-अप के लिए कई सेट अप से सुसज्जित पायलट प्लांट सुविधा भी है। इस सुविधा में निम्न उपकरण उपलब्ध हैं - 20 एल डिस्टिलेशन कॉलम (ग्लास), हाई प्रेशर रिएक्टर, रोटेटिंग डिस्क एक्सट्रैक्शन कॉलम (ग्लास), 1100 एल एसएस रिएक्टर (टेफ्लॉन कोटेड) एजिटेटर के साथ, हीटिंग और कूलिंग व्यवस्था के साथ 50 एल जैकेटेड रिएक्टर, एसएस 316 बास्केट सेंट्रीफ्यूज, स्प्रे ड्रायर, एनआई डीएक्यू, 30 L टेफ्लॉन कोटेड टू स्टेज एसएस रिएक्टर, 1000 L स्किड माउंटेड एसटीपी प्लांट, मेम्ब्रेन डिस्टिलेशन और फॉरवर्ड ऑस्मोसिस के लिए स्किड, 1 kL एमबीआर प्लांट, रिवर्स ऑस्मोसिस सेट अप (~10) एलपीएम प्रवाह दर) टीडीएस कटौती के लिए, 5 एल अनुक्रमिक निरंतर स्टिरर्ड टैंक रिएक्टर, 1000 एल एचडीपीई टैंक, 150 एल ग्लास लाइन रिएक्टर, 22 एल फोटोबायोरिएक्टर। उद्योग भागीदारों के लिए भी सुविधाएँ खुली हैं।

स्मार्ट सामग्री प्रयोगशाला:स्मार्ट सामग्री प्रयोगशाला का उद्देश्य बहु-विषयक परियोजनाओं के लिए उन्नत समाधान प्रदान करने हेतु रासायनिक अभियांत्रिकी, सामग्री विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार से प्रौद्योगिकियों के एकीकरण की खोज करना है। एसएमएल अलग-अलग परिस्थितियों में सामग्रियों के व्यवहार के पीछे मौलिक विज्ञान की व्यापक समझ हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। सामग्री के अद्वितीय गुणों का लाभ उठाकर, एसएमएल पहनने योग्य इलेक्ट्रॉनिक्स, बायोसेंसर, नियंत्रित खेती और माइक्रोफ्लूडिक डिवाइस निर्माण प्रौद्योगिकियों जैसे संवेदन अनुप्रयोगों के लिए नवीन उपकरणों को बनाने का प्रयास कर रहा है।

हरित उत्प्रेरण (जीसी) प्रयोगशाला:जीसी प्रयोगशाला कैनेटीक्स अध्ययन के साथ सीटू स्पेक्ट्रोस्कोपिक तकनीकों द्वारा निर्देशित उत्प्रेरक डिजाइन पर केंद्रित है। हमारा लक्ष्य

"हरित" उत्प्रेरक विकसित करना है जो मूल्य वर्धित रसायनों और ईंधन के उत्पादन के लिए पर्यावरण की दृष्टि से सौम्य अभिकारक का उपयोग करते हैं। विभिन्न बैच और निरंतर रिएक्टरों का उपयोग करके विभिन्न विषम प्रतिक्रियाओं की एक विस्तृत यंत्रवत समझ विकसित की जाती है। इसके अतिरिक्त, हम नैनोकण संश्लेषण, लक्षण वर्णन और गतिज अध्ययन के लिए उपकरणों से सुसज्जित हैं। वर्तमान में, हम टाइम-ऑन-स्ट्रीम रेट आंकड़े एकत्र करने के लिए मास स्पेक्ट्रोमीटर से जुड़े फ्लो रिएक्टर के साथ एक सुविधा स्थापित करने की प्रक्रिया में हैं।

रसायन विज्ञान

स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए विभिन्न प्रकार की शिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों के लिए रसायन विज्ञान विषय की प्रयोगशाला अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। श्लेन्क लाइनों से सुसज्जित धूआं हुड गीले रासायनिक सिंथेटिक काम के एक बड़े हिस्से को पूरा करते हैं। एक निष्क्रिय वातावरण के तहत रासायनिक प्रतिक्रियाओं को करने के लिए विषय में एक दस्ताना भी है। संस्थान में परिष्कृत उपकरणों में 500 MHz एनएमआर, सिनैप्ट G2S ईएसआई-क्यू-टीओएफ मास स्पेक्ट्रोमीटर, स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप, परमाणु बल माइक्रोस्कोप (एएफएम), एमएएलडीआईटीओएफ और एक सिंगल-क्रिस्टल एक्स-रे डिफ्रेक्टोमीटर, चक्रीय वाल्टामीटर, एक वृत्ताकार द्वैतवाद स्पेक्ट्रोमीटर, बीईटी सतह क्षेत्र विश्लेषक, इज़ोटेर्माल अनुमापन कैलोरीमीटर, तेज़ प्रोटीन तरल क्रोमैटोग्राफी, टीजीएडीएससी, गैस क्रोमैटोग्राफी, एफटीआईआर स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, यूवी-विज़ उपकरणों (परावर्तक सहायक और 8-कोशिका पेल्टियर इकाई के साथ) से युक्त अनुसंधान उपकरण शामिल हैं। विश्लेषणात्मक एचपीएलसी, पेल्टियर कूलिंग के साथ स्पेक्ट्रोफ्लोरोमीटर, पोलराइज़र और सॉलिड-स्टेट एक्सेसरीज़ का उपयोग शिक्षण और अनुसंधान दोनों के लिए किया जाता है। विषय में अत्याधुनिक ऑप्टिकल माइक्रोस्कोपी सेटअप भी है जो कन्फोकल और वाइड फील्ड डिटेक्शन में एकल अणुओं और नैनोकणों की इमेजिंग करने में सक्षम है। ईएमसीसीडी कैमरा और उन्नत गैस क्रोमैटोग्राफी जैसे उपकरण खरीदे जा रहे हैं। प्रारंभिक उच्च-प्रदर्शन तरल क्रोमैटोग्राफी (प्रेप-एचपीएलसी) को पेप्टाइड्स को शुद्ध करने और जैविक अध्ययन के लिए उच्च शुद्धता और मात्रा वाले छोटे अणुओं को शुद्ध करने के लिए खरीदा गया है। इसके अतिरिक्त, एक प्रवाह साइटोमेट्री उपकरण भी फ्लोरोसेंटली लेबल वाली एकल कोशिकाओं का पता लगाने और सॉर्ट करने के लिए अधिग्रहित किया गया है। विभिन्न एपोप्टोटिक अवस्थाओं में कोशिकाओं का पता लगाने के लिए यह फ्लो साइटोमीटर भी अत्यधिक उपयोगी है। एक मल्टी-एंगल डायनामिक लाइट स्कैटरिंग (एमएडीएलएस) भी खरीदा गया है जो माइक्रोलिटर वॉल्यूम से उच्च सटीकता के साथ नैनो/सूक्ष्म कणों के आकार और सतह आवेश को माप सकता है। कोशिकाओं के अंदर उच्च थ्रूपुट वाले छोटे अणुओं को स्क्रीन करने के लिए एक मल्टी प्लेट रीडर भी स्थापित किया गया है। एक C3- उच्च दाब होमोजेनाइज़र भी लगाया गया है। इन उपकरणों ने रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, भौतिक विज्ञान और नैनोफोटोनिक्स को कवर करने वाले अंतःविषय क्षेत्रों में विषय की क्षमताओं में काफी वृद्धि की है।

हाल ही में, हमने लेनोवो थिंकसिस्टम एसआर860 वी2 खरीदा है जो 4यू चेसिस के साथ एक रैक-माउंटेबल जी पीयू-सक्षम सर्वर है। सर्वर में इंटेल क्षेओन प्लेटिनम 8380एच प्रोसेसर, 512 जीबी डीडीआर4 (2933MHz) मेमोरी और 64 टीबी डिस्क स्थान है। व्यवस्था सेन्टऑस8 के साथ कॉन्फ़िगर किया गया है, और कई एप्लिकेशन संगत हैं। सर्वर से उच्च-प्रदर्शन क्वांटम यांत्रिक सिमुलेशन के लिए महत्वपूर्ण संसाधन उपलब्ध कराने की उम्मीद है।

सिविल अभियांत्रिकी

सिविल अभियांत्रिकी विषय ने संरचनात्मक अभियांत्रिकी, भू-तकनीकी अभियांत्रिकी, जल संसाधन अभियांत्रिकी और सर्वेक्षण/जीआईएस के क्षेत्रों में प्रयोगशालाओं का विकास किया है।

संरचनात्मक अभियांत्रिकी प्रयोगशाला: संरचनात्मक अभियांत्रिकी प्रयोगशाला में अवरस्नातक छात्रों के लिए निम्नलिखित सामग्री परीक्षण सुविधाएँ हैं: मानक स्थिरता, सीमेंट पेस्ट का प्रारंभिक/अंतिम सेटिंग समय; सीमेंट की सुदृढ़ता; रेत का जमाव; कंक्रीट की सुकार्यता के लिए मंदी परीक्षण; संघनन कारक परीक्षण; वी बी कंसिस्टोमीटर परीक्षण; सीमेंट का विशिष्ट गुरुत्व; सीमेंट की महीनता; महीनता मापांक, विशिष्ट गुरुत्व, महीन/मोटे समुच्चय का थोक घनत्व; मोटे समुच्चय का बढ़ाव और परतदारता सूचकांक; कुल प्रभाव मूल्य; कुल घर्षण मूल्य (लॉस एंजिल्स परीक्षण); सीमेंट क्यूब और मोर्टार क्यूब की कंप्रेसिव स्ट्रेंथ 73; कंक्रीट घन की संपीड़न शक्ति (नाममात्र मिश्रण के अनुसार); कंक्रीट क्यूब की कंप्रेसिव स्ट्रेंथ (मिक्स डिजाइन के अनुसार); अल्ट्रासोनिक पल्स वेलोसिटी टेस्ट द्वारा कंक्रीट की कंप्रेसिव स्ट्रेंथ; रिबाउंड हैमर द्वारा कंक्रीट की कंप्रेसिव स्ट्रेंथ; कंक्रीट में हवा की मात्रा का पता लगाना; ठोस पैठ प्रतिरोध; बिटुमेन की प्रवेश गहराई; बिटुमेन का फ्लैश और फायर पॉइंट; टार की चिपचिपाहट; ईंट का फूलना; लकड़ी का जल अवशोषण; पेंट की चिपचिपाहट; पेंट की सूक्ष्मता। प्रयोगशाला में उन्नत कंडीशनिंग और परीक्षण जैसे उपकरण 300 टन संपीड़न परीक्षण मशीन, आटोक्लेव, मध्यम आकार की भट्टी, भाप कक्ष, कंक्रीट स्क्रू पंप और संरचनात्मक विश्लेषण तथा वस्तु स्थानीयकरण के लिए कई परतों में एम्बेडेड ऑब्जेक्ट्स का पता लगाने के लिए, 300 मिमी गहराई कुशल कंक्रीट स्कैनर डिवाइस भी हैं।

भू-तकनीकी अभियांत्रिकी प्रयोगशाला: भू-तकनीकी अभियांत्रिकी प्रयोगशाला बुनियादी मिट्टी परीक्षण के साथ-साथ उच्च अनुसंधान उपकरणों से सुसज्जित है। मिट्टी की गतिशीलता प्रयोगशाला बड़े (भूकंप) और छोटे तनाव (कंपन) परीक्षण से सुसज्जित है। बड़ा तनाव गतिशील लोडिंग: चक्रीय त्रिअक्षीय परीक्षण सेटअप (0.01 - 2 हर्ट्ज, तनाव नियंत्रित); इलेक्ट्रो-यांत्रिक डायनेमिक ट्राइएक्सियल टेस्ट सेटअप (0.01 - 10 हर्ट्ज, तनाव और तनाव नियंत्रित, K0, तनाव-पथ, उपयोगकर्ता परिभाषित तरंग, 10000 चक्र चलने की क्षमता), चक्रीय सरल कतरनी सेटअप (0.001 - 5 हर्ट्ज, तनाव और तनाव नियंत्रित) 10,000 लोडिंग चक्रों तक मिट्टी के द्रवीकरण, कतरनी मापांक और नमी अनुपात के मूल्यांकन के लिए। छोटे स्ट्रेन डायनेमिक लोडिंग: K0, स्ट्रेस पाथ, आइसोट्रोपिक, यूयू ,सीयू, सीडी कम्प्रेशन और एक्सटेंशन लोडिंग स्थितियों के तहत अपरूपण मापांक निर्धारित करने के लिए बेंडर एलिमेंट व्यवस्था। अपरूपण शक्ति सुविधा में संसंजनहीन मृदाओं के लिए प्रत्यक्ष अपरूपण सेटअप, संसक्त मृदाओं के लिए असंबद्ध संपीडन (यूसी) परीक्षण, मुलायम मृदाओं के लिए वेन अपरूपण परीक्षण, और डीएक्यू के साथ त्रिअक्षीय सेटअप और सभी

प्रकार की मृदाओं के लिए विश्लेषण सॉफ्टवेयर शामिल हैं। दबाव/विस्तार लोडिंग (यू यू, सीयू, सीडी परीक्षण), K0 समेकन और तनाव पथ परीक्षण के लिए ताकना दबाव और मात्रा परिवर्तन माप सुविधाएँ उपलब्ध हैं। विभिन्न प्रकार के जियोसिंथेटिक्स मृदा प्रणाली के इंटरफ़ेस व्यवहार का अध्ययन करने के लिए बड़ा प्रत्यक्ष कतरनी सेटअप भी उपलब्ध है। ड्यू पॉइंट पोटेंशियोमीटर बारीक दाने वाली मिट्टी के कुल सक्शन (0 - 300 एमपीए), मोटे दाने वाली मिट्टी के लिए पारंपरिक टेन्सियोमीटर और सभी प्रकार की मिट्टी के मैट्रिक सक्शन के लिए फिल्टर पेपर सेटअप निर्धारित करने के लिए उपलब्ध है। इस सुविधा में महीन और मोटे दाने वाली मिट्टी की पारगम्यता के लिए गिरने और निरंतर शीर्ष उपकरण, चार 3-गैंग ओडोमीटर (1डी समेकन) सेटअप, प्रॉक्टर सेटअप, सबग्रेड मिट्टी की ताकत के लिए सीबीआर, सीव शेकर, हाइड्रोमीटर, एटरबर्ग सीमा (एलएल) शामिल हैं। , पीएल, एसएल), प्रफुल्लित दबाव, विशिष्ट गुरुत्व, सापेक्ष घनत्व, कोर कटर, रेत प्रतिस्थापन, कार्बनिक पदार्थ मूल्यांकन, ऑप्टिकल और डिजिटल एलसीडी माइक्रोस्कोप के लिए मफल्ड फर्नेस (900oC)। क्षेत्र परीक्षण प्रयोगशाला में मोटर चालित एंकरिंग प्रणाली के साथ 300 kN क्षमता का प्लेट लोड परीक्षण, मानक प्रवेश परीक्षण, स्वचालित फ्रीफॉल हैमरिंग प्रणाली के साथ गतिशील शंकु प्रवेश परीक्षण, क्षेत्र संघनन के लिए कंपन प्लेट कम्पेक्टर, क्षेत्र पारगम्यता सेटअप, जमीन प्रवेश है। रडार (जीपीआर) मोनो और बिस्टैटिक संचालन के साथ 100 मेगाहर्ट्ज, 400 मेगाहर्ट्ज के साथ बिस्टैटिक ऑपरेशन और 200 मेगाहर्ट्ज और 900 मेगाहर्ट्ज के साथ मोनोस्टैटिक ऑपरेशन के साथ 20-80 मल्टी फ्रीक्वेंसी एंटीना, सतह तरंगों के मल्टीचैनल विश्लेषण (एमएएसडब्ल्यू) भूकंपीय अपवर्तन/परावर्तन सर्वेक्षण और डाउनहोल/क्रॉसहोल परीक्षणों के प्रावधान के साथ सेटअप के साथ सुविधा प्रदान करता है। प्रयोगशाला में निम्नलिखित उपकरण विकसित किए गए थे: वास्तविक समय प्रतिक्रिया नियंत्रण प्रणाली के साथ लचीली सीमा प्रणाली के साथ बहु-अक्षीय क्यूबिकल डिवाइस, मिट्टी के सच्चे-त्रिअक्षीय और समतल तनाव परीक्षण करने में सक्षम, तनाव की निरंतर दर (सीआरएस) समेकन सेटअप, गारा समेकन सेटअप महीन दाने वाली मिट्टी के रीमोल्डेड नमूने तैयार करने के लिए।

जल संसाधन अभियांत्रिकी प्रयोगशाला: जल संसाधन अभियांत्रिकी प्रयोगशाला में शिक्षण उद्देश्यों के लिए निम्नलिखित उपकरण हैं: एक हाइड्रोलिक बेंच, पिटोट ट्यूब, रेनॉल्ड्स उपकरण, शार्प-क्रेस्टेड वियर (नॉच), बर्नौली उपकरण, वेंचुरीमीटर और ऑरिफिसमीटर, नोजल मीटर, हाइड्रोलिक टिल्टिंग फ्लूम, बुनियादी जल विज्ञान उपकरण, मुक्त और मजबूर भंवर प्रवाह उपकरण। उपर्युक्त के अतिरिक्त, एक नदी ट्रे जिसमें तटबंध भंग की सुविधा है, एक स्वचालित हाइड्रोलिक टिल्टिंग फ्लूम और एक पाइपिंग प्रणाली का अध्ययन करने के लिए अनुसंधान उद्देश्यों के लिए उपयोग किया जा रहा है। एक 3डी वेग मापन उपकरण, ध्वनिक डॉपलर वेलोसीमीटर का उपयोग फ्लूम प्रयोगों में किया जाता है।

सर्वेक्षण और जीआईएस प्रयोगशाला: सर्वेक्षण और जीआईएस प्रयोगशाला को विभिन्न उच्च स्तरीय सर्वेक्षण उपकरण और जीआईएस सॉफ्टवेयर की खरीद के साथ विकसित किया गया है। सर्वेक्षण उपकरण में उन्नत एकीकृत सर्वेक्षण किट शामिल है जिसमें कीनेमेटिक जीपीएस, रोबोटिक कुल स्टेशन और संबंधित क्षेत्र और कार्यालय सॉफ्टवेयर शामिल हैं। यह जीपीएस और कुल स्टेशनों को एक सामान्य फ़ाइल और यूजर इंटरफेस प्रदान करता है जो एक दूसरे के पूरक हैं। एकीकृत सर्वेक्षण एक ऐसा मंच प्रदान करता है जहां जीपीएस तकनीक व्यापक ट्रैवर्सिंग की आवश्यकता के बिना कुल स्टेशन सर्वेक्षण का विस्तार कर सकती है। इसके अतिरिक्त कई टोटल स्टेशन, ऑटो लेवल, डिजिटल लेवल और हैंडहेल्ड जीपीएस भी खरीदे गए हैं, जिनका उपयोग उन्नत एकीकृत सर्वेक्षण किट के अतिरिक्त किया जाएगा। शिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों में जीआईएस विश्लेषण करने के लिए बहुउपयोगकर्ता आर्कजीआईएस जानकारी किट खरीदी जाती है। आर्कजीआईएस पैकेज सैटेलाइट आंकड़ों को संभालने के लिए पहले से मौजूद इमेज प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर को जोड़ेगा।

संज्ञात्मक विज्ञान

भा.प्रौ.सं गांधीनगर में संज्ञानात्मक विज्ञान प्रयोगशाला में कई अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधाएँ और उपकरण हैं। इन अनुसंधान सुविधाओं का उपयोग करते हुए, मानव अनुभूति के अध्ययन के साथ मस्तिष्क तंत्र को जोड़ने वाले अनुसंधान प्रश्नों को संबोधित करना संभव हो गया है। अनुसंधान सुविधा का विवरण नीचे दिया गया है,

आई ट्रैकिंग: आई-ट्रैकिंग सुविधा में एक टोबी टीएक्स 300 आई-ट्रैकर शामिल है और यह टोबी स्टूडियो™ आईट्रैकिंग सॉफ़्टवेयर के साथ आता है। यह एक अत्याधुनिक आई-ट्रैकिंग सुविधा है जो सैकेड, करेक्शन सैकेड, फिक्सेशन अवधि, पुतली के आकार और ब्लिंक से संबंधित आंकड़ों एकत्र कर सकती है। सुविधा में टोबी टूलबॉक्स भी शामिल है, जो मैट्लैब का उपयोग करके आंकड़ों संग्रह का समर्थन करता है, इस प्रकार प्रयोगात्मक डिजाइन के लिए टोबी स्टूडियो के उपयोग को कम करता है। टोबी के एक्सटेंशन के माध्यम से ई प्राइम के लिए समर्थन भी उपलब्ध है।

उच्च घनत्व इलेक्ट्रोएन्सेफेलोग्राफी (ईईजी): 128-चैनल जियोडेसिक सेंसर नेट के साथ एक उच्च-घनत्व ईईजी प्रणाली उपलब्ध है जो प्रतिभागियों के लिए त्वरित अनुप्रयोग के लिए खारा-आधारित है। प्रोत्साहन प्रस्तुति के लिए व्यवस्था ई-प्राइम और मैट्लैब के साथ एकीकृत है। नेटस्टेशन सॉफ्टवेयर का उपयोग आंकड़ों को रिकॉर्ड करने और प्रोसेस करने के लिए किया जाता है। आंकड़ों को ओपन-सोर्स और मैट्लैब में ईईजीलैब जैसे लोकप्रिय प्रोसेसिंग टूलबॉक्स में भी निर्यात किया जा सकता है। सॉफ्टवेयर क्षमताओं में ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेसिंग एप्लिकेशन के लिए 8 किलोहर्ट्ज तक के कच्चे आंकड़ों के वास्तविक समय के नमूने के लिए एक ऐम्पसर्वर प्रो लाइसेंस शामिल है। ईईजी व्यवस्था अब एक साथ आंखों की ट्रैकिंग और ईईजी रिकॉर्डिंग के लिए स्थापित किया गया है।

मस्तिष्क उत्तेजना: सुविधाओं में मस्तिष्क के गैर-इनवेसिव उत्तेजना के लिए एक ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना (टीएमएस) प्रणाली शामिल है। टीएमएस प्रणाली एक न्यूरोनेविगेशन प्रणाली के साथ युग्मित है जो उत्तेजना के मस्तिष्क क्षेत्रों को स्थानीय बनाने के लिए एकल या दोहराव वाले चुंबकीय दालों के सटीक लक्ष्यीकरण के लिए प्रतिभागी के एमआरआई स्कैन का उपयोग कर सकती है। ट्रांसक्रानियल डायरेक्ट करंट स्टिमुलेशन का उपयोग मस्तिष्क के गैर-इनवेसिव उत्तेजना के लिए खोपड़ी के पार एक छोटे प्रत्यक्ष प्रवाह का उपयोग करके मस्तिष्क के कार्य को व्यवस्थित

करने के लिए किया जाता है। यहां तक कि अत्यंत निम्न स्तर की धाराएं एक साथ मस्तिष्क की गतिविधि को एनोड के पास बढ़ा सकती हैं और कैथोड के पास गतिविधि को कम कर सकती हैं।

रोबोटिक प्रणाली: द्विपक्षीय किनार्म एंड-पॉइंट रोबोट एक कठोर, समझने योग्य रोबोट है जो इंटर-आर्म प्रदर्शन की तुलना और द्विहस्तीय समन्वय के अध्ययन के लिए दोनों रोबोटों का एक साथ नियंत्रण सुनिश्चित करता है।

डिजिटाइज़िंग टैबलेट: जीटीसीओ केलकॉम्प डिजिटाइजिंग टैबलेट एंडपॉइंट आर्म मूवमेंट को रिकॉर्ड करता है। इसका कार्यात्मक क्षेत्र 36X24 सेमी है और टैबलेट की सतह पर स्टाइलस की गति को रिकॉर्ड करता है। यह 60 हर्ट्ज की दर से स्टाइलस मूवमेंट को रिकॉर्ड कर सकता है।

मोशन कैप्चर व्यवस्था: यह कस्टम व्यवस्था क्षैतिज विमान में किए गए हाथों की गतिविधियों को रिकॉर्ड करने के लिए इलेक्ट्रोमैग्नेटिक सेंसर (एस्केंशन ट्रैकस्टार, नॉर्दर्न डिजिटल) का उपयोग करता है। यह वर्चुअल रियलिटी वातावरण प्रदान करने के लिए मोशन मॉनिटर (इन्सपोर्ट, शिकागो, आईएल) के साथ-साथ स्वायत्त रूप से विकसित सॉफ़्टवेयर के साथ इंटरफेस किया गया है, जो विभिन्न कार्य स्थितियों के तहत आर्म मोशन आंकड़ों की रिकॉर्डिंग को सक्षम बनाता है। इस प्रणाली को ईएमजी, ईईजी और टीएमएस उपकरण सहित बाहरी उपकरणों की एक श्रृंखला के साथ एकीकृत किया जा सकता है, जो परिमाणीकरण के साथ-साथ आर्म मोटर कार्यों के दौरान तंत्रिका गतिविधि में व्यवधान की अनुमति देता है।

व्यवहार कक्ष: वर्तमान में तीन व्यावहारिक क्यूबिकल्स हैं जिनमें ऐसे कंप्यूटर हैं जो व्यावहारिक आंकड़ों संग्रह का समर्थन करते हैं। क्यूबिकल्स ध्वनि क्षीण अंधेरे कमरे हैं। कंप्यूटर मैटलैब को साइकोफिज़िक्स टूलबॉक्स के साथ चलाते हैं और निर्णय लेने, ध्यान, एजेंसी आदि पर शोध के लिए उपयोग किए जाते हैं। वे ई-प्राइम और अन्य सॉफ़्टवेयर जैसे ब्लिट्ज़ 3 डी का भी समर्थन करते हैं। इन प्रयोगशालाओं का उपयोग पेपर-एंड-पेंसिल परीक्षणों और प्रश्नावली के लिए निजी स्थान के रूप में भी किया जाता है, जिसके लिए बाहरी हस्तक्षेप से मुक्त वातावरण की आवश्यकता होती है। प्रयोगशाला में एक से अधिक प्रतिभागियों के बैठने के साथ एक अतिरिक्त सर्वेक्षण कक्ष है। हाई रिफ्रेश रेट मॉनिटर और एडजस्टेबल लाइटिंग के साथ साइकोफिजियोलॉजिकल प्रयोगों के लिए दो अतिरिक्त क्यूबिकल्स समर्पित हैं।

साइकोफिजियोलॉजी प्रयोगशाला: वायरलेस फिजियोलॉजी-आधारित आंकड़ों अधिग्रहण प्रणाली (बायोपैक सिस्टम्स इंक) ईसीजी, ईएमजी, और ईडीए जैसे शारीरिक संकेतों के रीयल-टाइम आंकड़ों अधिग्रहण की सुविधा प्रदान करती है और 16 बिट के उच्च रिज़ॉल्यूशन और उच्च पर डिजिटल ट्रांसमिशन के साथ उत्कृष्ट सिग्नल गुणवत्ता प्रदान करती है। कुल 400 किलोहर्ट्ज तक की गति। यह व्यवस्था वर्ल्डविज इंक के वर्चुअल रियलिटी-आधारित प्रोग्रामिंग प्लेटफॉर्म विजार्ड के अनुकूल है।

मल्टीसेंसरी प्रयोगशाला: प्रयोगशाला में सराउंड-साउंड स्पीकर के साथ सक्रिय शोर रद्दीकरण उपकरण के ध्वनि-क्षीण परीक्षण के लिए अनुसंधान सुविधाएँ हैं। प्रयोगशाला में एक ड्राइविंग सिम्युलेटर है जो पूरी तरह से केंद्र में बनाया गया था।

टैक्टाइल परसेप्शन प्रयोगशाला: प्रयोगशाला में बनावट भेदभाव, गीलापन धारणा, और पीजो इलेक्ट्रिक वाइब्रेटर के साथ स्पर्श उत्तेजना के लिए साइकोफिज़िक्स प्रयोग करने के लिए 3डी प्रिंटिंग द्वारा पूरक कस्टम निर्मित आर्डूइनो-आधारित डिवाइस हैं।

भू विज्ञान

भा.प्रौ.सं गांधीनगर में भू विज्ञान स्थलमंडल, जलमंडल, वायुमंडल और इसके प्रमुख घटकों के बहुविषयक अध्ययन के माध्यम से भू प्रणाली की समग्र समझ की कल्पना करता है।

बायोस्फीयर, और अलग-अलग स्पोटियोटेम्पोरल पैमानों पर उनकी बातचीत। हम न केवल इन क्षेत्रों के अध्ययन से संबंधित अनुसंधान और प्रयोग करने के लिए समर्पित हैं बल्कि उन प्रक्रियाओं को भी नियंत्रित/प्रभावित करते हैं जो उन्हें नियंत्रित करती हैं। भा.प्रौ.सं जीएन में, वर्तमान में हमारे पास दो भू विज्ञान प्रयोगशालाएं हैं - प्रयोगशाला 1 और प्रयोगशाला 2 जो विभिन्न बहु/अंतःविषय परियोजनाओं की गतिविधियों का केंद्र हैं, जो संदूषक भाग्य और परिवहन अध्ययन से लेकर हाइड्रोजियोरासायनिक मॉडलिंग, नैनोपार्टिकल सिंथेसिस और उनके आगे के पर्यावरणीय अनुप्रयोगों के साथ संयुक्त हैं, "अपशिष्ट को धन" प्रौद्योगिकी, अपशिष्ट जल आधारित महामारी विज्ञान, भू-तकनीकी सामग्री का सतत उपयोग, भू की सतह की प्रक्रिया और टेक्टोनिक भू-आकृति विज्ञान, कार्बोनेट अवसाद विज्ञान और भूगतिकी। ये प्रयोगशालाएं कई अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय सहयोगात्मक परियोजनाओं के केंद्र हैं जिन्हें विख्यात फंडिंग एजेंसियों (जैसे एमएचआरडी, एसईआरबी, डीएसटी, डीएसटी-यूकेआईईआरआई, इन्सपाइर, एमओईएस, एमओईएफ & एम्प;सीसी, केपीसीएसडी, जीएसबीटीएम) द्वारा वित्त पोषित किया जाता है। प्रयोगशाला कई विशेष परामर्श परियोजनाओं/सेवाओं के माध्यम से सार्वजनिक/निजी भागीदारी को भी बढ़ावा देती है।

भू विज्ञान प्रयोगशाला 1 जल और मृदा रसायन के प्रारंभिक और उन्नत स्तर के संचालन के लिए बुनियादी और परिष्कृत अनुसंधान सुविधाओं / उपकरणों से सुसज्जित है। इसका उद्देश्य पर्यावरणीय विकृतियों को दूर करना और जमीनी स्तर पर समाज को एक वैज्ञानिक स्थायी समाधान प्रदान करना है। आयन-क्रोमैटोग्राफी (आईसी), हन्ना (एचआई7698194) मल्टीपैरामीटर पीएच/ईसी/डीओ जांच, उच्च शुद्धता मिली-क्यू जैसे विभिन्न उपकरणों की मदद से मैक्रोमोलेक्युलर स्तर से अल्ट्रा-ट्रेस स्तर तक अनुसंधान में सहायता के लिए भू विज्ञान प्रयोगशाला में कई प्रायोगिक सेटअप हैं। ग्रेड पानी (18.2 MΩ सेमी-1, Milli-Q® डायरेक्ट 8) शुद्धिकरण प्रणाली, लैमिनार फ्लो हुड, डेसीकेटर्स, जैविक सुरक्षा कैबिनेट, इनक्यूबेटर, रेफ्रिजरेटर, अल्ट्रासेंट्रीफ्यूज, इलेक्ट्रिक मफल फर्नेस, हॉट एयर ओवन, यांत्रिक मिश्रण, सोनिकेटर, हॉट प्लेट , तापमान नियंत्रित चुंबकीय उत्तेजक, आटोक्लेव, पोर्टेबल पीएच और चालकता मीटर और थर्मोवैज्ञानिक आयन चयनात्मक इलेक्ट्रोड। हाल ही में आयन क्रोमैटोग्राफी के लिए ऑटो सैंपलर, जीएनएसएस रिसीवर के साथ एडीसीपी और हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण के लिए दूर से संचालित एकीकृत फ्लोटिंग डिवाइस (नाव), तलछट क्षरण मॉडलिंग के लिए टेबल टॉप सर्कुलर फ्लूम, कार्बाइड सीटें और सीबीएन सीटें, फिल्ट्रेशन यूनिट, प्रोग्रामेबल मफल फर्नेस और ड्रोन भी जोड़ा गया है । परास्नातक और पीएचडी

शोध कार्य के रूप में प्रयोगशाला बहु-विषयक अध्ययन के लिए एक सच्चा उदाहरण है।

भू विज्ञान प्रयोगशाला 2 प्रमुख उपकरणों में विश्लेषण करने के लिए नमूना तैयार करने की सुविधा शामिल है। भू विज्ञान प्रयोगशाला का लक्ष्य सूखे और साथ ही गीले नमूनों को तैयार करना है। प्रयोगशाला रॉक क्रशिंग और ग्राइंडिंग सुविधा, छलनी, हाथ से पकड़ने वाले मजबूत चुंबकीय पृथक्करण, अल्ट्रासोनिक सफाई और रेत के दानों की लीचिंग और सामान्य और एचएफ विश्लेषण के लिए पूरी तरह कार्यात्मक फ्यूमहुड के माध्यम से रासायनिक विश्लेषण से सुसज्जित है। इसके अतिरिक्त, भू विज्ञान विषय ने एक कोर प्रयोगशाला विकसित करना शुरू कर दिया है, जो वर्तमान में ऐसे कोर को होस्ट करता है जो शिक्षण के साथ-साथ पेलियोक्लाइमेट और उपसतह जलाशय अध्ययन से संबंधित अनुसंधान के लिए उपयोग किया जाता है। प्रयोगशाला में वर्तमान में एक कोर प्लगिंग मशीन और एक हाथ से चलने वाली ड्रिल (अधिकतम 9 मीटर तक की पैठ के साथ) है।

भू विज्ञान में खोजे जा रहे अधिकांश प्रश्नों के लिए फील्ड वर्क की आवश्यकता होती है। भा.प्रौ.सं गांधीनगर में भू विज्ञान विषय वर्तमान में भारतीय उपमहाद्वीप के बड़े हिस्से में विशेष रूप से गंगा, यमुना (कई अन्य के बीच) सहित विभिन्न नदी प्रणालियों के साथ-साथ गुजरात और महाराष्ट्र में बेसाल्ट, लद्दाख में गर्म झरनों और लक्षद्वीप और अंडमान में आधुनिक कार्बोनेट्स में काम कर रहा है।

विद्युत अभियांत्रिकी

विद्युत अभियांत्रिकी विषय वर्तमान में पांच स्नातक प्रयोगशाला पाठ्यक्रम और अन्य अभियांत्रिकी विषयों के छात्रों के लिए एक बुनियादी प्रयोगशाला पाठ्यक्रम प्रदान करता है। विद्युत अभियांत्रिकी प्रयोगशाला मानक परीक्षण और माप उपकरणों से सुसज्जित है जैसे कि डिजिटल स्टोरेज ऑसिलोस्कोप, दोहरे चैनल मनमाना फ़ंक्शन जनरेटर, डिजिटल मल्टीमीटर, एलसीआर मीटर, मल्टी आउटपुट डीसी विनियमित बिजली आपूर्ति, चार चैनल डिजिटल पावर स्कोप, आठ चैनल स्कोपकोडर, स्रोत और माप इकाइयां, सटीक चुंबकीय विश्लेषक, आरएफ स्पेक्ट्रम विश्लेषक, एसी और डीसी डिजिटल बिजली मीटर। विषय की अनुसंधान सुविधाएँ नीचे वर्णित विशेष प्रयोगशालाओं में रखी गई हैं।

वेफर विशेषता प्रयोगशाला: वेफर विशेषता लेबोरेटरी में वर्तमान में एक 6" वेफर प्रोब स्टेशन, एक सेमीकंडक्टर पैरामीट्रिक एनालाइजर (6 SMUs, 1 LCR मीटर, 1 पल्स यूनिट के साथ), एक पावर डिवाइस एनालाइजर, एक 20 GHz वेक्टर नेटवर्क एनालाइजर, एक डायनेमिक सिग्नल एनालाइजर, एक लो -नॉइस करंट प्रीएम्प्लीफायर, ICCAP मॉडलिंग सॉफ्टवेयर और पैकेज्ड डिवाइस को मापने के लिए सेट-अप। इस साल के अंत तक इस प्रयोगशाला में एक और जांच स्टेशन (8" तापमान सीमा -60 से 300 डिग्री सेल्सियस) और 43.5GHz वेक्टर नेटवर्क विश्लेषक होगा।
नैनोडीसी प्रयोगशाला: नैनो उपकरण और सर्किट (नैनोडीसी) प्रयोगशाला मुख्य रूप से एनालॉग/डिजिटल वीएलएसआई डिजाइन और सेमीकंडक्टर डिवाइस से संबंधित अनुसंधान के लिए उपयोग की जाती है। प्रयोगशाला ताल, मेंटर ग्राफिक्स, सिनॉप्सिस, क्षिलिंक्स आईएसई टूल और जीटीएस टीसीएडी टूल्स के लिए बहु-उपयोगकर्ता लाइसेंस से सुसज्जित है। प्रयोगशाला एक उच्च अंत एफपीजीए बोर्ड से भी सुसज्जित है: क्षिलिंक्स वर्टेक्स अल्ट्रास्केल + एफपीजीए वीकीयू118 मूल्यांकन किट। इसके अतिरिक्त, प्रयोगशाला में 80-कोर सर्वर, मल्टीपल वर्कस्टेशन और सीएडी टूल्स को होस्ट करने वाली मशीनों सहित अन्य कम्प्यूटेशनल संसाधन हैं।

ऊर्जा व्यवस्था और स्मार्ट ग्रिड प्रयोगशाला: प्रयोगशाला पूरी तरह से डिजिटल रीयल-टाइम पावर अभियांत्रिकी सिमुलेशन प्लेटफॉर्म से सुसज्जित है जिसमें ओपल-आरटी (ओपी4508 एफ11-3+1) रीयल-टाइम डिजिटल सिम्युलेटर - ओपी5600 और हार्डवेयर-इन-द-लूप के लिए अनुकूलित मॉड्यूलर हार्डवेयर और फर्मवेयर शामिल हैं। एचआईएल और रैपिड कंट्रोल प्रोटोटाइप पावर व्यवस्था और स्मार्ट ग्रिड से संबंधित अनुसंधान गतिविधियों में अध्ययन करता है। प्रयोगशाला पावर सिस्टम्स सिमुलेशन टूल्स – डीजीसाइलेन्ट ऊर्जा फैक्ट्री, सीवाईएमडीआईएसटी और जीएएमएस सॉफ्टवेयर से भी सुसज्जित है।

बुद्धिमान पुनर्वास और प्रभावी संगणक प्रणाली प्रयोगशाला: बुद्धिमान पुनर्वास और प्रभावी संगणक प्रणाली प्रयोगशाला के पास पांच प्रणालियां हैं जिनके लिए पेटेंट लागू किया गया है (i) संज्ञानात्मक हानि के निदान के लिए स्मार्टआई, (ii) किसी की चाल के लक्षण वर्णन के लिए इन्स्ट्रोल, (iii) स्वास्ति जो रोकथाम के लिए एआई सक्षम वॉकिंग स्टिक है पार्किंसंस रोग से ग्रस्त लोगों में गैट ऑफ गैट (एफओजी), और (iv) मानव शरीर के विभिन्न शारीरिक मापदंडों के गैर-इनवेसिव मापन के लिए ऑन कॉल डॉक्टर प्रणाली और (v) पीटीआरएडएक्स जो एक फिजियोलॉजी-सेंसिटिव ट्रेडमिल असिस्टेड वीआर-आधारित गैट एक्सरसाइज प्लेटफॉर्म है। इसके अतिरिक्त, यह अनुसंधान प्रयोगशाला स्प्लिट-बेल्ट ट्रेडमिल प्लेटफॉर्म, रिमोट और पहनने योग्य आई-ट्रैकर्स, शारीरिक आंकड़ों अधिग्रहण के लिए बायोपैक, हैप्टिक डिवाइस, ईईजी आँकड़े अधिग्रहण, ट्रांसक्रानियल विद्युत स्टिमुलेटर, फंक्शनल विद्युत स्टिमुलेटर, साइबरग्लोव्स और वीआर हेडसेट से सुसज्जित है।

कंप्यूटर विजन, इमेजिंग और ग्राफिक्स (सीवीआईजी) प्रयोगशाला: प्रयोगशाला में फारो फोकस 3डीएक्स330 और आइंसकैन प्रो+ लेजर स्कैनर हैं जिनका उपयोग क्रमशः 3डी प्रिंटर के साथ बड़ी संरचनाओं और कलाकृतियों को स्कैन करने के लिए किया जाता है। संभावित अनुप्रयोगों में डिजिटल विरासत, आकृति विश्लेषण और ज्यामितीय प्रसंस्करण शामिल हैं। प्रयोगशाला में एक ही छवि से फील्ड रिकवरी की रीफोकसिंग और विस्तारित गहराई के लिए इसरोसैक की मदद से निर्मित कोडेड एपर्चर कैमरे भी हैं। इन कार्यों को प्राप्त करने के लिए कोडित एपर्चर कैमरों का उपयोग किसी भी डीएसएलआर के साथ किया जा सकता है। कंप्यूटर दृष्टि अनुप्रयोगों के लिए गहन शिक्षण से जुड़ी कम्प्यूटेशनल रूप से गहन समस्याओं को हल करने के लिए कई जीपीयू सक्षम वर्कस्टेशन का उपयोग किया जाता है। प्रयोगशाला मानव गतिशीलता पर अनुसंधान के लिए एक मानव गति कैप्चर प्रणाली की भी मेजबानी करेगी।

फोटोनिक सेंसर प्रयोगशाला: फोटोनिक सेंसर प्रयोगशाला निकट-आईआर और मध्य-आईआर ट्यून करने योग्य डायोड लेजर अवशोषण स्पेक्ट्रोस्कोपी, फोटोअकॉस्टिक अवशोषण स्पेक्ट्रोस्कोपी, प्लास्मोनिक नैनोबायोसेन्सिंग, माइक्रोबियल विकास अध्ययन

और फाइबर-ऑप्टिक बायोचिकित्सा अभियांत्रिकी के अनुप्रयोगों पर काम करती है। प्रयोगशाला बड़ी संख्या में मिड-इन्फ्रारेड क्वांटम कैस्केड लेजर (एल्प्स लेजर), 1392 एनएम एज-एमिटिंग लेजर डायोड (एब्लाना), 1533 एनएम एज-एमिटिंग लेजर डायोड (टॉपटिका), 100 मेगावाट, 4.3-4.7 से सुसज्जित है। um) क्वांटम कैस्केड लेजर (डेलाइट सॉल्यूशंस), एक 1650 एनएम एज-एमिटिंग लेजर डायोड (टोपटिका फोटोनिक्स), वीसीएसईएल (1278 एनएम, 2004 एनएम, वर्टिलस), कूल्ड और अनकूल्ड फोटोडायोड्स। इसमें एक 50 मेगाहर्ट्ज डुअल-चैनल, लॉक-इन एम्पलीफायर (ज्यूरिख इंस्ट्रूमेंट्स), कई लेजर डायोड करंट और तापमान नियंत्रक (थोरलैब्स, एसआरएस), एक मनमाना तरंग जनरेटर (एगिलेंट), एक 500 मेगाहर्ट्ज, 1 जीएस / एस डिजिटल फॉस्फोर भी है। ऑसिलोस्कोप (टेकट्रॉनिक्स), एक डिजिटल विलंब और पल्स जनरेटर, (एसआरएस), और एक 3 GHz स्पेक्ट्रम विश्लेषक (एजाईलएंट) है।

कम्प्यूटेशनल नैनोफोटोनिक्स प्रयोगशाला: कम्प्यूटेशनल नैनोफोटोनिक्स प्रयोगशाला इमेजिंग, सेंसिंग और ऊर्जा संचयन में अनुप्रयोगों की ओर नजर रखने के साथ नैनोसंरचित सामग्रियों के साथ प्रकाश संपर्क के मौलिक भौतिकी की जांच करती है। प्रयोगशाला द्वारा जाँचे जाने वाले असंख्य अनुप्रयोगों में उच्च-रिज़ॉल्यूशन और बहुत व्यापक फ़ील्ड-ऑफ़-व्यू माइक्रोस्कोप, अखंड एकीकृत अल्ट्रा-लघु कैमरा, नैनोस्केल पर वस्तुओं और गतिशीलता की जांच के लिए अल्ट्रासेंसिटिव गैर-विनाशकारी ऑप्टिकल माप तकनीक, बायोइंस्पायर्ड टिकाऊ ऊर्जा संचयन तकनीक और भंडारण शामिल हैं। प्रयोगशाला ब्रॉडबैंड सुपरकॉन्टिनम लेजर, यूवी-विज़ एनआईआर स्पेक्ट्रोमीटर और ऑप्टिकल नैनोस्ट्रक्चर और मेटा-सतहों के लक्षण वर्णन के लिए अन्य उपकरणों से सुसज्जित है।

विद्युत मशीनें और बिजली इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला: प्रयोगशाला विभिन्न विद्युत मशीनों के डिजाइन, नियंत्रण और निदान पर अनुसंधान कार्य करने के लिए सुसज्जित है। इनमें ट्रांसफॉर्मर, रोटेटिंग इलेक्ट्रिक मशीन और पावर कन्वर्टर्स शामिल हैं। एनसीस मैक्सवेल में 2डी और 3डी इलेक्ट्रोमैग्नेटिक परिमित तत्व विश्लेषण का उपयोग करके उपन्यास और मौजूदा टोपोलॉजी का डिजाइन और विश्लेषण किया जाता है। प्रयोगशाला में विभिन्न रोटेटिंग इलेक्ट्रिक मशीन टोपोलॉजी पर प्रयोग के लिए टेस्ट-सेटअप उपलब्ध हैं। इनमें स्थायी चुंबक ब्रशलेस डीसी मोटर, स्थायी चुंबक तुल्यकालिक मोटर और स्विच्ड अनिच्छा मोटर शामिल हैं। पारंपरिक टोपोलॉजी का विश्लेषण और मॉडलिंग एक एकीकृत परीक्षण बेंच पर किया जाता है जिसमें एक डीसी मशीन, एक इंडक्शन मशीन और एक सिंक्रोनस मशीन होती है। प्रयोगशाला मोटर को लोड करने और टॉर्क वेवफॉर्म प्राप्त करने के लिए एडी करंट डायनेमोमीटर से सुसज्जित है। मशीन स्वास्थ्य निदान के लिए, एफआरए विश्लेषण करने के लिए सटीक चुंबकीय विश्लेषक और आवेग जनरेटर का उपयोग किया जाता है। प्रयोगशाला सुविधाओं में प्रोग्राम करने योग्य बिजली आपूर्ति भी शामिल है जिसका उपयोग ग्रिड व्यवहार की नकल करने के लिए संतुलित और असंतुलित आपूर्ति उत्पन्न करने के लिए किया जाता है। प्रयोगशाला में बुनियादी पावर कन्वर्टर्स और उनके संबंधित नियंत्रक और ड्राइवर निर्मित हैं। ये कनवर्टर टोपोलॉजी एसीडीसी, एसीएसी, डीसी-एसी और डीसी-डीसी रूपांतरण के कार्यान्वयन की अनुमति देते हैं।

चिकित्सा अल्ट्रासाउंड अभियांत्रिकी (म्यूज) प्रयोगशाला: एमयूएसई प्रयोगशाला बायोचिकित्सा अल्ट्रासाउंड इमेजिंग, थेरेपी और मेट्रोलॉजी में अनुसंधान करने के लिए सुसज्जित है। वर्तमान प्रयोगशाला सूची में एकल-तत्व ट्रांसड्यूसर (1 - 20 मेगाहर्ट्ज केंद्र आवृत्ति), उच्च तीव्रता केंद्रित अल्ट्रासाउंड ट्रांसड्यूसर (2 मेगाहर्ट्ज), एक प्रतिबाधा आधारित कण आकार विश्लेषक, चार अल्ट्रासाउंड डायथर्मी व्यवस्था, पल्सर रिसीवर (1 - 30 मेगाहर्ट्ज) आवृत्ति शामिल हैं। मनमाना तरंग जनरेटर (1 - 50 मेगाहर्ट्ज), एक आरएफ पावर एम्पलीफायर, एक प्रोग्रामेबल अल्ट्रासोनिक आंकड़ों अधिग्रहण प्रणाली, एक ब्रॉडबैंड हाइड्रोफोन, डिजिटल स्टोरेज और मिश्रित सिग्नल ऑसिलोस्कोप (200 और 100 मेगाहर्ट्ज बैंडविड्थ), एक मोटर चालित 3-अक्ष पोजिशनिंग व्यवस्था, एक प्रीम्प्लीफायर (30 मेगाहर्ट्ज बैंडविड्थ), हाई पावर स्टेप्ड एटेन्यूएटर, एक प्रोग्राम करने योग्य बिजली की आपूर्ति, एक वैक्यूम डिगैसर, एक कैलिब्रेटेड टिश्यू-मिमिकिंग अल्ट्रासाउंड फैंटम, एक घुलित ऑक्सीजन जांच, गीले प्रयोगशाला उपकरण (पिपेट, एक माइक्रोबैलेंस, गर्म/हलचल प्लेटें, एक ओवरहेड स्टिरर) , और तापमान-नियंत्रित परिसंचरण स्नान), एक कस्टम ध्वनिक क्षीणन स्पेक्ट्रोस्कोपी प्रणाली, और जीपीयू क्षमता से सुसज्जित एक उच्च अंत वर्कस्टेशन शामिल है। प्रयोगशाला जैविक सामग्री और पूर्व विवो ऊतक के प्रयोगों के लिए सुसज्जित है।

ध्वनि संकेत प्रसंस्करण प्रयोगशाला: इस प्रयोगशाला का प्राथमिक ध्यान ऑडियो उपकरणों के लिए सिग्नल प्रोसेसिंग एल्गोरिदम के विकास और कार्यान्वयन पर है, जिसमें सक्रिय शोर नियंत्रण हेडफ़ोन, श्रवण यंत्र और श्रवण यंत्र शामिल हैं। प्रयोगशाला में ऑडियो इंटरफेस, मापन माइक्रोफोन और स्टूडियो मॉनिटर स्पीकर के अतिरिक्त स्पीडगोट ऑडियो प्रदर्शन रीयल-टाइम लक्ष्य मशीन, न्यूमैन केयू 100 डमी हेड माइक्रोफोन, जीआरएएस 45सीए कान रक्षक परीक्षण मॉड्यूल सहित उपकरण हैं।

पदार्थ अभियांत्रिकी

सामग्री विज्ञान और अभियांत्रिकी विषय, जिसका नाम 2020 में सामग्री अभियांत्रिकी के रूप में रखा गया है, में 4 सक्रिय प्रयोगशालाएँ शामिल हैं, जैसे कि मेटलोग्राफी प्रयोगशाला, सामग्री लक्षण वर्णन प्रयोगशाला, वेफर लक्षण वर्णन प्रयोगशाला और बायोनोमटेरियल्स प्रयोगशाला। मेटलोग्राफी प्रयोगशाला में, मुख्य रूप से सामग्री के प्रसंस्करण और नमूना तैयार करने में सहायता के लिए मैनुअल और स्वचालित पॉलिशिंग मशीन, अपघर्षक काटने की मशीन, विकर्स कठोरता इंडेंटर्स, ऑप्टिकल माइक्रोस्कोप, कम ऊर्जा रोलर, फर्नेस, फ्यूम हुड और रासायनिक भंडारण की एक विस्तृत विविधता है। सामग्री लक्षण वर्णन प्रयोगशाला में ऐसे उपकरण हैं जो सतह लक्षण वर्णन (संपर्क कोण गोनियोमीटर, एसईएम, एएफएम, प्रोफिलोमीटर, एफटीआईआर), संरचनात्मक लक्षण वर्णन, थर्मल लक्षण वर्णन (टीजीए, डीएससी, एसटीए), और मौलिक संरचना लक्षण वर्णन (एएएस, आईसीपी-ओईएस, आईसीपी-एमएस और एक्सआरएफ) कर सकते हैं। । वेफर लक्षण वर्णन प्रयोगशाला मुख्य रूप से स्पटरिंग तकनीकों द्वारा ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोगों के लिए पतली फिल्मों की तैयारी पर केंद्रित है। बायोनोमटेरियल्स प्रयोगशाला

एक सकारात्मक दबाव प्रयोगशाला (कक्षा 10,000) है जो नैनोकणों (डीएलएस, सीपीएस, जिगो, हाइपरथर्मिया) के संश्लेषण और लक्षण वर्णन के लिए उपकरणों से सुसज्जित है।

प्रयोगशाला में विकसित नैनोमैटेरियल्स पर प्रारंभिक टॉक्सिकोलॉजिकल एसेस करने के लिए कोशिका कल्चर सुविधा भी है। हमने हाल ही में ईडीएस, डब्ल्यूडीएस और ईबीएसडी की क्षमताओं के साथ अपने एफआईएसटी - वित्तपोषित विश्लेषणात्मक एसईएम की स्थापना पूरी की है। जोमिनी एंड क्वेन टेस्ट, ट्यूब फर्नेस, और यूवी-विज़ एनआईआर स्पेक्ट्रोस्कोपी जैसे नए उपकरण जोड़कर सामग्री अभियांत्रिकी प्रयोगशालाओं की उपकरण क्षमताओं को लगातार उन्नत किया जा रहा है जिन्हें इस वर्ष जोड़ा गया है। एक नई प्रयोगशाला-सामग्री प्रसंस्करण प्रयोगशाला वर्तमान में स्थापित की जा रही है और उम्मीद की जा रही है कि इसमें एक रोलिंग मशीन, हॉट प्रेस, ट्राइबोमीटर और कई धूआं हुड सामग्री को उनके सूखे और गीले राज्यों में संसाधित करने के लिए होंगे। स्नातक छात्रों के लिए उनकी प्रयोगशाला और परियोजना पाठ्यक्रमों के दौरान उपकरणों के साथ प्रशिक्षण और अभ्यास सत्र हैं। स्नातकोत्तर छात्र अपनी शोध गतिविधियों के लिए नियमित रूप से इन उपकरणों का उपयोग करते हैं। इसके अतिरिक्त, सभी उपकरणों तक सुगम पहुंच सुनिश्चित करने के लिए उपयोग के लिए समय स्लॉट की आसान बुकिंग को सक्षम करने के लिए एक ऑनलाइन इंस्ट्रूमेंट एक्सेस व्यवस्था तैयार किया गया है। उपयोगकर्ता उपलब्ध स्लॉट और किसी विशेष उपकरण के लिए आवंटित संबंधित टीए का पता लगा सकते हैं।

यांत्रिक अभियांत्रिकी

यांत्रिक अभियांत्रिकी विषय ने कई प्रयोगशाला और परियोजना-आधारित पाठ्यक्रमों में "सीखने-दर-करने" और डीआईवाई दृष्टिकोण के साथ लगातार प्रगति की है। मेकर भवन में संसाधनों के साथ परियोजना की जरूरतों के कड़े एकीकरण ने छात्रों को अपनी संबंधित परियोजनाओं या कार्यों के लिए वैकल्पिक समाधान तलाशने के लिए प्रोत्साहित किया। इन-क्लास प्रदर्शनों के आयोजन के लिए संसाधन भी इन-हाउस विकसित किए जा रहे हैं या खरीदे जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, मौजूदा जरूरतों के अनुरूप सुविधाओं और उपकरणों को लगातार अपग्रेड किया जा रहा है और भविष्य की एएमसी जरूरतों, यदि कोई हो, के अनुपालन में बने रहेंगे। नए संकाय सदस्यों के शामिल होने से अनुसंधान और शिक्षण प्रयोगशालाओं में भी वृद्धि देखी गई है। स्मार्ट एनर्जी एंड थर्मल ट्रांसपोर्ट प्रयोगशाला ने इस साल अपने शोध और शिक्षण कार्यों की शुरुआत की है।

स्मार्ट ऊर्जा और तापीय परिवहन प्रयोगशाला: प्रयोगशाला के अनुसंधान उद्देश्य थर्मो-फ्लूड विज्ञान, इंटरफेशियल घटना और ऊर्जा के बहु-विषयक क्षेत्रों को काटते हैं। इसका उद्देश्य ऊर्जा (बिजली उत्पादन, तेल और गैस, नवीकरणीय ऊर्जा), जल, कृषि, परिवहन और इलेक्ट्रॉनिक्स कूलिंग में परिवर्तनकारी दक्षता वृद्धि को कई लंबाई और समय के पैमाने पर गर्मी-तरल-सतह की बातचीत में मौलिक रूप से हेरफेर करना है। शिक्षण में एक अमूल्य संसाधन होने के अतिरिक्त, अनुसंधान के मोर्चे पर प्रयोगशाला का ध्यान दोनों की ओर निर्देशित है: 1) चरण परिवर्तन और इंटरफेसियल घटना के लिए सूक्ष्म/नैनोस्ट्रक्चर्ड सतहों पर मौलिक अध्ययन, और 2) सौर सहित उपकरणों और प्रणालियों पर अनुप्रयुक्त अनुसंधान थर्मल ऊर्जा रूपांतरण, ऊर्जा भंडारण, और उच्च शक्ति घनत्व इलेक्ट्रॉनिक्स थर्मल प्रबंधन।

प्रयोगशाला की गतिविधियां मुख्य रूप से सतही अभियांत्रिकी, रासायनिक विषमता, और तरल-वाष्प चरण परिवर्तन परिघटना की उपस्थिति के कारण नमनीयता में परिवर्तन की बेहतर समझ विकसित करने के लिए तैयार की गई हैं। चरण परिवर्तन गर्मी हस्तांतरण अनुप्रयोगों के लिए प्रासंगिक तरल पदार्थ और थर्मल परिवहन के पीछे अंतर्निहित भौतिक तंत्र को स्पष्ट करने के लिए ये अध्ययन महत्वपूर्ण हैं। उदाहरण के लिए, हाइड्रोफिलिक सतहों को संरचना के कारण सुपर हाइड्रोफिलिक बना दिया गया है, जिसके परिणामस्वरूप उबलते और पतली-फिल्म वाष्पीकरण गर्मी हस्तांतरण में वृद्धि हुई है। इसके विपरीत, हाइड्रोफोबिक संरचित सतहों, यानी सुपरहाइड्रोफोबिक सतहों ने हाल ही में संघनन गर्मी हस्तांतरण की सीमा को आगे बढ़ाने का रास्ता दिखाया है।

ठोस और द्रव यांत्रिकी: इस वर्ष, ठोस यांत्रिकी प्रयोगशाला ने मरोड़ परीक्षण सुविधा को पुनर्जीवित करने के लिए काफी प्रयास किए हैं। विभिन्न प्रयोगात्मक परीक्षण सेट-अप में शामिल हैं: 1) बीम में झुकने वाले क्षण, 2) बीम में कतरनी बल, 3) बीम और कैंटिलीवर का विक्षेपण, 4) बीम में झुकने का तनाव, 5) असममित मोड़ और अपरूपण केंद्र, 6) स्ट्रट्स का बकलिंग और 7) निरंतर और अनिश्चित बीम। छात्रों की समझ में सुधार के उद्देश्य से इन रिग्स का उपयोग इन-क्लास प्रदर्शनों और छात्र परियोजनाओं के लिए किया जाता है। अन्य सुविधाओं में 450J क्षमता (Mts), 10 और 20-टन यूटीएम मशीन, रॉकवेल और विकर्स कठोरता परीक्षण मशीन (जविकक् रोएल) की एक चरपी प्रभाव परीक्षण मशीन और एक थकान परीक्षण मशीन शामिल हैं। प्रयोग करके सीखने के अनुभव के लिए स्ट्रेन गेज और संबद्ध आंकड़ों अधिग्रहण प्रणाली भी उपलब्ध हैं।

द्रव यांत्रिक प्रयोगशाला में द्रव स्थैतिकी और गतिकी प्रयोगों के संचालन के लिए व्यवस्था है। कई सामान्य टर्बोमाचिन जैसे गियर पंप, केन्द्रापसारक पंप, पेल्टन व्हील, प्रवाह मापने वाले उपकरण और सहायक उपकरण भी स्थापित किए गए हैं। इस वर्ष, हमने अतिरिक्त उपकरण जैसे श्रृंखला और समानांतर केन्द्रापसारक पम्प, हॉट वायर एनीमोमीटर, सतह दबाव सेंसर और डिजिटल माइक्रो मैनोमीटर और प्रयोगों की सहायता के लिए प्रवाह क्षेत्र के दृश्य के लिए उपकरण खरीदे हैं।

उत्पादन: विनिर्माण प्रयोगशाला में लेथ, मिलिंग मशीन, एक वर्टिकल मशीनिंग सेंटर, एक इलेक्ट्रिक डिस्चार्ज मशीन, वेल्डिंग, फिटिंग और टिन स्मिथी उपकरण जैसी सुविधाएँ हैं। यह विनिर्माण प्रथाओं और प्रक्रियाओं पर पाठ्यक्रमों का समर्थन, एकीकृत डिजाइन और विनिर्माण पाठ्यक्रमों में विनिर्माण गतिविधियों का समर्थन करता है। यह अंडरग्रेजुएट छात्र परियोजनाओं के निर्माण के साथ-साथ अनुसंधान से संबंधित उपकरण और सहायक उपकरण के लिए एक कार्यशाला के रूप में भी कार्य करता है।

नियंत्रण प्रणाली: नियंत्रण प्रणाली प्रयोगशाला कई विषयों के बीच साझा की जाती है और इसमें कई तरह के प्रयोग शामिल हैं जो छात्रों को नियंत्रण प्रणाली के सिद्धांत और डिजाइन पहलुओं और कार्यान्वयन पहलुओं दोनों को समझने में मदद करते हैं। टिंकरर की प्रयोगशाला और विषय के भीतर संसाधनों का लाभ उठाते हुए, नियंत्रण प्रणालियों में अधिकांश

प्रयोग डीआईवाई दृष्टिकोणों में परिवर्तित हो गए हैं, जिसमें छात्र अलग-अलग जटिलताओं के प्रयोग बनाने और उन पर विभिन्न नियंत्रण रणनीतियों को लागू करने में सक्षम हैं। इसके अतिरिक्त, कुछ परीक्षण रिग प्रदर्शन मानदंडों को पूरा करने के लिए सेंसर, आंकड़ों अधिग्रहण, अंशांकन, स्थिरता विश्लेषण, पीआईडी नियंत्रक ट्यूनिंग, प्रयोगात्मक आंकड़ों से मॉडलिंग और रूट लोकस-आधारित डिज़ाइन के साथ व्यावहारिक अनुभव प्रदान करते हैं। इस वर्ष, इस तरह की गतिविधियों के लिए उपलब्ध यांत्रिक, विद्युत और यंत्रीकरण घटकों को इस दृष्टिकोण का समर्थन करने के लिए बढ़ाया गया था।

ऊर्जा प्रणाली: नवीकरणीय ऊर्जा प्रयोगशाला सुविधा के पीछे प्रेरणा अक्षय ऊर्जा में अवरस्नातक और स्नातक छात्रों को प्रयोगात्मक अनुभव की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करना है। इस सुविधा में पवन, थर्मल और सौर ऊर्जा पर उच्च गुणवत्ता वाले प्रायोगिक सेटअप शामिल हैं। इस प्रायोगिक सुविधा में एक थर्मल एनर्जी स्टोरेज ट्रेनिंग व्यवस्था, सोलर कंसंट्रेटर ट्रेनिंग व्यवस्था, विंड एनर्जी ट्रेनिंग व्यवस्था और सोलर पीवी ट्रेनिंग एंड रिसर्च व्यवस्था शामिल हैं। एक ईंधन-कोशिका परीक्षण प्रणाली व एक ऊष्मा अंतरण प्रायोगिक मॉड्यूल खरीदा गया है।

रोबोटिक: हाल के वर्षों में, रोबोटिक्स शिक्षण और अनुसंधान के दृष्टिकोण से एक महत्वपूर्ण डोमेन के रूप में उभरा है। रोबोट, अनिवार्य रूप से, प्रोग्रामेबल इलेक्ट्रो-यांत्रिक व्यवस्था (मशीन) हैं जिन्हें कई अलग-अलग विषयों की समझ और निष्पादन की आवश्यकता होती है। इन प्रणालियों के विकास और परीक्षण की प्रक्रिया भा.प्रौ.सं गांधीनगर में छात्रों और संकायों के बीच काफी रुचि पैदा कर रही है। छात्रों के लिए हर साल कई नियमित और वैकल्पिक पाठ्यक्रम पेश किए जाते हैं। छात्र परियोजना इन पाठ्यक्रमों का एक महत्वपूर्ण घटक है, जहां सीखने-सीखने की पद्धति अपनाई जाती है। इनमें से कुछ पाठ्यक्रमों के नाम:

- रोबोटिक्स का परिचय - एक स्नातक स्तर का पाठ्यक्रम
- मेक्ट्रोनिक्स - एक वैकल्पिक स्नातक स्तर का पाठ्यक्रम
- गतिशीलता और नियंत्रण - एक अनिवार्य स्नातक स्तर का पाठ्यक्रम
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस - एक स्नातक स्तर का पाठ्यक्रम
- मशीन लर्निंग कोर्स - एक स्नातक स्तर का पाठ्यक्रम

इन नियमित पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त, प्रत्येक वर्ष भा.प्रौ.सं गांधीनगर के छात्र अमलथिया और इग्राइट जैसे तकनीकी कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं, जहां बड़ी संख्या में प्रतियोगिताएं रोबोटिक्स संचालित गतिविधियों पर आधारित होती हैं। हर साल, बड़ी संख्या में छात्र बाहरी रूप से आयोजित रोबोटिक्स प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं, जैसे भा.प्रौ.सं बॉम्बे ई-यंत्र, डीआरडीओ रोबोटिक्स और मानव रहित व्यवस्था एक्सपोज़िशन, आदि। भा.प्रौ.सं गांधीनगर अवरस्नातक और स्नातक स्तर के छात्रों की कुल 12 टीमें हैं। गुजरात साइंस, टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन फंड के तहत रोबोट बनाने की प्रतियोगिता "रोबोफेस्ट- गुजरात-2019" में भाग ले रही हैं।

गतिकी, कंपन और तरंगें: सुविधा में वर्तमान में अत्याधुनिक पीजोइलेक्ट्रिक सेंसर जैसे एक्सेलेरोमीटर, विभिन्न संवेदनशीलता के गतिशील बल सेंसर और विभिन्न अनुप्रयोगों को पूरा करने वाले कारक हैं। हमारे पास पोस्ट-प्रोसेसिंग के लिए आवश्यक आंकड़ों अधिग्रहण हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर हैं। हमने नियंत्रित मोडल और संरचनात्मक परीक्षण आवेग प्रदान करने के लिए प्रभाव हथौड़ों का अधिग्रहण किया है। समर्पित नियंत्रक हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर के साथ कंपन परीक्षण के लिए हमारे पास 1.6kN वाइब्रेशन शेकर और 200N मोडल एक्साइटर है। हमने संरचनात्मक गतिशीलता से संबंधित प्रयोग करने के लिए एक उच्च-निष्ठा स्ट्रोबोस्कोप प्राप्त किया है। इसके अतिरिक्त, हमारे पास बढ़ते प्रायोगिक सेटअप के लिए उच्च-परिशुद्धता सतह प्लेटें हैं। हम प्रयोगों के लिए 2m एयर ट्रैक का उपयोग कर रहे हैं, और समर्पित जड़त्वीय मापन इकाइयाँ (एक्सेलेरोमीटर, जाइरोस आदि) उपलब्ध हैं। अवरस्नातक छात्रों (ES321: डायनेमिक्स एंड वाइब्रेशन्स, फॉल 2019) ने अपना सत्र परियोजना पूरा कर लिया हैं। स्नातक छात्रों (ES648: नॉनलाइनियर डायनेमिक्स एंड वाइब्रेशन्स, स्प्रिंग 2020) ने अपने पाठ्यक्रम सत्र परियोजना के हिस्से के रूप में प्रयोग किए हैं।

भौतिक विज्ञान

भौतिकी प्रयोगशाला स्नातक और स्नातकोत्तर स्तरों पर प्रयोग करने के लिए अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित है। एमएससी प्रयोगशाला में प्रकाशिकी, ठोस-अवस्था भौतिकी, स्पेक्ट्रोस्कोपी, आधुनिक भौतिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स में विषयों को शामिल करने वाले कई प्रयोग शामिल हैं। लॉजिक गेट्स के साथ प्रयोग छात्रों को लॉजिक सर्किट के कार्यों को गणितीय ऑपरेटरों और एम्पलीफायरों के रूप में समझने में सक्षम बनाता है। अंडरग्रेजुएट भौतिकी प्रयोगशाला में आधुनिक भौतिकी, प्रकाशिकी और ध्वनिकी से विषयों को शामिल करने वाले प्रयोग हैं। पाठ्यक्रम में नियमित प्रयोग करने के अतिरिक्त, छात्रों को समूहों में अल्पकालिक परियोजनाओं को आगे बढ़ाने की सलाह दी जाती है। यह टिंकरिंग प्रयोगशाला अभ्यास सेमेस्टर के अंत में एक ओपन-टू-ऑल पोस्टर सत्र के साथ समाप्त होता है, जिसके दौरान छात्र भा.प्रौ.सं गांधीनगर समुदाय को अपनी परियोजनाओं का प्रदर्शन करते हैं, और अपने निष्कर्षों का प्रदर्शन करते हैं।

भौतिकी विषय में अनुसंधान प्रयोगशालाएं प्रायोगिक संघनित पदार्थ भौतिकी और नैनो सामग्री के क्षेत्र में अत्याधुनिक अनुसंधान में शामिल हैं। ऊर्जा अनुसंधान, सतहों और इंटरफेस के भौतिकी, नैनो सामग्री और पतली फिल्मों के विकास और लक्षण वर्णन, ग्राफीन-आधारित नैनोफ्लुइडिक्स / अलवणीकरण तकनीक, आयन / प्रोटॉन परिवहन, 2डी हेटरोस्ट्रक्चर, सक्रिय पदार्थ, स्व-विधानसभा और एकल-कण विभेदन पर कोलाइड्स की गतिशीलता, कोलाइडल सुपरकूल्ड तरल पदार्थ और चश्मा। अनुसंधान के साथ-साथ शिक्षण उद्देश्यों के लिए प्रायोगिक सुविधाओं में भौतिक वाष्प जमाव प्रणाली, रासायनिक वाष्प जमाव (सीवीडी) प्रणाली, थर्मल इवेपोरेटर, शामिल हैं। यूवी दृश्यमान स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, स्पेक्ट्रोफ्लोरोमीटर, क्वांटम दक्षता माप प्रणाली, ऑप्टिकल लिथोग्राफी प्रणाली, सॉफ्ट-लिथोग्राफी, लैंगमुइरब्लॉडगेट ट्रफ, ब्रूस्टर एंगल माइक्रोस्कोप, स्पिन कोटर, उच्च परिशुद्धता वजन संतुलन, सिंगल क्वाड्रुपोल उच्च परिशुद्धता मास स्पेक्ट्रोमीटर, ऑप्टिकल और हाई-स्पीड कन्फोकल माइक्रोस्कोप, रियोमीटर, स्रोत-माप इकाइयां, मिली-क्यू प्रणाली,प्लाज्मा क्लीनर,परिष्कृत नमूना भंडारण

और सेंट्रीफ्यूगेशन सुविधाएँ। अंतःविषय अनुसंधान के लिए भौतिकी विषय में एक केंद्र बनाने की व्यापक दृष्टि के तहत छात्रों में अनुसंधान योग्यता को सुविधाजनक बनाने और प्रोत्साहित करने के लिए अनुसंधान और शिक्षण सुविधाओं को लगातार उन्नत किया जा रहा है।

केंद्रीय यंत्रीकरण सुविधा (सीआईएफ)

केंद्रीय यंत्रीकरण सुविधा की स्थापना भा.प्रौ.सं गांधीनगर के साथ-साथ विभिन्न शैक्षणिक अनुसंधान संस्थानों, विश्वविद्यालयों और उद्योगों के शोधकर्ताओं को परिष्कृत लक्षण वर्णन सेवाएँ प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है। केंद्रीय यंत्रीकरण सुविधा में एसईएम, एक्सआरडी, एएफएम, एनएमआर, एलसी-एमएस, एमएएलडीआई-टी ओएफ, आईसीपी-एमएस और आईसीपी-ओईएस, कन्फोकल माइक्रोस्कोप, सिंगल क्रिस्टल एक्सआरडी, टीईएम , उन्नत विश्लेषणात्मक एसईएम, फ्लो साइटोमीटर, कोशिका सॉर्टर और बहुउद्देशीय एक्सआरडी जैसे कई उच्च स्तरीय विश्लेषणात्मक उपकरण हैं। हमने हाल ही में एक नया उपकरण, ब्रूकर नैनो विजार्ड सेंस एएफएम (बायो-एएफएम) जोड़ा है जो जैविक अनुसंधान के लिए समाधान आधारित इमेजिंग में सक्षम है। देश भर के उपयोगकर्ता राष्ट्रीय आई-एसटीईएम पोर्टल के माध्यम से केंद्रीय यंत्रीकरण सुविधा सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। भा.प्रौ.सं गांधीनगर नियमित रूप से तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम प्रशिक्षण कार्यक्रम और एसटीयूटीआई-डीएसटी कार्यशालाओं का आयोजन करता है जहां सीआईएफ सुविधा कर्मचारी और छात्र सीआईएफ इंस्ट्रूमेंटेशन के तकनीकी और अनुप्रयोग पहलुओं पर संक्षिप्त व्याख्यान देने में शामिल होते हैं।

उद्योग के साथ भा.प्रौ.सं गांधीनगर सीआईएफ कनेक्शन सीआईएफ विभिन्न स्तरों पर उद्योगों की जरूरतों को पूरा करता रहा है। सन फार्मा, पिरामल फार्मा, ज़ाइडस रिसर्च सेंटर, कैडिला हेल्थकेयर, टोरेंट फार्मा और सूड-केमी जैसे कई फार्मास्युटिकल उद्योग हमारे सुविधा के नियमित उपयोगकर्ता हैं। लगभग 30 प्रमुख उद्योग सीआईएफ भा.प्रौ.सं गांधीनगर के उपयोगकर्ता हैं। कुछ लघु और मध्यम स्तर के उद्योग सामग्री लक्षण वर्णन, कठोरता परीक्षण और तात्विक विश्लेषण आदि के लिए हमारी सुविधा का उपयोग करते हैं। नए उपकरणों जैसे विश्लेषणात्मक एफईएसईएम, ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी (टीईएम), बहुउद्देश्यीय एक्स-रे डिफ्रेक्टोमीटर, और, के अतिरिक्त के साथ, आगमनात्मक रूप से युग्मित प्लाज्मा (आईसीपी-एमएस/ओईएस) और बायो-एएफएम, हम उद्योग से उनके अनुसंधान एवं विकास कार्य के लिए उपयोगकर्ताओं की संख्या में वृद्धि देख रहे हैं।

अकादमिक संस्थानों के साथ भा.प्रौ.सं गांधीनगर सीआईएफ कनेक्शन सीआईएफ लगातार विश्वविद्यालयों, संस्थानों और अनुसंधान एवं विकास विभागों को सेवाएं प्रदान कर रहा है। प्रमुख लक्ष्य एक ऐसे वातावरण का निर्माण करना रहा है जो गुजरात और उसके आसपास के संस्थानों, विश्वविद्यालयों के बीच उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान को सक्षम बनाता है और शैक्षणिक संस्थानों के बीच बड़े सहयोग का नेतृत्व करता है। कुछ संस्थान जो सीआईएफ के नियमित उपयोगकर्ता हैं, एनआईपीईआर, आईभा.प्रौ.सं-रैम, निरमा विश्वविद्यालय, इंद्रशिल विश्वविद्यालय, एनआईटी सूरत, गुजरात विश्वविद्यालय, आईआईएआर, सीअवरस्नातक, पीआरएल, आईपीआर, सीएसएमसीआरआई, एमएसयू, एसपी विश्वविद्यालय, पीडीईयू आदि हैं। हमारे पास है अहमदाबाद-गांधीनगर क्षेत्र के अधिकांश विश्वविद्यालयों और संस्थानों से जुड़ने में सक्षम। डेंटल कॉलेजों के कई छात्रों ने स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप (एसईएम) का उपयोग करके नमूना विश्लेषण किया है। भा.प्रौ.सं गांधीनगर में सीआईएफ सभी विज्ञान के प्रति उत्साही लोगों के लिए खुला रहता है और उन्हें प्रोत्साहित करता है कि वे कभी भी विज्ञान की खोज बंद न करें।

सीआईएफ उपकरण: ब्रूकर नैनो विज़ार्ड सेंस एएफएम (बायो-एएफएम) हाल ही में जोड़ा गया एक सीआईएफ उपकरण है जिसका उपयोग समाधान आधारित इमेजिंग में किया जा सकता है जहां झिल्ली, कोशिकाओं आदि को फ्लोरेसेंस और एएफएम मोड में एक साथ चित्रित किया जा सकता है। प्रोटीन फोल्डिंग, एकत्रीकरण, स्व-विधानसभा, साथ ही कोशिकाओं और ऊतक जैसी घटनाओं को लाइव देखा/चित्रित किया जा सकता है।

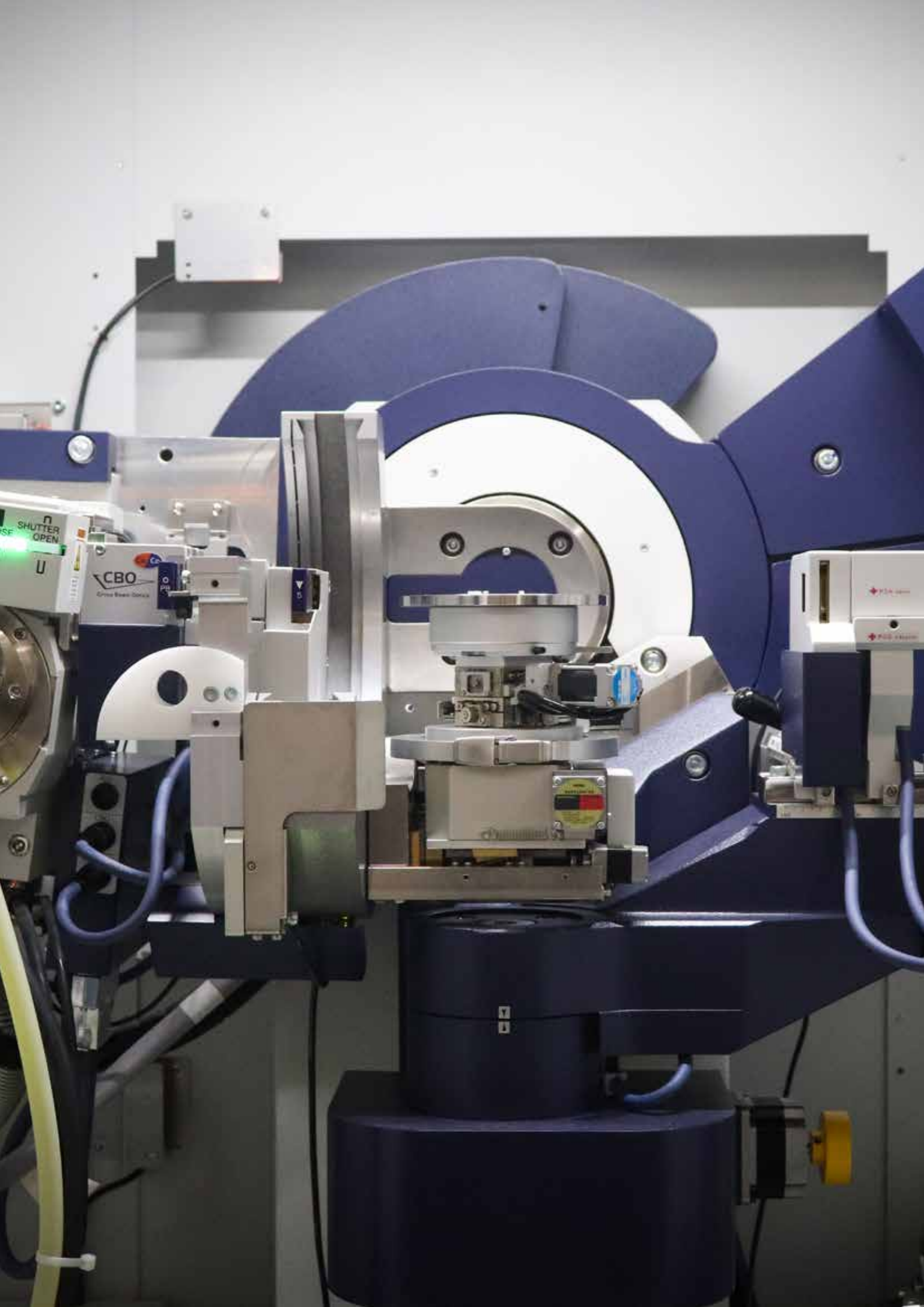
SHUTTER
OPEN
CBO

पुस्तकालय

पुस्तकालय, एक शिक्षण संसाधन केंद्र अकादमिक और शोध कार्य का एक अभिन्न अंग है, जो प्रिंट और डिजिटल दोनों रूपों में अपने संग्रह का विस्तार करना जारी रखता है। यह शिक्षण, सीखने, अनुसंधान और अन्य विद्वतापूर्ण गतिविधियों का समर्थन करने के लिए नवीन सेवाओं को डिजाइन और वितरित करता है। प्रतिवेदन वर्ष 2022-23 के दौरान, पुस्तकालय ने कई महत्वपूर्ण गतिविधियों और सेवाओं की शुरुआत की है।

पुस्तकालय संग्रह

प्रिंट और ऑडियो-विजुअल संग्रह:पुस्तकालय में अनुसंधान मोनोग्राफ, पाठ्यपुस्तकों, संदर्भ पुस्तकों, सम्मेलन की कार्यवाही, सीडी, वीसीडी, डीवीडी का तेजी से बढ़ता हुआ संग्रह संस्थान के शैक्षणिक और अनुसंधान हितों के क्षेत्रों को पूरा करता है। निम्न तालिका वर्ष 2022-23 के दौरान संग्रह में वृद्धि दर्शाती है।

31 मार्च, 2023 तक कुल संग्रह

संग्रह का प्रकार	2022-23 में परिवर्धन	कुल संग्रह
पुस्तकें	1599	32926
बाउंड वॉल्यूम	152	877
बच्चों की पुस्तकें	77	1555
हिन्दी पुस्तकें	407	874
सीडी	10	996
डीवीडी	0	621
तकनीकी रिपोर्ट	0	456
थीसिस और निबंध	83	1014
कुल	**2328**	**39319**

परिसंचरण एवं सूचना सेवाएं

» **पुस्तकों का प्रचलन**: इस वर्ष के दौरान हमारे उपयोगकर्ताओं को जारी किए गए दस्तावेज़ों की कुल संख्या पिछले साल के 15873 की तुलना में 21745 है । किताबों के पुस्तकालय से उधार लेने में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है क्योंकि अधिकांश छात्र अब कोविड के बाद परिसर में हैं।

» **अवकाश समस्या:** पुस्तकालय छात्रों को उनकी रुचि की सामान्य पुस्तकें उधार लेने और पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते हुए, सर्दी और गर्मी दोनों के दौरान अवकाश पठन के लिए पुस्तकें जारी करने की सुविधा भी रखी है।

» **मुद्रित जर्नल और पत्रिकाएँ:** पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं के बीच प्रिंट पत्रिका/पत्रिकाओं के खुले अंकों को प्रसारित करता है। पिछले वर्ष के केवल 98 अंकों की तुलना इस वर्ष कुल मिलाकर **337** मुद्रित जर्नल/पत्रिकाएँ परिचालित किए गए हैं।

» **सूचना/संदर्भ सेवाएं:** पुस्तकालय अपने उपयोगकर्ता समुदाय के लिए सक्रिय रूप से संदर्भ और सूचना सेवाओं (व्यक्तिगत रूप से और वस्तुतः) को बढ़ावा दे रहा है और इस वर्ष के दौरान निम्नलिखित सेवाएं प्रदान की हैं।

» **साप्ताहिक अलर्ट**
- पुस्तकों और अन्य पठन सामग्री के नए परिवर्धन
- संस्थान अनुसंधान प्रकाशन साप्ताहिक अलर्ट
- सप्ताह की पुस्तक
- सप्ताह के लेखक
- पुस्तकालय टीम चाहती है कि आप जानें ...
- विभिन्न सेवाओं और दस्तावेजों के लिए क्यूआर कोड

» **अन्य:** (i) प्रमुख ई-संसाधनों की विषय-वार सूची (ii) ज़ोटेरो और अन्य जैसे संदर्भ प्रबंधन सॉफ़्टवेयर के उपयोग को बढ़ावा देना (iii) पेटेंट, जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी, रचनात्मकता, पृथ्वी विज्ञान के लिए संकलित संसाधन मार्गदर्शिकाएँ (iv) 50 से अधिक ग्रंथ सूची बनाई और अद्यतन की गई विभिन्न विषयों पर (v) एलईडी पर विभिन्न पुस्तकालय और परिसर की घटनाओं का प्रदर्शन

» **व्याकरणिक (प्रीमियम खाते):** वर्तमान में, **2064 उपयोगकर्ता** पंजीकृत हैं (पिछले वर्ष में 1848 उपयोगकर्ताओं की तुलना में) और इस लेखन उपकरण का बड़े पैमाने पर उपयोग कर रहे हैं।

» **साहित्यिक चोरी की जाँच:**पुस्तकालय टर्निटिन सॉफ्टवेयर का उपयोग करके साहित्यिक चोरी की जाँच सेवाएँ प्रदान करता रहा है। वर्ष के दौरान जांचे गए दस्तावेजों की संख्या है **4394** अकादमिक सत्यनिष्ठा के नैतिक सिद्धांत के हिस्से के रूप में थीसिस, असाइनमेंट और पांडुलिपियों सहित पिछले वर्ष में 5521 की तुलना में।

» **पढ़ें, समीक्षा करें और रोल करें !:**पठन, समीक्षा और रोल पहल समुदाय में पढ़ने की आदतों को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई थी, खासकर छात्रों के बीच जब वे परिसर से दूर थे। इस पहल के लिए वर्तमान में 11 प्रस्तुतियाँ हैं, जिनमें से तीन नई हैं, जिन्हें कुल मिलाकर **5,739 बार देखा गया** है।

» **प्रदर्शनियां:** पुस्तकालय हर साल बड़े उत्साह के साथ महत्वपूर्ण दिवस मनाता रहा है और भा.प्रौ.सं गांधीनगर के लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए अपने संग्रह से पुस्तकों की प्रदर्शनी लगाता रहा है । पिछले वर्ष के दौरान भी, पुस्तकालय ने "हिंदी दिवस", "राष्ट्रीय संविधान दिवस", "राष्ट्रीय गणित दिवस", "अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस" जैसे कई अन्य दिवस मनाए।

पुस्तकालय संसाधन साझा करना

पुस्तकालय अन्य प्रमुख स्थानीय पुस्तकालयों के साथ संसाधनों को साझा करने की प्रक्रिया का लाभ उठाने में सक्रिय भूमिका निभा रहा है (अर्थात. आईआईएमए, आईपीआर, पीआरएल, सीईपीटी, एनआईडी, डीए-आईआईसीटी) अहमदाबाद और गांधीनगर के शहरों के साथ-साथ देश में भा.प्रौ.सं, एनआईटी, आईआईएम, आईआईएसईआर, सीएसआईआर पुस्तकालय और डेलनेट सदस्य पुस्तकालय। यह अंतर-पुस्तकालय ऋण और दस्तावेज़ वितरण सेवाओं के माध्यम से किया गया है।

दस्तावेज़ वितरण सेवा (डी डी एस): अनुसंधान गतिविधियों को समर्थन देने के लिए, पुस्तकालय को पिछले वर्ष के 1537 की तुलना में अन्य पुस्तकालयों से 2118 लेख प्राप्त हुए और पिछले वर्ष के 207 की तुलना में अन्य पुस्तकालयों को 297 पेपर वितरित किए।

भा.प्रौ.सं, भा.वि.संऔर भा.वि .शि.अनु.सं पुस्तकालयों के बीच संसाधनों की साझेदारी

पुस्तकालय 31 संस्थानों के बीच संसाधनों, विशेष रूप से

शोध पत्रों और पुस्तकों को साझा करने का निरंतर प्रयास कर रहा है। भा.प्रौ.सं, आईआईएसईआर और आईआईएससी। संग्रह और सेवाओं की प्रकृति के संदर्भ में पुस्तकालयों के इन समूहों ने संसाधनों को साझा करने की गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेकर संसाधनों के अनुकूलन के प्रति बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया प्रदर्शित की है। इन 31 संस्थानों द्वारा सदस्यता प्राप्त ई-संसाधनों की एक संघ सूची (http://library.iitgn.ac.in/unicat/) दस्तावेज़ वितरण सेवा को सुविधाजनक बनाने और बढ़ावा देने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करती है।

सदस्यता

लाभ प्राप्त करना जारी रखने के लिए, डेवलपमेंट पुस्तकालय नेटवर्क (डेलनेट), अहमदाबाद पुस्तकालय नेटवर्क (आदिनेट) की सदस्यता के साथ-साथ 12 अन्य पुस्तकालय और व्यावसायिक निकाय जैसे एएएआई, एसीआई, एएमएस, यूरोग्राफिक्स, एफआईबी, आईएएचआर, आईएएस, आईएटीयूएल, आईबीएएसई, एमएए, एन आई सीईई, एसआईएएम और पुस्तकालयों (ब्रिटिश पुस्तकालय और अमेरिकन पुस्तकालय) का नवीनीकरण किया गया। इन पेशेवर निकायों और पुस्तकालय नेटवर्क की सदस्यता जारी रखना संसाधनों तक पहुंच के मामले में बहुत अधिक मूल्य जोड़ रहा है। इस वार्षिक सदस्यता के एवज में, पुस्तकालय को 17 नई पत्रिकाओं, ई-पुस्तकालय और वीडियो पुस्तकालय तक पहुंच प्राप्त होती है और परिसर में सहायक गतिविधियों के लिए कई अन्य लाभ मिलते हैं।

पुस्तकालय बाहरी सदस्यताएँ: छह श्रेणियों के तहत भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के बाहर व्यक्तियों और संस्थानों के साथ मजबूत संबंध और बातचीत बनाने की संस्थान की समग्र रणनीति का समर्थन करना। रिपोर्ट के वर्ष के दौरान कुल मिलाकर 15 नए सदस्यों को नामांकित किया गया।

पुस्तकालय अभिविन्यास, प्रशिक्षण, कार्यशालाएं और कार्यक्रम

नए सदस्यों के लिए पुस्तकालय परिचय सत्र

संसाधनों और सेवाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने और परिचित कराने के लिए, पुस्तकालय टीम ने वर्ष के दौरान निम्नलिखित 05 कार्यक्रम आयोजित किए, दो आधारभूत कार्यक्रम के हिस्से के रूप में और अन्य तीन आरोहण के हिस्से के रूप में।

आमंत्रित वार्ता

- 'लाइजन लाइब्रेरियनशिप – रिक्त स्थान को भरना' ?- 'पर एक ऑनलाइन बातचीत 27 अप्रैल, 2022 को कनाडा के सस्केचेवान विश्वविद्यालय में कॉलेज ऑफ एजुकेशन की लाइब्रेरियन सुश्री महा कुमारन द्वारा देश भर के एलआईएस पेशेवरों के लिए लाइब्रेरी, नामक कार्यक्रम आयोजित किया जिसकी व्यवस्था भा.प्रौ.सं गांधीनगर द्वारा की गई थी।
- सूचना का मूल्यांकन: वैज्ञानिक साहित्य में भ्रामक प्रकाशन, नकली समाचार और पूर्वाग्रह से परे जाना' - 'पर एक ऑफ़लाइन बातचीत' - 8 अगस्त, 2022 को सुश्री अदिति गुप्ता, पुस्तकालय अभियांत्रिकी एवं विज्ञान, यूनिवर्सिटी ऑफ़ विक्टोरिया लाइब्रेरीज़, कनाडा द्वारा और भा.प्रौ.सं गांधीनगर पुस्तकालय द्वारा व्यवस्थित किया गया था।
- कनाडा में अकादमिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में नया क्या हो रहा है - 'पर एक ऑनलाइन बातचीत'- 23 अगस्त, 2022 को सुश्री अदिति गुप्ता, पुस्तकालय अभियांत्रिकी एवं विज्ञान, यूनिवर्सिटी ऑफ़ विक्टोरिया लाइब्रेरीज़, कनाडा द्वारा और भा.प्रौ.सं गांधीनगर पुस्तकालय द्वारा व्यवस्थित किया गया था।
- पीयर रिव्यू वीक मनाने के लिए 'पीईर समीक्षा: सिद्धांत, एल्गोरिदम और अनुप्रयोग' – प्रो शनमुगनाथन रमन, सह प्रो, संगणक विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी व इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी, भा.प्रौ.सं गांधीनगर द्वारा, 19 सितंबर, 2022 को आयोजित किया गया था।
- विद्वतापूर्ण संचार पारिस्थितिकी तंत्र: अकादमिक अखंडता, खुलापन और निष्पक्षता' - 21 सितंबर, 2022 को सुश्री करी पीटरसन, विभाग प्रमुख, संपर्क और निर्देश सेवाएं, एमआईटी पुस्तकालय, यूएसए को 'भा.प्रौ.सं गांधीनगर समुदाय' के बारे में ऑनलाइन बात करने के लिए आमंत्रित किया गया था।
- भा.प्रौ.सं गांधीनगर में लाइब्रेरी और जैविक अभियांत्रिकी ने 15 फरवरी, 2023 को वार्षिक समीक्षाओं के अध्यक्ष और प्रधान संपादक डॉ. रिचर्ड गैलाघेर द्वारा "वैज्ञानिक समीक्षाओं का मूल्य" पर एक वार्ता का आयोजन किया।
- भा.प्रौ.सं गांधीनगर में पुस्तकालय और गुजरात में पुस्तकालयों के उन्नत सूचना नेटवर्क (एडी आईएनईटी) के साथ संयुक्त रूप से, 4 मार्च, 2023 को एलआईएस पेशेवरों के लिए श्री सत्यनारायणन मुंडयूर, शिक्षाविद् और विद्वान-इन-रेसिडेंस भा.प्रौ.सं गांधीनगर द्वारा " पठन-वंचितों के लिए पठन का आनन्द" पर एक आभासी वार्ता का आयोजन किया।

विद्वानों के प्रकाशनों का डिजिटल भंडार

डिजिटल रिपॉजिटरी: एक ओपन सोर्स डीस्पेस सॉफ्टवेयर का उपयोग करके बनाया गया एक 'डिजिटल रिपॉजिटरी' (http://repository.iitgn.ac.in/) संस्थान समुदाय द्वारा उत्पन्न अधिकांश विद्वानों के प्रकाशनों के सार के साथ मेटाडेटा को जोड़कर अद्यतन रखा गया है। वर्ष के दौरान, रिपॉजिटरी में कुल 1000 मेटाडेटा जोड़े गए हैं। जहां अनुमति हो वहां शोध पत्रों का पूरा पाठ जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

पुस्तकालय पेशेवर प्रशिक्षु/अंतःशिक्षुता

पुस्तकालय ने अब तक 50 से अधिक पुस्तकालय पेशेवरों को प्रशिक्षित किया है। पूर्व प्रशिक्षुओं के एक साथ जुड़ने व आपसी बातचीत जारी रखने के लिए एक मंच बनाया गया था। प्रत्येक पूर्व छात्र के विवरण के साथ एक वेबसाइट भी बनाई गई है। समूह की गतिविधियों के हिस्से के रूप में, पूर्व छात्रों द्वारा नियमित बैठकें और 11 वार्ताएं वर्चुअल मोड में आयोजित की गईं।

पुस्तकालय कर्मचारी गतिविधियाँ

लाइब्रेरी टीम रुचि के विभिन्न विषयों पर विचार-मंथन सत्र आयोजित करना जारी रखती है। लाइब्रेरियन में इमोशनल इंटेलिजेंस, डीओआरए: रीथिंकिंग रिसर्च असेसमेंट बाय लुकिंग बियॉन्ड पब्लिकेशन मेट्रिक्स, रेस्क्यूइंग नॉलेज फॉर रिसर्चर्स: द इनिशिएटिव फॉर ओपन साइटेशन, कंट्रोल्ड डिजिटल लेंडिंग, इलेक्ट्रॉनिक रिजर्व (ई-रिजर्व), एक्वायरिंग के लिए बेस्ट प्रैक्टिसेज और एक ईबुक संग्रह को लागू करना,

आभासी संदर्भ सेवाओं में रुझान, पुस्तकालयों में ड्रोन का उपयोग, उच्च शिक्षा में अकादमिक पुस्तकालय का आकलन, स्मार्ट पुस्तकालय: एक अवलोकन, पुस्तकालयों में 3-डी प्रिंटिंग, पुस्तकालयों में एआई और मशीन लर्निंग, सूचना साक्षरता के लिए एसीआरएल ढांचा उच्च शिक्षा के लिए, कम खोजें - अधिक शोध करें! - वैज्ञानिक साहित्य आदि के लिए वेब आधारित उपकरण। कुल मिलाकर, पुस्तकालय ने लगभग 14 सत्रों की व्यवस्था की जो पुस्तकालय कर्मचारियों के व्यावसायिक विकास के लिए थे।

स्टाफ प्रकाशन

- चौधरी, पन्ना और गढ़वी, गीताबेन, "संदर्भ प्रबंधन उपकरण (आरएमटी) का उपयोग और जागरूकता और आरएमटी को बढ़ावा देने में पुस्तकालय पेशेवरों की भूमिका: साहित्य की एक एकीकृत समीक्षा", मेंचुस्त युग में पुस्तकालय और सूचना सेवाओं की पुन: कल्पना करते हुए राष्ट्रीय सम्मेलन, अहमदाबाद, आईएन, 9-10 जनवरी, 2023।
- दास, तापस कुमार, डाउन, मुकेश, जिग्नेश, मकवाना और अखंडानंद, शुक्ला, "2011-2020 के दौरान" प्रकृति जलवायु परिवर्तन "पत्रिका के शोध योगदान की वैज्ञानिक खोज",पुस्तकालय हेराल्ड, डीओआई: 10.5958/0976-2469.2022.00029.X, खंड 60, संख्या 3, पीपी 51-67, सितम्बर
- दास, तापस कुमार, मकवाना, जिग्नेश सी और शुक्ला, अखंडानंद, "भारत में जलवायु परिवर्तन पर वैज्ञानिक साहित्य का मात्रात्मक विश्लेषण: एक वैज्ञानिक अध्ययन", मेंवेबोमेट्रिक्स, इंफॉर्मेट्रिक्स और साइनोमेट्रिक्स (डब्ल्यूआईएस) पर 16वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और 21वीं सीओएलएलएनईटी मीटिंग 2022, बैंकॉक, टीएच, नवंबर 10-12, 2022 (आईएसबीएन: 978-81-932517-7-5)।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से पुस्तकालय दृश्यता

पुस्तकालय ने फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, पिंटरेस्ट, लिंक्डइन और फ़्लिकर जैसे लोकप्रिय सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से नए संसाधनों, सेवाओं, घटनाओं और अन्य घटनाओं के विवरण को नियमित रूप से पोस्ट करके भा.प्रौ.सं गांधीनगर समुदाय तक पहुंचने के अपने प्रयासों को जारी रखा। पिछले एक साल के दौरान पुस्तकालय ने चार अलग-अलग हैंडल पर 67 कहानियां पोस्ट कीं। इसने पिछले वर्ष 885 से बढ़कर 1472 से अधिक अनुयायियों को आकर्षित किया।

पुस्तकालय सहयोगी गतिविधियाँ

- **अंतःविषय केंद्र:** पुस्तकालय ने परिसर में 07 अंतःविषय केंद्रों के साथ मिलकर काम करना शुरू कर दिया है।
- **संस्थान औषधालय:** संस्थान के सभी कोनों तक पहुंचने के प्रयास में, पुस्तकालय ने संस्थान डिस्पेंसरी के साथ संसाधन साझा करने की पहल की है।
- **रिसर्च पार्क और इन्क्यूबेट्स:** पुस्तकालय सक्रिय रूप से सदस्यता के लिए रिसर्च पार्क भा.प्रौ.सं गांधीनगर में कंपनियों और स्टार्टअप सेटअप का अनुसरण कर रही है।
- **छात्र क्लब:** पुस्तकालय ने पुस्तकालय के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए छात्र निकाय, विशेष रूप से छात्र क्लबों के साथ मिलकर काम करना शुरू कर दिया है
- **क्रिएटिव लर्निंग के लिए केंद्र:** पुस्तकालय ने परिसर के बच्चों के लाभ के लिए सीसीएल के सहयोग से मासिक कार्यक्रम आयोजित करना शुरू कर दिया है।

अग्रसर होती गतिविधियाँ

7 जून, 2022 को आस-पास के गाँवों के 87 बच्चों के साथ-साथ न्यासा स्कूल के छात्रों ने 4 बैचों में पुस्तकालय का दौरा किया। पुस्तकालय के एक संक्षिप्त दौरे के बाद, बच्चों को बाल संग्रह से एक दिलचस्प किताब लेने के लिए कहा गया। कई के दिमाग में पहले से ही एक विशिष्ट शैली थी, जैसे डरावनी या वनस्पति विज्ञान, और उसी पर पुस्तकें चुनना चाहते थे। अन्य लोगों ने संग्रह के माध्यम से ब्राउज किया और अपनी आंखों को पकड़ने वाले को चुना, जो मुख्य रूप से रंगीन सचित्र थे। एक बार जब उन्होंने उन्हें पढ़ना समाप्त कर लिया, तो कई लोगों ने हिंदी या गुजराती में पुस्तकें मांगीं।

नई पहल

वर्ष 2022-23 के दौरान, पुस्तकालय ने निम्नलिखित नई पहलें की हैं।

- **इलेक्ट्रॉनिक थीसिस और निबंध नीतियां** पुस्तकालय ने अभिषद् सभा द्वारा अनुमोदित नए दिशा-निर्देशों को लागू करना शुरू कर दिया है और पिछले शैक्षणिक वर्ष के दौरान जमा किए गए समझौते फॉर्म के साथ दोनों रूपों (हार्ड कॉपी और सॉफ्ट कॉपी) में थीसिस और शोध प्रबंध प्राप्त किए हैं। शिक्षा मंत्रालय के आदेश और संस्थान के अधिकारियों की सलाह के अनुसार, पुस्तकालय ने इंफलिबनेट केंद्र द्वारा बनाए गए शोधगंगा पोर्टल पर 39 पीएचडी थीसिस अपलोड किए।
- **पुस्तक समीक्षा प्रतियोगिता :**पुस्तक समीक्षा लेखन प्रतियोगिता के दूसरे संस्करण का आयोजन पुस्तकालय द्वारा राइटिंग स्टूडियो के सहयोग से 26 अगस्त से 1 नवंबर, 2022 तक भा.प्रौ.सं गांधीनगर छात्र समुदाय के लिए किया गया था।
- **सीसीएल के साथ कार्यक्रम:**पुस्तकालय और सीसीएल द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की लोकप्रियता के कारण, भा.प्रौ.सं गांधीनगर समुदाय के बच्चों के लिए विभिन्न विषयों पर एक मासिक सत्र शुरू किया गया है।
- **संसाधन मार्गदर्शिकाएँ संकलित:** जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी, क्रिएटिव लर्निंग, अर्थ साइंसेज और पेटेंट पर चार नए संसाधन गाइड संकलित किए गए हैं। इसके अलावा, उन्हें संबंधित विषयों में फैकल्टी के पास उनकी प्रतिक्रिया जानने के लिए भेजा गया है।
- **मानसिक उत्तेजना के लिए पहेलियाँ:** पुस्तकालय ने शैक्षिक खेलों का एक संग्रह बनाने के लिए एक पहल की है और छात्रों के खेलने के लिए पुस्तकालय परिसर के अंदर सीसीएल से 13 पहेलियाँ रखी हैं।
- **पुस्तकालय वेबसाइट के साथ एकीकृत चैट सेवाएं:** तेजी से क्वेरी समाधान के लिए, पुस्तकालय ने Tawk.to सेवा का उपयोग करके अपनी वेबसाइट पर एक चैट सेवा को एकीकृत किया है और वर्तमान में इसे परीक्षण पर चला रही है।

केंद्र

पुरातत्व विज्ञान केंद्र

पुरातत्व विज्ञान केंद्र की स्थापना दिसंबर 2012 में पुरातत्व में विज्ञान के अनुप्रयोग में अनुसंधान को सुविधाजनक बनाने और करने के लिए की गई थी। इस तरह के शोध करने के लिए केंद्र का उद्देश्य भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) और पुरातत्व के राज्य विभागों सहित विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोग करना है।

केंद्र की परियोजनाएं

एएससी के संकाय द्वारा शुरू की गई परियोजनाओं का विवरण इस प्रकार है:

- धोलावीरा, कच्छ, भारत (डीएसटी-एसएचआरआई) की हड़प्पा बस्ती के पतन पर समुद्र के स्तर में उतार-चढ़ाव, जलवायु परिवर्तन या विवर्तनिक गतिविधि का प्रभाव। (पीआई: प्राध्यापक विक्रांत जैन और सह-पीआई: प्राध्यापक वीएन प्रभाकर, सप्तर्षि डे, प्राध्यापक विमल मिश्रा, ज्योतिरंजन रे, प्राध्यापक अमित प्रशांत)
- कच्छ, गुजरात, पश्चिमी भारत के महान रण में पैलियो-लैंडस्केप, पेलियो-ड्रेनेज और संभावित भूजल जांच। (पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय) (पीआई: प्राध्यापक देबज्योति पॉल, भा.प्रौ.सं कानपुर और सह पीआई: प्राध्यापक वीएन प्रभाकर)
- ऐतिहासिक शहर वडनगर, गुजरात, पुरातत्व और संग्रहालय विभाग, गुजरात सरकार से पुरातात्विक मिट्टी के पात्र का बहुआयामी विश्लेषण। (पीआई प्राध्यापक वी एन प्रभाकर और सह पीआई: प्राध्यापक श्रीहरिथा रोथू)
- पुरातत्व विज्ञान केंद्र, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार में प्राचीन भारतीय तकनीकों के लिए आईकेएस सेल, (पीआई: प्रो वी एन प्रभाकर और सह पीआई: माना शाह)
- वडनगर वाटरशेड क्षेत्र का हाइड्रो-जियोमॉर्फिक विश्लेषण, पुरातत्व और संग्रहालय विभाग, गुजरात सरकार, (पीआई. प्रो विमल मिश्रा और सह पीआई: प्रो विक्रांत जैन, प्रो वी एन प्रभाकर और प्रो प्रणब महापात्रा)
- धोलावीरा, गुजरात, भारत के विश्व धरोहर हड़प्पा स्थल पर मानव-पशु संपर्क का पुनर्निर्माण: पुरातात्विक हड्डी और दांतों के अवशेषों की समस्थानिक संरचना से निष्कर्ष, डीएसटी एसईआरबी-पावर (पीआई. प्रो. शारदा चन्नारायपटना और सह पीआई. प्रो. देबज्योति पॉल, भा.प्रौ.सं कानपुर)
- गुजरात का भू-पुरातत्व: पिछली कुछ शताब्दियों के ऐतिहासिक मानचित्रों, रिमोट सेंसिंग आंकड़ों और जीआईएस, भा.प्रौ.सं गांधीनगर द्वारा वित्तपोषित ईसीएफ परियोजना (एकता गुप्ता और प्राध्यापक वीएन प्रभाकर) पर आधारित एक एकीकृत अध्ययन
- भारत के जीवित प्राचीन शहर: पहली सहस्राब्दी ईसा पूर्व में उत्तर भारत में शहरीकरण के उद्भव का अध्ययन, वडनगर, भा.प्रौ.सं गांधीनगर द्वारा वित्त पोषित परियोजना पर ध्यान देने के साथ: एएसआई पुरातत्व अध्यक्ष), (प्राध्यापक वी एन प्रभाकर, शारदा सीवी, और मिशेल डैनिनो)

सहयोगी अनुसंधान परियोजनाएं

- 9 जनवरी को भा.प्रौ.सं गांधीनगर और कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जिसका उद्देश्य पुरातत्व के क्षेत्रों में दो संस्थानों के बीच शैक्षणिक संबंधों को बढ़ावा देने, विद्वानों और छात्रों का आदान-प्रदान और " दक्षिण एशिया में मानचित्रण पुरातात्विक विरासत " परियोजना में भाग लेना था।
- वडनगर पर अनुसंधान के क्षेत्रों में सहयोग करने के लिए 18 मई, 2022 को भा.प्रौ.सं गांधीनगर और गुजरात सरकार के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
- आईआईआईटीजीएन और संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, नई दिल्ली के सहयोग से, 10-12 फरवरी, 2023 से " हड़प्पा सभ्यता के उभरते परिप्रेक्ष्य " पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय बोलचाल की मेजबानी की गई, जो उत्पत्ति, भौतिक संस्कृति, जलवायु परिदृश्य और प्रोटो-ऐतिहासिक युग के सैद्धांतिक दृष्टिकोण पर केंद्रित है, अंतर्राष्ट्रीय बोलचाल का उद्घाटन 10 फरवरी, 2023 को श्री गोविंद मोहन, सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, मुख्य अतिथि, डॉ आलोक त्रिपाठी, अतिरिक्त महानिदेशक, एएसआई; और प्रो रजत मून, निदेशक, भा.प्रौ.सं गांधीनगर की उपस्थिति में हुआ था; हाइब्रिड मोड में आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम में, भारत और विदेशों के 65 से अधिक वैज्ञानिकों और अनुसंधान विद्वानों एकत्रित हुए।

प्रख्यात आगंतुक

एएससी ने 2022-23 के दौरान निम्नलिखित प्रतिष्ठित आगंतुकों का स्वागत किया, जिन्होंने एएससी संकाय सदस्यों, पोस्ट-डॉक्टोरल अध्येता और पीएचडी विद्वानों के साथ विचार-विमर्श किया:

- **श्री गोविंद मोहन**, सचिव (संस्कृति), भारत सरकार, 15 अक्टूबर, 2022
- **प्रो कैमरन पेट्री**, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, 15-16 दिसंबर, 2022
- **डॉ अकिनोरी उसुगी** (पूर्व में कंसाई विश्वविद्यालय, जापान), **डॉ ग्रेग जैमिसन** (विस्कॉन्सिन-मैडिसन विश्वविद्यालय, यूएसए) और प्रो अजीत प्रसाद (पूर्व में एमएस विश्वविद्यालय और अतिथि प्रो., भा.प्रौ.सं गांधीनगर), 17 जनवरी, 2023
- **डॉ आदि एलियाहू**, एरियल विश्वविद्यालय, इज़राइल, 24 फरवरी – 2 मार्च, 2023 केंद्र ने धोलावीरा के पुरातात्विक स्थल की उनकी यात्रा की व्यवस्था की
- **प्रो. रजत मूना**, निदेशक, भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने धोलावीरा के पुरातात्विक स्थल का दौरा किया, 25-26 फरवरी, 2023

22 मार्च, 2023 को डरहम विश्वविद्यालय, यूके के एक प्रतिनिधिमंडल ने भा.प्रौ.सं गांधीनगर और केंद्र का दौरा किया:

- **प्रो चार्लोट क्लार्क**, कार्यकारी डीन, सामाजिक विज्ञान और स्वास्थ्य संकाय
- **प्रो कैथरीन मोंटगोमरी**,उप कार्यकारी डीन (वैश्विक), सामाजिक विज्ञान और स्वास्थ्य संकाय
- **प्रो टॉम मूर**, प्राध्यापक एवं पुरातत्व विभाग के अध्यक्ष
- **प्रो रॉबिन कोनिंघम**,प्राध्यापक, सह निदेशक (आईएमईएमएस में विश्व धरोहर स्थल)
- **प्रो एमिली विलियम्स**, सह प्राध्यापक (शिक्षण)
- **प्रो. कमल बद्रेशानी**, सहायक प्राध्यापक

पुरस्कार और अध्येतावृत्ति

- **पूर्वा साल्वी** पुरातत्व विज्ञान केंद्र में पीएचडी स्कॉलर को 'सेंटर ऑफ पॉलिसी रिसर्च एंड गवर्नेंस इंडिया - इंडियन नॉलेज सिस्टम रिसर्च ग्रांट 2022' मिला। यह अनुदान सेंटर ऑफ़ पॉलिसी रिसर्च एंड गवर्नेंस (सीपीआरजी) इंडिया द्वारा उनके शोध शीर्षक 'आइकोनोमेट्रिक एंड आइकोनोग्राफ़िक एनालिसिस ऑफ़ द होयसला स्कल्प्चरल ट्रेडिशन' के लिए प्रदान किया गया था।
- **अहाना घोष पुरातत्व विज्ञान केंद्र** में पीएचडी स्कॉलर, को यूनाइटेड स्टेट्स इंडिया एजुकेशनल फाउंडेशन द्वारा 'फुलब्राइट-नेहरू डॉक्टोरल रिसर्च स्कॉलरशिप' से सम्मानित किया गया था, जो अमेरिका में उनके डॉक्टरेट शोध का एक हिस्सा आयोजित करने के लिए था, जो पोत के कार्य व हड़प्पावासी आहार तरीकों के बीच संबंधों को सिरेमिक अवशेष विश्लेषण के माध्यम से समझने पर था।

प्रो वी एन प्रभाकर समन्वयक और है **प्रो शारदा सी वी** केंद्र के सह-समन्वयक हैं।

जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी केंद्र

भा.प्रौ.सं गांधीनगर में जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी केंद्र डायग्नोस्टिक/चिकित्सीय उपकरणों और तकनीकों, स्वचालित पुनर्वास और प्रोस्थेटिक तकनीकों और स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए लक्षित सार्वजनिक स्वास्थ्य तकनीकों पर केंद्रित अंतःविषय अनुसंधान करने पर केंद्रित है। इस केंद्र के मुख्य उद्देश्य हैं:

- जैव चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवा प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान और विकास।
- ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की मदद के लिए स्वास्थ्य सेवा से संबंधित कम लागत वाली तकनीकों का विकास करना।
- केंद्र अनुसंधान और शैक्षणिक आदान-प्रदान के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग करता है

परियोजना

- डिम्बग्रंथि के कैंसर में लंबे समय तक गैर-कोडिंग आरएनए (इंक आरएनए) में आरएनए जी-क्वाड्रुप्लेक्स संरचना की पहचान, **(जीएसबीटीएम)** पीआई: प्रो भास्कर दत्ता
- प्रोटीन-आधारित चिकित्सीय के विकास की दिशा में फोटो-क्लीवेज आधारित आत्मीयता शुद्धि, **(जीएसबीटीएम),**पीआई: **प्राध्यापक कार्तिक पी सुब्रमणियम**
- क्रिस्टलीकरण के दौरान सक्रिय दवा सामग्री (एपीआई) के बहुरूपी व्यवहार को स्पष्ट करना: प्रयोगात्मक और आणविक गतिशीलता सिमुलेशन अध्ययन का एक संयुक्त दृष्टिकोण,**(सेफ़िप्रा)**. पीआई:**प्रो. समीर दलवी**
- प्रोटीन फोल्डिंग/अनफोल्डिंग का अध्ययन करने के लिए संशोधित नॉन-बोल्ट्ज़मैन मोंटे कार्लो सिमुलेशन,**(एसईआरबी)**.पीआई:**प्राध्यापक मिथुन राधाकृष्ण** और सह-पीआई:**प्राध्यापक मुकेश धानका**
- रुमेटीइड गठिया के लिए लंबे समय तक काम करने वाले इंट्रा-आर्टिकुलर थेरेपी के लिए ट्रांसलेटेबल, सेल्फ-हीलेबल, ड्रग क्रिस्टल एनकैप्सुलेटेड हाइड्रोजेल प्लेटफॉर्म **(एसईआरबी)**. पीआई: **प्राध्यापक मुकेश धानका**

सहयोग

हम जॉन हॉपकिंस विश्वविद्यालय, यूएसए सहित प्रमुख राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों और विश्वविद्यालयों के साथ सहयोगी परियोजनाओं में संलग्न हैं जिसमें निम्न हैं; सिंगापुर का राष्ट्रीय विश्वविद्यालय; कोलंबिया विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क; शिकागो विश्वविद्यालय, यूएसए; लिंकन विश्वविद्यालय, यूके; विश्वविद्यालय ऑफ सेंट्रल लंकाशायर, यूके; रॉयल मेलबर्न इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आरएमआईटी), ऑस्ट्रेलिया; भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर, भारत; राष्ट्रीय मानसिक जांच एवं स्नायु विज्ञान संस्थान, बंगलुरू, भारत; सिविल मेडिकल अस्पताल, अहमदाबाद, भारत; एसबीबी अस्पताल, अहमदाबाद, भारत; अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली, भारत।

प्रख्यात आगंतुक

- **प्राध्यापक मार्क बोर्डेन**, बोल्डर में कोलोराडो विश्वविद्यालय के यांत्रिक अभियांत्रिकी के प्राध्यापक ने 12-13 जनवरी, 2023 को दौरा किया।
- **डॉ इरविन फुहरर** विजिटिंग सहायक प्राध्यापक, स्कूल ऑफ कंप्यूटिंग एंड इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी (एससीईई), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मंडी ने 24 जनवरी, 2023 को दौरा किया।
- **प्रो नीतीश ठाकोर**, जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी, न्यूरोलॉजी, जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय के प्राध्यापक ने 3 फरवरी, 2023 को दौरा किया

रचनात्मक शिक्षा केंद्र

रचनात्मक शिक्षा केंद्र (सीसीएल) एक ऐसा स्थान है जिसका मिशन एसटीईएम शिक्षा को बदलना है और इसे हाथों से चलने वाले खिलौनों के माध्यम से आकर्षक और प्रेरक बनाना है, शिक्षकों की क्षमता को मजबूत करना, मीडिया कार्यक्रम और संग्रहालय आउटरीच। आज तक, रचनात्मक शिक्षा केंद्र ने 700+ अद्वितीय एसटीईएम मॉडल और गतिविधियों को विकसित और क्यूरेट किया है और देश भर में 20,000+ शिक्षकों और 50,000 छात्रों के साथ संपर्क बनाया है।

वर्ष 2022-2023 में सीसीएल में कई दिलचस्प कार्यक्रम, कार्यशालाएं और सहयोग हुए। हमें यह रिपोर्ट करते हुए भी खुशी हो रही है कि हमारे चैनल पर 1 लाख ग्राहकों तक पहुंचने के लिए हमें यूट्यूब चैनल सिल्वर प्ले बटन प्राप्त हुआ है।

परियोजना

- **उत्तर प्रदेश की 75 हजार छात्राओं के लिए 'जिज्ञासा' कार्यक्रम**: सीसीएल ने उत्तर प्रदेश के 746 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) स्कूलों की 75,000 छात्राओं के लिए 1 साल में 44 द्वि-साप्ताहिक ऑनलाइन सत्र आयोजित किए, ताकि व्यावहारिक दृष्टिकोण के माध्यम से विज्ञान और गणित का पता लगाया जा सके। सीसीएल ने 13 बैचों में 1500+ केजीबीवी शिक्षकों के लिए कार्यशालाएं भी आयोजित कीं, ताकि सामग्री की समझ को मजबूत किया जा सके और टीम के साथ ऑनलाइन सत्रों के माध्यम से शिक्षकों के बीच पहले से ही तालमेल बना रहे। सीसीएल टीम के सदस्यों ने 10 केजीबीवी स्कूलों का भी दौरा किया और बच्चों, वार्डन और शिक्षकों से मुलाकात की।
- **3030 एकलव्य :** सीसीएल ने सीबीएसई के सहयोग से अगस्त 2022 से लोकप्रिय '3030 एकलव्य' श्रृंखला को फिर से शुरू किया, जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 द्वारा निर्धारित विजन को लागू करना है। इसका

उद्देश्य पाठ्यक्रम को कई व्यावहारिक गतिविधियों, परियोजनाओं और मॉडलों के माध्यम से वास्तविक जीवन के अनुभवों से जोड़ना था। सीसीएल ने 10 का एक सेट बनाया, 1 घंटा लंबा व्याख्यान, प्रत्येक रविवार को यूट्यूब पर स्वतंत्र रूप से प्रसारित किया जाता है। इन्हें लगभग 10 लाख प्रत्यक्ष विचार प्राप्त हुए और भारत और विदेशों से 1.8 लाख पंजीकरण प्राप्त हुए।

- **गुजरात के स्कूलों को एसटीईएम किट:** सीसीएल ने गुजरात के 3247 स्कूलों में एसटीईएम किट वितरित की जिनका उपयोग बच्चों द्वारा विज्ञान और गणित की अवधारणाओं का पता लगाने के लिए किया गया था और इसने मध्य विद्यालय के शिक्षकों के साथ अनुभवात्मक शिक्षाशास्त्र पर भी काम किया।

आयोजन

- फाउंडेशनल स्टेज के लिए एनसीईआरटी टेक्स्टबुक राइटिंग कमेटी के सदस्य
- मध्य चरण के लिए एसटीईएम शिक्षाशास्त्र पर पोजिशन पेपर के लिए समिति के सदस्य
- **सीसीएल का खिलौना आधारित शिक्षण और स्वच्छ टॉयकैथॉन में योगदान**
- रचनात्मक शिक्षा केंद्र, भा.प्रौ.सं गांधीनगर को खिलौना-आधारित शिक्षाशास्त्र पर एक राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा विकसित करने के लिए समिति का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया गया था। स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा जारी रिपोर्ट में सीसीएल के 66 खिलौनों को भी शामिल किया गया है। इसके अलावा, सीसीएल आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए 'स्वच्छ टॉयकैथॉन' के लिए एक ज्ञान भागीदार था, जिसने बेकार सामग्री से स्केलेबल, इनोवेटिव, सुरक्षित और मनभावन खिलौने बनाने के तरीकों की खोज की। केंद्र ने जुलाई-सितंबर 2022 से विभिन्न कार्यशालाओं/गतिविधियों का भी आयोजन किया।
- **D20 श्रृंखला:** यह दशहरा से दीवाली तक एक ऑनलाइन श्रृंखला थी जिसमें 20 दिनों के दौरान 20 विभिन्न एसटीईएम गतिविधियों को प्रदर्शित किया गया था। कार्यक्रम को लगभग 1.25 लाख प्रत्यक्ष विचार प्राप्त हुए हैं।
- राष्ट्रीय शैक्षिक नीति 2020 के अनुरूप, सीसीएल ने एनसीईआरटी की प्राथमिक शिक्षा विभाग की टीम और राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, गांधीनगर के संकाय के साथ भा.प्रौ.सं गांधीनगर में मैथ फाउंडेशनल न्यूमरेसी के लिए खिलौने और खेल विकसित करने के लिए 4 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।
- विभिन्न उत्सवों, प्रेरण कार्यक्रमों, सेवाकालीन पाठ्यक्रमों में 15 से अधिक एसटीईएम बड़े पैमाने पर प्रदर्शित किए गए इसके कुछ उदाहरण हैं भा.प्रौ.सं गांधीनगर स्ट्रिंग आर्ट एंड नेल (मौजूदा गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड से बड़ा) का उपयोग करते हुए 10 फीट व्यास का लोगो, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर डॉ सी वी रमन के रूबिक क्यूब का उपयोग करते हुए चित्र, 10 फीट ऊंचाई बांस गणितीय कला संरचनाएं, स्ट्रिंग, डाइस का उपयोग करते हुए चित्र, पच्चीकारी आदि।

सहभागिता

- संयुक्त गणित बैठकें, बोस्टन, यूएसए : सीसीएल, भा.प्रौ.सं गांधीनगर के दो प्रदर्शन- एबांस और साइन/त्रिकोणीय तरंग कारों से बना जियोडेसिक गुंबद— 4-7 जनवरी, 2023 के दौरान बोस्टन, यूएसए में आयोजित प्रतिष्ठित संयुक्त गणितीय बैठक (जेएमएम) 2023 सम्मेलन के आर्ट गैलरी क्षेत्र में प्रदर्शित होने के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया था।
- 30वीं राष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस, अहमदाबाद के दौरान छात्रों के एक्सपोजर विजिट में एसटीईएम मॉडल प्रदर्शित किए।
- "हमें शिक्षण और सीखने को मज़ेदार बनाने की आवश्यकता क्यों है?" पर सत्र द्वारा प्रो मनीष जैन,इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल भोपाल में जियोडेसिक स्ट्रक्चर की प्रदर्शनी लगाई और हमारे खिलौनों से बातचीत के लिए स्टॉल लगाया।
- वडोदरा मेकर फेस्ट में सीसीएल के खिलौनों और गतिविधियों के साथ एक स्टॉल लगाया गया था और आगंतुक और टीम एक स्ट्रिंग कला प्रदर्शनी बनाने में लगी हुई थी।
- आईआईएसईआर पुणे में 8-9 जुलाई, 2022 को आयोजित कम्प्यूटेशनल थिंकिंग इन स्कूल्स (सीटीआईएस 2022) पर दो दिवसीय सम्मेलन सम्पन्न हुआ और हमें यह साझा करते हुए खुशी हो रही है कि सीसीएल भा.प्रौ.सं गांधीनगर की सुश्री अदिति अय्यर की कार्ड सॉर्टिंग गतिविधि को टैक्टाइल एक्सेसिबल कम्प्यूटेशनल थिंकिंग' (टीएसीटी) चुनौती! में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- "गणितीय रेत पर छापें: ज्यामिति और त्रिकोणमिति के दृश्य दृष्टिकोण पर एक हाथ " गणितीय शिक्षक संघ (भारत) के चौथे वार्षिक सम्मेलन में, 9-11 सितंबर, 2022 को प्रस्तुत किया गया।

आमंत्रित वार्ता:

- खिलौनों के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना (एनएपीटी), एमओएचयूए - बेकार सामग्री से खिलौने बनाएं
- इंडी ग्लोबल वर्कशॉप
- "कौशल निर्माण राष्ट्रीय" फॉरेंसिक साइंस विश्वविद्यालय, गांधीनगर पर बातचीत
- ऋषि वैली स्कूल: छात्रों के लिए विज्ञान पर प्रस्तुति
- विज्ञान दिवस, भा.प्रौ.सं रोपड़ पर अनुभवात्मक शिक्षा पर बात करें
- इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल, भोपाल
- पाई दिवस समारोह के अवसर पर एनआईएसईआर, भुवनेश्वर में बीएस-एमएस छात्रों के लिए बातचीत
- सीईई कोलकाता एजुकेशन ईस्ट समिट: अनुभवात्मक अधिगम मास्टरक्लास
- वडोदरा में 300 सीबीएसई प्रधानाचार्यों के लिए बात करें

सहयोग

- भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने एक कार्यक्रम शुरू करने के लिए समग्र शिक्षा, उत्तर प्रदेश के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए: टर्निंग पॉइंट 2.0, आँखों की चमक, गैर-सहज तरीके से हमारे आसपास विज्ञान/गणित का पता लगाने के लिए राष्ट्रीय टेलीविजन पर एक श्रृंखला, 23 नवंबर, 2022
- 13 मार्च, 2023 को, **रचनात्मक शिक्षा केंद्र** (सीसीएल),भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने स्टेट काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जो सर्व शिक्षा अभियान (एसएसए), दिल्ली, कार्यशालाओं का संचालन करने

और राज्य भर में 4,000 शिक्षकों और जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) के छात्रों के लिए 'खोजी बॉक्स' के रूप में डब किए गए एसटीईएम गतिविधि बॉक्स की आपूर्ति करेगा, जो मार्च से शुरू होगा।

प्रख्यात आगंतुक

- **ग्लेन कार्ले**, सीआईए के पूर्व गुप्त सेवा अधिकारी और अंतर्राष्ट्रीय खतरों के लिए उप राष्ट्रीय खुफिया अधिकारी, राष्ट्रीय खुफिया परिषद
- श्री गोविंद मोहन, सचिव, संस्कृति मंत्रालय
- **प्राध्यापक ऑस्टिन डेविस**, राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, गांधीनगर के एक खिलौना और गेम डिज़ाइन संकाय सदस्य
- **रवि संतलानी,** सीसीएल – भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने स्कून्यूज के सहयोग से राष्ट्रव्यापी एस टी ई ए एम यात्रा - भारत में सबसे बड़ा स्कूल आधारित छात्र-केंद्रित स्टीम लर्निंग मिशन की घोषणा की।
- **श्री सत्यनारायण मुंडयूर**, अंकल मूसा के रूप में भी जाने जाते हैं, पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित, भारत के शिक्षाविद् और सामाजिक कार्यकर्ता, जो पिछले चालीस वर्षों से अरुणाचल प्रदेश में सामुदायिक पुस्तकालयों के नेटवर्क पर काम कर रहे हैं, उन्हें भा.प्रौ.सं गांधीनगर में निवास में एक विद्वान के रूप में आमंत्रित किया गया था। वह हमें पुस्तकों और संसाधनों पर सलाह देने के लिए काफी उदार रहे जो हमारे भविष्य की परियोजनाओं में बच्चों के लिए उपयोगी हो सकते हैं।

सीसीएल टीम

वरिष्ठ वैज्ञानिक भूमिकाओं में डॉ ज्योति कृष्णन और कृष्णा पुरोहित और सहयोगी के रूप में सहायक शिक्षण प्रो डॉ अदिति कोठियाल के उल्लेखनीय जुड़ाव के साथ, हम 31 पूर्णकालिक सदस्यों के रूप में विकसित होकर खुश हैं। प्रो मनीष जैन प्रधान समन्वयक हैं और प्रो हिमांशु शेखर केंद्र के सह-समन्वयक हैं। टीम के अन्य सदस्यों में शामिल हैं: जय ठक्कर, तापस हीरा, ज्योति गुप्ता, आशुतोष भाकुनी, अदिति अय्यर, पंकज गोदारा, आकाश उमरलिया, निहार पांड्या, सरिता यादव, विपुल डोमदिया, साजिद राठौड़, राकेश पचया, सतीश कुमार, दिनेश राठौड़, शिल्पा बंसल, अभिजीत दास, संदीप बरैया , शानू दलवाड़ी, विनोद गुटखड़े, अखंड ज्योति गुप्ता, नेहा गर्ग, श्रीशा भट, सुजीत कुमार सिंह, निशा पांडे, स्वाति शेलार, जायद अहमद और रश्मी श्योराण ।

संज्ञानात्मक और मस्तिष्क विज्ञान केंद्र

भा.प्रौ.सं गांधीनगर में संज्ञानात्मक और मस्तिष्क विज्ञान केंद्र को स्नातकोत्तर और पीएचडी स्तरों पर अनुसंधान गतिविधियों और शैक्षणिक कार्यक्रमों के माध्यम से भा.प्रौ.सं के बीच अग्रणी होने के लिए देश के भीतर अच्छी तरह से मान्यता प्राप्त है। केंद्र का उद्देश्य अपने अंतःविषय चरित्र और उत्कृष्ट छात्र उपलब्धियों के साथ देश के भीतर संज्ञानात्मक विज्ञान में नेतृत्व की भूमिका निभाना है। केंद्र के अनुसंधान क्षेत्रों में मन, धारणा, जिज्ञासा, ध्यान, सीखने और निर्णय लेने, मोटर नियंत्रण और पुनर्वास, और न्यूरो-डेवलपमेंटल और न्यूरो-डीजेनेरेटिव विकार जैसे ऑटिज्म और अल्जाइमर रोग शामिल हैं।

सेंटर फॉर कॉग्निटिव एंड ब्रेन साइंसेज (सीसीबीएस) ने कुल 117 पूर्व छात्र तैयार किए हैं, जिनमें 103 एमएससी और 14 पीएचडी शामिल हैं। एमएससी कार्यक्रम ने 2015 में 10 छात्रों को पात्रता प्रदान की और प्रत्येक वर्ष स्नातकों की संख्या में लगातार वृद्धि हुई है, 2022 में 16 छात्रों ने स्नातक किया है। पीएचडी कार्यक्रम ने 2014 में 2 छात्रों और 2019 में 1 छात्र को पात्रता प्रदान की है, जिसमें बड़ी संख्या में पात्रता वर्ष 2020 और 2021, क्रमशः 5 और 3 स्नातकों के साथ हैं। ।

आयोजन

- **सेंटर फॉर कॉग्निटिव एंड ब्रेन साइंसेज ने 2022-23 के दौरान निम्नलिखित सेमिनार आयोजित किए:**
- भविष्य के प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए नए अधिग्रहीत कौशल स्मृति को लक्षित करना - गोल्डी यादव**,** यूसी लौवेन (बेल्जियम) में पोस्टडॉक्टरल अध्येता, सितम्बर 12, 2022
- मानव दृश्य प्रांतस्था और गहरे दृढ़ तंत्रिका नेटवर्क में बनावट और वस्तु का प्रतिनिधित्व - **डॉ. अक्षय जगदीश,** (पीएचडी, स्टैनफोर्ड; वर्तमान में हार्वर्ड में पोस्टडॉक), 4 नवंबर, 2022
- पहनने योग्य उपकरणों के माध्यम से रोग मूल्यांकन को आगे बढ़ाना: उम्र बढ़ने और तंत्रिका संबंधी विकारों में गतिशीलता - **प्राध्यापक कमीर अमीनियन,** प्राध्यापक, आंदोलन विश्लेषण और मापन की प्रयोगशाला,ईपीएफएल, 9 नवंबर, 2022
- मजबूत ब्रेन-मशीन इंटरफेस के लिए लर्निंग एल्गोरिदम और हार्डवेयर - **डॉ साहिल शाह,** सह प्राध्यापक, मैरीलैंड विश्वविद्यालय, 17 जनवरी, 2023
- सपनों की व्याख्या का विज्ञान: सपनों की व्याख्या कैसे करें - **प्राध्यापक फ्रेडरिक एल कूलिज,** कोलोराडो विश्वविद्यालय में प्राध्यापक, 19 जनवरी, 2023
- उम्र बढ़ने और सीखने की क्षमता द्वारा गतिशीलता को समझना **डॉ निशांत राव,** हास्किन्स लैब्स / येल विश्वविद्यालय में पोस्टडॉक, 13 फरवरी, 2023
- दृष्टि बहाली में अनुसंधान कैसे मानव मस्तिष्क के विकास को समझने में हमारी मदद करता है - **डॉ ब्रिगिट रोडर,** हैम्बर्ग विश्वविद्यालय में प्राध्यापक, 14 फरवरी, 2023
- मस्तिष्क गेज: मस्तिष्क स्वास्थ्य का आकलन करने के लिए एक गैर-इनवेसिव विधि - **प्रो मार्क टॉमरडाहल,** उत्तरी कैरोलिना विश्वविद्यालय**,** फरवरी 23, 2023

केंद्र संकाय

प्रो प्रतीक मुथा, जिबाबेन पटेल चेयर सह प्राध्यापक और केंद्र के समन्वयक; प्रो विनीत वशिष्ठ, सहायक प्राध्यापक और केंद्र के सह-समन्वयक, प्रो जैसन मंजली, जसुभाई मेमोरियल चेयर प्राध्यापक; **प्राध्यापक कृष्ण प्रसाद मियापुरम**, सह - प्राध्यापक; **प्रो उत्तम लाहिड़ी**, प्राध्यापक; **प्रो मीरा मैरी सनी**, सह - प्राध्यापक; **प्रो लेस्ली लज़ार**, सहायक शिक्षण प्राध्यापक; **प्रो एंगस मैकब्लेन** विजिटिंग सहायक प्राध्यापक; और **प्राध्यापक जोयुंग किम**, सहायक शिक्षक प्राध्यापक, केंद्र में संकाय के रूप में कार्यरत हैं।

डिजाइन और नवाचार केंद्र

डिजाइन एंड इनोवेशन सेंटर (डीआईसी) डिजाइन व इनोवेशन पर सहयोगी परियोजनाओं, अनुसंधान और शैक्षिक पहलों को बढ़ावा देता है। डीआईसी पाठ्यचर्या और पाठ्येतर परियोजनाओं, जैसे वार्ता, गोष्ठी, संगोष्ठी और कार्यशालाओं के माध्यम से नवीन उत्पादों और समाधानों को विकसित करने के लिए छात्र और संकाय की पहल का पोषण भी करता है।

परियोजनाएं और सहयोग

डीआईसी उत्पाद विकास और निर्माण में सहायता करके संस्थान में अन्य विषयों को डिजाइन परामर्श प्रदान करता है। डीआईसी उपयोगिता और सौंदर्यशास्त्र के माध्यम से प्रौद्योगिकी को मानवीय बनाने में माहिर है।

- **इंस्ट्रोल, इंस्ट्रूमेंटेड शू इनसोल** (पीआई:**प्रो उत्तमा लाहिड़ी** / डिजाइनर **प्राध्यापक** मानसी कानेतकर, **नीरव पटेल**)
- **दर्जा**: वर्तमान में क्रियाशील - शू इनसोल पहनने वाले के चाल मापदंडों को मापता है और निदान और पुनर्वास के लिए 14 सूचकांकों तक की तुलना करता है। उत्पाद अभी टीआरएल स्तर 6 पर है और विपणन के लिए तैयार है।
- **कार्यात्मक सामग्री प्रयोगशाला के नए लोगो का डिजाइन** (पीआई: प्रो श्रीहरिथा रोथू): यह लोगो प्राकृतिक वातावरण के विभिन्न तत्वों अर्थात् वनस्पतियों, जीवों और मनुष्यों के बीच जुड़ाव का प्रतिनिधित्व करता है। यह वृत्त पृथ्वी के साथ-साथ पर्यावरण में साझा संसाधनों की चक्रीय प्रकृति का प्रतिनिधित्व करता है।
- **दर्जा**: **पूरा किया और प्रकाशित किया**. लोगो को सतहों के साथ तरल पदार्थों की परस्पर क्रिया को प्रकट करना था। अंतिम लोगो 'कॉफी के दाग' प्रभाव को प्रदर्शित करता है।
- **पर्यावरण मानविकी अनुसंधान समूह के नए लोगो का डिजाइन** (पीआई:**प्रो अम्बिका अय्यदुरई** / डिजाइनर **प्राध्यापक** मानसी कानेतकर)
- **स्थिति: जारी और प्रकाशित**. लोगो को सतहों के साथ तरल पदार्थों की परस्पर क्रिया को प्रकट करना था। अंतिम लोगो 'कॉफी के दाग' प्रभाव को प्रदर्शित करता है।
- **ऑटिस्टिक बच्चों के लिए पेन और टेबल लिखने का सेट** (पीआई:**प्रो उत्तम लाहिड़ी** / डिजाइनर **नीरव पटेल**)
- **स्थिति:** वर्तमान में क्रियाशील- डीआईसी ने ऑटिस्टिक बच्चों के लिए एक लेखन तालिका तैयार की है ताकि पीएचडी छात्रों को उनकी लिखावट के लिए आंकड़ों एकत्र करने में मदद मिल सके। आंकड़ों संग्रह के लिए प्रोटोटाइप का सफलतापूर्वक उपयोग किया गया था और अब इस प्लेटफॉर्म के विभिन्न उत्पादों में नवाचार के अनुवाद के अगले चरण में पहुंच गया है। डिजाइन में प्रतिभागियों के साथ-साथ शोधकर्ता के लिए आंकड़ों संग्रह के लिए कई अनुकूल तत्व शामिल थे।
- **मस्तिष्क नेत्र उपकरण** (पीआई:**प्रो उत्तम लाहिरी** / डिजाइनर **नीरव पटेल**)
- **स्थिति: पूर्ण** एक वीआर (वर्चुअल रियलिटी) आधारित टूल को आई ट्रैकिंग सेट-अप का उपयोग करके प्रतिक्रिया समय का दस्तावेजीकरण करने के लिए विकसित किया गया है। अंतिम प्रोटोटाइप एर्गोनॉमिक रूप से प्रयोग की अवधि के लिए प्रतिभागी को सहज बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह लागत प्रभावी है, मजबूत रूप में इकट्ठा करना आसान है और डिजाइन द्वारा प्रतिकृति और स्थापना को आसान बनाता है।
- **वन टच डॉक्टर, बॉडी विटल्स के लिए एक नॉन-इनवेसिव स्कैनर**(पीआई:**प्रो उत्तम लाहिड़ी** / डिजाइनर **प्राध्यापक मानसी कानेतकर, नीरव पटेल**)
- **स्थितिः** वर्तमान में क्रियाशील - स्कैनर एक उंगली की नोक पर फिट बैठता है और उंगली के माध्यम से प्रकाश पास करके इन विटल्स को महसूस करता है। इलेक्ट्रॉनिक घटकों के लिए संलग्नक को सभी आकारों और आकारों की उंगलियों पर चुस्त रूप से फिट करने की आवश्यकता होती है। अवधारणा का प्रमाण तैयार है और क्लीनिकों में कुछ पुनरावृत्तियों का परीक्षण पहले ही किया जा चुका है।

आयोजन

डिजाइन संवाद, सत्यजीत मित्तल द्वारा एक वार्ता, अरेटटो के संस्थापक - **फुटवियर टेक स्टार्टअप** एक विशेषज्ञ व्याख्यान 'दृश्य धारणा और डिजाइन में अनुभूति के व्यापक अनुप्रयोग "दिया गया था डीद्वारा "संज्ञानात्मक स्वास्थ्य से संबंधित मुद्दों को संबोधित करने में एआई-आधारित दृष्टिकोण" पर एसईआरबी वित्तपोषित कार्यशाला कार्यशाला के दौरान प्राध्यापक मानसी कानेतकर एक वीआर (वर्चुअल रियलिटी) आधारित टूल को आई ट्रैकिंग सेट-अप का उपयोग करके प्रतिक्रिया समय का दस्तावेजीकरण करने के लिए विकसित किया गया है। अंतिम प्रोटोटाइप एर्गोनॉमिक रूप से प्रयोग की अवधि के लिए प्रतिभागी को सहज बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह लागत प्रभावी है, मजबूत रूप में इकट्ठा करना आसान है तथा डिजाइन द्वारा प्रतिकृति और स्थापना को आसान बनाता है।

डिजाइन उन्मुखीकरण सत्र:

- **प्रोटोटाइप की मूल बातें:** फाउंडेशन प्रोग्राम, (बीटेक 2021) – द्वारा **श्री नीरव पटेल** (4 ऑफलाइन सत्र - 240 विद्यार्थी)
- **स्केचिंग के माध्यम से विचार करना** - आरोहण के दौरान सत्र (400 छात्रों के लिए ऑफ़लाइन सत्र) - **प्रो मानसी कानेतकर**
- **फ्लिपबुक बनाना**- जवाहर नवोदय विद्यालय (2022) सत्र के दौरान - स्नातकोत्तर छात्रों के लिए - **प्रो. समीर सहस्रबुद्धे** (ऑफ़लाइन सत्र 160 विद्यार्थी)
- **सुलेख कार्यशाला**: एक परिचयात्मक कार्यशाला जहां प्रतिभागियों को विभिन्न कलम पकड़ने व पारंपरिक सुलेख शैलियों जैसे चांसरी और पुरानी अंग्रेजी से परिचित कराया गया। (ऑफ़लाइन सत्र- 20 प्रतिभागी जिनमें छात्र, फैकल्टी कॉलेज और निवासी शामिल हैं)
- **स्केचिंग कार्यशाला**: मौके पर ही स्केचिंग का प्रदर्शन किया गया जिसमें प्रतिभागियों ने लैंडस्केप स्केचिंग की। (ऑफ़लाइन सत्र- 15 प्रतिभागी जिनमें छात्र, फैकल्टी कॉलेज और निवासी शामिल हैं)

नई पहल

1. **अपसाइक्लिंग प्रयोगशाला:** भा.प्रौ.सं गांधीनगर, हम वर्तमान में अपशिष्ट अपसाइक्लिंग की एक प्रणाली बनाने का प्रयास कर रहे हैं। इस प्रणाली या प्रयोगशाला का उपयोग शुरुआत में कार्डबोर्ड और स्टायरोफोम कचरे को कम करने के लिए किया जाएगा, इसके बाद कचरे की अन्य श्रेणियों जैसे लकड़ी, इलेक्ट्रॉनिक्स आदि को कम किया जाएगा। प्रयोगशाला का उद्देश्य इस कचरे को फर्नीचर जैसे उपयोगी वस्तुओं में बदलना है।
2. **कार्यशाला सुविधाएं:** छात्रों को प्रभावी ढंग से प्रोटोटाइप तकनीक से परिचित कराने के लिए विभिन्न मशीनें और उपकरण खरीदे गए। यह नए पेश किए गए पाठ्यक्रम ईएस 115 के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है: डिजाइन, इनोवेशन और प्रोटोटाइपिंग जो सभी बीटेक छात्रों के लिए उनके पहले शैक्षणिक वर्ष के दौरान अनिवार्य है।
3. **विनिर्माण ट्रेडों के लिए प्रमाणन:** मैन्युफैक्चरिंग वर्कशॉप के साथ-साथ टिंकरिंग प्रयोगशाला और मेकर्स भवन सुविधाएं विभिन्न मैन्युफैक्चरिंग ट्रेडों में सर्टिफिकेशन के लिए पायलट रन चला रही हैं।

डीआईसी टीम

प्रो मधु वडाली समन्वयक और है **प्रो मानसी कानेतकर** केंद्र के कोऑर्डिनेटर हैं। **प्रो. समीर सहस्रबुद्धे** अगस्त 2022 से एक अभ्यास प्राध्यापक, डिजाइन के रूप में शामिल हो गए हैं। जलधी शाह अगस्त 2022 से डिजाइन सहयोगी के रूप में कार्यरत हैं।

स्थायी विकास के लिए डॉ किरण सी पटेल केंद्र

भा.प्रौ.सं गांधीनगर में डॉ किरण सी पटेल सेंटर फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट (केपीसीएसडी) स्थिरता और उच्च सामाजिक महत्व की संबंधित चुनौतियों पर अत्याधुनिक शोध करता है और अपने मजबूत आउटरीच और प्रौद्योगिकी-हस्तांतरण कार्यक्रमों के माध्यम से लागत प्रभावी और टिकाऊ समाधानों को बढ़ावा देता है। यह स्थिरता डोमेन पर प्रशिक्षण, शिक्षा, जागरूकता और सामुदायिक जुड़ाव का एक मजबूत आउटरीच कार्यक्रम विकसित करने का प्रयास करता है, विद्वानों, नीति निर्माताओं, उद्योग, गैर-लाभकारी संगठनों और अन्य हितधारकों के बीच नेटवर्किंग और सहयोग की सुविधा देता है और भा.प्रौ.सं. गांधीनगर में सतत विकास पर शैक्षिक कार्यक्रमों को बढ़ावा देता है।

केंद्र बिंदु के क्षेत्र

- **पानी**: जल और अपशिष्ट जल उपचार, अलवणीकरण, सुरक्षित पेयजल उत्पादन, हाइड्रोलिक्स और जल संसाधन अभियांत्रिकी, जल संसाधन अनुसंधान, जल-ऊर्जा प्रणाली, नदी विज्ञान
- **प्रदूषण और अपशिष्ट प्रबंधन**: वायु, जल और मृदा प्रदूषण, वायु गुणवत्ता, लेजर स्पेक्ट्रोस्कोपी, कण अभियांत्रिकी, निर्मित पर्यावरण, कम लागत वाले वायु गुणवत्ता सेंसर, पर्यावरण नीति, सतह अभियांत्रिकी, अपशिष्ट से संसाधन तकनीकें
- **जलवायु परिवर्तन**: जलवायु जोखिम, अत्यधिक जलवायु घटनाएं, जलवायु परिवर्तनशीलता, खाद्य-ऊर्जा-जल सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन प्रभाव, महत्वपूर्ण अवसंरचना लचीलापन, आंतरिक परिवर्तनशीलता, हाइड्रोमेटोरोलॉजिकल एक्सट्रीम, हाइड्रोलॉजिकल प्रक्रियाओं के लिए भौतिकी निर्देशित मशीन लर्निंग, हाइड्रोलॉजिकल मॉडलिंग
- **ऊर्जा**: ईंधन सेल प्रणाली, ऊर्जा प्रणाली, वितरित ऊर्जा, हीटिंग वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग, ऊर्जा रूपांतरण और भंडारण, अनुकूलन, ऊर्जा प्रबंधन, जैविक इलेक्ट्रॉनिक्स और एलईडी, सौर सेल, नवीकरणीय ऊर्जा, बिजली बाजार, स्मार्ट वितरण ग्रिड/माइक्रोग्रिड, थर्मोडायनामिक अनुकूलन, स्मार्ट विनिर्माण
- **प्राकृतिक संसाधन,वन्यजीव और पारिस्थितिकी तंत्र**: वन्यजीव संरक्षण, स्वदेशी लोग, सामाजिक और पर्यावरणीय न्याय, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, पर्यावरण पुरातत्व, स्थिरता मॉडलिंग, पृथ्वी की सतह की प्रक्रियाएं, सतत जलधारा प्रबंधन

कार्यक्रम

- **शोध करना:** स्थिरता पर अनुसंधान और परामर्श और राष्ट्रीय और वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देना
- **अभ्यास:** प्रयोगशाला-टू-फील्ड प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और परिसर और पड़ोस पर कार्यान्वयन
- **शिक्षा:** भा.प्रौ.सं गांधीनगर में पाठ्यक्रम विकास और राष्ट्रीय और विश्व स्तर पर स्थिरता पर उन्नत शिक्षा
- **आउटरीच:** विद्वानों और पेशेवरों के लिए सम्मेलन, नेटवर्किंग, प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं

आयोजन

आईडब्ल्यूएमआई के साथ क्षेत्रीय ज्ञान मंच

अंतर्राष्ट्रीय जल प्रबंधन संस्थान (आईडब्ल्यूएमआई), भा.प्रौ.सं गांधीनगर और अन्य सहयोगी संगठनों में डॉ. किरण सी पटेल सेंटर फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट (केपीसीएसडी) के सहयोग से, 6 - 8, 2023 फरवरी से "ऊर्जावान कृषि और दक्षिण एशिया में ऊर्जा संक्रमण को सक्षम करने" पर एक क्षेत्रीय ज्ञान मंच की मेजबानी की। यह आयोजन स्विस एजेंसी फॉर डेवलपमेंट एंड कोऑपरेशन (एसडीसी) द्वारा वित्त पोषित 'दक्षिण एशिया में कृषि लचीलापन के लिए सौर सिंचाई' (एसओएलएआर) नामक आईडब्ल्यूएमआई की परियोजना का एक हिस्सा था। इसमें पांच विषयगत क्षेत्रों में पूर्ण और समानांतर सत्र शामिल थे। फोरम में अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में क्षेत्रीय शोधकर्ताओं, नीति निर्माताओं और चिकित्सकों ने भाग लिया था।

स्वच्छता पखवाड़ा

भा.प्रौ.सं गांधीनगर द्वारा 1-15 सितंबर, 2022 तक भा.प्रौ.सं गांधीनगर द्वारा मनाए गए 'स्वच्छता पखवाड़ा' के एक भाग के रूप में, भा.प्रौ.सं गांधीनगर में केपीसीएसडी और ग्रीन क्लब ने एक परिपत्र अर्थव्यवस्था और सिस्टम थिंकिंग अवधारणा के साथ एकीकृत अपशिष्ट प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया, जिसका शीर्षक था "अपशिष्ट से संसाधन पुनर्प्राप्ति" - सतत शहरीकरण के लिए परिपत्र अर्थव्यवस्था दृष्टिकोण" द्वारा **प्रो ब्रजेश के दुबे** 80 से अधिक सदस्यों की भागीदारी के साथ प्राध्यापक, सर्कुलर अभियांत्रिकी, सिविल अभियांत्रिकी विभाग और अध्यक्ष, जल संसाधन स्कूल, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर।

अभियांत्रिकी इनोवेशन 2022 के लिए विश्वकर्मा पुरस्कार

केपीसीएसडी ने मेकर भवन फाउंडेशन और विन फाउंडेशन के सहयोग से 'अभियांत्रिकी इनोवेशन 2022 के लिए विश्वकर्मा अवार्ड' का आयोजन किया, जो भारतीय विज्ञान और अभियांत्रिकी के छात्रों को 'जल और स्वच्छता' विषय के आसपास नवीन जल और स्वच्छता प्रणाली बनाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए एक राष्ट्रीय प्रतियोगिता है। चयनित दस टीमों ने 27 अगस्त, 2022 को आयोजित भा.प्रौ.सं गांधीनगर के ग्रैंड फिनाले में अपने अभिनव अभियांत्रिकी समाधानों का प्रदर्शन किया, जिसमें शौचालय के पानी के उपयोग को कम करना, सौर कीटाणुशोधन और अपशिष्ट पुनर्चक्रण प्रणाली शामिल हैं। शीर्ष तीन टीमों को 5 लाख रुपये तक का नकद पुरस्कार मिला, और सभी टीमों को चार महीने में अपने प्रोटोटाइप विकसित करने के लिए धन और सलाह दी गई।

क्लाइमेट एक्शन नाउ (सीएएन)

सतत विकास के लिए डॉ किरण सी पटेल केंद्र (केपीसीएसडी) गुजरात पारिस्थितिक शिक्षा और अनुसंधान (जीईईआर) फाउंडेशन, गांधीनगर के सहयोग से, भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने जलवायु परिवर्तन पर एक कार्यशाला श्रृंखला के खंड II और III (पांच दिन प्रत्येक) का आयोजन किया, जिसे क्लाइमेट एक्शन नाउ (सीएएन) कहा जाता है। जनवरी 2023 के दौरान,एक फोकस के साथ "जलवायु कार्रवाई और

उद्योगों की भूमिका" पर कार्यशाला श्रृंखला का दूसरा खंड 16 – 20 जनवरी, 2023 से आयोजित था। इसके बाद, "जलवायु परिवर्तन-केंद्रित अनुसंधान और विकास" पर तीसरा खंड 27 और 31 जनवरी, 2023 के बीच आयोजित किया गया।

स्थिरता संगोष्ठी श्रृंखला

स्थिरता संगोष्ठी श्रृंखला के हिस्से के रूप में केंद्र ने अप्रैल 2022 से मार्च 2023 के बीच दस संगोष्ठियों का आयोजन किया। संगोष्ठियों में स्वच्छ हवा, जीवाश्म ईंधन संसाधन दोहन, ऊर्जा सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन, वन्यजीव संरक्षण, परिपत्र अभियांत्रिकी दृष्टिकोण और स्वच्छ शीतलन प्रौद्योगिकियों सहित कई विषयों को शामिल किया गया। दुनिया भर के कई स्थानों से 800 से अधिक लोगों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया जैसे की अर्जेंटीना, ऑस्ट्रिया, बांग्लादेश, कनाडा, जर्मनी, इज़राइल, मोरक्को, पाकिस्तान, सिंगापुर, स्वीडन, नीदरलैंड, कोरिया गणराज्य, संयुक्त अरब अमीरात जैसे भारत और, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका। आयोजित सेमिनारों का विवरण इस प्रकार है:

- **प्रो नवीन रमनकुट्टी,** ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय में वैश्विक पर्यावरण परिवर्तन और खाद्य सुरक्षा में प्राध्यापक और कनाडा रिसर्च चेयर; हमारी खाद्य प्रणाली की चुनौतियों का समाधान तलाशना
- **डॉ पल्लवी पंत**, वरिष्ठ वैज्ञानिक, स्वास्थ्य प्रभाव संस्थान; भारत में स्वच्छ हवा की खोज
- **सुश्री तियासा आद्या**, सदस्य, आईयूसीएन बिल्ली विशेषज्ञ समूह; मत्स्य पालन बिल्लियों: एक आर्द्रभूमि बिल्ली को सामाजिक-पारिस्थितिकीय संरक्षण दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है
- **प्रो वोल्कर वाहरेनकैंप**, प्राध्यापक, ऊर्जा संसाधन और पेट्रोलियम अभियांत्रिकी, भौतिक विज्ञान और अभियांत्रिकी प्रभाग, किंग अब्दुल्ला विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, सऊदी अरब; जीवाश्म ईंधन संसाधनों के दोहन, जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा सुरक्षा की पहेली - हम क्या कर सकते हैं?
- **प्रो. दीप्ति गणपति**, प्राध्यापक और अध्यक्ष, प्रबंधन संचार केंद्र, भारतीय प्रबंधन संस्थान बैंगलोर; खंडित दर्शकों के लिए जलवायु परिवर्तन का संचार करना
- **डॉ आर ब्रविन कुमार**, प्रारंभिक कैरियर संरक्षण जीवविज्ञानी; तमिलनाडु में हेजहोग संरक्षण: लोगों की भागीदारी से दुर्लभ छोटे स्तनधारियों को बचाना
- **प्रो आर्मिन हाफनर**, प्राध्यापक, ऊर्जा और प्रक्रिया अभियांत्रिकी विभाग, नार्वेजियन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एनटीएनयू), नॉर्वे; भारत के लिए स्वच्छ शीतलन प्रौद्योगिकियां
- **प्रो. राजेंद्र बोर्डिया**, जॉर्ज जे बिशप, क्लेम्सन विश्वविद्यालय में सामग्री विज्ञान और अभियांत्रिकी के III प्राध्यापक और अतिथि प्राध्यापक, सामग्री अभियांत्रिकी और केपीसीएसडी; कार्बन तटस्थ ऊर्जा में सामग्रियों की महत्वपूर्ण और सक्षम भूमिका
- **प्रो उपमनु लाल**, कोलंबिया जल केंद्र के संस्थापक निदेशक, अभियांत्रिकी के एलन और कैरल सिल्बरस्टीन प्राध्यापक, और कोलंबिया विश्वविद्यालय में इंटरनेशनल रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर क्लाइमेट एंड सोसाइटी में एक वरिष्ठ शोध वैज्ञानिक; मानव, जलवायु, जल, पृथ्वी और बायोटा का सह-विकास: अगला अध्याय?
- **प्रो ब्रजेश के दुबे**, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर में प्राध्यापक, सर्कुलर अभियांत्रिकी, सिविल अभियांत्रिकी विभाग, और अध्यक्ष, जल संसाधन स्कूल; पर्यावरण प्रबंधन के लिए परिपत्र अभियांत्रिकी दृष्टिकोण
- केपीसीएसडी ने द पाथ टू जीरो: प्रोटेक्टिंग पीपल एंड द प्लैनेट थ्रू इनवेस्टमेंट एंड इनोवेशन पर एक विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया श्री महेश रामानुजम, जीरो के लिए ग्लोबल नेटवर्क के सह-संस्थापक, अध्यक्ष और सीईओ

केंद्र संकाय

केंद्र के संकाय के में निम्न सम्मिलित हैं - प्रो अचल मेहरा, विजिटिंग प्राध्यापक और केंद्र के समन्वयक; प्रो विमल मिश्रा,प्राध्यापक व केंद्र के सह समन्वयक; **प्रो अम्बिका अय्यदुरई**, सहायक प्राध्यापक; **प्रो सुधीर कुमार अरोड़ा,** अभ्यास के प्राध्यापक; **प्राध्यापक रूपक बनर्जी**, सह - प्राध्यापक; **प्रो निपुण बत्रा,** सहायक प्राध्यापक; **प्रो. अतुल भार्गव**, प्राध्यापक; प्रो पल्लवी भारद्वाज, सहायक प्राध्यापक; **प्रो. उदित भाटिया**, सहायक प्राध्यापक; **प्रो राजेंद्र बोर्डिया,** अतिथि प्राध्यापक; **प्रो अरूप लाल चक्रवर्ती**,प्राध्यापक; **प्रो शारदा विश्वेश्वर चन्नारायणपटना,** सहायक प्राध्यापक; प्रो हरी गणेश**,** सहायक प्राध्यापक; **प्रो अरूप आर गांगुली,** अतिथि प्राध्यापक; **प्रो. चिन्मय घोरोई**, बी एस गेलोट चेयर प्राध्यापक; प्रो विक्रांत जैन, प्राध्यापक; **प्रो कबीर जसूजा**, सह - प्राध्यापक; **प्रो. आलोक कुमार कानूनगो**, सहायक अनुसंधान प्राध्यापक; **प्रो पंकज खन्ना**, सहायक प्राध्यापक; **प्रो. अनिर्बन मंडल,** सहायक प्राध्यापक; **प्रो छवि नाथ पाण्डेय**, अतिथि प्राध्यापक; **प्रो समीर पटेल,** सहायक प्राध्यापक; प्रो नरण पिंडोरिया,सह - प्राध्यापक; **प्रो सुधांशु शर्मा**, सहायक प्राध्यापक; **प्रो ऋषि नारायण सिंह,** अतिथि प्राध्यापक; **प्राध्यापक जयचंदर स्वामीनाथन**, कंचन और हरिलाल दोषी चेयर सहायक प्राध्यापक; प्रो प्राची थारेजा, सह - प्राध्यापक; **प्राध्यापक जिमी थॉमस,** गेस्ट प्राध्यापक व **प्रो आशीष खाक्सा**, सहायक प्राध्यापक।

सुरक्षा अभियांत्रिकी केंद्र

भा.प्रौ.सं गांधीनगर में सुरक्षा अभियांत्रिकी केंद्र (सीएसई) चुनौतियों और संभावित समाधानों की बेहतर समझ के माध्यम से भारत में सार्वजनिक सुरक्षा में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है। राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को दर्शाते हुए, सीएसई उद्योग, सरकार और भा.प्रौ.सं गांधीनगर के बीच सहयोगी अनुसंधान परियोजनाओं के माध्यम से उत्पाद विकास और नवाचार में भारतीय निर्माताओं का समर्थन करने में गर्व महसूस करता है।

आयोजन

परिधि के डिजाइन, स्थापना, और निरीक्षण पर कार्यशाला और पेनेट्रेशन फायरस्टॉप्स के माध्यम से

भा.प्रौ.सं गांधीनगर में सेंटर फॉर सेफ्टी अभियांत्रिकी ने **"डिजाइन, स्थापना, और परिधि का निरीक्षण और पेनेट्रेशन फायरस्टॉप्स के माध्यम से"** पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इसके बाद 27 अगस्त, 2022 को फायर बिल्डिंग में पूर्ण पैमाने पर अग्नि प्रयोग किया गया। दिन भर चलने वाली कार्यशाला में 110 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रतिनिधियों में छात्र, शिक्षक, अग्निशमन अधिकारी, सलाहकार और अन्य उद्योग पेशेवर और नेता शामिल थे। बीआईएस और शीर्ष राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कोड और मानकों के वक्ताओं ने फायर स्टॉप डिजाइन और स्थापना पर जोर देने के साथ-साथ प्रदर्शन-आधारित कोड और मानकों की आवश्यकता पर विचार-विमर्श किया। लाइव फायर टेस्ट के द्वारा इस सीख को पुनः बल मिला।

ईवी सुरक्षा में अभियांत्रिकी चुनौतियों पर छात्र प्रतियोगिता

इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) अग्नि सुरक्षा से संबंधित मुद्दों को समग्र रूप से समझने और कम करने के लिए, भा.प्रौ.सं गांधीनगर में सुरक्षा अभियांत्रिकी केंद्र ने "पर एक राष्ट्रीय प्रतियोगिता आयोजित की है। **ईवी सुरक्षा में अभियांत्रिकी चुनौतियां,** जहां 91 टीमों में देश भर के विभिन्न भा.प्रौ.सं, एनआईटी और विश्वविद्यालयों के 359 छात्र शामिल हैं। इसका उद्देश्य विषय वस्तु पर विस्तृत प्रलेखन और साहित्य समीक्षा करना है। पंजीकरण 1 मई, 2022 को शुरू हुआ और सभी टीमों ने 15 जून, 2022 को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। शॉर्टलिस्ट की गई टीमों ने 26 सितंबर, 2022 को भा.प्रौ.सं गांधीनगर में अंतिम मूल्यांकन चरण में प्रतिष्ठित जूरी सदस्यों को अपने निष्कर्ष प्रस्तुत किए।

भारत में ई-गतिशीलता पर संगोष्ठी: सुरक्षा और आगे का रास्ता

भा.प्रौ.सं गांधीनगर में सेंटर फॉर सेफ्टी अभियांत्रिकी ने दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया**भारत में ई-मोबिलिटी: सुरक्षा और आगे का रास्ता**. भारत, अमेरिका और यूरोप के वक्ताओं ने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) में लगी आग से निपटने के अपने अनुभवों और चुनौतियों को साझा किया। **श्री गिरिधर अरमाने** (आईएएस), सचिव, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार ने भारत सरकार, द्वारा उठाए गए सड़क सुरक्षा उपायों पर प्रकाश डाला और ईवी सुरक्षा के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए सीएसई की सराहना की। उद्योग के नेताओं और क्षेत्र के शोधकर्ताओं ने ई-मोबिलिटी मिशन में सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं जैसे प्रौद्योगिकी की तैयारी, ईवी आग की चुनौतियों, बैटरी प्रबंधन प्रणाली (बीएमएस), थर्मल रनवे, कोड/मानकों आदि को साझा किया। संगोष्ठी में भाग लेने वाले उद्योग से हैं , शिक्षाविद्, शोधकर्ता, सुरक्षा पेशेवर, और बीमा के पेशेवर, बैटरी निर्माता, ऑटोमोटिव निर्माता, नियामक और अन्य ईवी क्षेत्र के हितधारक।

सीएसई का एक दशक और एक नई प्रयोगशाला की स्थापना

सेंटर फॉर सेफ्टी अभियांत्रिकी भा.प्रौ.सं गांधीनगर के सबसे गतिशील केंद्रों में से एक है, जिसकी कल्पना दिसंबर 2012 में की गई थी। यह केंद्र कई अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलनों, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, सुरक्षा पर लघु पाठ्यक्रमों की व्यवस्था करने में शामिल है, और सुरक्षा से संबंधित कई पाठ्यक्रमों की शुरुआत करता है। दशक भर में पाठ्यक्रम। केंद्र ने उद्योगों के लिए नए उत्पाद विकास और परीक्षण के लिए प्रमुख अनुसंधान और परीक्षण सुविधा विकसित की। केंद्र को विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय साझेदार उद्योगों, सरकारी हितधारकों और व्यक्तियों से समर्थन प्राप्त हुआ। 3 दिसंबर, 2022 को केंद्र ने समाज में सार्वजनिक सुरक्षा पर अपनी 10 साल की सेवा (2012 - 2022) पूरी की। सफलताओं का जश्न मनाने और आगे की राह पर चर्चा करने के लिए, सेंटर फॉर सेफ्टी अभियांत्रिकी ने 3 दिसंबर, 2022 को शुरुआत से ही शामिल विभिन्न हितधारकों के साथ अपने अस्तित्व के 10 साल पूरे होने का जश्न मनाया। से संक्षिप्त टिप्पणी के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई **श्री ताज हसन** (आईपीएस), महानिदेशक, गृह मंत्रालय। सभी हितधारकों ने विचार-विमर्श किया और केंद्र के आगे विकास के लिए अपने इनपुट दिए। सीएसई ने इस अवसर पर अपनी नई सुविधा, "शाह भोगीलाल और निष्क्रिय अग्नि प्रणाली परीक्षण के लिए जेठालाल प्रयोगशाला" का अनावरण किया। यह सुविधा देश में अपनी तरह की अनूठी है और हमने अग्निशमन ड्रोन का प्रदर्शन भी किया। आर्किटेक्ट्स, कंसल्टेंट्स, डोर / डैम्पर्स निर्माता, बीआईएस जैसे स्टैंडर्ड बॉडीज और बिल्डिंग एलिमेंट्स इंडस्ट्री के साथ एक सत्र का आयोजन किया गया था, जिसमें मान्यता योजना सहित स्पेसिफिकेशन और टेस्ट प्रोटोकॉल पर चर्चा की गई थी। सत्र का उद्देश्य भारतीय निर्माताओं को गुणवत्ता मानकों को प्राप्त करने में मदद करना है, जहां बीआईएस और गृह मंत्रालय के वक्ताओं ने अपने अनुभव साझा किए।

स्ट्रक्चरल और पैसिव फायर प्रोटेक्शन पर छात्र पेपर प्रतियोगिता

भा.प्रौ.सं गांधीनगर में सेंटर फॉर सेफ्टी इंजीनियरिंग ने स्ट्रक्चरल एंड पैसिव फायर प्रोटेक्शन पर एक छात्र पेपर प्रस्तुति प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता ने पैसिव फायर स्ट्रक्चरल प्रोटेक्शन सिस्टम के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास के महत्व पर जागरूकता फैलाने में मदद की। इस प्रतियोगिता से अनुसंधान समुदाय, छात्र समुदाय और इस क्षेत्र में काम करने वाले उद्योगों को भी लाभ हुआ। प्रतियोगिता के लिए जमा किए गए सभी पेपरों में से चार सर्वश्रेष्ठ पेपर्स को मुंबई में 9-11 फरवरी, 2023 को आयोजित फायर सेफ बिल्ड इंडिया कॉन्फ्रेंस एंड एक्सपो में अंतिम प्रस्तुति के लिए चुना जाएगा।

केंद्र कार्यकर्ता:

प्रो. चिन्मय घोरोई केंद्र के समन्वयक हैं और **प्रो.गौरव श्रीवास्तव**, केंद्र के सह-समन्वयक हैं, और श्री जगदीश वतापल्ली केंद्र के सलाहकार हैं।

बाह्य मामले

समझौता ज्ञापन

भा.प्रौ.सं गांधीनगर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध शैक्षणिक संस्थानों और गैर-शैक्षणिक संगठनों के साथ लगातार मजबूत और पारस्परिक रूप से लाभप्रद संबंध बना रहा है। वर्ष 2022-23 में कई साझेदारियां की गईं जिससे छात्रों और संकाय को लाभ होगा।

भा.प्रौ.सं मद्रास के साथ साझेदारी

भा.प्रौ.सं गांधीनगर और भा.प्रौ.सं मद्रास ने भारतीय उद्योगों के डीकार्बोनाइजेशन को बढ़ावा देने के लिए "कोटक-भा.प्रौ.सं मद्रास सेव एनर्जी मिशन (केआईएसईएम) - भा.प्रौ.सं गांधीनगर" नामक एक परियोजना शुरू करने के लिए 12 मई, 2022 को एक समझौता ज्ञापन में प्रवेश किया। इस समझौता ज्ञापन के एक भाग के रूप में, दोनों संस्थान अनुबंध के विभिन्न तरीकों के माध्यम से अनुसंधान, परामर्श, शिक्षा और प्रशिक्षण पर सहयोग करेंगे।

पुरातत्व और संग्रहालय निदेशालय के साथ समझौता ज्ञापन

भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने 20 मई, 2022 को ऐतिहासिक और सांस्कृतिक वातावरण के संरक्षण, संरक्षण के लिए पारस्परिक विशेषज्ञता, संसाधनों और प्रतिबद्धता को साझा करने के लिए पुरातत्व और संग्रहालय निदेशालय, खेल, युवा और सांस्कृतिक गतिविधियां विभाग, गुजरात सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

उद्योगों के साथ सहयोग

भा.प्रौ.सं गांधीनगर अनुसंधान पार्क और औद्योगिक दिग्गज आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया लिमिटेड ने अगस्त 2022 में वैश्विक स्तर पर उद्योग-अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देने और भा.प्रौ.सं गांधीनगर संकाय सदस्यों व छात्रों के साथ अनुसंधान-आधारित साझेदारी के रास्ते की सुविधा के लिए एक समझौता ज्ञापन में प्रवेश किया है। संस्थान ने श्री मुकेश शाह, मैनेजिंग पार्टनर, शाह भोगीलाल जेठालाल एंड ब्रदर्स (एएएजी इंडिया) के साथ 02 जुलाई, 2022 को एक निष्क्रिय अग्नि परीक्षण प्रयोगशाला स्थापित करने और अग्नि सुरक्षा के क्षेत्र में कई विद्वतापूर्ण गतिविधियों को करने के लिए भागीदारी की है। उनके उदार समर्थन की सराहना में, नई अग्नि-परीक्षण अनुसंधान प्रयोगशाला का नाम श्री मुकेश शाह के दादा और शाह भोगीलाल जेठालाल एंड ब्रदर्स के संस्थापक की स्मृति में 'शाह भोगीलाल जेठालाल लेबोरेटरी फॉर पैसिव फायर सिस्टम टेस्टिंग' रखा जाएगा। 05 जुलाई, 2022 को संस्थान के अनुसंधान पार्क में अपना संचालन स्थापित करने व भा.प्रौ.सं गांधीनगर के छात्रों और संकाय सदस्यों के साथ काम करने के लिए उनके उत्पाद विकास और नवाचार रणनीतियों पर ज़ोर दिया जा रहा है।

भारतीय वायु सेना के साथ समझौता ज्ञापन

भा.प्रौ.सं गांधीनगर और भारतीय वायु सेना ने प्रमुख क्षेत्रों में अनुसंधान और नवाचारों के माध्यम से स्वदेशी प्रौद्योगिकियों और उपकरणों के विकास, सामग्री विज्ञान, एयरोस्पेस, नैनो टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रिकल सिस्टम, अप्रचलन प्रबंधन, उन्नयन और स्वदेशीकरण के माध्यम से डिजिटलीकरण। इसके अलावा, समझौता ज्ञापन का उद्देश्य विमान और एयरो इंजन घटकों, सामग्री विश्लेषण और प्रतिस्थापन, जीवन विस्तार अध्ययन, विफलता विश्लेषण और गुणवत्ता आश्वासन की विश्वसनीयता में वृद्धि पर अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने में सहयोग करने के लिए हाथ मिलाया है।

एमपीसीएसटी के साथ समझौता ज्ञापन

भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने **एम पी विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद (एमपीसीएसटी)**, मध्य प्रदेश सरकार का एक स्वायत्त संगठन, राज्य में "क्रिएटिव लर्निंग केंद्र" स्थापित करने के लिए भोपाल में 26 दिसंबर, 2022 को आयोजित एक कार्यक्रम में **श्री शिवराज सिंह चौहान**, मध्य प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री; **प्रो रजत मूना**, निदेशक, भा.प्रौ.संजीएन; और अन्य गणमान्य व्यक्ति की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इसके साथ ही, रचनात्मक शिक्षा केंद्र, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, भोपाल में केंद्र की स्थापना में सुविधा प्रदान करेगा, जिसमें एसटीईएम सत्रों, व्यावहारिक कार्यशालाओं और पेचीदा एसटीईएम खिलौनों और मॉडलों की प्रदर्शनी पर ध्यान दिया जाएगा।

फायर सेफ बिल्ड इंडिया के साथ साझेदारी

सुरक्षा अभियांत्रिकी केंद्र (सीएसई) भा.प्रौ.सं गांधीनगर और फायर सेफ बिल्ड इंडिया ने कई परियोजनाओं पर सहयोग करने के लिए हाथ मिलाया है, जिसकी शुरुआत "स्ट्रक्चरल एंड पैसिव फायर प्रोटेक्शन" पर एक पेपर प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता के साथ हुई, जिसमें स्नातक/स्नातकोत्तर/पीएचडी करने वाले विभिन्न विषयों के छात्रों को आमंत्रित किया गया जिससे की वे अपने डोमेन में अपने शोध कार्य का प्रदर्शन करें और मौद्रिक पुरस्कार जीतें। सीएसई ने फायर सेफ बिल्ड इंडिया द्वारा आयोजित तीन दिवसीय एक्सपो और सम्मेलन में भी भाग लिया, जिसमें संस्थान के पास सीएसई और फायर अभियांत्रिकी अनुसंधान लेबोरेटरी की गतिविधियों को प्रदर्शित करने वाला एक समर्पित स्टॉल था।

एलुडेकोर और संस्थान के मध्य समझौता

भारत में एक प्रीमियम एसीपी शीट निर्माता, एल्यूडेकोर ने एल्युमीनियम कम्पोजिट पैनल (एसीपी) के अग्निरोधी (एफआर) गुणों पर विस्तृत शोध करने के लिए भा.प्रौ.संजीएन के एफईआरएल के साथ सहयोग किया है। प्रो गौरव श्रीवास्तव, सिविल अभियांत्रिकी अनुशासन, ने अल्यूडेकोर को एक विस्तृत शोध रिपोर्ट सौंपी, जिसमें आग से जीवन और इमारतों के नुकसान की रक्षा के लिए एसीपी की क्षमता को दर्शाने वाले निष्कर्षों को विस्तृत किया गया है।

अंतरराष्ट्रीय

वाशिंगटन विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका	छात्रों और शिक्षकों दोनों के लिए वैश्विक शिक्षा अनुभव को बढ़ावा देना
मियामी विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका	छात्रों और शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग का आदान-प्रदान
भा.प्रौ.सं गांधीनगर फाउंडेशन, संयुक्त राज्य अमेरिका	भा.प्रौ.सं गांधीनगर के छात्रों और संकाय के बीच शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देना
श्री रुयिन्टन (रॉन) ई मेहता और भा.प्रौ.सं गांधीनगर फाउंडेशन	एराच और मेहरू मेहता दक्षिणा मेमोरियल स्कॉलरशिप
कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, यूके	दो संस्थानों के बीच शैक्षणिक संबंधों को बढ़ावा देना

राष्ट्रीय

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास	औद्योगिक ऊर्जा आकलन सेल पर परियोजना
पुरातत्व और संग्रहालय निदेशालय	संरक्षण, विरासत प्रबंधन और प्रासंगिक पुरातत्व विज्ञान में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान और विकास करना
श्री मुकेशभाई शाह ऑफ़ शाह भोगीलाल जेठालाल और ब्रोस.	अग्नि सुरक्षा अभियांत्रिकी पर सुरक्षा अभियांत्रिकी केंद्र की गतिविधियों का समर्थन करने के लिए
आर्सेलर मित्तल और निप्पॉन स्टील	कौशल विकास, निर्देश और अनुसंधान जैसी गतिविधियों को अंजाम देना।
मैसर्स एचएलई ग्लासकोट लिमिटेड	भा.प्रौ.सं गांधीनगर में सीआरटीडीएच में औद्योगिक बहिःस्राव पर परीक्षण और अनुसंधान का समर्थन करने के लिए
कैलाश कैंसर हॉस्पिटल एंड अनुसंधान फाउंडेशन	पारस्परिक हित की पहलों पर आदान-प्रदान और सहयोग का एक कार्यक्रम स्थापित करना जो समय के साथ सामने आ सकता है
भारतीय वायु सेना, वायु सेना मुख्यालय, नई दिल्ली	अनुसंधान और विकास के माध्यम से स्वदेशी प्रौद्योगिकियों और उपकरणों का विकास
अनु और बी वी जगदीश चेयर	नवाचार और उद्यमिता विकास में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना
भालोदिया-खेतन समर अनुसंधान एक्सीलेंस अवार्ड	ग्रीष्मकालीन अनुसंधान अंतःशिक्षुता कार्यक्रम (एसआरआईपी) प्रतिभागियों के भीतर उत्कृष्टता को बढ़ावा देना और इसके मानकों और भा.प्रौ.सं गांधीनगर की मान्यता को और ऊपर उठाना
भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई)	भा.प्रौ.सं गांधीनगर में पुरातत्व विज्ञान केंद्र को मजबूत बनाना और समर्थन देना
इंगरसोल रैंड (इंडिया) लिमिटेड	भा.प्रौ.सं गांधीनगर में क्रिएटिव लर्निंग केंद्र प्रशिक्षकों के लिए विभिन्न क्षमता विकास कार्यक्रमों का विकास और संचालन कर रहा है
पंड्या-शिवपुरी चेयर	संसाधन और जनसंख्या गतिशीलता से संबंधित क्षेत्रों में अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा देना
हिल्टी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए फायरस्टॉप सिस्टम (एस) और एएसटीएम ए 2307 परीक्षण सुविधा के परीक्षण और विकास के लिए।

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर)	आईसीसीआर का उद्देश्य उन विश्वविद्यालयों / संस्थानों को सूचीबद्ध करना है जो ए2ए पोर्टल के माध्यम से आईसीसीआर द्वारा प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को स्वीकार करने के इच्छुक हैं।
एल एंड टी टेक्नोलॉजी सर्विसेज लिमिटेड	डेटा संग्रह और विश्लेषण, परिनियोजन और निर्णय-निर्माण, उत्पादकता बढ़ाने के लिए उपचारात्मक कार्रवाई
भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस)	बीआईएस मानकीकरण चेयर की स्थापना
स्टेट काउंसिल ऑफ एजुकेशन अनुसंधान एंड ट्रेनिंग (एससीईआरटी), दिल्ली	एसटीईएम शिक्षा ने अपने मालिकाना प्रशिक्षण कार्यक्रम सामग्री, कार्यशालाओं आदि के माध्यम से देश भर में बड़ी संख्या में छात्र और शिक्षक समुदायों तक पहुँचने के लिए स्थापित किया है।
निक्सी सीएससी डेटा सर्विसेज लिमिटेड	चिन्हित आईटी सेवाओं का पता लगाने और उनका उपयोग करने के लिए निक्सी-सीएससी के साथ सहयोग करना

भा.प्रौ.सं गांधीनगर अनुसंधान पार्क

भा.प्रौ.सं गांधीनगर अनुसंधान पार्क उद्योग और शिक्षा के बीच एक मजबूत संबंध को बढ़ावा देकर नवाचार और अनुसंधान की सीमाओं को आगे बढ़ाना चाहता है। अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को करने के लिए उद्योग भा.प्रौ.सं गांधीनगर अनुसंधान पार्क में अपने कार्यालय स्थापित कर सकते हैं। यह उन्हें एक जीवंत समुदाय का हिस्सा बनने और भा.प्रौ.सं गांधीनगर में आरएंडडी पेशेवरों, छात्रों और अत्याधुनिक आरएंडडी बुनियादी ढांचे तक पहुंच प्राप्त करने की अनुमति देता है।

अनुसंधान पार्क का स्थायी भवन

अनुसंधान पार्क की स्थायी इमारत पूरी तरह चालू है। उद्भवन केंद्र और संस्थान के मौजूदा शैक्षणिक भवनों से काम करने वाली कंपनियों ने अपने कार्यालय अनुसंधान पार्क में स्थानांतरित कर दिए हैं।

भा.प्रौ.सं गांधीनगर अनुसंधान पार्क में कंपनियां

31 मार्च 2023 तक भा.प्रौ.सं गांधीनगर अनुसंधान पार्क से कुल 12 कंपनियां काम कर रही हैं। कंपनियों के बारे में एक सारांश नीचे दिया गया है:

कंपनी का नाम	वर्तमान में अधिकृत क्षेत्र (वर्ग फीट)	रूचि क्षेत्र
एएमएनएस इंडिया	38,301	कौशल विकास
नैसकॉम	8,000	आईओटी और आईटी
जीयूवीएनएल	3,500	विद्युत शक्ति
फायरटेक	500	अग्निशमन प्रणालियों का निर्माण
शाह भोगीलाल जेठालाल एंड ब्रदर्स	500	अग्नि सुरक्षा उपकरण
कॉर्टेक्स कन्स्ट्रक्शन सोल्युशंस	400	संरचनागत वास्तुविद्या
सिल्वर टच टेक्नोलॉजीस्	350	आईटी समाधान और डिजिटल परिवर्तन
थर्डएआई प्राइवेट लिमिटेड	300	एआई, आईओटी और आईटी
इन्फ्यू लैब्स	280	एग्रीटेक
डीपी पुल्वराइज़र इंडस्ट्रीज	260	उत्पादन
जिओ कार्ट	250	भूमिगत अवसंरचना मानचित्रण
परफी	160	कौशल विकास

वर्ष के दौरान, 7 नई कंपनियां अनुसंधान पार्क में शामिल हुईं। 12 कंपनियों ने ~ 52,800 वर्गफुट अर्थात भवन (ब्लॉक बी) के तैयार हिस्से में कुल किराये की जगह का लगभग 65% के क्षेत्र पर कार्यरत हैं। अनुसंधान पार्क भवन के वार्म शेल एरिया (ब्लॉक डी) को लेने में भी कंपनियों ने दिलचस्पी दिखाई है।

उद्योग सम्मेलन- कनेक्शन 2023

संस्थान और विभिन्न उद्योगों के बीच की दूरी को कम करने के उद्देश्य से 24 फरवरी, 2023 को भा.प्रौ.सं गांधीनगर के अनुसंधान पार्क में उद्योग सम्मेलन, कनेक्शन्स का तीसरा संस्करण आयोजित किया गया था। कॉन्क्लेव में ~80 प्रतिभागियों की उपस्थिति देखी गई, जिसमें फार्मास्युटिकल, केमिकल, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स, बायोटेक्नोलॉजी आदि सहित विभिन्न क्षेत्रों की लगभग 45 कंपनियां शामिल थीं। भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने प्रमुख कंपनियों के प्रतिनिधियों के लिए एक मेजबान के रूप में कार्य किया, जिनमें टाटा केमिकल्स, असाही इंडिया ग्लास लिमिटेड – एआईएस, पिरामल फार्मा लिमिटेड, गुजरात ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड, निवा, और अन्य शामिल हैं। कनेक्शन उदार घटनाओं का एक मिश्रण था जिसने भा.प्रौ.सं गांधीनगर की विविध साझेदारियों, इसकी इन-हाउस उद्योग-केंद्रित परियोजनाओं, विविध अनुसंधान और अत्याधुनिक सुविधाओं को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान किया गया है। कुल मिलाकर, इस कार्यक्रम ने भा.प्रौ.सं गांधीनगर के विभिन्न हितधारकों को उद्योग की अपेक्षाओं, नेटवर्क और संभावित सहयोग स्थापित करने, ट्रांसलेशनल क्षमता के साथ अनुसंधान करने और ब्लू स्काई अनुसंधान को आगे बढ़ाने में मदद की है।

अनुसंधान पार्क का वैधानिक बोर्ड

प्रो सुधीर के जैन ने 03 जनवरी, 2022 से प्रभावी रूप से भा.प्रौ.सं गांधीनगर के निदेशक के रूप में अपना कार्यालय छोड़ दिया। नतीजतन, उन्होंने भा.प्रौ.सं गांधीनगर अनुसंधान पार्क के निदेशक के रूप में इस्तीफा दे दिया। 23 फरवरी, 2022 को आयोजित भा.प्रौ.सं गांधीनगर अनुसंधान पार्क के निदेशक मंडल की बैठक में, प्रो अमित प्रशांत, कार्यवाहक निदेशक भा.प्रौ.सं गांधीनगर को अनुसंधान पार्क बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था। इसके उपरांत, प्रो रजत मूना ने भा.प्रौ.सं गांधीनगर के निदेशक का पदभार ग्रहण किया और उन्होंने भा.प्रौ.सं गांधीनगर अनुसंधान पार्क के निदेशक मंडल के अध्यक्ष के रूप में भी कार्यभार संभाला।

सलाहकार परिषद

भा.प्रौ.सं गांधीनगर अनुसंधान पार्क और भा.प्रौ.सं गांधीनगर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप सेंटर (आईआईईसी) की सलाहकार परिषद की 7वीं बैठक 22 नवंबर, 2022 को आयोजित की गई। प्रतिष्ठित परिषद् के सदस्यों ने संस्थान में उद्योग की भागीदारी और उद्यमिता कार्यक्रमों को बढ़ाने के लिए विभिन्न रणनीतिक बिंदुओं पर चर्चा की।

भा.प्रौ.सं गांधीनगर नवाचार और उद्यमिता केंद्र

वर्ष के दौरान, आईआईईसी ने विभिन्न डीप टेक उत्पादों और समाधानों पर काम करने वाली ~30 स्टार्टअप टीमों का समर्थन किया।

स्टार्ट-अप की उपलब्धियां

- भा.प्रौ.सं गांधीनगर में स्थापित एमआईसीओबी, 3डी कंक्रीट प्रिंटिंग स्टार्ट-अप, को भारत-चीनी सीमाओं पर 3डी -प्रिंटेड बंकर और आवास विकसित करने के लिए भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय से 'इनोवेशन फॉर डिफेंस एक्सीलेंस अवार्ड' प्राप्त हुआ।
- नेसेसरिओ इनोवेसन्स (स्नैपर) को सीआईई आईआईआईटी हैदराबाद द्वारा मेटा एक्सआर स्टार्टअप कार्यक्रम के लिए चुना गया था। यह कार्यक्रम मेटा और एमईआईटीवाई स्टार्टअप हब द्वारा समर्थित एक्सआर स्टार्टअप के लिए एक विशेष त्वरक कार्यक्रम है।
- एग्रोकास्ट एनालिटिक्स के संस्थापक डॉ हर्ष लवकुमार शाह को महिंद्रा डिजिटल इंजन (एमडीई) की एक पहल, स्टार्टअप लीप कार्यक्रम के लिए चुना गया था। वह जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (एक्सआईएम भुवनेश्वर) में समावेशी विकास के लिए आईसीआईसीआई फाउंडेशन द्वारा आयोजित बूट कैंप का भी हिस्सा थे।
- गैलेंटो इनोवेशन, निधि प्रयास कार्यक्रम के तहत भा.प्रौ.सं गांधीनगर में एक स्टार्ट-अप, और भा.प्रौ.सं गांधीनगर में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग अनुशासन के पीएचडी पूर्व छात्र डॉ चंदन कुमार झा द्वारा स्थापित, शीर्ष 7 स्टार्टअप में से एक था, जिसने बोइंग इंडिया के 'बोइंग यूनिवर्सिटी इनोवेशन लीडरशिप डेवलपमेंट' (बीयूआईएलडी) कार्यक्रम में 10 लाख रुपये का अनुदान प्राप्त किया।

निधि प्रयास कार्यक्रम

आईआईईसी को 2021-22 चक्र के लिए निधि प्रयास कार्यक्रम को लागू करने के लिए 120 लाख रुपये की धनराशि प्राप्त हुई। इस कार्यक्रम के तहत, एक इनोवेटर/टीम/स्टार्टअप को आइडिया को प्रोटोटाइप में बदलने के लिए 10 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

कार्यक्रमों के तहत सहायता के लिए निम्नलिखित 17 टीमों का चयन किया गया।

प्रयासी का नाम	टीम का नाम	भा.प्रौ.सं गांधीनगर के साथ गठजोड़	स्वीकृत धनराशि
प्रो. अतुल भार्गव	सेलिगेंट एनर्जी सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड	हाँ	10,00,000
प्रो भास्कर दत्ता	टीम बी.डी	हाँ	5,00,000
श्री सारंग देशपांडे	मेरो मोबिलिटी	नहीं	5,00,000
श्री सिद्धेश शेनॉय	प्रौद्योगिक सोल्युशंस	नहीं	3,50,000
श्री मनोहर लाल	वेब नॉमिक्स	नहीं	5,00,000
श्री रोशन रावल	एक्सपोसीट्स	नहीं	7,00,000
श्री महेक दीपकभाई राठोढ़	कलाम नवाचार	नहीं	5,00,000
श्री शैल जाधव	टेसरैक्ट रोबोटिक्स	हाँ	7,00,000
प्रो. हरीश पी एम	सीस्आइडीआ रोबोटिक्स	हाँ	7,00,000
श्री चमन मोदी	__	हाँ	5,00,000
श्री प्रतीक प्रजापति	फीनिक्स	हाँ	7,00,000
श्री हेत शाह	ज़ेवियन टेक्नोलॉजीज प्रा. लिमिटेड	नहीं	7,00,000
श्री चिराग पांचाल	एनर्लाइफ	नहीं	6,00,000
श्री पंकज यादव	क्वानोसोल बायोटेक	हाँ	5,00,000
श्री राहुल दहीवाडकर	क्रोमोफोर्स	हाँ	6,00,000
प्रो शिवप्रिया किरुबाकरण	पीबीजी किनॉमिक्स	हाँ	7,00,000
डॉ एन वी एस प्रणीत	फिबसेन्स	हाँ	2,50,000

निधि सीड समर्थन कार्यक्रम

डॉ चंदन कुमार झा द्वारा स्थापित किए गए गैलेंटो इनोवेशन को वित्त वर्ष 2022-23 में 25 लाख रुपये की सीड निधि की मंजूरी मिली है।

बोइंग निर्माण

आईआईईसी ने 'बोइंग यूनिवर्सिटी इनोवेशन लीडरशिप डेवलपमेंट' (बीयूआईएलडी) नामक इनोवेशन स्काउटिंग कार्यक्रम के दूसरे संस्करण का संचालन करने के लिए बोइंग इंडिया के साथ साझेदारी की। कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, चुनिंदा छात्रों और शुरुआती चरण की स्टार्टअप टीमों के लिए 5-10 दिसंबर, 2022 के दौरान भा.प्रौ.सं गांधीनगर में एक गहन पांच दिवसीय बूट कैंप आयोजित किया गया था। बैंगलोर में बोइंग आर एंड डी सेंटर में आयोजित राष्ट्रीय फाइनल के दौरान राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए चार टीमों को शॉर्टलिस्ट किया गया था। डॉ. चंदन कुमार झा द्वारा स्थापित गैलेंटो इनोवेशन राष्ट्रीय स्तर की सात विजेता टीमों में से एक थी।

टीएल बैठक

आईआईईसी ने 24-26 जून, 2022 के दौरान अखिल भारतीय टिंकरर्स् की प्रयोगशाला बैठक आयोजित करने में सहायता प्रदान की। विभिन्न भा.प्रौ.सं, बिट्स और अन्य संस्थानों से टिंकरर्स् की प्रयोगशालाओं के लगभग 30 छात्र समन्वयकों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

आईडीई 4.0 नवाचार प्रेरित उद्यमिता

13 भा.प्रौ.सं गांधीनगर छात्रों के एक समूह ने 16-21 मई, 2022 के दौरान 1 सप्ताह के लिए बैंगलोर में बूट कैंप में भाग लिया। बूट कैंप का उद्देश्य चयनित छात्रों को बैंगलोर में स्टार्टअप और इनोवेशन इकोसिस्टम के लिए एक व्यापक एक्सपोजर प्रदान करना था। छात्रों ने कई स्टार्टअप कंपनियों, बड़े संगठनों, निवेशकों और अन्य पारिस्थितिकी तंत्र भागीदारों का दौरा किया। संस्थान इन छात्रों को अपने विचारों पर काम करना जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करता है और होनहार टीमों को भविष्य में एक अंतरराष्ट्रीय स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र का दौरा करने का अवसर भी प्रदान किया जा सकता है।

एवाईई लीग

आईआईईसी ने एवाईई लीग कार्यक्रम (डॉ अम्बेडकर यंग एंटरप्रेन्योर लीग) को लागू करने में आईएफसीआई वेंचर कैपिटल फंड्स लिमिटेड के साथ भागीदारी की। कार्यक्रम का क्षेत्रीय समापन आईआईईसी, भा.प्रौ.सं गांधीनगर में 23 मार्च, 2022 को आयोजित किया गया था।

आईआईईसी द्वारा स्टार्टअप मेंटरशिप

03-07 मई, 2022 के दौरान, भा.प्रौ.सं गांधीनगर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप सेंटर (आईआईईसी) ने 'बिल्ड योर स्टार्टअप विद बी वी जगदीश' नामक एक कार्यक्रम का आयोजन किया, ताकि प्रतिभागियों को बी वी जगदीश, जो एक प्रख्यात सीरियल उद्यमी, संरक्षक और देवदूत निवेशक हैं , के साथ बातचीत करके उद्यमशीलता यात्रा के मूल सिद्धांतों को समझने में मदद मिल सके। इसके अतिरिक्त, प्रतिभागियों को अन्य सफल उद्यमियों जैसे श्री जिमी पाडिया, संस्थापक और सीईओ, फ्लोटबॉट; श्री शरद सांघी, प्रबंध निदेशक एवं सीईओ, एनटीटी लिमिटेड, भारत; और श्री नवीन वर्मा अल्लूरी, सह-संस्थापक, माई एली से भी उद्यमशीलता की शिक्षा मिली।

बूट कैंप में भाग लेने वाले विद्यार्थियों का विवरण इस प्रकार है:

नाम	दल का नाम	भा.प्रौ.सं गांधीनगर के साथ गठजोड़	स्वीकृत धनराशि
प्रो. अतुल भार्गव	सेलिगेंट एनर्जी सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड	हाँ	10,00,000
प्रो भास्कर दत्ता	टीम बी.डी	हाँ	5,00,000
श्री सारंग देशपांडे	मेरो मोबिलिटी	नहीं	5,00,000
श्री सिद्धेश शेनॉय	प्रौद्योगिक सोल्युशंस	नहीं	3,50,000
श्री मनोहर लाल	वेब नॉमिक्स	नहीं	5,00,000
श्री रोशन रावल	एक्सपोसीट्स	नहीं	7,00,000
श्री महेक दीपकभाई राठोढ़	कलाम नवाचार	नहीं	5,00,000
श्री शैल जाधव	टेसरैक्ट रोबोटिक्स	हाँ	7,00,000
प्रो. हरीश पी एम	सीस्आइडीआ रोबोटिक्स	हाँ	7,00,000
श्री चमन मोदी	—	हाँ	5,00,000
श्री प्रतीक प्रजापति	फीनिक्स	हाँ	7,00,000
श्री हेत शाह	ज़ेवियन टेक्नोलॉजीज प्रा. लिमिटेड	नहीं	7,00,000
श्री चिराग पांचाल	एनर्लाइफ	नहीं	6,00,000

पुरस्कार और मान्यताएँ

संकाय पुरस्कार और मान्यताएँ

- प्रो शिवप्रिया किरुबाकरण, कंकुबेन बरूशीरामभाई गेलोट चेयर सह प्राध्यापक, रसायन विज्ञान, को भारत के शीर्ष 25 वैज्ञानिकों के मध्य, उनके काम "एच पाइलोरी" के लिए 'भारत के विज्ञान प्रतिभा' में चित्रित किया गया है।
- प्रो. अनिर्बान दासगुप्ता, संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी के एन रामा राव चेयर प्रो., को इन्फोसिस सेंटर फॉर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, आईभा.प्रौ.सं दिल्ली में एक सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में चुना गया है।
- प्रो. अर्का चट्टोपाध्याय, सहायक प्रो., मानविकी और सामाजिक विज्ञान, को एडिनबर्ग विश्वविद्यालय के मानविकी में उन्नत अध्ययन संस्थान द्वारा '2022-23 चार्ल्स वालेस इंडिया ट्रस्ट फेलो' के रूप में चुना गया है।
- एचएसएस (पुरातत्व विज्ञान केंद्र) के सहायक अनुसंधान प्रो. डॉ. आलोक कुमार कानूनगो द्वारा लिखित 'ग्लास क्राफ्ट्स इन नॉर्दर्न इंडिया' नामक पुस्तक का विमोचन उत्तर प्रदेश की माननीय राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने किया।
- प्रो. एमिला पंडा को अभियांत्रिकी विज्ञान की श्रेणी में 'जेएसपीएस (जापान सोसाइटी फॉर द प्रमोशन ऑफ विज्ञान) इनविटेशन अध्येतावृत्ति फॉर अनुसंधान इन जापान' (लघु अवधि) से सम्मानित किया गया।
- प्रो. नीलधारा मिश्रा, श्रीमती अंबा और श्री वी एस शास्त्री चेयर सह प्राध्यापक, संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी, को भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की एक पहल 'वीमन इन एसटीईएम: वैनगार्ड्स ऑफ इंडिया@75' के संग्रह में चित्रित किया गया है।
- प्रो. विमल मिश्रा, प्रो., सिविल अभियांत्रिकी एवं भू विज्ञान, को अमेरिकी भू-भौतिकीय संघ (एजीयू) हॉर्टन मेडल समिति के सदस्य के रूप में चुना गया है।
- प्रो. मनीष कुमार, सह प्राध्यापक, सिविल अभियांत्रिकी, को एसटीईएम क्षेत्रों में उच्च अध्ययन करने के लिए क्वाड देशों (भारत, ऑस्ट्रेलिया, संयुक्त राज्य अमेरिका और जापान) से चुने जाने के लिए श्मिट फ्यूचर्स द्वारा प्रशासित क्वाड अध्येता के पहले समूह के चयन में एक समीक्षक के रूप में कार्य किया।
- प्रो. समीर सहस्रबुद्धे, अभ्यास, डिजाइन के प्रो. द्वारा बनाई गई "कमला - द स्वदेशी न्यूट्री इंडियन" नामक एक फिल्म को "12वें भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान फिल्म महोत्सव" (एनएसएफएआई) के लिए सार्वजनिक और जूरी स्क्रीनिंग के लिए नामांकित किया गया था। उनकी एक और फिल्म, जिसका शीर्षक "द क्वेस्ट" है, को वर्ष 2022 के लिए हेलसिंकी एजुकेशन फिल्म फेस्टिवल इंटरनेशनल (एचईएफएफआई) में चुना गया था।
- प्रो. सुब्रमण्यम शंकरनारायणन, सहायक प्रो., बायोलॉजिकल अभियांत्रिकी, को भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वर्ष 2021-22 के लिए प्रतिष्ठित 'डीबीटी रामलिंगस्वामी री-एंट्री अध्येतावृत्ति' के लिए चुना गया है।
- प्रो. नीलधारा मिश्रा, श्रीमती अंबा और श्री वी एस शास्त्री चेयर सह प्राध्यापक ऑफ संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी, और प्रो धीरज भाटिया, बायोलॉजिकल अभियांत्रिकी के सहायक प्रो., को "इंडियन नेशनल यंग एकेडमी ऑफ साइंसेज" (आईएनवीएएस) के सदस्यों के रूप में चुना गया है। वे इस प्रतिष्ठित सदस्यता के लिए भारत भर के संस्थानों से चुने गए 27 युवा वैज्ञानिकों में शामिल हैं।
- प्रो. विक्रांत जैन, प्रो., भू विज्ञान, को सम्मानित राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत (एनएएसआई) के फेलो के रूप में चुना गया है। प्रो. जैन को भू की सतह प्रक्रियाओं और नदी विज्ञान के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय शोध योगदान के लिए अध्येतावृत्ति मिली है।
- प्रो. नीलधारा मिश्रा, श्रीमती। अंबा और श्री वी एस शास्त्री चेयर सह प्राध्यापक ऑफ संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी को इलेक्ट्रॉनिक्स, संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी श्रेणी में "नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, इंडिया (एनएएसआई) -प्लैटिनम जुबली यंग साइंटिस्ट पुरस्कार - 2022" से सम्मानित किया गया है।
- प्रो. इंद्रनाथ सेनगुप्ता, प्रो., गणित, को वर्ष 2022 के लिए प्रतिष्ठित 'इन्सा शिक्षक पुरस्कार' प्राप्त हुआ है। वह उन 15 प्राप्तकर्ताओं में से एक हैं जिन्हें भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी द्वारा इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।
- प्रो. शिवप्रिया किरुबाकरण, कंकुबेन बरूशीरामभाई गेलोत चेयर सह प्राध्यापक, रसायन विज्ञान, को तीन साल के लिए काउंसिल ऑफ द रासायनिक अनुसंधान सोसाइटी ऑफ इंडिया (सीआरएसआई) के सदस्य के रूप में चुना गया है। एक सदस्य के रूप में, वह देश में रसायन विज्ञान के अध्ययन, अभ्यास, शिक्षण और प्रचार में भाग लेंगी। प्रो. किरुबाकरण को रासायनिक जीव विज्ञान के क्षेत्र में उभरते हुए नेता के रूप में रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री (आरएससी) के सदस्य के रूप में भी नामित किया गया है। यह मान्यता कैंसर रासायनिक जीव विज्ञान के क्षेत्र में उनके योगदान के कारण है।
- प्रो. नारन पिंडोरिया, सह प्राध्यापक, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी और उनकी शोध टीम द्वारा विकसित "स्मार्ट एजेंट - एक यूनिवर्सल आईओटी-आधारित स्मार्ट एनर्जी मैनेजमेंट डिवाइस" नामक एक नवाचार ने इंडिया स्मार्ट ग्रिड फोरम (आईएसजीएफ) इनोवेशन अवार्ड्स 2023 ~ प्लेटिनम जीता है। पुरस्कार श्रेणी "स्मार्ट प्रौद्योगिकी - बिजली वितरण" के लिए पुरस्कार। डिवाइस मौजूदा मीटरिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, सेंसर और पर्यवेक्षी नियंत्रण और डेटा अधिग्रहण के साथ समेकित रूप से एकीकृत होता है और उपभोक्ताओं को मांग-पक्ष ऊर्जा प्रबंधन अनुप्रयोगों

में सक्रिय रूप से भाग लेने में सक्षम बनाता है, जैसे पीयर-टू-पीयर ऊर्जा व्यापार, मांग प्रतिक्रिया इत्यादि।

- प्रो. जयचंदर स्वामीनाथन, सहायक प्रो., यांत्रिक अभियांत्रिकी, और प्रो उदिप्त घोष, सहायक प्रो., यांत्रिक अभियांत्रिकी, को आईएनएई युवा अभियंता पुरस्कार 2022 के रूप में चुना गया है।
- चमन मोदी, पीएचडी स्कॉलर और प्रो. मनीष कुमार, सह प्राध्यापक, सिविल अभियांत्रिकी, की टीम को 3डी प्रिंटेड कंक्रीट परतों को मजबूत करने के लिए एक विधि विकसित करने के लिए भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से निधि प्रयास अनुदान के लिए चुना गया था।

संकाय उत्कृष्टता पुरस्कार

संस्थान ने निम्नलिखित चार संकाय सदस्यों को संकाय उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किए

शिक्षण में उत्कृष्टता के लिए

प्रो जॉयसी मेकी, सह प्राध्यापक, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी:

शिक्षण में उनके योगदान, उपलब्धियों और नवाचारों की मान्यता में। समिति ने पिछले 3 वर्षों में उनके द्वारा पढ़ाए गए सभी पाठ्यक्रमों में उनके प्रदर्शन को उत्कृष्ट और सुसंगत पाया।

संस्थान निर्माण पुरस्कार में उत्कृष्टता के लिए

प्रो. शिवप्रिया किरुबाकरण, कंकुबेन बख्शीरामभाई गेलोत चेयर सह प्राध्यापक, रसायन विज्ञान:

संकायाध्यक्ष छात्र मामलों और पूर्व में वार्डन के रूप में संस्था संबंधित निर्माण गतिविधियों में उनके योगदान और उपलब्धियों की मान्यता में पुरस्कृत।

अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए

प्रो. अतुल दीक्षित, सह प्राध्यापक, गणित:

विशेष रूप से अपने छात्रों के साथ उच्च गुणवत्ता वाली सहकर्मी समीक्षा पत्रिकाओं में प्रकाशन सहित अनुसंधान में उनके योगदान और उपलब्धियों की पहचान के लिए।

आउटरीच गतिविधियों में उत्कृष्टता पुरस्कार

प्रोफेसर गौरव, सह प्राध्यापक और डॉ. विलास मुजुमदार चेयर, सिविल अभियांत्रिकी:

अग्नि सुरक्षा के क्षेत्र में लघु पाठ्यक्रमों, कार्यशालाओं और सम्मेलनों के संचालन सहित बाह्य संपर्क गतिविधियों में उनके योगदान की मान्यता में।

फैकल्टी चेयर के पद

संस्थान के कई शुभचिंतकों ने उत्कृष्टता को पुरस्कृत करने और उत्कृष्ट संकाय को बनाए रखने में मदद करने के लिए भा.प्रौ.सं गांधीनगर में संपन्न चेयर पदों की स्थापना की है।

सुधीर के जैन चेयर
प्रो. रजत मूना, निदेशक, भा.प्रौ.सं गांधीनगर

भा.प्रौ.सं गांधीनगर में अन्य संकाय अध्यक्षों की सूची

संकाय अध्यक्ष का नाम	दानकर्ता का नाम	वर्तमान धारक
जसुभाई मेमोरियल चेयर	श्री मौलिक जसुभाई शाह	प्रो. जैसन ए मंजली, प्रो., दर्शनशास्त्र और संज्ञानात्मक विज्ञान
बी एस गेलोत चेयर	श्री गोरधनभाई बी गेलोत	प्रो. चिन्मय घोरोई, प्रो., रासायनिक अभियांत्रिकी
टियोको चेयर	श्री अतुल जैन	प्रो. नितिन वी जॉर्ज, सह प्राध्यापक, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी
मौलाना अबुल कलाम आजाद चेयर	श्रीमती हमीदा बानो चोपड़ा	इस पीठ के तहत, उर्दू के प्रतिष्ठित विद्वानों को व्याख्यान, संगोष्ठी और अन्य विद्वानों के प्रयासों के लिए विजिटिंग प्रोफेसरों या विद्वानों के निवास के रूप में आमंत्रित किया जाता है।
कंचन और हरिलाल दोशी चेयर	श्री नवीन दोशी और श्रीमती प्रतिमा दोशी	प्रो. जयचंदर स्वामीनाथन, सहायक प्रो., यांत्रिक अभियांत्रिकी
एन रामा राव चेयर	श्री एन आर नारायण मूर्ति	प्रो. अनिर्बन दासगुप्ता, संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी में प्रो.
जिबाबेन पटेल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में अध्यक्ष	डॉ जगदीश पटेल	संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी के साथ संयुक्त रूप से इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी में सह प्राध्यापक प्रो शनमुगनाथन रमन
जिबाबेन पटेल चेयर	डॉ जगदीश पटेल	प्रो प्रतीक मुथा, जैविक अभियांत्रिकी में सह प्राध्यापक
इरमा और उषाकांत ठक्कर चेयर	डॉ उषाकांत ठक्कर	पीठ संस्कृत भाषा और साहित्य पर पाठ्यक्रमों के शिक्षण को सक्षम करेगी
कंकुबेन बक्षीरभाई गेलॉट चेयर	श्री गोरधनभाई बी गेलोत	प्रो. शिवप्रिया किरुबाकरण, रसायन विज्ञान में सह प्राध्यापक
डॉ दिनेश ओ शाह चेयर	डॉ दिनेश ओ शाह	प्रो कबीर जसूजा, रासायनिक अभियांत्रिकी में सह प्राध्यापक
श्रीमती अंबा और श्री वी एस शास्त्री चेयर	प्रो ए वी अनिल कुमार	प्रो. नीलधारा मिश्रा, संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी में सहायक प्रो.
डॉ विलास मुजुमदार चेयर	डॉ विलास मजुमदार	प्रो. गौरव श्रीवास्तव, सिविल अभियांत्रिकी में सह प्राध्यापक
श्रीमती मीरा और प्रो. गिरीश के शर्मा अध्यक्ष	श्रीमती रश्मि शर्मा और श्री मनीष शर्मा	प्रो. समीर वी दलवी, रासायनिक अभियांत्रिकी के प्रो.
विक्रम साराभाई चेयर	गुजरात काउंसिल ऑन विज्ञान और टेक्नोलॉजी (जीयूजेसीओएसटी)	इस चेयर का उद्देश्य अकादमिक और अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देना और नए उत्पादों और वाणिज्यिक क्षमता की प्रक्रियाओं के परिणामस्वरूप अनुवाद संबंधी शोध करना है।
अनु और बी वी जगदीश चेयर	श्रीमती अनुराधा जगदीश और श्री बी वी जगदीश	यह चेयर हमारी उद्यमिता पहलों के लिए नेतृत्व और समर्थन प्रदान करेगी,
पांड्या-शिवपुरी चेयर	डॉ दर्शन पंड्या	इस चेयर का उद्देश्य अंतःविषय अनुसंधान में उत्कृष्टता और नेतृत्व को बढ़ावा देना है
भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) अध्यक्ष	भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई)	यह पीठ विभिन्न सहयोगी और विद्वतापूर्ण गतिविधियों के माध्यम से पुरातत्व के विभिन्न पहलुओं में अनुसंधान को बढ़ावा देगी
भारतीय मानक ब्यूरो की चेयर	भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस)	मानकीकरण, अनुरूपता मूल्यांकन में अनुसंधान और विकास प्रयासों को बढ़ाना

छात्रों के पुरस्कार और मान्यताएँ

- 11 भा.प्रौ.सं गांधीनगर छात्रों ने, अर्थात् प्रज्वल कुमार सिंह, संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी; चांदनी ठक्कर, गणित; श्रीजीत ए नायर, भौतिकी; फलक वत्स, सिविल अभियांत्रिकी; गणेशकुमार वी, यांत्रिक अभियांत्रिकी; ओम माहेश्वरी, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी; सिद्धि बालू अंभोरे, गणित; प्राची शर्मा, पदार्थ अभियांत्रिकी; रत्नदीप सामंत, सामग्री अभियांत्रिकी; अबिरा रशीद, पदार्थ अभियांत्रिकी; और विशाखा तखर, भौतिकी; दिसंबर 2021 काल में प्रतिष्ठित प्रधान मंत्री अनुसंधान अध्येतावृत्ति (पीएमआरएफ) प्राप्त किया है।
- डॉ राहुल कुमार, पीएचडी पूर्व छात्र, गणित, को फुलब्राइट-नेहरू पोस्टडॉक्टोरल अनुसंधान अध्येतावृत्ति 2022-23 प्राप्त हुआ है।
- ऋषिराज अधिकारी, पीएचडी स्कॉलर, संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी को फुलब्राइट-नेहरू डॉक्टोरल अनुसंधान अध्येतावृत्ति 2022-23 से सम्मानित किया गया है।
- डॉ. सौम्यरूप बनर्जी, गणित के क्षेत्र में नेशनल पोस्टडॉक्टोरल फेलो को प्रतिष्ठित 'इंस्पायर फैकल्टी अध्येतावृत्ति' के लिए चुना गया है।
- संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी में बीटेक के छात्र प्रोज्ञान दास ने 2021-22 चक्र में प्रतिष्ठित 'कारगिल ग्लोबल छात्रवृत्ति' हासिल की है।
- कुल 16 पीएचडी विद्वान, अर्थात् अभिषेक सरकार, यांत्रिक अभियांत्रिकी; अंकुर विनय सिंह, बायोलॉजिकल अभियांत्रिकी; अंशुल अवस्थी, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी; अपर्णा राठी, भौतिकी; बरत सुरेश, यांत्रिक अभियांत्रिकी; दीपेश सिंह चुफल, सिविल अभियांत्रिकी; गौरव राय, रसायन विज्ञान; हेमा नवीना ए, बायोलॉजिकल अभियांत्रिकी; हिमांशु बेनीवाल, संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी; इन्द्राणी जमींदार, गणित; नियति भूपेंद्र शाह, भौतिकी; पूनम रानी, गणित; राजनंदन बोरठाकुर, यांत्रिक अभियांत्रिकी; सैकत कुमार मिश्रा, भू विज्ञान; शिवानी शर्मा, सिविल अभियांत्रिकी; और श्रुतिमोय दास, संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी; मई 2022 चक्र में प्रतिष्ठित प्रधान मंत्री अनुसंधान अध्येतावृत्ति (पीएमआरएफ) प्राप्त किया है।
- रासायनिक अभियांत्रिकी में पीएचडी स्कॉलर सतद्रु चक्रवर्ती ने ईयूआरएएक्सईएसएस वर्ल्डवाइड नेटवर्क द्वारा अत्यधिक सम्मानित 'यूराक्सेस विज्ञान स्लैम इंडिया 2022' जीता है।
- मानविकी और सामाजिक विज्ञान में पीएचडी स्कॉलर कैमेलिया बिस्वास को 'अर्थ अनुसंधान अध्येतावृत्ति 2023' प्राप्त हुआ है।
- मानविकी और सामाजिक विज्ञान में पीएचडी विद्वान पूर्वा साल्वी को 'सेंटर ऑफ़ पॉलिसी अनुसंधान और गवर्नेंस इंडिया - इंडियन नॉलेज सिस्टम अनुसंधान ग्रांट 2022' प्राप्त हुआ है।
- भा.प्रौ.सं गांधीनगर के फिल्म मेकिंग क्लब, टीम विंटियो ने भा.प्रौ.सं मद्रास में 5वीं इंटर भा.प्रौ.सं कल्चरल मीट में ऑनलाइन शॉर्ट फिल्म मेकिंग प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता।
- भा.प्रौ.सं गांधीनगर के दल ने भा.प्रौ.सं कानपुर में आयोजित इंटर भा.प्रौ.सं टेक मीट 2023 में निम्नलिखित श्रेणियों में तीन पदक जीते: द्रोण एविएशन हाई प्रेप चैलेंज में कांस्य पदक, आईजीडीसी गेम देव लो प्रेप चैलेंज में रजत पदक, और कॉग्निटिव गैराज लो प्रेप चैलेंज में कांस्य पदक।
- टीम ओडिसी, भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने मार्च 3-5, 2023 के दौरान भा.प्रौ.सं मंडी का वार्षिक एस्ट्रो मीट 'एएसटीआरएएक्स' में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। टीम ने तीनों — विजेता, पहले उपविजेता और दूसरे उपविजेता पदक तथा एक विशेष उल्लेख " मेसियर मैराथन " को जोड़कर पूर्ण विजय प्राप्त की। "सकाईक्वेस्ट" नामक एक अन्य घटना में, टीम ने विजेताओं में दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया।

कर्मचारियों के लिए उत्कृष्टता पुरस्कार

26 जनवरी, 2022 को 74वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रो. रजत मूना, निदेशक, भा.प्रौ.सं गांधीनगर द्वारा निम्नलिखित कर्मचारी सदस्यों को वर्ष 2022-23 के लिए कर्मचारी उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इन पुरस्कारों के माध्यम से, संस्थान औपचारिक रूप से अपने कर्मचारियों की निरंतर समर्पण व अनुकरणीय सेवा को मान्यता देता है।

- श्री बी वी पुवार, सुरक्षा सलाहकार
- श्री लक्ष्मी कांत मिश्रा, सहायक कार्यकारी अभियंता (विद्युत)
- डॉ दिनेश एच परमार, वरिष्ठ शारीरिक प्रशिक्षण प्रशिक्षक
- सुश्री तिमिर वाई बेरावाला, सहायक
- श्री गाभाजी शानाजी सोलंकी, बागवानी कर्मचारी
- सुश्री वसंतीबेन जे वोरा, गृह-देखभाल कर्मचारी

परिसर विकास पुरस्कार

संस्थान ने 26 जनवरी, 2022 को 74वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर परिसर विकास और प्रबंधन संबंधी गतिविधियों में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए वर्ष 2022-23 के लिए परिसर विकास पुरस्कार के साथ निम्नलिखित समुदाय के सदस्यों को सम्मानित किया:

- श्री कौशिक पटेल (मालिक, जे के किराना)
- श्री दीपक लालपुरा (भा.प्रौ.सं गांधीनगर कर्मचारी)
- श्री दलपतसिंह सोलंकी (इलेक्ट्रीशियन, आउटसोर्स कर्मचारी)
- श्री पवन कुमार (सुरक्षा गार्ड)
- सुश्री फाल्गुनी बहन सोलंकी (शिक्षक, न्यासा)
- श्री सुमिताभ तिवारी (मालिक, 2 डिग्री कैफे)
- श्री यशवंत चौहान (आतिथ्य प्रबंधक, भा.प्रौ.सं गांधीनगर)

भा.प्रौ.सं गांधीनगर को पुरस्कार और मान्यताएं

एईएसए पुरस्कार 2022

अपनी टोपी में एक और पंख जोड़ते हुए, भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने 03 जून, 2022 को 'सेंट्रल आर्केड' भवन के लिए गैर-आवासीय संस्थागत श्रेणी में 'एईएसए पुरस्कार 2022' जीता है।

एनआईआरएफ की इंडिया रैंकिंग 2022

नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) ने 15 जुलाई, 2022 को भारत रैंकिंग 2022 की घोषणा की। भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने एक बार फिर देश के शीर्ष 50 शैक्षणिक संस्थानों में स्थान बनाया है। संस्थान ने समग्र श्रेणी में 37वीं रैंक, अभियांत्रिकी श्रेणी में 23वीं रैंक और अनुसंधान संस्थानों की श्रेणी में 34वीं रैंक हासिल की।

ईट राइट कैंपस पुरस्कार 2022

भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) से पांच सितारा रेटिंग के साथ ईट राइट कैंपस पुरस्कार जीता और लगातार तीसरी बार प्रतिष्ठित पुरस्कार जीतकर हैट्रिक बनाई।

अमेरिकी समाचार और विश्व रिपोर्ट रैंकिंग

वाशिंगटन डीसी स्थित डिजिटल मीडिया कंपनी यूएस न्यूज एंड वर्ल्ड रिपोर्ट द्वारा प्रकाशित ग्लोबल यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2022-23 में भा.प्रौ.सं गांधीनगर को भारत के शीर्ष 10 संस्थानों में स्थान दिया गया था। दुनिया भर के शिक्षाविदों द्वारा अनुसंधान प्रदर्शन और रेटिंग के आधार पर दुनिया भर के 2000 संस्थानों में संस्थान भारत में 7वें और वैश्विक स्तर पर 725वें स्थान पर है। यूएस न्यूज़ रिपोर्ट देखें: https://tinyurl.com/nyxbckn7

आउटरीच गतिविधियां

नीव: भा.प्रौ.सं गांधीनगर सामुदायिक बाह्य संपर्क कार्यक्रम

नीव भा.प्रौ.सं गांधीनगर का एक सामुदायिक बाह्य संपर्क कार्यक्रम है जो कौशल विकास, उद्यमिता और आजीविका कार्यक्रमों के माध्यम से वंचित समुदायों की महिलाओं और युवाओं को सशक्त बनाता है। 2014 से, नीव ने आसपास के 15 गांवों सहित अहमदाबाद/गांधीनगर क्षेत्रों के 4000 लाभार्थियों के लिए 125 परियोजनाओं और गतिविधियों का संचालन किया है।

2022-23 के दौरान, नीव ने 1062 लाभार्थियों के लिए 34 परियोजनाओं और गतिविधियों का आयोजन किया। इनमें से अधिकांश परियोजनाएं देसाई फाउंडेशन ट्रस्ट के सहयोग से संचालित की जाती हैं।

सिलाई कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने पर ध्यान देने के साथ, नीव विभिन्न गांवों में सिलाई में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित करता है। मॉड्यूल में कुशन कवर, कपड़े के बैग, बेबी फ्रॉक, सलवार-कमीज और महिलाओं के ब्लाउज जैसे विभिन्न उत्पादों को मापना, चिह्नित करना, काटना और सिलाई करना शामिल है। 2022-23 में चार सिलाई पाठ्यक्रम आयोजित किए गए:

- पालज और प्रांतिया की 26 महिलाओं के लिए पालज गांव में 18 अप्रैल - 10 जून, 2022 के दौरान 8 सप्ताह का पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था।
- रतनपुर और लवरपुर की 37 महिलाओं के लिए 18 जुलाई - 09 सितंबर, 2022 के दौरान रतनपुर गांव में 8 सप्ताह का पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था।
- 27 महिलाओं के लिए लेकावड़ा गांव में 31 अक्टूबर - 23 दिसंबर, 2022 के दौरान 8 सप्ताह का पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था।
- 16 जनवरी से 10 मार्च 2023 के दौरान ढोलकुवा गांव में 28 महिलाओं के लिए 8 सप्ताह का पाठ्यक्रम आयोजित किया गया।

ब्यूटीशियन कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

नीव के ब्यूटीशियन कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, गांवों में ही आयोजित किए जाते हैं, जो महिलाओं को सजने-संवरने, केश सजावट, मेकअप और मेहंदी की मूल बातें सीखने में सक्षम बनाते हैं। 2022-23 में चार ब्यूटीशियन पाठ्यक्रम आयोजित किए गए:

- 18 अप्रैल - 10 जून, 2022 के दौरान पालज गांव में पालज, बासण, प्रांतिया, पेथापुर और ढोलकुवा गांवों की 30 महिलाओं के लिए 8 सप्ताह का पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था।
- 18 जुलाई से 09 सितंबर 2022 के दौरान रतनपुर गांव में 24 महिलाओं के लिए 8 सप्ताह का पाठ्यक्रम आयोजित किया गया।
- लेकावड़ा, पेथापुर, पालज और सरगाषण-गांधीनगर गांवों की 16 महिलाओं के लिए लेकावड़ा गांव में 31 अक्टूबर - 23 दिसंबर, 2022 के दौरान 8 सप्ताह का पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था।
- 16 जनवरी से 10 मार्च 2023 के दौरान बोरिज गांव में 35 महिलाओं के लिए 8 सप्ताह का पाठ्यक्रम आयोजित किया गया।

कंप्यूटर (संगणक) कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य गांव के युवाओं और महिलाओं में कंप्यूटर साक्षरता बढ़ाना है। प्रतिभागियों को बुनियादी कंप्यूटर संचालन, एमएस वर्ड, एमएस एक्सेल, एमएस पावरपॉइंट, नेटवर्क में लॉग इन करना, इंटरनेट का उपयोग, ईमेल मूल बातें, खोज इंजन आदि सिखाया जाता है। 2022-23 में तीन बुनियादी कंप्यूटर कौशल पाठ्यक्रम आयोजित किए गए थे:

- 02 मई - 10 जून, 2022 के दौरान कंप्यूटर प्रयोगशाला, भा.प्रौ.सं गांधीनगर में पालज, बासण, प्रांतिया, लेकावड़ा, दाभोडा, मगोडी, वीरा तलावडी और वलाड जैसे गांवों के 34 प्रतिभागियों के लिए 6 सप्ताह का पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था।
- 01 अगस्त - 09 सितंबर, 2022 के दौरान कंप्यूटर प्रयोगशाला, भा.प्रौ.सं गांधीनगर में पालज, रतनपुर, बासण, चिलोड़ा, बोरिज, दाभोडा और लेकावड़ा जैसे गांवों के 25 प्रतिभागियों के लिए 6 सप्ताह का पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था।
- पालज, रतनपुर, बासण और चिलोड़ा जैसे गांवों के 17 प्रतिभागियों के लिए 14 नवंबर - 23 दिसंबर, 2022 के दौरान कंप्यूटर प्रयोगशाला, भा.प्रौ.सं गांधीनगर में 6 सप्ताह का पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था।

विशेष कंप्यूटर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

- पालज, प्रांतिया, चला और गांधीनगर शहर में रैंडेसन, कुडासन जैसे गांवों के 16 प्रतिभागियों के लिए 02 मई - 10 जून, 2022 के दौरान कंप्यूटर प्रयोगशाला, भा.प्रौ.सं गांधीनगर में 6 सप्ताह का टैली कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (टैली सॉफ्टवेयर का उपयोग करके बुनियादी से मध्यवर्ती लेखांकन संचालन का परिचय) आयोजित किया गया था।
- रतनपुर, पालज, पेथापुर, प्रांतिया, वीर तलावडी, लेकावड़ा, और अलुवा-मानसा के 35 प्रतिभागियों के लिए 01 अगस्त - 09 सितंबर, 2022 के दौरान कंप्यूटर प्रयोगशाला, भा.प्रौ.सं गांधीनगर में 6 सप्ताह का डेटा-एंट्री और टाइपिंग प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (डेटा एंट्री, अंग्रेजी और गुजराती टाइपिंग, एमएस एक्सेल, गूगल ड्राइव)

आयोजित किया गया था।

- भा.प्रौ.सं गांधीनगर में 14 नवंबर से 02 दिसंबर, 2022 के दौरान पालज, बासण, चिलोड़ा, दाभोदा, बोभा, दशेला, लवरपुर, शाहपुर, सोनीपुर, सोजा और गांधीनगर शहर के विभिन्न गांवों के 24 प्रतिभागियों के लिए 3 सप्ताह का कंप्यूटर हार्डवेयर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (हार्डवेयर घटक और परिधीय उपकरणों का परिचय, ओएस फॉर्मेटिंग) आयोजित किया गया था। प्रतिभागियों में से अधिकांश औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, सेक्टर 15, गांधीनगर के छात्र थे।
- पालज, बासण, रतनपुर, लेकावड़ा, आलमपुर, चिलोदा, दाभोदा और बोरिज के 26 प्रतिभागियों के लिए 30 जनवरी - 10 मार्च, 2023 के दौरान कंप्यूटर प्रयोगशाला, भा.प्रौ.सं गांधीनगर में 6 सप्ताह का डेटा-एंट्री और टाइपिंग प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (डेटा एंट्री, अंग्रेजी और गुजराती टाइपिंग, एमएस एक्सेल, गूगल ड्राइव) आयोजित किया गया था।

उद्यमिता विकास कार्यशाला

इस कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को अपना उद्यम शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करना है। चर्चा किए गए विषयों में विचार निर्माण, बाजार अनुसंधान, व्यापार अंकगणित, व्यापार योजना निर्माण, विपणन, प्रचार, बातचीत कौशल आदि शामिल हैं। 2022-23 में तीन कार्यशालाएँ आयोजित की गईं।

- 20-24 जून, 2022 के दौरान भा.प्रौ.सं गांधीनगर में पालज, लेकावड़ा, प्रांतिया, बासण, अहमदाबाद और गांधीनगर के शहरी क्षेत्रों के 41 प्रतिभागियों के लिए 1 सप्ताह की कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, सेक्टर 15 गांधीनगर के कुछ छात्र भी शामिल थे।
- 19-23 सितंबर, 2022 के दौरान भा.प्रौ.सं गांधीनगर में पालज, लेकावड़ा, बासण, रतनपुर, लवरपुर और गांधीनगर के शहरी क्षेत्रों के 31 प्रतिभागियों के लिए 1 सप्ताह की कार्यशाला आयोजित की गई थी।
- 26-30 दिसंबर, 2022 के दौरान भा.प्रौ.सं गांधीनगर में पालज, लेकावड़ा, कलोल, मनसा तौला और गांधीनगर के शहरी क्षेत्रों के 40 प्रतिभागियों के लिए 1 सप्ताह की कार्यशाला आयोजित की गई थी। प्रतिभागियों में से अधिकांश औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, सेक्टर 15, गांधीनगर के छात्र थे।

बोलचाल हेतु अंग्रेजी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

नीव ने 02 मई से 10 जून, 2022 के दौरान पालज, बासण, प्रांतिया, लेकावड़ा और वीरा तलावडी जैसे गांवों के 26 प्रतिभागियों के लिए भा.प्रौ.सं गांधीनगर में 6 सप्ताह का बोलचाल हेतु अंग्रेजी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया। पाठ्यक्रम में बुनियादी व्याकरण, उच्चारण, दैनिक जीवन में आमतौर पर उपयोग किए जाने वाले शब्द, आत्म-परिचय, व्यक्तिगत साक्षात्कार की तैयारी, वर्णनात्मक लेखन और बोलने, भूमिका-खेल और समूह चर्चा की मदद से मॉड्यूल शामिल थे।

व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के भाग के रूप में, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी प्रयोगशाला, भा.प्रौ.सं गांधीनगर के सहयोग से 02 मई से 10 जून, 2022 के दौरान 8 प्रतिभागियों के लिए घरेलू वायरिंग में 6 सप्ताह का शुरुआती पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें से पांच बाहरी प्रतिभागी दक्षिण गुजरात क्षेत्र से थे। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, सेक्टर 15, गांधीनगर के 5 छात्रों के लिए 23 मई से 10 जून, 2022 के दौरान यांत्रिक अभियांत्रिकी प्रयोगशाला, भा.प्रौ.सं गांधीनगर के सहयोग से सीएनसी मशीनिंग में 2 सप्ताह का परिचयात्मक पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था।

कम अवधि के प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

- पालज, मनसा, लोदरा, सुघड़, कोलावाडा और गांधीनगर शहर के 14 प्रतिभागियों के लिए भा.प्रौ.सं गांधीनगर में 25 से 30 जुलाई, 2022 के दौरान 1 सप्ताह की चॉकलेट और मोमबत्ती बनाने की कार्यशाला आयोजित की गई थी।
- पालज, बासण, अंबोद, अलुवा, अमरापुर, मनसा और सुघड़ के 21 प्रतिभागियों के लिए भा.प्रौ.सं गांधीनगर में 01 से 05 अगस्त, 2022 के दौरान 1 सप्ताह की केक और मफिन बनाने की कार्यशाला आयोजित की गई थी।
- गांधीनगर जिले के ढोलकुवा और लेकावड़ा, और वलसाड, दक्षिण गुजरात के गांवों की 17 महिलाओं के लिए 13 से 15 मार्च, 2023 के दौरान नीव प्रशिक्षण कक्ष, भा.प्रौ.सं गांधीनगर में सिलाई कौशल (उत्पाद अवलोकन, बाजार लिंकेज, लागत, मूल्य निर्धारण) में प्रशिक्षकों का 2 दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया था।

मासिक धर्म स्वास्थ्य जागरूकता

नीव आसपास के समुदायों की महिलाओं के लिए मासिक धर्म स्वास्थ्य पर जागरूकता सत्र आयोजित करता है। 2022-23 में निम्नलिखित सत्र आयोजित किए गए:

- 31 मई, 2022 को भा.प्रौ.सं गांधीनगर में पालज, बासण, प्रांतिया, पेथापुर और ढोलकुवा गांवों की 61 महिलाओं के लिए एक सत्र आयोजित किया गया था।
- 12 सितंबर 2022 को रतनपुर गांव में 20 महिलाओं के लिए एक सत्र आयोजित किया गया।
- 23 नवंबर, 2022 को लेकावड़ा गांव में 42 महिलाओं के लिए एक सत्र आयोजित किया गया था।
- ढोलकुवा और बोरिज गांवों के 55 प्रतिभागियों के लिए भा.प्रौ.सं गांधीनगर में 14 मार्च, 2023 को एक सत्र आयोजित किया गया था।

करियर विकास कौशल

नीव प्रभावी बायोडाटा लिखने, साक्षात्कार की तैयारी के लिए सुझाव, नौकरी खोज वेबसाइट जैसे विषयों पर जागरूकता सत्र आयोजित करता है। 2022-23 में निम्नलिखित सत्र आयोजित किए गए:

- करियर डेवलपमेंट सर्विसेज, भा.प्रौ.सं गांधीनगर के सहयोग से भा.प्रौ.सं गांधीनगर में 04 जून, 2022 को पालज, चला, बासण, प्रांतिया और ढोलकुवा गांवों के 43 प्रतिभागियों के लिए एक सत्र आयोजित किया गया था।
- पालज और चिलोड़ा गांवों के 14 प्रतिभागियों के लिए राइटिंग स्टूडियो, भा.प्रौ.सं गांधीनगर के सहयोग से भा.प्रौ.सं गांधीनगर में 16 दिसंबर, 2022 को एक सत्र आयोजित किया गया था।
- 89 प्रतिभागियों के लिए करियर डेवलपमेंट सर्विसेज, भा.प्रौ.सं गांधीनगर के सहयोग से 24 मार्च, 2023 को औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, सेक्टर 15, गांधीनगर में एक सत्र आयोजित किया गया था।

बैंकिंग और वित्तीय साक्षरता

नीव परिचालन बैंक खातों, डिजिटल भुगतान और सरकारी कल्याण योजनाओं के बारे में सामान्य जागरूकता पैदा करने के लिए जागरूकता सत्र आयोजित करता है। 2022-23 में निम्नलिखित सत्र आयोजित किए गए:

- 13 सितंबर 2022 को रतनपुर गांव में 19 महिलाओं के लिए एक सत्र आयोजित किया गया। सुविधाकर्ता यूनियन बैंक, रतनपुर शाखा से था।
- 22 दिसंबर 2022 को लेकावड़ा गांव में 40 महिलाओं के लिए एक सेमिनार आयोजित किया गया। सुविधाकर्ता एसबीआई बैंक, गांधीनगर से था।
- 27 फरवरी 2023 को ढोलकुवा और बोरिज गांवों में 55 महिलाओं के लिए एक सेमिनार आयोजित किया गया। सुविधाकर्ता यूनियन बैंक, गांधीनगर से था।

सिलाई आजीविका - बाजार संपर्क

नीव ने सम्मेलनों और कार्यशालाओं के लिए बैग और स्टोल जैसे उत्पादों के लिए थोक ऑर्डर और ड्रेस, ब्लाउज, कुर्ता आदि जैसे परिधानों के लिए कस्टम ऑर्डर की सुविधा प्रदान की। उल्लेखनीय रूप से, लगभग 20 महिलाओं ने सामूहिक रूप से 2022-23 के दौरान ऐसे आदेशों के माध्यम से लगभग 4 लाख रुपये कमाए।

नीव दल

सुश्री सौम्या हरीश समन्वयक हैं, और सुश्री रोशनी पटेल नीव की वरिष्ठ कार्यक्रम सहयोगी हैं। टीम के अन्य सदस्यों में सुश्री रितु सिंह, सुश्री ममता पारेख, श्री आदर्श चौहान, सुश्री लक्ष्मी ठाकोर, सुश्री लक्ष्मी वंजारा और श्री भरत ठाकोर शामिल हैं।

पाठ्यक्रम से पहले और बाद में कौशल स्तर में सुधार का औसत जुलाई 2022 से मार्च 2023 तक के आँकड़े

न्यासा: सामाजिक पहुंच के लिए भा.प्रौ.सं गांधीनगर की प्रतिबद्धता

भा.प्रौ.सं गांधीनगर परिसर में निर्माण श्रमिकों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए भा.प्रौ.सं गांधीनगर की प्रतिबद्धता और सचेत प्रयासों को आगे बढ़ाना। न्यासा भा.प्रौ.सं गांधीनगर में कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने, शिक्षा और अन्य गतिविधियों की सामूहिक ताकत के माध्यम से बेहतर जीवन बनाने में मदद करने के लिए तथा परिसर में और उसके आसपास वंचित समुदाय तक पहुंचने वाले प्राथमिक हितधारकों में से एक है। प्रौद्योगिकी और रचनात्मक सोच के माध्यम से विभिन्न कौशल सीखकर समग्र विकास के लिए न्यासा के माध्यम से पहले से ही कई गतिविधियाँ शुरू की गई हैं।

न्यासा डे आउट

17 अप्रैल 2022 को न्यासा स्कूल के छात्रों और न्यासा के सदस्यों ने साइंस सिटी का दौरा किया। समूह के पास स्पेस हॉल, प्लैनेट अर्थ, नेचर पार्क, रोबोटिक्स गैलरी और एक्वाटिक गैलरी का भ्रमण करने का एक अच्छा समय था। दिन चक्करदार जिज्ञासा, सूचनात्मक पर्यटन और हँसी से भरा हुआ था।

ग्रीष्म शिविर 2022

30 मई से 8 जून, 2022 तक बासन गांव और भा.प्रौ.सं गांधीनगर की निर्माण श्रमिकों की कॉलोनियों के 90+ बच्चों के लिए 10-दिवसीय समर शिविर आयोजित किया गया था। इसका उद्देश्य इन बच्चों को उनके शौक और छिपी प्रतिभाओं को तलाशने में मदद करना था। शिविर में बच्चों को मौज-मस्ती करने के लिए प्रेरित करने और प्रेरित करने के लिए रोमांचक गतिविधियों और सीखने के मॉड्यूल की अधिकता थी। गतिविधियों में कला और शिल्प, ओरिगेमी, ड्रीम कैचर मेकिंग, प्रारंभिक अंग्रेजी, कंप्यूटर कौशल की मूल बातें, पुरातत्व का परिचय, विज्ञान के प्रयोग, मिट्टी के बर्तन, संगीत और नृत्य, योग, मजेदार खेल और खेल शामिल थे। भा.प्रौ.सं गांधीनगर के छात्रों, शिक्षकों और समुदाय के सदस्यों सहित लगभग 40 परामर्शदाताओं ने संस्थान के लगभग 50 छात्र स्वयंसेवकों की मदद से विभिन्न सत्रों का संचालन किया।

पाथवे टू स्कूलिंग का पहला बैच पूरा हुआ

न्यासा, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, न्यासा स्वयंसेवकों के लगातार और सामूहिक प्रयासों और शिविरस समुदाय के पूरे समर्थन के माध्यम से, एक और मील का पत्थर तक पहुँच गया है। इसके "पाथवे कार्यक्रम टू रेगुलर स्कूलिंग" ने परिसर निर्माण श्रमिकों के चार लड़कियों सहित आठ बच्चों को औपचारिक शिक्षा के लिए एक नियमित स्कूल में प्रवेश पाने में सक्षम बनाया है। इसके अलावा, न्यासा स्वयंसेवकों ने भा.प्रौ.सं गांधीनगर शिविरस निर्माण श्रमिकों के बीच मच्छर भगाने वाली कॉइल, सैनिटरी पैड, कपड़े और मिठाई के लगभग 600 बक्से भी वितरित किए।

मीठा वितरण अभियान:

जन्माष्टमी के अवसर पर, न्यासा स्वयंसेवकों ने निर्माण श्रमिक कॉलोनियों में प्रशंसा के प्रतीक के रूप में मिठाइयां बांटी। कंस्ट्रक्शन वर्कर बाह्य संपर्क टीम की मदद से 600 मिठाई के डिब्बे बांटे गए। निर्माण श्रमिकों के लिए 19 अगस्त, 2022 को एमएसके और ग्लोब कॉलोनी में अभियान चलाया गया।

मच्छर विकर्षक कॉइल वितरण अभियान

मानसून के दौरान, निर्माण श्रमिक कॉलोनियों में मच्छरों का प्रकोप बढ़ जाता है। निर्माण श्रमिकों को सुरक्षित रहने में मदद करने के लिए भा.प्रौ.सं गांधीनगर इस मौसम में मच्छर भगाने वाली कॉइल वितरित कर रहा है। न्यासा स्वयंसेवकों ने निर्माण कार्यकर्ता बाह्य संपर्क टीम की मदद से प्रति कमरा एक मच्छर विकर्षक कॉइल के साथ कुल 185 मच्छर विकर्षक कॉइल वितरित किए। निर्माण श्रमिकों के लिए 21 अगस्त, 2022 को एमएसके और ग्लोब कॉलोनी में अभियान चलाया गया।

- 21 अगस्त, 2022 को कपड़ा और सैनिटरी पैड वितरण अभियान
- 06 सितंबर, 2022 को न्यासा के बच्चों के साथ शिक्षक दिवस समारोह
- न्यासा बच्चों के लिए 22 अक्टूबर, 2022 को कला@ भा.प्रौ.सं गांधीनगर के साथ मूवमेंट (आंदोलन - संगीत और शरीर की गति के साथ आंतरिक आत्म का पता लगाएं) सत्र
- दीपावली के अवसर पर, मुस्कुराहट फैलाने के हमारे आदर्श वाक्य के रूप में, न्यासा स्वयंसेवकों ने निर्माण श्रमिक बाह्य संपर्क टीम की मदद से निर्माण श्रमिक कॉलोनियों में मिठाइयाँ वितरित कीं, 450 मिठाई के डिब्बे वितरित किए गए। 23 अक्टूबर, 2022 को ग्लोब कॉलोनी में मिठाई वितरण अभियान चलाया गया
- 24 अक्टूबर, 2022 को न्यासा के बच्चों के साथ दीपावली का उत्सव (देवी लक्ष्मी की पूजा, उसके बाद प्रसाद वितरण, उपहार वितरण और न्यासा के बच्चों के लिए नए कपड़े)
- नींव कार्यक्रम में न्यासा का सत्र 25 अक्टूबर, 2022 को आयोजित किया गया, जिसमें हमने एक नई पहल "उम्मीद" की शुरुआत की। सत्र न्यासा के बच्चों के साथ आयोजित किया गया था जिसमें प्रथम वर्ष के छात्रों ने उन्हें कला और शिल्प सिखाया
- न्यासा स्कूल में द्वि-साप्ताहिक परीक्षा के साथ प्रदान की जाने वाली शिक्षा को सुव्यवस्थित करना
- न्यासा के बच्चों के साथ क्रमशः 26 दिसंबर, 2022 और 02 जनवरी, 2023 को क्रिसमस और नए साल का जश्न

शीतकालीन शिविर 2022

शीतकालीन अवकाश के दौरान, भा.प्रौ.सं गांधीनगर के छात्रों ने टीम न्यासा के साथ स्वेच्छा से एक शीतकालीन शिविर आयोजित करने के लिए बासन प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को उनकी महत्वपूर्ण सोच को तेज करने, उनकी चिंगारी और रचनात्मकता को जगाने के लिए मज़ेदार गतिविधियों के साथ जोड़ा। उत्साही बच्चों ने लगातार भा.प्रौ.सं गांधीनगर के छात्रों की ऊर्जा को चुनौती दी! कला और शिल्प, चित्रकला, गणित प्रतियोगिता, बुनियादी कंप्यूटर सॉफ्टवेयर, लैपटॉप पर स्पीड टाइपिंग, नाटक कक्षाएं और नृत्य सहित कई गतिविधियों का आयोजन किया गया। शीतकालीन शिविर 22-30 दिसंबर, 2022 तक आयोजित किया गया था। 07 जनवरी, 2023 को भा.प्रौ.सं गांधीनगर के अनुबंधित कर्मचारियों के लिए एक कपड़ा वितरण अभियान चलाया गया

लेट्स ड्रीम, लेट्स प्ले !

यह प्राथमिक स्कूल के बच्चों को जिला, राज्य या राष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए तैयार करने के लिए लक्षित एक दीर्घकालिक खेल परियोजना है। इसके अलावा, लाभों में व्यक्तियों के स्वास्थ्य और कल्याण में सुधार, व्यक्तियों के सशक्तिकरण में योगदान और समावेशी समुदायों के विकास को बढ़ावा देना शामिल है। यह न्यासा भा.प्रौ.सं गांधीनगर और भा.प्रौ.सं गांधीनगर स्पोर्ट्स की एक सहयोगी पहल है। कार्यक्रम को 09 जनवरी, 2023 को शुरू किया गया था। इस पहल की शुरुआत बासन प्राथमिक विद्यालय के 40+ छात्रों के साथ हुई थी।

ओडिसी के साथ तारे ज़मीन पर कार्यक्रम -

न्यासा ने ओडिसी, एस्ट्रोनॉमी क्लब भा.प्रौ.सं गांधीनगर के साथ तारे ज़मीन पर - हमारे निर्माण श्रमिकों के लिए एक स्टार गेजिंग कार्यक्रम के लिए सहयोग किया। इसका आयोजन ग्लोब कॉलोनी में किया गया था। यह कार्यक्रम 20 जनवरी, 2023 को निर्धारित किया गया था। बृहस्पति ग्रह और प्लीएड्स तारा समूह इस आयोजन के मुख्य आकर्षण थे।

74वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर न्यासा ने भा.प्रौ.सं गांधीनगर निर्माण श्रमिक बाह्य संपर्क टीम की मदद से निर्माण श्रमिक कॉलोनियों में मिठाई बांटी, 850 मिठाई के डिब्बे बांटे गए। ग्लोब कॉलोनी में मिठाई वितरण अभियान चलाया गया

चेतना 5.0

न्यासा ने चेतना को फिर से शुरू किया ताकि न्यासा के बच्चों को बुनियादी प्राथमिक शिक्षा और कुछ पाठ्येतर गतिविधियों को पढ़ाने के लिए एक या दो घंटे का समय देकर IITGN समुदाय को समाज को कुछ वापस देने का अवसर मिल सके। बच्चे निर्माण श्रमिकों के परिवारों के हैं। कार्यक्रम का दीर्घकालिक उद्देश्य उन्हें औपचारिक स्कूल प्रणाली में भेजने के लिए पर्याप्त ज्ञान से शोभित करना था। कार्यक्रम 23 जनवरी, 2023 को शुरू हुआ।

संजीवनी 2023

न्यासा, भा.प्रौ.सं गांधीनगर, देसाई फाउंडेशन के सहयोग से, भा.प्रौ.सं गांधीनगर से सटे बासन और पालज नामक दो गांवों में 'संजीवनी स्वास्थ्य मेला' - वार्षिक स्वास्थ्य शिविर के सातवें संस्करण को सफलतापूर्वक पूरा किया। 29 जनवरी, 2023 को बासन गांव में 30 से अधिक स्वयंसेवकों के सहयोग से संजीवनी का आयोजन किया गया, जिससे 500 से अधिक आगंतुक लाभान्वित हुए। एक सामान्य चिकित्सक, बाल रोग विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ, नेत्र रोग विशेषज्ञ, ईएनटी विशेषज्ञ, आर्थोपेडिक, दंत चिकित्सक, त्वचा विशेषज्ञ और फिजियोथेरेपिस्ट सहित विशेषज्ञों की एक समर्पित टीम शिविर में बिना किसी शुल्क के विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए उपस्थित थी। इसके अलावा, भा.प्रौ.सं गांधीनगर के एनईईवी, सीसीअल, ग्रीन क्लब और न्यासा द्वारा विभिन्न प्रकार के कैंसर के संकेत और लक्षण, सार्वजनिक स्थानों पर थूकने के दुष्प्रभाव, बच्चों के लिए पौष्टिक भोजन का महत्व, और परिवार नियोजन जैसे विभिन्न विषयों पर दूसरों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए चार स्टॉल लगाए गए थे जो आगंतुकों के बीच एक प्रमुख आकर्षण साबित हुआ। 7 फरवरी, 2023 को, स्वयंसेवकों ने पालज गांव में एक और स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया, जिसमें 170 से अधिक ग्रामीणों की भीड़ देखी गई। सचिव हिलेरी रोडडम क्लिंटन, जो भा.प्रौ.सं गांधीनगर के दौरे पर थीं, ने भी पालज में स्वास्थ्य शिविर का दौरा किया और टीम न्यासा द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्यों की सराहना की।

आयोजन एवं गतिविधियां

महत्वपूर्ण गतिविधियाँ

पदाधिकारियों की बदली

प्रो. रजत मूना ने 3 अक्टूबर, 2022 को भा.प्रौ.सं गांधीनगर के निदेशक के रूप में कार्यभार संभाला। संस्थान के कार्यवाहक निदेशक प्रो अमित प्रशांत ने एक संक्षिप्त औपचारिक समारोह में प्रो. मूना को जिम्मेदारी सौंपी, इसके बाद एक सामूहिक स्वागत कार्यक्रम और प्रो. मूना और भा.प्रौ.सं गांधीनगर समुदाय के बीच एक वार्तालाप सत्र आयोजित किया गया।

भा.प्रौ.सं गांधीनगर में सचिव हिलेरी रोडम क्लिंटन

पूर्व प्रथम महिला और संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएस) की राज्य सचिव व परोपकारी हिलेरी रोडम क्लिंटन ने 7 फरवरी, 2023 को अपनी भारत यात्रा के एक भाग के रूप में भा.प्रौ.सं गांधीनगर का दौरा किया और संस्थान में टाउन हॉल जिसका शीर्षक "इनसाइट्स फ्रॉम हर जर्नी" है इसके दौरान संकाय, छात्रों और भा.प्रौ.सं गांधीनगर समुदाय के साथ बातचीत की। उनके साथ क्लिंटन ग्लोबल इनिशिएटिव (सीजीआई) के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। इससे पहले अपने इंटरैक्टिव टाउन हॉल में, जिसे प्रो भास्कर दत्ता द्वारा संचालित किया गया था, सचिव हिलेरी क्लिंटन ने भी पालज गांव का दौरा किया और ग्रामीण क्षेत्रों को प्रभावित करने में देसाई फाउंडेशन के महत्वपूर्ण प्रयासों व भा.प्रौ.सं गांधीनगर के सामाजिक बाह्य संपर्क कार्यक्रमों, एनईईवी और न्यासा के साथ युवाओं, महिलाओं और समुदायों को कौशल, उद्यमिता और स्वास्थ्य कार्यक्रमों में उनकी पहल की सराहना की।

मेकर भवन का उद्घाटन

अपने सक्रिय और प्रोजेक्ट-आधारित शिक्षण के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए, भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने 09 अप्रैल, 2022 को एक बहुआयामी शैक्षिक मेकर्सस्पेस, मेकर भवन का उद्घाटन किया। मेकर भवन आधारभूत के संस्थापक और संस्थान में इस मेकर्सस्पेस के निर्माण के पीछे प्रमुख समर्थक डॉ. हेमंत कनकिया ने विश्व स्तरीय सुविधा का उद्घाटन किया, जो छात्रों के बीच नवीन सोच का पोषण करेगी और उन्हें अपने विचारों को वास्तविक प्रोटोटाइप में बदलने के लिए प्रेरित करेगी।

दीर्घ सेवा पुरस्कार

भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने दस वर्षों की अवधि के लिए संस्थान की सेवा करने वाले कर्मचारियों की सेवाओं को मान्यता देने के एक अनूठे तरीके के रूप में 'दीर्घ सेवा पुरस्कार' की स्थापना की। इस पुरस्कार के लिए पहला कार्यक्रम 16 अप्रैल, 2022 को आयोजित किया गया था, जिसमें 28 संकाय और 29 कर्मचारी सदस्यों सहित 57 कर्मचारियों को सम्मानित किया गया था। भा.प्रौ.सं गांधीनगर के संस्थापक निदेशक और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के वर्तमान कुलपति प्रो. सुधीर के जैन समारोह में मुख्य अतिथि थे और उन्होंने सभी प्राप्तकर्ताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

ग्रीष्मकालीन अनुसंधान अंतःशिक्षुता कार्यक्रम (एसआरआईपी) 2022

भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने 06 मई, 2022 को अपने प्रमुख ग्रीष्मकालीन अनुसंधान अंतःशिक्षुता कार्यक्रम (एसआरआईपी) 2022 की शुरुआत की। आठ सप्ताह के एसआरआईपी के 12वें संस्करण को देश भर से 24,000 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से लगभग 155 छात्र इंटर्न देश भर के विभिन्न संस्थानों और कॉलेजों से चुने गए, जिन्होंने भा.प्रौ.सं गांधीनगर के 54 संकाय सदस्यों द्वारा प्रस्तावित लगभग 115 शोध परियोजनाओं पर काम किया। इंटर्न ने 02 जुलाई, 2022 को एक पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिता के साथ अपनी इंटर्नशिप का समापन किया। कार्यक्रम का समन्वय प्रो. इति गुप्ता और विनीत वशिष्ठ ने किया।

भा.प्रौ.सं गांधीनगर में 'परम अनंत' की कमीशनिंग

राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन (एनएसएम) के तहत एक सुपरकंप्यूटिंग सुविधा 'परम अनंत' को 30 मई, 2022 को भा.प्रौ.सं गांधीनगर में कमीशन किया गया था। श्रीमती सुनीता वर्मा, समूह समन्वयक और वैज्ञानिक जी, एमईआईटीवाई, ने प्रो. अमित प्रशांत, कार्यवाहक निदेशक, भा.प्रौ.सं गांधीनगर; एमईआईटीवाई, डीएसटी, सी-डीएसी और भा.प्रौ.सं गांधीनगर के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में यह सुविधा शुरू की। यह भा.प्रौ.सं गांधीनगर के साथ-साथ पड़ोसी शैक्षणिक संस्थानों और उद्योगों में वैज्ञानिक समुदाय की सेवा करेगा।

भा.प्रौ.सं गांधीनगर में ब्रिटेन का प्रतिनिधिमंडल

गुजरात और राजस्थान में ब्रिटिश उप उच्चायुक्त श्री पीटर कुक के नेतृत्व में 15 सदस्यीय यूके प्रतिनिधिमंडल ने 9 जून, 2022 को भा.प्रौ.सं गांधीनगर का दौरा किया व अकादमिक और अनुसंधान एवं विकास सहयोग के लिए भा.प्रौ.सं गांधीनगर के संकाय के साथ विचार-विमर्श किया। प्रतिनिधिमंडल में यूके सरकार के शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और पदाधिकारी; बर्मिंघम विश्वविद्यालय; ग्लासगो विश्वविद्यालय; साउथेम्प्टन विश्वविद्यालय; पोर्ट्समाउथ विश्वविद्यालय; डी मोंटफोर्ट विश्वविद्यालय; और भारत में ब्रिटिश परिषद के अधिकारी शामिल थे।

आधारभूत प्रोग्राम - III और आरोहण 2022

भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने जुलाई 04, 2022 से 2021 के बीटेक बैच के लिए आधारभूत प्रोग्राम - III और 18 जुलाई, 2022 से एमए, एमएससी, एमटेक और पीएचडी के नए बैच के लिए आरोहण 2022 का आयोजन किया। नए छात्रों को भा.प्रौ.सं गांधीनगर की संस्कृति और लोकाचार में एकीकृत करना और उन्हें पूर्ण व्यक्तित्व में ढालने के लिए दोनों कार्यक्रम रोमांचक गतिविधियों और सत्रों से भरपूर थे। उद्घाटन समारोह प्रो. अमित प्रशांत, कार्यवाहक निदेशक, और संस्थान के संकाय सदस्यों और पूर्व छात्रों के साथ एक वार्ता सत्र के साथ आयोजित किया गया था। जबकि आधारभूत प्रोग्राम - III का समन्वय प्रो. बालगोपाल कोमारथ, बिस्वजीत मंडल, माना शाह और उत्सव मन्नू द्वारा किया गया था, आरोहण 2022 का समन्वय प्रो. आशीष सक्सा, अनिर्बन मंडल और कार्तिक सुब्रमण्यम पुष्पवनम द्वारा किया गया था।

विद्युत मशीनों और ड्राइव पर जीआईएएन पाठ्यक्रम

भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने ग्लोबल इनिशिएटिव ऑफ एकेडमिक नेटवर्क्स (जीआईएएन) के तत्वावधान में 18-22 जुलाई, 2022 के दौरान "इलेक्ट्रिक मशीन एंड ड्राइव्स इन इलेक्ट्रिफाइड ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम्स" पर एक पाठ्यक्रम का आयोजन किया। प्रो. महेश कृष्णमूर्ति, आर्मर अभियांत्रिकी कॉलेज में इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी के प्रो.,इलिनोइस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, यूएसए ने पांच दिवसीय पाठ्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहनों पर ध्यान देने के साथ इस क्षेत्र में उभरते रुझानों की खोज की गई। प्रो राघवन के. इस पाठ्यक्रम के समन्वयक थे। भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने दिसंबर 2022 में अन्य जीआईएएन पाठ्यक्रमों का भी आयोजन किया। 'अनुमान और पैरामीटरयुक्त एल्गोरिदम के लिए यादृच्छिक तरीके' पर पहला पाठ्यक्रम 5-9 दिसंबर 2022 के दौरान कैलिफोर्निया सांता बारबरा विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान विभाग के प्रोफेसर, प्रो. डैनियल लोकशतानोव द्वारा हाइब्रिड मोड में आयोजित किया गया था। इसका आयोजन प्रो. नीलधारा मिश्रा ने किया था। 'डेरिडा के आधुनिक: आधुनिकतावाद के संदर्भ में डिकंस्ट्रक्शन का उपयोग कैसे करें' पर दूसरा जीआईएएन पाठ्यक्रम 19-23 दिसंबर, 2022 के दौरान ऑनलाइन आयोजित किया गया था। इसका संचालन प्रो. जीन-मिशेल रबाटे, प्रोफेसर, अंग्रेजी और तुलनात्मक साहित्य, पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय द्वारा किया गया था। , और प्रोफेसर अर्का चट्टोपाध्याय द्वारा आयोजित किया गया।

इन्वेंशन फैक्ट्री® इंडिया 2022

वैश्विक महामारी द्वारा लगाए गए दो वर्षों के अंतराल के बाद, भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने आविष्कार फैक्टरी® इंडिया के तीसरे संस्करण की मेजबानी की, जो आविष्कार में अपनी तरह का एक गहन ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम है। 10 भा.प्रौ.सं के कुल 20 छात्रों ने भाग लिया और दो की टीमों में काम किया, जिसमें विभिन्न सामाजिक और उपभोक्ता जरूरतों को संबोधित करने वाले दस अद्वितीय आविष्कारों की परिकल्पना, प्रोटोटाइप और पिचिंग की गई और सात सप्ताह में अपने आविष्कारों के लिए अमेरिका के साथ-साथ भारतीय अनंतिम पेटेंट आवेदन दायर किए। टीमों को सीधे भा.प्रौ.सं गांधीनगर के प्रो. नितिन जॉर्ज, मधु वडाली, और जयचंदर स्वामीनाथन के साथ-साथ अमेरिका में मूल कार्यक्रम के संस्थापक, कूपर यूनियन के प्रो. एलन वुल्फ और एरिक लीमा द्वारा सलाह दी गई थी।

कला स्टूडियो द्वारा गतिविधियाँ

भा.प्रौ.सं गांधीनगर के कला स्टूडियो ने 2-7 अगस्त, 2022 को कैंपस में पहली बार भा.प्रौ.सं गांधीनगर कला महोत्सव का आयोजन किया। यह कार्यक्रम प्रतिभागियों को विभिन्न कला रूपों की कई कला कार्यशालाओं, प्रदर्शनियों, फिल्म स्क्रीनिंग, कलाकार वार्ता और प्रदर्शन के साथ एक व्यापक अनुभव प्रदान करने के लिए पैक किया गया था। कला स्टूडियो ने 30 सितंबर से 3 अक्टूबर, 2022 तक महिला आदिवासी कलाकारों की 50 मूल भील और गोंड कला चित्रों की एक अनूठी यात्रा प्रदर्शनी "भौम - थ्रेशोल्ड: एन ओड टू वुमनहुड" की भी मेजबानी की। कला@भा.प्रौ.सं गांधीनगर पहल ने 7-15 जनवरी के दौरान "कला और असुविधाजनक विचारों पर प्रदर्शनी" के साथ कई गतिविधियों का आयोजन किया। इसके उपरांत 21-22 जनवरी को, एक कॉमिक्स गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य कॉमिक्स के माध्यम से शिक्षा और कहानी कहने की दुनिया के बीच की दूरी को काम करना था। इस कार्यक्रम के साथ प्रसिद्ध ग्राफिक उपन्यासकारों, कलाकारों, फिल्म निर्माताओं और अकादमिक विद्वानों के साथ रोमांचक बातचीत और इंटरैक्टिव सत्रों की एक श्रृंखला आयोजित की गई थी।इसके अलावा, गोष्ठी में "निम्न कला की प्रदर्शनी" भी थी, जिसमें महान सत्यजीत रे की मूल स्केचबुक से चुनिंदा और क्यूरेट की गई छवियों का प्रदर्शन किया गया था। प्रदर्शनी में ओरिजिट सेन, सारनाथ

बनर्जी, अमृता पाटिल, निखिल गुलाटी और लॉन्गफॉर्म कलेक्टिव की कॉमिक्स भी दिखाई गईं। इस कार्यक्रम का समन्वयन प्रो. जैसन मांजली ने किया। इसके अलावा, विविध प्रदर्शन करने वाले कलाकारों और मंच कला अभिव्यक्तियों के असंख्य रूपों को एक साथ लाने के उद्देश्य से, कला@ भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने फरवरी 2023 में परिसर में एक महीने तक चलने वाले 'थिएटर एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स फेस्टिवल' का आयोजन किया। भारत और विदेशों के विविध सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के भा.प्रौ.सं गांधीनगर छात्रों और पेशेवर कलाकारों सहित 30 से अधिक कलाकारों ने उत्सव के दौरान थिएटर, नृत्य व संगीत के क्षेत्र में कार्यशालाओं और संवादों का प्रदर्शन और संचालन किया।

भा.प्रौ.सं गांधीनगर में केंद्रीय मंत्री

श्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने 13 सितंबर, 2022 को भा.प्रौ.सं गांधीनगर का दौरा किया और एक एक्सपो और उत्पाद प्रदर्शन सत्र के दौरान संस्थान में स्टार्ट-अप, उद्योग भागीदारों और संकाय सदस्यों के साथ भा.प्रौ.सं गांधीनगर अनुसंधान पार्क में बातचीत की। श्री वैष्णव ने 'उद्यमिता और नवाचार' विषय पर भा.प्रौ.सं गांधीनगर में छात्रों और समुदाय के साथ एक इंटरैक्टिव सत्र में भी भाग लिया।

छात्रों के कार्यक्रम का दौरा

भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने अन्य संस्थानों या विश्वविद्यालयों के छात्रों को एक सत्रार्ध या यहां तक कि एक पूर्ण शैक्षणिक वर्ष के लिए इसके स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में शामिल होने में सक्षम बनाने के लिए छात्र कार्यक्रम का दौरा करना शुरू कर दिया है। संस्थान ने अंशकालिक विजिटिंग छात्र कार्यक्रम भी शुरू किया है, जिसमें अन्य संस्थानों या उद्योगों के छात्र, वैज्ञानिक या अभियंता अपने मूल संगठन में अन्य प्रयासों का पीछा करते हुए एक सत्रार्ध के लिए दो पाठ्यक्रमों तक पंजीकरण कर सकते हैं। पहले सत्रार्ध के दौरान देश भर से कुल 24 छात्रों ने इस कार्यक्रम में दाखिला लिया है।

भा.प्रौ.सं गांधीनगर-X: शिक्षा बाह्य संपर्क कार्यक्रम

संस्थान ने भा.प्रौ.सं गांधीनगर-X, एक शिक्षा बाह्य संपर्क कार्यक्रम शुरू किया है जो उद्योग, पेशेवरों, शैक्षणिक संस्थानों, स्कूलों, अनुसंधान संस्थाओं, सरकारी और गैर-सरकारी प्रतिष्ठानों और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर थिंक-टैंक के साथ जुड़ने का प्रयास करता है। इसका उद्देश्य विशिष्ट रूप से डिजाइन किए गए कार्यक्रमों और पहलों के माध्यम से ज्ञानी समाज का निर्माण करना और मानव आकांक्षा की उन्नति में योगदान देना है। कार्यक्रम ने पहले से ही विभिन्न क्षेत्रों में सम्मेलनों, अनुसंधान सहयोग कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और लघु पाठ्यक्रमों सहित कई शिक्षा बाह्य संपर्क गतिविधियों का आयोजन किया है।

भा.प्रौ.सं गांधीनगर-दक्षिणा नेतृत्व कार्यक्रम

भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने 1-30 सितंबर, 2022 से एक महीने तक चलने वाले भा.प्रौ.सं गांधीनगर- "दक्षिणा नेतृत्व कार्यक्रम" का संचालन करने के लिए एक गैर-लाभकारी संगठन, दक्षिणा, और एक धारावाहिक उद्यमी, और परोपकारी श्री रुयिन्टन मेहता के साथ हाथ मिलाया। भा.प्रौ.सं गांधीनगर में कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, भारत और विदेश के कुछ सर्वश्रेष्ठ सलाहकारों ने नेतृत्व, महत्वपूर्ण सोच और संचार के आवश्यक कौशल में मुख्य रूप से ग्रामीण भारत से विनम्र पृष्ठभूमि के 100 अकादमिक रूप से उत्कृष्ट छात्रों को प्रशिक्षित किया। कार्यक्रम का समन्वयन प्रो. जैसन मंजली ने किया।

अनुसंधान के लिए पोर्टल

भा.प्रौ.सं गांधीनगर के पोस्टडॉक्टोरल अध्येता द्वारा अनुसंधान की विविधता का जश्न मनाने के उद्देश्य से, उन्हें साथी शोधकर्ताओं के साथ जुड़ने में सक्षम बनाने और संभावित सहयोग पर चर्चा करने के लिए, संस्थान के अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) अनुभाग ने 2 सितंबर, 2022 को संस्थान के वरिष्ठ शोधकर्ताओं, पोस्टडॉक्स और अर्ली करियर फेलो के लिए अपनी तरह का पोस्टर प्रेजेंटेशन सेशन "पोर्टल टू अनुसंधान" का आयोजन किया।

सत्र को जबर्दस्त प्रतिक्रिया मिली। कार्यक्रम का संचालन प्रो. रवि शास्त्री अय्यागरी ने किया।

विचारों का इतिहास 3.0

भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने दो दिलचस्प ऑनलाइन संगोष्ठियों के साथ 10 सितंबर, 2022 को "विचारों के इतिहास पर संगोष्ठी श्रृंखला" के तीसरे संस्करण का आयोजन किया। "डार्विन के विकास के सिद्धांत: महत्व और निहितार्थ" पर पहला सेमिनार आईआईएसईआर मोहाली के प्रो. रितोबन रे चौधरी द्वारा दिया गया था। दूसरे संगोष्ठी में, भा.प्रौ.सं गांधीनगर के प्रो लेस्ली लज़ार ने "द हिस्ट्री ऑफ़ द ब्रेन साइंसेज: फ्रॉम ए कूलिंग डिवाइस टू कंप्यूटिंग डिवाइस" को समझाया। संगोष्ठी का संचालन प्रो. सुदीप्त सरकार ने किया।

जेईई ओपन हाउस 2022

भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने 15 सितंबर, 2022 को जेईई (एडवांस्ड) योग्य बीटेक छात्रों और उनके माता-पिता को भा.प्रौ.सं प्रणाली और विभिन्न करियर के अवसरों की बेहतर समझ हासिल करने में मदद करने के लिए एक ऑनलाइन जेईई ओपन हाउस सत्र की मेजबानी की, ताकि कोई सूचित विकल्प बना सके। इस वार्ता कार्यक्रम को भा.प्रौ.सं गांधीनगर के निदेशक, शैक्षणिक मामलों और छात्र मामलों के संकायाध्यक्ष, संकाय सदस्यों, छात्रों और संस्थान के पूर्व छात्रों के साथ विभिन्न सत्रों में विभाजित किया गया था, और इसमें दुनिया भर से भागीदारी देखी गई थी।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाओं पर सर्ब सम्मेलन

विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), भारत सरकार और भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने संयुक्त रूप से 29 और 30 सितंबर, 2022 को "विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाएं: नवाचार को बढ़ावा देना" पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया। प्रो. संदीप वर्मा, सचिव, एसईआरबी, और प्रो. अमित कार्यक्रम का उद्घाटन कार्यकारी निदेशक प्रशांत ने किया। दो दिवसीय गोष्ठी में देश भर के उद्योग और शिक्षा

जगत से लगभग 200 महिला वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, अभियंताओं, छात्रों और पोस्टडॉक्टोरल अध्येता ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का समन्वय प्रो. शिवप्रिया किरुबाकरण, श्रीराम कणवाह, इति गुप्ता और भास्कर दत्ता ने किया।

चौथा अखिल भा.प्रौ.सं गोष्ठी

भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने 30 सितंबर से 1 अक्टूबर, 2022 तक चौथे ऑल भा.प्रौ.सं अंतर्राष्ट्रीय संबंध गोष्ठी की मेजबानी की। 19 भा.प्रौ.सं के अंतर्राष्ट्रीय संबंध कार्यालयों का प्रतिनिधित्व करने वाले लगभग 35 प्रतिभागियों ने गोष्ठी में भाग लिया, जो अंतर्राष्ट्रीय छात्र भर्ती, वैश्विक छात्र आदान-प्रदान में आंतरिक क्षमताओं को मजबूत करने और भा.प्रौ.सं में अंतरराष्ट्रीय छात्रों का अनुभव बढ़ाने पर केंद्रित था। गोष्ठी का समन्वय प्रो. अचल मेहरा और प्रो. शनमुगनाथन रमन ने किया था।

स्वतंत्रता दिवस 2022

भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने स्वतंत्रता दिवस 2022 को देशभक्ति व उत्साह के साथ मनाया। ध्वजारोहण समारोह और कार्यवाहक निदेशक प्रो. अमित प्रशांत द्वारा समुदाय को संबोधित करने के बाद, संस्थान समुदाय ने बीट द फॉर्मर संकायाध्यक्ष चैलेंज, कविता पाठ प्रतियोगिता, इंडिया क्विज प्रतियोगिता, और भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष के उपलक्ष्य में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित कई दिलचस्प कार्यक्रमों की मेजबानी की। । इस अवसर पर, भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने 20 कर्मचारियों (9 संकाय और 11 कर्मचारी सदस्यों) को दीर्घ सेवा पुरस्कारों से सम्मानित किया, जिन्होंने दस वर्षों तक संस्थान को उनकी समर्पित सेवा का सम्मान दिया। जिन छात्रों ने पिछले शैक्षणिक सत्र में एक निश्चित स्तर की शैक्षणिक उत्कृष्टता हासिल की थी, उन्हें संकायाध्यक्ष की सूची पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

आधारभूत कार्यक्रम 2022

जेओएसएए द्वारा अनुशंसित कुल 288 छात्र, जिनमें 58 महिला छात्र और संयुक्त राज्य अमेरिका के दो ओसीआई छात्र शामिल हैं, इस वर्ष भा.प्रौ.सं गांधीनगर के बीटेक और बीटेक-एमटेक दोहरी डिग्री कार्यक्रमों में शामिल हुए हैं। संस्थान ने छात्रों के आने वाले बैच का स्वागत किया और कई रोमांचक गतिविधियों के माध्यम से नए छात्रों को अच्छी तरह से विकसित व्यक्तियों में आकार देने के लिए 20 अक्टूबर, 2022 को अपने प्रमुख आधारभूत कार्यक्रम (एफपी) की शुरुआत की। निदेशक प्रो. रजत मूना ने एक वीडियो संदेश के माध्यम से नए स्नातक छात्रों से बात की और संस्थान में उनका स्वागत किया। एफपी 2022 का समन्वय प्रो. समीर पटेल, अबिनया संपत, रुसा मंडल, मुकेश धानका और सुब्रमण्यम शंकरनारायणन द्वारा किया गया था।

पीजी/पीएचडी अनुसंधान प्रदर्शन

नवंबर 2022 में एक सफल अवरस्नातक अनुसंधान प्रदर्शन के बाद, बड़ी संख्या में भा.प्रौ.सं गांधीनगर के स्नातकोत्तर छात्रों और पीएचडी छात्रों को अपने शोध कार्य को संप्रेषित करने के लिए एक मंच प्रदान किया गया। 11 जनवरी, 2023 को, संस्थान के द्वितीय वर्ष के एमए, एमएससी और एमटेक के छात्र, जिन्होंने अपनी थीसिस/प्रोजेक्ट किया है या वर्तमान में कर रहे हैं, को शहरी जल चक्र पर तूफानी जल नियंत्रण उपायों के प्रभाव के रूप में विविध विषयों पर अपने शोध को प्रदर्शित करने के लिए आमंत्रित किया गया था। (I) आईटी की महिलाओं की दुनिया भी: भा.प्रौ.सं में लिंग कैसे कार्य करता है, निरंतर चिपचिपाहट और बदलती लोच के साथ ऊतक-नकल फैंटम का निर्माण और लक्षण वर्णन, स्पायरोएक्टिव: स्पिरोमेट्री के लिए सक्रिय शिक्षण, जल ऑक्सीकरण के लिए एयूएनएस@एयूटीएनपी के नैनोकंपोजिट्स का डिजाइन और संश्लेषण, और भी कई। बाद में 23-25 और 27 जनवरी, 2023 के दौरान, भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने विभिन्न अंतःविषय क्षेत्रों में पीएचडी छात्रों द्वारा किए गए उदार अनुसंधान को उजागर करने के लिए उसी तर्ज पर अपने पीएचडी अनुसंधान प्रदर्शन का पहला संस्करण आयोजित किया। प्रदर्शन का उद्देश्य छात्रों को अपने काम को एक बड़े और अधिक विविध दर्शकों के सामने पेश करने का अवसर प्रदान करना है, इस प्रकार अद्वितीय चर्चाओं को सुविधाजनक बनाना और उनके शोध पर उपन्यास के दृष्टिकोण को आमंत्रित करना है।

10वीं शैक्षणिक सलाहकार परिषद

भा.प्रौ.सं गांधीनगर की 10वीं शैक्षणिक सलाहकार परिषद की बैठक 6 जनवरी, 2023 को आयोजित की गई, जिसमें भारत और विदेशों के लगभग 15 प्रमुख प्रतिष्ठित शिक्षाविद शामिल हुए। उन्होंने सर्वश्रेष्ठ संकाय सदस्यों की भर्ती, अधिक अंतरराष्ट्रीय छात्रों को आकर्षित करने, भविष्य के उद्योगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए नए शैक्षणिक कार्यक्रम शुरू करने व संस्थान में छात्रों और संकाय के बीच उद्यमिता व प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया।

11वां नेत्रत्व गोष्ठी

भा.प्रौ.सं गांधीनगर का 11वां नेत्रत्व गोष्ठी 7 जनवरी, 2022 को आयोजित किया गया था। इस वार्षिक कार्यक्रम ने दुनिया भर के लगभग 30 प्रतिष्ठित विचारकों, उद्योग विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और स्टार्टअप सलाहकर्ताओं को अपनी विशेषज्ञता साझा करने और संस्थान को प्राप्त करने के लिए प्रभावी रणनीति बनाने में मदद करने और वैश्विक शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए एक एकत्रित किया। विभिन्न क्षेत्रों के इन नेताओं ने भा.प्रौ.सं गांधीनगर के पूर्व छात्रों के साथ जुड़ाव बढ़ाने, संस्थान में स्टार्टअप संस्कृति और प्रौद्योगिकियों के व्यावसायीकरण में तेजी लाने, घरेलू व वैश्विक स्तर पर संस्थान की दृश्यता बढ़ाने और वैश्वीकरण को आगे बढ़ाने के तरीकों पर विचार-मंथन तथा मार्गदर्शन किया।

धनार्जन में मील का पत्थर

भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने 2008 में अपनी स्थापना के बाद से प्राप्त परोपकारी निधि में 100 करोड़ रुपये के मील के पत्थर का आंकड़ा पार कर लिया है। अपने दूरदर्शी शैक्षणिक नवाचारों, सामाजिक प्रभाव के लिए अनुसंधान उत्कृष्टता और संस्थागत प्रशासन के लिए विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त, भा.प्रौ.सं गांधीनगर दुनिया भर में फैले इसके शुभचिंतकों से

उदार परोपकारी समर्थन के साथ इस उल्लेखनीय मील के पत्थर तक पहुंच गया है।

एचओएमआई पर द्वितीय युवा विद्वानों का सम्मेलन

भारत में गणित के इतिहास (एचओएमआई) परियोजना के हिस्से के रूप में, भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने 21 जनवरी, 2023 को भारत पर ध्यान केंद्रित करते हुए गणित के इतिहास पर एक दूसरे आभासी 'यंग स्कॉलर्स' सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन ने युवा शोधकर्ताओं के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया। गणित के इतिहास या गणितीय खगोल विज्ञान जैसे संबंधित क्षेत्रों में अपने काम को प्रस्तुत करने के लिए दुनिया भर से। सम्मेलन के दौरान क्षेत्र के कुल सात युवा विशेषज्ञों ने कुछ मूल योगदानों के साथ अपनी अंतर्दृष्टि और शोध साझा किया; हर प्रस्तुति के बाद चर्चा हुई। कार्यशाला का समन्वय प्रो. मिशेल डेनिनो ने किया था।

गणतंत्र दिवस 2023

भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने 74वां गणतंत्र दिवस देशभक्ति के उत्साह और अपने समुदाय के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करने के साथ मनाया। संस्थान ने बागवानी और हाउसकीपिंग कर्मचारी, सुरक्षा कर्मियों, निर्माण श्रमिकों के बच्चों के लिए शिक्षक, इलेक्ट्रीशियन, किराने की दुकान के मालिक, भोजन और आतिथ्य कर्मचारियों, शारीरिक प्रशिक्षण प्रशिक्षक, संस्थान के अभियंताओं सहित विभिन्न गैर-शिक्षण कर्मचारियों को पिछले वर्ष भर में उनकी अमूल्य सेवाओं के लिए संकाय उत्कृष्टता पुरस्कार, परिसर विकास पुरस्कार और उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किए। इंटर-भा.प्रौ.सं स्पोर्ट्स मीट के असाधारण प्रदर्शन करने वालों को खेलों में उपलब्धि के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए। अवरस्नातक और स्नातकोत्तर अनुसंधान प्रदर्शन के विजेताओं और 2022-23 के सत्रार्ध - I में उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए संकायाध्यक्ष की सूची में शामिल छात्रों को भी इस आयोजन के दौरान सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर, प्रो. रजत मूना ने एक पुस्तिका - 'भा.प्रौ.सं गांधीनगर इन न्यूज' भी जारी की - जो संस्थान, इसके कार्यक्रमों, पहलों, अनुसंधान और विभिन्न स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय समाचार मीडिया में वर्ष 2022 के दौरान उपलब्धियों के बारे में समाचार कवरेज की एक झलक प्रस्तुत करती है। इस दिन लगभग 3500 लोगों के लिए एक भव्य 'बड़ा खाना' (दावत) भी दिया गया, जहाँ परिसर के विकास और प्रबंधन में शामिल सभी हितधारक एक बड़े परिवार के रूप में भोजन के लिए एक साथ एकत्रित हुए।

गणतंत्र दिवस की भावना को बढ़ाते हुए, भा.प्रौ.सं गांधीनगर की खेल परिषद ने एक रोमांचक सूर्य नमस्कार प्रतियोगिता का आयोजन किया, और संस्थान के पुस्तकालय में भारतीय संविधान की प्रतिकृति प्रदर्शित की गई, हमारे संविधान के कुछ प्रमुख पृष्ठों की एक फ्लिपबुक प्रदर्शित की गई, साथ ही एक पुस्तक प्रदर्शनी और इस अवसर के लिए एक आभासी प्रदर्शनी का भी आयोजन हुआ। शाम को, भा.प्रौ.सं गांधीनगर की सांस्कृतिक परिषद ने एक सांस्कृतिक कार्यक्रम की मेजबानी भी की।

'कृषि को ऊर्जा देने और दक्षिण एशिया में सिर्फ ऊर्जा संक्रमण को सक्षम बनाने' पर क्षेत्रीय ज्ञान मंच

अंतर्राष्ट्रीय जल प्रबंधन संस्थान, डॉ. किरण सी पटेल सेंटर ऑफ सस्टेनेबल डेवलपमेंट (केपीसीएसडी) द्वारा भा.प्रौ.सं गांधीनगर और अन्य सहयोगी संगठनों द्वारा आयोजित 'एनर्जाइजिंग एग्रीकल्चर एंड इनेबलिंग जस्ट एनर्जी ट्रांजिशन्स इन साउथ एशिया' पर क्षेत्रीय ज्ञान मंच का आयोजन 7-8 फरवरी, 2023 को भा.प्रौ.सं गांधीनगर में किया गया था। फोरम में 16 देशों के कुल 170 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में निम्न लोग सम्मिलित हुए - डॉ. आलोक सिक्का, कंट्री रिप्रेजेंटेटिव - इंडिया, आईडब्ल्यूएमआई; जेनाइन कुरिगर, प्रमुख, वैश्विक कार्यक्रम जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण, स्विस विकास और सहयोग (एसडीसी); प्रो. रजत मूना, निदेशक, भा.प्रौ.सं गांधीनगर; डॉ फ्रैंक रिज्स्बर्मन, महानिदेशक, ग्लोबल ग्रीन ग्रोथ इंस्टीट्यूट; डॉ अदिति मुखर्जी, प्रधान शोधकर्ता, आईडब्ल्यूएमआई; और उल्का केलकर, निदेशक - जलवायु, डब्ल्यूआरआई इंडिया। कार्यक्रम के दौरान उद्योग, सरकार और शिक्षा जगत के विशेषज्ञों ने पानी के सतत प्रबंधन, नवीकरणीय ऊर्जा, कृषि और सौर सिंचाई सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। यह आयोजन आईडब्ल्यूएमआई की परियोजना का एक हिस्सा था, जिसका शीर्षक दक्षिण एशिया में कृषि लचीलापन के लिए सौर सिंचाई था, जिसे एसडीसी द्वारा वित्त पोषित किया गया था।

सीएसई का एक दशक और एक नई प्रयोगशाला का उद्घाटन

भा.प्रौ.सं गांधीनगर के सात अंतःविषय केंद्रों में से एक, सुरक्षा अभियांत्रिकी केंद्र (सीएसई) ने सार्वजनिक सुरक्षा के लिए अपनी सेवा का एक दशक पूरा कर लिया है। सीएसई की सफलताओं का जश्न मनाने और आगे की राह पर चर्चा करने के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय भागीदार उद्योगों और सरकारी प्रतिनिधियों सहित विभिन्न हितधारक 3 दिसंबर, 2022 को भा.प्रौ.सं गांधीनगर में एकत्र हुए। इस अवसर पर, सीएसई ने पैसिव फायर सिस्टम टेस्टिंग के लिए शाह भोगीलाल जेठालाल प्रयोगशाला का भी उद्घाटन किया, जो देश में अंतरराष्ट्रीय मानकों की अपनी तरह की एक उन्नत प्रयोगशाला है, जिसे अहमदाबाद स्थित शाह भोगीलाल जेठालाल एंड ब्रदर्स (एएएजी इंडिया) के प्रबंध भागीदार श्री मुकेश शाह के उदार सहयोग से स्थापित किया गया है।

15वीं युवा अन्वेषकों की बैठक (वीआईएम 2023)

13-17 फरवरी, 2023 के दौरान भा.प्रौ.सं गांधीनगर, अहमदाबाद विश्वविद्यालय और इंडिया बायोसाइंस द्वारा संयुक्त रूप से 15वीं यंग इन्वेस्टिगेटर्स मीटिंग की मेजबानी की गई थी, जिसमें असाधारण युवा और वरिष्ठ वैज्ञानिकों, संस्थानों के प्रमुखों और फंडिंग एजेंसियों के प्रतिनिधियों का ध्यान विज्ञान करियर, सलाह और नेटवर्किंग पर केंद्रित करने के लिए एकत्रित किया गया था। पांच दिनों की वार्ता, पैनल चर्चा, ब्रेकआउट सत्र और पोस्टर प्रस्तुतियों के लिए बैठक में कई सलाहकारों, विज्ञान पेशेवरों, फंडिंग एजेंसियों (राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय) और संस्थागत प्रतिनिधियों के अलावा लगभग अस्सी युवा शोधकर्ताओं और पोस्टडॉक्टोरल अध्येता ने भाग लिया। आयोजन के दौरान, वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने अपनी वैज्ञानिक यात्राओं का वर्णन किया और अपने करियर की स्थापना कर रहे युवा वैज्ञानिकों के साथ अपने अनुभवों के बारे में प्रेरणादायक और मनोरंजक उपाख्यानों को साझा किया। भा.प्रौ.सं गांधीनगर में कार्यक्रम का समन्वय प्रो. धीरज भाटिया ने किया।

श्री सावजी ढोलकिया भा.प्रौ.सं गांधीनगर में

हरि कृष्णा एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक और अध्यक्ष श्री सावजी ढोलकिया की अंतर्दृष्टि को सुनने के लिए भा.प्रौ.सं गांधीनगर समुदाय कृतज्ञ रहा, जो 17 फरवरी, 2023 को संस्थान के दौरे पर थे। दर्शकों के साथ अपनी जीवंत बातचीत के दौरान, श्री ढोलकिया ने उनकी "एक सामाजिक रूप से प्रभावशाली अरबपति बनने की कहानी" को साझा किया। 2022 में पद्म श्री के प्राप्तकर्ता, वह समाज और अपने कर्मचारियों को वापस देने के अपने कार्य के लिए जाने जाते हैं।

युवा संगम

भारत सरकार द्वारा एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी) पहल के तहत लोगों से लोगों के बीच संपर्क को मजबूत करने और पूर्वोत्तर राज्यों और शेष भारत के युवाओं के बीच सहानुभूति पैदा करने के लिए में शिक्षा मंत्रालय के नेतृत्व में 'युवा संगम' कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, भा.प्रौ.सं गांधीनगर को गुजरात और असम के युवाओं के लिए एक्सपोज़र विज़िट की सुविधा के लिए गुजरात में एक नोडल संस्थान के रूप में नियुक्त किया गया है। श्री सत्यनारायणन मुंडयूर, पद्म श्री अवार्डी (2020) और पूर्वोत्तर भारत में काम करने वाले एक समर्पित शिक्षाविद् व सामाजिक कार्यकर्ता, जो भा.प्रौ.सं गांधीनगर में एक विद्वान-इन-रेजिडेंस भी हैं, ने निदेशक प्रो. रजत मूना की उपस्थिति में 24 फरवरी, 2023 को, मुख्य अतिथि के रूप में भा.प्रौ.सं गांधीनगर में 'युवा संगम' का उद्घाटन किया। असम से 18 छात्रों और ऑफ-कैंपस के युवाओं का एक समूह गुजरात का दौरा करने के लिए भा.प्रौ.सं गांधीनगर पहुंचा, और गुजरात के 53 छात्रों और ऑफ-कैंपस के युवाओं ने कला के विभिन्न पहलुओं का व्यापक अनुभव प्राप्त, संस्कृति, जीवन और स्थलों व इन राज्यों में युवाओं से जुड़ने हेतु एक सप्ताह के लिए अपने संबंधित राज्य अधिकारियों के साथ असम का दौरा किया।

भा.प्रौ.सं के प्रशिक्षण और प्लेसमेंट अधिकारियों की पहली बैठक

भा.प्रौ.सं गांधीनगर के करियर विकास सेवा विभाग ने 25 फरवरी, 2023 को पहली "ऑल भा.प्रौ.सं ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर्स मीट" का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिसमें भा.प्रौ.सं बॉम्बे, भा.प्रौ.सं दिल्ली, भा.प्रौ.सं रुड़की, भा.प्रौ.सं कानपुर, भा.प्रौ.सं पलक्कड़, भा.प्रौ.सं इंदौर, भा.प्रौ.सं हैदराबाद, भा.प्रौ.सं जोधपुर, भा.प्रौ.सं भिलाई, भा.प्रौ.सं बीएचयू वाराणसी और भा.प्रौ.सं पटना सहित विभिन्न संस्थानों से भागीदारी देखी गई। प्रतिभागियों ने विभिन्न मुद्दों, जैसे सर्वोत्तम अभ्यास, कौशल विकास, उद्योग-अकादमिक सहयोग, नीतियां और करियर के अवसरों को बढ़ाना, आदि पर चर्चा की।

टेडएक्स भा.प्रौ.सं गांधीनगर 2023

भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने 26 फरवरी, 2023 को अत्यधिक प्रत्याशित टेडएक्स.प्रौ.संगांधीनगर का सफलतापूर्वक समापन किया, जिससे उपस्थित लोग उत्साहित और प्रेरित महसूस कर रहे थे। "पर्दे के पीछे" विषय पर केंद्रित, इस कार्यक्रम ने विभिन्न पृष्ठभूमि से हमारे वक्ताओं की छिपी कहानियों को खोजने का एक अनूठा अवसर प्रदान किया। आकर्षक वार्ताओं की एक श्रृंखला के माध्यम से, वक्ताओं, अमिताभ सिंह, सिनेमैटोग्राफर, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता, सिनेविद्या के संस्थापक, और एक शिक्षक; रीमा नानावटी, स्व-नियोजित महिला संघ (सेवा) की निदेशक और पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित; ह्यूमन फॉर ह्यूमैनिटी के संस्थापक, सामाजिक कार्यकर्ता और कई पुरस्कारों के प्राप्तकर्ता अनुराग चौहान; और अक्षय सिंघल, लॉग 9 के संस्थापक और फोर्ब्स अंडर 30 एशिया पुरस्कार विजेता; परदे के पीछे काम करना कैसा होता है, इस बारे में अपने अनुभव साझा किए और विभिन्न उद्योगों या क्षेत्रों के अक्सर अनदेखे या अज्ञात पहलुओं पर अंतर्दृष्टि प्रदान की। इस कार्यक्रम ने प्रतिभागियों को वक्ताओं के साथ बातचीत करने, समान विचारधारा वाले व्यक्तियों के साथ नेटवर्क बनाने, विचारों का आदान-प्रदान करने और नए सहयोग बनाने के लिए एक मंच प्रदान किया।

विज्ञान दिवस 2023

भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री के सहयोग से 28 फरवरी, 2023 को अपने परिसर में स्कूल और कॉलेज के छात्रों के लिए कई रोमांचक और व्यावहारिक गतिविधियों और वैज्ञानिक प्रदर्शनों के साथ 'ओपन डे' आयोजित करके 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' मनाया। अहमदाबाद, गांधीनगर और आस-पास के जिलों के छह उच्च शिक्षा संस्थानों/विश्वविद्यालयों के 15 स्कूलों के लगभग 1000 स्कूली छात्रों और 200 कॉलेज के छात्रों ने विज्ञान और इसके चमत्कारों का पता लगाने, अनुभव करने और आनंद लेने के लिए भा.प्रौ.सं गांधीनगर परिसर का दौरा किया। समारोह का समापन सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज लिमिटेड के डॉ राजमन्नार तेनाती के एक लोकप्रिय व्याख्यान के साथ हुआ, जिसका विषय "फार्मास्यूटिकल उद्योग में विकास और नवाचार" था। कार्यक्रम का आयोजन प्रो. शिवप्रिवा किरुबाकरन और श्रीराम कणवाह ने किया था।

भा.प्रौ.सं गांधीनगर और आरजीयू ने एक राष्ट्रीय सम्मेलन का सह-आयोजन किया

भा.प्रौ.सं गांधीनगर के एचएसएस विषय ने ईटानगर में आरजीयू परिसर में "जनजाति, राज्य और पर्यावरण: भारत के उत्तर पूर्व में समकालीन अनुसंधान" पर 6-7 मार्च, 2023 के

दौरान एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करने के लिए मानव विज्ञान विभाग, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश के साथ हाथ मिलाया। दुनिया भर के विश्वविद्यालयों के कुल 21 प्रतिभागियों ने सम्मेलन में भाग लिया, जो पर्यावरण के मुद्दों और उत्तर पूर्व भारत में आदिवासी समुदायों के साथ उनके संबंधों पर केंद्रित था। इस आयोजन को भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण; भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली; और आईसीएसएसआर-एनईआरसी, शिलांग द्वारा वित्त पोषित किया गया था। भा.प्रौ.सं गांधीनगर से प्रो. अंबिका अय्यदुरई और आरजीयू से प्रो. सरित के चौधरी ने इस कार्यक्रम का सह-आयोजन किया।

स्टूडेंट्स गोष्ठी का पहला ऑल-भा.प्रौ.सं संकायाध्यक्ष

भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने 10-11 मार्च, 2023 को पहली बार "ऑल-भा.प्रौ.सं संकायाध्यक्ष ऑफ स्टूडेंट्स गोष्ठी" में भाग लेने के लिए भारत भर के विभिन्न भा.प्रौ.सं से छात्र मामलों के संकायाध्यक्ष की मेजबानी की। भा.प्रौ.सं गांधीनगर में छात्र मामलों के संकायाध्यक्ष प्रो. शिवप्रिया किरुबाकरण ने सत्र की शुरुआत की। संस्थान में प्रतिभागियों का स्वागत करने के उपरांत प्रो. रजत मूना, निदेशक, भा.प्रौ.सं गांधीनगर द्वारा प्रारंभिक टिप्पणी की गई। गोष्ठी के सदस्यों ने भा.प्रौ.सं में छात्रों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न चुनौतियों और उनके संस्थानों की नई पहलों पर मंथन किया।

महफिल-ए-मुशायरा

17 मार्च, 2023 को भा.प्रौ.सं गांधीनगर में उर्दू कविता पाठ की एक शाम महफिल-ए-मुशायरा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में छात्रों, कर्मचारियों और संकाय सदस्यों की भागीदारी देखी गई, जिन्होंने विभिन्न कवियों की ग़ज़लों और नज़्मों का पाठ किया।

स्वामी विवेकानंद से प्रेरित नाट्य मंचन

भा.प्रौ.सं गांधीनगर और संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार ने 18 मार्च, 2023 को स्वामी विवेकानंद के अनमोल शब्दों, चरित्र-निर्माण, जीवन और संवादों से प्रेरित एक नाट्य का सह-आयोजन किया। यह नाट्य राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' स्मृति न्यास (आरआरएसडीएसएन), नई दिल्ली, जिसमें भा.प्रौ.सं गांधीनगर के पांच सदस्य शामिल हैं की एक टीम द्वारा प्रस्तुत किया गया था। प्रो. रजत मूना, निदेशक, भा.प्रौ.सं गांधीनगर; श्री नीरज कुमार, अध्यक्ष, आरआरएसडीएसएन; और डॉ केशुभाई देसाई, गुजराती साहित्य के एक प्रसिद्ध लेखक ने अपनी उपस्थिति से इस अवसर की शोभा बढ़ाई और दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस नाट्य को दर्शकों को स्वामी विवेकानंद के जीवन की एक झलक प्रदान करने के लिए, आकर्षक और विचारोत्तेजक बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया था।

संस्थान प्रबंधन प्रणाली (आईएमएस) द्वारा पहल

संस्थान प्रबंधन प्रणाली, भा.प्रौ.सं गांधीनगर के बुनियादी ढांचे का एक आवश्यक घटक है, जो एक पेपरलेस कार्यालय की दिशा में काम कर रहा है, और प्रमुख भा.प्रौ.सं गांधीनगर के कामकाज को स्वचालित और व्यवस्थित कर रहा है, ने हाल ही में छात्रों के लिए उनके लेन-देन के विवरण को देखने के लिए एक मंच विकसित किया है, जिसे 'स्टूडेंट अकाउंट स्टेटमेंट' कहा जाता है, जो प्रक्रियाओं को संसाधित करता है। प्रशासनिक कर्मचारियों पर कागजी कार्रवाई और समय को जल्दी और बहुत कम कर देता है। इसके अलावा, छात्रों की थीसिस मूल्यांकन प्रक्रिया को निर्बाध बनाने के लिए, टीम एक ऐसी प्रणाली लेकर आई है जिसमें पीएचडी थीसिस में शामिल सभी गतिविधियों को शामिल किया गया है - प्रस्तुत करने से लेकर समीक्षा करने से लेकर रिपोर्ट जमा करने के लिए निर्धारित अनुस्मारक तक; पूरी प्रक्रिया को स्वचालित कर दिया गया है। टीम ने मौजूदा 'एसेट मैनेजमेंट सिस्टम' को भी अपग्रेड किया है, जो भा.प्रौ.सं गांधीनगर के सामग्री प्रबंधन विभाग के तहत अंतिम उपयोगकर्ताओं की खरीद को प्रबंधित और अनुकूलित करने में सक्षम बनाता है। यह संशोधित प्रणाली एक पीडीएफ फाइल के तहत एक इंडेंटर के कई खरीद ऑर्डर को मर्ज करके उपयोगकर्ता के लिए कम समय काटने की सुविधा देती है, जिससे दोनों पक्षों को समय बचाने में मदद मिलती है। यह मॉड्यूल एक एकल डेटाबेस में खरीद रिकॉर्ड बनाए रखने के लिए एमएम विभाग के कामकाज और कागज की बचत की सुविधा भी देता है। इसके अलावा, टीम ने आईएमएस कार्यात्मक प्रशिक्षण' का दूसरा सत्र भी आयोजित किया, जिसका उद्देश्य आईएमएस कार्यान्वयन के दीर्घकालिक लाभों को अधिकतम करना, आईएमएस के कार्यान्वयन के बाद के चरण के दौरान कार्यात्मक फिट को बढ़ाना और मॉड्यूल/अनुभागों में सूचनाओं को साझा करने की सुविधा प्रदान करना है। प्रयास की असंगति और दोहराव को खत्म करें। इसके अतिरिक्त, आईएमएस पोर्टल तृतीय-पक्ष भुगतान गेटवे प्रदाताओं के सहयोग से खाता अनुभाग को ऑनलाइन भुगतान एकत्र करने में भी मदद करता है।

यूसुफ हमीद रसायन विज्ञान शिविर

भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री (आरएससी), भारत के सहयोग से 29-31 मार्च, 2023 के दौरान कक्षा IX के 80 से अधिक छात्रों के लिए तीन दिवसीय आवासीय युसूफ हमीद रसायन विज्ञान शिविर का आयोजन किया। यह यूसुफ हमीद रसायन विज्ञान शिविर का 41वां संस्करण था, जिसे आईआईटी गांधीनगर में दूसरी बार आयोजित किया गया और आरएससी यूसुफ हामिद प्रेरणादायक विज्ञान कार्यक्रम के हिस्से के रूप में आयोजित किया गया। भाग लेने वाले ग्रेड IX स्कूल के छात्रों को राजकोट, छोटा उदेपुर, साबरकांठा, बनासकांठा, पाटन, अहमदाबाद, गांधीनगर सहित गुजरात के विभिन्न जिलों के लगभग 30 स्कूलों से चुना गया था। शिविर के दौरान, स्कूली छात्रों को रसायन विज्ञान प्रयोगशाला सुरक्षा उपकरणों और उपकरणों से परिचित कराया गया और उन्हें कलर क्रिएशन, क्रिस्टलीकरण, फोरेंसिक चैलेंज, क्लॉक रिएक्शन्स, हाइड्रोजेल जांच, ग्लोबल कॉइन बैटरी प्रयोग, और विभिन्न प्रयोगशाला प्रयोगों सहित विभिन्न लघु प्रयोगों को करने का व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया गया। भा.प्रौ.सं गांधीनगर के संकाय सदस्यों प्रो. राघवन के और प्रो. भास्कर दत्ता के दो व्याख्यान थे और प्रो. श्रीराम कण्वा द्वारा एक रसायन विज्ञान प्रयोग डेमो था। प्रो. बिस्वजीत मंडल और प्रो. अनिर्बान मंडल शिविर के समग्र समन्वयक के रूप में छात्र मामलों के संकायाध्यक्ष प्रो. शिवप्रिया किरुबाकरन के साथ कार्यक्रम के सह-समन्वयक थे।

छात्रों की पाठ्येतर गतिविधियाँ

उड़ान 2022

भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने 13 अप्रैल, 2022 को स्नातक छात्रों के लिए अपने विशिष्ट विदाई कार्यक्रम, "उड़ान" की मेजबानी की। छात्रों और संकाय सदस्यों द्वारा साझा किए गए भाषणों और उपाख्यानों के साथ अंतिम शाम को यादगार बनाया गया।

एक्सप्लोरर अध्येतावृत्ति 2022

भा.प्रौ.सं गांधीनगर के प्रमुख कार्यक्रमों में से एक, एक्सप्लोरर अध्येतावृत्ति, कोविड महामारी के कारण दो साल के अंतराल के बाद इस गर्मी में फिर से शुरू हुआ। कुछ चुनिंदा भा.प्रौ.सं गांधीनगर छात्र टीमों ने अध्येतावृत्ति ली और भारत के विभिन्न हिस्सों का पता लगाने के लिए प्रस्थान किया। अपनी वापसी पर, टीमों ने 19 सितंबर, 2022 को प्रस्तुतियों और लघु फिल्मों के रूप में भा.प्रौ.सं गांधीनगर समुदाय के साथ अपनी यात्रा के अनुभवों और सीखों को साझा किया।

स्नातक अनुसंधान प्रदर्शन

संस्थान ने 18 नवंबर, 2022 को एक अवरस्नातक अनुसंधान प्रदर्शन का आयोजन किया। भा.प्रौ.सं गांधीनगर विभिन्न विषयों के कई स्नातक छात्रों ने संस्थान समुदाय के लिए अपने शोध कार्य की पोस्टर प्रस्तुतियां दीं। यह आयोजन अनुसंधान चर्चाओं में सक्रिय रूप से संलग्न होने, संकाय सदस्यों, वरिष्ठ शोधकर्ताओं और साथी छात्रों सहित विविध दर्शकों से प्रतिक्रिया प्राप्त करने का एक मंच साबित हुआ।

छात्र गतिविधियाँ

डिज़ाइन एवं नवाचार केंद्र ने अप्रैल के तीसरे सप्ताह के दौरान दो डिज़ाइन पाठ्यक्रमों - 'संभावनाओं के साथ खेलना: गेमिंग न्यू वर्ल्ड' और 'क्रिएटिविटी, डिज़ाइन एंड डूइंग' को चुनने वाले छात्रों के कार्य की खुशी जश्न मनाने और प्रदर्शित करने के लिए दो प्रदर्शनियों का आयोजन किया। इसके अतिरिक्त, भा.प्रौ.सं गांधीनगर के कला क्लब, पैलेट ने 19 अप्रैल, 2022 को प्रदर्शनी 2.0 का आयोजन किया, जिसमें भा.प्रौ.सं गांधीनगर समुदाय द्वारा बनाई गई 60 से अधिक पेंटिंग और रेखाचित्र प्रदर्शित किए गए। भा.प्रौ.सं हैदराबाद के क्विज़ क्लब के सहयोग से भा.प्रौ.सं गांधीनगर में क्विज़िंग सोसाइटी ने 'एनीमे क्विज़' विषय पर एक अखिल भारतीय क्विज़ प्रतियोगिता आयोजित की।

अमलथिया'22

भा.प्रौ.सं गांधीनगर छात्रों द्वारा संचालित वार्षिक तकनीकी शिखर सम्मेलन अमलथिया का 12वां संस्करण 21-22 जनवरी, 2023 को आयोजित किया गया था, जिसमें विशेषज्ञ ज्ञान और आनंद के साथ सीखने के अपने ट्रेडमार्क मिश्रित थे। इस वर्ष के मुख्य बिन्दु - 'इनीशिएट इनोवेट इंस्पायर' – के द्वारा युवा मस्तिष्क को वर्तमान मुद्दों पर विचार करने और अभिनव और व्यवहार्य समाधान खोजने के लिए प्रोत्साहित किया। एक ओर, ड्रोन रेसिंग, रोबोक्वेस्ट, डी'कोड और आइकन जैसे तकनीकी आयोजनों ने छात्रों को रोमांचित किया, वहीं दूसरी ओर, संगोष्ठी और गोष्ठी ने उन्हें उद्योग जगत के दिग्गजों की अंतर्दृष्टि के साथ प्रौद्योगिकी के भविष्य में गहराई तक जाने में सक्षम बनाया।

ब्लिथक्रोन'23

दो साल के लंबे अंतराल के बाद, भा.प्रौ.सं गांधीनगर के वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव 'ब्लिथक्रॉन' के 10वें संस्करण ने 18-19 फरवरी, 2023 को ऑफ़लाइन वापसी की। दो दिवसीय उत्सव का समापन डीजे रैवेटर और सबली - द बैंड द्वारा भव्य प्रदर्शन के साथ हुआ। देश भर के संस्थानों के सैकड़ों प्रतिभागियों के साथ-साथ यूके और नेपाल के कुछ प्रतिभागियों ने उत्सव में भाग लेने के लिए ब्लिथक्रोन' 23 के लिए पंजीकरण कराया।

सांस्कृतिक परिषद द्वारा गतिविधियाँ

सांस्कृतिक परिषद ने इस तिमाही के दौरान गतिविधियों की एक दिलचस्प लाइनअप का आयोजन किया, जिसमें "मेक इट स्टिक", जो पैलेट द्वारा एक स्टिकर डिजाइन प्रतियोगिता; स्टेप अप द्वारा आयोजित एक हिप-हॉप नृत्य कार्यशाला; फुजीफिल्म विशेषज्ञों द्वारा एक फोटोग्राफी कार्यशाला; त्योहारों का उत्सव; हिन्दी प्रकोष्ठ के समन्वय से हिन्दी सप्ताह का आयोजन; सिनेमैथेक द्वारा विभिन्न मूवी स्क्रीनिंग; एक फिल्म स्क्रीनिंग, उसके उपरांत आवाम की फिल्म 'डार्लिंग्स' पर फोकस समूह चर्चा शामिल हुई।

खेलकूद गतिविधियां

एक चैंपियन के साथ एक दिन

संस्थान ने 2 मई, 2022 को दुनिया की नंबर एक लड़कियों की जूनियर बैडमिंटन खिलाड़ी सुश्री तस्नीम मीर की भी मेजबानी की। उन्होंने भा.प्रौ.सं गांधीनगर के नवनिर्मित स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का दौरा किया, प्रश्नोत्तर सत्र में संस्थान समुदाय के साथ बातचीत की और नए बैडमिंटन कोर्ट में एक प्रदर्शनी मैच खेला।

भा.प्रौ.सं गांधीनगर क्रिकेट लीग

30 मई, 2022 को, संस्थान ने भा.प्रौ.सं गांधीनगर क्रिकेट लीग की शुरुआत विभिन्न उद्योग जगत और संस्थानों के आसपास के क्रिकेट प्रेमियों को एकत्रित करने और उन्हें एक पेशेवर टूर्नामेंट खेल को यादगार अनुभव देने के उद्देश्य से की। भा.प्रौ.सं गांधीनगर के नए क्रिकेट मैदान में 12 टीमों के बीच 18 मैचों की लीग खेली गई। 28 जून, 2022 को गुजरात सचिवालय के साथ खेले गए निर्णायक खेल में ओएनजीसी, लीग के विजेता के रूप में उभरा।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

भा.प्रौ.सं गांधीनगर समुदाय ने 8वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को बड़े उत्साह व उमंग के साथ मनाया। सुबह योगासन के प्रदर्शन और अभ्यास के बाद प्रो. नितिन पाढ़ियार, भा.प्रौ.सं गांधीनगर और हेमंत शाह, एक स्वतंत्र योग प्रशिक्षक द्वारा "रोज़मर्रा के जीवन में योग की प्रासंगिकता" पर दो अंतर्दृष्टिपूर्ण सत्रों का आयोजन किया गया।

रेजिडेंट्स लीग

शारीरिक शिक्षा अनुभाग ने 06-08 मई, 2022 तक भा.प्रौ.सं गांधीनगर कर्मचारी, संकाय सदस्यों और उनके परिवारों के लिए रेजिडेंट्स लीग का आयोजन किया। तीन दिवसीय इस आयोजन में कई खेल शामिल थे जैसे फुटबॉल, क्रिकेट, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, वॉकथॉन, सैक रेस, रिले रेस, पैरेंट-किड डबल्स बैडमिंटन चैंपियनशिप, टूर डी भा.प्रौ.

सं गांधीनगर साइक्लोथॉन, पैरेंट-किड टेबल टेनिस डबल्स आदि।

स्क्वैश कोचिंग कैंप

भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने संस्थान के नवनिर्मित स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 23 मई से 23 जून 2022 तक एक महीने के स्क्वैश कोचिंग कैंप का आयोजन किया। पहली बार, संस्थान में कोचिंग कैंप और स्क्वैश कोर्ट बाहरी प्रतिभागियों के लिए भी उपलब्ध कराए गए, जिनमें पड़ोसी गांवों के प्रतिभागी शामिल थे। एक महीने तक चलने वाले स्क्वैश कैंप का नेतृत्व दिल्ली के स्क्वैश रैकेट फेडरेशन ऑफ इंडिया के प्रमाणित कोच श्री मुकेश राय ने किया।

भा.प्रौ.सं गांधीनगर स्क्वैश ओपन

भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने स्क्वैश रैकेट फेडरेशन ऑफ इंडिया और ऑल गुजरात स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन के सहयोग से संस्थान के अल्ट्रामॉडर्न स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 17-21 अगस्त, 2022 तक 'भा.प्रौ.सं गांधीनगर स्क्वैश ओपन' के पहले संस्करण की मेजबानी की। इस कार्यक्रम ने देश भर के 20 विभिन्न राज्यों के लगभग 250 एथलीटों को 13 विभिन्न श्रेणियों में खेलने की मेजबानी की। प्रो. जैसन मंजली ने कार्यक्रम का समन्वयन किया।

इंटर-भा.प्रौ.सं एक्वेटिक्स मीट और इंटर-भा.प्रौ.सं स्पोर्ट्स मीट

भा.प्रौ.सं दिल्ली में आयोजित 36वीं इंटर भा.प्रौ.सं एक्वेटिक्स मीट में कुल 23 छात्रों ने भा.प्रौ.सं गांधीनगर का प्रतिनिधित्व किया। संस्थान में बीटेक के छात्र आदित रामभिया ने 100 मीटर फ्रीस्टाइल और 200 मीटर व्यक्तिगत मेडले (एम) दौड़ श्रेणियों में दो स्वर्ण पदक और 100 मीटर बटरफ्लाई दौड़ में एक रजत पदक जीता। भा.प्रौ.सं दिल्ली और भा.प्रौ.सं रुड़की में आयोजित 55वें इंटर-भा.प्रौ.सं स्पोर्ट्स मीट में लगभग 132 भा.प्रौ.सं गांधीनगर के छात्रों ने हिस्सा लिया। परेड में महिलाओं की बास्केटबॉल टीम ने चौथा स्थान हासिल किया, जबकि भा.प्रौ.सं गांधीनगर की टीम को तीसरा स्थान मिला। भा.प्रौ.सं दिल्ली में आयोजित 27वें इंटर-भा.प्रौ.सं कर्मचारी स्पोर्ट्स मीट में कुल 49 भा.प्रौ.सं गांधीनगर के कर्मचारियों और संकाय सदस्यों ने कई खेलों में भाग लिया। भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने पुरुषों के क्रिकेट और महिलाओं के शॉट पुट में कांस्य पदक हासिल किए।

भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने 36वें राष्ट्रीय खेलों की सह-मेजबानी की

भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने 30 सितंबर से 11 अक्टूबर, 2022 तक 36वें राष्ट्रीय खेलों की की सह-मेजबानी की। इस खेल आयोजन के एक हिस्से के रूप में, भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने लगभग 45 एथलेटिक्स स्पर्धाओं की मेजबानी की, जिनमें ट्रैक, स्क्वैश मैच; सॉफ्टबॉल; जंपिंग और थ्रोइंग इवेंट और ट्रायथलॉन शामिल हैं। देश भर से कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों और एथलीटों ने संस्थान का दौरा किया और भा.प्रौ.सं गांधीनगर के विश्व स्तरीय खेल परिसर में खेला।

भा.प्रौ.सं गांधीनगर छात्र क्रिकेट लीग

भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने एक स्टूडेंट्स क्रिकेट लीग में 15 अक्टूबर से 3 नवंबर, 2022 तक टूर्नामेंट के लिए आस-पास के कॉलेजों को आमंत्रित किया। इस लीग में भाग लेने वाली आठ टीमों में से, फाइनल मैच अहमदाबाद विश्वविद्यालय और कादी सर्व विश्वविद्यालय (केएसवी) के बीच खेला गया जिसे कादी सर्व विश्वविद्यालय ने 30 रन से जीत लिया था।

भा.प्रौ.सं गांधीनगर में सब-जूनियर राष्ट्रीय रग्बी चैंपियनशिप

भा.प्रौ.सं गांधीनगर के अत्याधुनिक खेल परिसर ने 21-22 दिसंबर, 2022 के दौरान 'सब-जूनियर नेशनल रग्बी सेवन्स चैंपियनशिप 2022' की मेजबानी की। भारत के कुल 26 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने अपने यू -14 सब-जूनियर राष्ट्रीय रग्बी टीमें के साथ टूर्नामेंट में भाग लिया। इस कार्यक्रम में पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान एक प्रसिद्ध भारतीय अभिनेता, निर्देशक, पटकथा लेखक और रग्बी इंडिया के अध्यक्ष श्री राहुल बोस की उपस्थिति भी देखी गई।

स्केटबोर्डिंग और वॉल क्लाइम्बिंग की कार्यशाला

भा.प्रौ.सं गांधीनगर में खेल विभाग ने क्रमशः 21-22 जनवरी और 13 मार्च, 2023 के दौरान तीन घंटे की स्केटबोर्डिंग कार्यशाला और वॉल क्लाइम्बिंग कार्यशाला का आयोजन किया। वड़ोदरा, गुजरात से श्री सिद्धार्थ चंद्रन और उनकी टीम द्वारा आयोजित पहली कार्यशाला में प्रतिभागियों को स्केटबोर्डिंग की बुनियादी बातों के साथ-साथ इसके शहरी दृष्टिकोण और प्रगतिशील तत्वों और बाधाओं के साथ स्केटबोर्डिंग पर ध्यान केंद्रित किया गया। जबकि, दूसरी कार्यशाला, भा.प्रौ.सं कानपुर के प्रो. रजत मित्तल द्वारा आयोजित की गई, जिसमें वॉल क्लाइम्बिंग की बुनियादी तकनीकों को पढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें सुरक्षा गाँठ को तैयार करना व बांधना भी शामिल है।

हल्लाबोल 2023

हॉलबोल का 11वां संस्करण, आईआईटी गांधीनगर का वार्षिक खेल उत्सव, 11 रोमांचक खेलों में प्रतिस्पर्धा करने के लिए संस्थान समुदाय को एक साथ लाया, जो 11-26 फरवरी, 2023 तक 11 रातों तक चला था। फुटसल, गली क्रिकेट, सेवन स्टोन्स, रस्साकशी, फ्रिसबी, डॉजबॉल, फुट-वॉली और खो-खो जैसे तीव्र खेलों के साथ, हॉलबोल ने प्रतियोगियों के बीच ऊर्जा, उत्साह और उत्साह की एक अदम्य भावना को प्रज्वलित किया।

अंतर-कॉलेज स्पोर्ट्स लीग 2023

इस तिमाही के दौरान, भा.प्रौ.सं गांधीनगर खेल विभाग ने अंतर-कॉलेज स्पोर्ट्स लीग के तहत कई टूर्नामेंट आयोजित किए, जिनमें लीग ऑफ फुटबॉल प्लेयर्स, क्रिकेट कॉम्बैट लीग, बैडमिंटन सुपर लीग, श्रीजा मेमोरियल वॉलीबॉल लीग, टेबल टेनिस लीग, बास्केटबॉल लीग और कौटिल्य चेस लीग शामिल हैं। वर्षों से आयोजित इन खेल आयोजनों ने संस्थान में खेलों की संस्कृति को बढ़ावा दिया है।

पुरस्कार और पदक

- प्रीपरेटरी पाठ्यक्रम के छात्र सुमित यादव ने अंडर-19 बालक वर्ग में 7वीं यूपी स्टेट पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप-2023 में लंबी कूद में स्वर्ण पदक जीता तथा 12वीं नेशनल जूनियर व सबजूनियर पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2023 में लंबी कूद व भाला फेंक में दो रजत पदक भी हासिल किया। उन्होंने नेशनल पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए भी अर्हता प्राप्त कर ली है।

- लड़कियों की बास्केटबॉल टीम ने गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित जस्टिस लीग में रजत पदक जीता।

कर्मचारी गतिविधियां

आगमन 2.0

कर्मचारी डेवलपमेंट सेल ने 29-30 अप्रैल, 2022 के दौरान संस्थान में नए कर्मचारी सदस्यों का स्वागत करने के लिए, भा.प्रौ.सं गांधीनगर के कर्मचारी भर्ती कार्यक्रम, आगमन के दूसरे संस्करण का आयोजन किया। नए शामिल हुए 25 स्टाफ सदस्यों को अपने सहयोगियों और संस्थान के अन्य अधिकारियों के साथ बातचीत करने का अवसर मिला ताकि वे खुद को भा.प्रौ.सं गांधीनगर के कार्य शैली, संस्कृति और लोकाचार से परिचित करा सकें।

आउटबाउंड प्रशिक्षण 4.0

अपने कर्मचारियों के सदस्यों के बीच सौहार्द को मजबूत करने और उनकी नीरस दिनचर्या से छुट्टी लेने में मदद करने के उद्देश्य से, भा.प्रौ.सं गांधीनगर के कर्मचारी विकास कक्ष ने 10 दिसंबर, 2022 को अपने आउटबाउंड ट्रेनिंग प्रोग्राम (ओबीटी 4.0) के चौथे संस्करण का आयोजन किया। पार्वती हिल्स, हिम्मतनगर, गुजरात के एक रिसॉर्ट में नियोजित दिन भर के कार्यक्रम ने कर्मचारियों के सदस्यों के बीच नेतृत्व, टीम वर्क और प्रेरणा को बेहतर बनाने के लिए डिज़ाइन की गई गतिविधियों के माध्यम से अनुभवात्मक सीखने की सुविधा प्रदान की। इसमें कुल 52 स्टाफ सदस्यों ने अपने सहयोगियों के साथ एक दिन की छुट्टी का आनंद लिया।

कर्मचारी उपलब्धियां

- भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने भा.प्रौ.सं दिल्ली में अंतर भा.प्रौ.सं कर्मचारी खेल आयोजन में दो कांस्य पदक हासिल किए - एक पुरुष क्रिकेट में और दूसरा महिला शॉट पुट में।
- कर्मचारी क्रिकेट टीम ने डॉ विक्रम साराभाई अंतरिक्ष क्रिकेट टूर्नामेंट में रजत पदक हासिल किया।
- स्टाफ़ फ़ुटबॉल टीम ने ओएनजीसी कप आमंत्रण फ़ुटबॉल टूर्नामेंट 2022-23 में फेयर प्ले ट्रॉफी जीती।

बाहरी पहुँच

अमेरिका की यात्रा और नए सहयोग

प्रो. अमित प्रशांत, आशुतोष श्रीवास्तव, जैसन मांजली, नीलधारा मिश्रा, नितिन जॉर्ज, और प्रतीक मुथा सहित भा.प्रौ.सं गांधीनगर के संकाय सदस्यों की एक टीम ने अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने, संस्थागत नेटवर्क का विस्तार करने और पूर्व छात्रों और शुभचिंतकों के नेटवर्क को मजबूत करने के लिए 30 मई से 18 जून, 2022 तक संयुक्त राज्य अमेरिका के कई शहरों का दौरा किया। बोस्टन, सिएटल, सैन फ्रांसिस्को, सैन डिएगो, टाम्पा, न्यू जर्सी और वाशिंगटन डीसी में बैठकें और कार्यक्रम आयोजित किए गए। यात्रा के दौरान, भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग, वाशिंगटन विश्वविद्यालय, सिएटल के साथ 01 जून, 2022 को छात्रों और संकाय के लिए वैश्विक शैक्षिक और अनुसंधान के अवसरों को बढ़ावा देने और सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। 10 जून, 2022 को मियामी विश्वविद्यालय के साथ एक अन्य समझौते पर हस्ताक्षर किए गए, ताकि दोनों संस्थानों के बीच छात्रों के आदान-प्रदान और शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग को सुविधाजनक बनाया जा सके।

प्रो. रजत मूना, निदेशक को साइंस सिटी, अहमदाबाद में 29 जनवरी, 2023 को आयोजित 30वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में स्कूली छात्रों के साथ बातचीत करने के लिए आमंत्रित किया गया था। उन्हें 02 फरवरी, 2023 को गुजरात प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, अहमदाबाद के 12वें दीक्षांत समारोह में विशेष अतिथि के रूप में भी आमंत्रित किया गया था।

भा.प्रौ.सं गांधीनगर से प्रो. विनोद नारायणन, प्रो. पंकज खन्ना, श्री सौमिल शाह और श्री विजय सुत्रेजा के एक दल ने 22-23 नवंबर, 2022 को नई दिल्ली में यूनेस्को भारत-अफ्रीका हैकथॉन में भाग लिया, जिसमें 600 से अधिक नवप्रवर्तकों, छात्रों, शिक्षकों और 20 से अधिक देशों के अनुसंधान समुदाय की मेजबानी की गई। ।

गणमान्य आगंतुक

फायरस्टॉप कॉन्ट्रैक्टर्स अंतर्राष्ट्रीय एसोसिएशन के कार्यकारी निदेशक, श्री बिल मैकहग ने 1 फरवरी, 2023 को भा.प्रौ.सं गांधीनगर का दौरा किया। अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने परिसर का दौरा किया तथा अग्नि अभियांत्रिकी अनुसंधान प्रयोगशाला व अनुसंधान पार्क का दौरा किया। सेंटर फॉर सेफ्टी अभियांत्रिकी, अग्नि शमन और परिधि बाधाओं की स्थापना में ठेकेदारों को प्रशिक्षित और प्रमाणित करने के लिए भारत में एक एफसीआईए अध्याय/समिति होने की संभावना खोज रहा है।

हरि कृष्णा एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक और अध्यक्ष श्री सावजी ढोलकिया ने 17 फरवरी, 2023 को भा.प्रौ.सं गांधीनगर का दौरा किया और अपनी "सामाजिक रूप से प्रभावशाली अरबपति बनने की कहानी" को साझा किया।

परिसर

परिसर विकास

अद्यतन निर्माण

परिसर का निर्माण अच्छी तरह से चल रहा है। शैक्षणिक भवनों को छोड़कर, जो पूरा होने के करीब हैं, अन्य सभी चरण 1 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं और चालित हैं। परिसर में कला के लिए मुख्य योजना पूरा हो गया है और स्थापना का काम जल्द ही चरणबद्ध तरीके से शुरू किया जाएगा। चरण 2 के निर्माण के लिए आवासीय भवनों के डिजाइन के लिए वास्तुकार का चयन पूरा हो गया है और योजना का कार्य प्रगति पर है।

हरित परिसर

भा.प्रौ.सं गांधीनगर अपने समुदाय को नए छात्रों के लिए फाउंडेशन कार्यक्रम, विश्व पर्यावरण दिवस और पृथ्वी दिवस, सफाई और वृक्षारोपण अभियान आदि जैसे विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से परिसर को हरा-भरा और स्वच्छ रखने के लिए प्रोत्साहित करता है। हरित कार्यालय समिति और छात्र हरित क्लब ने अपशिष्ट प्रबंधन, पृथक्करण और खाद्य अपशिष्ट के लिए जागरूकता प्रसार के लिए विभिन्न सत्रों और कार्यक्रमों का आयोजन किया।

भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने 1-15 सितंबर, 2022 तक "स्वच्छता पखवाड़ा" मनाया। परिसर में वाहन-मुक्त दिवस, अपशिष्ट पृथक्करण के लिए सर्वश्रेष्ठ छात्रावास के लिए प्रतियोगिता, ब्लॉग लेखन प्रतियोगिता, सीवेज उपचार संयंत्र, जल उपचार संयंत्र और बायोगैस संयंत्र की यात्रा, केंद्रीय पुस्तकालय में पर्यावरण संबंधी पुस्तक प्रदर्शनी, पर्यावरण संबंधी फिल्म स्क्रीनिंग और संगोष्ठी, परिसर में प्लॉगिंग सत्र, हाउसकीपिंग कर्मचारियों, कार्यालय परिचारकों, निवासियों और निर्माण श्रमिकों के लिए अपशिष्ट प्रबंधन सत्र सहित कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन आयोजनों में बड़ी संख्या में समाज-जनों ने भाग लिया।

संस्थान द्वारा स्थापित जैविक कृषि समिति परिसर में फलों और सब्जियों के बागानों के लिए योजना बनाती है और विचारों को क्रियान्वित करती है।

कुछ अवसंरचनात्मक संपत्ति और पहलू जो हरित प्रथाओं में योगदान देना जारी रखते हैं, उनमें सावधानीपूर्वक नियोजित वास्तुकला, पर्यावरण के अनुकूल सीवेज उपचार संयंत्र, वर्षा जल संचयन प्रणाली, बायोगैस और खाद प्रणाली, छात्रावासों में पानी रहित मूत्रालय, ड्रिप सिंचाई प्रणाली और सौर फोटोवोल्टायिक प्रतिष्ठान शामिल हैं।

- अप्रैल 2022 से मार्च 2023 तक, संस्थान ने 6,80,793 kWh सौर ऊर्जा का उत्पादन किया, जो उस अवधि के दौरान परिसर की कुल ऊर्जा खपत का 6% है।
- 2022 में, जल मंडपों में कुल 20.37 मिलियन लीटर वर्षा जल संचयन किया गया था।
- अप्रैल 2022 से मार्च 2023 तक, बागवानी के लिए 39,800 किलोग्राम खाद की आपूर्ति की गई, जिसे ऑन-कॅम्पस बायोगैस संयंत्र और खाद के गड्ढों के माध्यम से जैविक कचरे से बनाया गया था।

परिसर का अनुभव

आंतरिक परिवहन के लिए दो सीएनजी वाहनों की सेवा 9 मई 2022 से पुन: प्रारंभ की गई है जो विगत दो वर्षों से कोविड के कारण निलंबित थी। ये दो हरित शटल (ईईसीओ कारें) सुबह से शाम तक हर 15 मिनट की अवधि में हाउसिंग ब्लॉक (एचबी14) और अकादमिक ब्लॉक (एबी6) के बीच चलती हैं।

नए कमीशन किए गए स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेल के प्रति उत्साही, कॉरपोरेट्स और संस्थानों सहित बाहरी समुदाय के लाभ के लिए विश्व स्तरीय सुविधाएं हैं। हाल के दिनों में, संस्थान ने भा.प्रौ.सं गांधीनगर क्रिकेट लीग, कराटे, बैडमिंटन, स्क्वैश, शतरंज और तैराकी जैसे कोचिंग शिविरों का आयोजन किया।

भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने 17 से 21 अगस्त, 2022 तक राष्ट्रीय स्तर के स्क्वैश ओपन की मेजबानी की। संस्थान ने एथलेटिक्स, स्क्वैश, सॉफ्टबॉल और ट्रायथलॉन स्पर्धाओं के लिए 30 सितंबर से 11 अक्टूबर, 2022 तक 36वें राष्ट्रीय खेलों की भी मेजबानी की।

आयोजन

- परिसर विकास पर संगोष्ठी: प्रतिबिंब और भविष्य की दिशा: भा.प्रौ.सं गांधीनगर में चरण 1 की कई निर्माण परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं और चालित हैं। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि की खुशी मनाने और विकास की सहयोगी यात्रा को प्रतिबिंबित करने के लिए, भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने 27 जून, 2022 को परिसर विकास पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

- बड़ा खाना: अपने समावेशी दर्शन के अनुरूप, भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने परिसर के विकास से जुड़े सभी लोगों की कड़ी मेहनत और समर्पण को यादगार बनाने के लिए 26 जनवरी, 2023 को एक बड़ा खाना का आयोजन किया, जिसमें सभी ने एक साथ भोजन किया।

निर्माता भवन

भा.प्रौ.सं गांधीनगर में मेकर भवन, निर्माण की भावना के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जहां प्रयोग और अन्वेषण की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए शैक्षणिक कार्यक्रमों के भीतर सक्रिय शिक्षण दृष्टिकोण अपनाए जाते हैं। मेकर भवन में, छात्रों के पास एक सहयोगी निर्माता स्थान तक पहुंच है, जहां वे अपनी रचनात्मकता, डिजाइन को उजागर कर सकते हैं और अपने विचारों को वास्तविक, कार्यात्मक प्रोटोटाइप और उत्पादों में ला सकते हैं। यह स्थान पूर्ण सत्रार्ध परियोजना पाठ्यक्रमों के लिए एक आदर्श वातावरण प्रदान करता है, जहां छात्र वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने में अपनी सरलता का उपयोग कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, मेकर भवन स्टार्टअप्स और उद्योग के साथ जुड़ता है, जो उन्हें सुविधा के अत्याधुनिक संसाधनों और बौद्धिक पूंजी का लाभ उठाने की अनुमति देता है।

पिछले शैक्षणिक वर्ष के दौरान, प्रो मधु वडाली द्वारा पढ़ाया जाने वाला मेक्ट्रोनिक्स पाठ्यक्रम और प्रो सौम्यदीप सेट द्वारा पढ़ाया जाने वाला हीट एंड मास ट्रांसफर पाठ्यक्रम पूरी तरह से मेकर भवन में आयोजित किया गया था। मेकर भवन का खुद का पेलोड टोइंग रिमोट-नियंत्रित वाहन विकसित करने का परियोजना पाठ्यक्रम भी काफी सफल रहा था।

मेकर भवन ने प्रिंटेड इलेक्ट्रॉनिक्स कार्यशाला पर एक और एफपीजीएएस सहित कई कार्यशालाओं की मेजबानी भी की। इन लघु पाठ्यक्रमों और कार्यशालाओं को छात्रों को नवाचार व निर्माण के आवश्यक कौशल प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसके अतिरिक्त, मेकर भवन ने 6 सप्ताह के कार्यक्रम इन्वेंशन फैक्ट्री 2022 की मेजबानी की, जिसमें विभिन्न भा.प्रौ.सं के 20 छात्रों ने एक साथ आकर 10 अद्वितीय आविष्कारों को विकसित किया, जो भारत और अमेरिका में पेटेंट योग्य हैं। संस्थान मेकर्स भवन व हमारे परिसर में नवाचार तथा रचनात्मकता के पोषण में इसके योगदान को सहर्ष स्वीकारता है।

टिंकरर्स प्रयोगशाला

क्रियात्मक सीख और रचनात्मक स्वतंत्रता पर संस्थान के मजबूत जोर के लिए टिंकरर्स प्रयोगशाला भा.प्रौ.सं गांधीनगर समुदाय को अपनी सुविधाएं प्रदान करना जारी रखता है। प्रयोगशाला एक 24x7 सुलभ मेकर्सस्पेस है जिसे समुदाय को अत्याधुनिक सुविधा प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है जहाँ वे अपनी रचनात्मकता का पता लगा सकते हैं और अपने विचारों को वास्तविकता में बदल सकते हैं। प्रयोगशाला 3डी प्रिंटर और लेजर कटर से लेकर सोल्डरिंग स्टेशन और पावर टूल्स तक उपकरणों और उपकरणों की एक श्रृंखला से लैस है, जिससे उपयोगकर्ता अपने विचारों को आसानी से प्रोटोटाइप कर सकते हैं। चाहे आप एक छात्र हों, शोधकर्ता हों, या बस एक उत्साही हों, प्रयोगशाला एक जीवंत और सहायक समुदाय का हिस्सा होते हुए, आपके तकनीकी कौशल को विकसित करने और आपकी रचनात्मकता का पता लगाने का अवसर प्रदान करती है। छात्र-संचालित सुविधा होने के नाते, टिंकरर्स प्रयोगशाला छात्रों को अप्रतिबंधित वातावरण प्रदान करता है ताकि वे सबसे अनोखे विचारों को जीवंत बना सकें।

इस साल, टिंकरर्स प्रयोगशाला टीम ने छात्रों के बीच एक तकनीकी लेकिन मजेदार संस्कृति फैलाने पर ध्यान दिया है। पूरे वर्ष के दौरान, नवाचार और सहयोग की संस्कृति को बढ़ावा देने, दायरे के बाहर सोचने और जोखिम लेने के लिए विभिन्न आयोजनों के माध्यम से छात्र निकाय को अत्यधिक प्रोत्साहित किया गया। कार्यशालाओं के माध्यम से टिंकरर्स लैब में प्रत्येक प्रोटोटाइप मशीन का उपयोग करने के लिए वे बुनियादी कौशल से लैस थे। छात्रों को डीआईवाई परियोजना लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया, जिससे उन्हें प्रोटोटाइपिंग, सोल्डरिंग, प्रोग्रामिंग और सेंसर इंटीग्रेशन में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने में मदद मिली।

कार्यक्रम (विद्यार्थी फुटफॉल - 371):

- मशीन कार्यशालाएँ: अगस्त-सितंबर में फैली, ये खुली कार्यशालाएँ थीं जो समुदाय को लेजर कटिंग, 3डी प्रिंटिंग, विनाइल कटिंग और पीसीबी मिलिंग से परिचित कराती थीं।
- ग्लाइड-ए-थॉन: अमलथिया के सहयोग से 8 नवंबर, 2022 को आयोजित, लगभग 76 छात्रों ने बाल्सा की लकड़ी के साथ एक ग्लाइडर डिजाइन करने के लिए टीमों में भाग लिया और अपने ग्लाइडर को दूर तक उड़ाने के लिए प्रतिस्पर्धा की!
- मैकेनिकल मिरर: फ्रेशर्स के लिए विशेष रूप से आयोजित एक कार्यक्रम, जिसमें 300 सर्वो मोटर्स द्वारा नियंत्रित एकल मैकेनिकल मिरर बनाने का प्रयास किया गया है।

सूचना प्रणाली प्रौद्योगिकी सुविधा

सूचना प्रणाली प्रौद्योगिकी सुविधा (आईएसटीएफ) भा.प्रौ.सं गांधीनगर समुदाय में उपयोगकर्ता स्तर की सेवाएं प्रदान करती है। आईएसटीएफ की अत्याधुनिक नेटवर्किंग अवसंरचना प्रावधान परिसर में व बाहर रहने वाले उपयोगकर्ताओं के लिए सूचना प्रणाली और कम्प्यूटेशनल सुविधाओं को सक्षम बनाती है।

आईएसटीएफ निम्नलिखित प्रबंधन के लिए जिम्मेदार है:

- सर्वर, क्लासरूम, परिसर नेटवर्क, इंटरनेट और ईमेल सेवाएं, फ़ायरवॉल और संचार उपकरण
- उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग (एचपीसी) सुविधा और कंप्यूटर प्रयोगशाला
- कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर का रखरखाव
- आईएसटीएफ में नेशनल नॉलेज नेटवर्क लाइन के माध्यम से वीडियो कॉन्फ्रेंस कमरे

हाइब्रिड वर्चुअल कक्षाओं की सुविधा के लिए कमरों का बुनियादी ढांचा भी सुसज्जित है। हाइब्रिड क्लासरूम एक उन्नत शिक्षण वातावरण है जो कक्षा शिक्षण में मदद करने के लिए हाई-स्पीड इंटरनेट, सहायक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग डिवाइस और अन्य गैजेट्स का उपयोग करके बनाया गया है। ये कक्षाएँ ई-लर्निंग के लिए इंटरैक्टिव और लचीला दृष्टिकोण प्रदान करती हैं और सहयोगी चर्चाओं को सुविधाजनक बनाने और सेमिनार / वेबिनार और कार्यशालाओं की मेजबानी के लिए भी इसका उपयोग किया जा सकता है। आईएसटीएफ ऑनलाइन सीखने की सुविधाओं को सुविधाजनक बनाने में सक्रिय रहा है और सदस्यों को सॉफ्टवेयर व जूम, गूगल मीट और माइक्रोसॉफ्ट टीम जैसे अन्य उपकरणों का सर्वोत्तम उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया है। छात्रों को वीपीएन सेवा प्रदान की गई है ताकि वे इस अभूतपूर्व महामारी के दौरान दूर से काम कर सकें। इसके अतिरिक्त, हमने ऑनलाइन प्रॉक्टरिंग सॉफ्टवेयर (एमईटीएल) लागू किया है, जिसका उपयोग ऑनलाइन मूल्यांकन करने के लिए किया जा सकता है। उपरोक्त के अतिरिक्त, आईएसटीएफ टीम के सदस्यों ने तकनीकी रूप से निवर्तमान पीएचडी छात्रों और उनके पर्यवेक्षकों को अंतिम डॉक्टरेट सुरक्षा को निर्बाध रूप से संचालित करने के लिए समर्थन दिया है। हाल ही में, आईएसटीएफ ने अपने उत्पादन में आईएमएस परियोजना के लिए नए हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर की स्थापना शुरू की है। इसके अतिरिक्त, पुराने परिदृश्य से नए अपग्रेड किए गए हार्डवेयर में वर्चुअल सर्वर को बेहतर थ्रूपुट और समग्र प्रदर्शन की पेशकश करते हुए मूल रूप से स्थानांतरित किया गया था।

आईएसटीएफ अपने कौशल सेट को बढ़ाने और नवीनतम तकनीक के साथ अप-टू-डेट रहने के लिए लगातार विभिन्न इन-हाउस परियोजना चलाती है। टीम ने निम्नलिखित परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया है:

- नए छात्रावासों, अतिथि गृहों, स्टूडियो अपार्टमेंट, निदेशक निवास, अनुसंधान पार्क और केंद्रीय आर्केड में आईटी अवसंरचना लागू की
- भा.प्रौ.सं गांधीनगर के छात्रों के लिए हैकाथॉन का आयोजन किया
- ताज़ातरीन ईमेल और वेब सेवा
- भा.प्रौ.सं गांधीनगर समुदाय के सदस्यों और आस-पास के ग्रामीणों के लिए साइबर सुरक्षा जागरूकता सत्र आयोजित किए
- अमेजोन वेब सर्विसेज़ के सहयोग से भा.प्रौ.सं गांधीनगर के उपयोगकर्ताओं के लिए एआई/एम एल् कार्यशाला आयोजित की

स्वास्थ्य केंद्र

स्वास्थ्य केंद्र ने तीन परामर्शी डॉक्टरों, एक स्त्री रोग विशेषज्ञ, और दो प्रशिक्षित पुरुष नर्सों और पूर्णकालिक आधार पर एक सहायक नर्स की एक टीम के साथ समुदाय की स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं को पूरा किया।

भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने कर्मचारियों, छात्रों और संकाय के अस्पताल में भर्ती के लिए गांधीनगर और अहमदाबाद में कई अस्पतालों को सूचीबद्ध किया है। सभी छात्रों का अस्पताल में भर्ती होना एक चिकित्सा बीमा पॉलिसी के अंतर्गत जारी किया गया है। दो प्रशिक्षित पुरुष नर्सों और एक सहायक नर्स का एक दल प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करने और नियमित चिकित्सा सेवाओं जैसे तापमान, रक्तचाप, रक्त शर्करा, ऑक्सीजन स्तर आदि की जाँच के लिए पूर्णकालिक आधार पर उपलब्ध है। अन्य सुविधाओं में ईसीजी मशीन, पल्स ऑक्सीमीटर, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, नेब्युलाइज़र, ग्लूकोमीटर, ओटोस्कोप, सक्शन मशीन, आंखों की जांच की सुविधा और आपातकालीन स्थिति में मरीजों के लिए 24 घंटे वाहन की सुविधा शामिल हैं । संस्थान के पास एक इन-हाउस फार्मेसी है जो आमतौर पर उपयोग की जाने वाली दवाओं का भंडार रखती है। पैथोलॉजी परीक्षणों के लिए रक्त संग्रह की सुविधा भी उपलब्ध है। आंतरिक मरीजों के लिए चार बिस्तर उपलब्ध कराए गए हैं। कर्मचारियों, छात्रों और संकायों के लिए एक पूरी तरह सुसज्जित फिजियोथेरेपी केंद्र उपलब्ध है। स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टरों, नर्सों और कर्मचारियों का दल पूरे साल कोविड-19 महामारी के खिलाफ लड़ाई में अग्रिम पंक्ति में थे।

फिजियोथेरेपी केंद्र

फिजियोथैरेपी केंद्र में रविवार को छोड़कर प्रतिदिन शाम 5:30 से 7:30 बजे तक दो घंटे के लिए योग्य फिजियोथेरेपिस्ट उपलब्ध रहता है। फिजियोथेरेपी विभाग आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित है जैसे शॉर्टवेव डायथर्मी, ट्रांस-इलेक्ट्रिकल नर्व स्टिमुलेटर, इंटरफेरेंशियल थेरेपी, पैराफिन वैक्स बाथ मशीन, अल्ट्रासाउंड मशीन, गर्म और ठंडे पैक और लेजर मशीन, मसल स्टिमुलेटर मशीन, सर्वाइकल और लम्बर ट्रैक्शन जैसी इलेक्ट्रोथेरेपी मशीनें। । एक्सरसाइज थेरेपी विभाग शोल्डर व्हील, फ्रोजन शोल्डर एक्सरसाइज के लिए वॉल लैडर, मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए थेराबैंड, कंधे के व्यायाम के लिए रस्सी और चरखी, स्प्रिंग्स, वेट कफ (सैंड बैग), और फिजियो बॉल, क्वाड्रिसेप टेबल, फुल डंबल सेट, ट्यूब थेराबैंड एक्सरसाइजर, वुडेन रॉकर बैलेंस बोर्ड, रिस्ट सुपरिनेटर-प्रोनेटर, स्प्रिंग के साथ एंकल बोर्ड, बोल्स्टर सेट, स्टैटिक एक्सरसाइज साइकिल, लोअर लिम्ब ब्लड सर्कुलेशन में सुधार के लिए वाइब्रेटर, हैंडी वाइब्रेटर से लैस है। केंद्र आर्थोपेडिक स्थितियों जैसे गठिया, टेनिस एल्बो और साइटिका, सर्वाइकल स्पोंडिलोसिस, पोस्ट-ऑपरेटिव और पोस्टफ्रैक्चर फिजियोथेरेपी प्रबंधन, खेल संबंधी चोटों के लिए उपचार, पीठ दर्द, सर्वाइकल स्पोंडिलोसिस जैसी पोस्टुरल समस्याओं में स्पाइनल रिहैबिलिटेशन जैसी न्यूरोलॉजिकल स्थितियों के लिए फिजियोथेरेपी भी प्रदान करता है। रोगियों को बुनियादी व्यायाम और वजन प्रबंधन और सामान्य तंदुरूस्ती के लिए सामान्य दिशा-निर्देशों के बारे में भी सलाह दी जाती है।

डे केयर केंद्र

भा०प्रौ०सं० गांधीनगर परिवार के बच्चों को सुरक्षित और पोषित वातावरण प्रदान करने के लिए एक सामुदायिक पहल के रूप में मार्च, 2014 में भा०प्रौ०सं० गांधीनगर डे केयर केंद्र की शुरुआत की गई थी। सामुदायिक आवासों के नजदीक में स्थित एक आवास ब्लॉक में बच्चे के अनुकूल सुविधा उनके अपने सुंदर घर से कम नहीं है। बच्चों की देखभाल में कुछ पूर्व अनुभव रखने वाले भावुक समुदाय सदस्यों ने पाठ्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने और दैनिक कार्यों में सहायता प्रदान करने में सहायता की। हमें अच्छी तरह से प्रशिक्षित व प्यार करने वाले स्टाफ सदस्यों पर गर्व है जो प्रति सूचना आधारित शिशु देखभाल प्रदान करते हैं। अपने दिनचर्या में हम दृढ़ता से बच्चों की देखभाल पर भरोसा करते हैं। यह उन्हें अन्य बच्चों और करियर के साथ अच्छी तरह से जुड़ने में मदद करता है और अंततः उन्हें करुणा, विचार और जिम्मेदार व्यक्तियों के रूप में विकसित होने में मदद करेगा।

केंद्र बच्चों को संगीत, नृत्य, खेल और अन्वेषण के माध्यम से सीखने के लिए अद्वितीय, गैर-पारंपरिक विकासात्मक कार्यक्रम प्रदान करता है। हमारे कुछ प्रमुख कार्यक्रम नीचे सूचीबद्ध हैं:

प्रातःकालीन कार्यक्रम: जुलाई 2018 से, डेकेयर ने एक नया प्रातःकालीन कार्यक्रम शुरू किया है, जिसमें समुदाय के बच्चे वैसे ही नामांकन कर सकते हैं जैसे वे किसी पूर्व-विद्यालय में करते हैं। यह कार्यक्रम माता-पिता और बच्चों द्वारा बहुत पसंद किया जाता है क्योंकि यह पारंपरिक शिक्षण विधियों और अपरंपरागत गतिविधियों का एक अच्छा मिश्रण है जो हमारे केंद्र में हर आयु वर्ग के लिए उपयुक्त है। इस साल हमारे बच्चों ने फील्ड ट्रिप के तहत गिफ्ट सिटी में फायर स्टेशन का दौरा किया जहां उन्होंने फायर ट्रक, उपकरण, फायर फाइटर्स और उनके संचालन को करीब से देखा।

बाल सहायक कृषि (केएसए): यह अब तक का सबसे पसंदीदा कार्यक्रम है। यह बच्चों को अपने हाथ गंदे करने देता है और अपनी स्वयं की सब्जियां उगाने देता है। इसके अंतर्गत मेथी, पालक, बैंगन और ऐसी ही अन्य सब्ज़ियाँ बोने और तोड़ने में बच्चों को बड़ा आनंद आया। बच्चों की संवेदी दुनिया (दृष्टि, स्पर्श, स्वाद, गंध और ध्वनि) को ध्यान में रखते हुए नियमित गतिविधियों को डिजाइन किया गया था।

खाना पकाने के सत्र: एक बच्चे के दिन में एक बहुत ही महत्वपूर्ण गतिविधि तब होती है जब हमारे विशेषज्ञ शेफ सैंडविच और कपकेक को डेज़र्ट के लिए रखते हैं।

अन्य कार्यक्रम: उपरोक्त के अतिरिक्त, केंद्र पायजामा पार्टियों, फिल्म के समय, माता-पिता की रात, आम और आंवला चुनने के सत्र, त्योहार समारोह और खेल दिवस कार्यक्रमों की मेजबानी भी करता है। डे केयर में दैनिक दिनचर्या में संगीत और आंदोलन की गतिविधियाँ, कला और शिल्प सत्र, योग और जिम्नास्टिक की मूल बातें, कहानी का समय, खेल और अन्वेषण के माध्यम से कक्षा शिक्षण और रेत व पानी के खेल सत्र भी शामिल हैं।

ये गतिविधियाँ बच्चों की एकाग्रता, कल्पना, समस्या समाधान और मोटर कौशल को निखारती हैं। संक्षेप में, हमारा संक्षेप में कहें तो, हमारा अनोखा पाठ्यक्रम छोटे बच्चों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए समग्र विकास पर केंद्रित है और इस तरह उनकी प्रगति को बढ़ावा देता है। ये गतिविधियाँ बच्चों में प्रमुख शारीरिक, सामाजिक और बौद्धिक कौशल के विकास के लिए महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में काम करती हैं।

संस्थान को सहयोग

छात्रवृत्ति

श्री जनार्दन तलदेवकर छात्रवृत्ति

2015 के बीटेक के पूर्व छात्र मदन तालदेवकर ने अपने दिवंगत पिता के सम्मान में श्री जनार्दन तलदेवकर छात्रवृत्ति की स्थापना की है। प्रति वर्ष 1 लाख रुपये की छात्रवृत्ति भा.प्रौ.सं गांधीनगर में छात्रों का समर्थन करेगी। मदन यांत्रिक अभियांत्रिकी में बीटेक करते समय भा.प्रौ.सं गांधीनगर में मेरिट-कम-मीन्स छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता थे। स्नातक के बाद उन्होंने टाटा मोटर्स में निर्माण अभियंता के तौर पर काम शुरू किया। उन्होंने 2020 में टेक्सास ए एंड एम यूनिवर्सिटी से इंडस्ट्रियल अभियांत्रिकी में स्नातकोत्तर डिग्री पूरी की और वर्तमान में टेस्ला, यूएसए में एक वरिष्ठ औद्योगिक अभियंता के रूप में कार्यरत हैं।

आशा और चंद्रकांत नावरकर छात्रवृत्ति

2015 के बीटेक के पूर्व छात्र अभिषेक नावरकर ने अपने माता-पिता के सम्मान में आशा और चंद्रकांत नवरकर छात्रवृत्ति की स्थापना की है। प्रति वर्ष 1 लाख रुपये की छात्रवृत्ति भा.प्रौ.सं गांधीनगर में छात्रों का समर्थन करेगी। भा.प्रौ.सं गांधीनगर से यांत्रिक अभियांत्रिकी में बीटेक पूरा करने के बाद, अभिषेक ने पर्ड्यू यूनिवर्सिटी, यूएसए से मास्टर किया और वर्तमान में अमेज़ॉन, यूएसए में डेटा साइंटिस्ट के रूप में काम कर रहे हैं।

देविका और प्रशांत नाडकर्णी छात्रवृत्ति

2012 के बीटेक के पूर्व छात्र डॉ. नील नाडकर्णी ने अपने माता-पिता के सम्मान में देविका और प्रशांत नाडकर्णी छात्रवृत्ति की स्थापना की है। प्रति वर्ष 1 लाख रुपये की यह छात्रवृत्ति भा.प्रौ.सं गांधीनगर में छात्रों की सहायता करेगी। भा.प्रौ.सं गांधीनगर से इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी में बीटेक करने के बाद, नील ने कैलटेक, यूएसए से अपनी स्नातकोत्तर और पीएचडी पूरी की। वह वर्तमान में अमेज़ॉन, यूएसए में एक एप्लाइड साइंटिस्ट के रूप में काम कर रहे हैं।

एराच और मेहरू मेहता दक्षिणा मेमोरियल छात्रवृत्ति

न्यू जर्सी स्थित सीरियल उद्यमी श्री रुयिंटन (रॉन) ई मेहता ने अपने दिवंगत माता-पिता के सम्मान में एराच और महेरू मेहता दक्षणा मेमोरियल छात्रवृत्ति की स्थापना की है। प्रति वर्ष 1 लाख रुपये की छात्रवृत्ति का उद्देश्य भा.प्रौ.सं गांधीनगर में अकादमिक उत्कृष्टता का समर्थन करना है और भा.प्रौ.सं गांधीनगर द्वारा आयोजित दक्षणा स्कॉलर्स कार्यक्रम में भाग लेने वाले समूह के पांच छात्रों को चार साल के लिए दिया जाएगा। श्री रुयिंटन मेहता ने भा.प्रौ.सं बॉम्बे बॉम्बे से बीटेक और कनेक्टिकट विश्वविद्यालय से रासायनिक इंजीनियरिंग में स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त किया। उन्हें भारत में कई शैक्षिक और सामाजिक कार्यों में योगदान करने में रूचि है।

भालोदिया-खेतान ग्रीष्मकालीन अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार (एसआरईए)

न्यू जर्सी स्थित संस्थान के शुभचिंतकों, सुश्री विद्या भालोदिया और डॉ. अमित खेतान ने अपने माता-पिता के सम्मान में भालोदिया-खेतान ग्रीष्मकालीन अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार (एसआरईए) की स्थापना की है। एसआरईए प्रत्येक वर्ष भा.प्रौ.सं गांधीनगर के प्रमुख ग्रीष्मकालीन अनुसंधान अंतःशिक्षुता कार्यक्रम (एसआरआईपी) के दौरान तीन पुरस्कारों के माध्यम से किए गए अनुसंधान में उत्कृष्टता को मान्यता देगा, अभियांत्रिकी, प्राकृतिक विज्ञान व मानविकी और सामाजिक विज्ञान में से प्रत्येक में एक पुरस्कार। डॉ अमित, डी ई शॉ एंड कंपनी में मात्रात्मक विश्लेषण में वरिष्ठ उपाध्यक्ष हैं। उन्होंने एमआईटी से कंप्यूटर विज्ञान में बीएस और एमएस, और कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले से गणित में पीएचडी प्राप्त की है। सुश्री विद्या, स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में एक डेटा वैज्ञानिक हैं और लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए नैदानिक दृष्टिकोण के साथ विश्लेषण पर काम करती हैं। उनके पास क्रमशः कैलटेक और वाशिंगटन विश्वविद्यालय, सेंट लुइस से तंत्रिका विज्ञान में बीएस और एमए है, और सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग में स्नातकोत्तर और हार्वर्ड विश्वविद्यालय से डेटा विज्ञान में प्रमाणन है।

संकाय चेयर

अनु और बी वी जगदीश चेयर

भा.प्रौ.सं गांधीनगर के अमेरिका स्थित शुभचिंतक श्री बी वी जगदीश और श्रीमती अनुराधा जगदीश ने संस्थान में नवाचार और उद्यमिता गतिविधियों का समर्थन करने और

छात्रों के लिए व्यावहारिक सीखने, नेटवर्किंग और पेशेवर के अवसर पैदा करने के लिए भा.प्रौ.सं गांधीनगर में अनु और बी वी जगदीश चेयर की स्थापना की है। इन क्षेत्रों में विकास से उन्हें वैश्विक अर्थव्यवस्था में सफल होने में मदद मिलेगी। श्रीमती अनुराधा जगदीश कननेक्टमी की संस्थापक हैं, जो एक सोशल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म है जो समान रुचियों और लक्ष्यों वाले लोगों को जोड़ता है। इनके पास अभियांत्रिकी की मजबूत पृष्ठभूमि है और वह वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने का शौक रखती है। श्री बी वी जगदीश सिलिकॉन वैली स्थित एक उद्यमी हैं जिनका प्रौद्योगिकी उद्योग में सफलता का उत्कृष्ट ट्रैक रिकॉर्ड है। उन्होंने कई उद्यम स्टार्ट-अप की स्थापना और वित्त पोषण किया है और उन्हें समस्या समाधान के लिए अपने अभिनव दृष्टिकोण और बाजार में नई प्रौद्योगिकियों को लाने की उनकी क्षमता के लिए जाना जाता है। वह विभिन्न परोपकारी प्रयासों में भी सक्रिय रूप से शामिल हैं।

जनसंख्या गतिकी में पांड्या-शिवपुरी चेयर

मिल्वौकी, विस्कॉन्सिन, संयुक्त राज्य अमेरिका के डॉ. दर्शन पंड्या ने अपनी पत्नी डॉ. चंद्रा शिवपुरी के साथ क्षेत्र में विभिन्न विद्वतापूर्ण गतिविधियों के माध्यम से अंतःविषय अनुसंधान में उत्कृष्टता और नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए भा.प्रौ.सं गांधीनगर में जनसंख्या गतिशीलता में पंड्या-शिवपुरी चेयर की स्थापना के लिए उदार समर्थन दिया है। जनसंख्या की गतिशीलता का. डॉ. दर्शन पंड्या एक आईटी उद्योग के दिग्गज और परोपकारी व्यक्ति हैं। उन्होंने रासायनिक अभियांत्रिकी में बीएससी (ऑनर्स) और पीएचडी प्राप्त किया, इसके बाद इंपीरियल कॉलेज, लंदन से ऑपरेशनल रिसर्च और मैनेजमेंट स्टडीज में एमएससी प्राप्त किया। उन्होंने लंदन में ब्रिटिश पेट्रोलियम, सिंगापुर की नेशनल यूनिवर्सिटी और कनाडा और अमेरिका में आईटी उद्योगों के साथ काम किया है। डॉ. चंद्रा शिवपुरी एक नवजात चिकित्सा विशेषज्ञ हैं जिनके पास चिकित्सा क्षेत्र में 51 वर्षों से अधिक का अनुभव है। उन्होंने जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज, एएमयू से स्नातक की उपाधि प्राप्त की और ओक्लाहोमा स्टेट यूनिवर्सिटी में मनोचिकित्सा में और क्लीवलैंड, ओहियो में केस वेस्टर्न रिजर्व यूनिवर्सिटी में बाल चिकित्सा में अपना रेज़िडन्सी पूरा किया, इसके उपरांत नवजात-प्रसवकालीन चिकित्सा में अध्येतावृत्ति भी प्राप्त की।

सुधीर के जैन चेयर

संयुक्त राज्य अमेरिका में भा.प्रौ.सं गांधीनगर फाउंडेशन और भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने संस्थान के संस्थापक निदेशक प्रोफेसर सुधीर के जैन के योगदान का सम्मान करने के लिए सुधीर के जैन चेयर की स्थापना करके भा.प्रौ.सं गांधीनगर में शैक्षिक उत्कृष्टता का समर्थन करने के लिए हाथ मिलाया है। संकाय चेयर की पेशकश भा.प्रौ.सं गांधीनगर के नियमित निदेशक को की जाएगी।

पुरातत्व चेयर और प्रयोगशाला

पुरातात्विक विज्ञान में उन्नत अनुसंधान के लिए वैज्ञानिक, बहु-विषयक, तथ्य-आधारित दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, भा.प्रौ.सं गांधीनगर के पुरातत्व विज्ञान केंद्र, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार (जीओआई), और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने 'एएसआई पुरातत्व चेयर' की स्थापना की है। । चेयर का उद्घाटन 10 फरवरी, 2023 को "हड़प्पा सभ्यता के उभरते परिप्रेक्ष्य" पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के साथ किया गया था। सहयोगी और विद्वतापूर्ण गतिविधियों के माध्यम से पुरातत्व के विभिन्न पहलुओं में अनुसंधान को बढ़ावा देने के अलावा, इस चेयर के तहत संसाधनों का उपयोग प्राचीन हड़प्पा/सिंधु/सिंधु-सरस्वती सभ्यता के कई पहलुओं में अनुसंधान को गहरा करने के लिए भी किया जाएगा।

भारतीय मानक ब्यूरो

भारतीय मानक ब्यूरो और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर ने समानता और पारस्परिकता के आधार पर मानकीकरण और अनुरूपता मूल्यांकन के क्षेत्र में द्विपक्षीय गतिविधियों को विकसित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। अभियांत्रिकी, बुनियादी ढांचे, जल संसाधन प्रबंधन और अन्य संबंधित गतिविधियों की विभिन्न धाराओं के माध्यम से मानकीकरण और अनुरूपता के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास, शिक्षण और प्रशिक्षण का समर्थन करने के लिए इस समझ के तहत एक अध्यक्ष पद भी स्थापित किया गया है।

सीएसआर दान

हिल्टी के साथ सहयोग

भा.प्रौ.सं गांधीनगर और हिल्टी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने निष्क्रिय अग्नि सुरक्षा प्रणालियों के लिए परीक्षण सुविधाएं बढ़ाने के लिए हाथ मिलाया है। यह अकादमिक-उद्योग सहयोग आग को उसके मूल स्थान पर रोकने के लिए निष्क्रिय अग्नि सुरक्षा उपायों की समझ को बढ़ाने में भी मदद करेगा। भा.प्रौ.सं गांधीनगर की सुविधा शोधकर्ताओं को भारतीय परिचालन स्थितियों के तहत विभिन्न डिजाइन पहलुओं, सामग्रियों और अन्य संबंधित कारकों का बारीकी से अध्ययन करने में सक्षम बनाएगी और विशिष्ट राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानकों के लिए उत्पादों का परीक्षण करने में भी सक्षम बनाएगी।

क्षमता निर्माण के लिए सहयोग

अगस्त्य इंटरनेशनल फाउंडेशन के 50 प्रशिक्षकों के क्षमता निर्माण हेतु सीसीएल- भा.प्रौ.सं गांधीनगर द्वारा एक सप्ताह के 'प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण' कार्यक्रम चलाया गया जिसके लिए इंगरसोल-रैंड (इंडिया) लिमिटेड, बैंगलोर स्थित कंपनी; अगस्त्य इंटरनेशनल फाउंडेशन, बैंगलोर स्थित ट्रस्ट; और भा.प्रौ.सं गांधीनगर ने हाथ मिलाया है।

स्वर्णिम ऊर्जा ट्रस्ट (जीएसईसीएल) ने आईएलटी गांधीनगर के जरूरतमंद छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए भा.प्रौ.सं गांधीनगर को दान दिया है।

कपास की स्मार्ट खेती पर परियोजना के लिए एल एंड टी टेक्नोलॉजीज सर्विसेज लिमिटेड ने भा.प्रौ.सं गांधीनगर को दान दिया है।

दानकर्ताओं की सूची

नाम	श्रेणी	शहर
1,00,00,000 रुपये - 4,99,99,999 रुपये		
पुरातत्व कुर्सी	शुभचिंतक	नई दिल्ली
शाह भोगीलाल जेठालाल एंड ब्रदर्स	शुभचिंतक	अहमदाबाद
दर्शन पंड्या	शुभचिंतक	विस्कॉन्सिन, यूएसए
हिल्टी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	शुभचिंतक	नई दिल्ली
बी वी जगदीश	शुभचिंतक	साराटोगा, यूएसए
जगदीश पटेल	शुभचिंतक	कैलिफोर्निया, यूएसए
निर्माता भवन फाउंडेशन	शुभचिंतक	वाशिंगटन डी सी, यूएसए
भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस)	शुभचिंतक	नई दिल्ली
25,00,000 रुपये - 99,99,999 रुपये		
भा.प्रौ.सं गांधीनगर फाउंडेशन	भा.प्रौ.सं गांधीनगर फाउंडेशन	अमेरीका
रुयंटन मेहता	शुभचिंतक	वॉचुंग एनजे, यूएसए
हेमंत कनकिया	शुभचिंतक	वाशिंगटन डी सी, यूएसए
नवीन दोषी	शुभचिंतक	लॉस एंजिल्स, यूएसए
अमित खेतान	शुभचिंतक	लिविंगस्टन, यूएसए
देसाई फाउंडेशन	शुभचिंतक	बेडफोर्ड, एमए, यूएसए
स्वर्णिम ऊर्जा ट्रस्ट (जीएसईसीएल)	शुभचिंतक	वडोदरा
5,00,000 रुपये - 24,99,999 रुपये		
नीतीश ठाकोर	शुभचिंतक	क्लार्क्सविले, यूएसए
इंगरसोल रैंड इंडिया लिमिटेड	शुभचिंतक	बेंगलुरु
रेडिक्स इलेक्ट्रो सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड	शुभचिंतक	मुंबई
विन फाउंडेशन	शुभचिंतक	अमेरीका
आविष्कार का कारखाना	शुभचिंतक	अमेरीका
सेनापति कृष गोपालकृष्णन	शुभचिंतक	बेंगलुरु
एल एंड टी टेक्नोलॉजीज सर्विसेज लिमिटेड	शुभचिंतक	बेंगलुरु
दविंदर के आनंद नीलोम फाउंडेशन	शुभचिंतक	बाल्टीमोर, यूएसए
मैसिबस ऑटोमेशन और इंस्ट्रूमेंटेशन	शुभचिंतक	गांधीनगर
कुशाल सचेती	शुभचिंतक	न्यूयॉर्क, यूएसए
रमेश गोयनकर	शुभचिंतक	जेम्सविल, यूएसए
अमित प्रशांत	संकाय	गांधीनगर
लक्ष्मी वडाली	शुभचिंतक	गांधीनगर
निर्मल कुमार झा	कर्मचारी	गांधीनगर
अभिषेक नावरकर	बीटेक/एमई/2015	वेस्ट लाफायेट
क्वालकॉम उपहार	शुभचिंतक	अमेरीका
नील नाडकर्णी	बीटेक/ईई/2012	कैंब्रिज
रजत मूना	निदेशक	गांधीनगर
सोनेपर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	शुभचिंतक	गांधीनगर
वी वी एस फाउंडेशन	शुभचिंतक	गांधीनगर

नाम	श्रेणी	शहर
1,00,000 रुपये - 4,99,999 रुपये		
फाइवेले ट्रांसपोर्ट रेल टेक्नोलॉजीज इंडिया प्रा लिमिटेड (वेबटेक)	शुभचिंतक	होसुर
सुधीर के जैन	शुभचिंतक	गांधीनगर
सुदर्शन कुमार सराफ	शुभचिंतक	मुंबई
नगन ले	शुभचिंतक	अमेरीका
मदन तलदेवकर	बीटेक/एमई/2015	बैंगलोर
शिरीश रघुनाथ शेलके	बीटेक/एमई/2021	मुंबई
डी पी राय	संकाय	गांधीनगर
भाविन दिनेशभाई चौहान	बीटेक/एमई/2013	नोएडा
रौनक मेहता	बीटेक/एमई/2015	सैन फ्रांसिस्को, यूएसए
लव गुप्ता	बीटेक/सीएल/2012	सैन फ्रांसिस्को, यूएसए
अंकिता अरोड़ा	पीएचडी/एमएसई/2019	दिल्ली
किशोर कोंटेती	शुभचिंतक	सफ़ोक, यूके
ऋषि बुबना	बीटेक/एमई/2017	सिएटल
चावली भरत चंद्र	बीटेक/ईई/2020	अहमदाबाद
निसर्ग उज्जैनकर	बीटेक/एमई/2021	रोचेस्टर
वेगशक्ति छात्रवृत्ति	शुभचिंतक	द्वारका, नई दिल्ली
राम भगवान प्रजापत	बीटेक/सीएसई/2021	नागौर
एनजे इंडिया इन्वेस्ट प्राइवेट लिमिटेड	शुभचिंतक	सूरत
धीरज सांघी	शुभचिंतक	जयपुर
श्रुति जैन	बीटेक/ईई/2018	बोइस
रु. 25,000 - 99,999 रुपये		
मनोज मेनन	शुभचिंतक	पुणे
अखिलेश गोटमारे	बीटेक/ईई/2016	दिल्ली
एदुल पारीक	शुभचिंतक	अमेरीका
चिंताकायला वेणु गोपाल	बीटेक/सीई/2021	कोडाद
उत्सव जेठवा	बीटेक/ईई/2021	जूनागढ़
जितेंद्र कुमार	बीटेक/सीई/2021	हमीरपुर
जम्मू तरुण कुमार	बीटेक/एमएसई/2019	विजयनगरम
टी एस कुंबर	कर्मचारी	गांधीनगर
तरुण अग्रवाल	संकाय	गांधीनगर
उत्सव उत्सव	पीएचडी/पीएच/2022	वाशिंगटन डीसी
मिथबावकर ओजस शशिकांत	बीटेक/ईई/2021	मुंबई
प्रदीप सैनी	बीटेक/एमई/2022	बैंगलोर
मृदुल शर्मा	बीटेक/सीएसई/2020	फतेहाबाद
अमलिन जोस	बीटेक/सीई/2022	कोच्चि
एनजे इंश्योरेंस ब्रोकर्स प्राइवेट लिमिटेड	शुभचिंतक	सूरत
प्रशांत पटेल	बीटेक/एमई/2013	एडमंटन
पचपांडे सोहम किशोर	बीटेक/सीएसई/2020	सैन डिएगो
एसेंस फार्मा प्राइवेट लिमिटेड	शुभचिंतक	वडोदरा
अमन शर्मा	बीटेक/सीएल/2022	पुणे
शिवानी रानी	एमटेक/सीई/2013	लॉटन
सुमित कुमार	बीटेक/सीएल/2022	कानपुर
अक्षत मंगल	बीटेक/सीएल/2022	बैंगलोर

नाम	श्रेणी	शहर
गुडिवाडा वेंकट प्रुद्वी तेज	बीटेक/ईई/2022	गुंटूर
राघवन के	संकाय	गांधीनगर
डुबकी दास	बीटेक/एमई/2021	अहमदाबाद
जयदीप काकडिया	बीटेक/एमई/2022	सूरत
रतुल चक्रवर्ती	बीटेक/एमएसई/2020	बैंगलोर
टेला सेल्वा सौम्या रानी	बीटेक/सीएल/2022	हैदराबाद
हरीश पी एम	संकाय	गांधीनगर
प्रतीक किरण मुथा	संकाय	गांधीनगर
आदित्य नटू	एमटेक/एमई/2021	पुणे
आकाश अजनारे	बीटेक/सीई/2021	इंदौर
प्रेरणा सिंह	बीटेक/सीई/2017	अटलांटा
तुषार अंचन	बीटेक/ईई/2019	सिएटल
सुभाष देवधर	बीटेक/एमई/2016	अमेरीका
प्रणव बगरिया	एमटेक/ईई/2019	अमेरीका

5000 रुपये - 24,999 रुपये

अतुल भार्गव	संकाय	गांधीनगर
उदित भाटिया	संकाय	गांधीनगर
रजत जैन	बीटेक/एमई/2013	मुंबई
प्रत्युल कपूर	बीटेक/सीएल/2012	बैंगलोर
नागिरेड्डी नीलकंटेश्वर रेड्डी	पीएचडी / एचएसएस / 2020	प्रकाशम
राहिल सांवला	बीटेक/एमई/2020	जामनगर
यशी गौर	बीटेक/सीई/2022	पुणे
मीरा मैरी सनी	संकाय	गांधीनगर
आश्रित सरस्वतीभटला	बीटेक/एमई/2015	मैडिसन
श्रीकांत कोंडापनेनी	शुभचिंतक	अमेरीका
माइक्रोन प्रौद्योगिकी	शुभचिंतक	अमेरीका
किनले कुचेरा मेहरा	एमएससी/सीजी/2015	कोट्टायम
अखिलेश रवि	बीटेक/ईई/2021	बैंगलोर
गन्नवरापु धन्या श्री	बीटेक/सीएसई/2022	गांधीनगर
मणिधर एम	बीटेक/सीएसई/2022	लंडन
अंकुश मिश्रा	बीटेक/एमई/2021	सिंगापुर
सेल्सफोर्स डॉट कॉम	शुभचिंतक	अमेरीका
एसपी मेहरोत्रा	कर्मचारी	गांधीनगर
शर्मिष्ठा मजूमदार	कर्मचारी	गांधीनगर
किशन सिंह	बीटेक/सीई/2022	दिल्ली
सौरभ वैचल	बीटेक/एमई/2016	अटलांटा
प्रेम कुमार चोपड़ा	कर्मचारी	गांधीनगर
तान्या श्रीवास्तव	संकाय	गांधीनगर
अभिषेक उमराव	बीटेक/सीएल/2012	बैंगलोर
शेख सिद्धिख हुसैन	बीटेक/ईई/2012	नलगोंडा
प्रथमेश जुवात्कर	बीटेक/ईई/2012	सैन फ्रांसिस्को
अंचित गौरव	बीटेक/एमई/2012	आबू धाबी
कल्पेश जोशी	पीएचडी/ईई/2017	जोरावरनगर
अरुण गोपालकृष्णन नायर	एमटेक/ईई/2014	वडोदरा
मनीष पिल्लई	एमटेक/एमई/2014	बैंगलोर
उज्जवल अशोककुमार पमनानी	एमएससी/सीजी/2015	पुणे
विनोद रामकृष्णन	बीटेक/एमई/2018	ला जोला
कदम सुजय दिलीप	पीएचडी/ईई/2021	सतारा

नाम	श्रेणी	शहर
शुभम भार्गव	बीटेक/एमई/2014	कैंब्रिज
अनुषा मालानी	बीटेक/ईई/2019	मुंबई
मोहक पटेल	बीटेक/एमई/2013	सैन फ्रांसिस्को
निहार कोटक	बीटेक/एमई/2014	सैन होज़े
श्यामल किशोर	बीटेक/एमई/2013	किन्टाल
सुमित अलकेश शाह	बीटेक/सीएल/2014	हिल्सबोरो
साईं चौधरी गुल्लापल्ली	बीटेक/ईई/2016	ग्रेटर बोस्टन
अंकिता जोशी	बीटेक/एमएसई/2018	एन आर्बर
मिनेश किनखाबवाला	शुभचिंतक	अमेरीका
हर्ष भार्गव	शुभचिंतक	अमेरीका
बालाजी वेंकेश मोदूर जगन्नाथन	बीटेक/ईई/2014	सैन फ्रांसिस्को
चिन्मय नरेंद्र सोनार	बीटेक/एमई/2019	सैंटा बारबरा
निखिल आदित्य कुमार रॉय	बीटेक/सीएल/2018	गाइन्सविले
तारकेश्वर सिंह	बीटेक/ईई/2013	बैंगलोर
मृणाल चौहान	विद्यार्थी	गांधीनगर
चेतस जोशी	बीटेक/ईई/2013	सैन फ्रांसिस्को
अमित झारबड़े	बीटेक/एमई/2014	बेतुल
शीतल अरुणभाई अमीन	पीएचडी/सीएल/2021	अहमदाबाद
तेजस श्रीकृष्ण हॉर्टिकर	कर्मचारी	गांधीनगर
सौरभ गंगवाल	बीटेक/एमई/2012	दिल्ली
विनोद नारायणन	संकाय	गांधीनगर
संतोष राऊत	कर्मचारी	गांधीनगर
अरूप लाल चक्रवर्ती	संकाय	गांधीनगर
निहार रंजन महापरता	संकाय	गांधीनगर
मीना जोशी	कर्मचारी	गांधीनगर
सुधांशु शर्मा	संकाय	गांधीनगर
सुनीता मेनन	कर्मचारी	गांधीनगर
उत्तम के मिश्रा	संकाय	गांधीनगर
जयकुमार नंदगोपाल	कर्मचारी	गांधीनगर
राकेश रंजन	बीटेक/एमई/2016	देवगढ़
अनीता धारावत	बीटेक/सीएसई/2021	हैदराबाद
अविनाश सिंह सोडा	बीटेक/सीई/2019	बिलासपुर
ईशा शर्मा	एमएससी/सीजी/2020	मुंबई
वैभव माथुर	बीटेक/ईई/2015	जोधपुर
सालेचा कुशल	बीटेक/ईई/2016	बैंगलोर
जैसन ए मंजली	संकाय	गांधीनगर
अरवा पवन किशोर	बीटेक/ईई/2012	हैदराबाद
केशव गिरियप्रवर	बीटेक/एमई/2012	मुंबई
अनिरुद्ध विश्वकर्मा	बीटेक/सीएल/2014	टोक्यो
हरिओम भार्गव	बीटेक/एमई/2014	पुणे
ध्वनिल शुक्ला	बीटेक/एमई/2014	मुंबई
अजय देवदेवल	बीटेक/एमई/2015	जयपुर
ईपसीत तिवारी	बीटेक/एमई/2015	बैंगलोर
सचित वेकारिया	बीटेक/एमई/2015	बैंगलोर
सौरभ सिंघल	बीटेक/एमई/2015	दिल्ली
दवे उजास रामेश्वर	बीटेक/ईई/2015	बैंगलोर
विक्रम अशोक करदे	पीएचडी/सीएल/2017	लंडन
पूजा सुसान थॉमस	पीएचडी / एचएसएस / 2016	अहमदाबाद
अभिषेक वर्मा	बीटेक/सीएल/2016	बैंगलोर

नाम	श्रेणी	शहर
सुभ्रा मांझी	एमटेक/सीई/2015	सिंगापुर
हर्टविक बैनर्जी	एमटेक/ईई/2014	एक्यूब्लेन्स
टोनी थॉमस	पीएचडी/सीजी/2019	रुड़की
अंकित अग्रवाल	बीटेक/एमई/2017	दिल्ली
चेंचला साई रमना रेड्डी	बीटेक/ईई/2017	हैदराबाद
निशा रावत	बीटेक/सीएल/2017	दिल्ली
पाटिल शुभम हनुमंत	बीटेक/ईई/2017	मुंबई
राहुल कुमार	बीटेक/सीई/2017	भिवानी
रोहित नानावटी	बीटेक/एमई/2017	मुंबई
मोहित चंद	एमटेक/ईई/2015	वडोदरा
अहमद नाजी शाहम	बीटेक/एमई/2018	कोझिकोड
मित्ता वेंकट साईं विश्वनाथ	बीटेक/एमई/2018	कडपा
यश बोहरे	बीटेक/एमई/2018	मुंबई
सैयद अजहर अली	एमटेक/सीई/2016	गांधीनगर
ऐश्वर्या ओंकार	बीटेक/सीई/2019	मुंबई
नवीन मथन सुंदरम	बीटेक/एमई/2019	सिएटल
मंडलेम मणिकांत	बीटेक/ईई/2019	इवानस्टन
रजत गोयल	बीटेक/सीएल/2019	नोएडा
संदीप कुमार यादव	बीटेक/एमई/2019	बैंगलोर
कल्याणकर श्रवण कुमार	एमटेक/ईई/2017	सिंगापुर
शरद जोशी	पीएचडी/ईई/2021	बैंगलोर
चितिपोलु गौतम	बीटेक/एमई/2020	अहमदाबाद
गमेती नीरव	बीटेक/सीएल/2020	मुंबई
मनजोत सिंह	बीटेक/सीएल/2020	गांधीनगर
प्रतीक पुरी गोस्वामी	बीटेक/ईई/2020	भावनगर
अनाशुसेन सैय्यद	एमटेक/एमई/2018	इंदौर
पवन शर्मा	एमए/एचएसएस/2018	एडीलेड
रितुपर्णा राणा	एमए/एचएसएस/2018	बर्लिन
कनिष्क कालरा	बीटेक/सीएसई/2021	फरीदाबाद
राहुल जैन	एमटेक/सीएस/2019	बैंगलोर
रवि आनंद सिंह	एमटेक/सीएल/2019	पटना
प्रजापति प्रदीपभाई दह्याभाई	बीटेक/ईई/2022	आनंद
त्रिवेदी शुभंग कृष्णकांत	बीटेक/सीई/2022	राजकोट
रोहित गहलोत	एमटेक/एमएसई/2021	रुड़की
जटेगांवकर चिन्मय शिरीष	एमटेक/एमई/2021	भोपाल
फाल्गुनी दर्जी	कर्मचारी	गांधीनगर
जगदीश वातापल्ली	कर्मचारी	गांधीनगर
जॉयसी मेकी	संकाय	गांधीनगर
तन्मय बलवा	बीटेक/एमई/2012	पुणे
उदय नाडकर्णी	शुभचिंतक	न्यू जर्सी, यूएसए
यश शाह	एमएससी/एमए/2020	भारत
अनुषा कामथ मंजेश्वर	बीटेक/एमई/2014	मिनीपोलिस
हरिका वक्कंटुला	बीटेक/सीएल/2015	अटलांटा
जितिन प्रभा	बीटेक/एमई/2016	वेस्ट लाफायेट
शशांक त्यागी	बीटेक/सीएल/2016	क्यूपर्टिनो
स्मित दिलीपकुमार सोनी	बीटेक/सीएल/2014	सैन होज़े
सुषमा श्री पामुकपति	बीटेक/एमई/2019	अमेरीका
तेजस मेहता	बीटेक/ईई/2012	पिट्सबर्ग
वामाक्षी यादव	बीटेक/सीएल/2017	अमेरीका
सुस्मिता पूर्णिमा कोतु	बीटेक/एमई/2016	सेंट लुई

नाम	श्रेणी	शहर
आत्मान वोरा	बीटेक/एमई/2014	हनोवर
स्पंदन दास	बीटेक/एमई/2014	गुवाहाटी
5000 तक		
यश शाह	बीटेक/एमई/2013	सनीवेल
सूर्य प्रताप सिंह	एमएससी/सीएच/2018	कानपुर
विभव कात्रे	बीटेक/ईई/2014	बैंगलोर
कविश कुमार	बीटेक/सीएल/2019	अहमदाबाद
शुभम अग्रवाल	शुभचिंतक	अमेरीका
नितिन वी जॉर्ज	संकाय	गांधीनगर
विद्यानंद वाघ	बीटेक/सीएल/2016	मुंबई
पुरुषोत्तम कुमार	बीटेक/सीएल/2017	ब्लैक्सबर्ग
परिचय ठाकोर	बीटेक/सीएल/2021	बैंगलोर
धनुर्धर रामस्वामी	एमटेक/एमई/2019	पुणे
शशांक नफड़े	बीटेक/ईई/2013	अमेरीका
सनत चंद्र मैती	पीएचडी/सीएल/2019	बैंगलोर
जोयुंग किम	संकाय	गांधीनगर
शुभांगी बंसुदे	बीटेक/एमई/2014	मैंसफ़ील्ड
अजिंक्य तुपकर जैन	बीटेक/ईई/2016	मुंबई
देवांश रस्तोगी	बीटेक/सीएल/2017	कानपुर
आदित्य गोयल	बीटेक/ईई/2018	नवी मुंबई
अभिषेक दुबे	बीटेक/सीएल/2020	बैंगलोर
ऋषि धवन	एमटेक/एमएसई/2018	दिल्ली
चेतन देवकिशिन पहलजानी	संकाय	गांधीनगर
गरिमा रघुवंशी	बीटेक/सीएल/2013	बैंगलोर
संजीत जेना	बीटेक/एमई/2016	करौली
चंद्रेश शर्मा	एमटेक/ईई/2014	दिल्ली
शशांक मेहरा	बीटेक/ईई/2017	बैंगलोर
सौरभ सोनी	बीटेक/सीएल/2017	मुंबई
कृपा शाह	पीएचडी/एचएसएस/2019	पांडिचेरी
गौरव जोगी	एमटेक/एमएसई/2021	राजकोट
वामसीधर कामानुरू	बीटेक/ईई/2016	सैन फ्रांसिस्को
कोमल तरुणकुमार संगतानी	कर्मचारी	गांधीनगर
रजत रंजन	बीटेक/एमई/2019	भारत
उदित सुरेंद्र रिलेन	बीटेक/एमई/2018	गइन्सविले
किमती मनावा	एमटेक/सीई/2019	जम्मू
प्रियोलकर नेहा सत्येंद्र	बीटेक/ईई/2020	मुंबई
अनमोल किशोर रैना	बीटेक/सीई/2018	बैंगलोर
वायरल वाई शाह	कर्मचारी	गांधीनगर
तापस कुमार दास	कर्मचारी	गांधीनगर
अनिर्बान दासगुप्ता	संकाय	गांधीनगर
राजा शेखर भूमा	बीटेक/ईई/2012	हैदराबाद
अंकित अग्रवाल	बीटेक/ईई/2012	दिल्ली
स्वाति वर्मा	बीटेक/एमई/2012	दिल्ली
निखिल हरिदास	बीटेक/एमई/2012	बैंगलोर
हरे महतो	बीटेक/एमई/2014	हो चि मिन्ह
दिव्यांक सिंह	बीटेक/सीएल/2013	ऑस्टिन
प्रथम शाह	बीटेक/एमई/2013	मुंबई
कौस्तुभ तिरपुड़े	बीटेक/एमई/2013	मुंबई
श्रेयस वैद्य	बीटेक/एमई/2013	बैंगलोर

नाम	श्रेणी	शहर
दीप्ति चोपड़ा	बीटेक/ईई/2014	सिंगापुर
हुसैन सफदारी	बीटेक/ईई/2014	बैंगलोर
सुयश सुभाष पाटकर	बीटेक/एमई/2014	मुंबई
मंगेश पोपटराव गंगार्दे	बीटेक/एमई/2014	जयपुर
अनु विवेक	बीटेक/एमई/2014	अहमदाबाद
नवनीत मीणा	बीटेक/एमई/2014	डूंगरपुर
अंशुल गुप्ता	बीटेक/एमई/2015	दिल्ली
मिहिका शाह	बीटेक/सीएल/2015	मुंबई
प्रसित पाल	बीटेक/एमई/2015	वडोदरा
हेमंत गीते	एमटेक/सीएल/2013	मुंबई
कौशिक मणि	बीटेक/एमई/2016	गुवाहाटी
पलक सदानी	बीटेक/सीएल/2016	दिल्ली
राजकुमार कुमार सिंह	बीटेक/ईई/2016	दिल्ली
नीलेश भंडारी	एमटेक/एमई/2014	मुंबई
अपूर्वा ओझा	पीएचडी/ईई/2019	अहमदाबाद
सलोनी प्रशांत पंड्या	पीएचडी/सीई/2018	राधनपुर
नवीन दीपक वी	बीटेक/ईई/2012	बैंगलोर
अमित यादव	बीटेक/एमई/2017	पुणे
अनुराग अग्रवाल	बीटेक/एमई/2017	दिल्ली
कनक शर्मा	बीटेक/एमई/2017	मुंबई
निशांत	बीटेक/एमई/2017	बैंगलोर
ऋषभ आनंद	बीटेक/ईई/2017	मुंबई
शुभम पटेल	बीटेक/एमई/2017	दिल्ली
व्यास समीर	बीटेक/ईई/2017	दिल्ली
दर्शन अजमेरा	एमटेक/एमएसई/2015	इंदौर
सिद्धार्थ विजय कुलकर्णी	पीएचडी/सीएल/2017	मुंबई
मंजू भाशिनी	पीएचडी/ईई/2021	गांधीनगर
कोमल पाण्डेय	पीएचडी/सीएल/2021	धनबाद
प्राजक्ता रमेश जाधव	पीएचडी/सीई/2019	रायगढ़
सीतलक्ष्मी पी	पीएचडी/सीई/2019	कालीकट
अखिलेश भट्ट	बीटेक/एमई/2018	फ़िलाडेल्फ़िया
मृदुल पारीक	बीटेक/सीएल/2018	वियना
रचित गोयल	बीटेक/ईई/2018	गांधीनगर
रूशील शामकांत विस्पुते	बीटेक/ईई/2018	मुंबई
राजपूत वंदना	एमटेक/सीएल/2016	गांधीनगर
पवन कुशवाह	एमटेक/सीई/2016	दिल्ली
राकेश गुंडाबथिनी	एमटेक/ईई/2016	चेन्नई
राठौड़ मिलनभाई जयंतीभाई	एमटेक/ईई/2016	मुंबई
आकर्ष ए	पीएचडी/ईएच/2020	पोहांग
पूनम रात्रे	पीएचडी/एमएसई/2021	आयरलैंड
अमित परिहार	बीटेक/ईई/2019	टोंक शहर
अंकुर सिंह	बीटेक/सीएल/2019	रांची
दीप्ति गौतम	बीटेक/सीएल/2019	मुंबई
हरदीप	बीटेक/ईई/2019	जींद
हर्ष मध्यन	बीटेक/सीएल/2019	मुंबई
मिहिर सालोट	बीटेक/एमई/2019	भरूच
प्रतीक वर्मा	बीटेक/सीएल/2019	बैंगलोर
श्रीनिधि भिड़े	बीटेक/एमई/2020	मुंबई
अनिकेत मजूमदार	एमटेक/एमई/2017	ग्रोनिंगन
ऋचा त्रिपाठी	पीएचडी/पीएच/2021	उन्नाव

नाम	श्रेणी	शहर
हर्ष ओझा	पीएचडी/ईएच/2021	पोरबंदर
हिमांशु कुमार सिंह	एमएससी/सीएच/2017	आनंद
अपूर्व अग्निहोत्री	बीटेक/सीएसई/2020	बैंगलोर
कदम ओंकार देवीदास	बीटेक/एमई/2020	नांदेड़
कुकुनुरी साईं वेंकट रत्न ऋत्विक	बीटेक/सीएसई/2020	विजयवाड़ा
शुभम अशोक कलगुंडे	बीटेक/ईई/2020	हैदराबाद
स्पर्श जैन	बीटेक/सीएल/2020	दिल्ली
हार्दिक श्याम व्यास	पीएचडी/ईई/2021	गांधीनगर
हर्ष जनककुमार शाह	एमटेक/सीई/2018	मुंबई
अरित्र कुमार भादुड़ी	एमएससी/एमए/2018	पुणे
विनय ई एच	एमएससी/सीजी/2018	मॉन्ट्रियल
अनूप अगलावे	बीटेक/सीएसई/2021	नागपुर
माधव तिवारी	बीटेक/सीई/2021	हरिद्वार
नमन सिंह	बीटेक/ईई/2021	बुलंदशहर
विष्णु कार्तिकेय	बीटेक/ईई/2021	हैदराबाद
श्वेता परदेशी	बीटेक/ईई/2021	बैंगलोर
शाह रुशील राजीव	बीटेक/सीएसई/2021	अहमदाबाद
व्योम मुद्गल	बीटेक/सीएल/2021	इंदौर
प्रीती एस	एमटेक/ईई/2019	वडोदरा
यश गोयल	एमटेक/सीई/2020	इंदौर
प्रथमेश उपाध्याय	एमटेक/सीएसई/2020	बैंगलोर
प्रियंजना पाल	एमटेक/ईई/2020	दुर्ग
साकेतराम नरावुला	एमटेक/सीएल/2021	वडोदरा
श्रीरंजनी मणिवासगम	एमएससी/सीजी/2021	दिल्ली
रसिका रामकृष्ण	एमएससी/एमए/2021	गांधीनगर
अर्घा मन्ना	कर्मचारी	गांधीनगर
उत्पल के भट्टाचार्य	शुभचिंतक	भारत
निक्की मित्तल	एमएससी/सीएच/2022	दिल्ली
एकता प्रश्नानी	बीटेक/ईई/2013	सैंटा बारबरा
अभिक पटेल	बीटेक/एमई/2012	बैंगलोर
आयुष माथुर	बीटेक/सीएल/2018	बैंगलोर
झावेरी अंशल जयेशभाई	एमटेक/एमई/2016	दिल्ली
पुलकित सिंघल	बीटेक/सीई/2019	दिल्ली
सिद्धांत गुलेछा	बीटेक/सीई/2019	पुणे
ग्रीष्म चाथमकंदथ रघुवरन	बीटेक/एमएसई/2020	कॉलेज स्टेशन
सैकत सेन	एमटेक/सीएल/2018	पुणे
सयाक चौधरी	एमटेक/सीएसई/2020	बैंगलोर
अनूप कुमार	एमटेक/ईई/2021	बैंगलोर
कौस्तुभ कपूरे	बीटेक/एमई/2012	नोएडा
सुमन कुमारी	बीटेक/सीएल/2017	मैंसफ़ील्ड
अभय वार्ष्णेय	बीटेक/सीई/2018	रोपड़
जयशंकर शर्मा	बीटेक/एमएसई/2020	अहमदाबाद
अंबर कोठारी	बीटेक/एमई/2017	बैंगलोर
पंकज वटवानी	बीटेक/ईई/2020	बैंगलोर
गौरव खंडेलवाल	एमटेक/सीई/2020	जयपुर
खुशवंत फतनानी	एमटेक/सीएल/2019	रायपुर
देवव्रत जोशी	बीटेक/सीएसई/2022	बैंगलोर
विशाल रंजन प्रसाद	एमटेक/ईई/2020	मुंबई
दर्शिता जैन	एमटेक/सीएसई/2020	पुणे
चंद्रशेखर रावुरी	एमटेक/ईई/2018	बैंगलोर

नाम	श्रेणी	शहर
सुशील शाह	शुभचिंतक	भारत
नरेंद्र जेठाभाई रबादिया	कर्मचारी	गांधीनगर
निविता जैन	कर्मचारी	गांधीनगर
दत्तला सूर्य विक्रांत वर्मा	बीटेक/सीएल/2012	एम्स्टर्डम
कंचन पटेल	बीटेक/सीएल/2012	बैंगलोर
नितिन जी कुमार	बीटेक/ईई/2012	बैंगलोर
गंधम महेन्द्रनाथ	बीटेक/ईई/2012	बैंगलोर
विवेक क्षीरसागर	बीटेक/ईई/2012	दिल्ली
राहुल कावडकर	बीटेक/ईई/2012	दिल्ली
भार्गव कुमार थडेम	बीटेक/ईई/2012	मुंबई
गौरव कुमार	बीटेक/ईई/2012	बैंगलोर
शुभम अग्रवाल	बीटेक/ईई/2013	बैंगलोर
प्रीतिश जैन	बीटेक/ईई/2013	चेन्नई
सत्येंद्र सिंह जादौन	बीटेक/ईई/2013	चेन्नई
पार्थ एम शाह	बीटेक/ईई/2013	दिल्ली
किसलय पंकज	बीटेक/ईई/2013	बैंगलोर
सूरज सोनकर	बीटेक/ईई/2013	नागपुर
अजिंक्य पी. दहले	बीटेक/एमई/2013	मुंबई
रोहित चौकसे	बीटेक/एमई/2013	मुंबई
प्रतीक न्याती	बीटेक/एमई/2014	बैंगलोर
संजय सरोज	बीटेक/सीएल/2014	मुंबई
दुर्गेश बागरी	बीटेक/सीएल/2014	बरन
नित्या पवार	बीटेक/ईई/2014	दिल्ली
राघवेंद्र चारी	बीटेक/ईई/2014	डेट्रायट
सुश्रुत प्रमोद मेश्राम	बीटेक/ईई/2014	मुंबई
तनय पटेल	बीटेक/ईई/2014	वलसाड
रवींद्र मीणा	बीटेक/ईई/2014	नागपुर
अंकिता शर्मा	बीटेक/ईई/2014	मुंबई
शालिवाहन सिंह राठौर	बीटेक/एमई/2014	धार
रमेशकुमार एम. भोरानिया	पीएचडी/एमई/2018	अहमदाबाद
अभिषेक संचेती	बीटेक/सीएल/2015	बैंगलोर
अभिषेक सोनी	बीटेक/ईई/2015	गुडगाँव
आर्यन	बीटेक/एमई/2015	बैंगलोर
चेतन चौधरी	बीटेक/ईई/2015	वडोदरा
ध्रुव पंचोली	बीटेक/सीएल/2015	बैंगलोर
ध्येय शाह	बीटेक/एमई/2015	गांधीनगर
मोनीष भांगले	बीटेक/सीएल/2015	बैंगलोर
पार्थ गुड़का	बीटेक/ईई/2015	गांधीनगर
रौनक खंडेलवाल	बीटेक/एमई/2015	बैंगलोर
संजय कुमार मीणा	बीटेक/ईई/2015	बैंगलोर
चौहान संतोष	बीटेक/सीएल/2016	गांधीधाम
वैभव गांधी	बीटेक/ईई/2015	अहमद नगर
कतला जगदीश कुमार	पीएचडी/सीएच/2020	हैदराबाद
शशि प्रभाकर	पीएचडी (पीआरएल)/ पीएच/2015	अहमदाबाद
अनरसे आशीष प्रल्हाद	बीटेक/एमई/2016	मलप्पुरम
चित्रांशु कुमार	बीटेक/ईई/2016	पुणे
देवेंद्र मीना	बीटेक/एमई/2017	कोझिकोड
हर्षवर्धन सिंह	बीटेक/एमई/2016	दिल्ली
मुदित राठौर	बीटेक/ईई/2016	दिल्ली

नाम	श्रेणी	शहर
नवीन कुमार	बीटेक/एमई/2016	बैंगलोर
निकिता पट्टा	बीटेक/एमई/2016	स्टैनफोर्ड
मरगज ओम विजय	बीटेक/एमई/2016	गांधीनगर
प्रांशुल सैनी	बीटेक/एमई/2016	मंडी
कौस्तुभ जयंत उदास	एमटेक/सीई/2015	पुणे
दीपक कुमार सामल	एमटेक/सीई/2015	दिल्ली
रोहित मिश्रा	एमटेक/एमएसई/2014	दिल्ली
पंकज	पीएचडी/एमएसई/2018	गांधीनगर
नवीन कुमार एंडला	बीटेक/ईई/2012	उदयपुर
अक्षय कुमार वर्मा	बीटेक/सीएल/2017	बैंगलोर
अनुराग गोयल	बीटेक/सीई/2017	बैंगलोर
अनुराग सिंघानिया	बीटेक/सीएल/2017	एक्यूब्लेन्स
भार्गव चौहान	बीटेक/एमई/2017	अहमदाबाद
देवांशु मनोज जैन	बीटेक/सीएल/2017	उदयपुर
दिनेंद्र प्रताप सिंह तोमर	बीटेक/ईई/2017	दिल्ली
मयंक जैन	बीटेक/सीई/2017	मुंबई
मयंक खेवरिया	बीटेक/सीई/2017	दिल्ली
पवन	बीटेक/एमई/2017	दिल्ली
रजत कुमार गुप्ता	बीटेक/सीएल/2017	मुंबई
सककारी आकाश गौड़	बीटेक/सीई/2017	तिनसुकिया
प्रीती राठी	एमटेक/सीएल/2015	खड़गपुर
कुणाल घैसस	एमटेक/सीई/2015	पुणे
सिल्की अग्रवाल	एमटेक/सीई/2015	अहमदाबाद
अल्ताफ शेख	पीएचडी/सीएच/2020	बाल्टीमोर
बैचू राजा शेखर	पीएचडी/ईई/2020	हैदराबाद
आशा लिजा जेम्स	पीएचडी/सीएल/2020	कोट्टायम
रंगवानी किरण प्रकाशकुमार	एमटेक/सीई/2016	क्राइस्टचर्च
अमरज्योति दास महापात्रा	एमएससी/सीएच/2015	गांधीनगर
अश्विनी कुमार मलिक	एमएससी/एमए/2015	दिल्ली
गोल्डी यादव	एमएससी/सीजी/2015	ब्रसेल्स
अश्विनी कुमार मिश्रा	एमएससी/सीजी/2015	बैंगलोर
अजय सिंह शेखावत	बीटेक/सीई/2018	बैंगलोर
अनुषा गुप्ता	बीटेक/सीई/2018	लखनऊ
भूपेंद्र कुमार	बीटेक/एमएसई/2018	खड़गपुर
बोरसे दिनेश अनिल	बीटेक/सीई/2018	गांधीनगर
दिलीप सिंह	बीटेक/एमएसई/2018	पुणे
दुथड़े संकेत राजेश	बीटेक/ईई/2018	बैंगलोर
मोरे मयूरेश हिरेन	बीटेक/सीएल/2018	तिरुपुर
प्रणवकुमार एस	बीटेक/सीई/2018	मुंबई
सोलेटी गौतम	बीटेक/एमई/2018	मुंबई
त्रिवेदी जलधीर संजय	बीटेक/एमई/2018	पिट्सबर्ग
तुषार निर्मल	बीटेक/एमई/2018	अहमदाबाद
वखारिया विस्मय दिलीपकुमार	बीटेक/एमई/2018	बैंगलोर
मल्लवरापु दीपिका रानी	एमटेक/सीएल/2016	सिंगापुर
अरबल रेशमा मल्लीनाथ	एमटेक/सीएल/2017	बैंगलोर
श्रीकांत मोदक	एमटेक/सीएल/2016	पुणे
कुमार गौरव	एमटेक/ईई/2016	चेन्नई
मनीष कुमार विश्वकर्मा	एमटेक/ईई/2016	मुंबई
पुचलपल्ली सम्बसिवैया	एमटेक/ईई/2016	दिल्ली
सरकार आदित्य अंजन	एमटेक/एमएसई/2016	मुंबई

नाम	श्रेणी	शहर
अंकिता वर्मा	एमटेक/सीएल/2016	बैंगलोर
अभिजीत मधुकर सरकाले	पीएचडी/सीएच/2021	वापी
द्वैपायन रे	पीएचडी/ईई/2020	बैंगलोर
अभिषेक गहतराज	एमएससी/सीजी/2016	दिल्ली
राखी	एमएससी/सीजी/2016	अहमदाबाद
आकृति विनोद गुप्ता	एमए/एचएसएस/2016	रूसुतरहान्टी
राजन वर्गीज	एमए/एचएसएस/2016	एर्नाकुलम
भंडारी सौम्या नरेशकुमार	एमए/एचएसएस/2016	अहमदाबाद
सिनी सुसान वर्गीस	एमए/एचएसएस/2016	अहमदाबाद
आनंद यादव	बीटेक/ईई/2019	बैंगलोर
गोपाल सिंह	बीटेक/सीई/2019	दिल्ली
निकेश पंवार	बीटेक/सीई/2019	बालोतरा
प्रियांशु रंजन गुप्ता	बीटेक/सीएल/2019	मुंबई
रुशाली अतुल प्रकाश सक्सेना	बीटेक/एमई/2019	मुंबई
सक्षम सिंगल	बीटेक/एमई/2019	बैंगलोर
शुभम	बीटेक/सीएल/2019	जामनगर
कुशवाहा अमरकुमार अयोध्यासिंह	एमटेक/ईई/2017	मुंबई
अखिल पटनायक	एमटेक/एमई/2017	बैंगलोर
अमलनाथ एम	एमटेक/एमई/2017	चेन्नई
रोनित डे	एमटेक/एमई/2017	बैंगलोर
बीना कुमारी	पीएचडी/सीएच/2020	भारत
बाला साईं किरण पटनाम	पीएचडी/ईई/2021	हैदराबाद
ऋषभ माथुर	एमटेक/एमई/2020	गांधीनगर
सुबीर मंडल	पीएचडी/पीएच/2021	अहमदाबाद
सुजाता सिन्हा	एमटेक/सीएस/2018	मॉन्ट्रियल
शंख सुभ्र भट्टाचार्य	पीएचडी/ईई/2021	अगरतला
पास्ताकिया तरोनिश एस्टाड	एमएससी/सीजी/2017	अहमदाबाद
मृदुपवन सोनोवाल	एमएससी/सीएच/2017	तिनसुकिया
अश्विनी त्रिपाठी	एमएससी/एमए/2017	लखनऊ
बालू राम	एमएससी/एमए/2017	डेगाना
अभय चंद्रा	बीटेक/सीएल/2021	बैंगलोर
चेक्कल साईं श्रीशाल	बीटेक/सीई/2020	हैदराबाद
दविंदर सिंह	बीटेक/सीएसई/2020	बैंगलोर
खिली खमेसरा	बीटेक/सीएल/2020	कोझिकोड
कृतिका भगतानी	बीटेक/ईई/2020	बैंगलोर
कुंवर शिवम प्रताप	बीटेक/एमएसई/2020	कानपुर
राहुल य़ादव	बीटेक/ईई/2020	बैंगलोर
रमन धीमान	बीटेक/सीएल/2020	ऑस्टिन
साईं प्रणीत मड्डी	बीटेक/ईई/2020	श्रीकाकुलम
सखलीकर पुष्पराज श्यामप्पा	बीटेक/एमई/2020	बुलढाणा
अजिंक्य भागवत	एमटेक/ईई/2018	उमरखेड
मोहित लांबा	एमटेक/ईई/2018	दिल्ली
सौरभ लांजे	एमटेक/एमई/2020	बैंगलोर
विपुल आनंद	एमटेक/एमएसई/2018	दिल्ली
अदिति सिंघल	एमटेक/बीई/2018	टोंक
प्रीतिका घावरी	एमटेक/बीई/2018	अहमदाबाद
शिवांगी सिंह	एमटेक/ईएसएस/2018	गांधीनगर
अग्निवो सरकार	पीएचडी/पीएच/2022	बरूईपुर
सुजीत वसंत मटाले	एमटेक/सीई/2018	नवी मुंबई

नाम	श्रेणी	शहर
राहुल कुमार बंसल	एमएससी/एमए/2018	अलवर
सचिन देव	एमएससी/सीएच/2018	फरीदाबाद
सरवनन बी	एमएससी/सीजी/2018	बैंगलोर
आदित्य गर्ग	बीटेक/सीएसई/2021	गोमती नगर
सोनी अनिरुद्ध प्रदीपकुमार	बीटेक/एमई/2021	मुंबई
अंकुश चौहान	बीटेक/सीएसई/2021	कोटा
अंशुमन यादव	बीटेक/सीएसई/2021	बैंगलोर
अनुभव जैन	बीटेक/सीएसई/2021	अहमदाबाद
अरुण शाक्य	बीटेक/सीएल/2021	झांसी
चंदन माजी	बीटेक/सीएसई/2021	आसनसोल
चेन्ना केशव तिरुनागरी	बीटेक/सीएसई/2021	बैंगलोर
देबरिया दास	बीटेक/सीएसई/2021	दुर्ग
दीपिका सोनी	बीटेक/ईई/2021	इंदौर
संकेश देहाड़े	बीटेक/ईई/2021	औरंगाबाद
दयावरशेट्टी पीयूष	बीटेक/सीएसई/2021	करीमनगर
पृथ्वी काकुमानी	बीटेक/सीएसई/2021	प्रकाशम
हितार्थ परमार	बीटेक/एमई/2021	गांधीनगर
वंदन पटेल	बीटेक/सीएसई/2021	पुणे
राहुल धमानिया	बीटेक/सीएल/2021	दिल्ली
रोहित पाटिल	बीटेक/सीएसई/2021	बैंगलोर
वंदित गोयल	बीटेक/एमई/2021	जयपुर
वेदांत कृष्ण भूटानी	बीटेक/ईई/2021	जयपुर
यशस्वी सोनी	बीटेक/सीई/2021	पुणे
अभिक चंद्र	एमटेक/एमई/2019	आसनसोल
अभिषेक राघव	एमटेक/एमएसई/2019	इशिकावा
अरुण सिंह तोमर	एमटेक/ईई/2019	पुणे
प्रियंका गौतम	एमटेक/सीएस/2019	मुंबई
राहुल गुप्ता	एमटेक/बीई/2019	दिल्ली
साईराम एस	एमटेक/सीएल/2019	चेन्नई
शिव कुमार	एमटेक/सीएस/2019	दिल्ली
सुबिशा वी	एमटेक/सीएस/2019	बैंगलोर
सुकृत शर्मा	एमटेक/सीई/2020	दिल्ली
आशीष यादव	एमटेक/एमएसई/2019	अहमदाबाद
प्रेरणा सरकार	एमटेक/सीई/2020	मुंबई
अंकित फोगट	एमएससी/पीएच/2019	दिल्ली
राजेश बिस्वास	एमएससी/पीएच/2019	भुवनेश्वर
प्रीति च	बीटेक/सीएसई/2022	हैदराबाद
निशिकांत परमार	बीटेक/सीएसई/2022	मन्दसौर
प्रसाद आठवे	बीटेक/सीएसई/2022	हिंगोली
अंकित जायसवाल	एमटेक/एमएसई/2020	सिंगापुर
रूचि थोरारे	एमटेक/एमई/2020	बैंगलोर
स्वरूप जाना	एमटेक/एमई/2021	इलाहाबाद
कृष्ण एम पटेल	एमटेक/सीएल/2020	नोएडा
कौशल दादसेना	एमटेक/ईई/2020	अलीगढ़
मो जफर अहमद	एमटेक/सीएल/2020	पुणे
पीयूष देवांगन	एमटेक/ईई/2020	बैंगलोर
सौमिता कुंडू	एमटेक/सीएसई/2020	पुणे
आदेश कुशवाहा	एमएससी/पीएच/2020	गांधीनगर
वसुंधरा कृष्णन	एमए/एचएसएस/2020	बैंगलोर
बच्चू वरुण तेज	एमटेक/ईई/2021	बैंगलोर

नाम	श्रेणी	शहर
मानसी कुलदीप शाह	एमटेक/ईई/2021	बैंगलोर
गुंजल श्रीहरि एकनाथ	एमटेक/ईई/2021	दिल्ली
वामसी वासा	एमटेक/ईई/2021	झांसी
अनन्या राणा	एमएससी/सीएच/2021	गांधीनगर
अभिषेक रमेश	एमए/एचएसएस/2021	अनंतपुर
विशाल वर्मा	एमए/एचएसएस/2021	कासरगोड
प्रणीता तारणेकर	एमएससी/सीजी/2022	दिल्ली
लोकेश कुमार	एमएससी/एमए/2022	फर्रुखाबाद
इफ्तेसुम रहमान	विद्यार्थी	गांधीनगर
दीपक कुमार घोष	शुभचिंतक	भारत
राजेंद्र मालानी	शुभचिंतक	भारत
प्राकृत कंसारा	बीटेक/सीई/2018	कोलंबिया
चिन्मय शिरपुरकर	बीटेक/ईई/2018	ऑरलैंडो
कृति कपिल	एमएससी/सीएच/2019	पिट्सबर्ग
आकाश कुमार	बीटेक/सीएल/2012	दिल्ली
नीले जगदीप उपाध्याय	एमटेक/सीएसई/2020	मुंबई
कैरवी आचार्य	एमए/एचएसएस/2021	मुंबई
वीरेंद्र सिंह पंवार	बीटेक/सीएल/2016	पुणे
प्रशांत नायर	शुभचिंतक	भारत
पटनायकुनी रवि प्रकाश	पीएचडी/सीई/2019	वारंगल
अरिजीत पॉल	विद्यार्थी	गांधीनगर
जितेंद्र पुखराज पवार	कर्मचारी	गांधीनगर
सुशील कुमार	बीटेक/एमएसई/2018	लखनऊ
विपिन कुमार	एमएससी/एमए/2016	नोएडा
मनु चौधरी	बीटेक/सीई/2017	अहमदाबाद
पोलमपल्ली बाला श्रीमन्नारायण	बीटेक/एमई/2021	गुंटूर
रमेश कुमार	बीटेक/एमई/2015	चेन्नई
आशुतोष सोनपाल	एमटेक/सीई/2018	मुंबई
हर्षिल राकेश जैन	बीटेक/सीएसई/2021	ला जोला
हर्ष काकडिया	बीटेक/एमई/2021	बैंगलोर
राम उदित साद	बीटेक/ईई/2021	जयपुर
जीनम जिंदल	बीटेक/सीएल/2012	मुंबई
अमित आशेर	बीटेक/ईई/2012	मुंबई
सुगुरु कुंदन	बीटेक/ईई/2012	अहमदाबाद
नितेश गुप्ता	बीटेक/ईई/2012	बैंगलोर
पंकज कुमार यादव	बीटेक/एमई/2012	अहमदाबाद
दिव्या बंसल	बीटेक/सीएल/2013	दिल्ली
मोनिका यादव	बीटेक/सीएल/2013	दिल्ली
वेंकट हिमा तेजा चेकामुकी	बीटेक/सीएल/2013	खड़गपुर
मोहित मालू	बीटेक/ईई/2013	टेम्पे
रेवंत वेंकट संदीप उलमगुंटा	बीटेक/ईई/2013	चेन्नई
हरिकृष्णन सी बी	बीटेक/एमई/2013	त्रिशूर
बाबूलाल	बीटेक/एमई/2013	सीकर
हरिहरन पी	पीएचडी/सीएल/2016	कोयंबटूर
जे राम प्रभाकर	पीएचडी/ईई/2016	बैंगलोर
करंदीकर ऋतुपर्ण प्रमोद	बीटेक/सीएल/2014	पुणे
चेतन पाटिल	बीटेक/सीएल/2015	अहमदाबाद
भास्कर ज्योति दास	बीटेक/सीएल/2014	दिल्ली
यश कोटक	बीटेक/ईई/2014	बैंगलोर
निसर्ग निखिल शाह	बीटेक/ईई/2014	सिंगापुर

नाम	श्रेणी	शहर
धर्म रत्न	बीटेक/ईई/2014	लखनऊ
जिनेश राजेश शाह	बीटेक/एमई/2014	मुंबई
अंकित सुचांति	बीटेक/एमई/2014	मुंबई
श्री शिव गणेश गेड्डा	बीटेक/एमई/2014	दिल्ली
के त्रिनाथ चंदर	बीटेक/एमई/2014	हनांकोंडा
अवनीश कुमार उपाध्याय	पीएचडी/सीएल/2018	रायपुर
कृष्णेश शांतिलाल मेहता	पीएचडी/सीजी/2020	अहमदाबाद
अभय सी ए	बीटेक/एमई/2015	पटना
अंकित पंडोले	बीटेक/सीएल/2016	बैंगलोर
हीरालाल	बीटेक/एमई/2016	खड़गपुर
मुकेश सिंह रावत	बीटेक/ईई/2015	राजकोट
प्रतीक बलदवा	बीटेक/ईई/2015	नोएडा
प्रीत शाह	बीटेक/ईई/2015	मुंबई
राजेश पाटीदार	बीटेक/एमई/2015	दिल्ली
हेड़ा शशांक कमलेश	बीटेक/ईई/2015	बैंगलोर
श्रेयांस नाहर	बीटेक/एमई/2015	मुंबई
सोहम	बीटेक/एमई/2015	बैंगलोर
विशाल यादव	बीटेक/एमई/2015	दिल्ली
पी वी एस अनुराग	बीटेक/एमई/2016	गुडगाँव
अदप्पा आश्रय अमरनाथ	बीटेक/सीएल/2017	नोएडा
सोमानी दीपेन ओमप्रकाश	बीटेक/ईई/2016	बैंगलोर
गौरव शर्मा	बीटेक/एमई/2016	बाल्टीमोर
करण पलस्कर	बीटेक/एमई/2016	मुंबई
चौधरी कुणाल रामकिशुन	बीटेक/सीएल/2016	मुंबई
लवदीप कौर	बीटेक/सीएल/2016	झुंझुनू
प्रशांत कुमार	बीटेक/ईई/2016	मुंबई
राहुल गर्ग	बीटेक/एमई/2016	लखनऊ
कोंडुरु वेंकट नागा साईं रवि तेजा	बीटेक/एमई/2016	ला जोला
रॉकी डोंगरे	बीटेक/एमई/2016	चेन्नई
अभिनव सिंह	बीटेक/एमई/2016	मुंबई
सुमन कुमार सिंह	बीटेक/सीएल/2017	दिल्ली
सुरेंद्र बेनीवाल	बीटेक/सीएल/2016	मुंबई
बायरापुरम वेंकट विजया भरत आर	बीटेक/ईई/2016	मुंबई
अपर्णा मेनन	एमटेक/सीएल/2014	बैंगलोर
मिश्रा निधि एस	एमटेक/सीएल/2014	दिल्ली
पाटन अमीर खान	एमटेक/सीएल/2014	नागरी
सत्यजीत महापात्रा	एमटेक/ईई/2014	गांधीनगर
गौरव कुमार	एमटेक/एमएसई/2014	रायपुर
श्रीजीत रवींद्रन	एमटेक/ईई/2014	चेन्नई
राम बरन वर्मा	पीएचडी/एमए/2018	मुंबई
रेणिका बरुआ	पीएचडी/एमई/2021	धेमाजी
योगेश शांताराम फूलपगारे	पीएचडी/एमई/2018	सिंगापुर
अंकित मित्तल	बीटेक/एमई/2017	मुंबई
बुलाबाई श्रीधर गोपीकृष्णा	बीटेक/सीई/2018	मुंबई
धर्मेंद्र कुमार	बीटेक/सीई/2017	दिल्ली
कुशाग्र भार्गव	बीटेक/सीएल/2017	कोलकाता
नरेंद्र सारस्वत	बीटेक/सीई/2017	दिल्ली
पब्बाथी अखिल कुमार	बीटेक/ईई/2017	बैंगलोर
राउत अभिषेक सतीश	बीटेक/एमई/2017	बैंगलोर

नाम	श्रेणी	शहर
ऋषभ जैन	बीटेक/सीई/2017	दिल्ली
सरगम जैन	बीटेक/सीएल/2017	बैंगलोर
शैलेंद्र कुमार	बीटेक/सीई/2017	दिल्ली
शालीन छाजेर	बीटेक/सीई/2017	डिगबोई
गुदीप कौर सूदन	एमटेक/सीई/2015	आयोवा
सोलंकी धवल शशिकांत भाई	एमटेक/ईई/2015	गांधीनगर
प्रतीक सूर्यकांत शिरभटे	एमटेक/एमई/2015	पुणे
दीनदयाल कुमार	एमटेक/एमएसई/2016	नागपुर
उमंग भूपतराय देसाई	एमटेक/एमएसई/2016	मुंबई
भानु प्रताप सिंह गंगवार	पीएचडी/सीएच/2020	बरेली
दीपेश कुमार	पीएचडी/ईई/2018	वाराणसी
रवि कांत	पीएचडी/एमई/2020	गांधीनगर
प्रियद्युति प्रधान	पीजीडीआईआईटी/सीएस/2017	इंदौर
अंकिता सिन्हा	पीएचडी/एमई/2021	गांधीनगर
हर्ष लवकुमार शाह	पीएचडी/सीई/2019	अहमदाबाद
पलाश जाना	एमएससी/सीएच/2015	दिल्ली
एकता	एमएससी/एमए/2015	गांधीनगर
अमित भोंगड़े	बीटेक/ईई/2018	दिल्ली
आयुष श्रोत	बीटेक/ईई/2018	तिरुवनंतपुरम
बी प्रणव चक्र वर्थी	बीटेक/सीई/2020	हैदराबाद
बद्री विशाल मीणा	बीटेक/सीएल/2018	अहमदाबाद
भोगे शशांक विलास	बीटेक/सीई/2019	अमरावती
गरिमा चौधरी	बीटेक/सीई/2018	मुंबई
हिमांशु गोस्वामी	बीटेक/ईई/2018	बैंगलोर
जगदीश चौधरी	बीटेक/ईई/2019	दिल्ली
कमलेश चौधरी	बीटेक/सीई/2018	बैंगलोर
कपिल शर्मा	बीटेक/एमई/2018	दिल्ली
लक्ष्मी गायत्री शिवलेंका	बीटेक/एमई/2018	मुंबई
नवप्रीत सिंह	बीटेक/सीएल/2019	लुधियाना
यशवंत रापोलू	बीटेक/सीई/2018	दिल्ली
टंडले मोहित मुकुंदराज	बीटेक/एमएसई/2018	मुंबई
वैभव पाल	बीटेक/एमई/2020	देहरादून
विकास कुमार मीना	बीटेक/ईई/2018	दिल्ली
विकल्प कमल	एमटेक/सीई/2018	दिल्ली
पटेल मेघ वसंतकुमार	एमटेक/ईई/2016	थिम्पू
निखिल चेरियन कुरियन	एमटेक/ईई/2016	बैंगलोर
रोहित कुमार डांग	एमटेक/ईई/2016	बैंगलोर
सनी वर्मा	एमटेक/ईई/2016	दिल्ली
आयुष जैन	एमटेक/एमई/2016	पुणे
बृजेश कुमार	एमटेक/एमई/2017	सुल्तानपुर
रजनीकांत अतुल घाटे	एमटेक/एमई/2016	पुणे
विकास शर्मा	एमटेक/एमई/2016	दिल्ली
रोजन मैथ्यू	एमटेक/सीई/2017	तिरुवनंतपुरम
विष्णु कुमार गुप्ता	एमटेक/एमई/2016	नवी मुंबई
प्रभात कुमार	पीएचडी/सीई/2021	झांसी
संघवी हिरल मनोजकुमार	पीएचडी/बीई/2021	गांधीनगर
विजयलक्ष्मी पाण्डेय	पीएचडी/सीएच/2021	जबलपुर
मुक्ता गुंडी	पीएचडी / एचएसएस / 2020	बैंगलोर
सौमिक बंद्योपाध्याय	पीएचडी/पीएच/2020	ट्रेंटो

नाम	श्रेणी	शहर
पायल अरोड़ा	एमएससी/सीएच/2016	गुडगाँव
विपुल नायर	एमएससी/सीजी/2016	स्कोवडे
भरत लाल मीणा	एमएससी/एमए/2017	दौसा
हरीश मधोक	एमएससी/पीएच/2016	जयपुर
अरुण कृष्ण	एमए/एचएसएस/2016	अहमदाबाद
ओझा भार्गव हिरेन	एमए/एचएसएस/2016	अहमदाबाद
बी रत्ना भारती	एमए/एचएसएस/2016	दिल्ली
तुषार मेश्राम	एमए/एचएसएस/2016	दिल्ली
अदिति शर्मा	बीटेक/सीएल/2019	मुंबई
अमित जांगिड़	बीटेक/एमई/2020	अहमदाबाद
अनुराग कुमार गुप्ता	बीटेक/सीई/2019	बलिया
एरिक पमनानी	बीटेक/ईई/2019	बैंगलोर
अयाज लखानी	बीटेक/एमई/2019	बैंगलोर
चौधरी दिव्य जीवराज	बीटेक/सीई/2019	औरंगाबाद
जगमोहन	बीटेक/एमई/2019	डेविस
नमन जैन	बीटेक/सीई/2019	बैंगलोर
नवीन कुमार	बीटेक/ईई/2019	बैंगलोर
सरीम संदीद	बीटेक/सीई/2019	आसनसोल
शिव कुमार	बीटेक/सीएल/2019	बांका
तरुण शर्मा	बीटेक/सीई/2019	मुंबई
तुलसी नरेंद्र दास त्रिपुराना	बीटेक/एमएसई/2019	हैदराबाद
वैभव मित्तल	बीटेक/एमई/2019	रायपुर
वीरमल्लु गिरिधर साय	बीटेक/ईई/2019	गुंटूर
अमजेत बशीर	एमटेक/सीई/2018	शारजाह
कौस्तुभ देशपांडे	एमटेक/सीई/2018	ग्वालियर
शुभम सोनी	एमटेक/सीई/2017	इंदौर
आशीष सोनी	एमटेक/ईई/2017	बैंगलोर
गुप्ता आकाश नंदलाल	एमटेक/ईई/2017	अहमदाबाद
हेमंत कुमार वर्मा	एमटेक/ईई/2017	बैंगलोर
नीतेश कुमार शर्मा	एमटेक/ईई/2017	बैंगलोर
नेहा कुमारी	एमटेक/ईई/2017	बैंगलोर
शाह हेमल गौतमकुमार	एमटेक/ईई/2017	पुणे
सोमपुरा जय नीलेशभाई	एमटेक/ईई/2017	जामनगर
प्रतीक गोयल	एमटेक/एमएसई/2017	गांधीनगर
प्रगति प्रदीप जोशी	एमटेक/एमई/2017	मुंबई
सरन आधार	पीएचडी/सीई/2021	यरूशलेम
फैरूस सी	पीएचडी/पीएच/2020	पथियारक्कारा
वर्षा थम्बी	पीएचडी/सीएच/2021	जयपुर
कलिंग टाकी	पीएचडी/सीई/2021	पूर्वी सियांग
रितम चटर्जी	एमटेक/एमई/2017	मुंबई
नमन दीप सिंह	पीएचडी/ईएच/2021	आगरा
रणदीप सरकार	पीएचडी/पीएच/2021	दार्जिलिंग
कौस्तव चक्रवर्ती	पीएचडी/पीएच/2021	मुंबई
चंदन कुमार झा	पीएचडी/ईई/2021	गांधीनगर
शिव दत्त शर्मा	पीएचडी/सीएसई/2021	हमीरपुर
सोहोम बंद्योपाध्याय	एमएससी/सीजी/2017	कोलकाता
कोठा श्रीनु	एमएससी/सीएच/2017	हैदराबाद
श्याम कुमार	एमएससी/पीएच/2017	दिल्ली
लीमा सैकिया	एमएससी/पीएच/2017	दिल्ली
अजय भारद्वाज	बीटेक/सीई/2020	करौली

नाम	श्रेणी	शहर
अंशुल शिवहरे	बीटेक/ईई/2020	बैंगलोर
बुदिति पृथ्वी	बीटेक/सीएल/2020	बैंगलोर
चक्का स्नेहित	बीटेक/ईई/2020	पूर्वी गोदावरी
गुप्ता सागर राजीव	बीटेक/ईई/2020	दिल्ली
हीर अंबावी	बीटेक/सीएसई/2020	अहमदाबाद
जतिन आशीष ढोलकिया	बीटेक/ईई/2020	बैंगलोर
कुणाल वर्मा	बीटेक/सीएसई/2020	मुंबई
लखन अग्रवाल	बीटेक/सीएल/2020	मुंबई
पंकज कुमार सैनी	बीटेक/एमएसई/2020	गुवाहाटी
पेनुमका गोपी किशोर	बीटेक/ईई/2020	कृष्णा
प्रणव पीपरे	बीटेक/सीई/2020	मुंबई
पुतला अनिरुद्ध	बीटेक/एमई/2020	अहमदाबाद
रजत बिलुनिया	बीटेक/एमई/2020	अलवर
रेंदला आदित्य	बीटेक/सीएसई/2020	बैंगलोर
ऋषभ जैन	बीटेक/सीई/2020	मुंबई
शिवांश चौधरी	बीटेक/सीएसई/2020	हैदराबाद
शिवजी भगत	बीटेक/सीएसई/2020	कोलकाता
उके विशाल हेमराज	बीटेक/एमई/2020	भंडारा
अभिजीत टी. के	एमटेक/सीई/2018	दिल्ली
आशुतोष कुमार	एमटेक/एमएसई/2018	पटना
अतुल शर्मा	एमटेक/एमई/2018	पुणे
भूपेंद्र कुमार	एमटेक/एमएसई/2018	नोएडा
परम सिंह	एमटेक/एमएसई/2018	गांधीनगर
राकेश मेघवाल	एमटेक/सीई/2018	उदयपुर
राणा सिंह	एमटेक/एमएसई/2018	दिल्ली
रविंदर कुमार दरोच	एमटेक/एमई/2018	गांधीनगर
सचिन वर्मा	एमटेक/सीएल/2018	बाराबंकी
सतबीर सिंह	एमटेक/एमई/2019	कांगड़ा
शुभंकर गुरव	एमटेक/एमई/2019	पुणे
शुभांशु गुप्ता	एमटेक/ईई/2018	दिल्ली
स्मृति गुप्ता	एमटेक/ईई/2018	बैंगलोर
विश्वनाथ हिरेमठ	एमटेक/ईई/2018	बैंगलोर
अपेक्षा श्रीवास्तव	एमटेक/बीई/2019	गांधीनगर
स्वरूप चक्रवर्ती	पीएचडी/बीई/2021	दुर्ग
प्रवीण हिवारे	पीएचडी/बीई/2022	शिकागो
अमित कुमार	एमएससी/एमए/2018	दिल्ली
दीपिका परमार	एमएससी/एमए/2018	फर्रुखाबाद
गोविंद कुमार शर्मा	एमएससी/सीएच/2018	दिल्ली
महाजन समीक्षा सतीश	एमएससी/एमए/2018	डोंबिवली
नवीन टाक	एमएससी/सीएच/2018	देवानी
प्रतीक चौहान	एमएससी/पीएच/2018	लातूर
राजवीर सिंह	एमएससी/सीएच/2018	सिरसा
टीकम चंद सोयल	एमएससी/एमए/2018	जयपुर
रिद्धि गर्ग	एमए/एचएसएस/2018	दिल्ली
पार्थ अग्रवाल	बीटेक/एमई/2021	ओधव
अंकुर वैभव	बीटेक/सीएल/2021	वडोदरा
अनुज यादव	बीटेक/एमएसई/2021	दिल्ली
आयुष अग्रवाल	बीटेक/सीएसई/2021	जयपुर
दीपेंद्र कुमार	बीटेक/सीएल/2021	चेन्नई
मोहित मीना	बीटेक/सीएसई/2021	फरीदाबाद

नाम	श्रेणी	शहर
निशांत	बीटेक/सीई/2021	पुणे
शिव कृष्ण शर्मा परिमी	बीटेक/सीएसई/2021	पूर्वी गोदावरी
पार्थ उपाध्याय	बीटेक/सीएल/2021	मुंबई
चंद्रहास पुंडरू	बीटेक/ईई/2021	गांधीनगर
सागर सिंह मीणा	बीटेक/एमएसई/2022	करौली
सौमित्र शर्मा	बीटेक/सीएसई/2021	बैंगलोर
सौरभ मुनेश्वर	बीटेक/एमई/2021	नागपुर
जैनम शाह	बीटेक/एमई/2021	मुंबई
शिवानी पटले	बीटेक/एमएसई/2021	कोझिकोड
शुभम बहेती	बीटेक/सीई/2021	पुणे
यश गौर	बीटेक/एमई/2021	हैदराबाद
उदय कुमार	बीटेक/एमई/2021	जलगांव
आकिब खान	एमटेक/सीएल/2019	गांधीनगर
अभिमन्यु गौर	एमटेक/एमई/2020	गोरखपुर
अंकित शर्मा	एमटेक/एमई/2019	देवास
अरुण चर्ककिल	एमटेक/एमई/2019	इंदौर
आशीष द्विवेदी	एमटेक/सीएस/2019	बैंगलोर
अथिरा हरिदास	एमटेक/ईई/2019	मुंबई
बरमा अभिषेक	एमटेक/ईई/2019	हैदराबाद
भगवान राम	एमटेक/सीई/2019	जोधपुर
कैमेलिया चक्रवर्ती	एमटेक/बीई/2019	पेरिस
दीप बरूशी	एमटेक/एमई/2019	मुंबई
मोहित लखानी	एमटेक/सीई/2020	मुंबई
पायल व्यंकट दहीवाले	एमटेक/ईई/2019	मुंबई
पिंकी यादव	एमटेक/एमई/2019	दिल्ली
प्रज्वल पाटीदार	एमटेक/सीई/2020	दिल्ली
प्रियंका प्रकाश श्रीवास्तव	एमटेक/बीई/2019	दिल्ली
विनीता बोडेमपुडी	एमटेक/ईई/2019	हैदराबाद
यदुकृष्णन एम	एमटेक/ईई/2019	बैंगलोर
उदय कुमार	पीजीडीआईआईटी/ एमएसई/2019	अहमदाबाद
अपर्णा श्रीवास्तव	एमटेक/सीई/2019	गांधीनगर
जॉयदीप कुमार देवनाथ	एमटेक/ईई/2019	गुवाहाटी
गरिमा भूटानी	एमएससी/सीएच/2019	हिसार
ल्यूक निहाल दसारी	एमएससी/सीजी/2019	दिल्ली
मेघाली गर्ग	एमएससी/एमए/2019	बरनाला
निखिल शर्मा	एमएससी/सीएच/2019	मथुरा
निखिल शर्मा	एमएससी/पीएच/2019	संगरिया
प्रांकुर सक्सेना	एमएससी/सीजी/2019	बैंगलोर
पुलकित	एमएससी/एमए/2019	अमरोहा
सबा नासिर पठान	एमएससी/सीजी/2019	मुंबई
श्रीकांत शेखर	एमएससी/एमए/2019	भोपाल
श्रीकांत सी	एमएससी/सीजी/2019	बैंगलोर
सुरेश चौधरी	एमएससी/एमए/2019	जयपुर
सुरजीत सिंह चौधरी	एमएससी/एमए/2019	भोपाल
दलिया एन	एमए/एचएसएस/2019	गांधीनगर
जेसिका सत्यार्थी	बीटेक/ईई/2022	ग्वालियर
मड्डेला सिद्धार्थ	बीटेक/एमई/2022	सिकंदराबाद
राकेश नायडू पदमज्जी	बीटेक/एमई/2022	विजयवाड़ा
प्रीति सिंह	बीटेक/सीई/2022	झुंझुनू

नाम	श्रेणी	शहर
उन्नत निखिल द्वे	बीटेक/ईई/2022	मुंबई
आकाश वर्मा	एमटेक/सीएल/2020	बैंगलोर
अक्षय श्रीवास्तव	एमटेक/एमएसई/2020	टोक्यो
अंकित वर्मा	एमटेक/ईई/2021	बैंगलोर
आरती हरिहरन	एमटेक/बीई/2020	चेन्नई
दीपांशु सिंह	एमटेक/ईई/2020	दिल्ली
करणबीर सिंह सिद्धू	एमटेक/एमई/2021	बैंगलोर
कृष्ण कुमार	एमटेक/ईई/2020	गांधीनगर
सलीम खान	एमटेक/सीई/2021	मुंबई
रेंजिनी आर	एमटेक/सीई/2021	हैदराबाद
छल्ला साईं अजय नरेंद्र	एमटेक/एमई/2020	बैंगलोर
शुभम जैन	एमटेक/ईई/2020	दिल्ली
सिद्धार्थ शर्मा	एमटेक/एमएसई/2020	मॉन्ट्रियल
सुधा गौतम	एमटेक/एमएसई/2020	मुंबई
सुमित खरबंदा	एमटेक/बीई/2020	बैंगलोर
जितेंद्र प्रसाद अग्रवाल	पीजीडीआईआईटी/ ईई/2020	दिल्ली
शिवेश शांडिल्य	एमटेक/सीई/2021	मुंबई
शुभम पाटिल	एमटेक/ईई/2020	मुंबई
सुविल महागांवकर	एमटेक/सीई/2021	मुंबई
अंकिता नंदी	एमटेक/ईई/2020	बैंगलोर
कार्तिकेय भारद्वाज	एमटेक/सीई/2021	दुर्ग
विशाल घनश्यामभाई वाघेला	पीजीडीआईआईटी/ सीई/2020	अहमदाबाद
एकता खेमचंदानी	एमएससी/सीजी/2020	दिल्ली
मो शाहनवाज आलम	एमएससी/पीएच/2020	उत्तर दिनाजपुर
प्रिया यादव	एमएससी/सीएच/2020	कानपुर
रिमझिम पूर्व छात्र	एमएससी/सीएच/2020	दिल्ली
शैबरलैंग रैपसांग	एमएससी/सीएच/2020	शिलांग
तनु कौशिक	एमएससी/सीएच/2020	मुंबई
पुण्य लोकेश सूरी	एमए/एचएसएस/2020	मुंबई
स्वरूपा भाटकर	एमए/एचएसएस/2020	विजाग
तनुश्री हलदर	एमटेक/बीई/2021	बैंगलोर
वृद्धि जानी	एमटेक/सीएल/2021	चेन्नई
शैक महबूब जानी बाशा	एमटेक/सीएसई/2021	वाराणसी
अभिषेक सिंह	एमटेक/ईई/2021	कानपुर
कार्तिक कुमार गुडीबोइना	एमटेक/ईई/2021	वडोदरा
प्रारब्ध रायपुरकर	एमटेक/ईई/2021	दिल्ली
प्रवेश श्रीवास्तव	एमटेक/ईई/2021	बैंगलोर
पुष्पक धोटे	एमटेक/ईई/2021	बैंगलोर
रविन कटियार	एमटेक/ईई/2021	आलो
सतीश कुमार सिंह	एमटेक/ईई/2021	बैंगलोर
वीरेंद्र दान	एमटेक/ईई/2021	राजकोट
विवेक सिंह	एमटेक/ईई/2021	जयपुर
प्रिया सूर्यकांत गाडेकर	एमटेक/एमएसई/2021	गांधीनगर
सोम दीक्षित	एमटेक/एमएसई/2021	क्लेमसें
दुद्याला राहुल रेड्डी	एमटेक/एमई/2021	कुरनूल
देवेश कुमार	एमटेक/ईई/2021	श्रीनगर
गणेश जबोत्रा	एमएससी/सीएच/2021	गांधीनगर
मृत्युंजय कुमार झा	एमएससी/सीएच/2021	गांधीनगर
संजू कुमारी	एमएससी/सीएच/2021	गांधीनगर

नाम	श्रेणी	शहर
अंजना सी.पी	एमएससी/सीजी/2021	बैंगलोर
मीनम पवित्र	एमएससी/सीजी/2021	वडोदरा
सान्या जैन	एमएससी/सीजी/2021	फिरोजाबाद
रमन शर्मा	एमएससी/एमए/2021	गांधीनगर
राधिका गांधी	एमएससी/पीएच/2021	दिल्ली
आद्याशा बेहरा	एमए/एचएसएस/2021	अनकापल्ली
अजय देवड़ा	एमए/एचएसएस/2021	गांधीनगर
सुदीप दास	एमटेक/सीएसई/2022	गांधीनगर
उषा गर्ग	एमटेक/सीई/2022	पुणे
अंजना तिर्की	एमएससी/सीएच/2022	गुडगाँव
तेजस पुजारी	एमएससी/एमए/2022	हांसी
आकाश	एमएससी/पीएच/2022	दिल्ली
आकांक्षा वर्मा	एमएससी/पीएच/2022	सोनीपत
प्रिया द्रासनी	एमएससी/पीएच/2022	एटा
तनूरिमा शॉ	एमए/एचएसएस/2022	गांधीनगर
नियति भूपेंद्र शाह	एमएससी/पीएच/2022	वापी
वृंदा विरल शाह	शुभचिंतक	भारत
कोककोंडा प्रशांत	बीटेक/सीई/2020	हनांकोंडा
पवित्रा अशोक कुमार	एमएससी/सीजी/2018	बैंगलोर
होमित सिंह पाल	बीटेक/सीई/2018	मंडीदीप
वरुण गुप्ता	बीटेक/एमई/2013	बैंगलोर
राहुल कुमार	बीटेक/एमई/2019	जालौन
टिबिन एम थॉमस	एमटेक/एमई/2016	चेन्नई
ऋषिकेश मोरे	बीटेक/ईई/2020	औरंगाबाद
राहुल सैनी	बीटेक/सीई/2019	अलवर
विजेंद्र मौर्य	बीटेक/सीएल/2019	बैंगलोर
अक्षत बंसल	बीटेक/एमई/2020	मुंबई
सोहिनी धर	एमटेक/ईई/2018	बैंगलोर
अनूप सिंह	एमएससी/पीएच/2018	गांधीनगर
गौरव कुमार	बीटेक/सीई/2021	कैमूर
नयन चौधरी	बीटेक/ईई/2021	मुंबई
गौतम वरंगंती	बीटेक/सीई/2021	वारंगल
मोहम्मद आदिल	एमटेक/एमई/2019	मुंबई
सुजीत आकाश	विद्यार्थी	गांधीनगर
अंकुश जैन	एमटेक/सीई/2021	मुंबई
खुशबू अग्रवाल	एमएससी/एमए/2021	गांधीनगर
दिनेश बास्कर	एमटेक/एमई/2020	मुंबई
गोट्टमुकला साईं राम कृष्ण	बीटेक/ईई/2018	हैदराबाद
आशीष कुमार गुप्ता	बीटेक/ईई/2016	जयपुर
नेहा सिंह	एमएससी/पीएच/2020	रुद्रपुर
जयेष्ठी माली	एमएससी/पीएच/2021	मुंबई
उपेंद्र कुमार सिंह कुशवाहा	पीएचडी (पीआरएल)/ पीएच/2016	इलाहाबाद
सुनील सहरा	बीटेक/सीएल/2016	मथुरा
शाह आदित्य सुरेश	बीटेक/ईई/2017	अहमदाबाद
वैभव गुप्ता	बीटेक/एमई/2017	दिल्ली
नरेंद्र बंडारू	पीएचडी/एमएसई/2020	गुंटूर
रवि जांगिड़	बीटेक/ईई/2020	सीकर
सुयश पाटीदार सुयश पाटीदार	बीटेक/एमई/2020	पुणे
संदीप कुमार सिंह	एमएससी/पीएच/2018	पूर्वी चंपारण

नाम	श्रेणी	शहर
करणम अविनाश	बीटेक/एमई/2021	इंदौर
पिन्नीबोइना मुनीश्वर	बीटेक/एमएसई/2021	चित्तूर
जितेंद्र कुमार	बीटेक/ईई/2022	लखनऊ
तेज बहादुर गुरुंग	कर्मचारी	गांधीनगर
मुकुल लवास	बीटेक/एमई/2020	मुंबई
प्रशांत कुमार	पीएचडी/एचएसएस/2021	वाशिम
उमेश कुमार	एमएससी/सीएच/2017	दिल्ली
इंगले वरद जितेंद्रकुमार	बीटेक/एमएसई/2020	औरंगाबाद
कार्तिक सुब्रमण्य करवाजे	बीटेक/एमई/2020	बैंगलोर
विवेक पोपट	एमटेक/सीएल/2013	मुंबई
गौरव गुप्ता	बीटेक/ईई/2016	जयपुर
हैदरअली एम टी	बीटेक/एमई/2016	बाड़मेर
राहुल आनंद कौशिक	एमटेक/ईई/2014	बैंगलोर
वरित अशोक भाई पटेल	पीएचडी/एमएसई/2020	सूरत
जया प्रसन्ना कुमार	पीएचडी/सीएल/2021	बैंगलोर
भगत राजन बालिस्टर	बीटेक/एमई/2017	बैंगलोर
हर्ष खंडेलवाल	बीटेक/सीएल/2017	मुंबई
केसनी कल्याणी	बीटेक/सीएल/2017	मेडचाल
प्रियंका	बीटेक/सीएल/2017	दिल्ली
रामटेकर शशांक मनोहर	बीटेक/एमई/2017	पुणे
रोशन अग्रवाल	बीटेक/सीई/2017	बैंगलोर
श्रीनिवासन ए	बीटेक/सीई/2017	एन आर्बर
तनय कंकणे	बीटेक/एमई/2017	बैंगलोर
एस स्मिता	एमटेक/सीई/2015	कोझिकोड
आदित्य सिंह	एमएससी/सीजी/2015	गांधीनगर
आदित्य कुमार	बीटेक/एमएसई/2018	मुंबई
डाभी पार्थ ललितकुमार	बीटेक/एमई/2020	अहमदाबाद
प्रणव कुमार गुप्ता	बीटेक/सीई/2018	दिल्ली
सेत्ति सत्य साईं वेंकट रवि तेजा	बीटेक/सीएल/2018	पुलवामा
विकास यादव	बीटेक/सीई/2018	गांधीनगर
पन्ना लाल सैनी	बीटेक/एमई/2020	अहमदाबाद
रोहित कुमार सिंह	बीटेक/सीई/2019	पटना
कुमारी सुष्मिता	एमटेक/सीएल/2016	बैंगलोर
मोहम्मद उमैर इकबाल	एमटेक/सीएल/2016	गांधीनगर
गुरनानी सागरकुमार विजयकुमार	एमटेक/एमई/2016	बैंगलोर
बेहेर सिद्धार्थ रवींद्र	एमटेक/एमई/2017	बैंगलोर
शाह उत्सव मिनेशभाई	एमटेक/एमई/2016	अहमदाबाद
मजीद हुसैन	पीएचडी/सीई/2020	श्रीनगर
आरती बंसल	एमएससी/एमए/2016	बहादुरगढ़
सार्थक मित्तल	बीटेक/सीई/2019	जयपुर
सौरव नगर	बीटेक/एमई/2019	बैंगलोर
चिमाने प्रतीक तुलसीराम	एमटेक/एमई/2017	हैदराबाद
आशीष नारंग	पीएचडी/पीएच/2021	सहारनपुर
अनीश दुबे	बीटेक/सीएल/2020	पुणे
अनुशिखा	बीटेक/एमएसई/2020	अहमदाबाद
आरा श्रिया	बीटेक/सीई/2020	अहमदाबाद
आयुष गर्ग	बीटेक/सीएसई/2020	दिल्ली
के एस संतोष कुमार	बीटेक/ईई/2020	चित्तूर
साहिल जैन	बीटेक/सीई/2020	बैंगलोर
अक्षय नंदुरकर	एमटेक/सीई/2018	अमरावती

नाम	श्रेणी	शहर
ऐश्वर्या विजयकुमार	एमटेक/बीई/2018	गुवाहाटी
आशीष जोसेफ	एमएससी/पीएच/2019	दिल्ली
दफिशा मैरी नोंघुलू	एमएससी/पीएच/2018	शिलांग
गौरव यादव	एमएससी/एमए/2018	भदोही
राकेश यादव	एमएससी/सीएच/2018	भिवानी
उदय सिंह	एमएससी/पीएच/2019	तिरुवनंतपुरम
हेराम नायक भुक्या	बीटेक/एमई/2021	हैदराबाद
हर्षल थूल	बीटेक/सीएल/2021	वर्धा
कविता वैष्णव	बीटेक/सीएसई/2021	दिल्ली
मनोज कुमावत	बीटेक/ईई/2021	सीकर
मोहम्मद असलम	बीटेक/सीएल/2022	चेन्नई
वामशी निखिल पाण्डिपति	बीटेक/ईई/2021	नांदयाल
कौशिक भौमिक	एमटेक/बीई/2019	सिपाहीजाला
मिट्टीरेड्डी रवि तेजा	एमटेक/एमएसई/2019	गांधीनगर
प्रखर प्रधान	एमटेक/ईई/2019	बैंगलोर
रवि शंकर बंकर	एमटेक/सीई/2020	पटना
कपिल देव	एमएससी/पीएच/2019	दिल्ली
लता यादव	एमएससी/एमए/2019	कानपुर
पंकज बोरा	एमएससी/पीएच/2019	दिल्ली
ऋचा डोभाल	एमएससी/पीएच/2019	अल्मोड़ा
कदीजा नौराह बी एच	एमए/एचएसएस/2019	कालीकट
रोहन शिरोडकर	बीटेक/एमई/2022	पुणे
सागर बिसेन	बीटेक/सीएसई/2022	बैंगलोर
होइम बनर्जी	एमटेक/बीई/2020	मुंबई
सौविक रॉय	एमटेक/सीएसई/2020	बैंगलोर
नीरज कुमार मीणा	एमएससी/पीएच/2020	करौली
राहुल रोहिल्ला	एमएससी/एमए/2020	मुंबई
रवि महला	एमएससी/एमए/2020	बैंगलोर
तनु कुमारी	एमएससी/एमए/2020	रेवाड़ी
चंदन नंदी	एमटेक/बीई/2021	कोलकाता
अमित मिश्रा	एमटेक/सीएल/2021	वापी
दीप्तिजा पाण्डेय	एमटेक/सीई/2021	पुणे
दीप मेहता	एमटेक/सीई/2021	उदयपुर
सुधांशु दीक्षित	एमटेक/सीई/2021	इलाहाबाद
सुजाता कुलकर्णी	एमटेक/सीई/2021	दिल्ली
जतिन कुमार	एमटेक/सीएसई/2021	बैंगलोर
आयुष अग्रवाल	एमटेक/ईई/2021	उन्नाव
प्रतीक शर्मा	एमटेक/ईई/2021	हैदराबाद
राजेश कुमार पंडित	एमटेक/ईई/2021	कल्याण
अक्षय कुमार सोनी	एमटेक/एमएसई/2021	गुवाहाटी
वैभवकुमार टंडेल	एमटेक/एमई/2021	कानपुर
भौमिक पाटीदार	एमटेक/सीएल/2021	बैंगलोर
बनवारी कुमार मंडल	एमएससी/सीएच/2021	गांधीनगर
मनजीत सिंह	एमएससी/सीएच/2021	गाइन्सविले
मोहित कुमार	एमएससी/सीएच/2021	गांधीनगर
वर्षा कुमारी	एमएससी/सीएच/2021	गांधीनगर
निकिता शर्मा	एमएससी/पीएच/2021	गांधीनगर
संजय साहा	एमएससी/पीएच/2021	गांधीनगर
शुभम रस्तोगी	एमएससी/पीएच/2021	पुणे
सिद्धार्थ कश्यप	एमएससी/पीएच/2021	गांधीनगर

नाम	श्रेणी	शहर
मो नईम सिद्दीकी	एमटेक/सीई/2022	मुंबई
खुशी जैन	एमएससी/सीजी/2022	दिल्ली
पंकज शर्मा	एमएससी/पीएच/2022	भरतपुर
पिंटू प्रजापत	एमएससी/पीएच/2022	लछमनगढ़
सुभोजीत घोष	विद्यार्थी	गांधीनगर
आयुष्मान त्रिपाठी	बीटेक/ईई/2018	अहमदाबाद
मिहिर मिलिंद भालेराव	बीटेक/एमई/2016	पुणे
कोमल बजाज	एमएससी/सीएच/2018	दिल्ली
पटेल अजकुमार दहयालाल	बीटेक/ईई/2021	बैंगलोर
वैष्णवी कोकड़वार	बीटेक/एमई/2022	पुणे
प्रीतम नंदा	एमएससी/पीएच/2016	कोलकाता
शिखर राजपूत	बीटेक/एमई/2019	भोपाल
अंजली कुमारी	बीटेक/एमएसई/2020	बैंगलोर
श्रीराम श्रीहर्ष	बीटेक/एमएसई/2020	महबूबनगर
सचिन गिरी	एमएससी/सीएच/2018	डलास
उज्जवल गौतम	बीटेक/एमएसई/2021	बैंगलोर
हिमांशी देवांगन	एमटेक/सीई/2021	बिलासपुर
रजत सुनील ज़ोपे	एमटेक/सीएल/2020	पुणे
गजेंद्र राजपूत	एमटेक/ईई/2021	मुंबई
नवीन पुरी	एमटेक/ईई/2021	नैनीताल
शिवानी सिंघल	एमटेक/ईई/2021	सरन
सौरभ सोनी	एमटेक/एमएसई/2020	मुंबई
खुशबू सहरावत	एमए/एचएसएस/2021	गांधीनगर
सारंग पाटिल	बीटेक/सीई/2021	बुरहानपुर
मानव राज	बीटेक/ईई/2017	पुणे
जह्नु भारद्वाज	पीएचडी / एचएसएस / 2020	बारपेटा
संजीव कुमार	एमटेक/एमई/2020	गांधीनगर
नीरव भट्ट	कर्मचारी	गांधीनगर
निराल पंकज पारिख	बीटेक/ईई/2013	बैंगलोर
जिग्नेश जोशी	एमटेक/सीएल/2013	वलसाड
रजत सिंह जेरिया	बीटेक/ईई/2016	सुंदरगढ़
पल्लवी चिल्का	पीएचडी/बीई/2020	गांधीनगर
क्षितिज सिंह	बीटेक/ईई/2017	दिल्ली
अमर मांध्यान	एमटेक/सीई/2015	वडोदरा
चत्ते अमृता भरत	एमटेक/सीएल/2016	पुणे
जेड अनीता ज्ञानबा	एमटेक/सीएल/2016	वारंगल
स्वस्ति मेधा	एमटेक/सीएल/2016	दिल्ली
रविकांत प्रसाद	पीएचडी/ईएच/2021	रांची
विकाश पटेल	एमएससी/एमए/2017	गोंदिया
देशपांडे शुभम गोपाल	बीटेक/एमई/2021	अहमदाबाद
कुमार सौरव	एमटेक/ईई/2018	मुंबई
आयुष्मान बहुगुणा	बीटेक/सीएल/2021	इंदौर
रवि राठौड़	बीटेक/ईई/2021	अहमदाबाद
शांतनु जन	बीटेक/सीएल/2021	बैंगलोर
शुभी माहेश्वरी	बीटेक/सीएल/2021	उदयपुर
सचिनकुमार बाबूभाई सुथार	एमटेक/ईई/2019	गांधीनगर
पूषन पटेल	बीटेक/एमई/2022	पुणे
चंदन कुमार	एमटेक/सीएसई/2020	मुंबई
सियाराम मीना	एमएससी/पीएच/2020	दिल्ली

नाम	श्रेणी	शहर
पीयूष कुमार	पीजीडीआईआईटी/ ईई/2020	दिल्ली
आलोक कुमार	एमएससी/सीएच/2021	ओटारी-मुरा
तरुण बंसल	एमएससी/सीएच/2022	गुडगाँव
श्रेया नायडू	कर्मचारी	गांधीनगर
निशांत जोशी	बीटेक/ईई/2012	मुंबई
निगिल जॉर्ज	बीटेक/ईई/2012	मेपल की लकड़ी
अजिंक्य मुकुंद कुलकर्णी	बीटेक/एमई/2012	बैंगलोर
नीरव गढ़वी	बीटेक/सीएल/2013	मुंबई
शुभम रांका	बीटेक/ईई/2013	नोएडा
बी अभिषेक शर्मा	बीटेक/एमई/2013	बैंगलोर
प्रशांत भटेवाड़ा	बीटेक/एमई/2014	मन्दसौर
कैलाश चंद मीणा	बीटेक/ईई/2014	जयपुर
राकेश पारगी	बीटेक/एमई/2014	दिल्ली
आलोक गंगोपाध्याय	बीटेक/ईई/2015	गांधीनगर
अभिषेक सिंह	बीटेक/ईई/2015	बैंगलोर
हर्ष गुप्ता	बीटेक/एमई/2015	बैंगलोर
बनोठ सिर्या किरण	बीटेक/सीएल/2018	दिल्ली
पावनी दिगंत पंड्या	एमटेक/सीई/2014	बोईसर
मुरली कृष्ण एंडुरी	पीएचडी/सीएस/2018	गुंटूर
आलोक सिंह	बीटेक/ईई/2016	नोएडा
मुजम्मिल रावत	बीटेक/एमई/2016	मुंबई
नमन बंसल	बीटेक/ईई/2016	ऑबर्न
प्रशांत शेखर	बीटेक/सीएल/2016	झांसी
राज शेखर	बीटेक/ईई/2016	सूरत
विवेक मैदा	बीटेक/सीएल/2016	दिल्ली
यश प्रताप सिंह	बीटेक/एमई/2016	दिल्ली
बाविस्कर पुष्पक कैलास	बीटेक/सीई/2019	मुंबई
गुगुलोथ श्रीनिवास	बीटेक/एमई/2017	महबुबाबाद
हेमंत कुमार	बीटेक/सीई/2017	दिल्ली
लाख चंद	बीटेक/सीएल/2017	वारंगल
द्वारा किया	बीटेक/सीई/2017	बैंगलोर
पाठक कपिल जयेश	बीटेक/ईई/2017	बैंगलोर
पोमराज प्रजापत	बीटेक/सीई/2017	बरौनी
पुनीत कुमार	बीटेक/सीई/2017	रुड़की
राजेन्द्र सिंह	बीटेक/ईई/2017	दिल्ली
साईं किरण बोज्जा	बीटेक/सीई/2019	विजाग
सोनम	पीएचडी/ईएच/2019	गांधीनगर
अनुजी के वी	पीएचडी/सीएच/2018	मुंबई
ख्याति रेल्हान	एमएससी/सीएच/2015	अहमदाबाद
हमजा मोहम्मद जुबैर	एमएससी/सीजी/2015	बैंगलोर
अभिनय राणा	बीटेक/सीएल/2018	दिल्ली
अंतिमा मीना	बीटेक/एमएसई/2020	गांधीनगर
अरविंद रोशन.एस	बीटेक/ईई/2018	मुंबई
हिमांशु पाल	बीटेक/ईई/2018	दिल्ली
लक्ष्मीनारायण मीणा	बीटेक/सीएल/2019	दिल्ली
मयूर माधव विशे	बीटेक/ईई/2018	बैंगलोर
सिसारा प्रतीककुमार धीरूभाई	बीटेक/एमएसई/2019	सूरत
साईं गणेश वीरवल्ली	बीटेक/सीई/2018	एनस्किडे
विशाल कुमार सिन्हा	बीटेक/सीई/2019	रांची

नाम	श्रेणी	शहर
एकता शर्मा	एमटेक/सीएल/2016	मुंबई
श्रेया बंक	एमटेक/सीएल/2016	बैंगलोर
नंदिता जे.एस	एमटेक/सीई/2016	गांधीनगर
निकिता रांकावत	एमटेक/सीई/2016	जोधपुर
भूमिका सोनाने	एमटेक/ईई/2016	दिल्ली
रचिता अग्रवाल	एमटेक/ईई/2016	दिल्ली
राहुल साधवानी	एमटेक/ईई/2016	भारत
बिधान साहू	एमटेक/सीई/2016	गांधीनगर
धर्मेंद्र कुमार	पीएचडी/एमए/2020	बैंगलोर
अमित पहल	एमएससी/सीएच/2016	दिल्ली
अनुपम स्वर्णकार	बीटेक/एमई/2021	चेन्नई
अविनाश जॉय बारा	बीटेक/सीएल/2021	अहमदाबाद
बनेली नरेश	बीटेक/सीई/2019	भैंसा
कुणाल सिंहमार	बीटेक/सीएल/2019	बैंगलोर
प्रियंग प्रियदर्शी	बीटेक/एमएसई/2019	अहमदाबाद
रवि श्रीमल	बीटेक/ईई/2019	दिल्ली
ऋषभ भट्टाचार्य	बीटेक/एमई/2019	ला जोला
शाह हर्षिल कल्पेशकुमार	बीटेक/ईई/2019	अहमदाबाद
सुरेश कुमार	बीटेक/सीएल/2019	चुरू
राजदीप घोष	एमटेक/सीई/2018	कोलकाता
राकेश बेहरा	एमटेक/एमएसई/2017	गांधीनगर
नीलम सुराना	पीएचडी/ईई/2021	बैंगलोर
नेहा मानव	पीएचडी/सीएच/2021	दिल्ली
अनुभा अग्रवाल	एमटेक/सीएल/2017	दिल्ली
संध्या सिंह	एमएससी/सीजी/2017	बैंगलोर
प्रियंका राणा	एमएससी/एमए/2017	दिल्ली
चारु गुप्ता	एमएससी/एमए/2017	दिल्ली
बबीता	एमएससी/एमए/2017	नोएडा
अक्षय मित्तल	बीटेक/सीई/2020	चेन्नई
धर्मेंद्र सबलानिया	बीटेक/एमएसई/2020	गांधीनगर
गजपुरे क्षितिज देवानंद	बीटेक/सीएसई/2021	गोंदिया
हंसराज बिजारणिया	बीटेक/सीई/2020	अजमेर
जितेश मित्तल	बीटेक/सीई/2020	कोलकाता
कौशल छिंपा	बीटेक/सीई/2020	चुरू
किशन खिची	बीटेक/सीई/2020	राजसमंद
मयंक कुमार	बीटेक/सीई/2020	अजमेर
मोहित गढ़वाल	बीटेक/सीई/2020	जोधपुर
मुकेश कुमार	बीटेक/सीई/2020	पटना
पटेल मिलनभाई	बीटेक/सीएल/2020	नवसारी
पत्थलवथ प्रशांत	बीटेक/सीएसई/2020	नलगोंडा
प्रतीक कयाल	बीटेक/सीएसई/2020	गुवाहाटी
राहुल छल्ला	बीटेक/सीएसई/2020	कोलकाता
ऋतिक जैन	बीटेक/सीएल/2020	बैंगलोर
रोहित शर्मा	बीटेक/सीएसई/2020	सोनभद्र
स्मित वोरा	बीटेक/सीएसई/2020	मुंबई
वर्षा सिंह वर्षा सिंह	बीटेक/सीएल/2020	बैंगलोर
यश मकवाना यश मकवाना	बीटेक/सीएल/2020	उदयपुर
शुभम गोंड शुभम गोंड	बीटेक/एमएसई/2020	गांधीनगर
ब्रजेश सिंह	एमटेक/एमएसई/2019	गांधीनगर
चक्का यशवंत साईं किरण	एमटेक/ईई/2018	अहमदाबाद

नाम	श्रेणी	शहर
गौतम कुमार	पीजीडीआईआईटी/ एमएसई/2017	पटना
नेविल कुमार पांचाल	एमटेक/एमई/2018	अहमदाबाद
प्रियांक मेहता	एमटेक/एमई/2018	डूंगरपुर
प्रियंका रावत	एमटेक/एमएसई/2018	मुंबई
रोहित डावर	एमटेक/ईई/2018	अहमदाबाद
रूपेश बरोनिया	पीजीडीआईआईटी/ एमएसई/2017	भोपाल
सारंग कुलकर्णी	एमटेक/एमएसई/2018	पुणे
सितेश कुमार	एमटेक/बीई/2018	बेगूसराय
एबी कयूम मीर	पीएचडी/सीएच/2021	बारामूला
अर्चित अग्रवाल	एमएससी/एमए/2018	इंदौर
अरविंद कुमार नाथ	एमएससी/एमए/2018	कानपुर
दीपक सिंह	एमएससी/एमए/2018	अहमदाबाद
हर्षिता सी	एमएससी/एमए/2018	तिरुपति
प्रियंका शूरा	एमएससी/एमए/2018	चंदवा
सचिन कुमार	एमएससी/पीएच/2019	दिल्ली
सजल कुमार	एमएससी/एमए/2018	जालौन
समतेन भूटिया	एमएससी/पीएच/2018	गंगटोक
शानू कुमार गंगवार	एमएससी/पीएच/2018	बरेली
शिवम अवस्थी	एमएससी/पीएच/2018	वाराणसी
शुभम गर्ग	एमएससी/पीएच/2018	दिल्ली
सियाराम गुर्जर	एमएससी/एमए/2018	दिल्ली
विनोद कुमार	एमएससी/एमए/2018	बैंगलोर
पीयूष वर्मा	एमए/एचएसएस/2019	वडोदरा
अभीष्ट तिवारी	बीटेक/सीएसई/2021	इंदौर
अक्षय नाम्बियार	बीटेक/सीई/2021	दिल्ली
अनिल बेरवाल	बीटेक/सीई/2021	जयपुर
ध्यानेश बस्करन	बीटेक/एमएसई/2021	शैम्पेन
दीपक मीणा	बीटेक/सीई/2021	सवाई माधोपुर
मनराज मीणा	बीटेक/सीएल/2022	सवाई माधोपुर
मोहम्मद शमीर टी एम	बीटेक/एमई/2022	बैंगलोर
मृणाल आनंद	बीटेक/सीएसई/2021	बैंगलोर
पटेल उर्विशकुमार जयरामभाई	बीटेक/ईई/2021	अंकलेश्वर
प्रांजल सिंह	बीटेक/सीई/2021	आगरा
राजकुमार सैन	बीटेक/सीएल/2021	जयपुर
सम्यक जैन	बीटेक/सीएल/2021	बैंगलोर
बालाजी सुक्कल	बीटेक/एमई/2021	चेन्नई
सुरभि ए तोरणे	बीटेक/एमएसई/2021	वडोदरा
तनमय गुप्ता	बीटेक/ईई/2021	बैंगलोर
साई चंद्र उत्तरापल्ली	बीटेक/ईई/2021	बैंगलोर
विशेष राय	बीटेक/सीई/2021	गांधीनगर
यन्नवर प्रणव समीर	बीटेक/एमई/2021	मुंबई
चंदन कुमार साहू	एमटेक/एमएसई/2019	पुरी
जतिन ऐरन	एमटेक/सीई/2019	मुंबई
प्रज्ञा मिश्रा	एमटेक/एमई/2019	पुणे
प्रतीक प्रजापति	एमटेक/एमई/2019	गांधीनगर
राहुल उपाध्याय	एमटेक/सीई/2019	गांधीनगर
सचिन कुमार	पीजीडीआईआईटी/ ईई/2019	बैंगलोर
शैलेश गर्ग	एमटेक/सीई/2019	करौली

नाम	श्रेणी	शहर
शशिकांत वर्मा	एमटेक/ईई/2019	बाराबंकी
सुरभि खेवले	एमटेक/सीएल/2019	गांधीनगर
आशु गुप्ता	एमटेक/एमई/2019	दिल्ली
धृतिमान डे	एमटेक/एमएसई/2019	गुवाहाटी
त्रिस्रोता देब	एमटेक/ईई/2019	जिरानिया
आशीष शुक्ला	एमएससी/एमए/2019	मुंबई
आयुष अग्रवाल	एमएससी/एमए/2019	बैंगलोर
गौतम एम	एमएससी/पीएच/2019	मुंबई
कमल कांत चंद्रा	एमएससी/पीएच/2019	गाज़ियाबाद
सज्जन	एमएससी/पीएच/2019	दिल्ली
तान्या हंस	एमएससी/सीएच/2019	दिल्ली
पंकज तिवारी	एमए/एचएसएस/2019	बलरामपुर
ऐशना अग्रवाल	बीटेक/सीएसई/2022	इंदौर
अर्पित पटेल	बीटेक/सीएसई/2022	गुडगाँव
साईं गौरी झांसी बोड्डु	बीटेक/सीई/2022	विजाग
ध्रुवी लोधविया	बीटेक/ईई/2022	मुंबई
हार्दिक खीची	बीटेक/सीई/2022	जोधपुर
जान्हवी प्रेमी	बीटेक/एमएसई/2022	कोटा
यश गौतम कांबले	बीटेक/ईई/2022	मुंबई
सृजन पंड्या	बीटेक/एमई/2022	वडोदरा
रितु वर्मा	बीटेक/एमई/2022	दौसा
यथार्थ वकील	बीटेक/एमई/2022	अहमदाबाद
प्रथमेश विभूते	बीटेक/एमई/2022	मुंबई
आलोक कुमार ठाकुर	एमटेक/ईएसएस/2020	गांधीनगर
आशीष कुमार	एमटेक/ईई/2020	चेन्नई
आशीष तिवारी	एमटेक/ईई/2020	गांधीनगर
अविसिना चरितेज रेड्डी	एमटेक/सीई/2020	बैंगलोर
देवकी वर्मा	एमटेक/एमई/2020	पुणे
इंद्र मणि त्रिपाठी	एमटेक/ईएसएस/2020	गांधीनगर
करण कुमार	एमटेक/सीएसई/2020	अहमदाबाद
नेहा भदानी	एमटेक/ईई/2020	मुंबई
उत्सवकुमार जितेंद्रभाई मिस्त्री	एमटेक/एमई/2021	भारत
विवेक श्रीवास्तव	एमटेक/सीएसई/2020	पुणे
गौरव अनिल कुमार यादव	एमटेक/एमएसई/2020	रुड़की
अहतेशामुल हक	एमटेक/सीएल/2020	बैंगलोर
विप्लब नाथ	एमटेक/ईई/2020	अलीगढ़
रूपशा मुखर्जी	एमटेक/बीई/2020	सूरत
श्रीवास्तव निष्कर्ष रामेश्वरनाथ	एमटेक/एमएसई/2020	गांधीनगर
आशिमा कौशल	एमएससी/एमए/2020	दिल्ली
अपर्णा राठी	एमएससी/पीएच/2020	गांधीनगर
इहसान के	एमएससी/सीजी/2020	गांधीनगर
भाविन रसिकभाई जोशी	एमएससी/एमए/2020	राजकोट
नीतीश गोयल	एमएससी/पीएच/2020	समाना
निधि	एमएससी/पीएच/2020	लखनऊ
स्नेहा कुमारी	एमएससी/एमए/2020	पटना
स्नेहा यादव	एमएससी/पीएच/2020	रेवाड़ी
तरुण कौशिक	एमएससी/सीएच/2020	भिवानी
योगेश कुमार गुप्ता	एमएससी/एमए/2020	जयपुर
देविका मेनन	एमए/एचएसएस/2020	दिल्ली
अक्षिता पटेल	एमटेक/बीई/2021	रामपुरघाट

नाम	श्रेणी	शहर
अरविंद गुप्ता	एमटेक/सीएल/2021	अहमदाबाद
मयंक श्रीवास्तव	एमटेक/सीएल/2021	गांधीनगर
आकाश काले	एमटेक/सीई/2021	मुंबई
प्रज्वल कुमार	एमटेक/सीएसई/2021	जामनगर
सम्राट पाटनी	एमटेक/ईएसएस/2021	थाइन
हेनिल शाह	एमटेक/ईई/2021	मुंबई
राजलक्ष्मी पांडेय	एमटेक/ईई/2021	गोपालगंज
सजल कुमार जैन	एमटेक/ईई/2021	पुणे
सुमित शाह	एमटेक/ईई/2021	दिल्ली
तुषार अग्रवाल	एमटेक/ईई/2021	लखनऊ
अंकिता शाही	एमटेक/एमएसई/2021	काशीपुर
ओंकार जाधव	एमटेक/एमई/2021	भोपाल
शुभम वर्मा	एमटेक/एमई/2021	देहरादून
निरालीबेन पटेल	एमटेक/सीएल/2021	गांधीनगर
दृष्टि शाह	एमटेक/सीई/2021	अलीगढ़
जरनैन फैयाज	एमटेक/सीई/2021	बिलासपुर
प्रियंका शर्मा	एमटेक/ईई/2021	बैंगलोर
ओंकार परांजपे	एमटेक/एमई/2021	बैंगलोर
डेडनिया हिरेनकुमार जितेंद्रभाई	एमएससी/सीएच/2021	गांधीनगर
सौम्या	एमएससी/सीएच/2021	गांधीनगर
सुधीर कुमार	एमएससी/सीएच/2021	दिल्ली
कृतिका मुजमेर	एमएससी/सीजी/2021	ब्रिस्टल
थारन सुरेश	एमएससी/सीजी/2021	चेन्नई
विक्रम सिंह नेगी	एमएससी/सीजी/2021	गांधीनगर
अभिजीत दुग्गनी	एमएससी/एमए/2021	चंडीगढ़
अक्षय कुमार	एमएससी/एमए/2021	गांधीनगर
भुनेश नगर	एमएससी/एमए/2021	गांधीनगर
गौतम बर्मन	एमएससी/एमए/2021	गांधीनगर
हरि सिंह धायल	एमएससी/एमए/2021	गांधीनगर
मयंक नगर	एमएससी/एमए/2021	गांधीनगर
मोहम्मद नावेद	एमएससी/एमए/2021	गांधीनगर
गगन भट्ट	एमएससी/पीएच/2021	गांधीनगर
कौशल मीना	एमएससी/पीएच/2021	गांधीनगर
नीलाभ चटर्जी	एमएससी/पीएच/2021	गांधीनगर
प्रियांशु शर्मा	एमएससी/पीएच/2021	गांधीनगर
रश्मि मेहता	एमएससी/पीएच/2021	गांधीनगर
शुभम मलिक	एमएससी/पीएच/2021	पुणे
विनोद कुमार	एमएससी/पीएच/2021	गांधीनगर
आर्द्रा श्रीकुमार	एमए/एचएसएस/2022	तिरुवनंतपुरम
राशिद के	एमए/एचएसएस/2021	गांधीनगर
श्रुति मेहता	एमए/एचएसएस/2021	साहिबजादा नगर
प्रत्यय भारद्वाज	एमटेक/सीएल/2022	सोलापुर
अमय गुप्ता	एमटेक/सीई/2022	कठुआ
अपूर्वा शर्मा	एमएससी/सीजी/2022	पुणे
तनीषा आर्य	एमएससी/सीजी/2022	पुणे
वरदा	एमएससी/सीजी/2022	गांधीनगर
अमित ठाकरान	एमएससी/सीएच/2022	झुंझुनू
अनीता यादव	एमएससी/एमए/2022	जयपुर
चारू गर्ग	एमएससी/एमए/2022	दिल्ली
दीपेंद्र द्विवेदी	एमएससी/एमए/2022	गुडगाँव

नाम	श्रेणी	शहर
सुमन कुमार	एमएससी/एमए/2022	गांधीनगर
यश राठौर	एमएससी/एमए/2022	डाल्टनगंज
लोकेश सिंह	एमएससी/पीएच/2022	रेवाड़ी
संगीता यादव	एमएससी/पीएच/2022	दिल्ली
श्रीनिधि पवार	एमएससी/पीएच/2022	बैंगलोर
नसीफ सोम पी	एमए/एचएसएस/2022	कुझिमन्ना
तुलसा पुजारी	एमएससी/एमए/2021	गांधीनगर
अरुणव चौधरी	एमटेक/एमई/2020	मुंबई
जायद अहमद	एमएससी/पीएच/2020	पूंछ
सायंतनी सरस्वती	एमए/एचएसएस/2020	जोधपुर
गौरव कुमार	एमएससी/पीएच/2018	अलीगढ़
रेयान गाट	बीटेक/सीएसई/2020	पटियाला
शिवानी ह्यूवर	एमएससी/एमए/2018	बागीदोरा
चैतन्य आनंद चालक	एमए/एचएसएस/2021	चेन्नई
अमिता बेदार	एमटेक/सीएल/2014	मुंबई
सूरज कुमार मीणा	बीटेक/ईई/2020	गांधीनगर
आयुष कुमार गुप्ता	बीटेक/एमई/2021	लखनऊ
वाला वेदांगराज	बीटेक/एमई/2021	गांधीनगर
अदिति अग्रवाल	एमटेक/सीई/2022	इंदौर
सुशील कुमार	बीटेक/सीएल/2016	मुंबई
मुर्तुजा हडियानावाला	पीएचडी/सीएच/2017	बैंगलोर
जितेंद्र कुलदीप	बीटेक/ईई/2017	बैंगलोर
शाह जुगल सौरिन	बीटेक/एमई/2017	दिल्ली
रामेंद्र साहू	पीएचडी/ईएच/2020	हैदराबाद
शिवम धामा	एमएससी/एमए/2015	गांधीनगर
कोड़ा दिनेश कुमार	बीटेक/ईई/2019	विजाग
सावडियावाला चिराग योगेशकुमार	एमटेक/एमई/2016	इलाहाबाद
कार्तिकेयन पलानीसामी	एमएससी/सीजी/2016	तिरुपुर
किशोर कुमार जगिनी	एमएससी/सीजी/2016	गांधीनगर
अनिल कुमार	बीटेक/सीई/2019	दिल्ली
अंकुर यादव	बीटेक/सीएल/2019	खरगोन
अनुराग ढेबाना	बीटेक/सीई/2019	झुंझुनू
माया कुमारी	बीटेक/सीई/2019	जयपुर
प्रियंका टेनन	बीटेक/सीएल/2019	मुंबई
पुरुषोत्तम कुंदर	बीटेक/सीई/2019	दौसा
तुक्कानी संदीप रेड्डी	बीटेक/एमई/2019	गुवाहाटी
भारतेश रायप्पा शिरागुप्पी	एमएससी/सीजी/2017	बैंगलोर
मोहम्मद हसन	एमएससी/सीएच/2017	बैंगलोर
राज कुमार दादरावल	एमएससी/एमए/2017	जयपुर
राहुल	एमएससी/एमए/2018	दिल्ली
अनुभव मीना	बीटेक/सीई/2020	टोडाभीम
बुक्या विनय	बीटेक/एमएसई/2020	हैदराबाद
गोदिना गंगा ऋषिकेश	बीटेक/एमएसई/2022	दिल्ली
कठरोठ पवन कल्याण	बीटेक/एमई/2020	गांधीनगर
पीयूष चंद्र	बीटेक/सीई/2020	दिल्ली
रामप्रताप कुमार	बीटेक/एमएसई/2021	हावड़ा
हिमांशु राय हिमांशु राय	बीटेक/ईई/2021	वाराणसी
कुसुम पंवार	एमटेक/सीएल/2018	अहमदाबाद
नेहा खैरकर	एमटेक/सीई/2019	चंद्रपुर
रजत गुप्ता	एमटेक/सीई/2018	सूरत
अभिजीत जाना	एमएससी/पीएच/2018	अलोटौ

नाम	श्रेणी	शहर
अक्षय कुमार मेहता	एमएससी/एमए/2018	इलाहाबाद
मोनु	एमएससी/एमए/2018	गुडगाँव
पारुल पुनिया	एमएससी/एमए/2018	दिल्ली
प्रशांत चौहान	एमएससी/पीएच/2018	जोधपुर
सुदीप पंडित	एमएससी/एमए/2018	गांधीनगर
कौशिक कुमार भैया	बीटेक/एमएसई/2021	जोधपुर
सत्ती कार्तिक नाइक	बीटेक/सीएल/2021	काकीनाडा
सौरभ खटीक	बीटेक/एमई/2022	भीलवाड़ा
आकाश उन्नीकृष्णन	एमटेक/एमई/2019	गांधीनगर
आयुष नेमा	एमटेक/सीएल/2020	चेन्नई
मनीष कुमार लेंका	एमटेक/सीएल/2019	दिल्ली
प्रसन्ना कुलकर्णी	एमटेक/एमई/2019	गांधीनगर
अरविंद कुमार	एमएससी/पीएच/2019	जीबी नगर
दीपक कुमार	एमएससी/एमए/2019	हिसार
दिघबिजय समद्दर	एमएससी/सीजी/2019	दिल्ली
ग्रीष्म मोहन	एमएससी/सीजी/2020	बैंगलोर
सलोनी गुप्ता	एमएससी/एमए/2019	दौसा
शुभम कुमार	एमएससी/एमए/2020	मेरठ
सुखवंत सिंह	एमएससी/एमए/2019	गंगानगर
जानकी आर नायर	एमए/एचएसएस/2019	बोस्टान
तन्वी जैन	एमए/एचएसएस/2019	दिल्ली
शार्दुल कुलकर्णी	बीटेक/एमई/2022	बैंगलोर
हेमंत कृष्णन आर	एमटेक/एमई/2020	बैंगलोर
प्रिया तिवारी	एमटेक/एमएसई/2020	गांधीनगर
सम्यव्रत चटर्जी	एमटेक/सीएल/2020	खड़गपुर
मो नसर आलम	एमटेक/सीएल/2020	धमतरी
स्वागत दास	एमटेक/एमएसई/2020	खड़गपुर
अभिनव गौतम	एमएससी/सीएच/2020	कानपुर
प्रशांत कुमार	एमएससी/पीएच/2020	दिल्ली
विनीत कुमार	एमएससी/एमए/2020	जयपुर
डिंपल खट्टर	एमए/एचएसएस/2020	कोच्चि
श्रुति एस नायर	एमए/एचएसएस/2020	अहमदाबाद
उत्पल पोडर	एमटेक/सीएसई/2021	कानपुर
जेनिल वागड़िया	एमटेक/सीएसई/2021	शुभचिंतक
हिमांशु	एमटेक/ईएसएस/2021	गोलाघाट
भदाने प्रथमेश किरण मनीषा	एमटेक/एमएसई/2021	कर्मचारी
परितोष कावरा	एमटेक/एमई/2021	कर्मचारी
सोमनाथ पॉल	एमटेक/सीई/2021	शुभचिंतक
बुकुंमी एडुवुमी	एमएससी/सीजी/2021	शुभचिंतक
नशरा अहमद	एमएससी/सीजी/2021	शुभचिंतक
अंजू सिंह	एमएससी/एमए/2021	शुभचिंतक
भास्कर वर्मा	एमएससी/एमए/2021	गांधीनगर
चांदनी ठक्कर	एमएससी/एमए/2021	शुभचिंतक
गजेंद्र सैनी	एमएससी/पीएच/2021	गांधीनगर
श्रद्धा मोहनानी	एमएससी/पीएच/2021	गांधीनगर
रेना ज़हरा	एमए/एचएसएस/2021	कोझिकोड
स्नेहा सत्यन	एमए/एचएसएस/2021	शुभचिंतक
दीपेश सिंह चुफल	एमटेक/सीई/2022	शुभचिंतक
सोलंकी हिरेन राजेशभाई	एमटेक/ईएसएस/2022	शुभचिंतक
आकांक्षा डेका	एमटेक/एमई/2022	शुभचिंतक
दिव्या कुण्डानी	एमएससी/सीजी/2022	शुभचिंतक

नाम	श्रेणी	शहर
गौतम पात्रा	एमएससी/सीएच/2022	मुंबई
आरती विश्वकर्मा	एमएससी/सीएच/2022	दमन
दसारी संजुक्ता	एमएससी/एमए/2022	शुभचिंतक
विजय कुमार रेगर	एमएससी/एमए/2022	फुसरो
अमित कुमार	एमएससी/पीएच/2022	शुभचिंतक
पंकज कुमार कुमावत	एमएससी/पीएच/2022	शुभचिंतक
रितिका पाहवा	एमएससी/पीएच/2022	जयरामपुरा
खुशबू कुमारी	एमए/एचएसएस/2022	शुभचिंतक
रेम्या पी के	एमए/एचएसएस/2022	शुभचिंतक
अम्मे शिरीशा	एमए/एचएसएस/2022	दिल्ली
पवन मीणा	बीएससी/सीई/2022	करौली
जीवा एस.एम	एमएससी/सीजी/2022	जयपुर
अनु कुमारी	एमएससी/सीएच/2022	पलासबारी
रवि पटेल	पीजीडीआईआईटी/ एमई/2016	शुभचिंतक
चैत्र बोरकर	एमटेक/सीएल/2021	दिल्ली
फसना के	एमए/एचएसएस/2021	अहमदाबाद
सचिन शुक्ला	एमएससी/पीएच/2022	अहमदाबाद
प्रवीण पाण्डेय	बीटेक/सीई/2020	भोपाल
योगेश मीणा	बीटेक/एमई/2020	जयपुर
सिम्पी वर्मा	एमएससी/सीएच/2019	मिर्जापुर
आयुष सिंह	बीटेक/सीई/2020	रुड़की
वैशाली यादव	एमएससी/पीएच/2018	लखनऊ
क्षमा सेहरा	एमएससी/एमए/2020	करौली
पूर्ण कुकड़िया	एमटेक/ईई/2021	वाराणसी
मिल्टन बिस्वास	एमएससी/एमए/2021	गांधीनगर
तारिशा गुप्ता	एमएससी/सीएच/2022	गांधीनगर
नीतीश कुमार	एमटेक/एमएसई/2018	दिल्ली
रोहित सारस्वत	एमटेक/सीएल/2018	आगरा
वेगड उर्मिन	एमटेक/सीई/2021	शुभचिंतक
रवि अग्रवाल	बीटेक/एमई/2013	सिंगापुर
विनीत संजय जोशी	बीटेक/ईई/2015	मुंबई
मनजोत सिंह	बीटेक/सीएल/2016	अर्बाना
डेव सोविल	बीटेक/एमई/2018	गांधीनगर
पटेल पिनांक किशोरभाई	बीटेक/एमई/2018	शुभचिंतक
गौरव सिंह	बीटेक/ईई/2020	अहमदाबाद
तुषार पारीक	बीटेक/एमई/2019	शुभचिंतक
विद्या बासुमतारी	बीटेक/एमएसई/2020	गांधीनगर
शिवांग पारीक	बीटेक/एमई/2021	सूरत
मीना के	एमटेक/बीई/2019	भारत
समरधी	एमएससी/पीएच/2019	महेंद्रगढ़
पार्थ प्रकाश डागा	बीटेक/सीएल/2022	अहमदाबाद
परमेंदर कुमार	बीटेक/ईई/2022	हनुमानगढ़
प्रणकुश अग्रवाल	बीटेक/ईई/2022	अटलांटा
साक्षी काबरा	बीटेक/सीएल/2022	वडोदरा
उत्कर्ष नंदा	बीटेक/सीई/2022	रांची
वागीशा सिंह	बीटेक/ईई/2022	जीबी नगर
रूप चौधरी	एमटेक/सीएसई/2020	विद्यार्थी
राहुल नौतनभाई खत्री	एमटेक/सीई/2020	बड़ौदा
बी सिंह	एमएससी/पीएच/2020	बैंगलोर

नाम	श्रेणी	शहर
सरोज यादव	एमएससी/पीएच/2020	मुंबई
ऋत्विक नारायणन	एमएससी/सीजी/2022	पुणे
नेहा चौधरी	एमएससी/पीएच/2021	गांधीनगर
दिव्यांश चतुर्वेदी	एमएससी/सीएच/2022	दिल्ली
रूपुल चंदना	एमएससी/पीएच/2022	दिल्ली
शिव शर्मा	एमएससी/एमए/2021	गांधीनगर
श्रेयस सोनवणे	बीटेक/एमई/2021	पुणे
देबत्रॉय दास	एमएससी/पीएच/2020	गांधीनगर
सुदीक्षा श्रीधर	विद्यार्थी	गांधीनगर
मीना के	एमटेक/बीई/2019	गांधीनगर
विनु शंकर सदासिवन	शुभचिंतक	भारत
आदित्य सामंत	बीटेक/सीएल/2015	लंडन
दीपक धारीवाल	बीटेक/एमएसई/2018	ब्लैक्सबर्ग
राजकुमार वर्मा	बीटेक/सीएल/2017	चेन्नई
वरुण अग्रवाल	बीटेक/ईई/2018	डरहम
अमित कुमार सिंह यादव	बीटेक/ईई/2020	बैंगलोर
अमोघ परब	बीटेक/ईई/2014	भारत
अरुल मोझी पद्मनाथन	बीटेक/सीएल/2018	एडमंटन
आर्य आदित्यन	एमए/एचएसएस/2019	तलहस्सी
कुणाल भारद्वाज	एमटेक/सीई/2020	जयपुर
रामचंद्र गवास	एमटेक/सीएल/2018	फ़िलाडेल्फ़िया
योगेश गोयल	बीटेक/सीएल/2012	शिकागो
विद्यानन्द गिरीश वाघ	बीटेक/सीएल/2016	मुंबई
चिन्मय अजनाडकर	बीटेक/ईई/2016	सिएटल
मिहित विलास देव	एमएससी/एमए/2020	क्यूबेक सिटी
ईशान उपाध्याय	बीटेक/ईई/2015	सैन फ्रांसिस्को
निशित शेट्टी	बीटेक/सीएल/2016	सेंट लुई
प्रेरित टेरवे	बीटेक/ईई/2012	प्रिंसटन
पुनीत चक्रवर्ती	बीटेक/एमई/2012	सैंटा बारबरा
राधिका पाटिल	बीटेक/एमई/2016	स्टैनफोर्ड
यश संजय मेहता	बीटेक/ईई/2016	मुंबई
इंदुमती सतीशरण	पीएचडी/बीई/2021	बैंगलोर
राज शाह	बीटेक/ईई/2017	अमेरीका
सुष्मिता यल्ला	बीटेक/सीएल/2015	अमेरीका
वैद्यनाथन पेरुवेम्बा रामास्वामी	बीटेक/एमएसई/2019	वियना
अमन पंवार	बीटेक/ईई/2020	ऑस्टिन
राहुल राजीव	एमएससी/एमए/2019	क्लेमसों
प्रणवकुमार शिवकुमार	बीटेक/सीएल/2019	भारत
अमन कमलेश सिंह	एमए/एचएसएस/2019	एक्यूब्लेन्स
अनिमेष रस्तोगी	बीटेक/ईई/2016	ऑस्टिन
कश्यप पटेल	बीटेक/एमएसई/2018	डलास
नकुल नुवाल	बीटेक/सीएल/2014	शैम्पेन
नंदन वोरा	पीएचडी/बीई/2021	अहमदाबाद
निर्मल नायर	बीटेक/ईई/2015	शैम्पेन
प्रथमेश बडवे	बीटेक/एमई/2016	ब्लैक्सबर्ग

लोग

प्रतिष्ठित मानद प्राध्यापक

प्रो. सुरेंद्र प्रसाद

प्रो सुरेंद्र प्रसाद ने निदेशक के पद सहित कई शैक्षणिक और प्रशासनिक पदों पर चार दशकों से अधिक समय तक भा.प्रौ.सं दिल्ली में सेवरत रहे हैं । उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार में विक्रम साराभाई अनुसंधान पुरस्कार (1987), अभियांत्रिकी विज्ञान के लिए शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार (1988), इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार में अनुसंधान के लिए ओम प्रकाश भसीन पुरस्कार (1994), सूचना प्रौद्योगिकी के लिए वासविक पुरस्कार (2006) प्राप्त किया।), सिस्टम्स सोसाइटी ऑफ इंडिया का लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार (2011), भा.प्रौ.सं खड़गपुर का विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार प्राप्त किया है । उन्हें 2007 में लॉफबोरो विश्वविद्यालय, यूके द्वारा डॉक्टरेट की मानद उपाधि से भी सम्मानित किया गया था। वह इंडियन नेशनल एकेडमी ऑफ अभियांत्रिकी, इंडियन नेशनल साइंस एकेडमी, इंडियन एकेडमी ऑफ साइंसेज और नेशनल एकेडमी ऑफ साइंस के अध्येता रहे हैं। इसके साथ वे सीएसआईआर और सीएसआईआर सोसाइटी, भारत सरकार के शासी निकाय और कई भा.प्रौ.सं, रा.प्रौ.सं और अन्य अभियांत्रिकी संस्थानों के बोर्ड के सदस्य भी रहे हैं ।

प्रो. नीतीश ठाकोर

प्रो. नीतीश ठाकोर जॉन हॉपकिंस विश्वविद्यालय में जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी, संगणक अभियांत्रिकी तथा तंत्रिका विज्ञान के प्राध्यापक हैं और तंत्रिका अभियांत्रिकी के लिए प्रयोगशाला का नेतृत्व करते हैं। वे सिंगापोर तंत्रिका प्रौद्योगिकी संस्थान में निदेशक भी हैं। उन्होंने भा०प्रौ०सं० मुंबई से 1974 में अवर-स्नातक की उपाधि व 1981 में मेडीसन के विस्कॉसिन विश्वविद्यालय से पीएचडी प्राप्त किया है। उन्हें अभियांत्रिकी विद्यालय, विस्कांसिन विश्वविद्यालय द्वारा 2008 में सेंटेनियल पदक, तथा अल्फा एटा मू बीटा जैव विज्ञान समाज द्वारा स्नायु अभियांत्रिकी में तकनीकी उत्कृष्टता का पुरस्कार मिला। उन्होंने आईईईई औषधि एवं जैवप्रौद्योगिकी सोसायटी से न्यूरोअभियांत्रिकी में तकनीकी उत्कृष्टता का पुरस्कार और 2012 में भा०प्रौ०सं० बॉम्बे से प्रतिष्ठित पूर्वछात्र पुरस्कार और विस्कॉसिन विश्वविद्यालय, मैडिसन अभियांत्रिकी विद्यालय से सेंटेनियल पदक प्राप्त किया।

डॉक्टर ए एस किरण कुमार

डॉ ए एस किरण कुमार 2015 से अंतरिक्ष आयोग के अध्यक्ष हैं। इसके अतिरिक्त, वे अंतरिक्ष विभाग के सचिव और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के अध्यक्ष भी हैं। डॉ कुमार ने 1971 में नेशनल कॉलेज, बैंगलोर से भौतिकी (ऑनर्स) की डिग्री, 1973 में बैंगलोर विश्वविद्यालय से एमएससी (इलेक्ट्रॉनिक्स) और 1975 में भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर से विशेष योग्यता के साथ भौतिक अभियांत्रिकी में एमटेक प्राप्त की। उनके योगदान की सराहना में, उन्हें 2014 में भारत के राष्ट्रपति द्वारा पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्होंने 50 से अधिक इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल इमेजिंग सेंसर के डिजाइन और विकास में योगदान दिया है, जो 1979 में भास्कर टीवी पेलोड से लेकर 2013 में मार्स ऑर्बिटर मिशन पेलोड तक अंतरिक्ष-जनित प्लेटफार्मों पर उड़ाए गए हैं।

स्कॉलर-इन-रेजिडेंस

डॉ जीन-फिलिप एंसरमेट

डॉ. जीन-फिलिप अंसरमेट ने स्विट्जरलैंड के इकोले पॉलीटेक्निक फेडेराले डी लॉज़ेन से भौतिक विज्ञान अभियंता के रूप में अपना डिप्लोमा किया और अमेरिका के उरबाना-चैंपियन, उरबाना में इलिनोइस विश्वविद्यालय से पीएचडी की। वह स्विट्जरलैंड के इकोले पॉलीटेक्निक फेडेरेल डी लॉज़ेन में मानद प्राध्यापक हैं। उनके शोध के विषयों में स्पिंट्रोनिक्स और नैनोमैग्नेटिज्म व सॉलिड-स्टेट एनएमआर शामिल हैं।

प्रो नुनो गुइमारेस

प्राध्यापक गुइमारेस आईएससीटीई-आईयूएल में एक पूर्ण प्राध्यापक हैं। उन्होंने 1983 में लिस्बन के तकनीकी विश्वविद्यालय, इंस्टीट्यूटो सुपीरियर टेक्निको, पुर्तगाल से इलेक्ट्रोटेक्निकल अभियांत्रिकी में स्नातक किया, जहां उन्होंने अपना एमएससी (1987) और पीएचडी (1992) भी पूरा किया। उन्होंने जुलाई 1999 में लिस्बन विश्वविद्यालय से एग्रीगैडो एम इंफॉर्मेटिका की उपाधि प्राप्त की। 1986 से 1997 तक, उन्होंने आईएसटी/ यूटीएल के इलेक्ट्रोटेक्निकल व संगणक अभियांत्रिकी विभाग में और 1997 से 2012 तक लिस्बन विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय के सूचना विज्ञान विभाग में पढ़ाया।

प्राध्यापक रघुबीर शरण

प्राध्यापक रघुबीर शरण ने बिहार प्रौद्योगिकी संस्थान, सिंदरी से दूरसंचार अभियांत्रिकी में बीई किया और वाटरलू विश्वविद्यालय, ओंटारियो, कनाडा से इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी में एमएएससी और पीएचडी की। प्रो शरण ने 2004 में एलएनएम इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी जयपुर में एक विशिष्ट प्राध्यापक के रूप में शामिल होने से पहले इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी के अनुशासन में 35 से अधिक वर्षों तक भा.प्रौ.सं कानपुर में कार्य किया है । उनके शोध के विषयों में तकनीकी प्रगति और मानव मूल्य, अर्धचालक उपकरण, ट्रांसड्यूसर और इंस्ट्रूमेंटेशन, ध्वनि, अभियांत्रिकी शिक्षा शामिल हैं।

डॉ मार्कोस सेवरो

डॉ मार्कोस इनासियो सेवेरो डी अल्मेडा ने यूनिवर्सिडेड फेडरल डी विकोसा (यूएफवी) से एमएससी और यूनिवर्सिडेड डी ब्रासीलिया (यूएनबी) से पीएचडी पूरी की। वह मार्केटिंग मैनेजमेंट एंड कंजम्पशन एनालिसिस में एमबीए के समन्वयक और फेडरल विश्वविद्यालय ऑफ गोआस, ब्राजील में एक सहायक (अनुसंधान) प्राध्यापक के रूप में काम कर रहे हैं। उनके शोध का क्षेत्र फर्म स्तर पर (बिक्री/बाजार हिस्सेदारी), सोशल मीडिया स्तर (जुड़ाव) और व्यक्तिगत स्तर पर (उपभोक्ता खर्च/बिक्री प्रति लेनदेन) पर विपणन प्रदर्शन के उपाय हैं।

डॉ सेलसो कैमिलो

डॉ. सेल्सो कैमिलो ने फ़ेडरल विश्वविद्यालय ऑफ़ गोइआस, ब्राज़ील से एमएससी और फ़ेडरल विश्वविद्यालय ऑफ़ उबरलैंडिया, ब्राज़ील से पीएचडी पूरी की। वह गोइआस, ब्राजील के संघीय विश्वविद्यालय में एक सहयोगी प्राध्यापक के रूप में काम कर रहे हैं। उनकी रुचि में मेटाह्यूरिस्टिक्स, विकासवादी संगणना, गहन शिक्षा, स्वचालित कार्यक्रम की मरम्मत, दोष स्थानीयकरण, अनुकूलन समस्या, अनुप्रयुक्त कृत्रिम बुद्धिमत्ता (स्वास्थ्य देखभाल, बिक्री, प्रबंधन और अन्य) क्षेत्र हैं।

अतुल सिंह

अतुल सिंह ने लखनऊ विश्वविद्यालय से बीए, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से एमए और पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के व्हार्टन स्कूल से एमबीए किया। वह फेयर ऑब्जर्वर के संस्थापक, मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रधान संपादक हैं, जो संयुक्त राज्य अमेरिका में एक स्वतंत्र धारा 501(c)(3) गैर-लाभकारी मीडिया संगठन है, जिसका उद्देश्य अपनी पत्रिका और शिक्षण कार्यक्रम दोनों के माध्यम से वैश्विक नागरिकों को सूचित और शिक्षित करना है।

डॉ क्रिस्टोफर रोपर शेल

डॉ क्रिस्टोफर रोपर शेल, जेडी ने दक्षिणी मेथोडिस्ट विश्वविद्यालय, डलास, टेक्सास, यूएसए से बीए और जॉर्ज वाशिंगटन विश्वविद्यालय, यूएसए से ज्यूरिस डॉक्टर अर्जित किया। वह द यूनाइटेड सर्विस इंस्टीट्यूशन ऑफ इंडिया, टेक्सास और वाशिंगटन, डीसी, यूएसए में एक वरिष्ठ शोध साथी के रूप में काम कर रहे हैं और फेयर ऑब्जर्वर एंड फेयर ऑब्जर्वर इंटेलिजेंस, टेक्सास और वाशिंगटन, डीसी, यूएसए में सलाहकार भागीदार/योगदान संपादक हैं। उनके कार्य और आकर्षण के प्रमुख क्षेत्र राजनीति और नीति के संयोजन हैं, जो दर्शकों के आधार पर प्रभावी संचार पर ज़ोर देते हैं।

डॉ अमीनियन कमीर

डॉ कमीर अमीनियन ने ईपीएफएल, स्विटज़रलैंड से एमएस और पीएचडी किया है, उनके शोध में शामिल हैं: सेंसर और इंस्ट्रूमेंटेशन, एम्बुलेटरी मॉनिटरिंग, गैट एनालिसिस, फिजिकल एक्टिविटी मॉनिटरिंग, बैलेंस असेसमेंट, स्पोर्ट एंड रिहैबिलिटेशन, आर्थ्रोप्लास्टी, परिणाम, बुज़ुर्गों में गिरावट का जोखिम, गुणवत्ता जीवन की, पार्किंसंस रोग। वह वर्तमान में बायोअभियांत्रिकी संस्थान में प्राध्यापक हैं और ईपीएफएल में मूवमेंट एनालिसिस एंड मेजरमेंट की प्रयोगशाला के निदेशक हैं। उन्होंने समीक्षित पत्रिकाओं में प्रकाशित 600 से अधिक वैज्ञानिक पत्रों का लेखन या सह-लेखन किया है, और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत किया है और चिकित्सा उपकरणों से संबंधित 12 पेटेंट रखते हैं।

डॉ राघवसिम्हन थिरुनारायणन

डॉ. राघवसिम्हन थिरुनारायणन ने बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस से बीई किया, परास्नातक और ईपीएफएल, लुसाने, स्विट्जरलैंड से पीएचडी की। वह जनवरी 2022 से भा.प्रौ.सं गांधीनगर में एचओएमआई कार्यक्रम के सलाहकार और जनवरी 2017 से 3 डी बी एक्सेस ए जी, स्विट्ज़रलैंड में वरिष्ठ एनालॉग आर एफ अभियंता और सिस्टम विशेषज्ञ हैं। उनके अन्य शोध विषयों में एनालॉग / आरएफ डिज़ाइन, माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक (फ़्रीक्वेंसी सिंथेसिस) शामिल हैं।

प्राध्यापक एरिका हॉफमैन-दिलोवे

प्राध्यापक एरिका हॉफमैन-दिलोवे ने अपनी बीए, ओकलैंड विश्वविद्यालय तथा एमए और पीएचडी विश्वविद्यालय ऑफ मिशिगन, यूएसए से की। उनके शोध रूचियों में उन तरीकों के साथ प्रयोग करने वाली ग्राफिक विधियों की भूमिका शामिल है जिनमें स्केचिंग और ड्राइंग इन साइटों में मेरे नृवंशविज्ञान संबंधी जुड़ाव को बढ़ा सकते हैं। प्रो एरिका का काम सांकेतिक भाषाओं के भाषाई नृविज्ञान पर केंद्रित है, जिसमें संचार अभ्यास के साथ-साथ सामाजिक कारकों की लचीली बहु-मॉडल प्रकृति पर ध्यान दिया गया है।

प्रो ब्रायन ब्रॉफी

प्राध्यापक ब्रायन ब्रोफी ने मोंटाना स्टेट विश्वविद्यालय से बीएस, कैलिफोर्निया स्टेट विश्वविद्यालय, लॉस एंजिल्स से एमए और यू सी रिवरसाइड से एमएफए किया। वह कैलटेक में थिएटर आर्ट्स के निदेशक हैं। वह एमएसीएच 33 के कलात्मक निदेशक के रूप में भी काम करते हैं: उनके शोध रूचियों में शामिल हैं: भारत में सामाजिक परिवर्तन के लिए रंगमंच, संवाद, कहानी और दोस्ती के माध्यम से संस्कृति के परिवर्तन में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और साझेदारी।

सिंथिया ब्रॉफी

सिंथिया कैंपॉय ब्रॉफी ने कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, लॉस एंजिल्स से बीए (अंग्रेजी साहित्य), पेरिस विश्वविद्यालय से फ्रेंच साहित्य में डिप्लोमा, स्टैनफोर्ड ग्रेजुएट स्कूल से गैर-लाभकारी कला प्रशासन में कार्यकारी कार्यक्रम और हार्वर्ड ग्रेजुएट शिक्षा स्कूल से व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रम किया है । उनके शोध

रूचियों में शामिल हैं: शिक्षा के क्षेत्र, कार्यबल विकास, रचनात्मक उद्योग, युवा सशक्तिकरण, और युवाओं को अधिक रचनात्मक विकल्प प्रदान करने के लिए स्थायी मार्ग बनाने की कला।

प्राध्यापक पियरिनो लेस्टुज़ी

डॉ लेस्टुज़ी पियरिनो ने इकोले पॉलीटेक्निक फेडेरेल डी लॉज़ेन, स्विट्ज़रलैंड, यूएनआई-लॉज़ेन, भौतिक संस्थान (अतिरिक्त शिक्षा) से सिविल अभियांत्रिकी में मास्टर और ईटीएच-ज़्यूरिख से पीएचडी किया। वह ईपीएफएल -ईएनएसी-आईआईसी-आईएमएसी में व्याख्याता और वरिष्ठ शोधकर्ता हैं। उनके शोध रूचियों में भूकंप अभियांत्रिकी, संरचनात्मक गतिशीलता शामिल हैं।

डॉ सत्यनारायणन मुंडयूर

डॉ. सत्यनारायणन मुंडयूर ने बॉम्बे विश्वविद्यालय से भाषा विज्ञान में बीएससी और एमए किया, दिल्ली विश्वविद्यालय से प्रौढ़ और सतत शिक्षा में पोस्ट-एमए डिप्लोमा, भवन, मुंबई से पत्रकारिता में पीजी डिप्लोमा किया। वह लोहित यूथ लाइब्रेरी नेटवर्क, तेजू, अरुणाचल प्रदेश में समन्वयक हैं। उनकी शोध रुचियों में स्कूली शिक्षा, पठन कौशल, ग्रामीण और आदिवासी समुदायों में गैर-औपचारिक शिक्षा, और उपेक्षित उत्तर-पूर्व भाषाओं में पठन सामग्री का उत्पादन और उत्तर-पूर्व क्षेत्रों के संबंध में स्वतंत्र भारत में विमानन का इतिहास शामिल है।

अर्घा मन्ना (आर्टिस्ट इन रेसीडेन्स)

अर्घा मन्ना ने कलकत्ता विश्वविद्यालय से बीएससी और एमएससी किया। उनकी शोध रुचि में शामिल हैं: कॉमिक्स, आंकड़ों कॉमिक्स, सचित्र निबंध, इन्फोग्राफिक्स और पेंटिंग सहित ग्राफिक कथाओं के माध्यम से विज्ञान के इतिहास को जीवन में लाना। भा.प्रौ.सं गांधीनगर में शामिल होने से पहले वह आनंदबाजार पत्रिका और द टेलीग्राफ, कोलकाता में एक पत्रकार के रूप में काम कर रहे थे।

अतिथि प्राध्यापक

प्रो रोज़ा मारिया पेरेज़

प्राध्यापक रोजा पेरेज़ एक मानवविज्ञानी और सेंटर फॉर रिसर्च इन एंथ्रोपोलॉजी (सीआरआईए) में वरिष्ठ शोधकर्ता हैं। अगस्त 2020 तक, वह आईएससीटीई-विश्वविद्यालय इंस्टीट्यूट ऑफ लिस्बन के मानव विज्ञान विभाग की प्राध्यापक थीं। उनका मुख्य शोध भारतीय समाज और सामाजिक अलगाव (दलित समुदाय और महिलाओं पर विशेष ध्यान देने के साथ), महिला अध्ययन, उपनिवेशवाद और भारत में उपनिवेशवाद के बाद, क्षेत्रीय कार्य पद्धति, सार्वजनिक नृविज्ञान और मानवाधिकारों पर है। पेरेज़ लैंगिक समानता और महिला अधिकारिता के लिए संयुक्त राष्ट्र आयोग और एशिया पर यूरोपीय परिषदों की सलाहकार हैं। जून 2021 में, विज्ञान 2021 बैठक के भाग के रूप में, उन्होने पुर्तगाली विज्ञान, प्रौद्योगिकी और उच्च शिक्षा मंत्री से वैज्ञानिक योग्यता का पदक प्राप्त किया है।

डॉ शर्मिला मांडे

डॉ मांडे ने आईआईएससी बैंगलोर से भौतिक विज्ञान में पीएचडी की है। बड़े पैमाने पर जैविक आंकड़ों का विश्लेषण करने और मानव स्वास्थ्य को समझने के लिए इसे लागू करने के लिए उनके शोध के रूचि सिस्टम बायोलॉजी और एल्गोरिथम विकास के इर्द-गिर्द घूमते हैं। उनके काम का प्रमुख ध्यान रोगों और विकारों में मानव माइक्रोबायोम की भूमिका को समझने पर है। उसके पास कई पेटेंट किए गए एल्गोरिथम हैं जो बड़े पैमाने पर जैविक आंकड़ों का विश्लेषण करने में शोधकर्ताओं के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करते हैं। वह टीसीएस प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पुरस्कार की प्राप्तकर्ता हैं।

प्रो पी साईंनाथ

प्रो पी साईनाथ ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से बीए, लोयोला कॉलेज, मद्रास से एमए और कनाडा के एडमोंटन में अल्बर्टा विश्वविद्यालय से मानद पीएचडी की। वह एशियन कॉलेज ऑफ जर्नलिज्म, चेन्नई में सहायक प्राध्यापक के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने अपनी रिपोर्टिंग के लिए 40 से अधिक वैश्विक और राष्ट्रीय पुरस्कार जीते हैं (और पद्म भूषण सहित कई को नकार दिया है)।

प्रो लक्ष्मीकांत वी काले

प्रो लक्ष्मीकांत काले ने आईआईएससी, बैंगलोर से एमई और स्टोनी ब्रुक में सनी से एमएस और पीएचडी की पढ़ाई पूरी की। उनके अनुसंधान के रूचियों में शामिल हैं: वास्तुकला, संकलक और समानांतर कंप्यूटिंग, और वैज्ञानिक कंप्यूटिंग। वह वर्तमान में उरबाना-शैंपेन में इलिनोइस विश्वविद्यालय में प्राध्यापक हैं। उन्होंने समीक्षित पत्रिकाओं में प्रकाशित 150 से अधिक वैज्ञानिक पत्रों का लेखन या सह-लेखन किया है और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत किया है और वेब के माध्यम से विकसित और वितरित किए गए 8 सॉफ्टवेयर पैकेजों में योगदान दिया है।

प्रो पार्थसारथी मुखोपाध्याय

प्रो पार्थसारथी मुखोपाध्याय ने कलकत्ता विश्वविद्यालय से एमएससी और एमटेक पूरा किया और भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (भा.प्रौ.सं एम) पुणे विश्वविद्यालय से पीएचडी की। उनके अनुसंधान के रूचियों में शामिल हैं: संख्यात्मक मौसम की भविष्यवाणी, पैरामीटराइजेशन का विकास विशेष रूप से बादल और उच्च-रिज़ॉल्यूशन मॉडल के संख्यात्मक मॉडल विकास में संवहन प्रक्रिया, अत्यधिक वर्षा की घटनाओं की भविष्यवाणी करना, और मेसोस्केल सिस्टम/प्रक्रियाओं का मॉडलिंग करना। दो दशकों से अधिक के शोध अनुभव वाले वैज्ञानिक, प्रो मुखोपाध्याय के काम का सुपर-पैरामीटराइज्ड कपल्ड फोरकास्ट सिस्टम (एस-सीएफएस) मॉडल के विकास और सीएफएसवी2 के एक नए संस्करण के विकास में प्रमुख योगदान रहा है, और उन्होंने पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तहत कई कार्यक्रमों के लिए कई पेशकशें की हैं ।

प्रो ए वी अनिल कुमार

प्रो अनिलकुमार अमरतुर वेंडरबिल्ट विश्वविद्यालय में संकाय पर एक एयरोस्पेस अभियंता हैं। वह अंतरिक्ष शटल उड़ानों और अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर माइक्रोग्रैविटी द्रव प्रवाह घटना के नासा अन्वेषक रहे हैं। उनके शोध विषयों में प्रायोगिक द्रव गतिकी, रॉकेट प्रणोदन, ड्रॉप और बबल गतिकी, बायो-एनकैप्सुलेशन; ऊर्जा रूपांतरण, पवन, थर्मोइलेक्ट्रिक्स, बायोडीजल; सामग्री प्रसंस्करण: फ्लोटज़ोन, दिशात्मक ठोसकरण शामिल हैं ।

श्री वी अशोक

राजदूत वी अशोक ने 1981 में भा.प्रौ.सं दिल्ली से सिविल अभियांत्रिकी में बीटेक प्राप्त किया। 34 से अधिक वर्षों तक भारतीय विदेश सेवा में विभिन्न पदों पर सेवा करने के बाद, वह अक्टूबर 2018 में भारत के महावाणिज्य दूत, सैन फ्रांसिस्को के भारत सरकार के सचिव पद से सेवानिवृत्त हुए। नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय में पदस्थ होने के अलावा उन्होंने हाँगकाँग, मलेशिया, चीन, ऑस्ट्रिया और श्रीलंका में भारतीय मिशनों में राजनयिक कार्य किए हैं। उन्हें 2007 में जिम्बाब्वे गणराज्य और 2011 में चेक गणराज्य में भारत के राजदूत के रूप में कार्यभार दिया गया था।

डॉ निखिल बलराम

डॉ निखिल बलराम कैलिफोर्निया, यूएसए में सैन जोस स्थित कंपनी आईवे विजन इंक (ईवीआई) के सीईओ हैं। आइवे में शामिल होने से पहले, डॉ. बलराम सभी गूगल हार्डवेयर उत्पादों (ए आर /वी आर सहित) के लिए डिस्प्ले आर एण्ड डी का नेतृत्व कर रहे थे। एक अनुभवी प्रौद्योगिकी कार्यकारी, डॉ बलराम के पिछले पदों में रिको इनोवेशन में सीईओ, मार्वल में वीपी और जीएम, और नेशनल सेमीकंडक्टर डिस्प्ले ग्रुप के सीटीओ शामिल हैं। उन्होंने 9वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पुरस्कारों में इलेक्ट्रॉनिक्स श्रेणी में वर्ष के कार्यकारी के लिए 2012 गोल्ड स्टेवी पुरस्कार, सोसाइटी फॉर इंफॉर्मेशन डिस्प्ले द्वारा 2012 अध्येता पुरस्कार और कार्नेगी मेलन विश्वविद्यालयद्वारा 2011 एलुमनी अचीवमेंट पुरस्कार सहित कई पुरस्कार जीते हैं।

प्रो रवि बनावर

प्रो रवि बनावर भा.प्रौ.सं बॉम्बे में सिस्टम्स एंड कंट्रोल अभियांत्रिकी समूह में प्राध्यापक हैं, जो विशेष क्षेत्र में स्नातक शिक्षा (मास्टर्स और डॉक्टरेट प्रोग्राम) प्रदान करने वाला देश का एक अनूठा अंतःविषय समूह है। उनकी अनुसंधान रुचियाँ ज्यामितीय यांत्रिकी, गैर-रैखिक और इष्टतम नियंत्रण, एयरोस्पेस, मैकेनिकल और माइक्रोरोबोटिक्स में अनुप्रयोगों के साथ चलन के क्षेत्र में हैं। उन्होंने भा.प्रौ.सं मद्रास से बीटेक, क्लेम्सन विश्वविद्यालय से एमएस और टेक्सास विश्वविद्यालय, ऑस्टिन से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, लॉस एंजिल्स में प्रशिक्षक के रूप में एक छोटे से कार्यकाल के बाद, वह 1993 में भा.प्रौ.सं बॉम्बे में सिस्टम्स एंड कंट्रोल समूह में शामिल हो गए।

श्री हर्ष भार्गव

श्री हर्ष भार्गव वर्तमान में बैंकवर्ल्ड इंक के अध्यक्ष हैं, जो वाशिंगटन डीसी स्थित एक प्रमुख प्रबंधन परामर्श

कंपनी है, जिसके पास 75 से अधिक देशों में अनुभव है, जिसमें उभरते बाजारों में प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करने वाली परियोजनाओं का नेतृत्व, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए उद्यमिता विकास कार्यक्रम शामिल हैं।) उन्होंने 1977 में हार्वर्ड बिजनेस स्कूल से एमबीए प्राप्त किया। उन्होंने युवाओं के लिए करियर विकल्प के रूप में उद्यमिता पर व्यापक रूप से लिखा है और वित्तीय साक्षरता व उद्यमिता पर प्रशिक्षण नियमावली तथा किताबें लिखी हैं। वह कॉम्पिटिटिवनेस माइंडसेट इनिशिएटिव के मुख्य संरक्षक भी हैं, जो भा.प्रौ.सं गांधीनगर में स्थापित एक इकाई है।

डॉ आर एस बिष्ट

डॉ आर एस बिष्ट, संयुक्त महानिदेशक (सेवानिवृत्त), भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, को राष्ट्रीय स्मारकों और प्रशासन के पुरातात्विक अनुसंधान, संरक्षण और पर्यावरण विकास में 35 से अधिक वर्षों का अनुभव है। वह पुरातत्व और संग्रहालय विभाग, हरियाणा तथा पुरातत्व व संग्रहालय विभाग, पंजाब से भी जुड़े रहे हैं। वह 2013 में पद्म श्री और आचार्य नरेंद्र देव अलंकार के प्राप्तकर्ता हैं।

प्राध्यापक राजेंद्र बोर्डिया

प्रो बोर्डिया जॉर्ज जे. बिशप, सिरेमिक और सामग्री अभियांत्रिकी के तृतीय विन्यास चेयर प्राध्यापक हैं। वह भा.प्रौ.सं गांधीनगर में सामग्री अभियांत्रिकी के अनुशासन में अतिथि प्राध्यापक भी हैं। उन्होंने क्लेम्सन विश्वविद्यालय (2013-2019) में सामग्री विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया है। 2013 में क्लेम्सन में शामिल होने से पहले, वह वाशिंगटन विश्वविद्यालय (यूडब्ल्यू) में सामग्री विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग में एक संकाय सदस्य थे। 1998 से 2005 तक, वह वाशिंगटन विश्वविद्यालय (यूडब्ल्यू) में अपने विभाग के अध्यक्ष थे।

प्रो आर पी छाबड़ा

प्राध्यापक आर पी छाबड़ा ने रुड़की विश्वविद्यालय से रासायनिक अभियांत्रिकी में बीई, आईआईएससी बैंगलोर से एमई और ऑस्ट्रेलिया के मोनाश विश्वविद्यालय से पीएचडी की पढ़ाई पूरी की। वह भा.प्रौ.सं कानपुर, न्यू साउथ वेल्स विश्वविद्यालय, सिडनी; विश्वविद्यालय कॉलेज ऑफ स्वानसी; मोनाश विश्वविद्यालय, क्लेटन; और सिडनी विश्वविद्यालय से जुड़े रहे हैं । प्रो छाबड़ा रासायनिक अभियांत्रिकी में बुनियादी अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल इंजीनियर्स के हेर्डिलिया पुरस्कार और अनुसंधान व विकास में उत्कृष्टता के लिए इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ रासायनिक इंजीनियर्स के अमर डाई-केम पुरस्कार के प्राप्तकर्ता हैं।

डॉ प्रवीणराय डी गांधी

डॉ प्रवीणराय डी गांधी वर्तमान में खुदरा व उद्योग आर एण्ड डी, अंडरराइटर प्रयोगशाला (यूएल), यूएसए में कॉर्पोरेट अध्येता हैं। उन्होंने भा.प्रौ.सं दिल्ली से बीटेक और नोट्रे डेम विश्वविद्यालय से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। उनका ध्यान आग के जोखिमों और खतरों को मापने पर है और नई परीक्षण विधियों और मानकों को विकसित करने में शामिल रहा है। वह वर्तमान में अग्नि विज्ञान शिक्षा में सुधार के लिए अग्नि सुरक्षा समुदाय और विश्वविद्यालयों के साथ काम कर रहे हैं।

प्राध्यापक रमेश गाओंकर

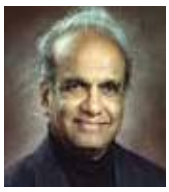

प्रो रमेश गाओंकर भा.प्रौ.सं गांधीनगर में इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी के अनुशासन में अतिथि प्राध्यापक हैं। उन्होंने सिरैक्यूज़ विश्वविद्यालय, सिरैक्यूज़, न्यूयॉर्क से इंस्ट्रक्शनल टेक्नोलॉजी और इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी में अंतःविषय पीएचडी की डिग्री प्राप्त की। उन्होंने अपने शिक्षण और विद्वतापूर्ण गतिविधियों के लिए कई पुरस्कार प्राप्त किए हैं, जिनमें शामिल हैं - अमेरिकन सोसाइटी फॉर इंजीनियरिंग एजुकेशन (एएसईई) उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार, सेंट लॉरेंस सेक्शन (1984) रचनात्मक और विद्वानों की गतिविधियों के लिए सनी चांसलर का पुरस्कार (2003), सीएनवाई प्रौद्योगिकी - उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार (2003), और उत्कृष्ट योगदान के लिए ओसीसी बोर्ड ऑफ़ ट्रस्टीज़ पुरस्कार (1982, 1989 और 2007)।

डॉ राजन जसवा

डॉ. राजेन जसवा एक निपुण धारावाहिक प्रौद्योगिकी उद्यमी हैं। उनकी सबसे हालिया भूमिका 2009-2012 तक डायनो के सीईओ और अध्यक्ष की थी। 2003-2008 से, उन्होंने टीआईई सिलिकॉन वैली के लिए पूर्णकालिक रूप से स्वेच्छा से काम किया, 2005-2008 तक अध्यक्ष के रूप में और 2003-2004 तक निदेशक के रूप में कार्य किया। डॉ जसवा 1996-2002 तक सेलेक्टिका के सह-संस्थापक, अध्यक्ष और सीईओ भी थे।

प्रो दुर्गेश सी राय

प्रो दुर्गेश सी राय भा.प्रौ.सं कानपुर में सिविल अभियांत्रिकी विभाग में प्राध्यापक हैं। उन्होंने भूकंप अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (यूएसए) से शाह फैमिली इनोवेशन प्राइज 2000 और इंडियन नेशनल एकेडमी ऑफ अभियांत्रिकी (1999) से यंग इंजीनियर पुरस्कार प्राप्त किया। उन्हें 2010 में इंडियन नेशनल एकेडमी ऑफ अभियांत्रिकी के अध्येता के रूप में चुना गया था। वह भूकंप अभियांत्रिकी के राष्ट्रीय सूचना केंद्र (भा.प्रौ.सं कानपुर में एनआईसीईई) के समन्वयक हैं और भूकंप अभियांत्रिकी के अंतर्राष्ट्रीय संघ (आईएईई) के विश्व भूकंपीय सुरक्षा पहल (डब्ल्यूएसएसआई) के बोर्ड में कार्य करते हैं।

प्रो मैथिली रामास्वामी

प्रो मैथिली रामास्वामी टीआईएफआर सेंटर फॉर एप्लिकेबल मैथमेटिक्स, बेंगलुरु में प्राध्यापक हैं। उन्हें 2016-17 का फुलब्राइट-नेहरू अकादमिक और व्यावसायिक उत्कृष्टता फैलोशिप प्राप्त हुआ तथा उन्हें 2004 में महिला वैज्ञानिकों के लिए कल्पना चावला पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वह इंडियन एकेडमी ऑफ साइंसेज, बैंगलोर, नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, इलाहाबाद की अध्येता हैं और रामानुजन मैथमेटिकल सोसाइटी के जर्नल, भारतीय विज्ञान अकादमी प्रोसीडिंग्स व गणितीय विज्ञान और सीमा मूल्य समस्याएं के संपादकीय बोर्ड में कार्यरत हैं ।

प्रो प्रमोद रस्तोगी

प्रो प्रमोद रस्तोगी स्विट्ज़रलैंड के इकोले पॉलिटेक्निक फेडेरेल डी लॉज़ेन में अतिथि प्राध्यापक हैं। उन्होंने भा.प्रौ. सं दिल्ली से एमटेक की डिग्री और फ्रांस के फ्रांसे कॉम्टे विश्वविद्यालय से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित प्रकाशकों के साथ होलोग्राफी, डीएसपीआई, ऑप्टिकल मेट्रोलॉजी और डिजिटल ऑप्टिकल सिग्नल विश्लेषण के क्षेत्र में नौ पुस्तकों का संपादन/लेखन किया है। प्रो रस्तोगी 2014 के एस पी आई ई डेनिस गैबोर पुरस्कार के प्राप्तकर्ता हैं। वह स्विस एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग साइंसेज के सदस्य भी हैं तथा वर्ष 1982 में प्रायोगिक यांत्रिकी में प्रकाशित सबसे महत्वपूर्ण शोध पत्र के लिए हेतेनी पुरस्कार के प्राप्तकर्ता भी हैं।

डॉ श्रीनिवास रेड्डी

डॉ श्रीनिवास रेड्डी ने ब्राउन विश्वविद्यालय से साउथ एशियन स्टडीज में बीए किया। उन्होंने कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले से दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशियाई अध्ययन में एमए और पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। वर्तमान में वह एप्लाइड म्यूजिक प्रोग्राम - सितार के लिए ब्राउन विश्वविद्यालय में एक शिक्षण सहयोगी के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने "गिवर ऑफ़ द वर्न गारलैंड: श्री कृष्णदेवराय की अमुक्तमाल्यदा" और "राय" शीर्षक से दो पुस्तकें प्रकाशित की हैं। उन्होंने संस्कृत, पाली, तेलुगु, तमिल में पढ़ने और अनुवाद में उन्नत प्रशिक्षण प्राप्त किया है। वह दुनिया भर में दक्षिण एशिया के शास्त्रीय संगीत को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए समर्पित एक गैर-लाभकारी संगठन साधना फाउंडेशन के संस्थापक और कलात्मक निदेशक हैं।

प्रो धीरज सांघी

प्रो धीरज सांघी वर्तमान में जे के लक्ष्मीपत विश्वविद्यालय, जयपुर के कुलपति हैं। प्रो सांघी भा.प्रौ.सं कानपुर में संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी के प्राध्यापक रह चुके हैं। भा.प्रौ.सं कानपुर के साथ 27 से अधिक वर्षों के अपने जुड़ाव के दौरान उन्होंने विभिन्न नेतृत्व पदों पर कार्य किया है। उन्होंने निदेशक, एलएनएमभा.प्रौ.सं , जयपुर जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है जैसे; आईभा.प्रौ. सं दिल्ली में अकादमिक मामलों और बाहरी संबंधों के डीन व पंजाब अभियांत्रिकी कॉलेज के निदेशक के पद पर । प्रो सांघी ने भा.प्रौ.सं कानपुर से बीटेक और मैरीलैंड विश्वविद्यालय से एमएस और पीएचडी की है।

प्रो श्याम सुंदर

प्रो श्याम सुंदर येल स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में लेखा, अर्थशास्त्र और वित्त के जेम्स एल फ्रैंक प्राध्यापक हैं। वह एक विश्व प्रसिद्ध लेखा सिद्धांतकार और प्रायोगिक अर्थशास्त्री हैं। उनके शोध योगदान में वित्तीय रिपोर्टिंग, सुरक्षा बाजारों में सूचना, मूल्यांकन के सांख्यिकीय सिद्धांत और इलेक्ट्रॉनिक बाजारों के डिजाइन शामिल हैं। वह प्रायोगिक वित्त और प्रायोगिक मैक्रोइकॉनॉमिक्स के क्षेत्र में अग्रणी हैं। प्राध्यापक सुंदर ने अपने शोध के लिए कई पुरस्कार जीते हैं जिसमें लेखांकन, अर्थशास्त्र और वित्त की प्रमुख पत्रिकाओं के साथ-साथ लोकप्रिय मीडिया में छह पुस्तकें और 200 से अधिक लेख शामिल हैं।

डॉ महेश टंडन

डॉ महेश टंडन संरचना अभियांत्रिकी में एक अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ हैं और टंडन कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक हैं। उन्होंने इंडियन एसोसिएशन ऑफ स्ट्रक्चरल इंजीनियर्स (2015-16) के अध्यक्ष और इंडियन सोसाइटी ऑफ विंड इंजीनियरिंग (2015-16) के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया है।). वह इंडियन नेशनल एकेडमी अभियांत्रिकी (आईएनएई) के अध्येता, भा.प्रौ.सं कानपुर में भूकंप अभियांत्रिकी के लिए राष्ट्रीय सूचना केंद्र के पूर्व अध्यक्ष और भारतीय कंक्रीट संस्थान के पूर्व अध्यक्ष हैं।

श्री एम वेंकटरमन

श्री एम वेंकटरमन इंटरनेशनल जियोसिंथेटिक्स सोसाइटी के भारतीय अध्याय के तत्काल पूर्व अध्यक्ष हैं। उन्होंने 1971 में भा.प्रौ. सं मद्रास से सिविल अभियांत्रिकी में बीटेक और मृदा यांत्रिकी व संस्थापन में एमटेक प्राप्त किया। 1971-1980 तक, उन्होंने बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को डिजाइन करने, निष्पादित करने के लिए अर्ध-सरकारी संगठनों में काम किया। वह 2005 में गरवारे से एवीपी के रूप में सेवानिवृत्त हुए। वह 2013 से एक स्वतंत्र भू-तकनीकी और भू-संश्लेषण सलाहकार के रूप में काम कर रहे हैं। श्री वेंकटरमन ने विभिन्न भू-तकनीकी पत्रिकाओं में 50 से अधिक तकनीकी पत्र लिखे और प्रकाशित किए हैं।

प्रो फ्रेडरिक कूलिज

प्रो कूलिज कोलोराडो विश्वविद्यालय, कोलोराडो स्प्रिंग्स (यूसीसीएस) में मनोविज्ञान के प्राध्यापक हैं। प्रो कूलिज ने फ्लोरिडा विश्वविद्यालय (यूएफ) से बीए, एमए और पीएचडी प्राप्त की और यूएफ में क्लिनिकल न्यूरोसाइकोलॉजी में दो साल की पोस्टडॉक्टोरल अध्येतावृत्ति पूरी की। वह वर्तमान में मनोविज्ञान में स्नातक शिक्षा के सह-निदेशक और संज्ञानात्मक पुरातत्व केंद्र के सह-निदेशक हैं। उन्हें तीन शिक्षण पुरस्कार प्राप्त हुए हैं जिनमें आजीवन पदनाम, विश्वविद्यालय ऑफ़ कोलोराडो प्रेसिडेंशियल टीचिंग स्कॉलर शामिल हैं। उन्होंने यूसीसीएस एलएएस वार्षिक उत्कृष्ट अनुसंधान और रचनात्मक कार्य पुरस्कार (2004), व अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए यूसीसीएस वार्षिक संकाय पुरस्कार (2006) भी प्राप्त किया है ।

प्रो पी पी जोगलेकर

प्रो जोगलेकर पुणे के डेक्कन कॉलेज में एआईएचसी और पुरातत्व विभाग के पूर्व प्राध्यापक हैं, प्राध्यापक जोगलेकर के पास शिक्षण का 25 से अधिक वर्षों का अनुभव है। उन्होंने जूलॉजी में बीएससी और एमएससी, सांख्यिकी में एमफिल, इंडोलॉजी में एमए और पुरातत्व में पीएचडी किया है । उनके शोध रूचियों में निम्न शामिल हैं : विज्ञान और प्रौद्योगिकी का इतिहास, पुरातात्विक विज्ञान, अतीत में मानव, पौधों व जानवरों का समन्वयन, जैव-आणविक पुरातत्व और विज्ञान व समाज।

प्रो अरूप आर गांगुली

प्रो अरूप आर गांगुली, एमए, बोस्टन के पूर्वोत्तर विश्वविद्यालय में सिविल व पर्यावरण अभियांत्रिकी के प्राध्यापक हैं। उनका शोध जलवायु परिवर्तन के तहत

मौसम और हाइड्रोलॉजिक चरम सीमाओं, मिश्रित चरम सीमाओं के तहत लाइफलाइन इंफ्रास्ट्रक्चर लचीलापन, साथ ही साथ मशीन लर्निंग और नॉनलाइनियर फिजिक्स की जांच करता है। प्रो गांगुली अमेरिकन सोसाइटी ऑफ सिविल इंजीनियर्स (एएससीई) के अध्येता, एसोसिएशन फॉर कंप्यूटिंग मशीनरी (एसीएम) के एक वरिष्ठ सदस्य और साथ ही इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स (आईईईई) के एक वरिष्ठ सदस्य हैं तथा मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) से उन्होंने पीएचडी प्राप्त की है।

डॉ जिमी थॉमस

डॉ जिमी थॉमस भू-तकनीकी अभियांत्रिकी, भू-सिंथेटिक्स, प्रबलित मिट्टी संरचनाओं और फुटपाथ अभियांत्रिकी में विशेषज्ञता रखने वाला एक सलाहकार अभियंता है। उन्होंने कालीकट क्षेत्रीय अभियांत्रिकी कॉलेज से 1986 में सिविल अभियांत्रिकी में स्नातक किया, कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग त्रिवेंद्रम से 1988 में जियोटेक्निकल अभियांत्रिकी में एमटेक व भा.प्रौ. सं कानपुर से 1997 में जियोटेक्निकल अभियांत्रिकी में पीएचडी प्राप्त किया। नेटलॉन इंडिया, गवारे-वॉल रोप्स लिमिटेड और टेकफैब इंडिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड जैसी कंपनियों के साथ अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने सड़क, रेलवे, लैंडफिल, कटाव नियंत्रण, प्रबलित मिट्टी संरचनाओं और जमीनी सुधार जैसे विभिन्न क्षेत्रों में बड़ी संख्या में परियोजनाओं पर काम किया।

प्रो के कृष्णन

प्रो के कृष्णन बड़ौदा के महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय में पुरातत्व और प्राचीन इतिहास विभाग में प्राध्यापक हैं। इस विश्वविद्यालय में अपने 30 वर्षों के करियर के दौरान उन्होंने विभिन्न पदों पर कार्य किया। उनके शोध ने उन्हें उच्चतम वस्तुओं का विश्लेषण करने, शिल्प विशेषज्ञता को समझने और प्रौद्योगिकी के विकास व प्राचीन दक्षिण एशियाई समाज पर इसके प्रभाव का आकलन करने के लिए एक पद्धति विकसित करने में सक्षम बनाया, जिससे कई छात्र दक्षिण एशियाई सिरेमिक पर शोध करने के लिए प्रेरित हुए। प्रो कृष्णन ने मध्य और पश्चिमी भारत में पुराजलवायु के पुनर्निर्माण की दिशा में काम किया है।

प्रो अजीतप्रसाद पी

प्रो अजीतप्रसाद पी बड़ौदा के महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय (एमएसयू) के पुरातत्व और प्राचीन इतिहास में प्राध्यापक हैं। उन्होंने कालीकट विश्वविद्यालय से बीएससी, एमएसयू बड़ौदा से एमए, स्कूल ऑफ आर्कियोलॉजी, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण से पीजी डिप्लोमा और एमएसयू बड़ौदा से पीएचडी प्राप्त किया है। प्रो अजीतप्रसाद 1990 से एमएसयू बड़ौदा से जुड़े हुए हैं। उनका शोध प्रागैतिहासिक पुरातत्व, चतुर्धातुक पर्यावरण अनुकूलन और हड़प्पा अध्ययन पर केंद्रित है। उनके पास प्रागैतिहासिक और चतुर्धातुक अकादमिक निकायों और भारतीय पुरातत्व सोसायटी के लिए भारतीय समाज की आजीवन सदस्यता है तथा वह भारतीय भूवैज्ञानिक सोसायटी के सदस्य भी हैं।

संकाय सदस्य

अनुशासन	पदनाम	पीएचडी/ अंतिम उपाधि	विशेषज्ञता
पुरातत्व विज्ञान			
शारदा वी चन्नारायणपटना	सहायक प्राध्यापक	डेक्कन कॉलेज, 2014; फेरारा विश्वविद्यालय, 2018	पुरातत्व और तपोविज्ञान व जैव पुरातत्व
मिशेल डैनिनो	अतिथि प्राध्यापक	इकोल सुपेरियूरे डिइलेक्ट्रिसाइट (जिफ-सुरयेट्टे, फ्रांस), 1977	प्राचीन भारत का पुरातत्व, इतिहास और संस्कृति
आलोक कुमार कानूनगो	सहायक शोध प्राध्यापक	डेक्कन कॉलेज, 2003	कांच का इतिहास और उत्पत्ति
जैविक अभियांत्रिकी			
धीरज डी भाटिया	सहायक प्राध्यापक	टाटा मूलभूत अनुसंधान संस्थान, 2013	डीएनए नैनो प्रौद्योगिकी और रासायनिक जीव विज्ञान
मुकेश धनका **	सहायक प्राध्यापक	भा.प्रौ. सं बॉम्बे, 201 9	जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी: जैवपदार्थ, ड्रग डिलीवरी, बायो नैनो टेक्नोलॉजी, आर्थोपेडिक एप्लिकेशन
शरद गुप्ता	सह - प्राध्यापक	पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय, 2009	अल्जाइमर और हंटिंगटन की बीमारियों में प्रोटीन मिसफॉल्डिंग
शर्मिष्ठा मजूमदार	सह - प्राध्यापक	कॉर्नेल विश्वविद्यालय, 2006	ट्रांसपोसेस और ट्रांसपोज़ेज़ होमोलॉग्स का जीनोमिक और प्रोटिओमिक विश्लेषण
प्रतीक मुथा	सह - प्राध्यापक	पेंसिलवेनिया राजकीय विवि, 2009	सेंसरिमोटर नियंत्रण एवं अधिगम
सुब्रमण्यम शंकरनारायणन **	सहायक प्राध्यापक	कैलगरी विश्वविद्यालय, कनाडा, 2015	वनस्पति विकास जीव विज्ञान, बायोटेक्नोलॉजी, जेनेटिक्स, आण्विक जीव विज्ञान, कोशिका जीव विज्ञान
कार्ला पेट्रीसिया मर्काडो-शेखर	सहायक प्राध्यापक	रोचेस्टर विश्वविद्यालय, 2015	ऊतक लोच इमेजिंग और अल्ट्रासाउंड तकनीक
उमाशंकर सिंह	सह - प्राध्यापक	उप्साला विश्वविद्यालय, स्वीडन, 2006	साइटोप्रोटेक्शन
आशुतोष श्रीवास्तव	सहायक प्राध्यापक	सीएसआईआर कोषिका व अणु जीव विज्ञान केंद्र, हैदराबाद, 2015	मैक्रोमोलेक्युलर कॉम्प्लेक्स का एकीकृत मॉडलिंग
विजय थिरुवेंकटम	सह शोध प्राध्यापक	जीवाजी विश्वविद्यालय, 2009	छोटे अणु एक्स-रे क्रिस्टलोग्राफी
रासायनिक अभियांत्रिकी			
समीर वी दलवी	प्राध्यापक	भा.प्रौ. सं बॉम्बे, 2007	सुपरक्रिटिकल द्रव प्रसंस्करण
प्रत्यूष दयाल	सह - प्राध्यापक	आक्रोन विश्वविद्यालय, 2007	स्व-दोलन बहुलक जैल
हरि साईं गणेश	सहायक प्राध्यापक	ऑस्टिन का टेक्सस विश्वविद्यालय, 2018	मॉडलिंग और सिमुलेशन
चिन्मय घोराई	प्राध्यापक	भा.प्रौ. सं बॉम्बे, 2007	कण अभियांत्रिकी और पाउडर प्रसंस्करण
कबीर जसूजा	सह - प्राध्यापक	केंसस राजकीय विवि, 2011	द्वि-आयामी नैनो सामग्री का संश्लेषण
नितिन यू पढियार	सहायक प्राध्यापक	भा.प्रौ. सं बॉम्बे, 2008	प्रक्रिया अनुकूलन और नियंत्रण
मिथुन राधाकृष्णन	सहायक प्राध्यापक	कोलंबिया विश्वविद्यालय, 2014	सिद्धांत और आणविक सिमुलेशन के माध्यम से मृदु पदार्थ प्रणालियों का अध्ययन
कौस्तुभ एस राणे	सहायक प्राध्यापक	बफैलो विवि, 2014	इंटरफेसियल सिस्टम के थर्मोडायनामिक्स और सांख्यिकीय यांत्रिकी
विश्वजीत साहा**	सहायक प्राध्यापक	सिंगापुर एमआईटी गठबंधन: नानयांग टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी - सिंगापुर (और) मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, यूएसए, 2012	उन्नत सामग्री और सेंसर का विकास
अभिनय संपत**	सहायक प्राध्यापक	उरबाना-शैंपेन में इलिनोइस विश्वविद्यालय, 2022	विषम कटैलिसीस, रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी, मास स्पेक्ट्रोस्कोपी, उत्प्रेरक संश्लेषण
कार्तिक सुब्रमण्यम पुष्पवनम	सहायक प्राध्यापक	एरिज़ोना राजकीय विवि, 2019	डिजाइनिंग और अभियांत्रिकी और नैनोमैटेरियल्स प्रोटीन
प्राची थरेजा	सह - प्राध्यापक	पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय, 2008	क्रिस्टलाइजिंग फैटी एसिड पेस्ट के इन-सीटू रिओलॉजी
रसायन विज्ञान			
चंद्रकुमार अप्पायी	सह - प्राध्यापक	भारतीय विज्ञान संस्थान बैंगलोर, 2008	असममित कटैलिसीस

अनुशासन	पदनाम	पीएचडी/ अंतिम उपाधि	विशेषज्ञता
सुदीप्त बसु	सह - प्राध्यापक	मैक्स-प्लैंक इंस्टीट्यूट फॉर मॉलिक्यूलर फिजियोलॉजी, जर्मनी, 2006	माइटोकॉन्ड्रिया और एंडोप्लाज्मिक रेटिकुलम का रासायनिक जीव विज्ञान
भास्कर दत्ता	सह - प्राध्यापक	कार्नेगी मेलन विश्वविद्यालय, 2004	न्यूक्लिक एसिड आधारित रासायनिक जीव विज्ञान
श्रीराम वी गुंडीमेडा	सह - प्राध्यापक	भा.प्रौ. सं बॉम्बे, 2001	जैव कार्बनिक रसायन
इति गुप्ता	सह - प्राध्यापक	भा.प्रौ. सं बॉम्बे, 2005	मैक्रोसाइक्लिक रिसेप्टर्स और विस्तारित पोर्फिरिनोइड्स
सौम्यकांति खटुआ	सह - प्राध्यापक	राइस विश्वविद्यालय, 2011	प्लास्मोनिक्स
शिवप्रिया किरुबाकरण	सह - प्राध्यापक	भारतीय विज्ञान संस्थान बैंगलोर, 2007	दवा की खोज और कैंसर रासायनिक जीव विज्ञान
साईराम स्वरूप मल्लजोस्युला	सह - प्राध्यापक	जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र, बेंगलोर, 2009	कार्बोहाइड्रेट-प्रोटीन इंटरैक्शन
अनिर्बान मंडल	सहायक प्राध्यापक	जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र, बेंगलोर, 2016	भौतिक रसायन विज्ञान, ऊष्मप्रवैगिकी, क्वांटम रसायन विज्ञान, स्पेक्ट्रोस्कोपी
विश्वजीत मंडल	सहायक प्राध्यापक	भारतीय विज्ञान विकास संघ (जादवपुर विवि), 2017	(फोटो)-इलेक्ट्रोकैमिस्ट्री, वैल्यू एडेड केमिकल्स का इलेक्ट्रोकेमिकल कन्वर्जन, रिन्यूएबल एनर्जी, स्पेक्ट्रोस्कोपी
सुधांशु शर्मा	सह - प्राध्यापक	भारतीय विज्ञान संस्थान बैंगलोर, 2009	सामग्री, इलेक्ट्रोकैमिस्ट्री
सिविल अभियांत्रिकी			
सुधीर कुमार अरोड़ा	अभ्यासगत प्राध्यापक	केएसओयू, (एमबीए), 2011	अवसंरचना विकास, जल आपूर्ति (शहरी/ ग्रामीण), सीवर नेटवर्क और एसटीपी, उपचारित बहिस्राव का पुन: उपयोग
धीमान बसु	सह - प्राध्यापक	एसयूएनयाई, बफैलो, 2012	घूर्णी भूकंप विज्ञान, जटिल संरचनाएं
उदित भाटिया	सहायक प्राध्यापक	पूर्वोत्तर विश्वविद्यालय, 2018	महत्वपूर्ण अवसंरचना लचीलापन और नेटवर्क विज्ञान
तरुण गंगवार**	सहायक प्राध्यापक	मिनेसोटा विश्वविद्यालय ट्विन शहर, 2021	कम्प्यूटेशनल और अभियांत्रिकी यांत्रिकी पर ध्यान देने के साथ स्ट्रक्चरल अभियांत्रिकी
एस आर गांधी	अतिथि प्राध्यापक	भा.प्रौ. सं मद्रास, 1985	पाइल फाउंडेशन, ग्राउंड इम्प्रूवमेंट, फ्लाई ऐश डिस्पोजल फील्ड इंस्टूमेंटेशन
गौरव	सह - प्राध्यापक	मिनेसोटा विश्वविद्यालय, 2011	अनिश्चितता मात्रा का ठहराव
मनीष कुमार	सह - प्राध्यापक	न्यू यॉर्क राजकीय विवि, बफैलो, 2015	प्रदर्शन आधारित भूकंप अभियांत्रिकी
विमल मिश्रा	प्राध्यापक	पर्ड्यू विश्वविद्यालय, 2010	भूतल जल विज्ञान
प्रणब कुमार महापात्रा	प्राध्यापक	भा.प्रौ. सं कानपुर, 1999	हाइड्रोलिक और जल संसाधन अभियांत्रिकी
सी एन पाण्डेय	अभ्यासगत प्राध्यापक	उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, 2011	वानिकी, वन्य जीवन, पर्यावरण
समीर पटेल	सहायक प्राध्यापक	वाशिंगटन विश्वविद्यालय, सेंट लुइस, यूएसए, 2017	एरोसोल और वायु गुणवत्ता
अमित प्रशांत	प्राध्यापक	टेनेसी विश्वविद्यालय, 2004	दानेदार सामग्री के लिए संवैधानिक मॉडलिंग
जी वी राव	अतिथि प्राध्यापक	भारतीय विज्ञान संस्थान बैंगलोर, 1973	भू-तकनीकी परीक्षण और मूल्यांकन
अजंता सचान	सह - प्राध्यापक	टेनेसी विश्वविद्यालय, 2005	सामग्री लक्षण वर्णन
सुशोभन सेन **	सहायक प्राध्यापक	उरबाना-शैंपेन में इलिनोइस विश्वविद्यालय, 2019	सिविल अभियांत्रिकी, और फुटपाथ मॉडलिंग, डिजाइन, और स्थिरता और लचीलापन के भीतर परिवहन अभियांत्रिकी
संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी			
निपुण बत्रा	सहायक प्राध्यापक	आईआईआईटी, दिल्ली, 2017	सेंसर नेटवर्क, मशीन लर्निंग और कम्प्यूटेशनल स्थिरता
अभिषेक बिछावत	सहायक प्राध्यापक	यूनिवर्सिटेट डेस सारलैंड्स, जर्मनी, 2018	भाषा आधारित सुरक्षा
बीरेश्वर दास	सह - प्राध्यापक	गणितीय विज्ञान संस्थान, चेन्नई, 2010	कम्प्यूटेशनल जटिलता सिद्धांत और एल्गोरिथम
अनिर्बान दासगुप्ता	प्राध्यापक	कॉर्नेल विश्वविद्यालय, 2005	बड़े पैमाने पर आँकड़े के लिए एल्गोरिथम
मनोज डी गुप्ता	सहायक प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं दिल्ली, 2013	गतिशील ग्राफ एल्गोरिथम

* वर्ष के उस भाग के लिए
** वर्ष के दौरान शामिल हुए
*** दिवंगत

अनुशासन	पदनाम	पीएचडी/ अंतिम उपाधि	विशेषज्ञता
बालगोपाल कोमारथ	सहायक प्राध्यापक	भा.प्रौ. सं मद्रास, 2016	सर्किट जटिलता और अन्य निम्न-स्तरीय कम्प्यूटेशनल मॉडल
समीर जी कुलकर्णी	सहायक प्राध्यापक	वाशिंगटन विश्वविद्यालय, सेंट लुइस, यूएसए, 2018	नेटवर्क फ़ंक्शन वर्चुअलाइजेशन
योगेश कुमार मीना**	सहायक प्राध्यापक	अल्सटर विश्वविद्यालय, यूके, 2018	मानव-कंप्यूटर संपर्क, मस्तिष्क-कंप्यूटर इंटरफेस, मल्टीमॉडल इंटरएक्टिव प्रणाली
नीलधारा मिश्रा	सह - प्राध्यापक	गणितीय विज्ञान संस्थान, चेन्नई, 2012	एल्गोरिदम का डिजाइन और विश्लेषण
शौविक मोंडल**	सहायक प्राध्यापक	भा.प्रौ. सं मद्रास, 2021	सॉफ्टवेयर अभियांत्रिकी और प्रणाली
मयंक सिंह	सहायक प्राध्यापक	भा.प्रौ. सं खड़गपुर, 2019	पाठ खनन प्राकृतिक भाषा और प्रसंस्करण और मशीन लर्निंग
रचनात्मक शिक्षा			
मनीष जैन	शिक्षण प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं कानपुर (बिटेक), 1993	3डी ज्योमेट्री, पॉलीहेड्रा, जियोडेसिक्स, मशीन और मैकेनिज्म और रिक्रिएशनल गणित
डिजाइन			
मानसी ए कानेतकर	सहायक शिक्षण प्राध्यापक	भा.प्रौ. सं बॉम्बे (एमडीईएस), 2006	डिजाइन शिक्षा और लाक्षणिकता और डिजाइन में शिक्षाशास्त्र
समीर सहस्रबुद्धे**	अभ्यासगत प्राध्यापक	यशवंतो चव्हाण महाराष्ट्र ओपन यूनिवर्सिटी (YCMOU), नासिक, 2015	ई-लर्निंग एनिमेशन बनाने के लिए डिज़ाइन संबंधी विचार।
भू विज्ञान			
विक्रांत जैन	प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं कानपुर, 2001	पृथ्वी की सतह की प्रक्रियाएँ
पंकज खन्ना	सहायक प्राध्यापक	राइस विश्वविद्यालय, 2017	कार्बोनेट निक्षेपण प्रणाली, समुद्र-स्तर में उतार-चढ़ाव, भूतापीय ऊर्जा
उत्सव मन्नू	सहायक प्राध्यापक	एथ ज्यूरिख, 2016	संख्यात्मक मॉडलिंग का उपयोग करके भूगर्भीय प्रक्रियाओं की समग्र प्रशंसा
आर एन सिंह	अतिथि प्राध्यापक	बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, 1969	निकट-सतह भूभौतिकीय और पर्यावरणीय प्रक्रियाओं की मॉडलिंग
प्रदीप श्रीवास्तव	सहायक प्राध्यापक	पीपुल्स फ्रेंडशिप यूनिवर्सिटी, मॉस्को, रूस, 1983	सैद्धांतिक यांत्रिकी और नियंत्रण प्रणाली
विद्युत अभियांत्रिकी			
तरुण कुमार अग्रवाल	सहायक प्राध्यापक	केयू ल्यूवेन, 2018	उभरते नैनोस्केल उपकरणों की मॉडलिंग और अनुकरण
पल्लवी भारद्वाज**	सहायक प्राध्यापक	भारतीय विज्ञान संस्थान, 2019	अक्षय ऊर्जा रूपांतरण प्रणालियों का डिजाइन, मॉडलिंग और अनुकूलन
अरूप लाल चक्रवर्ती	प्राध्यापक	स्ट्रैथक्लाइड विश्वविद्यालय, यूके, 2010	गैस पैरामीटर माप के लिए ट्यून करने योग्य डायोड लेजर स्पेक्ट्रोस्कोपी
एस बी चक्रवर्ती	अतिथि प्राध्यापक	भा.प्रौ. सं खड़गपुर, 1995	इलेक्ट्रोमैग्नेटिक मॉडलिंग, सिमुलेशन और एंटीना का डिजाइन, माइक्रोवेव रिमोट सेंसिंग और नेविगेशन
मुकुल चांदोरकर**	अतिथि प्राध्यापक	विस्कॉन्सिन-मैडिसन विश्वविद्यालय, यूएसए, 1995	इलेक्ट्रिक मशीन विश्लेषण, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स में माइक्रोप्रोसेसर अनुप्रयोग, पावर इलेक्ट्रॉनिक सर्किट का अनुकरण
नितिन जॉर्ज	सह - प्राध्यापक	भा.प्रौ. सं भुवनेश्वर, 2012	सक्रिय शोर नियंत्रण, अनुकूली सिग्नल प्रोसेसिंग
रवि हेज	सह - प्राध्यापक	मिशिगन विश्वविद्यालय, एन, आर्बर, 2008	नैनोस्ट्रक्चर के ऑप्टिकल गुण
आनंद कुमार	अभ्यासगत प्राध्यापक	लखनऊ विश्वविद्यालय, 1998	विद्युत क्षेत्र विनियमन, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण, नीति और वित्त, नवीकरणीय ऊर्जा नीति और विनियमन
रागवन के.	सह - प्राध्यापक	भारतीय विज्ञान संस्थान, 2006	ट्रांसफार्मर डायग्नोस्टिक्स
उत्तम लहरी	प्राध्यापक	वेंडरबिल्ट यूनिवर्सिटी, 2011	भावात्मक कंप्यूटिंग में प्रयुक्त आभासी वास्तविकता आधारित मानव कंप्यूटर अन्योन्यक्रिया
जॉयसी मेकी	सह - प्राध्यापक	भा.प्रौ. सं बॉम्बे, 2009	वीएलएसआई डिजाइन
निहार रंजन महापात्र	प्राध्यापक	भा.प्रौ. सं बॉम्बे, 2003	अर्धचालक उपकरण और प्रौद्योगिकी

अनुशासन	पदनाम	पीएचडी/ अंतिम उपाधि	विशेषज्ञता
नारन एम पिंडोरिया	सह - प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं कानपुर, 2009	पावर सिस्टम का पुनर्गठन- तकनीकी और आर्थिक मुद्दे
एस राजेंद्रन	सहयोगी शिक्षण प्राध्यापक	भा.प्रौ. सं मद्रास (एमटेक), 1998	हाई स्पीड पैकेजिंग मशीन-वीएफएफएस और एचएफएफएस प्रौद्योगिकियां
शनमुगनाथन रमन	सह - प्राध्यापक	भा.प्रौ. सं बॉम्बे, 2011	कम्प्यूटेशनल फोटोग्राफी
झूमा साहा	सहायक प्राध्यापक	भा.प्रौ. सं बॉम्बे, 2019	III-V सेमीकंडक्टर सामग्री और उपकरण, माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक और वीएलएसआई डिजाइन
हिमांशु शेखर	सहायक प्राध्यापक	रोचेस्टर विश्वविद्यालय, 2014	चिकित्सीय अल्ट्रासाउंड और गैर रेखीय इमेजिंग
मानविकी और सामाजिक विज्ञान			
अम्बिका अय्यदुराई	सहायक प्राध्यापक	सिंगापुर राष्ट्रीय विवि, 2015	प्रकृति संरक्षण का नृविज्ञान और स्थानीय समुदायों की भूमिका
मो. मुबश्शिर अहसन	व्याख्याता	जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, 2016	भारत में अरबी और इस्लामी अध्ययन
अर्का चट्टोपाध्याय	सहायक प्राध्यापक	पश्चिमी सिडनी विश्वविद्यालय, 2016	20वीं सदी का साहित्य: आधुनिकतावाद और उत्तर आधुनिकतावाद, आधुनिक रंगमंच, यूरोपीय अवांट गार्डे फिक्शन
निशांत चौकसी	सहायक प्राध्यापक	मिशिगन विश्वविद्यालय, एन आर्बर, 2014	लाक्षणिकता; भाषाई नृवंशविज्ञान; स्क्रिप्ट और लेखन प्रणाली
जोयुंग किम	सहायक शिक्षण प्राध्यापक	डेलावेयर विश्वविद्यालय, 2018	भाषाविज्ञान वाक्य रचना और शब्दार्थ
शर्मिता लाहिड़ी	सह - प्राध्यापक	ह्यूस्टन विश्वविद्यालय, 2008	उत्तर औपनिवेशिक साहित्य और रचना
लेस्ली लज़ार	सहायक शिक्षण प्राध्यापक	भारतीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र, गुरुग्राम, 2013	डिजाइन, विज्ञान संचार, सांस्कृतिक अनुभूति, व्यवहार परिवर्तन के तंत्रिका विज्ञान
जैसन ए मंजली	प्राध्यापक	भा.प्रौ. सं खड़गपुर, 2008	अनुभव, चेतना, तर्कसंगतता
एंगस मैकब्लेन	सहायक प्राध्यापक	कार्डिफ़ विश्वविद्यालय, 2014	सांस्कृतिक सिद्धांत, अवतार, पर्यावरण मानविकी
अचल मेहरा*	अतिथि प्राध्यापक	दक्षिणी इलिनोइस विश्वविद्यालय, कार्बोंडेल, 1985	ऑनलाइन मीडिया, मीडिया प्रबंधन, खोजी रिपोर्टिंग, मीडिया कानून और मीडिया नैतिकता
कृष्ण प्रसाद मियापुरम	सह - प्राध्यापक	कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, 2008	मस्तिष्क इमेजिंग (एफ एम आर आई) और संज्ञानात्मक विज्ञान
रोजा मारिया डी फिगुएरेडो पेरेस	अतिथि प्राध्यापक	आईएससीटीई, लिस्बन, 1992	भारत में सामाजिक संरचना, सामाजिक अलगाव, सबाल्टर्न अध्ययन, पुर्तगाली उपनिवेशवाद और उत्तर-उपनिवेशवाद
वी एन प्रभाकर	सह - प्राध्यापक	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, 2013	प्रोटोहिस्टोरिकल इंडिया का पुरातत्व
अर्णपूर्णा रथ	सहायक प्राध्यापक	भा.प्रौ. सं बॉम्बे, 2010	दक्षिण एशियाई साहित्य, महत्वपूर्ण सिद्धांत, बख्तीन अध्ययन, रचनात्मक लेखन
मधुमिता सेनगुप्ता	सहायक प्राध्यापक	कलकत्ता विश्वविद्यालय, 2009	औपनिवेशिक भारत और असम का सामाजिक-राजनीतिक इतिहास
माना ए शाह	व्याख्याता	गुजरात विश्वविद्यालय, (एमए), 2012	संस्कृत और प्राकृत व्याकरण, जैन काव्य और स्तोत्र साहित्य, पांडुलिपि विज्ञान
दीपक सिंघानिया	सहायक प्राध्यापक	कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, रिवरसाइड, 2017	विकास अर्थशास्त्र, सार्वजनिक नीति और राजनीतिक अर्थव्यवस्था की सहभागिता
मालविका सुब्रमण्यम ***	सह - प्राध्यापक	हार्वर्ड विश्वविद्यालय, 2009	पोषण और मधुमेह पर सामाजिक आर्थिक संदर्भ और पड़ोस
मीरा मैरी सनी	सह - प्राध्यापक	वारविक विश्वविद्यालय, 2011	दृश्य ध्यान, ध्यान आकर्षण
आशीष शाशा **	सहायक प्राध्यापक	टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, 2021	विकास अध्ययन, शहरी समाजशास्त्र, आदिवासी समाजशास्त्र, सामाजिक बहिष्कार और समावेशी नीतियां
पदार्थ अभियांत्रिकी			
अमित अरोड़ा	सह - प्राध्यापक	पेंसिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी, 2011	घर्षण हलचल वेल्डिंग, गर्मी हस्तांतरण और विस्को-प्लास्टिक प्रवाह
अभय राज सिंह गौतम	सहायक प्राध्यापक	वर्जीनिया विश्वविद्यालय, 2009	इंटरफ़ेस संरचना और गतिशीलता
प्रदीप्त घोष	सहायक प्राध्यापक	भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर, 2014	नैनोक्रिस्टलाइन धातु मिश्र धातुओं और कंपोजिट का संश्लेषण, नैनोक्रिस्टलाइन सामग्री का सूक्ष्म संरचना लक्षण वर्णन

* वर्ष के उस भाग के लिए
** वर्ष के दौरान शामिल हुए
*** दिवंगत

अनुशासन	पदनाम	पीएचडी/ अंतिम उपाधि	विशेषज्ञता
एसपी मेहरोत्रा	अतिथि प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं कानपुर, 1973	खनिज प्रसंस्करण और प्रक्रिया धातु विज्ञान
अभिजीत मिश्रा	सह - प्राध्यापक	इलिनोइस विश्वविद्यालय, अर्बाना-शैंपेन, 2010	एक्स-रे विवर्तन, झिल्ली गुण
ज्योति मुखोपाध्याय	अतिथि प्राध्यापक	भा.प्रौ. सं बॉम्बे, 1982	संरचना - संपत्ति सहसंबंध
उत्तम कुमार मिश्रा	सह - प्राध्यापक	इंपीरियल कॉलेज लंदन, 2007	बायोमैटेरियल्स और ऊतक अभियांत्रिकी
राघवन रंगनाथन	सहायक प्राध्यापक	रेनेस्सीलायर पॉलीटेकनीक संस्थान, 2016	संरचना के परमाणु/आण्विक सिमुलेशन- संपत्ति संबंध और नरम पदार्थ की गतिशीलता
श्रीहरिथा रोथू	सहायक प्राध्यापक	इकोल पॉलीटेकनीक फेडराले डे लउसाने, 2016	गीला और गीला करने वाली घटनाएं
एमिला पंडा	सह - प्राध्यापक	मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट, जर्मनी, 2009	पतली फिल्मों और नैनोसंरचित सामग्री की जांच
गणित			
संजयकुमार अमृतिया	सहायक प्राध्यापक	हरीश-चंद्रा रिसर्च इंस्टीट्यूट, इलाहाबाद, 2012	तन्नाकियन समूह योजनाएं, मोडुली स्पेस, वेक्टर बंडल
प्रोजेश नाथ चौधरी **	सहायक प्राध्यापक	भा.प्रौ. सं मद्रास, 2018	मैट्रिक्स सिद्धांत, सकारात्मकता और संयोजन विज्ञान के संबंध में
अतुल अभय दीक्षित	सह - प्राध्यापक	उरबाना में इलिनोइस विश्वविद्यालय- शैंपेन, 2012	विश्लेषणात्मक संख्या सिद्धांत
मोहन जोशी	अतिथि प्राध्यापक	पर्ड्यू विश्वविद्यालय, 1973	अरेखीय विश्लेषण
गदाधर मिश्र	अतिथि प्राध्यापक	स्टोनी ब्रूक विश्वविद्यालय, एनवाई, 1982	जटिल ज्यामिति और प्रतिनिधित्व सिद्धांत से उपकरण का उपयोग कर ऑपरेटर सिद्धांत का व्यापक क्षेत्र
रोहित कुमार मिश्रा	सहायक प्राध्यापक	टी आई एफ आर सेंटर फॉर एप्लिकेशन मैथमेटिक्स बैंगलोर, 2017	अभिन्न ज्यामिति, आंशिक अंतर समीकरणों से संबंधित व्युत्क्रम समस्याओं का क्षेत्र
चेतन पहलजानी	सहायक प्राध्यापक	इलिनोइस विश्वविद्यालय, उरबाना-शैंपेन, 2007	संभाव्यता सिद्धांत और स्टोकेस्टिक प्रक्रियाएं
सत्यजीत प्रमाणिक*	सहायक प्राध्यापक	भा.प्रौ. सं रोपड़, 2016	गणितीय मॉडलिंग और वैज्ञानिक कंप्यूटिंग
अर्नब साहा	सहायक प्राध्यापक	न्यू मैक्सिको विश्वविद्यालय, 2012	अंकगणित जेट रिक्त स्थान
बिपुल सौरभ	सहायक प्राध्यापक	भारतीय सांख्यिकीय संस्थान, दिल्ली, 2016	ऑपरेटर बीजगणित, गैर-अनुसूचित ज्यामिति और क्वांटम समूह
इंद्रनाथ सेनगुप्ता	प्राध्यापक	भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर, 2001	क्रमविनिमेय बीजगणित, बीजगणितीय ज्यामिति
वी डी शर्मा	अतिथि प्राध्यापक	बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, 1972	आंशिक अवकल समीकरणों की अधिरेखीय प्रणालियाँ
तान्या कौशल श्रीवास्तव	सहायक प्राध्यापक	फरिए विवि, बर्लिन जर्मनी, 2018	बीजगणितीय ज्यामिति (गणित)
जगमोहन त्यागी	सह - प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं कानपुर, 2008	साधारण अंतर समीकरण, अण्डाकार आंशिक अंतर समीकरण
अक्षा वटवानी	सहायक प्राध्यापक	क्वीन विश्वविद्यालय, 2016	विश्लेषणात्मक संख्या सिद्धांत, चलनी विधि और बीजगणितीय संख्या सिद्धांत
यांत्रिक अभियांत्रिकी			
रवि शास्त्री अय्यागरी	सहायक प्राध्यापक	इलिनोइस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, 2013	ठोस यांत्रिकी, संवैधानिक मॉडलिंग, कम्प्यूटेशनल यांत्रिकी
अतुल भार्गव	प्राध्यापक	मैरीलैंड विश्वविद्यालय, कॉलेज पार्क, 2010	ईंधन सेल सिस्टम डिजाइन और सिमुलेशन
उदिप्त घोष	सहायक प्राध्यापक	भा.प्रौ. सं खड़गपुर , 2016	कम-रेनॉल्ड्स संख्या हाइड्रोडायनामिक्स, जटिल प्रणालियों के इलेक्ट्रोकैनेटिक्स पर विशेष ध्यान देने के साथ
के आर जयप्रकाश	सहायक प्राध्यापक	उरबाना चैंपियन, 2013 में इलिनोइस विश्वविद्यालय	एक और दो आयामी दानेदार मीडिया में तरंग प्रसार
चेल्वा कुमार **	अतिथि प्राध्यापक	कैलिफोर्निया प्रौद्योगिकी संस्थान, 1985	सौर ऊर्जा: सेल भौतिकी, पैनल उत्पादन, अपतटीय प्रतिष्ठान और सौर ऊर्जा अर्थशास्त्र और वित्त
हरीश जे पलानथंडलम-मदापुसी	सह - प्राध्यापक	मिशिगन विश्वविद्यालय, एन आर्बर, 2007	सिस्टम और नियंत्रण सिद्धांत, सिस्टम पहचान (आँकड़े-आधारित मॉडलिंग)
विनोद नारायणन	सह - प्राध्यापक	जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र, बेंगलोर, 2006	द्रव यांत्रिकी
एन रामकृष्णन	अतिथि प्राध्यापक	भा.प्रौ. सं बॉम्बे, 1980	विनिर्माण, स्वचालन और समग्र सामग्री

अनुशासन	पदनाम	पीएचडी/ अंतिम उपाधि	विशेषज्ञता
डी पी रॉय*	अतिथि प्राध्यापक	टेक यूनिवर्सिटी आचेन, 1976	द्रव गतिकी और द्रव मशीनरी
सौम्यदीप सेट	सहायक प्राध्यापक	शिकागो में इलिनोइस विश्वविद्यालय, 2016	एनर्जी अभियांत्रिकी, थर्मो-फ्लुइड्स, हीट ट्रांसफर, इंटरफेशियल फेनोमेना और माइक्रो/ नैनोस्केल
जी के शर्मा	अतिथि प्राध्यापक	मॉस्को पावर अभियांत्रिकी संस्थान, 1974	थर्मल अभियांत्रिकी
हरमीत सिंह**	सहायक प्राध्यापक	वर्जीनिया टेक, 2018	शास्त्रीय सातत्य यांत्रिकी; लोच; एक आयामी पतले शरीर के यांत्रिकी
दिलीप एस सुंदरम	सह - प्राध्यापक	जॉर्जिया प्रौद्योगिकी संस्थान, 2013	थर्मोफ्लुइड विज्ञान, दहन और ऊर्जावान सामग्री
जयचंदर स्वामीनाथन	सहायक प्राध्यापक	मेसेशुसेट्स प्रौद्योगिकी संस्थान, 2017	थर्मल विज्ञान, जल-ऊर्जा प्रणाली, औद्योगिक पुन: उपयोग और पुनर्चक्रण
वेंकट मधुकांत वडाली	सहायक प्राध्यापक	विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय, मैडिसन, 2013	डायनेमिक सिस्टम, कंट्रोल सिस्टम, मैन्युफैक्चरिंग, मेक्ट्रोनिक्स, रोबोटिक्स
विनीत वशिष्ठ	सहायक प्राध्यापक	कोलंबिया विश्वविद्यालय, 2015	यांत्रिक प्रणालियों का डिजाइन और नियंत्रण
भौतिक विज्ञान			
रूपक बनर्जी	सह - प्राध्यापक	कलकत्ता विश्वविद्यालय (साहा परमाणु भौतिकी संस्थान), 2012	भूतल भौतिकी और सामग्री विज्ञान
प्रसन्ना वेंकटेश बालासुब्रमण्यन	सहायक प्राध्यापक	मैकमास्टर विश्वविद्यालय, 2013	क्वांटम ऑप्टिक्स और नैनोफिजिक्स, अल्ट्राकोल्ड एटॉमिक फिजिक्स में सैद्धांतिक शोध
अर्पण भट्टाचार्य	सहायक प्राध्यापक	भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर, 2015	कई-शरीर प्रणालियों में क्वांटम उलझाव
विनोद चंद्रा	सह - प्राध्यापक	भा.प्रौ. सं कानपुर, 2009	क्वार्क-ग्लूऑन-प्लाज्मा और सापेक्षवादी भारी आयन टकराव
बरध्वज कोलेप्पा	सह - प्राध्यापक	मिशिगन राजकीय विश्वविद्यालय, 2009	मानक मॉडल से परे - मॉडल बिल्डिंग और एलएचसी, नए राज्यों की घटनाएं
कृष्ण कांति डे	सहायक प्राध्यापक	भा.प्रौ. सं गुवाहटी, 2011	सक्रिय पदार्थ, कोलाइडल गतिकी, नैनो प्रौद्योगिकी
गोपीनाथन कलौं	सहायक प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं दिल्ली, 2008	प्रायोगिक संघनित पदार्थ भौतिकी, नैनोफ्लुइडिक्स/विलवणीकरण तकनीक
क्रिस्टा रोलुआहपुइया खियांगते **	सहायक प्राध्यापक	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे, 2018	प्रायोगिक संघनित पदार्थ भौतिकी
चंदन कुमार	सहायक प्राध्यापक	जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र, बेंगलोर, 2017	प्रायोगिक नरम संघनित पदार्थ भौतिकी
रुसा मंडल**	सहायक प्राध्यापक	द इंस्टीट्यूट ऑफ मैथमैटिकल साइंसेज, चेन्नई, 2018	उच्च ऊर्जा कण भौतिकी
आर आर पुरी	अतिथि प्राध्यापक	बॉम्बे विश्वविद्यालय, 1981	सैद्धांतिक क्वांटम प्रकाशिकी, क्वांटम यांत्रिकी, क्वांटम अराजकता का यादृच्छिक मैट्रिक्स सिद्धांत
सुतापा रॉय	सहायक प्राध्यापक	जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र, बेंगलोर, 2013	सैद्धांतिक भौतिकी, सांख्यिकीय यांत्रिकी, मृदु पदार्थ
सुदीप्त सरकार	सह - प्राध्यापक	पुणे विश्वविद्यालय, आइयूसीएए, 2009	सामान्य सापेक्षता और ब्लैक होल ऊष्मप्रवैगिकी
आनंद सेनगुप्ता	सह - प्राध्यापक	आईयूसीएए पुणे, 2005	गुरुत्वाकर्षण तरंगों का पता लगाना, सीएमबी आँकड़े विश्लेषण के पहलू

* वर्ष के उस भाग के लिए
** वर्ष के दौरान शामिल हुए
*** दिवंगत

गैर शैक्षणिक स्टाफ नियमित पदों के समक्ष

कर्मचारी का नाम	पद
कुणाल अग्निहोत्री	कनिष्ठ लेखा सहायक
ज्योतिष ए पी	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक
एम अर्मुगम	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक
सुगन्या अरुमुगम	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
पलक आर बगिया	प्रयोगशाला सहायक
सुदीप नारायण बनर्जी*	प्रणाली विश्लेषक
सुवकांत बारिक	तकनीकी अधीक्षक
राजू बीरसेंट	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
तिमिर याकुंज बेरवाला	सहायक
राम बाबू भगत	संयुक्त कुलसचिव
मुकेश भंडारी*	सहायक कुलसचिव
राहुलेंद्र भास्कर	तकनीकी अधीक्षक
कंदर्प भट्ट	कनिष्ठ लेखा अधिकारी
नीरव मदनभाई भट्ट	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
साबरमती भट्टाचार्य	पुस्तकालय सूचना सहायक
तुषार ब्रह्मभट्ट	प्रयोगशाला परिचारक
अरविंद चधर	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक
सप्तमी छत्रज**	कनिष्ठ अभियंता
बिरेश चौबे	सहायक कुलसचिव
पन्नाबेन चौधरी	सहायक लाइब्रेरियन
हरेश कुमार चौधरी	सहायक स्टाफ नर्स
रोहित चौधरी	तकनीकी अधीक्षक
प्रवीण चौहान	कनिष्ठ अधीक्षक
कृपाश चौहान	कनिष्ठ लेखाकार
प्रतीककुमार चावड़ा	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
आकाश चौबे**	कनिष्ठ सहायक
अक्षय कुमार चौधरी **	कनिष्ठ सहायक
प्रेम कुमार चोपड़ा	कुलसचिव
पारुलबेन क्रिश्चियन	सहायक स्टाफ नर्स
तपस दास	वरिष्ठ पुस्तकालय सूचना सहायक
दिनेश देसाई	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक
लव देशवाल **	सहायक अभियंता
जयेश ढाभाई**	कनिष्ठ अभियंता
भावना धरणी	कनिष्ठ लेखाकार
तेज बहादुर गुरुंग	सहायक
सुपिन गोपी	तकनीकी अधीक्षक
हेमंत गुप्ता	कनिष्ठ सहायक
लक्ष्मी हिरानी	प्रयोगशाला सहायक
योगेश जाडे	कनिष्ठ अधीक्षक
सुदर्शनी जैन	कनिष्ठ लेखा अधिकारी
निविता नवल जैन	कनिष्ठ लेखा सहायक
पीयूष जायसवाल **	सहायक अभियंता
अचिन्त्य जना	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
एन जयकुमार	सहायक यंत्री
मीना जोशी	सहायक कुलसचिव
संतोष कुमार जोशी	सहायक शारीरिक प्रशिक्षण प्रशिक्षक
जितेश वी के	अधीक्षक
नवदीवाला के	प्रयोगशाला सहायक
पायल कबारिया	कनिष्ठ सहायक
आशीष कनौजिया	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
धर्मेशकुमार कपाड़िया	प्रयोगशाला परिचारक
मंगेशकर कराडे	कनिष्ठ अभियंता
हनी खमर	सहायक
चिराग कुहा	कनिष्ठ लेखा सहायक
विकास कुमार	कार्यकारी अभियंता (सिविल)
अनिल कुमार	कनिष्ठ लेखा सहायक
संजय कुमार*	सहायक कुलसचिव
शरद कुमार*	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
दीपककुमार लालपुरा	कनिष्ठ सहायक
पीजूष मजूमदार	सहायक कुलसचिव
प्रशांत मकवाना	सहायक
परेश बी मकवाना	कनिष्ठ लेखा सहायक
श्रीकांत माली	कनिष्ठ अधीक्षक
इब्राहिम मलिक*	सहायक अभियंता
विजय मीणा	कनिष्ठ लेखाकार
पार्थ मेहता	कनिष्ठ सहायक
लक्ष्मीकांत मिश्रा	सहायक कार्यकारी अभियंता
अर्चिताबेन एम मुच्छाड़िया **	वरिष्ठ पुस्तकालय सूचना सहायक
सिद्ध नाथ **	कनिष्ठ अधीक्षक
प्रदीपभाई निनामा	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक
धर्मेंद्र पांचाल	सहायक अभियंता
संजीव पाण्डेय	लेखा अधिकारी
आशीष पाण्डेय	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक
प्रग्नेश पारेख	तकनीकी अधीक्षक
दिनेश परमार	वरिष्ठ शारीरिक प्रशिक्षण प्रशिक्षक
भाविक परमार	कनिष्ठ लेखा सहायक
शैलेश कुमार पटनी	कनिष्ठ सहायक
सचिन पटेल	वरिष्ठ प्रणाली विश्लेषक
संकेत पटेल	तकनीकी अधीक्षक
ट्विंकल पटेल	लेखा अधिकारी
हर्षद पटेल	लेखा अधिकारी

कामिनी पटेल	कनिष्ठ अधीक्षक
एरिका पटेल	कनिष्ठ लेखा अधिकारी
दर्शन पटेल	सहायक
जिग्नेश पटेल	प्रयोगशाला सहायक
संजय पटेल	प्रयोगशाला सहायक
भीखाभाई पटेल	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक
राजेंद्रभाई पटेल	कनिष्ठ सहायक
आकाश पटेल*	कनिष्ठ अधीक्षक
जितेंद्र पवार	कनिष्ठ लेखाकार
कृष्ण पिलोजपारा	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
नीरज पिपलोदा **	अधीक्षण अभियंता
डॉन प्लैकल	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
जयेश प्रजापति	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक
आशीष पुंडीर**	कनिष्ठ सहायक
नरेंद्र रबाडिया	सहायक
वैभवी राउलजी	कनिष्ठ सहायक
संतोष राऊत	अधीक्षक
प्रणव रोहित	सहायक कुलसचिव
पवित्रा कुमार राउत	कनिष्ठ लेखाकार
सास्वती राय	सहायक कुलसचिव
कुमार साहा	कनिष्ठ लेखा सहायक
शिवराम साहू	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक
रूपाली साल्वे	कनिष्ठ सहायक
जय संपत	कनिष्ठ लेखा सहायक
कोमल संगतानी	सहायक
वायरल शाह	सहायक कुलसचिव
सुजीत शाह	सहायक
ह्रदेश शर्मा	संयुक्त कुलसचिव
मुकेश शर्मा	सीनियर स्टाफ नर्स
दीपक शर्मा	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
गौरव शुक्ला	अधीक्षक
नितिन शुक्ला	तकनीकी अधीक्षक
मंताशा सिद्दीकी	पुस्तकालय सूचना सहायक
गौरव सिंह	कनिष्ठ अधीक्षक
गौतम कुमार सिंह**	कनिष्ठ अधीक्षक
रत्नेश सिंह	सहायक शारीरिक प्रशिक्षण प्रशिक्षक
हरीश सिंह	कनिष्ठ सहायक
तेनिलस् सोलंकी	अधीक्षक
मृगेश सोलंकी	अधीक्षक
रवि सोनी	सहायक कार्यकारी अभियंता
जतिन कुमार सोनी	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
हीरल सूचक	कनिष्ठ लेखाकार
रविराज सुखाड़िया	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
इशानी एम सुतारिया **	सहायक कुलसचिव
विजय सुत्रेजा**	कनिष्ठ सहायक
सचिन तावड़े	तकनीकी अधीक्षक
प्रभुजी ठाकोर	प्रयोगशाला परिचारक
सुप्रेश थलेशरी	प्रयोगशाला परिचारक
शुभम टोंगरे	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
अमन त्रिपाठी	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
सूर्यकांत त्यागी	कनिष्ठ अभियंता
राजेंद्र वैष्णव	लेखा अधिकारी
लक्ष्मीप्रिया वलाप्पिल	कनिष्ठ लेखाकार
पीयूषभाई वनकर	सहायक
मनीष यादव	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक
अंजना बा झाला	कनिष्ठ लेखाकार
देवेंद्रसिंह झाला	चालक
रज्जी	कनिष्ठ अभियंता
अक्षय	कनिष्ठ लेखाकार
जयप्रकाश**	कनिष्ठ सहायक
बबलू	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक

* वर्ष के उस भाग के लिए
** वर्ष के दौरान शामिल हुए

पूर्व छात्र संबंध

भा.प्रौ.सं गांधीनगर के पूर्व छात्र धन उगाहने वाले अभियानों, मास्टरक्लास सत्र, पूर्व छात्रों से मिलने और वार्षिक पूर्व छात्रों के पुनर्मिलन सहित कई पूर्व छात्रों की पहल में लगे हुए हैं। पिछले कुछ वर्षों में, प्रभावी पारस्परिक संचार, वैयक्तिकरण, नेटवर्किंग इवेंट्स, करियर सेवाओं, अवसर देने और पूर्व छात्रों को सलाह देने वाले कार्यक्रमों सहित कई तरीकों से पूर्व छात्रों की व्यस्तता में सुधार हुआ है।

पूर्व छात्र 2022-23 द्वारा वार्षिक दान

- 54.8% पूर्व छात्रों ने भा.प्रौ.सं गांधीनगर को दान दिया
- 2012-13 से 2022-23 के दौरान 85% पूर्व छात्रों ने भा.प्रौ.सं गांधीनगर को दान दिया

वार्षिक धन उगाहने वाले अभियान का उद्देश्य भागीदारी दर व कुल दान देने वाले पूर्व छात्रों को बढ़ाना है। भा.प्रौ.सं गांधीनगर के पूर्व छात्रों द्वारा अपने अल्मा मेटर का समर्थन करने हेतु वित्तीय दान करने की प्रथा पिछले कुछ वर्षों में बेहद सफल रही है।

वित्तीय वर्ष 2022-2023 के दौरान भा.प्रौ.सं गांधीनगर के 54% से अधिक पूर्व छात्रों ने सामूहिक रूप से 4000 रुपये के औसत दान के साथ 69 लाख रुपये का वित्तीय योगदान दिया है। पूर्व छात्रों को पंद्रह विभिन्न श्रेणियों में से अपने पसंदीदा निधि में वित्तीय दान करने का अवसर मिला।

भा.प्रौ.सं गांधीनगर में दान देने वाले पूर्व छात्रों ने विभिन्न कार्यक्रमों के लिए तेईस पूर्व छात्र छात्रवृत्ति, छह वर्ग छात्रवृत्ति और बैच उपहार निधि बनाई है।

पूर्व छात्रों द्वारा पिछले चार वित्तीय वर्षों के दौरान दिया गया दान

वित्तीय वर्ष	पूर्व छात्रों की संख्या	पूर्व छात्र दाता	दाताओं का प्रतिशत	कुल दान	औसत दान	दान मध्य
2019-20	1,762	883	50.1%	₹36L	₹4,103	₹2,000
2020-21	2,208	1,215	55%	₹56L	₹4,602	₹1,000
2021-22	2,749	1,381	50.2%	₹47L	₹3,388	₹500
2022-23	3,140	1,723	54.9%	₹69L	₹4,007	₹500

युवा पूर्व छात्र उत्कृष्टता पुरस्कार

भा.प्रौ.सं गांधीनगर में युवा पूर्व छात्र उत्कृष्टता पुरस्कार हाल के स्नातकों की उपलब्धियों को सम्मानित करते हैं तथा भा.प्रौ.सं गांधीनगर में उनकी शिक्षा और अनुभवों के प्रभाव को उजागर करते हैं। पुरस्कार भा.प्रौ.सं गांधीनगर के पूर्व छात्रों की उपलब्धियों को पहचानते हैं जिन्होंने अपने करियर की शुरुआत में अपने संबंधित क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिए हैं।

होमकमिंग 2022 के दौरान विभिन्न श्रेणियों में चार पूर्व छात्र उत्कृष्टता पुरस्कार के अंतर्गत एक पदक और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धि
योगेश गोयल
सहायक प्राध्यापक, नॉर्थवेस्टर्न विश्वविद्यालय, यूएसए

उत्कृष्ट व्यावसायिक उपलब्धि
किसलय पंकज
सीटीओ, संस्थापक सदस्य, मिसेलियो मोटर्स, भारत

उत्कृष्ट उद्यमिता
सार्थक जैन
सीईओ, नैनोनेट्स, यूएसए

प्रथमेश जुवात्कर
सीटीओ, नैनोनेट्स, यूएसए

आयोजन

पहला ग्रैंड वॉक समारोह

कोविड -19 महामारी का जीवन के कई पहलुओं पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है, जिसमें 2020 और 2021 के दौरान भा.प्रौ.सं गांधीनगर दीक्षांत समारोह जैसी परंपराएँ शामिल हैं। स्नातकों के लिए दीक्षांत समारोह से चूकना निराशाजनक था, भा.प्रौ.सं गांधीनगर के पूर्व छात्र संबंध, 2020 और 2021 की कक्षा के लिए पहला ग्रैंड वॉक समारोह लेकर आए, जिसने एक भौतिक दीक्षांत समारोह में भाग लेने और इसे अपने प्रियजनों के साथ मनाने का अनुभव दिया। 23 दिसंबर, 2022 को आयोजित ग्रेड वॉक समारोह में 250 से अधिक स्नातकों ने भाग लिया।

घर वापसी 2022

भा.प्रौ.सं गांधीनगर में घर वापसी एक वार्षिक पूर्व छात्र कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य विभिन्न वर्षों के स्नातकों को एक साथ एकत्रित करना व उनके साझा अनुभवों और यादों को संजोना है। भा.प्रौ.सं गांधीनगर में घर वापसी पूर्व छात्रों को पुराने दोस्तों के साथ फिर से जुड़ने, अन्य पूर्व छात्रों के साथ तंत्र बनाने व अपने अल्मा मेटर से जुड़े रहने का अवसर प्रदान करता है।

पूर्व छात्रों की बैठक

मुंबई में पूर्व छात्रों की बैठक

26 फरवरी, 2023 को प्राध्यापक-इन-चार्ज, पूर्व छात्र संबंध, प्रो. जैसन मंजली द्वारा मुंबई में पूर्व छात्रों की बैठक की मेजबानी की गई। मुंबई और पुणे के 50 से अधिक पूर्व छात्रों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

बैंगलोर में पूर्व छात्रों की बैठक

06 फरवरी, 2023 को प्रो जैसन मंजली (प्रो.-इन-चार्ज, एलुमनी रिलेशंस) द्वारा बैंगलोर में पूर्व छात्रों की बैठक की मेजबानी की गई। इस कार्यक्रम में 180 से अधिक पूर्व छात्रों ने भाग लिया। पूर्व छात्रों को प्रो. सुधीर जैन (संस्थापक निदेशक, भा.प्रौ.सं गांधीनगर), प्रो. अशोक मिश्रा (पूर्व निदेशक, भा.प्रौ.सं बॉम्बे), धनंजय कोलूर (कंप्यूटर उत्पाद प्राइवेट लिमिटेड के एमडी) के साथ बातचीत करने का मौका मिला।

भा.प्रौ.सं गांधीनगर नेक्स्ट - पूर्व छात्र मीटअप यूएसए

प्रो. अमित प्रशांत, आशुतोष श्रीवास्तव, जैसन मंजली, नीलधारा मिश्रा, नितिन जॉर्ज और प्रतीक मुथा सहित भा.प्रौ.सं गांधीनगर संकाय टीम ने भा.प्रौ.सं गांधीनगर के पूर्व छात्रों और दोस्तों से मिलने के लिए 29 मई से 18 जून, 2022 तक संयुक्त राज्य अमेरिका के विभिन्न शहरों का दौरा किया। बोस्टन, सिएटल, सैन फ्रांसिस्को, सैन डिएगो, लॉस एंजिल्स, वर्जीनिया टेक, टाम्पा, वाशिंगटन डीसी और न्यू जर्सी सहित संयुक्त राज्य अमेरिका में कई स्थानों पर पूर्व छात्रों की बैठक आयोजित की गई थी। संयुक्त राज्य अमेरिका में लगभग 100 भा.प्रौ.सं गांधीनगर पूर्व छात्रों ने कई शहरों में आयोजित कार्यक्रमों में भाग लिया। भा.प्रौ.सं गांधीनगर के शुभचिंतक सुरेश शेनॉय (भा.प्रौ.सं बॉम्बे के पूर्व छात्र), हितेन घोष (भा.प्रौ.सं खड़गपुर के पूर्व छात्र), अतुल सिंह (फेयर ऑब्जर्वर के प्रधान संपादक और विजिटिंग प्रो. भा.प्रौ.सं गांधीनगर), क्रिस्टोफर शेल (फेयर ऑब्जर्वर के योगदान संपादक) भी इसमें शामिल थे।

पूर्व छात्रों की पहल

पूर्व छात्र निवास कार्यक्रम

पूर्व छात्रों को संस्थान की विभिन्न गतिविधियों और पहलों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जैसे शिक्षण पाठ्यक्रम, छात्र-संचालित परियोजनाओं की सलाह देना और उद्यमशीलता की पहल।

कक्षा में पूर्व छात्र

संकाय पूर्व छात्रों को चर्चा और शिक्षण के लिए कक्षा में संलग्न करता है।

पूर्व छात्र मास्टरक्लास

पूर्व छात्रों द्वारा प्रस्तुत वर्चुअल वेबिनार- 25 से अधिक मास्टरक्लास सत्र आयोजित किए गए हैं।

पूर्व छात्र स्टार्ट-अप संवाद

पूर्व छात्र उद्यमी उद्यमशीलता की सोच, रणनीतियों, सफलता प्रबंधन और स्टार्ट-अप के प्रक्षेपवक्र में अपनी अंतर्दृष्टि साझा करते हैं।

सहायक पूर्व छात्र कार्यक्रम

विभिन्न कार्यक्रमों जैसे ग्रीष्मकालीन अनुसंधान अंतःशिक्षुता कार्यक्रम, गैर-डिग्री छात्रों आदि के लिए भा.प्रौ.सं गांधीनगर में समय बिताने वाले छात्र सहायक पूर्व छात्र सदस्यता के लिए पात्र हैं।

मानद पूर्व छात्र कार्यक्रम

वे छात्र जो भा.प्रौ.सं गांधीनगर के स्नातक नहीं हैं, लेकिन भा.प्रौ.सं गांधीनगर के कल्याण, प्रतिष्ठा, प्रभाव व प्रतिष्ठा में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, उन्हें भा.प्रौ.सं गांधीनगर द्वारा मानद पूर्व छात्र के रूप में मान्यता दी जाएगी।

पूर्व छात्रों के साथ जेईई ओपन हाउस

हर साल भा.प्रौ.सं गांधीनगर जेईई एडवांस क्वालिफायर और उनके माता-पिता को ओपन हाउस सत्र के लिए आमंत्रित करता है, जो ऑनलाइन आयोजित किए जाते हैं।

पूर्व छात्र समूह

पूर्व छात्रों के संचार, बातचीत और मिलने-जुलने की सुविधा के लिए पूर्व छात्रों के पोर्टल पर पूर्व छात्र क्लस्टर चलाए गए हैं। पूर्व छात्र समूह पूर्व छात्र समुदाय के लिए एक समर्थन तंत्र के रूप में कार्य करते हैं, अपने साथियों के साथ जुड़ते हैं और एक मजबूत भा.प्रौ.सं गांधीनगर समुदाय का निर्माण करते हैं।

छात्र नेतृत्व कार्यक्रम

छात्र नेतृत्व छात्रों व पूर्व छात्रों के बीच संबंध को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न पहलों पर पूर्व छात्रों के साथ जुड़ा हुआ है।

बैच उपहार

स्नातक करने वाले छात्रों ने बैच उपहार के रूप में अपनी सुरक्षा जमा राशि का एक हिस्सा गिरवी रखा है, जिसे बाद में कक्षा छात्रवृत्ति में जमा कर दिया जाएगा। 2022 के स्नातक वर्ग के प्रभावशाली 59% छात्रों ने 4.68 लाख रुपये के अपने बैच के उपहारों को समर्पित कर दिया है।

मीडिया और संचार

फेसबुक, लिंक्डइन, इंस्टाग्राम, ट्विटर, और पूर्व छात्र वेब पोर्टल सहित विभिन्न प्लेटफार्मों पर नियमित रूप से क्यूरेटेड सोशल मीडिया पोस्ट। व्यक्तिगत जन्मदिन कॉल, शुभकामनाएं, पूर्व छात्रों की कहानियां, धन उगाहने वाले अभियान, द्विवार्षिक समाचार पत्र का प्रकाशन और पूर्व छात्रों की वार्षिक रिपोर्ट।

पूर्व छात्र पोर्टल और मोबाइल एपीपी

पूर्व छात्र पोर्टल व एंड्रॉइड और आईओएस प्लेटफॉर्म पर मोबाइल ऐप का नवीनतम अपग्रेड कई नई सुविधाओं के साथ बेहतर उपयोगकर्ता अनुभव प्रदान करता है, जैसे कि विशेष रुचि समूह और पूर्व छात्र समूह।

भा.प्रौ.सं गांधीनगर ईमेल खाता

सभी पूर्व छात्रों को भा.प्रौ.सं गांधीनगर से जुड़े रहने के लिए भा.प्रौ.सं गांधीनगर ईमेल और आईटी समर्थन प्रदान करता है।

पूर्व छात्र करियर समर्थन

करियर विकास सेवा और पूर्व छात्र संबंध कार्यालय उन पूर्व छात्रों को सहायता प्रदान करता है जिन्हें करियर समर्थन की आवश्यकता है।

पूर्व छात्र डेटाबेस

पूर्व छात्रों का डेटाबेस पोर्टल सभी पूर्व छात्रों के सभी विवरणों को शामिल करता है, जिसमें वर्तमान स्थिति, शैक्षिक पृष्ठभूमि, व्यक्तिगत विवरण, भा.प्रौ.सं गांधीनगर में व्यापक शैक्षणिक इतिहास, दान रिकॉर्ड, पारिवारिक पृष्ठभूमि, भा.प्रौ.सं गांधीनगर में पूर्व छात्रों का उनके समय के विस्तृत ट्रैक रिकॉर्ड, पाठ्येतर गतिविधियाँ, अन्तःशिक्षुता, परियोजनाएँ और नेतृत्व पद शामिल हैं।

पूर्व छात्रों द्वारा सलाह

यह मॉड्यूल पूर्व छात्र पोर्टल में शामिल किया गया है। पूर्व छात्र वर्तमान छात्रों को उच्च अध्ययन, करियर विकल्प और पेशेवर उन्नति पर सलाह देते हैं।

5 की शक्ति

5 की शक्ति भा.प्रौ.सं गांधीनगर के पूर्व छात्रों द्वारा 5 लाख रुपये के व्यक्तिगत दान के साथ आने वाले वर्षों में 50 छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए भा.प्रौ.सं गांधीनगर की एक साहसिक पहल है। इस पहल के अनुसार, 5 लाख रुपये का दान करने वाले पूर्व छात्रों को सालाना 1 लाख रुपये की स्थायी छात्रवृत्ति मिलेगी।

- पूर्व छात्रों ने 5 लाख रुपये का दान दिया
- यह राशि 10 लाख रुपये बनाने के लिए एक निजी दाता के साथ समान रूप से मेल खाती है
- संस्थान 20 लाख रुपये की कुल राशि बनाने के लिए 10 लाख रुपये के संयुक्त योगदान के बराबर योगदान करता है
- 20 लाख रुपये की राशि का उचित निवेश किया जाता है और सालाना 1 लाख रुपये की सतत छात्रवृत्ति का सृजन होता है

2022-23 में स्थापित पूर्व छात्रों की अनुदानित छात्रवृत्ति की सूची

पूर्व छात्रों का नाम	छात्रवृत्ति का नाम
मदन तलदेवकर	श्री जनार्दन तलदेवकर छात्रवृत्ति
अभिषेक नावरकर	आशा एवं चंद्रकांत नावरकर छात्रवृत्ति
नील नाडकर्णी	देविका एवं प्रशांत नाडकर्णी छात्रवृत्ति

पिछले दो वर्षों में, हमारे पूर्व छात्रों द्वारा दस पूर्व छात्रों के लिए संपन्न छात्रवृत्तियां स्थापित की गईं, जो कृतज्ञता, निष्ठा और संस्था को कुछ वापस देने की इच्छा को चित्रित करती हैं जिसने उन्हें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद की। अब तक कुल 23 पूर्व छात्र दान छात्रवृत्तियां शुरू की जा चुकी हैं।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर
पालज, गांधीनगर - 382 055, गुजरात